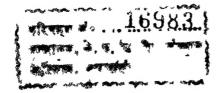
(short)

(डूर.क) चुन्नाची गोर्गाहिया

मूद्राज्ञीताल्य रेव के क्ष्य प्रध्यम्या

NOT TO BE ISSUED



८मःश्रुवःमुयःयदेग्मयतःयन्।

वृ्च धर.पर्वेच.पर्व्य श्रुषाता.प्रप्राम् विषावेदा.वर्.वर्ट्राची श्चिलास्वान्त्र कु स्वर्ष देश स रच चुन्दाचड्ड चद्दी सह रु साचिह सि है । चर्डा a24.xu.2.mu.6c.x 2.a.d@c.2c.ust.vegt.vegt.dc.au.da.n. अकू.वे.प४.यंब.पी.पर्विष्य.पुष्टः। बु.कृष तथ.कृष्य.पर्वे.भूप. अवे.कूंपयः **すめ**・毎ペ・ちに、 ちにん・夏にち・私・夏・ロ気 多す・日ち・「ちロニ・五」 へをお・ちりにお・ बह्नेद'महेरै'न्नट'मॅ'बॅन्य'रेय'बेन्'ग्रे-क्षेत्र केद'स् महु'**रक'मसे्द**'द्व'**देय'** च कुन् देना सहि नाव स प्यव लगान्द व उस तान्दा व स सर् कुन् नासर क्रैट.ट्यूटस.एग्रेज.टट चश्य.त। व्यवत् च अव.टव ४४४.विट.तैव.चब्रुस. न्द्राचर्य प रेथय प.रूय पय.श्वर.क्य.पर्टी प्रथं प्याचीर्य प वटी वर्षत् नु मुका मालकार्ते व नुःमानुतानुः स्टःस्टःमी व्यव हा निः रहत्ववय स्रः ञ्च'यु'ठव'न्पुटराम्ख्य'न्टा ख्रम हमार्य'न्म मख्या मर्थ'रेमाकुन्'मदी त्र-११ व्याचन ११ वर्षाया ११ वर्षाया १५ वर्षाया १५ वर्षा नाबुद्र के व व हु नश्चा श्चे.४वील.नथट.केट.। वै.र्दे.कूब.श्चे वेर.शेने.स्नव कर्ट्र हनाई गुःगंबिरःयर्वरं भवं तारसंदि सरावृक्षेत्राचया सेता ने बार्धिया ह्या वा वार् निट्नी निर्देश निर्देश

न्द महें 'स् मा तहस न्युद्य ह्र माहेर न्यद मा है बसारहस्य न्युद्या इस कुला चन न्यतान्द हुलाटनाद्द रमा है से कु सि है निय द्वा गर्डट न्द्र सर् प्रमास हुँ र झेर घर गर्स में स र्गे प्रमार हैं है में सम्सः मुम मेन मु अर मामुरा। युन् अर रेम मन्य प्मार्ट युन अन नट रेमा यते बर् कु वबब रु कु नद्र द्वा कर य व व दर्म मार हैं द या निकार प्तेय सेंद्र तर.कें.पंत्र के.भवष.रेमे.फ.कित.८८ मेथफ.तर <u>क</u>्रेये.तद्र.मंखेंट... ब्रै क्षुर बर पा विष्ठ्रं वस पर्वु ८ पारे पारे पारे प्राची स नेश.वे.शहर रटा नवर नव्या में वर्ष विकासी विकास के विता के विकास र्च प्रमुद्र नियाला में विष्याला में निया में नि त्रज्ञिल'इस्ल'र्⊏ । Gulय.ख्रमेय.द्वेषय.षेठ्य.रे.पर्वेय त.त्योध.त्येचेट.र्घयेथ अह्ट.रेट । नहेर हेंद्रस्य स्वास्त्र स्वास्त्र व दय होटाय यह नहें स्वास्त्र मेंद्र पुरायदे नहें स्वा ळेवंॱ**ग**हेरॱख़्वॱइवसॱ८्८'। तुषःधेष ग्रैॱगहेरॱळेवॱयञ्चॱऄ॔८'गबस'सर्दै' ञ्चन्यः ब्रेटःयः ८८ः। वळ्नं गुरःयदे छवः ब्रेटः यदेः परःयरः परवः नहेरः हृदः हेवः चकुराक्षे प्रति बनामहिराकु अर्वेदि स्मालुदाम्बिमानु दिलामार् देव केदामहिराग मही रहा विव वकुर नेहा है विव है विव है हा विव निवाद है न्त्रम तन्त्रित्य स प्रमुखायाप्त्रम्यात्वा अह्रित्त्रा हेर्रा हेर् मृत्यं अर.रेट.रेव्यं टस.पोट्रेर.पथ.वैट.तप्ट.बत.क्र्य.क्र.पोब्य.रेव्यं टस.पटेया न्यत् वेन् प्रतानम् । पुत्रानम् । र्षन्यायुव् वेव् म्यतः महे वह द्वारा विवास सहर केव स्'र्टा दे'र्टा हेन खेल द्वेल परि म्युट हेन श्वर हैन गुनि प् लचलान्त्रमा पर्वेदाळ्यायाच्यापञ्जूदान्न्यापर्दित्र्यायाच्चाळ्यापतिः बहूर् ज् हे पह हि पर या है अहूर व रवाता पट हे हि जि खेलवा हैय रहा गा हिनेब.रूभ,नेबंद्राच,नेखंद्र,रच,ग्रेनेब.रख,दंगे,नेब.११भ,ग्रेब,हंब,एहन,.... इसस्राम्यान्यस्य कुर्वास्त्राम्यायान्यायस्य विष्यम् स्रीतितान्यस्य स्वापन्तिता

प्राच्यान्यान्यान्यान्याः कृत्यत् विन्ष्याः विन्याः विन्यः व

पत्रस्तिक, क्रूस, समस्य क्ष्र क्ष्

बद्यतः बर देवः तरे द्ये : बुद चेद पते द्रेशनयः खुल लग द्रनेय वः ः ः महें म दे। (वेन महे क्वांगुद सव महुल म नशुम रम देव में केहे अहें द पश्चिमात में बेश जुमेश पर हूँ वे पह पहेंदे परूथ मुंध में 'गोर विमे देश श्रेट . र्ने. प्रधेनं स हेर पर्वेष वे. जंड्र. व्. हूर्य त. नै. वे. विपानप्र. प्रेष ४ व्या. व लेब'स'म्ह्र्रि'मु'म्ब्रुम्स मुख्य ह्र्रि'मुेर्-ब्रे र्व्ह्र्र्राम्बुबर्-ु'रुर्-ब्र सहै'ब्र्स्रा र्देव रेना'य'न्दा धुव अद्दायके'रेना'नावस'सु'न्दाक्'ना य**र्ध'न्दान्या** न। वृद्दन अद्दन्द्र। वृत्रह्नि। व्याप्तिमा व्याप्तिमा व्याप्तिमा क्षे.द्रवायाग्री.द्रवात्तर्थःवद्य स्रवात्वर्द्धवात्वर्धाः क्षरःवर्षः रुचेत्रावर्धः वित्यार्यः। र्राह्मा हैर म्। र्म्यामानक्याह्र्रानुरानुःक्ष्याम्बरामाह्रीयामा **ठटालटार्नायाक्चे महिरत्र्नात् त्रार्मान्यम् ग्रेख्नायाक्ष्याः विराम्यान्यस्य ग्रेख्नायाक्ष्यः विराम्यान्यस्य ग्रेख्नायाक्ष्यः विराम्यान्यस्य ग्रेख्नायाक्ष्यः विराम्यस्य** मिव'यय'नेय पुरे'र्से'गुव ल'रहन्।यरे'रुद्व'य'ळेब'ळेर'स्व'य'क्वस्थाल'''' देवासर नु न्वीयाया देवाधिका प्रमान्या । द्वाप्यर नु चिन् की क्वा स्वाया स्वी हिन्। स्याप्ति । त्रित्य वर्षव् । वित् कः क्षरः वः वित् । विव् स्व यः देतः स्वयः । कुल वृद्ध ५८ कुल कुल कर कर विराय हुन प्रमुद्ध किया विषय के साम

मिट ह्याँ पर्पटट वंस महिनास पर तक्ता! ॥

भिट ह्या पर्पटट वंस महिनास पर तक्ता! ॥



नैन सून का

विया(इ.त) तामिश्वस जुनास तर हूरि तपु पर्सेर त्रूस जुस छै। गीर विमापह सून्या पर्सेर प्राप्त सहित प्रश्नित प्रश्नित प्रश्नित

द्र या न्त्र दे कूर पहर में तहन है द रेम पर हे मा

- 1 दिर' विस्त हिर पहुंद य शेव य केंद्र में ते शुवाल हर पहें पर क्षेत्र हा
- 2 तक्षण हेत हो छण हु पष्ट्रद"य वेण तमद य तत श्रद मंत तु यह तु यह म्राया
- अ नुस्ती लिम्स् स्ति खन्तान्त्रीन्त खु प्रयत् प न्त ल्हल छेन्
- 4. ९विंद म ९ शुम छेत् कु कुद महद मदि समय।

महिस या तन्त हैन हैंद'या हैंद'हल रेस यर है या

- 1. वृष् मा हेन् वृष्ट्व छन के लब हु है सूर प्रवेश्व मद अन्या
- 2. बूंद'म महेंद् पर'हेंब्ब पर रकेंद्र मु महे महेंद्र म व दूर पहें सूद्रता
- 3. व्राथमित अवस्ति तर्दे सहत् च च छ म्हेब च व्रव मते अचव।
- 4. दं न्याया है है है है है शिवाय है में निर्धाण है नि

मिल्रिकाचा पर्वत्या एक पति क्रताग्री देशाचर हे मा

1. पहेर्रस देश पाति क्रम द्या पांचे स् पार्थ स्माया

- 2. सुद्र में केंब रहेंद्र है सम हु है पर स्माना
- 8. चलाव के मझु म इसस मन्द्र मदि स्था
- 4 स वयुर हैद बरे मन शुग्य मन्द मरे झम्य।
- मले मा ज्ञान महून तहन पुरे ही मा दे है भूर दर महे देन मर है मा
 - 1 ममूद्र म तम्बाव मति खुल नु हे क्षेत्र न्त्र मति क्षानवा
 - 2. 미드제' 5 최 월도제 명 다용적 중 여 등에 다 두 다 두드 다시다' 결국 형 필드 다 다운도 다리 웨다제
 - 3. ब्रुट पकुर मेद ह इनल में पुर व वर्षे द वरि स्वता
 - 4. रेन् न्द्र ब्र'चूद द्द वर्ष महे चुद व वर्हेद् महे स्वतः
- क वा लेग त देल विभव में पश्च पर दूशत है यो
 - গ্রিল ন্মর্ব ন্দ প্রান করি লকর্ ৡিন্ ন্দ। দারীর রূপ। দক্তন্ ৡর্

 দক্র দান্দ্ দাই প্রান্ধ।
 - इ. वर में ब्रंथ त रच में में चढ़, थेंचवा
 - 3. मुद्र बेलव ग्रै पहार स गहें ५ सदे ब्रुपका
 - 4 रमानहर में हैं व य हैर यम् यह स्वता

हैगाता द्वापड़ द्वापड़ देवा

- 1. बुद अंट देन महे नदस प्ट तहेन हेद महे अम्बद्धायर मृद्या महि सम्बद्धाः
 - 2. वेष्य हे हटानेव में ब्रेट व्यादमानर वाज्य महि स्वाता
 - 3. कु वर्ड हिन् में बेन म द्व मर नदन महे अमना
 - 4. गुन्न ह् गुन्न हैं है वेग महे हम मर महन महे ही मान
- न्देब.ता वेच तामुख रच के चश्चन वारुश्चातर है।चा
 - 1. तहल छेत् है हें है जेण इज यर देव मरे झ्यवा
 - 2. र्श्यूट श्रे प्रवेश के स्ट हम प्र प्रदेश प्रवेश हैव प्रवेश देश
 - ३. गार्ड विष्मु पा देशायर देश महि स्वामा
 - 4" व र्वेच देव, तथुं, देव तर हथ तर सेत्या
- चक्रिया। क्षेत्रायाक्षेद्राह तहत् क्षेत्र वाह्य वाह्य वाह्य वाह्य
 - 1. हिम्मे तहन गुन के के जान के के जान में में मान वा निवास

- 2. कु मठव हिन् की वेन यह झान रम के मान न महत यह समा
- अ पालन स्वाल में हे सेवा मारे में स रम कुत वाड़ मंद्र केत म किन मारे में प्र केत म किन वाड़ मंद्र केत म किन वाड़ मंद्र केत मारे में प्र केत में प्र केत मारे में प्र केत में प्र केत मारे में प्र केत मारे में प्र केत में प्र केत में प्र केत में प्र केत मारे में प्र केत में प्र
- 4 में हे येण पारे क्रिंग रेश सद माण्या कर छेत म छे छण हु मञ्जूद पारे क्रिया

र्व या पर्वेद्'यु व द्र लव्य में देव यर छे वा

- 1 मु महत् हेर् वेग यह व तम इस यर ग्वग्यह स्मता
- 2 त्य्व सु हें हे विष्यति स सम हम पर महना परि स्रामा
- 8. अस मे अद अन वेनव वर्षेत् हुँद् य इस यर न्द्रन्यति झ्रमना
- 4. स त्युर में ना नशुस के स लग द्वापर जादन परि झयस।

पर्द या अध्य हित रम्ब सिते रहाय हित रहाय हिता

- 1 अक्रव हिन् में वेण मारे श्याम सु मान्द त्य द्वाय मारे स्वामा
- 2. व्याय में बुद केंद्र में दूरेय मुद्र मानद स द्वार माने
- 3. में हे वेग मदे अवर वृग् में द्वा स पान्त म द्वा मदे स्वा

ब्रह्मतः अरः 'नृषे' पः अर्ज्ञन्तिः 'नृष्यः प्रतः । स्वान्तिः नृष्यः पः नृरः व्यवः अरः ।

47.52.1

화소. MC. 다 중설 및 설 출다. 및 다 선신. 대 다 중설 및 설 세설명. 다 선생 급. 출도 출신

न्द मा मनुल बेट इन पड़न है तहेन हैन हैन यर है मा

- 1 हिंद प्रवर्ष हिंद मह्रद् म हिन्न म केंद्र महि सुन्त सुर मन्द्र महे स्रम्या
- 2 तक्ष्मि हेन से सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्
- 3 पुंच শুঁ নিছন মাই পুলাৰ দুউ শ্ৰ জু নাৰৰে না দ্ব নাইন কৰি পুলাৰ দুউ শ্ৰ জু নাৰৰে না দ্ব নাইন কৰি স্থানৰ জ্ব
- 4 रिवर परमुप छेत् कु क्रीद पद्गद पर स्वाय।
- मिहेश या पर्वा मेर में हैंद य मेंद खेल देश तर है या
 - 1 क्रिया हेर हिंद स्टा क्रिया है हिंद मानेपाल पर स्राया
 - 2 क्रिया बह्द पर ह्यांच पर २००८ कु पर पित्र पा स ५५ पर
 - अञ्चल तारे श्रेस होट प्रेट सहर ता तार महिन ताहे में तार स्वत्या।
 - 4 सर माना में हे है अह लग्न के मुंद्र देत मानन हार सर रुक्त माना में है है अह लग्न के मुंद्र देत मानन हार सर
- निविभागा प्रमेश्या राम प्रमुख्य में द्रभागर है पा
 - 1 प्रमृद् प दल पति हैंस हैंस प्रमृत पति स्पर्धा
 - प्राप्त की स्थार की स्थार की प्राप्त की प्राप्त की स्थार की प्राप्त की प्र
 - 4. व रणुर हैंद बरे यम शुन्य मन्द्र यह समय।
- चल या ज्ञा प्रमुद्द सहमापुरे हीता है है है दूर पर पर देनायर
 - 9 4
 - 1 मझ्त् म तस्मान महि लाम 5'हे झूर दर महि समना

 - ~8 ब्रिन नवुर नेट'इ'इबक्युं विट'न नहें र नहें सनय।
 - ४० निव निवल्दरञ्चल नृत्यावक्षायते चुल्या महिन्यते स्वता

לםיםדיםן

तर ध्रमें भक्क बुंध ने च जब मुंग्य चय ग्रेश न। (ध्रमें ल म) तर ध्रम् प न प्रमेश नर्थे क्रम ध्रम् ने ब्रम्थ व्यक्ष मुंश्य ने ग्रेष प निमानष्ठ मोबिट. लिग्य थेंट देश क्रम मुख. देश.

> ध् म। ध्रुण्य द्वा मिस्स कुष्य चार रेस म छुष्य। रहर्ष र्वा क्षिय न्यंद न्य क्षिय सहस्र कुर्न्य। यहेद द्वा रहर्ष कुद्र यहस्र यन्द्र यहे स्वस्र।

- 2 व बर में हूंब परव हु छे पर श्रम्ब
- 3 मैट अंभव में पश्चित रा पहेंदि राष्ट्र संपर्धा
- 4. रेन ९६९ मुँ व्लास श्रेर पन्त सदा सदा स्वामा हुना मा विंदा सदे रेस स ले मा
 - शुक् ऑस देवा सदि पाक्ष प्र तिहेता है के सदि लास क्ष सर वादावा सदि क्षांच्या।
 - 2 वेग म के छूट नेस म ही है निवस इस मर महन महे निम्सा
 - 3. कु महर् हैन वेण पर इस यर महम पर माना
 - 4 नायद स्वाय है है जेन यते हुम यर नाबन यदे स्वयं।

नेप'झन'का

चर्ष चा सेच च.च्य रच में चथन च इय.चर हे चा भक्ष. खेय चे.च.जय चेच्य.चय.चश्च चा(४ ज्ञंज.च) ४ म्चान प्रचयन्त्र मृत्य ४२, प्रच.चे.यघ४. व्यय.च्य.च्य. भ्याचे. ग्रेष्टाच चथ्र.चेच्य.च्याच्य.च्याच्य.च्याचर.

- 1 तहल नेत् में हेतु केन् इस धर देव मदे स्वास
- 2. व्हिन (वं प्युत्व के इत् देश द्र पद्र पद्र पहेल हैन व्हिल हैन स्रदेश स्रे स्वास

- 3 प्रें में इस पर देश पर स्वाप
- 4 विष्णु इस पढ़ि इस पर देस परि स्नामा

मक्रिया क्षेत्र म हिन दे रहेत की महान म देश मर है मा

- 1 हिंद दे तहेद गुद में हैं गदि के अग में क्षेत्र स्थ पहुद पर अगरा
- 2 कु सक् हिन्ती वेन परि स्वा रेश ने मान प्राम " " -
- उ माला स्माल क्षेत्राला
 उ माला स्माल क्षेत्राला
 उ माला स्माल क्षेत्राला
- 4 हि होना परि क्षेत्र रेस अद ब्ला नार्ड ये र छेन् य छे झन हु

न्यु मा पर्वेत् मुल न्द लल मुहेल पर हु मा

- 1 कुं अठव हिन् चेन परि स सम इस पर न्द्रन परि सप्ता
- 2 तन्त्र मु है हे मे परियास समाम माना परि स्माय।
- अ लाव की व्यव लाव अवाय व्यवस्थ ८ देव क्षित महात्र वाव वाव माने
- 4 म त्युर में पा ग्युक में स तम हम यर ग्यम यदि झ्यस

महिमा अवर धेव तम्ब मिते रत्न मिते देश पर **मे** मा

- ा अळ्ड हिन् ची वेग मारे लझक स गान्त ल न्यम मारे झामला
- 2 स्नाम ग्रे शुद केंद्र में नृदेश शुव नाहद ल न्यत वर्दे स्नामा
- 3. हें हे वेण यह अवर शुन ने रसव स नाइन ल र्वन यह नामा
- 4. नामर ख्नाम स् रह्युर शुनाम है तसम ह हे समा हु गाँउन ल रचन धरे झनमा
- बहर'बर'न्वे,च'बह्नां ने,चूंच'नेन। ह्रब'नप्ते,चूंब'न्ने,च्नि

५७४.कन

विन मह क्रें मुद्द सब महुब म नबुद रम देद में केहें अहें द महुम	
त मासुका सेनाम धर हूँ द पति पहुंद पहुंच सेच च गुद विच।	
(£, _d)	1
ह्म अर न्ने प्रमान के न्या अर्थ नियम कि नियम क	
वर्ह्न देन वन् पर न्यावरताया	3
नर-तु-न्ने न न्व न ने न्ने न	4
न्द मा मनुल बिद इन महन में तहन में दिन देन धर है मा	4
1 क्षेट विकल हुँद वक्ष्य व सेन व केय वंदे सुन्य हेर वहें द वरे	
뭐다지	4
2. ८६न हेन में मन्तु महन्य विनाद्वन्य यहर बुद् केंद्र	
대본국 대형 워크제 · ···· · · · · · · · · · · · · · · ·	5
3 नुष में विदेश विदेश स्थापित निष्यं स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स	
नहित् मति श्रीमत्रा • •••• • • •	9
4. নিদ্দ ন নগুন উদ্ কু কু নাইৰ নাইৰ নামৰ। ••• • • • • •	11
मेहेबता परेजानेर हेंबता हेंब रिज इस तर है ता	14
1. वृंद म हेंद्र हिंद हम हैंव श्र ह है हम मृत्या मारे अवता	14
इब्बाध महत्वार हिन्दा सर तकत कु'निहे चलेन स व नृत्	
चते श्रूपत्र।	15
3 श्रुम मारे अन्य दीन स्ट्रैन सहित म मह पहिन्य महित्स्य । • • • • विकास मार्थित महित्स्य । • • • • • विकास मार्थित महित्स्य । • • • • • • • • • • • • • • • • • •	17
4. विद्वानाया में हे है अहे श्वान के मुद्द देद विस्त विस्त हुद्द पर पु हु	
古名 岩口刻 ****** * *** * * * * * * * * * * * *	18
वासुकाया प्रश्व म दक्ष मदि केंद्र भी देवा म व मा व क्या व	20

1 मध्य म एवं महे केंस हैंस महित महित्रमा	20
उ तिर ने क्ष्य तिर में चिन ने छे पह स्थानना	21
3 मन्द्र में महु मह्मार मन्द्र मिन्दा	23
4 ख तमुर हुँद बरे यम सम्बन्ध मन्द मरे सम्बन	24
मही या कुल महुद तहन मुते ही मु र दूर मते रेम मर	
ब्रेग	26
1 महुन् म तवप्य मदि छल पु हे झुर प्रमदि झूमल। • •	26
2 मृत्या हत् बूरिय सु पङ्ग ह वरुल य दर य दर यन् युव मु	
및도 다 피존도 다양 취디하	28
3 ञ्चन 대행도 위도 등 목적적 첫 및도 다 다본도 다리 묶다지! ••	32
4 देवा नाइव ब्र पुर त्र घठव परि पुर म महेंद्र परि झमला	36
हि या हैचान र्षण द्विश्व भी चश्चन संदुः रुभ च हे चा	42
1. প্রান দ্বার দ্বার প্রার করি অর্ক গ্রিদ্বান দ্বার ক্রাণ একেন গ্রাম করে গ্রাম করে প্রায় করে বি	
चन् यह झ्रवा • • • • • • • • •	42
2 इस्टिने इस्टिन २ विनित्र स्टिया	44
8 चिट बेबल के पश्चिम मामहित्यात स्पाना • • • • • • • • • • • • • • • • • •	48
4. २न १६५ में स्व म हीर मन् मद समय। • • • •	51
रेंबेता ब्रबतपुर्वत है या	55
1 बुद केंद्र देन मारे नद्य दृद तहिन हेद महि लग इस मर नद्वन	
지축 취직적 ** * * * * * * * * * * * * * * * * *	55
2. विग म के इट नेल म के कि मदल इस सर मादन मदे श्रीयला	65
3. कु मळ द हेन् में वेग म दम सर मंदग महे समय।	72
4. जुलद स्वाल है है येन धरे देश घर मुख्य धरे स्वाया	80
मनुद्रा क्ष्मा वास्त्रारम कुष्पत्रम महत्व सर कुष्पा	89
1. ब्रह्म गुन् में बेल केन इस पर देख पर स्वापा निकार का	89
2. लिंद व मञ्जा के इत देश दूर परेत माईव हैन लिंदी हर पर देश	
다리 뭐다지 ***********************************	91
इ. मृत वं पृष्टु ना देव गर देव गरे सुगल। 🗥	93

है। । विश्वसः वर्षेत्रः तस ४८ व. त प्रमान्त वर्षेत्र वीत वेता. वान्त्रित दी । इसायर अद सहर ले नेस नद केद सहरी । व शुरे लानु मास्ना मकुर देन। निवसार्मुमसाक्ता कर मान्य मास्रा हिमा । स्त्री अञ्चल देल स्व. पेरुपा बटा लहना हेव विस्ता । मि अञ्चल वट क्ट लहना हेद निश्च अर रतिया । निष्ठ रर हैर में श्रेष्ट में श्रेष्ट निवासिक हैर निवासिक । रेप लट रूचां भूद चर. ही हीट चले चहा । एहचां हेद हो च संचा च हें हा चार्थ भार ष्ट्री । तु.वंब.तूट २.२८ तैर.तंबा.पर्व पर्वरा । पहुँब.पब रपं. ८ विश्वत. बक्षय हैं र.केंट्रकें अड्डा । हैट स छ हे जातके दे हिट स स्थापटा । कें अकू जि. पहेंद्र हिन प्रमाप्त प है। अकून में शिष से ने वहन में उरिल हिन मेवा ।दे भे विर खुना के वट श्वेश करे वहरा । विर पुरे पर्व पर्व परिवः ८इना हैव निवस । हिर छ पहेन्स अर नव्स पर पार्व पार्व मा अहर-द्वानाय हूट वर्षेष ४८ प मट। विचय हेर हेर्यास देव प्रथा इसार पुरार्थम्य। विद्वास प्राम्य हेत कुर कुर के रहिन हेद के वा । रना नश्चर्रिया हिंगाई रहे. पढ़ी जेन नकर्। । व्राक्षणमा हिरार्गिया प्रिया विद्राप्त विद्रापत तर नव्या ८६ के हूँ व सर द इस तर है द सह द है। । नव द नवि स है न ब्रेब-र्वा-र्वे-विनःतर-पर्वेचवा । श्रिट पर्वे-पर्द, वै-पर्व भास-रट-र्वे वेबा त्री तत्र हीट पढ़ी नंद्र या पड़ प्रेस महा । ने द्रम कन्य तहेन नुसर ब्रध्यानुर पर नश्चर्या ।यामहर्षः र्पार चुन् मृत्ये हिर् ख्राया । बिर hau. 튀구. 다음식·다. 경네·다. 명석·되당. 영네석·축소·디톳스·다당, 취디석 첫 1

2. तहेन्'हेन्'डे'चन्'रु'नक्षन्'त्'वेन्'न्सन्'त' न्न'र्डन्'रून्'रु'न्हेन्'नते'स्नन्

तहेन् हेन् तर् द्वाकनम् नावसारहिन् सूटावहा । सूर्वावहर्निहेस

लस (इ.र न) हूरे. में पड़िन हेर है। विश्वल तर्ब हैं विश्वल परंच न वा विषय पर्दर विष्यान पर्वाता र्योता रिविष्य वर यम कि.क्ष सिट प्रधु रिवेश । निष्ट्रै ह्रेंट अद्द नश्चेण त नवट त्रूर. नेगेश । र्वेट.चुंब.कि.चर्चेतव बंबर की टंगुंल ४ व्रिट जा । कर चता भक्ष कुरं प्रेंट बुंब. पश्चित्रयाति विश्वया ।रमः तत्त्रीयः यः यरः द्वार्यः तद्वारमः तत्र्वाः ।रः रमः रे निर्व क्षेत्र पढ़ी किर खन नुपा । रे क्षेत्र वसन न्द क्ष महेर पनि नुर विर बैन। विषे म् भक्ष. पत्र पश्चेर हि एववंब. प है। वि पढ़े. छ. पुल में विहरायन रण १८। विशेर लव मान हर वस समितर दे सर्ग हरा ह सक्सा वसाम बुद्र खेत यद देश पढ़ी । दि' अहर ' पहर ' मेद' हिंद ' संप्र प्रेर' इ.परेंदा । पर इसस लव. जब पचीर रिव रूप अक्ष्य बेरेशया । मिट. पर्छ. ब्रैट खर् पकुर्र्द पर्य पर रविषया । ब्राम्य स्म मि ह्या में मु हा । अन्द्रसः म्चेट खर न्य दे नेद र्नु अरा । विराधन रे में ख्रेयसाम मुन माहे। नि न्य परार्'प क्रें कु अळे माणा। । तथनाम सुलान्स मारे विट-पु-रे-वन-पुन् । तिन्य-पति-निद्य रेते विद्य व व्यय-प्ट-पिटा । पर-पु-बर्द्रवं बर्के के द्वेनव पद्धे देव। वि रत्यत्य हैं पद्धे द्वेनव पद्धेरे के बर्के प्या । वक्षात्राम् स्यानी विष्टा मृत्यान विष्या । दे हिराह स्यान वक्षा परे ग्रीट-पु-प्याचा । शिवारयनावार्या स्वाच श्रेट-निय विट सर हें वा । E. सरा श्रदःमः मब्दः इत्यः वे भे भावता । द्युशः च भे 'द्रम्य म्द्रय दे य भे 'द्रम् । र्न त्या देन्य ग्रय कु वळ के द्यार है। । है अव र र र पावित ग्रेत है अक्ष्यत्वता । मुल केद्र रेया पढ़ि सुद्र मेर मार स्था गर्हा । (नुस्र व द्या न्युक्र भु मिन्य । देक्र कुलामिन प्वचन मिन भु मिन सुन । कुन कला का न्दिं केंद्र (३ ३६) ८५ य. र्रे . लेप. अर्हे । | क्रियं प्रवट र ८५ व व व दि र हुद

नव्याप्त परवा नि केत वयायापर हीव कन्य हे साथा । पहेव परि त्यम् न्यत स्व त्युल न्यतः ग्ववा । किटल रेल स स्वामः ग्राम् मिलस मादस माइ दुन । गुव की में ट र र ते हो वेद हर ह हो। दे हि स स हर न्यत् धुनाके नदयामन्। नित्वस मित् हु हैस त्युर के बितारसन्य।। हुँ पञ्चल पर्वता वे १९व रटा प्रविषया धर ५६ म । दे १५ म का से ५ देशा सम बीचातर ४ ट्री । ४ में नह मू व महीमय पिट शामकेरी । ही अपूर मही. र्षेन्य रेम ग्रेयामुनायर पर्वेत। । प्यय रेमामकेत् वयान्स्यायरे परातुः कन्य। दि मद न् बन्य के द हैं अके द स पढ़े हैं। । दे द रहे द हैं जन द्याप्रव नवसायित भूरा । निविन्य विभय प्याप्त निवेद प्रदेश स्थाप्त नव्य हा । इ. हुद्रे नव्य नयुक प्यक्ष नापृक्ष नयुक नयुका । १८५५ [PAN द्वारेसर्व्याप्त श्रीटाकेषायदे । श्रीटाख्य वकुत्रप्ताप्ताय द्रन्यःन्। वि. चर-र्युत मः मकु र मकु र पर्वापः है । । १ र् र मः खुवः इं'इ'वुन्'हेर रु'युन्'। ।यरे'ल्बॅं'न्द्'ल्बॅं'यह्'हे'नु'र्न्'। ।हे'नु' इ.तम्.ट.२.लट.र्थातर.तथ्ये । विविध्यां प्रश्नाय पट्टारस्य विषया ठन्'णुर्'। ।के'न्र'विरम्'र्श्वन्'र्यम्'वम्'र्वेन'रु'न्वव। ।रव'र्र्जेरे'स्म्' नहलाकुष्यकुष्यका भिग्ने वाह्य निवासम्बद्धाः विष्यक्षात्रम् बर्न्युबरम्ह्य वेटर्रम्बरम्बर्धरम्बर्मा विश्वर हुन्मव्यरम्बर न्युक्रमा । वुर्र्र्र्रायका वुः क्षे द्वास् उपवित् । देणुद् क्षे न्वार्यः क्षायः मान्नियारम् तान्ववा विभाकेरारवसाति।सार्श्वेरादेसायारवा विदे व् कर्ट्याके प्रतामा विषया । विषया के प्रतामा विषया विषया विषया । न्दा ।(इ.३ च) ने वयानबेट हिंदानर टे प्रवास स्वास । लाह्ना स ब्रान्य विनाय वर्षेत्रा । स्वितार मेन हेत् हर ह्रीर न बुका स्य हुन

का । पहिंच ही तथ ही व कि दे हिंदार रखनाया। । रहे कि रखें पर हरे म्बला थ्रे. जन्म अष्ट्री । जुरे तथ तथ्य में वे वया स्थाप हुन हम १ वर्ष है। १३, 🛮 बूट बेट बट वर्गुर कुल में 'चुट। । 5 व चबेरे रेब ८८ रेगव चबेर व ५५.वैरा । मेश्रर २९७ वटस वैगेस ७५४.पूर वैंदर घ.लटा । विकेट हि. पद स'तर्नर'त्युद क्रेंट मुख्य दे। ।रेस यॅर'त्यद युद् य पद'र्षर्'यर निश्चया । वि. चया प्रमुख म्राम्य अर्मेन हेव. अक्व स्नयः। वि. ८८. रूमः अश म्ट.श अर्रेट.त भुरं । ४ हता.रें स टिशेत.रें स ४ त् त प्रअस.टरं.४ तूं. क्रूटला । हि.श पथथा तिरेष व्यावितात्वा त्या विषय है। । रूप व सूट अर. Rक्ष व्यापहुर् कृष्य हो। । प्रायम पहित् प्र मिंते प्राव मा सव के भेश तहिया। हुँद संक्रा अपे विषया विषय विषय । लिस क्यां में त्रा प्राप्त प्राप्त प्राप्त विषय । म्हेश्या सन् कर् तहेन् पर होत्। वि पत्त क् नहेन् हो या सन् पत्र प व्यवर। । श्ररायदावी प्रवासी वार्ष्य प्रवासी । श्रिता प्रवासी प्रवासी प्रवासी । म्बुअन्यास्त्रवाकन् तहेन दिन्नुसुसार्नेनातहेव सुवाननायकस्याना , नदी तर टे.अट. पर्वेट. तथ. ४ इ.चे. श पर्वेट । विर्वेशय. तथ प्रश्नेष कृष. वैच. व. इ. पतुं तपुं । । कन्यानान्य तहना हूं टारे रेर पर प्रमान है। । है। में रे ल्ट्रन्र्भय तयान्त्रीय कृष पश्च । पश्चम पानश्च सरदायमानियः नश्चायात्रम्। । तहनायत्रकायत्वात्त्वात्रम् वितायस्य । विदेनायः विनामार्का र्वेदे र्वेद्याम विद् । र्नामिति बिरार्ट हे हे न्द्वास विवा । के तहेन्'गुर्'त्युट'त्य्य तु'केर् धेर'र्!। तिहेन्'हेर्'ग्रे'यन्द्र्राय विना नम्ब पार्ट युव केट र पहें (इ. १ व) पह से मार्थ सा ।

८८ प्रु बटब केव केट के केल म्राप्या । रिवित तरु तिवय म्थयः पण्य वस के वर महावा । महिम हैं र दमर मेल सावत द्वार के हा । यान्तीय हुमार्य मृत् अधिय मेन यदे पर। । व्हुव या अधिव या मान्ति नत नहन हर परमा नित्या वस विद्वी नहन पर दूरी नित्य हिट नर. र्चे पुर ५ लाम व्हें ५ तम मा। वुच ५ तम लुद गुर भेद केद मर प्लेद हेन। । P. ब्रेर. वाक्रेस प्र हे हे हैं रे हैं। बि रेश रूट प धिश त्र पश्चर खेट. लखुर। ।इस्तर हेनाल सुर्दे हेरे विर खनाला । ता न न्नर'मं रच विं'र्दे'अ'र्द। । कु'कद सर्वे सद्दर्भ सह्द। । सर्वेद सं'र्देर देंद्र मेंद्र. पश्रेश देश पश्लेर। दि न्य स्ट्य ह्यें य स्वं पश्रेश देश। भिदः क्रिकु'कर्द्वते व्यवर युग होत पत्त्या। । तहवाहीताक्ष्यां त्याणे सापरा निश्चा । इ पर्वे पार्वे में हुं हुं हुं मूर लिन ला । रिग्रेज एक्र लेन बहु खे परु'न्हेन धुन्य प्रवेश: न्युया । विष् वे रह स्थे रूटः प्रवेद हा न्युयः न्या । बर्नाव्यस्त्रम् व्याप्ति पद्धि हिन्द्रम् । हिन्द्रम् सर्पर्मरम् सर्वः इस्याम्राम्बर्मा । तह्म हिन् कुन हुते हुँ पुँग्यात्यम्यारी एता । ने दस नुर-पु-रेश-पर्वद-पॅर-प्र-भी । कु'द्रम पह्नु-ल प्र- मान्य स्व मादना । वर्षेत् यामञ्जानवेन न्रुन्वान पङ्ग्तनामवे। ।शेत् यासुकार्डा कान्येनापे । लामहेदा । खुद्रमा के देशे पर पु जि ला लेका । हु मी निर्मर मेर पर पर पहिना Bअ. देशक ८८.। वि. श्रेर. हे. ये. इ. तक्री द्वताश्चर कर्ता । तालक त्रश्चरः

हेट.रे.हे.घ.ज स्वेयत्राप्ता ।व्याप्त स्थयःवेष्ट्राच्य स्वयःविष्यः खुर्। निम्नाना मुन हे खट दुन दुन है किन नि । दे तम है द बन दे न्यट 필 हे हिंदा । एस्. रिल प. पड़ेब क्य हे (इ. 4 口) विश्व बचा निंदा । वि क्य. च¥ हि कर्ट है. अब धिट । विम्र. त्र विभात्र त्रिश के प्रमान है। वि.रम.रम ब्रम्क माष्ट्रिक मालया विस्त में देश में देश में में मालया पर्श्नर १८वा । द्वार क्वें र क्वें प्रश्नेत्र क्वें प्रश्नेत्र स्वेश स्वेता चेंद्र । दि शक्ष र्श्वसाने प्रमृत्र दिन में उन् । तिह्या हेन सूर तह्या नुसाम बैदि हिला लट र करी विभागवासहर तर हेर तंत्र सहर नेहन है। विश्व हरा से द חַלַת פַּיאָאים לְּבִריתִאיאָן וֹלְ לִחִיתִבּתִיפָּלְישָׁישָּלִים וֹלְ לִחִיתִבּתִיפָּלִישָּ षद । । श्व.रच. चचे र. ग्रीया श्री. चारीया है. चविता । श्व. हे. ग्री. के. से ग्रांच स ब्र-भ्र है। १६र-पद्धिति-वि-वि, पद्धितिद्धिति । १४ हूट कि नि दे.पत्नेव.रत्तवा.क्र्र.पत्नेता ।अह्य.तराचीववय.टेव.श्रट.व्यय.टेने.पा.क्षे । न्त्रुन्य व्यवत् स्वार्यान्य प्रमुद्र नुत्र स्वार्यान्य । दे प्रविद्र स्वाया स्वार्यान्य लन्दि हारा ११ मार्थ स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्था ११ मार्थ स्था वि चट.ट्र.पद्धे.ल। विदेरिट्स.बुध्य.चेवाथ.कि.चचिर.चेट चेवाथ बहुवा । **बैट मबला अ में लिट हुन हु पबैर ५ में है क नहेन है। । ५ स सबर ऋ ५** ठेन म हैं पक् हैं प्रा | दे भे क्षेत्र हैन हैं न हैं । खुम उ छुन र म द्धभा दे। हेर बर्म नेहम । विभाई. धामान दे. नेहमान हमाने विभागा । नेनामा उद्'द्दा'दे'युटरा'ते**,'पर'टी,'पंगीयो ।धुट,भर्यर क्राम्रो**,श्चारिस्मात लक्ष । श्रेट.५ चे. लक. क्रुच, जे. खेट. च. हे। । चहुनक द्रांदेन लाका स्प्राट चेर. इव.तपूर । रिय.ग्रे.४ वर.पूर. खेनाय. रेशनय थे. नयक. म.रेट. ४ इ.स. ग्रेर. क्र्राचर्र्रायत्रेश्रम्

4 तिर्मान त्रान होत् हा हेन नश्रम परि स्रमा

ह. म. हेरा । वेट बुब है इज त ईशव जून तर है। । वर् जब से ६ १ व) मुल ८८ पठल स्र केंगल पहे। । शल सल रूँ ८ पहुर तहेग हेव क्रेस पर न्युत्या । त्य मे हेद दे र्वा व छ द श वा । यि नेय कुद र मान न विहेरे इस सर नेया । निर वन रस दर हिंद न्यल सन्य सु चन्दा । में सहय एहिन हुए प्टिंट एक विशय नविष बेबा ।य पूर में य कि हिर पंच हूर चीन. है। । मुव इसम ने २ में न ही सपुर लग मैस पहुंच। । प्राच्या पुरा रेट नव्य मेन श्रेद प्रवित बेट है। रिल्मियाम देल रेट सेर हम रमाना सिव नुबुद्या ।(रुव विद्रार्थन्य) बेबब दे मुंद म दुव महद नहद निर्म हुद्या। लबार्टा मेर प्रात्मा वा वा कर अध्या । वित्याम् स्व द्वा हैन ने मुं मुं मुं न मुं न वि न में न विश्वत्य (भट्रे. कृ. प्रय) ह्य. एचंट्य. भट्रे. पार्ष्या. भट्रे. श्वाया । एट्य. प्रयः रदालयान्वन्यानेत् कु है। ।यन ह्व कु कु त्व या हुन हिन तरे कु। । प्ट.क्र्य.र्क. थय.तु. पश्चिर. श्रेष भ्रेष चैं। । श्रेषय.रेट. श्रुषय वैट.अर्थ्ट्य.त. स.संब.की ११व. मृत्य. व्य क्ष्य गीय. वे. प्या. तपु. की। वि रची. रची. त वर्ग. चरुथाईव की। ।कै.जब हैबापडिटाकैट कुथानईब न छ। ।शतझेनबा Gट.भ.तर्बर दु.रथा शेर प्रतया । शत अध्य गेर प्रजूष, द्वाय पट.के. अर्थेर. प्तेया । मृथ-रमः ग्रुथ-र्यू न प्र्यूची-मः मृष् प्रस्या । कुः क्षे हेम्सः ग्रुथः इत स.चेर. तपुरत्वया विजय अव र्ट्य पय र्ट्य वियानन्त्रीयः ल्बना । ने भरात्न्याच्याण्य नराचल द्वा है। । तन्य याच्याण्डे साकुः लन्न के प्रतर्भित्त । देश हैं व.अ.तर्च तर स है। वि. अर्थे.

न्युक्र.ह.चेहेक्र.चढ्रे.चेट्र.चर.चै। चिट्र.चै.घटक्र.चर्.चै.ह.कै.फु.चेरा । अवस स्वायाक्षेत्र प्रतितारम्बारम्बेरान्याया । नेयान्या प्रतारम् इसस-रिम्नेय पर्त-मेर्ना भिरायानाम मान्त्र मान्त्रमा महित्या । मेर्ने नुराधालास्यायाम्बुट रु नेया । क्विरानुरानुरानु (इ. ६ म) यत् तर्माया हैंब. हवा प्रतिदा विकास अपाय श्वाम हत्या वी पावी पटा हवा । हेंब. अत्य गुन तम् न्या क्षेत्र शिव ग्री कु। । पहुर दे ने पर कुर र दिन दे दि र ने न। १९ मु अद्व म गुव सव म नुव धर मन्। । कु स गुव गुव गुव स्व निम कु'म के ने वा । सर्वे ८ एम ८ मण्या के वा है व के मार्या के के वा । दे स वना मुन् १९६५ हल न्युयाय है। मिन पहिल परा नेय प्यानिय परा में में हे ब. सम्मानिक मुकाने व प्रथा प्रमान में हैं है। विकार प्राप्त पर प्रमुख-सु-ह्रो । ब्रि-इल सिल ग्रैय पहेंच स.पर्या, प्रपु:एसवा । अथय. क्ये. कृ गुरु प्रतिस्थ मार्क श्रेव लचल। ।चे ५ कु है चे ५ लचला स्था मह मह का कु वैं। दिव नमार्किराम समामहत्र मात्रुमाणुमा। गुवाहमाकु केवाहेवाहिमा पत्रीयानरात्मुद्रा । प्रदासनाचर् निर्वेशक्षराव्यानरावेदानर्भेरा । रिक्रापपु.क.पातर्वा.वे.बुरं.त है। १३र्थ.श्रामालयालयार्टा हेंगी चर्चल.पर्वेट । ।ट्र.जय.ट्र.पव्नैट.चेश्वेट.ज.स्वेश चतुर्व.बैटा। ।<u>क्र</u>ंट.चेशज. सत्त्वान्येवन हेर् हेव केर् है। ।रद्मीन रद्द स्थारेवारर् छेर्षित्। । म्ब्रियाम्याम् विद्यान्ति म्रिया द्वाराम् विद्या । विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान **८६५.४८.चेब.६। । अथय.वैट.४२.वेर.खेर पय.वेबेवय.खट.बेव। । छट.** विद् जळसम सुर श्रेत यह हिंदर विर हिंदर हिंदा । विद् र द गुद मिंदर पान क्रम्बान्त्रस्य पद्माराय। ।८वितान्नद्मान्त्रस्य पुराष्ट्रस्य । ह्नि-कु-तहन् मेहन पात्रम्य समय छला छ । न्या नेया के नया न कुन न कुन प्रमा **८८.ईच**.तपु पत्ता प्रज्ञाः विचानविषयः रूटः प्रे.क.वे.वे.च.वा । प्रे.सबः

न्तरायक्षा अव अव अव अव अव विष्य हैं। विषय विष्य अव विषय के विष्य विषय के विषय निता हेर पत्ति लिया रूप के मेर तिय हैत.दा निविध वर धर.त.सहया ल.रच.रे.ब्रैंना किर तर हव है.भुव रे.क्षत.एव्रेंन.लेवेबा कि.ब्रेंच बेंबु क्षे.नव्य.लन्य (इ. ६ व) श्रुव ६व हैन । श्रुव अप्राप्त रना स्वाप र विला है। क्षेर हेर्.चैत.भू. पचेर. पर। । चै. पश्चर.प्रेर. पहुंब. कुर टैंच. चंत्रस. पालया । तकर नोबुदि रूट ट्रांस मेशास कव हो। । क्रमा द्वाया नी हटा तहें देवार होता क्ष ग्रेयः शहर । । दिलामुद्रीय विकासमामुक्तार । निक्य प्रतिकात्वर केट.त्रोंच पश्य शिवायः विष्य । विषय क्षेत्र प्रतिट.प. बेर्ग "चेर हुंबल पालका । इंकिन बुद हेन गुन हिंम देन देन हो । हिंक ल महेद्राक्षर संग्रायकेद्राय १९ मा १९ मा सूर्य प्रति । विराय सूर्य प्रति । विराय सूर्य प्रति । सब्दः। ।८विद्यात् हेर.र्स्य.ल.पंचायेटचाक्ष वेटी । अथय क्यांच्यय. गैव. थटब. बेथ. हेट. त्य. विटा । इंट. ઉતાંચ ७०८. ઉતાંચ. क. तंत्र. विता. विता. वित. सर्द्वा ।१नाप्पकृत्प्त्वान्वलायम् नहुमायाः ।१८ न्यास्यः म् पद्भरावेगाना प्रता । विराग्यता रकरायत है दे अनामहे याही । ख्रिप:र्ट:प्रेट्:पड़ेश्वर:प्रविष:प:३'ह्रेप:र्या ।प्रेट् सर्:ज्राप:यर:प्राट: ब्रदः ब्रुंगल पर्। । ८ मिर पार युवा छे द कु ते द पर दे वार स्वाय स्वा । विवा मिरे झें 'गुब्' पर्य प्वतुष्य पाय बुद रस्य रेब् स्वेर केदे रसहें द्रा प्रक्षा पाय विकास त्तर्वाचर क्षेत्रपरि पश्चेत् पाईवः वेवः पुनः पुनः हिमः हवः पुः पाः शवा वृत् शः वेदः ।। विव्यवस्य क्षेत्राचित्रप्रवेदः पाईवः वेवः पुनः पुनः विव्यवेदः ।। **ब्रॅन्पड्न'ग्रे**'ल्डेन'हेन्'रेम'यर'ये'म'ब्रे'न्न यहें। ।

प्रेश्वःचा प्रताति । ह्रियः ह्रियः प्रेशःचा स्थानमः ह्रियः व्या

1 ਫ਼੍ਰੋੜ'ਖਾਲ੍ਹੇਤ'ਬੁੱਤ'ਭੜ'ਫ਼ਧ'ਡੇ'ਮਕਮ'5'ਵੇ' ਫ਼ੜ'ਜ਼ੇਰੇਗ੍ਰਪ'ਖ਼ਫ਼ੇ'ਐ਼ਸ਼ਗ

तहन हेर तहेर यह कुल य दयन बेद लया । यस्तर यह तहर प्रचेट बटब क्य कूट ने टीया । तट टबर किर टक्रबेय घरेष छट. यें ब्रिट. कुला । विन वर युन्य पत्ते न पर प् र्वेन प व्वना । वर वर वर्ष वर्ष कुष हे रहल देन बहरा । दे लहा खेन दबवा हरा व देन खेला । न्युका लायहेव वयान्यायर खुन्यायकेनायकेना ।ने वयानु पुर केवा केवा कर्या परि दी । अकूर वंश वेंचेंब (क्. १ प) पश्चिर नेंदर अप्रांत म्राप्त वंशा । ह्येच कुर्य जीयंथा खे. संब्रा में . संब्रुष्ट में जो । रहा स्वरा में ज वर्ष है है हास . · ला । श्रम् । कन्त्र में प्रम्म विन विन विन । स्वाप्त परुण्यवर'रद'हे**ं गुँ**या ।ईं परि'र्य'पत्तर'र्श्चर'स्य'स्'पक् पानुपा । खद्रायसूत्र विच कद्र न्युक्त विद्रा । दिन विद्रा स्वयान्यान्या । मि स्वया विष्या विषय विषय विषय विषय विषय विषय टे.पारटेवा अहूरे रहू वा अक्ष्रकार टे. शुर बाहेश विषया विषया प्रमेश मार्थ मार्थ सा **য়ৢ**व् केवल ग्रन्थ वेद 'पदुव्। ।दे 'वल ग्रन्थ केद 'द्गु' रु 'ब्रुंद् 'ध' ब्रुद्। ।प**ेंद** लस.मूं.प्राचनार्म्युराय त्याचाराय हर्। ।त्यायाचीयात्याय ह्राचाराया एकद् मिर्रद्रि विक के में प्रमान्य विषय विषय में

इ.रन्य क्रम्य नम्मन रम्ब तर नहीं । विन क्रिन तर महिन रू मबुक रता । तु सर पढ़िर इसस मदस मदस प्राच्य हिल रता । इस मिर्हे र्वेष अप्राह्म विश्व अस्त स्थान स्था की विश्व न्वं न्य मह ने । १३८.८ मह ने १८ हैं विन हिन न १८। । १८४. ग्रैट.पथभ.भु.विप.पर्वेष.रेज्ञूस.तप्ट्र.रेचट.। क्रिट्य.चेब्य.क्रुवेश ग्री.पथ वंश. र्ट च्रु.चर। बिट्ब.भर्.चंरुच.रट.चंरुच.तथ ब.टैच.तज्री। बिर्थेश पथ भ नेळ.प.रथ.पर्थ.पर्थ.पर। ।स्र.श्चे.श्च्रेत पथ मुंश.पर्वेश क्रुचेश. महिलामहीयवा ।तनार हिनारमदान महिल ५५ वर महः द्वा है। ।महिन त्युय त्येट'म्'त्त्व्य'क्ष्ण'यट्य'मेन्'च्च्ना ।न्नट'हॅ्व मेय रम'ठ्व'दे चत्या बेर पहेंचा । वर्षेत् हर हेंद मा हेर दे हैं अर् र । । दे पर वहेंद पर्चेर। । षट. द. द्वेण . प. अष्ट्र नं . प. अष्ट . च वे स्थाय त्रुव . प्रत्य । विस्य देशय त्रुव . प्रत्य । बहरी । अथवः अक्ष्माः व्यान्य पश्चितः नृतः तरः तरः हो । पश्चितः पतिः स्नित्यः वसाबुराम स्नाप्य गर्समा । प्यतायते । स्वतायते स्वतासह नाप्ता । हुंद्राम हेट हूंद्र विट किंग में लिय. टे. ह हेर में चे चे चे चे चे चे चे चे चे चे

क्रयः सूप्र, क्रेयं, फा. ट्रं-, बाट्यं, ट्रीं विचीय ता. क्र्यं, क्रेयं, त्रेयं, क्रियं विचयं, फायं, विचयं, फायं, विचयं, प्रत्यं, विचयं, प्रत्यं, विचयं, प्रत्यं, विचयं, प्रत्यं, विचयं, प्रत्यं, विचयं, प्रत्यं, विचयं, वि

क्षेत् व्रवागिष्ठचे पामकान्त्रवे स्वयराष्ट्रियासर्। ।वर्रार्टाक्षे क्षेत्राचयः सम्ब मुल १६८। विन केद्रान हुन वल केर व बेव नर ही। निबंद रें चर्चलाता.रेताब.छर.रूब रूल.रेथा ।रेपट.सूध.हेब.सूबयाचेल.पर.बैर. तर विश्वत्या । निर्मार क्रवाय हिरावहियार विश्ववादयानिया । विश्वया यर-८म्'स-मुख्य-पर्युद-श्रेद-स्रवर-ल। ।हम्-स्रेद-रहेर-देर-हिन्द्रेता ।सन्यासुरावकनाकुयाबुवानयान्द्रावान्द्रावान्। ।हे हे येना माने चष्ट.कैट जबाहा । अ. हेना गीर हैं हैर जबा क्वांब हव दवा । ब्रैटि मा बुर्'मधर'र्नार'एवर'वस'बुल'र्सन्या ।वेन'केव'बु'र्ट' बुर्'छुर्'एर्'यर' वर्षेत्र । दे.हेर.चर्चनातर.ट्रव.चैच.हेर.च्.मा । प्रवेचन.क्र.संटन.चैच. बवुवायञ्जल हैटातहेदालवा । यदिनवाहे द्वारा मञ्जूनायहेवादवा वर्ष विष्टः ख्या विकामनेवामा हेर्नामा राष्ट्रिया वह नाम हे । विकास विकास ह्रच. श्रव. च पुंचल ता विष. प्रव. न्या प्रव. मह्रव. क्र व विष. प्र. न । गुद्'क्रैट'क्रेट्'य'य'बर'कुल'क्ष्रस'लन्। ।ट्वट'व्य'ग्रटस'बेट्'ह्व'र्सस' बन्याकुत्राहे। शिरामनामुण्याराम्यानामुन्तराम् (३, ४ म) पर्वरा । a' अर्'देय'र्द्द्र'श्रेर्'अवरे पुर'येयय'वेष । र्रेण'अद'केद्र'यर'युद्र'अद् चयात्रात्रात्री । हे क्या हे हि तकट चर्मा है ताराहर है। विदया क्या के विदर क्रे.क्रेंब.पज्रंट.तर.चंबेटबा १५व.घंबेर.त.लट.र्ट्य देवाब.ठ्या.वाबट.क्रेंबाया। ब्रह्मा हेव 'हुमा हु 'स्टस कुस मासद प्रस प्रस्ता । प्रद द्रमा देव 'द्र दर दर ब्रूट'हुना'मॅ' मर्नेदा । रटः मखेव ब्रुक्षानावसाना उटः रेवा देना केव क्षमा मु गरुम देट रे में ट केन रम र मुम्य मदेन। । गदन मट र देश महामा मिन् ब्रायान्तर देशावता । ब्रेवाया वर्षाया हेर्नाया स्त्राया । मब्द्रम्य ४ ५५ जु भूमक र व

भक्षताचा श्रीता सेहा सहराया चर्चा ता स्वाया । श्रिवा सेवा देवा देवा देवा देवा देवा देवा स्वाया मेंस. १८ - अर. ग्रेट. । विव श्रूट. ज. ज्याया अहट. ज. पडे. मेंडे स. हा । ट्यार. हेब.चेब्य.थे.टेश.त.हेच.टचर.च्या ।इय.झे.चके.चडेब. चडेच्या.त.इथ. 트레. '오고리 | '오프와, 빌드, 또, 너, 그런, '디스, '입어, '신리의, '집 | 그렇어, '로리의, '머니, २८.बै.५वेज.वेबय.वे.बेबया ।इ.घष्ट्राधष्ट्रेयाचे.च.वेट.ट. वश्या । तम्रे के.क.रूप.२.पूर्वाचान्त्रममा ।क्ष्यां द्वमाराम्यः प्रमाराम्यः **८३८. जेथा । अर्थ अर्थ के अर्थ प्रमान का जेथा । ज्यान का जेथा । ज्यान जेथा जेथा जेथा जेथा जेथा जिल्ला जिल्ला जेथा जिल्ला जिल्ल** करः थ.४ थ्र. चेनाथ.४ हर्व. ज्ञाया । पर्वत्य्र. हेना हिर्द्धार प्रमान हर्वा हिर्द्धार स्था हिर्द्धार स्था हिर्दे वै.विट.वय.वेट.श्रीच.पथ्या । इट.इड.ध्रेयस.पहचा.सद्व.सद्व.क्ट.बिट. ह्रवया । ज्र.वैत्र श्रेष्र श्रेट त्वश्रवा नाय राज्य । व्याप्त व्याप्त व्याप्त भक्षत्रन्तिःहर्-दुःत्वर। द्विष्णे स्वर् वस्त्रम् सुदः हवा हेदः यरः वानेवाना । नेव. हैं. ब्र. तबर नालव . वव . तर्दे . तु. ही । ब्रेंब . ब्राट सं न्या न व्यव न व्यव न विवास न विवास न विवास न सर्व जिल पर्वता । पत्रवाना नित्रवाना नित्र प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश । | दू. बृ. ले. तेथ. थस्य, तर. हूर्याय. वेट. ख्रेग | व्यव्यायायाया नश्चर। ।श्च.मव्य.श्च.रव्यत्यश्चर्यः द्वारा ।श्व.मद्वरः व्यत् हेर. गेर. टे. बेय. तर अस्टा १४व. ब्रम. खेना मा अप अप का मा युना कर तिनाय से हेर लेना मह तिया बाहरी । क्रमा विम् में क्रमा अन्यामा

रुट्टर अहर स प्रकृत पृष्ठ प्रमुद्ध स स्मृद्ध स्था । ता । तिर्देर दे त्य प्रकृत नियम धुन तिम हिर्द्ध मिन स्था भुन दिस इस्थ १६ व्रस्थ नियम प्रकृत समा । तिक्य पृष्ट क्ष नियम स्था ।

4. 주기·미지대 폭' 글 ' 글 ' 최유 ' 명미지 ' 원 ' 커디 ' 레디' ' 무료지 ' 명기 ' 디디' ' 임 ' 디디' ' 워디지 '

विया अक्ट्रया हर याया में हैं हैं हैं असे प्रमा निम्म राधित या मार कर हिस हूर रूप हैं। रिट हिट म प्रतार, तीप्ताय, हैट, सू, है। तिहु, प्यत न्दि इत नर पर मेर किनामा ।रत हाने साम नदी र्वेन रता में लहे। । केद मॅं 'मञ्जूब' स्द' 'गुद मदम् 'गुद' हु 'मबद। । मॉर्बेद ' दु 'मुल' श्रुदे बेद ' दु ' रट.बैट.ज.रेथ.बेटा । बैबाल प्यार्गरायर.रट.बैट प्रटथ श्रेरेर ह्याया । ह्रचंबा कि क्रुबा सि हिंदा और । विविधा सार्वा ए से स्था ब्रुपाय हे क्रेया । ध्रमा क्रिया क्रिया व कर्न दाना सुदे हिट रेर प्यता । ति प्रीटर महीदे: दुल: क्रेट: बिट: मनस कर् कर् निरामा । क्रिय गुप्ति मात्र विट: प्र भे. क्य मेरेश्या । क्य. मेर. पूर्. मंया प्राप्त हैं . हैं ट. तुर. हुं ट. । रट. झंट. प्रत्य सेर.क्रान.स.स.झ.डी । विल.संट टेय व.क्राय.क्य.पर्मपता.ख्या । सं दल व्रिव.ज.रेल.वर्षण कर.हेर हो। । बर्थ.वेब.वे.अब्र.ज.स्वेब वीव. क्षेत्र समय अपनय तसुला । नमन केन् र्स्य रेल के मृत्य स्था केव ला । कुषि'प्ययःक्रेयः प्यव देटः। । स्रक्षः धरः प्रवृणः स्रवः क्रवः द्वसः पर्णे दः श्री। । इ.इर बटब.केब १व.मेंदु.रेज्टबत्तराचराचविनश प्रिटब.हीरे.हिरं.चेज्रेर. कैंट कर टूं हु एकट । निकट निश्च श्र बर्च की प्रिंट प्र छ। । अहर त क्षेत्र ह हैं व ज रवट उद्देर व। । रविय वक्षेत्र प्रति अक्ष स्रति भी उ ब्रम् । विष्याचार अकेन्याय विष्युम् सम्बद्धान कुर भार्ष्य हो । बिट टेट द्या त कि जिर हाथ कि मिय हा मिला । ब्रै पर्ते पर् हु रूप श्रायने अथ श्री । हिंद त विरे तर पर्टे रेट है बद मुखदा । अळव द्येरे कुद स्व इस दम द्ये ति विद रखें। ।दे हैद मिला मा बुग्र पकुर त्यंत्र प सूर। । स पहु प ल र द प बेर हुल सुरे बिदा। भि निद्या मेल के सम्मास स्टिस् हुन। निः के स्ट सन तम् त्तृत हुत मते ही। ।अकॅन ६८ देन मते हुन स दुन म दुन । तम् दुन नव्य स पर्ता पढ़ित के वा । इ क्रम्य झ्रम प व्र ए हिंद ने महिरा । यु वस वस ब्रद् मार्च हु देस म केरा । एत पर मिर सिर हिर हिर कर पश्चेल प रुदेर। दिवार सेव.पडेवाय तर बेंद प देश त वेथा । किल नुर क्ष रे. में में . से व पड़ ना है व पड़ ना है व ल पड़े ना है व ल पड़े . ना है व चुंवा । खिव क्रमांव छ ह्व क्रम में 'चैंग' खुर मर्ग । अहर मरे में या मार स न्नु पड्र ह न् क्रिया । दे प्र पुत्र सहर्ष म नुस्य महेव महे महिमा रट.वैट ट्रें हे हो गय पम में नवनिय है। रिस् प नट नेय महट ह्र्य रेग तथ.विर । विर्व पश्यर बर पर पर्ये पर हुन मथ.वन । विर पर्ये नव्य रवर.र.के.बुट रट्ट चबेंचवा । वर्ट.टट.के पर्वेण ज स्वयं चर्चर इति दी । अधित सन क्षेत्र व सं सं से व व द र दें में ना ना नित् न न हें हे (३ १ १) अपूर तिनाय ग्रे.से.रट.. बुट. नियय विर.तर. रे. खे. पष्ट श्रेपया सा द्येन'परे क्रें 'गुव् लक'पर्कुक प्राम्बुद्र रम देव में केरे अहँ द पश्चपाय मुख्या जिन्यायर् हूर्यायत पहेर् पहेर मेर व न्य व गुर्व विष्ठित हेर पास रित वेर " क्रुंद्र-मः चुंद्र-ह्राय:रेस-पर-देश-मञ्जू-पाद्र-।

विश्वया वह्रद्रायान्यायदे क्रिया ग्री नेयायर छै। या

1. पक्षम् प्रान्म प्रति स्मार्म् स्पान् स्प्रान्

है. शुद्र मि. श्रम बर्गित ति. पर्मित का विष्य प्राप्त है. ७ मिर प्रही। इ.स हीन तह नाहे व हे व देश रे मेर हिना हो । इस क्रमा हिना क्रमा है म् लया द्व पह पहुरा । दे लया ए म्वालय कुष पहुरा द्वा देवे व पहें च में ने न हें चेंद 'खेद'। | हैं नव पहें देन के व व ने न व न ने ने व त है। । रवनंत्र प्रवेद श्रेनंत्र केंद्र नेद होना स्थाप । प्रवेद नेत्र स्थाप चेर् पहेद यंते रतः पदिदःहेरा । एतः देः स्त्रे श्रें दवः दवः पापदुवा । जुर्वाया विषया न्युअःपर्हेन्द्रम् क्रवाद्वेश्यामेन्। । क्रन्यान्युअः स्वादेन्यम् स्वरः परः न्वेः न। ।न्न कुर् न्यत्य कुर ला र्या निस्तर मान्या । मु न्युर पुनाय नुषुवा । नेपार हुल विवय त्रिन्य प्रतान हिरा वह व वह । । नेवार पा प्रवान विवय अह्यं तथानं कुर्ता विहानं अधारिता तथा विहास मान्या विहास चन्ना । द्रेष. मु. द्रान्य चन्ना चन्द्र द्रान्ता । निष्य जन्म निर्मा हन्य ल'र्ड हूर्र-रन्। विद्युत्र-र्द दे हेर्नार्ट वत हुन प्रति । वर्ष त्तृत्यं वर्षाः कुं वर्षा वर्ष त्याः वृत्तः। ।षटः वः क्रमः द्वः पन् न्युवः त्वेतः गृहमः धुरः । ।हेः र्वेतः गृहमः मब्ग'ग्रिथ'द्वेरे'र्नर'देश विग'स'के कर हे हेर्'ग्रेश्य'तर् । **₹८.**वेर.२भ.वे.ৠ.४४.वेश.च४.घर्षा । भर्.ई.रवेटस.चर्रेर.तट.घरेर.

चिर् (जनायः श्रां । निर्मेष नार्य मार्थः क्ष्यः स्थानीयः चारः श्रीनयः श्रां । विर्वेष नार्य मार्थः क्ष्यः मार्थः व्याना चिर् मार्थः श्रीनयः श्रां । व्याप्त मार्थः नायः व्याप्त मार्थः नायः व्याप्त मार्थः नायः व्याप्त मार्थः नायः व्याप्त मार्थः । व्याप्त स्थाः व्याप्त स्थाः । व्याप्त स्थाः व्याप्त मार्थः । व्याप्त स्थाः व्याप्त स्थाः । व्याप्त स्थाः । व्याप्त स्थाः व्याप्त स्थाः । व्याप्त स्थाः । व्याप्त स्थाः स्थाः । व्याप्त स्थाः स्थाः स्थाः । व्याप्त स्थाः स्थाः स्थाः । व्याप्त स्थाः स्थाः । व्याप्त स्थाः स्थाः स्थाः । व्याप्त स्थाः स्थाः । व्याप्त स्थाः स्थाः । व्याप्त स्थाः । व्याप्त

2. ఆ= नि: ಹंग तिन है : इन रु है : वि: अवमा

हैर.अर्.रट ब.च.जुन्यंता ाट्ने.चं.टट.चू.चट्च.वु.चर.ता.वुं । विक्यं. टट.जिट.नु.कूच.लिट.कूचंचा ।ट्ने.चं.टट.चू.चट्चंचलु.चर.ता.वुं । विक्यं. कृचं.लिट.नु.च्रेथ.लें.कूचंचा ।ट्ने.चं.टट.चू.चट्चंचलु.चर.ता.वुं । विक्यं. कृचं.लेंट.नू.च्रेथ.लें.कूचं । ट्ने.चं.टट.चू.चट्चं ने । च्रेणं.चट्चं अप । कृचंच्यं अप । विव्यंत्राच्यं । विव्यंत्यं । विव्यंत्रच्यं । विव्यंत्यं विव्यंत्रच्यं । व

मुन्म। विर तहम श्चेन प्र सुन र्येत हिर मुस्त्या। । पर्यं न वस्य स মিৰ নেৰ্যা বৃদ্ধ শূৰ সূত্ৰীয়া । নাৰ্বি নাৰ্বি থাৰ (ই 10 ৰ) শাস্ত্ৰ নাস্ত্ৰীস না महु पहिलाहे। । अळव हे न केन्य नहें न महुव क्य वर पारुका । स्वर देव सद्द ह्रेन्य पकुर में खद लग परसा । व सब सक्द हेर इस मुख्य ग्रें विर हुंदा । वसल कर केल की खंद व खेल च हो । दे लद वकुर वि रूद दे विवे केंद्र है। सिंद विवे कर ल १व विव ८६२. व्या व विवा । विव ८० ন্ত্ৰ নাম্প্ৰ ক্ৰিল কৰ্ম আৰু বিশ্ব নাম্প্ৰ কৰি বিশ্ব নাম্প্ৰ 「다! 1로·エ다 중 최도 RE의 디디이 취미지 이 미정드지! 1월드 필드 콕라.렇드 बुदि'न्द बुदि पर आ । अ पासुक क्षिण सु खुल पठल कुल ए है। । पासुद बट्य मेब पय श्रीप प्रयासी किट टि. अथ। रि. रच हे अर ट्रीप रिट्र ह्युल सन्दर्भ । पाष्ट्र रुधुल दत्तर हिन्तास्याय सहस्य ग्रुट्या । ह्यासेन नबर ८५व हेंद पर पर्न पर्न वहुल हेता। । निनर स्व मद व नवद रखुल न्द्र व न्द्रेन्य। । र्नुत र्द्र ह्या द्र अपर विदार्द्र त न्युर्य। । ल लम् र गुव है द दल नैस चलेदा । विद सन्य हैं व स सहब सद चल्या परिःके। ।क्षेड् ह्रु. हेश महारा प्रमाण क्षेत्र मिनाया । ह्या परिः परः प्रा निमान केर निवास निमान हैं से मार्च स्था के निवास मञ्जर हो। १६ ह. पत्र विट ट्येप ४ विर खेंप. ख्राय घट। १८ विस हर. यनुन् तहें अवा के 'व केंब तमुन् नु। । इस्ति कुन् यहेव यमन कुन् प्वाविष 2ेंद्रा । तट्रे अक्र्य. ह्या. अ अट. दंश कैंज. तथ. यदित्या । यहेश हेंदे, टेंश की. लच्च तुरु ने उ.चाचा । इब्रुह ब्रीट रे प्रमूर प पश्चर देश पथेरा । हर 54.24.1.4.00 m.u.bez.ロタガ 引 1144.664.2 接て 集日からして口に विन्का विषयम्य पत्र विवास निष्य प्राप्त के विवास व

3 नगतः भः नशुः नः इस्र न्यन् । परिः स्रवा

त्र अत्र अव स्वाया । विष्ठ स्वाया स्वाया स्वाया । विष्य स्वाया । विषय स्वया स्वया स्वया स्वया । विषय स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया । विषय स्वया स्वया स्वया । विषय स्वया स्वया स्वया । विषय स्वया स्वया । विषय स्वया स्वया । विषय स्वया स्वया स्वया । विषय स्वया । वि

स् । ।

हे.च्यां तक्ष्रे, चंश्रेश, त्रां श्रह्मं । ।च्यां प्रां त्रां स्थ्रं, त्रां स्यं स्थ्रं, त्रां स्थ्

4. व्यात्युनाक्षेत्रास्त्री प्राचित्रात्रात्रात्री स्राचित्रा

एकर्.टे. तज्ञा विकास हुए, क्षेवर क्षेट ह्याय क्षेट्र, क्षिट तड्ड क्षेत्र थी। ब्रिक्ट, क्षेत्र क्षेत्र

ता इस स्य वत र्वट म्यूस्य सार्म्य । र्वेट्य वा वर् रहा क्ष हुन ने ने सा विषय में देन य कुष कय दिवस से दी दि के सार्म हिंद र् पठर महि में । हिंद म हिंग मेश सम हेगल (हर 1़1 म) केल झें हैं।। निश्च अर्थ निषय खे. अटश. मैंय परिट तर्थ हूरी । इस अर्थरे प्रदया सेव मुपाय रेग तहेद ला । यारेल धुद न्य धु मुन हे गसुस महात्या । मब्द ब्राम् प्रमान के विषय में में में हैं के बर्ग में विषय में में प्र भी.ती. के थेर. बु. स्वाय ग्रीया पर्तेया । ह्याय वार्थ यावर प्रम् क्र्य ग्री शैव. ठत ला । पष्ट्रत परि प्रेर पान ५ कार्न म मु गल्य है। । हिंद परि होट. चढ़ी कुलाम न्मूम्सामकुन न्। 15स.चेच क्र.व क्र्ल अर छेच म है। विश्वस. हैन क्ब.ल हूर अथव टेनट नधिर हैन। वि छ नेव व रर हे हेरे कु केल 21 「夏四、口は 光子、口母にな、七山な、エロ、美、夏 切出 「七口に 重く、お美し इतामक्षेत्रात्राप्तान्त्राच्याः । हिन् निः द्वेत्र क्राप्तवाराप्तानेत्र महितः अयो । मिपा क्षा क्षेत्र प्रतास्था । द्रिया वास्था । द्रिया वास्था अमिन, पड़े, वेयातपु, अटप, पट्या, धुया । है, पा ब्रेंच पा ब्रेंट हो यया गड़े, पूरा पन्ता । वृत्यु गर्दे द हैद देवा छ । त्या । विषाया । विषा रु'पकुर्'स्र अ'भ'ष'रेर'रेवल ठव'६ म एका ।विर्ट हेवांहेर वर्षा □हिंद्रास्त्र'म्यट'पदि'पट्न ।सट्द् खुअ'र्चेद् द्व म्यट'कुट् हेंच हे'पह्नद्।। ने न्ना के द में में में मार्य में द के बार विश्वेर मार्गेन द स सामर व इता मुल स्ता । दे दे देन तह व पह के पर्वे र तह । हे . क. हे . क. हे व घनन कैट.च.भथा विभाग्राहः प श्रयादेश पर्टें नर हो दिन हूरासे.रेट. ७६ में प्रकृता । लिट खेंना पानल भेट रेश पर देव हैं नल बला । गु. गु'र्इ'स्याम्य'भ'पक्वुर'रे'र्दा दि'र्द दुव'महत्व'ष्ठे कुर'हे'गख्न' है। मि.र.वे.श्र.वे.यं चे.र.पंतरा व.वे.श्रेच प्रदान्त्रेयंवावाकारा ।

प्रश्न प्रश्न प्रश्न प्रश्न हुं या प्रमुद्ध प्रश्न प्रश्न प्रमुद्ध प्रश्न प्र प्रश्न प्रश्न प्रश्न प्रश्न प्रश्न प्रश्न प्रश्न प्रश्न प्रश्न

न्त्राचि क्षेत्र प्रदेश प्रति क्षेत्र । प्रति क्षेत्र प्रदेश प्रति क्षेत्र ।

1. 日等の'다'(スピッス'다다') イエ'다다' (現立')

2.तिटान्तर नर्यन्। निक्षेत्रं नक्ष्यः क्षेत्रं स्वाक्ष्यः क्षेत्रं स्वाक्ष्यः क्षेत्रं स्वाक्ष्यः क्षेत्रं स्व ज्ञान्त्रः क्षेत्रं में स्वतः स रत्य प्रविष्यं मान्या में त्रा हिर अर । । पर्वत य के में प्रविष्य मान श्चर दे। । तिनेश लेप टें अस है एहें दें १३ वें से सी । दें दें से पर्दे वें से सी निस्त क्षा । स्व प्रति द्वाद ध्वाद्वस्य स्व क्षा व्यव हिता । किंस कुद् हित तह्न ब्रानान ने अपेटा । ब्रान कुर नात कर के ल लेल ने ज्ञाना । व तिहातु । वर्षे पार्षे व पार्षे पान पार्षे देवा । विषय में स्वास की स महे व महे स सदार् पर समा । दे द्वा इस देवा ही व लंद पर मानामा । मुप पर ही सम मु नाउद तहेद बान गुना । हिन अक्रन न्यु अते हिन स्वा अर निया। | देव बरव क्या (इ. 12 म) निश्व स एवन्य स्याया श्वा । निर हेवः प्रतिशत्ता श्रीव टिट्स क्रुपाया पासेस क्रिया । पिट्र प्रापारीय क्रिया क्रिया पर प्राप्ति । चर.शहरी ।रेह्स.श्रेष क्रेर प्रथूच क्रेच कुर चर्चार.? पर्श्वेचना ।रलचना ता है, जूर्यं व इस. बूर् त केर झिला त श्वेट था। । अ व श्वेश ल वर्ष अपन्य प्राप्त वूर ह्म महिमासंगय सहिता । प्रिनामहिन संगय ग्रीय पहेन पा के एप होता ह्रचान्तर,र्वाट हैवा हैवाय श्रेट क्र्य चेवाय क्रिया । क्र्य अप्रापंत वायात सूत त्व'र्हेन्'यम'पर्हमा |सर्नेर'व तहमाह्येत कुव हुन केव में'पदी । सन्' चिट. चेहे थ. सूर्वाय कैंजि. पथ. जिट पडेंचे. पढ़ेची विडेंचे स पञ्चेटय सह, ईथ. वर रेत्तत तर रेत्रा । व. ब्रेर. केंट. क्षय व्रत क्षत रेंटर वं य ब्रेटा । इत्यय. स्वया विट. में के अष्ठ स्वर तिमार वर स्टर्मा ट्रियट स्वर र चर्याचीच.तप्र बैंया ।लिल.ट्र.र्ट्र.ड्र.ड्रेची.तप्र,पविट.िंटय.स्रा ।पलवाय.च. लयास्य ८ तुराय केरा म्यायासहरा । वि दियानमा मस्यापि सकतास्य त्वेद्दी वि'वु'व्या अळ ब्रेस्या । वित्दा विप्या तान्त्र त्रामा विष्या विष्या व्याप्त वार्या वार्या

सर-प्रखेटी । निकेद-त-एलचाक-तए, स्रेप-टे-ह-, कैर-ट-र-पर, श्री तथ था । विकास पर-प्रखेटी । निकेद-पर-एकप्रकाक वा । विकास पर-प्रखेटी । विकास पर-प्रखेट के के इट होण. क्षेप-त्रकेद एक होण-प्रकेद होण-प्रकेद होण-प्रकेद एक होण-प्रकेद एक होण-प्रकेद होण-प

ⓐ,너설의,너성,너얼드설 | 나의,実성,네소,너렇고,다십근,骑다,등, 열로,너소네설 | 1 나라는 보살, 나렴면 없는 당, 다른 비, 병 등, 없었 | 1에너소,됐다. 훠살, 근로성, 근로생, 난다명, 더로, 튀근 다음 당신 및 전 및 전 및 보고, 및 대, 외소, 현소에 | 1억 등 업 더네,너는 다양는 상, 근육 및 전 및 전 보고, 다음 및 1명보, 및 대, 외소, 및 대명도, 대립대적, 근도, 다양성 성도 | 1회로 소설, 대급대적, 근다는, 및 다. 디오로, 범죄, 및, 영설, 네립대적, 근도, 교로, 현생, 및 역, 현생 명, 등 실 및, 동네설 | 1절, 동생, 근육, 육상, 근육, 및 성, 근육, हे बंच अक्टर रट.विर.तर वि रल विया । विहेद.त.वर श्रुल विवर.वर्थर. बुस के द । सहित मझ द गुलै स न्स के सार दुल म दे। । मझ द । मसे द । बदर'यद्न''अपिव'केद'द्वे'य रक्षेत्र। । यद्'बे बे यदुव व्या' बर'रय'हु'युद्धा भुभ भक्रम प्र.दं.पद्रे त.तम्र. त्य द्रेया ।८४.भभ,पत्रेपमः ह्य श्रर.मेळ्. पदर प्रविभागक्री । शि. प्रवे अधिव . ति. ट्विश प्रवेद भ्राप्त के प्रवेद । ता.चोजूब भूट चेबंबा.चेखे के.कुर.चट्टेटा। निष्ट.कुर्व श्चित अर्थताम अक्षरं.क्या निष्ठेत्राणीः । व्यापारि कुत्राच दत्रान् । व्यापारि । व्यापारि । व्यापारि । त्तृत यान्य यत्र पुर । । । । । । । विर हेन्य तह्रव छे । । त्रुल परे' पन्रुचुर' हुँ 'डुँग्र' तथनत'खल रु। ।(३' 13 प) वर् 'हुरे' ट्यूट्यरखेल.लूब्रचीय.इस्टान पहेला । चनुन्य पहेब्र ट्रिय ल.जूपन चन्न में. ढेरॱब्रेल। [बॅट्यर९रैर·र्ट्र'वे'हें'व्'र्ड्ज'र्द्रश्रेपकुर्। |म्बुयरअ'र्ब्रुट्र'लर्ट्रल' कैंदे.४ ट्रेस.चे.पर्बु.पत्रा १८व षष्ट्रचे.थक्क.कै.चे.८ट.चे.४ टेप.स्वेगा । विरात्यनात्रात्रात्रीत्रागुत्रात्रविदासः हृत्राता । मन्तरायमः बुनार्यम नहित यहे हिव् तथा अहरी दिवास सर् अहर अहर अहर अहर दे ते व्राप्त है ना हैं 'पहन यह होल' द्विया' प्रमेश संगया ग्रेस होल। । हिं 'न' से 'हें य द्या प्राप्त मञ्जर, कुट, पर्चरी । रेपक. रेट. बिशाल, पड़ेब, बंब, लब. ब. रेटा । त्र कुब. ही. हेब.पंब.रच.चेवाब.स्वाय.जा ।जहूर ग्रे.मर्थ. क्रैंब द्रवारतव मू.लब. पवटः। ।वृग्,वृष्ययाम्।वाष्य्यत्वर्षः हे प्वकृत्यवनः । वित्रद्यावरञ्ज पष्टः हिर्चाय रूटः वास्रे तरः बहरी विरः हेव. संयः ट्रवं अटूवं हेवाय वेषः क्राः ळेला । भेनकः चर्मकः व्यवाकः केन् केन् केन् कुनः कुनः कर्ना । स्यन् कः केन म्हेश्यार्थेश्यर हेट्रब्सर्ट्रान्यामा । मन्द्रञ्चलानाम मन्द्रेष्णानाम मन्द्रेष्णानाम तथनावा विद्रतिर क्रिया द्राया देश माना विद्र क्षेत्र पन् ताश्वेश्वान्त्रते में क्षेत्र मेंटा। १६४ क्षेत्र पावट प्रायम सहय क्षेत्र प्राप्त महत्

नर्र। हि स हेब गुराए वर्षेश हु व नर्ना । एट पर हेन व के देव दर कुरा सहरा । इसे धुेरी प्राप्त प्राप्त भेर रायर पुर सेर समा । रेस पक्रि पालय रूट लग अब क्ष प्युं गुवा । पन्द पति कु.कुर पवट ¤ व अध्य प्रत्य। मिं लिट पर्यट ब्रूल र्पाल हेव. हैं प्रय होता । रह्य पहेंव हिंद हेर हें व परंत अर दिया । त्याय पर, र्यूटस प. र जेल. हेर इस चिश्रिक्षा ।विषर⊏.ञूष कुँच ही बानाय कुं छ हो। ।पर.नालुक । श्नाय लिबाय बाहुर हेय एस्ट(इ. 1र र) भटा। विल्वाय बाबिट कूबा र. ह्वा छ. न्य विश्व हिला । व्रु म केट केव मकुन् न्ट रूट हैंव र्विया । न्ट कुन् बूष पबीर ता क्य में. पढ़ी परका | रिताल दिव घी. पह बीबीर में लग. खूप हुस। । पटक रद वण ८ चैर श्री. इसस ट्रेलस चैस। । ८ दिर. प्र.व स विसस. त भी में व कुना । इस वर्षे वहूं द क्ष्मिय कुन वर्षा ह्यां व ह्यां अर अक्टी । द्हें जू.कुं ब्राय गुँच एकर. 2८ झुपा ।य.हैं.य पथ रूप ८८ पद्य गुँच. बिना । तर्न म्रीत त्यार तत्य रित अभव विषेत श्रेष्ट तर्वेर। । विष्ट बचारत बैट ग्रेव अब्रिय लाग सब प्रचेश । ब्रिय श्रु ह्या त सुर ब्रुप्ट ह्या हुव. मञ्जीवा ।र्याय: स्व क्रव श्रुट: ब्याय: ग्रैय: देवायते क्रवाया । तिहर: सं. व अष्ट, रेजूटल तर. चर्चाल हुन सेज्या । ति. श्रुट विट क्रिय अष्ट्रची. रेट अटस. क्रस.चेबटा वि.अध.तर्यर.क्रंब.अहै.मुंब होता वितारत्रेट.क्रंन.ज. भिष्य,त देश,चेर्रिश,सूर्षा । व्र्वा घर जू. प्रवे. संय, तर्षे, हू. त्र्य, श्रुषा । तर, 2. इ बर ८६ अ स्वाय के त्रव नायी। वि. अ ने हूर्य अधियात ह में अपूर. प्रदेश। । ज्ञान् पद्भवाय कर वयान्याय सर्। । प्रत्याय स्वा हे. में.इ. पहुर येचना । पूर. टे. प्यार ब्रांग हैया देश हैं ए प्रापना । यह. इ. प्रत्यं थ. रेट. भु थ. वेटाश जियश यहेश । इ. श. थर. प्यू थ. इ. प्र. क्यो. नक्ष्या द्वित्यद्रव्याचर पश्च रात्रवेश श्री खेताया विष्ट्रया सैरामरः ल्मूल स्वा वनर वन्तर ववन मेर। । बर वह वन क्य अवेर अववीर निष्य महिष के ब्रामाल नमला निष्य है है निष्य ल मुल की है अस छ। । लर्न महि न्र्य युम हुँ पा द्व हैं नवारान्य। । नार्देन स्व नेव हुँ न क नव उद इसम मुदा । ११ मे ५ द्र मे नेयर्पायात्रेद (४ 14 म) गरुमा । न्द म नर न्दाय बहानम्हानम्बादिता । निग्रीस हिन केद महि है है श्चिम द्रा के । । विद्रास्य मानेद श्रीया मुद्राल द्राव विद्राल विद्राल के स्वाला । दिस चकु र ऍटल रहेर ख़िनल कु र ख़न अर चुटा। B दर हम सु न क रूटा म्बर्भ रतिता । र श्रेष बट त्रेष क्षय तथार हम्बर्भ पट्ट्या । र. चहुर लियम हेर पनर झेंच धार रल्यामा । यहे खेंच हतम केंर सक्र पहेंर खार कुरं ए किरा । तसर त्यार अव त्या कि हुए जियस स्थानवंदा । तर्, अक्र्या. लियं र्सेल हे में इ.ट्रियं दवा ारवयंत्रति विष टेट. पट्टर कार वल कुर खिनस स्वाय प्रया । अर.ट्र.विट एलवास वाड मा स्वाय कुस पश्चिम्या । ८नेमार्दर अळ. श्रेयावेच चाश विताया । इवं प्रतिष्टं दं माश्रे देवं स्वाया पनरः। । प्रत्य ह्र्यश्रः सेवाय पर्येषः र मेश्रः प्रवेशः प्रवेशः विवाय। वः द्वेहः चकु तिहेत तर्मेण'तर्भेत के हे लिणका । तुःर्देते चकु त स्था कर हेत त्युम २८ रमा १६८,४लचंब.धर.४त्रंचं, ध्रयः इच.स में तथा । तर्वे रतपु.विष अकव श्रेन् अवते पर-नु पञ्चेत्य। । व पूर्मन्व पदी बदयाकुयार्थन्य प्रदर्भ שבישום בע בליומת בביל בבו ולמ טבבהם ביביש ביטבושל שביעו त्र के क्यार्ने स्ट. तिर्याया अट. तूर्या । श्री तार्टा तर्या प्राप्त स्ट. बेल.चेहेब.प.चनवा ।चैंट.चर्चट ब्रूच.इ.ने.कूंद कुद.च्य.अधेटा कि: ८ पुरामन् अतार् हि मर मन्या। । द्रायेशय है दि क् इ मारे हुन। 출근 교수 회 교도, 회에 어떻서 하. 습도, 어떠니네 | 빨리 숮도 항, 성도 서도서 현심 नबर पर पर्यापा । व क क्ष नाश्रम्य क्षेत्रर ग्रीय प्रधुर हेर पर्या । इर 黃ər'ğıc केव रेण राय र्याच गुैक'होल। |명도 लयणच हार(중 15 व)पते' न्नित ख़्त थेन से.ना श्रिव श्री सक्ष्य न्यू के तप्तु अ.स. नाश्या ।तिन कु'केद मंदि'मन् र्वेल द्व मकु ५ ५६ । गुर छे ६ कुल स्वाय कु ५ ५६ गब्र ग्रम्भागी। ।मन् प्राप्त ग्रम हित ख्राकेन्य श्रम है सरम। ।ही वा मुं अपाय पिट घट रच रामाय मेटा। । यद् दिन रमार भाषां व दिन समाय राम हा। । इस्य व्रव्ध के ने रू से इसे विष्टा। । निविध्य प्रविद्य हिन ल्य हैं ना । वि हूं व नन्द हैं व पट्ने व नहीं । विद हैं वाल हिंद्य रदेर बुव चरे खेद लय ठवा । दे द्वा वापर देव दस नाम पदल क्रैट:दंबं.ज तत्तव्य,केर:ब्रेटः। ।रट:जिबंध गेंद घड़िद रट:बेट:केज:घ:दंधा। बर्यन्त्रम् कुर् छिते यस् प्रमृत प्रमृतः प्रश्राचितः अहर्। । मृतुरः केव प्रमृतः पर्वे अः मर्श्वेर-कुलाल-प्या । सन्नायस्य लेन्यापन् हे प्रेर्प्यान्यात्रः केया । देट'बट'व'लट'र्देव क्रेब'व कर्'पबुगवा । तर्भ'पक्षेत् क्रुं अर्कर'तकर्' इस. च्यत्य हिट. ७३। । तहम. न्याम. न्युट स न्या हुट. यदी सक्र मुस चक्रिमा । वियानके ब्रुवाल स्थान विषया ब्र.मक्षेत्र,४.५२५ न ८८.न4८.वैत्.वे.वै.वै. च.नर्ह्र,नषु श्रेनसःश्र। ।

3. 賀口'口夏丁'予「デ·ボスペ'迎'包「' ロ'口養丁'口亢'州口ペ!

पत्र प्रत्यामग्रि, पर्केट, ता सिट्य, त. बु. चुट, ब्रैट, ट्विंग महेर, ब्रैत, प्रां कि. प्रत्यामग्रि, पर्केट, प्रदेश, प्रत्याचिटी हिंद भ्रामग्रि, ग्रेट भ्रामग्रि, ग्रेट र बैर विष्ट भूट भट्ट हैं अभय विश्व है। । हैं व ई बर कि व वंश हैर अनि में देन । नाम्य उद मध्द मारे नेम ह वि अम हेरे। । युन्य मञ्जेद नाब्ति नु केन मिर पानि देव लगा । यह स कुष ना हैय म मही न र मेरा।। विव श्राम्य विष्य हेट द्य द्या प्रतिय । । श्रीय स्व द्याय प श्रीय म हे. पकुर र्वेनका ।श्चेर मेंल नर्विक पा पत्रव है द्वित पर पञ्चला ।(종 15 प) अ द्र अ ७ में जिन्न है. नहेर अर स्था । स्थान ने नश्य स्वय ने नि वन्दिष्य पुरः। |द्वाय केद शुन्य वहुद में रेंय द्नार वय वहीय। । रुश त हार देव प्रव अकेर हो। । अंशव ग्रेंट चर्मव तव गुव पवट. कुल विद्या । वि स हर में सद रण दें र सुदे पठवा । दे पहन क्षर कुरं रेबोध.रच बोधेश तथ वर्षा विटेश त बोधेट श्रेर ज श्रवेश बेबैवय. कुर तथा कि चजानी नेष्ठ श्रम ट्राय चले जय श्रम्या विष्य प्रमा सर नहीं दर मुरायर मन्ता अ नहन्य नहुम्य नहुम्य नह है दर्भ द्र अटा । एक्र्य हे व हे बाह्य श्रम प्रति हे स्वर क्रिया । इटा क्रिया रेतित बष्टुश्य में विश्वर प स्वया । विश्वर प वर भ.कर पह. चैन वय. पश्चित्या । अकूना नहेन श्वत् पश्चित । विश्व श्वत् । विश्व अर्थे । रुभा मुँव श्रीयाकर परल प लेखा । दिल अवर स्वाया परेव श्रे बेपा केय पर 저른지 | [본'전체'명' [월도 미종도 [황국 미영도 미드러워 드드'] | 링트' 유립의 링트' क्तालम मु ब्रिंव स पहेदा विन हिंद प्रांत मंबूर य स्नाय सवत प्रव जिटा । निर्देश्य श्रीव रकानिश्चन प्रतरार मुंस में पर्वेटा । हि क्रूब पर्वेट विवासनाव निवास देव संक्षित । श्रुप्तकेन प्रमुख अस्यान बुद निवास सर्वादना मा । त्यान्य के र पुंच मान कि पान पान हिला । तिल्य दे मुन महत स्रम्यामावियास्त्राच्या । विषानुष तहस न्वाय हसार्ष्य स्राप्ति स्रम् निविद्यालस नेह्य न्यूर्य निविद्यान निविद्या निविद्या । निविद्या मिन्

बिन्ध अर्चन प्रमा भूर:र्नी। । धि.कृष ४ त्में शुर न्यां ४ न्यां यो प्रश्न नहिः चरुरा । अं द्वा क्ष्य र नेल इ च केर्य र र । । हें वर्षेर लक्ष स्वय पर् हूब नायल क्षय है। निश्रु च निश्चर त्ना जाय दिए प्रवास निश्च ८च्चेत्र घ.चेञ्चेश पश्चा । पत्चेत् चू.खे.अर.खू.भू.घञ्चेश घच्चेत्र.चेञ्चशा । खू.फ. ञ्चन ब्रुव मुहेब हे. अ पकुरान्युका । पञ्चेतानकुर में माना कानाव हे ब्र ८८ । । । ब्रें ८ . ८ च ट. केंग. अनंब. च ब्रें न न । । बेंट. च कें २ . वि ८ . ८ वर्ष. या श्रिष्ट क. ति. है। जिया सी है. सूका है. ति है। इट योहेश। विद्या अपा होट सिया लियंथ हे पर्क्र तकेरे.जया । य क्रे.बं.अष्ठ केंबे.टंट.किट.तट.टी । य जीवय. क्ष्मिश चन्द हर हिंद ग्रंश द्राराया ।श्चिम चन्द्र कर केंद्र समा खुल त्रव श्रुट खेल। । प्रेचेय हर प्रेचे प्रकार प्रेट के अह । हेर के प्रकार । के इंह. लियाय. ग्रीट. ग्रीद ब्रिट कर्य स्टार हेया । त्यार पद्धे पर्केट र टेय वे रू. थे. है भी विषय विषय विषय मित्रा मित्र मि चनम् छिन्। मा है मा है मा है मा है ने मा है ने मा है मा है मा भी मा निय कुल. हे. तुरु. बेर्चा स्वार्थ र छट. चहु। विरुध्य स्वाः विरुध र वे वीच क्षर. ल्राय गु.चेश्वा विषानय.पिर.चर्षेर.रेचे.प्रूर.एक्ष.वेर खेबा विनय. र्स्य स्वानी, मृ. क्ट. क्षा. त. ही। वि चले. क. चलु. पक्चें ट. पहच . च व्या. हे ही। लयो ब्रिट, श्रुच, श्राप्त हो ब्रिच व्रिट्स पार्टेश । श्रिट, ज्रुप, योवाट, पीयो, ब्रिट, पार्ट्स का मकु तमा ।तीर अयातवुनापर हें प्रश्चित पर प्राप्त ने विकास विकास विकास विकास करें में रें या अप्रित् के तह तक हो। विर अद मार्य अर्द मार्य अर्दे हैं अ लया। गर हैं वर्श्व वर्ष अर् अर्पायमा । विराधर हुना वह्न वुव इर स्व तप्र छ। । रेग्रेया यहरे प्रायं प्रधान विव स्थिता तप्र भी। । त सेव. तपु. हेर. धर हेर. तपु. हैर. य. यर्षा रियोश स्तापि पर्वेर. वीय. ह्रा. थ

कार्चा । मिल पद्भव हे हों है है कि तक र गुवास र समाया । मे नेया है भी। मार्घे वीच चक्की कि चर्रिया। विवाय अहूर अधर बीच कि किय विट चूल धिरया। पन् ईं हुप परे सव (ह 16 प) ग्रुब धे बरे पहुर। । । ग्रेर केंस ह नर मेर तरु.क्ष भूर हा ।ई हुए न टी न प्य पहें य हि.नरू न मेरी । हीत हिंद ज्ञा बहर केन पकुर है हैरे कु। । देव केव परुव प केव है हैंव' पस नर्जेला । सिवस चित इस नसुस नदस हैट निद्द हैं न नकुर। । इह कुल'दे गुरे पण्र पप्र ह छै गसुरा । १३ ६८ ३८ छ मुप परे प्यर प्र न्यवा ह नेय हेय पबुर हे अठर हे पकुर परवा । नयर परना स्थ अम्बं, प्रमार ज्ञात विर् तर क्या । ज्ञेर अख्य विर अध्य प्रमार ख्रेम बेर पर. चकुंं। । अ दॅर अ पशुर तृ गैरे हें देरे के ग । रुष गु अधर षट गुप सरे रियं म में होता । किंद अहर होते प्रथ प स्विष अधर लब हा । यीत द्वा त पढ़ी अवित हीं ने के चिन वे विदेश महेल तथाया में ने अब सर. ल्याया । इस. वर. व्हेल अर्वेच ७ मूं अर मझेल अहर मही । निस क्र्य ईयो. लट प्र.चर.त.श स्.म । चर्चेर, त्रंब जिवाया मंश्रेश ह्र्य-ति के. प्रवाय घटया । कु अ सू नात मेल उत्तेर नाषु ल स्वाया । श्रीव ज्ल बार्यका स्वाय क्षर भ द्या । तर. त ह्य ट्रंव व य इत्त्र रूट य विवा । विट. र लच्या है. न्द न्वित्याबश्य गुव न्विरे शिवया । वि'केद क्रय न्याय हैद क्रीय होत्र दय मदना । यद लम्दिस केंस मर्द्रिकी महिद्रा खुल दी। । दस मन क्रिंदि अ र केर में भा । निरुष्ण दन मुल हैं हुन नक्ट में 'नहें दरा । नेर धेव' न्न्रियार्विष्याप्तिम ह्रेन्य यदे ह्या । श्रामहर्षि हेर देख अपाहिषा केरा र्दः। अग्रदः विषयः कुः चल्राः विषयः विष्यः कुल वर है 'पर्कृत सन्मा । गुन हर सम्प्रह ने र ल तर् सम्माने न नहें र श्चाया । जिन परा स् अकर की के किंद कताय हा। । इ किंद किंद ता ईसस. 🐧 स पञ्च 'परि (ह' 17 व) पहुन्। | हें हेरे हल रुप्र हें गयारेस गुव 🖞 है।। कूथ मेल ह्याय र्ये बिल जय जुये थू एय ता । रिश बेचय कु केट चे त ह म नहा । निमे केन' रहें नह है क नमल में नेया । तू में म के' दें स्व स्तर ৰিশ্ৰ থকা । মৃথ টুৰ্ব টুৰ্ব টুৰ্ব মুক্তিন মুখ্ টুৰ্লী । টুক মুক্তিৰ পূ चिंबा के के हुआ | स्थित प्रमुप्त देश देश रहा | राज किट में प्र माशुक्ष ५८ मि के माहिया । मि हु है माहिय कमा वि वत सिर हो। ।समाय ख्राप चडु'चरुँद गुद श्रद्ध केद चॅर'तरी । गलद लट में स्न रूट य ठ ट्रंट या ल रूरि खूर जीव खुनाब के खुर्ज चुरा । विर घर पहुँव घ पत् हिर गुर ० विर है। । हैं न 'नुस हैं हे 'एकर न्रेस श्रील मह सर्मन। । रेग्स स्न ग्रीस मह मण्यानकुत् स्वार् पुटा । पार्वे प्यस्य सम्बद्ध से दे हे प्रस्या । मक्षेत्र ह्या मुद्रा कर लग हल एत्र समा । देव केव रालाल श्रीमा है। 를드·다랗어·디 | 에타고 욜·디 스드 월 상드 월·2·디 | [골포·영미/충·퍼美·월· ** 보고 됐다. 보는 너희 | 1월이 다. 다양차 다. 소는 취는 , 몇억, 통, 內취 | 美, 통상, क्षेत्र प्राप्त प्रकरायदे अस्यावन प्रवा । वि १ द्वराय । वि १ द्वराय । मञ्ज स्वाया । कर हर् स्व क्रवाय हैट. म. अवर . लय स्। । हैन. मकैट. मैट हे देशस ही नैट ना नाई दे नाह सेनस हो ।

त्रित्राचलेब्राचेशच्यात्राकृत्याः । एह्मान्त्रेब्राच्याः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर् सास्त्रः स्वर्षः स्वर्णाः । स्वर्णाः स्वर्यः स्वर्णाः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स् अदि न बुदा । अने व वद पट लक्ष्म छे प्रमानिय मण्या । हा 🗗 🕏 रिचेल राय छेत् ह्र यदि वेर। ।णावुगल गुँ तह्ना ध भू गा तृष दा। ।णा हैदे ति क्राय स्थाय हे ईया प्रसादा । जियाय मह्य श्रेम यायाय गुव ह्याय हूं हुर्व सर्। । तिचेल ८८ यद लग २८ (४ 17 प) गुब्द गुबुट सर लस। । इ त इंज्ञर मृत्य्य तक्षिर हे तन्ता । दे छ ८०८ त्य छुट्टे हैं त था । मन् मिरे मन् ह्या नेय क्षेत्र मने ह्या है। । मानि द्वार यह स अय मार्ने हुना पञ्च पत्रा । गा स य पद्भव में ८ ५ यह हुव सब हुट। । ५ छ हव उव त्यन्य अया ष वु हु है ता । पञ्चित परे पर् र्वेत् हें वृह हे पहुंव् नृह । । क्ष्य मु बैट पथ के उन्नेण पर्सेंट कुट पर्सर। । उद्यारियान पर्ट ह्नेंट ब जे ल द्वा पञ्चर। । कु पॅर झुल येल पवर प्र अधर पल र्वा । धु पर है प में इ अर कुँद पठल हेंदा । बह धरे कर माबुद ईम अर ईंद युव हें। । छुँनारा गुँ झिट घँवा अहँव बुल हेव न्यन् माहेका । नाब्द नेल न्ये न्ट हुन कॅर हुना द्व अर्गा । गुव सवा पहुल अर्द र रे के र्नेरब दनेस हुं। । कॅल गु मिर्यक्ष, तथ के य मिथ पत्तीर पहेंथा । तथ पर्य पत्ति पश्य हे पर्येष पश्च. ब्राल होया । हे मैग टिल केंद्र चरे. होट ज्याय क्रिय उत्ता । किल द्रद क्र अ है चेंय में व हें य प्रचंदा । दिस देय देवाय हेवा (क्रूय सकूवा) में प द वार्य स. पथ पर्यापा । वि ५ दूस दे प्रमुख या स र्थे प्रस प्रमुख। । उहें मूं श्रेस सहरे. स्वाय विष्टास्व यह। हि चर्च है सरमार देवा सरवीर ला ।है दर अ ह्मा य मार देशव क्षेत्र महीरा ।हि अब रमायामीरेर १८ मेला मध्य मा बहरी । तथर तथु पक्षिर रहवं थर बेत बेट वश्वम क्रिया हिलालय विट गहन जिन हिन प्रमास केरा । विनायमान वर विन देन पर प्रमा हैन र्चटा विष अक्र्य पर्वेष तस्र्यंत्राचित में अक्रू पश्चेला विषय स्वायः र्म्य वह के. मृ. गेर. ७२ थ. छ। इंग प्रथ इ. म. हेर. अर. अ. जिनव

मल। ।इस वर्षेर हीं ५ ५८ मलव ६मा मनिय है मही। ।५८ अर मण्य है न्सुबा के हेवा । गुव के र्वा बर यह शुह्ल बकेंद्र हेव शुह्ह। । गुब्ब द्वा 55.रिच क्षत्र ग्रीय हमात्र पड़िचेया। ।इ.स् क्र.प्र.प्रविभागर पहुचेय वीजा ला । १८८४ ८८. में सेल पश्चिम सेट हे. देश. पश्चिम । विम रेमट में से में स सर न्द्र खु तहिला बुब हिता । छ द ल व छ हैना तहि मेटाला । पन्नर पति मैन मुं क विव वित वेर वा । पहुन तिर मुं व हेन व ह पर इब कुब प्रतिराभी बाद रेच रेटा । हिरात्र नेवाय कुर वे बाबपा रिव चितात्रा. क्षया । दर्भ में नबेटयर हे के येन नबेनया । रे हेय में के रूर सर. र् प्रमा । निष्य केव महिं पार्विष्य है प्रमा विषय । प्रमा चिनाच्चर प्राप्त प्राप्त प्राप्त विश्व विश्व मुळित सन स्राप्त सन पत्निमा । ब्रे. अ हे ८ ट. मब्ब मार्थ महिन मिन्स मिन मिन मिन मिन मिन मिन थ्रम्थ.र्हेथ.ता.हेर.रट.अर्थट्या । ब्री टर्य पर्य.पूर्या.से.पञ्च. कुर ब्रीया तथा । त्रिक व द्वित पश्चिम सु ८८ अग्य हुते। । ह अकर ठन पक्चित था सन्य बर रु'पदेरवा । छ ८व बेर 'रुव पदय पकुर' वर्ष हेद पकुरा । हूर नर्व कर धूर मेर मेर हैव पह प्रय पड़िया । शि. हैव रे थर थे शि क्ष मर्डसम्बन्धा । द्वाप्तान्त्र हुन हुन हुन सहन सहन या । विश्वासार हेन पहरं है बर्ग तिवया । रिस्तार्ट रेंग हैं स्पर ही पत्र खेस समाना । पार म् ह्रव मर वे म हेर पर रट अववा । नि कर रविश रट वे म हेट रट अल नव्या । त्र. दे. क्रय. ८ हर . इस नविष्य ने देशका है। । ६ श चापा द्रथा चैव. लयः श्चर अन्ति गहेया । नेदिर्दः सिनायः गश्चिमः नगः भिय देशः नश्चिमः नया । 화소.당시.젖어,丈스, 너희스 다린어다, 동역, 에너서 집소! 12년, 대소 다릴, 뤛다.

त्रेन देव रवर हुन अर्हन । नहुन सन क्रम में बूद वर इस द्युंद है। । (३ 18 व) दिर अर्थेट श्रें १९८४ श्रेण ने पर्टेट क्रुर बैरा । टिंग रिंदर क्रिंग वयुत् व रेरे पुर बुर वर्ष । । कु वेंद्र नाबुत् खन्न कन केंद्र हेंद्र स वर ।। क्षेन रेनाब नु स स सि खुल दस रहुर। । में न नु रें दे सेस रयनाब खुल हिर अविति तसे पसूर परस प ८८। । खुल ह्नास य स्वास पर ८वा नाखर. चकुर् कहरा । पण वि खुल स स्वाय ग्रैस र्र कुंस होला । च के 'पव्य पुट' म सब क्रम्य श्रेय श्र याद्या । क्रम्य म्य श्रेम्य क्रम् हे मे हेन हेन । भूत मैंव भुन तेया। । १८४ पर्य पर्त पहेंच त बुद वेषु परि प्रवेर प्रवेर वा ब्र पहुंच पहुंचा सन्तर है। पत्र ब्रेर पत्र हैर है। १५.५.४ हैंस द.र गे.ज. स्वेया । स्ट स्ट अध्य प्रस् श्रेष रितेटं विवेट, अट. पश्चा । ह्रेष प्रस. स्वायाचित्। । श्रव की विवाय की किर नहें वा निष्य होता । इन कुन किर्या तर्रारित द्या प तमेर्या वा होत पह पर्राप्त हार कर श्री परा । बिरामानर कुरमह वाबारा हैन जाव वर्षन है। हिरहेब है म खेट वस वाड्स. वीयान्दा । विस्तानाम हिन्दान पक्ष पाल स्वान अहर। विद्यार पहेन. पर्याक्षेट म्राजनबन्धान। वि नस्यान्ते पर् वक्षे से पर्नाचितः व्या वियानमान्त्रीत्त्वाम्य अहत्त्त्वा । वि व अहत् प्रायातमा कुल'र्ह्च द्रमम गुनारेम पार'पडमन। । मिर'पर्व पुनान'केव' मंश्रिम मु मार्थित । । वामा क्रम द्राप में प्राचार तियाय इसम र्रा । 15.45. च.ह. स्वाय गुन्न पश्चर पहचन वर । । शायन वर पर्वेन (३ 19 न) पर.

श्चार हिंदि। । विद्युष्ट रैय व बैंध तपु खल नोबेंश मेलीट। । ति, **है पि.** स्र कुल हुँद न्यार ग्लुस र्ट। ।कु ब्ट र्रेर में र व ब्रे सामस ग्लुद क्वाया । ए इय हुन श्रव पड़ीर श्रवय याट्टेर घट ह्या । एह र छ. ह. स्वर पढ़ी सिन् पकुरा । धुरिर कु पीलुर इन्हेल पकुर सर सर। । हुर कुर पंचर पूज पंकीर त झुन त जा। ।ती हिर श्रेर श्रेर प श्रे पंखी पंज मकुर्दी । बद बेंग दर अन्व ग्यु ईन दाय वन्ता । मेंद् गुँ न्बद यद ठ द इत्रल र्थेन सर मुक्ता । सम्बन्ध स से र गुर मुनक सल र देल सहेदा । म्रियं मुक्ष महि विषा क अधार प्रकार । । विष्ट हुँव हुँद हुँव नाहिन गुर प्राचित क्षेत्र होता । पक्षित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित । प्रतिर्देश के द्वीर व प्रश्न व्यवस्था । विर्वाद प्रविद्या विद्या वि म बुक्त मुद्द कर एक वर। । मकुर व्याप गुव तर्व मास विमा स्वर में सरा। पद्रन्'ञ्चरम कुन् के छट। । बिंग ब्रांस्य विर् तर क्ष्य ४ मूर्या पश्चर पाया। ह्य पार क्र पर्ष पर्केर पहुर क्र अर क्षेर क्षेर । विर मालपास्य वर -अकर-पि ८५४ ग्रेपा व्हिय येथ सेवीय कु अटश-क्रिय-प्रूय-एवीट-व्रीया वि. च मूरा है साम विकास के प्रतिकार के प्रतिकार के प्रतिकार के स्थाप विकास के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स कुंब न व प्रमा । ब्रिंब प्रय वर्षे कुंद क्षय र ट्रिय र विर की। । तहना हेर प्रमय प्रम नेबट्याय से ट्रिय रेट । विट्रियर रट सेंट सेंप यथ हैय महें ब शहरी । सिया स मेर सर्था अपोय ग्री-र स्था पर्यापा । ब्रिया देखा लेता अर्थर तीत हुस तोहेस से ग्रीमा । रियट द्वेता खे.अष्ट, खेस ज़रे पोलेज कुल ब्रुन्। श्रि. दस पञ्चर हट. खेन प स्निय कुब एवेला । एवंट. इस. पृट हैं जिल विस देश शिल ला । । । नहनाम वस सहत् हिंद देर पहेंद विक पुर ac.i lbad(\$,10 리) 다 웹 마음 도 설리석 집석 전혀 다흣스. 교는 i l중.

र मुर न सर् के छैल सु गुर लिंद हेगा । यि हुँद नेर निर्म हैश नसर त्युत् अत्। । कृत प्रणाय के धर माण्य के घ अ माणुपा । मा**ल्**त नु प्रमुत्त विषय विषय विषय विषय । । हे सिंद प्रमुख सहत् व कि प्रमुख सर। विव हुँर ज्ञा सार पर पर प्रत कुल पर देश। दिसर सेर उद लियेश च्यूरे पश्र. सं अक्ट चहा । व्रिट्टें य टेंय र्वं हवं हवं प्रवेट हैं। चश्रः सहरा । अहर पहरा के दे दे रह यू हिंगल मुखला । यू दू हा है। इन हिंदे प्याद्य श्रीम स्वाया । अर लट एक अर अर बार बार अहर हेर अकूता । मि. त्रोय इस पन् पर्द है केन में हा। । तर्द तह संन्य सकेस के सामानर त्युर है। क्षिय पर पड़ेव पड़ेय में ह व व युर रा धि व द्वार वे स र्न मूट रत्त एवनेश तर हुन पन हैंट। जिट्य हूने नेयण बहरे. पस्य परे हेव छेद दें। । एहेण हेव पस्य परंच गरी में स स सहर परा । हे वर्बिट बेट क्ष्रेचेश चेश चन्न वर्बेटश च भूटी । लब पच क्षेट. से म्बर इत्य मुल पर कहरी । निर्मु तार क्र मुल मुल ह्व मुल । हि केर क्र कु र्प्तर ह्रा देत हैं तभूरा । तिल कुर मू हैन द्वेन कुर नेबट किन्य हिंदी । प्टींट प्रचीर.पथ थ रेंश ती.प2.बहेब थी। |र्बाय नंद.चिल.त्य ह्वाय **नंद.** रेश गुन तरेवा । मु लल हेंव म तर्न वस ममु 'रम पहरा । ज्वामा क्षेट्र है है रेट्र ल प्रमुद् र पुर पहुँ का | र्मा प्रमुख मार्प हूं कार रूप हुँ है । सर् वर्व पर्रः ह्विर्य पर र्वे प्रस्त प्रार्वे प्रस्त प्रार्व । विष्य द्व पर्दे अप्रदः अथव सद च्यानरेजा । व्यानाष्ट्र, केटा बहुब बहुत सहित नारेटा। । एत् ईट श्रेच.टमूर्य तथ्य.चर्येल.च.रथा। |£र.७हर्य.थट ब्रेर.क्रमेथ.चडेर्य क्ल. अ कुया वेज्ञ ल(इ. 50 व) रेट. ई.व.ज.ल ती । । बट्य.वंथ श्रीट. स्वीयः विना के व हु न न प्रा । विना प्रा के कर प्र प्र प्र म म व न प्रा प्र ज्ञा ।

ति हुन न है है हैर देर तह हुन तर है त.है. नवंय. तही, तहा । तर हूं व तह पहेंच पश्य नेय ने गैव नित हुन ने त पन्न. केल पहेंच एहम. हैं गैव जय परेंच त चंदिर रत हुन सू कुछ अहूर. पश्चित न चंदिन ज्यापन.... हैंच नंद वह पहेंच त व्यव रह, नैंट. प पहूर, नित्र भीतम हां । हो ने. तह.

चष्टुःस्थः यः द्ये । वा स्थाः स्थाः स्थाः विश्वशः श्रीः पश्चरः

बु.चा । लूब.२े.वे. क्षेमां त तक्क्ष्या जिट्टा चूथ. क्षेया वित्र चूथ. क्षेया वित्र चूथ. क्षेया त तक्क्ष्या वित्र चूथ. क्षेया वित्र चूथ. व

माञ्चालाय हवा । परे पद पदणा हिन् श्री पत श्रम सामेवा । प्रव लट ब्रूब. खूनेब पढ़े. नहेब. हव. ता अकून । मू ह श्रूच. ट्राइ. नहेब ट्रेंट श्रू. मूब रुवा । तमूर हर नाम्, भर क्रियाय क्रिय मुका । तकु हिर वाधिय नित्रे १ वर्षा वर्षा । निश्चिषा वर्षा व्यापाय व्यापाय वर्षा वर्षा वर्षा नेया । जिर् व अहेर् नायुक्त स्व केर क् में हेन्या । निष्ठेर स्व कुर्(क 20 प) र्ट त्य बिष्य हूर कर्र तकट । विर्म द न प्रकृत प रवा क्रेन वर्ष ल्या । किर्ने द्रमा पान विकास रमे हिए क्रम हिरायर बेट लहन है. हर ल नेयाना । बिराम बुर देव राम हर । विनाम बुर रुव् श्चर्याया अर्वव १९८ गुरा। विस्तरा रुट् कर दर्भेव भेव हव सर व पविता । स्वर कूर स्वर ह्वाय देवर करा । क्षेप र में व पाया । ्रवाम्यान्त्रवाष्ट्रम् । । व्यवसम्बद्धाः विषयम् मुन्यान्द्रियालाम् इतान्त्रिया है। विकामह्रदान्त्रियायहे क्रम स्दर नेनामर है। वित्र नेनन हैंन कुर न्त्र महें में न हैंन वित्र व मर्चे रदाके देव के महिदा । मर्डे व स्व हिद्द हे देव स्व मार्टिन में व विन् गुः क्रून् द्रान् केटा हा सरामुखा । नियम विन हिन हे निय हिन त्या न्यव् श्वापत्रवेशपन्ववा । वर ८५ूँ ५ कुर्पनगुर रेव में श्वापायवा पर्देश । बद्या हिंदार्था मारहेश स्ट्या ह्यायार्या । दाहे पर्वत महेना ट. पर्हेर, र्वेग, पर्वत, तथा । ग्रेंश, पर्व, र्वेग, वेश केश पथा पर्वे था। ब्रिट-स्वेग्य-द्रयाचा । अक्रमा-एह्रव-चर्ना-पर्हेर्-म्बर् श्रुर क्रमा-पर्दान्तेया। मर्न्'ग्री'मर'कर्'हॅ' मेवाप्रेद्रम्यश्रम्बा । न्राम वर्षेद्रकेवारहेर्'यदे न्द्रभावश्चेता । न्याक्ष्यातकद्रायते श्चेर यरायम्द्राय वन्या । यन्द्र रेया

2. भ वर के स्थाय राज्य है वि स्थाय

पक्षेत् निवंश्वर प्रमास्त्र प्रम्य प्रमास्त्र प्रम्य प्रमास्त्र प्रम्य प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमा

बहा । इता हेर इव रत र हेर के न हो । हित न खब है व व वर है । परि हेव। दिस प सं 'द्र पर कर पढ़ी हमस नाम। श्रुपस सु स स पास वर ह्या थर। । पश्चेर प्रवस्थ ह्या ह्या भव हार हेद बन अवत। । रामे पहुंद ल स्वाय रट रट के नाय है। दिने खेल देने श्रूट यह द मुर पहुं न्न्य हा । नार वा नाव पहेन हैं राम के अधुन नेका । पश्चम म जर्म ह्यें ८ परेर माव म के व के प्राप्त है । प्रमेष माव स र पाले कर र र मार छेर स्त्रेया । वाप. सेर् (६ 21 त) ह. अर्र. है। हें ए नि. चया सटा । ईल विश्वय यन में र महत बुन्य अव लग मकुरा । निहत हु बुद म में श्रेरे रने महे व जन्य। दिन पहुर संभय श्रीपय पश्चित एहेर प्रथम। विद्रकेर पश्च र्ट बेंब भूट कि.ल पश्चता । इ.त.खे.कट पश्च ब्रूट.क्ल रूब.त लुबा । क्षापरेण क्षारणत यस केर स्ट्राईणकार्धिता । वर्षे हे पा देवस क्षा क्षेत्र १९ गुर ९६६। ।६वे छ्ल पद लग प्रजु हेर प्रेर प्रेर ५६० छर। । छर य त्र महु के व सुन्य अध्द प्ने क्षिप मिल्ला । मश्चर पुः हे य के पहः प्रस्त ल अवाय पार्टा । रेने श्चिमां अपने १३ मा हिया अध्व हुन । रेने श्चिम हिसस द्धर प'हे' ख'हे। । वे करन हीं द दर क हो द लेद' प'दर । । वें न न हें द के बरु हिंव श्चातवातर है। विवुत्तवा स्ट्विन वा वर व १ वर्गा लय जना अ.कट. हुंश च्राल स्वाया अटा। वि. चार दीव रेन पहिन क्रम पहेंव चर्चेर पर्च्यका ।श्चिष होर्। पट पिट. कुष्-पूर्व अन्। निया क्याना वे. नहर रहेर्रहर है से स्वारा । अदः रहेर नगरः है अ नरे छेग अदे है।। में बिर् ह्रिम्परि सेमा द्रम पिका तर पर्टी । पिकट विभारहें में रेट प्रिंट. तहना नेव प्रमा कर् प्रमा विष्य देव वर वर प्रमा मन् म में चल, चल, चेंचे क, चेंधे अ, जू. हैंचे, रेटा । । अह्य चंट, शु होर्य दिर, शुफ, चंत्रर. न्डभारेण । खब क्रिन्' कें क्रिंट क्रुंट प्रवेद श्रमान हेका । खेब रखन नहनः 라는 오리어,되는 소설,명소,스는 | |다듬섭,다취소,네됬네 오듯네 되는 오리어,하는. निर्देश । हिन क्रेन् भाग क्रिंग्य क्रेन् प्र वर्षा । निर्देश क्रिंग्य क्रिंग्य क्रिंग्य क्रिंग्य क्रिंग्य क्रिंग्य वित् नार्वत क्षे रहिनारख। । इर नार्वे अलानदैट क्षेत् नार्वे द न्युन लदेनका पड़ियाया विपर्धया है। वेप हिर हूं व कूया मूल महेया विशेष एम बीर लह्ना लन्न लने स् वेद पहुन (ह र 22 व) न । । जर जर ल त्ना व खन भेव श्रम्भायार्श्वेषा । सिनुसान् ए तुसाक्षेत् । गुर्मा सिन् सामित्र सिन् सिन्। छन्। ह्मिर ४५ धर ४८ में ५ जोट में इर दिर हैं वा विश्व प है में वर्ष प्रमान निष्य र्गेवेव इवाववर एकचा विश्वर रवा ५२ रवा प्रवेद चर्में र स हवे से हैं अ १८ रूरा। हुब द्वेपय.पड्डेल ई.र.च्य व्रेड श्रूब.र्य.विशा । नश्र. ५व्रेर पेलए.पश्चेप हर हे झेन हम हम। । नित्त्व होन मिन मुन तने प्रा हिन होन त्मृत्या । मु 'द्र पहुँद'ह्रवाय य'पर्म वाहेर शय'रेटा। । तह्वा हद हे हैं है अ'गुन'कर'रुष केवा ।मूर'ग्वन कुं'रर'रुप'रम्'ष्ट्र रु'ग्वेर। ।पन रथावि मृत् मेरायथ परिराग्यद्रात्या ।रशाकेदार्क्रवार्मयाकर्र्ष्ट्रणा हैंट.चेंटे.की ।थ.ल.चय.पुर.थ.ल्य.चेंच.घ ॥ ।विषय.टेल.सॅट.पस्. व्यायासाञ्चायाम् । इत्रायम्यायाच्यायास्यायाम् । विद् लिल. हे. में. इंदे . ल. ५ टी चो. तपु. ८ ची. विक. पची ८ . च. क्ला हे र . च हची खेट . च चे ८ . मु। । पड्रपद्धे ह्रस्य पन् हेर्रिन ह्या ह्या प्रदेश । क्यु पान्ते प्रस् वैस ई. छ्व. ईश्या । पर्त्रभयाया श्रेयापनी . सं. पर्वे . सं. पर्वे . श्चर अ.ज.जेश तकी. ट्रेब.डे पढ़ी । रेबब.तप्र, पश्चराति क्रिंग, विश्वसाश, सर्वेद. द्वेत्रश् । पञ्चितः तपुः तत्वे पः पञ्चतः त स्रम् द्वेतः तश्चा । वि । त्र व त्र त ब्रिट अवन ८८ केव र मा ब्रिट १ । वर्षेत्र मा मा प्रति । वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र मा मा नर्देर'वे'हर म हेन्'हमन दुष'देर छ। । । १५५र'नव्य'व् छे'न् हे ब छेन् व्यानुस्य स्वर। द्याप्ट द्या वेदाय मार्ग्य मार्ग्य। । मर्पर मार्ग्य

मुद् में नहीं दे हा चमुद्र रिद्रा | निष सार है सि हम वित्य विरेषें पुर्दे। । ७९ । २८.घस.पि.पञ्चर.पश्च.पश्चाः । मृ स्याय स्य स्य स्य स्य ब्र हर्। । बनान्त्र उटार्टा तक । यह व व व व । । । स्य स व की हर नहिन कर्(इ 22 म) नशुकारु १९५। । खुल ८६ में १०वें क हैन है सन्य ग्रैस मबेर इति व.रर पहेला । मझेंच अ.वें स स्वेश हेल. अर. संचय ग्रेट. सूर्या । पश्चमः क्षेण्य गुद्र गुद्र र पदि १९ अस प्रस ८ है । | निवे पहेंद्र श्चरः पश्चर दिने क्षान्त्रे हिन न्य । तका परवा न्यान्त्रा हिना ब्राञ्च ब्रगु श्रुट प्रमिन्य प्रमाय ग्रीय। स्ट्रिट प्र ध्रेर प्रमुख श्रुविद नुर छ। ।₹५ मःमदे मःदेः छे५ मर्व ग्रैयःग्देश । ।ग्दयःयशःगदेः यह युन्यारिन अधुवाद सर्वेन । कन्य ५८ ८० ५५ व स्वर म्हेस इस सर 다체에 [중도'도도 용'원도'회'중도'도도'용'원도' | 미리에서 조학'오토도, 독리적 क्षेत्राग्युब्रायः ५८ : ह्या । नेयः यर ०५८ ययः ग्युव यराष्ट्री । बेना के व र्श प्रम बेना मन में प्रमेष में हैं । प्रमेष में विष्य के मान के मान में मान के मान में मान के मान म ८ श्रेन्यका । श्रद्भावस्य अस्य अस्य । स्वाप्त विद्या । स्वाप्त अस्य । इटा १व . व्रुव . व्रुव ने क्षेत्र . ज्ञा । व्रुव . क्षेत्र . ज्ञा व्रुव . ज्ञा व्रुव . ज्ञा व्रुव . ज्ञा व्रुव ब्रदः भूटः श्रुव अवयः के. तूवं रचा पवा तूच। । धट तिप रचः वैट विव चः रूपः एव है। हिन जिन खेर हैं पढ़िन खेन के ने । विस्ताप हैं नि उर न्यायार्थेकारुनेक्का ।न्येकामाष्ट्रनार वदाल हारावनुदावदा। ।हुरावा ७कच.चर्थ.चर्यचेथ वर्षेष्ठथ्य.धट.टे.वटा। ।सर्व.प्या.हेट.च ह्रेच्य.चर्षुष्ट. पर्यचेत्राप्तस्यत्य । प्रवयः पर्यास्तु हिंदः प्रवास्त हिंदः कर्यः पर्या हे । सिन्। हे लकान्दानक्ष्यायात्रवाता द्वया । वान्त्रीनव नहेंदाकु नव् केवानहेंदा 'श्र'तयुर् । लर्दर'व् वेन'रा'र्शेट बेट'र्ने'म'श्रुर। । रट वेनव ८५०'ल'

নিচ্না নাই ই ইুনি নিচ্না। ষ্টিনাৰ নিচনা গুলি নাই বিদ্যাল পূৰ বী। । সিনি চুৰ শুৰ দাৰী জিলা চুশান নাধান দ্বা স্থীব। । সি ঘিন (স 23 ব) শ্লি যা নাম চু চুটু নাই স্নানা কা। ।

3 용도・광육자・원・다였다・다 (지) () () () ()

चिना के व पुत् क्य से सम हैं स ही परि हा। । रिनास सर रूर पहे हैं द क्रें प्रस् ह्व प्रस्था । ग्रें ज्य प्रम् श्रु र प्रस्य प्रस् है। । प्रस्य लब हैट ई.रे लब वेट अवल है। । ह म बेबर हेव ह्वाय.वेट.उर्देट तह. র্ষা । স্থান প্রমার্থ রূপ রূপ রূপ রূপ রূপ রূপ মার্থ বিশ্ব বিল্লা पर्रे द से अस अर्ख्य य प्र चित्र। । श्चित तहन ही खिला प्राचन प्राच स 山용리 ।य अक्षमय भूव प्रथम ईय झैं में ग्रेच झें प्रांगी ब संवार 聖. विम्लाहेद के व है पुग्ने वा । एल के के दब गुदाईय देंदा दब हिला । कि मां मंश्रियायय विव श्रुट श्रुव पाला । श्रुट हर रेखिय मेर्डे या हे या हे या त्या पाली व है। । चन भ हे नकुर लेगल भः नद रख़ेर नहा । रस्ं नः नटः हेनः इस्तान्ना । प्रमान्यानुद्धाः स्व तर्म्यान्नीत तह्न कराम् हिना तिवा नश्रुट चु र र प्रत र प प छ र प के र में। र मूर र स स्ता क्र र र प स्ता क्र र र प ह्मि द्रिय रकता निव्या वक्ष्यय केन् सन हे मिल सर र प्रमुद्ध है हो। नि हिन हिना । उन कम लगार्चेन नमन श्रम में स्वाप्त हिना । मनना महिना न्बर ह्वर विवास महर पर हुवा ।कर्त न्वर न्ब्नि न्त्र मन्तर मन् ट्रिलेबा ।इतार्ट्य पट्टर पटिन हिंद हिंद हिंदा में ल हिंदा । तथ दर हा था. मकुर् लेव'र्मर रहेर'ल। ।शेसस'लर्रर'शे हैव'वि र्द हेर हर हेरा । र्ना महैल ब्रुव ब्रम्थ महन सं. चब्रुट मही । लव लन महेन लल लहें र हे.मु.मही । ज्ञुन पणल ० ५ र म इ हुन र रे ला । तसल ५ र न ह के ८वे.पथ तबिर द्र्षा । बार्ट्र चै श्रीचयः ४ चूँ । तथ्य विश्व विश्व विश्व विश्व । 중 원근 원근.쓰는 남은山 다양 줬네서 아니당.어리 「꽃로 광와석(육 53 다)였는. के हुट पत्र दे शे १ वर्षा । दुर प्रदेश दव हुट प्रस्थ ग्राप्त हुट प्रमुग्य हु।। वन्ना कर तर्य व सून्य पहेर से वय स्ट्या । तहन पर पश्च पु प् हिंद्रुवर्द्र हुरा कि केद हुँद् सम्ब वर्ष्य देव महुद मा । निर हर ल्द ल अपन्य दुस ह्रिस ल्द गुरा। । ह्रींद प सेसस पहुं दि हैं रूँ प प्रापस दस बुबा । एड्न बेबब पर कर है ब्रावन कुब पर हुैदा । पशुर पु र पबे प्यव लग' ले हुन है। । हैं ५ मणु र कनस यस य ५ न महिं ५ न लव ल' हैं ५। । पानुव् त शर श्रूष केंब दूद केंद्र के क्रेर। । प्रमाल गुर के १व विंव पत न्वताला त्रीन विन केवार्षेत्र वित् द्राक्षेत्र तहराञ्चत हैव। । गुव न्यीन ट्रिट मुख रा. ७ चेट व ने बंबा ए चैरा । व बकूर इस ५६ में व. ने स पर क रिनेयला कि'रिमें मुने हिंद एक दारे व हैव रिमाय महुना प्राय रहें राजे श्चिम किट रेट नेवंश भ्राश्चिरी । जिन एक् , धविर, नेस्रेर ७ हर, भ्रमश सेनेश एवं. ८८। १९६ भूरका शुरस्य १० विभयारमान मार्मी। १० माली शुसीय विं पर्दर मन्त्र के हता । विंस सहे हेस रहेन महे देर प्रमाय माने । तिम् मिर क्षान्त्राचे म्रान्ध्रियं त्याल वास्त्रमा । व्र तक्ष्या व्र हिर्द्र कवायः पवल'न्द्रिन प्रवा । १६द'र्घर देन ईट दे ५८ है रेल पहेंदा । देर ५न्तर विर्'क्ष के अन केर के रहीं। निर्म नहेंर ने बर् हीर केन नहें र ने सरन रिट क्रिया के अला । के पक्र के मार्च के माया है व के मेरी । के पर्माय के ममुन के नक्ष्णमा कराके मार्हिता । के वित्या केव व देन छेदा वाय पड पहिना । हें व स्टम. रव. शर हेन ब्रेट पर्वेश प्रिम. एकेटा 14. केट प्रिय

ব্ৰীন ক্ৰম খ্ৰীব হাই কালবা ।(ই. 54 ব) ইপৰ ব র্মুপ ল নাইন নাৰ. मञ्जूर दल हार। । २३८ प्र कुर 5 मासुक प्र पारेण २ मन्याया । १३० चुल हुँ व सिंदल के स्टल रोजल गुँल है। । पश्चिम चु गुव श्रेम चुट छुम मर 5ूर्। विव स्ट श्रुव केवल केवल ठव श्रुव के श्रुट। । यद प्रव प्रव व्रव विट क्रुचल मुख्य पुर बेबल हुए। । हि मानक्रि देव हि बेट मुद्र के वर्षेता विट अभव प र्वट ८ से पानिस हैं है। विन सूर क्रवान है हिटस पानियर. क्ष पर्सेता । वे वेर विर लय. रम त. पर्य पर्सेरा । बिमय ८८ स्पर् ब्रवम भ भवेर ४४४.के.घट। । ८६व तर.रवना.मित व्रवमान्यप्र च गुना । स्व ८० क्ष हुर ५१ चेर मलुक ५७ । १८ गम धुन स्व र मूट श्रुंब पीत्रब ज्ञान त्रिका । ट्रियंब त घट. तर घटब रट हेब गीव टेट ।। रत प्र प्रवृ कुर क्षेत्रपर छेर यह नेपाया । १९६२ यह छे बर सुनार्टर पहिला मर हुन । भुट ८८ भुट केट महानव पहुन इस गुन श्रट । । १८६८ हुँग छै' अर परे 'र्र ग्रेस गर परे। ।हुर अर हुर परे 'ग्रामानमान कर ब्रिट तर.वे। । हेट.पहे हेब ल ग्रेब ग्रेट छेब त. ब्रेटी । ब्रिंच. क्रेंग्य. ट्रेग्रे.प. कूथ. ब्रेट तर ब्रेड रीत । सटक द्य मू. रुष. षष्टा. हेर द्य तप कूम । रत. २ ८३ ८८ पर्वे तथा देशातर प्रवेष । ब्रिट पावट ब्रह्म प्रयापट अधिका मा द्वा विसय विसय विताद के सुन्दि पेन पार्व पार पार्व पार पार्व पा न्तर प हूं हेर था। । पहुर प्रीयान क हैं र र ह ह्या भ नेया। । प्रथम गुरुव परेर गुवल बुप रूट र्व ल रुकेन्या । नेव रूप रहिन हेव रहिन हेर प्रत्यान्यव अष्ट्रण । लट व ह्रयान्ययाञ्चयान्यानुष्टाः इत्यय पञ्चन। । मेल रच हेल.खेबाल ग्रेद ग्रेट ल.इल ब्रेदा । अंशल ब्द. ट्रेद.वेट् चहुं दहला पर्व : अंगः विता । इत रूट क्षेत्र महोद अवसः रूटः मञ्जाः यः मञ्जूटः। । रूदः न्त्र पुट क्व हुँ न (इ. 54 न) श्वत्र क्रवे.की ह.स्.एलवंब. तह अरेश.

पद्मा के मेंच हो। |इस पर दिने पर मेंद से स स स्वाया | कि. पाय के दि के के पढ़ेर स्वाया | रिस्टा पढ़े से मेंद से हैं स पर से सम पत्ने से अस्य इस रिमेट्य सहये येस हूं प्र पड़े स्वाया है से स्वाया | कि. पाय के अस पक्ष पित्र स्वाया | रिस्टा पढ़े से पर पर्ने ग्रीय के रिमेट स्वाय स्वाया | कि. पाय के रिस्टा से स्वाया के मेंद से से प्र पर्ने प्रति से प्र प्रति स प्र स्वाय स्वाया | कि. प्राय के रिस्टा से स्वया के मेंद से प्रति प्रति स्वया स्वाय स्वाय स्वाया | कि. प्राय के रिस्टा से स्वया के मेंद्र स्वया प्रति स्वया स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वया | कि. प्राय के रिस्टा

4. କିମ୍'ମକ୍ଟ୍'ଶ୍ରି'ଞ୍ଜା' ଶ୍ରିକ' ସମ୍ପ୍ର'ସ୍ଟ୍'ମ୍ମସ୍ଥା

रिण रहेद हूं अधर जायर हुट चलेंद खूल नहिया । ही तमुर खुन्य भ रुभ रट पड़िय कर पहेंचे । हू सू विवेद एहूर एक तर्थ हूंच त छ। मिन् केंद्र में नेस प्रमास मा सेमस माईदिस महारा । मिन्दि व में पालुस प्रमास मुल पर्वेषय पर विषय। ।रिने प पहूर ने मैं.यंपय एतंय.ते बंबेश । द्वेर नानम कून ने व हैन है न क ने न रहा। । अक्ट हेना स रनाय है र रहा इल'ल पुँर हा केंद्र मही। विंदा मेंद्र कें नाहे 'द्राद नीय'न सुका केंद्र है। । कुंद यम्याय स्वयं शु.रट. लेग्यं स्.विट र्टा। । एड्न प्रां हे.रेट सेता अश्व इंकात है। । ८ द्य न बिय पश्चित ह्या र इंका मुन इंचा में वा दिया है। एहिन तर विस विद्यार्थित क्रीयारे। विद्यापि स्वत दे देव देव हैं वस तर ह्रत। । ह्रत रेथ. ह्र पंजेश हेर. एतं या प्रतिया। । ह्रा पवीर पायप नेर्व र्वव वाय क्षेत्र क्षेत्र पर्वव । ।रवट वार्मेर रहस वार्षेत्र एक्ष क्षेत्र अवर विन में । किंट र् रिया अर अर ह्मिया वारा छर हिमया । मूट अर स्टब इतिय क्वाया ह्या खेय चिर प्रतिरा । यह हिर प्रेश्य अभावत बिर पहिन निवन्तुत्र त् । अक्षे निर्दे हैव त में सन्य अकेश गुरा। । युव सर क्र इस.एह्द.तर.भु.वेस.द। ।रत्ट.तसेर भु.वट एह्नात दश होन होता।

न्नः(₹ 25 व्) पञ्चरः व्यार्थेन न्यार्थेन न्यार्थेन व्यार्थेन व्यार्थेन व्यार्थेन व्यार्थेन व्यार्थेन व्यार्थेन न्य है न्द श्रुप्य सेस्स हवा । निग्रीयारिष्ट न्द्रा प्रता पर्व है श्रुव सद हा। वि मिर्मित अष्ट्रम प्राप्त प्रमुख किया हिमाल स नि नि ह्येच हुन भूथा । बुट भक्ट्येच प्याय भू र्ट टेश भक्ष्य भक्ट्रा । यबिट न्व के न्यूर कर्म्द कर्में पुरुष केवर नहुद्। । नर्भें द्वर नहुत्रा दल'केन नवित शुर नहीं।। दल केंद समल कु के क्षेत्र'कुंद युर हैं नहां। र्ब क्रि रेन्या है नब क्रिय कुर हिर हुन। । त्याय व रह रेना एस्य अब बेब भूरस प्रबंदिया । बुराह स्रेन स्निय स्वाय ग्रेय होर पर्य हो। । ह्यें र ग्रेर क्षे-र्ने पर् रत्र रक्ष परि क्रिया । मित क्ष्य श्रेय श्रेत्र श्रे र श्रे रम् य पर्वे रा। चरु'च बे श्रट. च पुर व क्र हिंद का व कर्या । विषा त चें र क्र व प्राप्त व म्बित. द्वेत्राय पर्वत्वा । म्बित द्वेत्रय इत्यय हिरासक्य नव्ययः प्ववराप्तवा। हुैद'पदे' एहेद मसुर पर्हेद' मुठेम रेस पदेद दें। । प्रमान पुँगस प्रमिद' अष्ट्रचा.विट. अथभ ट्र. प. रेट । वि. रेट र्घाय. के थि. अर. शेर. ४ ट ८ त्रां अथ।। पत्रतः केर् पत्र पञ्चन्यः एर् रः ८ळे ' ने वर्ष । निष्ठः प्राप्तः । श्रु ' प्र श्रु प्राप्तः अव छः मः है। । ने न्या मन् कुन यह महार मान सहित। । इ.कुन नमा अञ्चय तिर्मायः सूर्यायः ग्लेब रे पृथा । mc.व द्रम्यः सं. श्रु. श्रु अर्टरः पर्निया। क्री भारत पायव भागाम् देश पर्ववा । विदायंत्रसम्बन्धाया पर्व पर्व । उपन करा । हिंबर्रार्वात म महेब्र्स्वायर्वो क्र हिर्। । हिंवा खेनाया महेब्र्स्वायर् र्देव छेन ह्या विस्तानी । से पहुंच शुव अंद पशुद इसमाधु स्तर्भ। ।पञ्चण नेबुं गोर बेट विय घटता हुतात है। । १ सेट पर वियम ह वेप मार हिताय ८८ूर। । ध. भर नरें ज. बैंगया इंभातार्था इंगानं वेंथा । नरें ज. बैंगया स्र ब्र-रिश्चनंबर्यः चेश्वर्यः तर्षे। ।८र्चनः तरः ह्यायः छः रिज्ञानः पदी । परे बकूच क्टब ब्रैट. हेर. चेहेब. इचा बर पचेटा । चर प्रकार पड़े

विकासित्र १६ ११ व) वहित्र सामर न्या । वित् सर नुव कु तिहरास है भु हा । नर्बेट ने ह. ई ६. तर्ब कट रेट नश्या । मिर प्र नश्य ध्य र्थ क्र्य. त्तृत्य'न्त। | ता क्रिकेष वे मु प केव प सा । गुन्त क्षे मुक्स म्बा वर्कें र हेद बुदा । भूनव रस्द बस्य कुय रने ८ रुद थेर हेंद ० ए। । प्रचात में दे रे रेप पर खेर प है। । हुन केन ल स्वात पस हैंस गुन की निद्धा । इंस म बुद सिर सरस देन दी । से नर्सें न हिन के 'से सरदे म्.क्रा ड्रियं स क्थानरे ४ मूर.जूर.तवर.त नरी। रिश में अष्ट्रं त तर्थर. त्मिन परे स्था । हर नेसल पुर कुत नेसल हे इट देश पहिंचा । शुद केंद हैं हिर बैंग गरें र रल शेर हुवा। देव केव बें र र्ट के बें से पुर बेद लब्गा रिष्ट प्र प कर. ती नीन श्र श्री निर्ध । विन म बीन मह क्र हिर. न्द्रसञ्चल गृहेका । नमः के गृहेन तद्र सुन मेन श्चन महा । यद मग चकुत् वे त्य अत् रेण स पहेवा । विषय स हेर्द ६८ खल अव मर्त्रहे लेदा । दुव ल के पन् देव लद में क्ष मृत्या । १३ व विवाद तर्मा के में इंगल पर द्वें स्वा । इंद केंद्र नामर पश्चिम् देशक हे एडेंद दिल सर ।। ब्रेदासकायहाल देशकालव सर्वायत्वा । नियमायदेश निवासका रमार्षे बरा। ।मञ्चरार्मामशाञ्चर बे तमल रुवा केनाम है। ।र्मर चब्र रचेत ब्रा के पर्श्वे र र्नार पर्व र विदार वि क्ष के प्रमुद्ध व द्रवाय देवा है। १४ वयः प्रदेशः प्र प्र ति स्टय ये ह्वीरा । वर्षेत्रः हयः इस्त सु मई निष्राम्याम्बन। । र पुर कुल मन महेन म महे उ न्युत्या ।सर्र व पशुर छ पश्चेम छ पार्थेस थे.परी ।(३ ८६ ४) ह्रेर. वियाममुलाक्षिण्यानुगानु गुर शव प्राह्मा । वि नेव कर विद मार दरगुर लबःदिया ।गुवःपञ्चन्यःदेरःवेत्रःपद्दःदन्यः पुरःपुरः। ।अःत्वित

हिर पर्भाकेर के हैट ए.केर जब उति। विषे छ्वा प्याय स्थ क्षिय मे रविराधार्मिका । १३ वर रद्य रत यह क्षेत् प्र चुर हे छ। । ध्र रण्य नित्र अध्य हिंद अध्य प्रमाना । द्रिर अध्य द्र छ्व हें हेर प्रमान मझेंबर्दा । दियद द्र यद्न एह्न गुर ल गठेंन हु त्युरा । नि स रत क्रेव श्रेपल रत है पर्यापलीत। । हि एतुर धपरा क्रे खेण पाखुव झेल 5। 1월, रेंट विरंतर हैये तह रेंश कुया हुआ । १५ वेट है, कैर येंश है पर्वेट अक्षमय है। । इ. प. से बार्बर बिवाय ट्र विट क्ष्य अभय। । लब जब. दबर्य द्वार प्रचेत प्रचेत है हैर। विवाद रेश क्रुप हे से हैंग नर्। वि.चन भ.वेषु. इ च.बै पत्री । इ च.घ.भूर भू सह ध भ प्रणा । स्वाय की. श्रु परुट अक्टर चेश्य प्रयत्य पर्दे । श्रु पश्चेत्र सर् लव'लन'न्स केन पहु। । शे हार बे ० देर स हे दे दन लवा । खुल पकु हुना हु दे त्यस स्वर प्यस् ह्या । विन केद र्दम सरे प्रश्चाय नहीं सवर दमा लक्ष । के.म मनुव मुकारसमान म र्म झेंग्रम बेदा । ल व् ही फीर्स हना स्टात हैट हुंह रेथ क्र्य पहेश व तथरा । भी प्रविट वेयाय पानी बट प्रवट. मान्युका ।रे रेर न्युकर पुष्ठे है सु ह प्य पुत्र दे। । ल है दे दका हैना है। मुद्र-विर्-तर हा। अर पालिय च हैंद बीच बहुब सिंहा। 18 अथ स छ.रहा इ. लग ध्र बर हा । अ मनगर श ८ रूर गुन र मु व वनर शेर ही। 184. वित ह'मदीव गुर सेसरा (३' 26 म) मनेर नहता हूर। । कमान्य रहते हैं। **बुंब**,त.रेट ब्रैर.हे। ।जेबर.ध.१८८ रेट.जेबर १८८ रट.हेंचब.श्रुधा ।जस. इस्रात्रुव ५० हैंद तहेव'ने हेंद हो। ।ही हुक्र केव येन गुन गुर प्रात्म कदन प्रमुद्रा । ह्रिंग प न्युक में प्रिक्त प्रिक्त प्रमुद्रा । द्रिक में प्रमुद्रा प्रमुद्रा प्रमुद्रा प्रमुद्रा प्रमुद्रा ।

विष्य के प्रतिष्य है। विषय के पर विषय में दे विषय में प्रतिष्य में प्रतिष्य में बद। । तिहेन्य केन ब्राय गुँस हाँद सेवस रेन्य वशुव गुद। । इसाम प्र 55 पह छेद में हु 'हैका । निंद' अस देंग म होश मार्देद ध 55 पखेंदा । दि म घ'न्न पशुर व रकेलि पर पशुर। । ९५० धुन वेर अ पाउँ दीर दें प अ मा । अनु त नु व व न न व व र व्यापन हव प्यापन हव हिला । न ह र र व व र प्यापन व र व अक्रमन प्र'न्न हेना । मध्य हेन्'न्न में हेन तन्न न वर्ग मन में बेना हे महुव मन्य म गुव अष्टिव क्रिंट केव सन्य। । र म् म् य तहेय दनमा र्म्य स्टब शह्नाया । द्र. मं नवसार मुर स्व हव सर हव सना । नवर. मुबाके त्वाम तुला मान गर्दे हुन गरुटला । नगे स्व म इवल व नन हेन ार्था सर लटार्टर रेणका पर ह्या छेर सर। ार्थस हर हैं हैं पहरामक्रम पर्द्ध सर्वा । क्र अस महम मेसर् हे तक द समुप्त तमुरा। ह्रण पहुर र्चेश ता हीर निस्टिंग रेट च दश्याप श्रीचया था। विया पछ स्री गीदा लब चर्ष मान्यक्षरारमार्द्रम् मान्त्रेत सहर महामान मुख्यानेन्य मर हूँद्राः नप्र मधेब.पर्य.र्वय.वे..वेब.विम.व्य.वे.म जब हैच न द्वल ह्वयं की.नश्चन पर रेश प हो प हैं निवंश से पर्। ।

तुन्या इंशयदे रेअपा खेपा

1. शुक्र अंदः देव 'यदि 'वृक्ष' प्दः 'दिन 'हेव 'यदि ' सम्भावता विकास मान्य स्था अवस्थ

अट. ह्रथ. ल्यं. २५. जीर. की. जीर. ल्यं. ल्यं. ल्यं. तहें या तहें या तहें वित्र स्ट्रा हि. हैर.

मुक्त प्र महिंद त्युव म्प्य एद मवा । वि छिर यर प्र रेम रेमव समय प्र हुँहा । नेव पुरे प्ले माथ मेरे हुँ राम हो। । इन् ५० वि ३७ व १ वि देनाय गुर अवत जय गुर। । हु.म.र्मिर्य नेया नाथेय गुथे लूचे व्याची । क्स क्षेत्र क्षेत्र केत कु अधुद कुल मुद्द ९६६। । वि ने दे हे मृद् मार्ट्स क्षेण एड्काक्टा । महिन महिन महिन महिन सुद हिंद मेन हु है दा । क' नम শুন উপা ইংই'বাৰ্ব ক্ষৰ ক্ৰুব। । এব মিব ৪ বি ৭ টুন ইণ মুলি নৰ पन्ता । देश केन रत पक्षेत्र तमुर केत् केत् केन नमा। । देव इसम हेत् नुन भन महीनव पहें स्वेबा । रिनु त बेंब ब्रूट दब ने एलनब लेल नु। । अर् रेन्य वर्षे भे पर्रे में लेन्य सुर भा । प्रमुद्य भेन सर्ह् द्य प्र व्यक्षत्रम ह्विराम्बल हेन दे। हि मानवराम्बल ई म हाम हेन। । छू थे। चकु ८८·स्यापे हेस ग्रु थे। कुटाय से चर्द ८व८सःचरुसःचले हेंदा <u>न्दः। ।शुक्र पकु</u> द हुण्'दे न्ज् ल्वस पकुन्'न्द। ।वुन् य हें ल य धु व्दः द्म लया हो। । विदासदाष्ट्र में सर्वेद में दे के र्याय पढ़ी। । गु में सुस हर हूर् हेस.श्रुट.चंबु.टन्ने। मिट उत्तेष अर्थ २४.चड्डचंब उट्चंब उद्दे नंब उद्दे नंब उद्दे नंब उद्दे नंब उद्दे नंब विक्या । इस प्रे ख्रु विष्य हिंद प्रय दें दें हैं व ला । विद्या प्रव हुन न्युक्य पु वे के द्वा तहन । विन वर म रे धेय वय हुर विन हुन । न्द्याप्ट चेत् हिल रद अधुद् प्रमुदा वहित्। । चुद द्य न्द ल न्दा नेय ह हे.वेरा ।३ हेर प्रहेग स्थय वे शुरु गबेर पाचर पश्चा । ।वहर सह के अर्थ वर्थ के वार्ष के विषय है। विषय के विषय के स्वर्ध । द्रः वृष्ट श्रुट्ट बक्ष्य नेत बक्ष्य है। । मू नेट्र पट रट व है र नेव मर्हेर ९६७ । छन्। रॅव 'नवस' नकुर झु'रॅव' ९६स' ९६६ हा । रॅव' र्वेनर ञ्च नित् अर्थेर. देत् रेब्र. सूट. जेपेश विष्ट्र खेरेर्ड प्राप्त प्रमुख कि. निर्वासरा हु। विषय पर स्व ग्रेस से प्रस्त नेस पुरे ग्रस् । वा अकेस दे प्रस् नार्द्र-हिस मन्द्र- १ । गाँव नेस छे. हिर देन घड़ नवस ल मन्ना । हिन मि लिखान केल मे न मन् (हर 27 म) ह्य दि है। । रूट म बेद केद न दस र मुर न बुझ दुर । । र म विषेष मुम्य स हुन हे महान्य स महानया । मिष्ठिय स्व केट केंद्र मिष्ठियां मिर्व इंगल है। । पशु द तल पठल लख केंद्र मिष्ठे स सु १९८१ । अर मे रा पालीव हमार मासुस रमा पार हो रा । मिष्ठि व ५८ हेर बुव गुर तहन के नयत हुन । किर के बैटल हेर बैटल हुन यद ल स्वाया । मिट्य लय क्या सिंत हेट्ड इस ट्रेड हो । मिट्य लय, श्रेट सिंत गुंर इयल गुंदल'त्द रहेल। । बेद ल गुर सन्य सुर बेद हेद गुंदल। । युर केर के व सुर हमाल हिंद हमाल श सुना । दे यह सुर नल के द हिंद के द ल्याय.हे। । अतं विराधिर अर जन क्या है. बैंच तर हैरा । र्याय ८८ ल्य १व.वे.त. हू पूर ही। ।पढ़ेल्बालट व वेट टेट्य पत्र शे.पटी। । ईक पवीट. रह्यार्ट पह दापा हेया थवा है। विश्वीरार अर्पे ते विषय हे स् स्वा विष्यानेत हमाय प्र वे स्र वे चर केम । महें प्र विष्य हैं पत्रेल इवस रहे। |र्दर-८ दशत है हुँर खू नावा । खर लग दव तहर । क्षवे. ब्रें र प्लंट ता जा कि. जे. क्षेवे. र देश तर रहे रेट. जे खेशा अष्य अस. 퉖구,다뤏구,됬네쉬.더러 と립고,워요니.머쉬 됬! | 티큐스 디고 리드쉬 둦리 리드쉬. कर र द में म्ला । न बद र द र द ने र द में के म हर हुन । है म ब्रेट क्रिय देश ए केर में ब्रेश दें। । में मेल दें में के ला में ट्रा में रहे में र्देवास सम्बर्धाना कराना हैं दार्क वादी। । सुर्थ प्रस् सुर्थ रुद हैं हैं नुष हैं प् तपुरवाया । तिष वेयावेषाती. वृत्विता हेवय वे.हे। । तेषाता प्रमू न्द्र मं प्रस्था के प्रमा । ति प्रसं मुक्षा का मुक्षा कृत प्रमा के हुन में । प्रस्थ वा मेक ह्यां के प्रचया वित् हम हिन हम हैं देव पर हैं प वार्वशा विविधानि, हेर्वाया दिलार मान्य ही अकद वेशा विमूच होवा भेदा

में न महें न च बर समबन । एस उद् (हैं 28 दें) में चेन हें न न ने सम मुक्ता । हिन् केन हे में केन क्ष्मा नम नन मुख्या । महिन् स रेनल महिन कैन्य महें र्ह्न मिले हिला । किय प्र केय उद में स्व मालव स्व मार्डेना । एक द द्व बेद दह्व थे ने नह बन गुरा विव देन कि कर बेद हैंन हॅं न के ना । त्रष्ट्रास न्द साराष्ट्रास नद रेन में । विस्तर नद से सर चुद पठल सं'सद्द'लुस ला । प्पट भेट् रट रेण हल रहेंर'सद्द सुस पदी। । निरंश क्रियश मान्य साथि के सहेश न्यम श्रम्था । निष्ठे क्रियम बिद कर तम्ब बर सब है नवा । है नव छेर तमस तमस राम मुन ही छे चन निश्च रेट शर प्रिम मित प्रमानिवा निष्यं अकूर हं स. ल्य हेस न्यम इस महिस सा । रूट देव हेस न्यम इस मार्थ हमार पर न्न । अंकिट क्षर ब्रूट त्नाय हनाराय सन्यार्दर। । निवेष्यर ने 'न्ना' हैन द्धल पश्चम ह्युप म्याप्यदालया प्रदेश स्वाप्या ।ह्याया प्रयास सुव ० प्रेव वल प्रचुर व सन्तर या । हिर द्वर देर विस पर रना हैर ग्रैस पह्नी । त्रदे वे दे रवत्र इवसाय मन्त्र के हे। देन महेर वुद केद देन मुद्ध के बर्के दिना स्रार्यकाया के लिपक संवास व दे दें। विदासि विदासि ब्रुप न्द खुद ल्प्चेद हर ब्रूद पर का प्राथम। म्बद ल में प्रेन हें म ने हे कमा र्देव चर्जुरा । यद्दर वः नविशः मुः । यद्दर भ्रिनाः नेवः भ्रिना नख्या । तहस मुद सर्व हेस न्धन प्रतान्य परि खन्। । सर्व सुरा वि नि नि नि नि नि नि न्तृत् क्रन् न्तृत्वा । व हुन् दूर् क्रन्य देन त्या देव न्त्र देव न्त्र देव न्त्र देव न्त्र देव न्त्र देव न्त्र नाबे क्रिया के प्रति त्र प्रति । विश्व स्थापदाना देय स्थापदान । के. च. रेचे. अर. ४ हर्वा. तपु. क्षेप ६ (६. 58 च) च् । रुवी. तपु. रेचट. तैवी. क्षेत्रय.

🐧 मधुल म हे। । र युप्णैल माबल में द प्र ळ द सम ह्युमा । में द मा छेरः हुस ८ हेव पहुर्न अधर प्रस् गुर। । ह्री नी खुल पहुरा केय पुरापुरा ८८। । तिल पत्र अक्ट्रण वे भी गर्थ र श्रेणल हेव हे। । छ पत्र अपल ८८ नर्द ह्य पहेर नर्य हरा । नय हन्य द्र धर प्र प्र द्र हम उदा । कु प्र यन कर परव प प्रेव प्रेव पर्वा । मुब्र वशुव प्र केन नुस में अक्ट्रम धेव है। । क कट नुस में तिहर सर रट सर दे। । पनु न्द हिर हि हूंस पर्चेट तम् हे सी। । त्रिय तह हे अर्थेट्य रेशर बेच बेल क्र मकुना । सर्ने नम् कुम् ने समुद्र ने हेल तम्मा । तहल कुन रह सर छेत् त्र परु ग्रुक सम। ।परु ग्रुव घल में स्वाय हुर छत् ह थे। ।त्र म् मेर्य तर्म र्म्य हूंच रविंद केरा । निश्व त तकु त यल सूर्ने मनु दी। विद् नुद्दिस पस्र भेद मे प्रेय मे राम्य राम्य भित्र में च्चित्र कनाय साथ नार ह्य हुन। । पाली स भीव मृत्य हिल स ह्याय सहा । **। य**सः भ्र टैंची.ता.हैस चैंट.पूर्ट कु जीवशा । जिं ह्यंश कर्यंश वंश ४ पूर प्रस हैर यः म वि मृष्टुणी । अथव राष्ट्र अक्चा तथ तथे प्रेंच व ४४ पर्छ। मिट हेट सट.कर्मस.क्ट.तर्वे.नेव्य हैं। बिनस.कु.पीर मेट.क्टस वृस हूर. श्रद्धा । क्याय स्थाप्तरम् सुर्यर अपनि कुर छ। सुर सेवस पकुर्द है. में २८ ब्रूट व्रिया । शल. झ. नडे. नहेब लघ. इच्चा । नमेंद ह नाई र ब्रेव प्तक्र प्रतः श्रेव प्र विया । हिना छ प्ता अव प्र १३व र ८ व र ८. अर्ह् दर्भा । कद्र अंग्याक केव न्मु भव ही द विदे थे। । केन् नु अर्थे मनुबः बेटः सः मनुनः नुः । निः न्य समः हुः स्याम सर्वः देशः समः मुख्या. । यळव 'द्रो ले 'कम्यावि (है' 29 व) क्षेम मूरा ग्री १ वर्षा । क्रियाम्य २व'केव'कुव'मकुन'न्र'न्य'मिश्रमा । ध्याकु'तुर विन्'न्यल'कस्मकुन ८भामवी ।तिय अक्ष ८८ घर हे ह मि.दै ख्याया ।विट त्रियाय ८म घर वि विज्ञानस वे कव पर्वा । धेव पुना रं में कुप स्व कुव पुना संगया।। रेर वित मुंश त स् स्वाय में व के निवा । इ.त.लव जाता कुर हैं र. बर्ट्स टेंट यक्या । इस तम् र खुल वर्षे ५ वर्षे विश्वम्य स्थुद हैं। । हेद मदस म्बल लक्ष वित् भ व्राप्त विता । वितायन प्रत्याचन म्राखेत हेल खु त्यः या । ह्युः त्युत्व अन्य संनाय महार्दे न नवर मार्ट मेरा । मार्यु हेर् अर्द सब क्षेत्र हित्र दु पढ़ी । एवस हिन सं संदे के ले ले ले हैं न हैं न हैं पारे जर पा श्रमाय असू भी वि. टू. रेटा । स्निमी ता वि. मी श्रम असू । हें स र मंत्र तर्। विर व्यवाचन क्ष्य वाचन क्षर पर्ने कु करा। विरीयः भरिवी व्यवा हुन व वनव कर वर्। |नवन व क्षु'मानवर'वेन रैमान र्मा | निष्ठ विरे इयारचेत्य हैलाखिनयाबदाखिनयान्ध्रेया । निवृयानचैनार्द्रवाच्छा सक्य लियाय ह्य त्याय ह्य यक्ष्ट सर । । व.क्रट्रम्.याख्रु.स्याःश्चेय व्यवस्यरः पञ्चना । वादरः भ्रूबः ८वा वाकु द्वः गुदः । वाचुदः रच वाचन स्वायः म् रिश्व ८ ह्रा श्रेट्र १ विष्य द्राय विष्य मा अवत प्रव ह्या श्रेर श्रे भटना । बुन्य हेव रदानदेव द्वर युमा । वे वार्य वार्य वार्य वे वार्य वार्य वे वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य ब्र.का ।लन.२. धट.वे.ब्र.ब्रे.४४.४८.वेषा ।अ८.पब.५वेट.बुट.केष.चप्र. बर्ळे ५ 'हेब' पकुरा । क' कर 'देब' बेर्' हेब 'गु हाई 'बेर्' हे थे। । वित् गुै अविश्वास्त्रवारक्ष्यात्र में द्वा । वि. लक्ष्य क्ष्य विष्य वि । नमरान्दाने खेना वर्षा कु करा हा । युव केव नुवार विरासवा ना सुद्रवा के नेया है। विकें ने देव सदय कुल हैल गुट है पायदा । पट देश है। लगुर गुल मृत्व (है र 29 म) नगुर महि मरा । गुल हिर लग्ने न महे न महे बर्द्दर्श्वरेग्नरा विग्निद्दर्देग्यद् क्रबर्श्वर्द्रर्ह्नाद्दर्गत्वसा विग्नदर

न्बर-न्युअ'रू व दन न्डन रु व्युवा । विद धर-द्यत बळ्न देन ध' केद. म न्दा । पाम खुम रद पुर अर्केंद हेद केद में थे। । कंद द्वेपल हेद मुद्र अपन केंबल सर्वि सद। । किंद सर द्वे मादल मकुद कुं अर्केद हेद न्द। विग रेम द्यु भे कद द्विया व संगम ग्रुटमा । र्र देव सर स पि'रै ल स्वीय पहा । विर र्र हस नावन पु पहुल स्वीय पु'नायला ।स अप मर अप अप मूर्याय मेर पिय के प्रया । यत हा वर विश्व में वी मंद्र कुद वर्षा । पर्वेम ८८ शुट महि त्युल विषय में महिद संगमा । एण मई सर्वा चुर हिंद स्वा दिदा विव क्षेत्र रेम स रहेद चणुन क्षेत्र न्द हेटना । विवास के में लिये में तह है। । मन्न महा विवास भुँद हिना कुं लि हार । । छद र हिन सन्य स्वाय स्वाय स्वाय सराम हार। । ४०० सं. सट. जेपू ट र प स्वाय ता । किट. तर. तर् विश्व विषय अट. भक्ष्य तर हैर। विवास धी.रट. हीट ची. मेल. पर्त्रेय सम्बा किर महा अक्रमे है भुवाय वार्थित द्वाराया श्रेषा विष्यात हुवा वार्ष तार्थ विष्य स्था समाया । यानवि देव कि वृष्ट्व मेट कु हार महेरा । या सं महम या पकुर रट बेब.शूट टी । जिनाया की. नझेब. नकू स. झैं. इस हैने. छे. नहीं। । ई. नहीं स. नमलास्व कुनाकेव मन्न हे हैनामहे खना । हामान्य सामान समारहित नश्चाना है। निश्च निर्मा ने निश्च निर्मा हिल निर्मा यासं वर् न्त्रं व सर्व र्नु । क्षा में रा रे रे सव मन पव भना मकुर। । वद्रदर्मा विक्र सं विवय सु के अर देश । मार्स पु नार केर स्यादर नार न्य वर्ष । न्य वर्षे वर्षे प्रमानय स्वर रचर क्षय है। । न्य स्वर वर्ष केर्(इ. 30 र) वर्षत्रः रूपार्वे । वर्षः भावः ६ तः लवं पवाः पदसः तथा पर्वे । जियाल की. कुरा देवाय कुता कवाय हता हे वाया । १८५ द्वा.

अगल हुर एव हर हु ये नवर। । स निर्मावन स्वाल नवर स मार्के स से निर्मा चै। । सक्द हेन् सल न्द रहेन हुल मुन्द स न्नन। । बन् स नुन **नस्त** हिंच न्युब हे रेट चु। । कु विकेद न्या स्टब हाँट चुंद कुंद चुंद दी। । यस हुम बुन्य महे अळद १५ रखेल बर रह्मिया । कु ५८ हैद ५८ दव महे. बुँ दब रहे। हुँ र लब कुंद हुँर रुष हुँर मादब स्वय है। । वय द्वि पस्म न्त वल किंद्र में पर पवल। । शुक्ल में कुल बुहेल क्वें पाले यानला । ८६३ हुम इन द्विद् दे के क वृद् महना । बद् केद मदेर नाव्य क्य महि ब्र सम श्रेर। ।व व कु रूर बळव हेर यव पार्वेर पहेवा । दव पार्के हुँव न्त श्र श्र विषय पहुंच । श्री न्त में स्वा मिन सर द्वा मुख्य वार्षा । बुद अर पुर पर पार्व पर घपल एव छ। अद य कु हुना लक्ष गुर लाव ल अविश्व। ।रट निवद रहात. खेर पट्रे लेग्य रचेय वेर हींदा । ह्या निरंत क्ट प ल २ बोबब प पना । बेब ह्म धिट ट्र हूंब पह झर हुन हो । हे. १९ ईट एर्नाय यूट परे परे पाँदी। हिंद रिम्रोय माटक मुँ रेनाय ए हैं परे **६**ला ।रित अरू टितीय लाज बोबार का भीत साथ बैटा । दिवा सब्दि स्थार. इ ने नण क्षेंट पर तहुण । श्रर षट क्षेण्य पय नुय ग्री देय प तकरा । बंद हेरे ह केर है रूप बेंद व पका विमूर् वे विश्व सर वर्मेर वेरे वेंदर इस्त हैया । हे सर हिस हैं र टेंब चलें बोलय से प्रदर्श । सर हिस स्राप्त चिंद त्रांत हुद ब्रा रेर। । विषय त्रांत्र वाचर द्रियय रह ४ स्था खार था। ह्यो। | देस नंबंध कू नंब अक्षय बेद २५ हे 🖺 ४ त्री | हे 🖺 प्रेंट ४ जूब. विस के स हेद बन चुट । । दुल न्सुस सक्सल नवे खुद नकु दुन हुँ र दे।। पड पहिला है पार्ट का सुन ह प्रतिन का है वि । । हिला हैं प हुना पन हैं प क. अट ब्रुअ: ब्रुंट ८८। । विता पकु कि केंद्र विता हुया जें तर तिया। । नाबत. 조저 쥐도 튈도'릴드 다양 M로 어디 본! I데크어'본'뵘 데우로'5꺴마'륍드'중에'

यक्षा । तम्ब स स क्षेत्र हैं य हेव म्बद पद पहाया। । द्वेद **र**्ष्ण्य रिर्दे देव तथ न न कर हिंग होता । ज्ञित न देनाय सहर ८८ स न सम्ब पर्वे तथा । के नय पर्व मृत पर्व सुन प पर्वे ५ ५ म न मा । शिय स मह वित हिंस गर ठबु है। । सहस छि , किम युँर धुद केद पेंद ५द पड़ा । धुद स्ट र्व के व स रट चे ता ता हु हु न मिल हु व स र हु व त रह व हे व के द रे नुरा ।केनिय पर्ट ईम हुँर थे.चे.चैन म बना ।चुँव कनाय पर रु मण्ट च मैंह है। । यह स रूट के सहस छेर सहस रूप मेल प हेट। । छे स पण्ट म हुनै तखन्य अ न्द। । र लिटल नुसर शेर हुसर ल म्बद मन् तन्।। सब र तम् वि चरम बह रहा । छ. हेह पड़र पर प लह पहना । वर यर हुन दर शुव अर हैन्स हुन नहेन । वेन बहे हरेन कुल हेस शुव देंद न्द स्वा ।न्द्र केद ने पद्येव पन्नाय केद २५ २ वेल है। ।कु व्यव लस विट टे. हेर ह्वा तर कुट। विवेश ल के कुट एवंस रट एवंस कुट कु। । ळेनाव स व चुय य च 5 नाव लेना स वावा।। किस् नि हेना देव अस् देव पहिन केट कर नेया । कर्द प्टाई द विशय दट केट देव किट कर छ। । अक्षा हैं र स रट पहेंचे तह सर जा रट। । अक्र हेरे पहें हैंचा होंचा. न्द सेंद म संगया । गुन नगते र सन हिंग गर न्द अर्ह्द या। । अभ्या हब् अणु मुंद हुँद स गुब् ल पश्चमा । के लदे दे मदे हुँद र अ हूँ न व अल. ता । ग्रीत अध्याष्ट्र पश्चिर लक्ष रत हो । लट रना लट.रना श्वर सह है प थर। रूप भ पची पथ गूर.भ. इ इ श्रा । पर्चे व है.वर पे हे अ. ल्ट है ताल। । बि हैनाय देव सनाय मन्नाय (ह 31 व) हील रह हैंदि. विश्वा । विश्वर प्रवास्य विश्व विश्व स्व भेवा । हैन ने प्रश्नि हैं। या हम कर् ह्या दि त्य कुद त्येद या इसस त्य प्रमासुस । मानाम दि से वायात अभव. १व. १ प्रत. में दा वि स्वाय या वर्ष दा अरे हि है।

लब स्वाय त्र्वा हैर अर्थ रेश रंग यह नेदा ।हिन पर ही पर ही में मुम्ब उद या । बिन् व म्बुब मुक्त है हैन हेर स म्बला । एन यर स स्व ह परि र प बेव पर्म । मह मं भंद न्द मासुस हुसस दे तल हा। । दे सका मुल दे राम रामुद केद हा। । सका द्र द्यार में भैद यह व सुनाम प्रमुप्ता । इस प्रमुप्त मन्नुत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त । चे अस्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व इस ८८ स्व १व सया । ही हे ८५ म केन ने ५व हुन हा। देन म ठव म दे अर्द्धत्य कर् य पढ़ी । ग्याय पद ग्राच्याय पकुर संगय वर्दे रघट छुन ता विश्वन त पर्वे तथ क्षेत्र सूर्याय विष परियो ता क्रिया होट कर अर विश लव क्टब त या । य प्रच मुन तर्र महिम नवट य या। निह्न गीव मि. के चर्च हैर चर् हूँर या । सक्द हैर चह चहिल सँचल वर्र किल र्घेंट. या । ति व व व व द द द द र न म य है। । ने व व व व द व व ह र व व व ह र हु या | ने न्न अर्दे अर्दे ने भारत दे अर्दे ने भी । यन्न हुन वर्या हीय धेर र्र र पर दी। १९० व हर सु ही वह मा में रहा। वित रहा मु वन बन्यासुरनस्य प्या । धु रूला गुर मा गुर मुद्द रेटा नु । मह्य अर्थि, खेन तर है, रेट क्टल त ने हेश । विषे की हिंद प्रस्ते, रेट का इस'न्युस पया । न्यु, प्र पय स्नेय लूट क्य ठ सं च च बुसा । श.रम्. पडु'र्शेट द्वे'पडु तहँद पडव'पश्चेष। । शिट ट्रेर'विवय प्वेष पटुंब दट' भु.भवेष ब्रटा । जियालभ ह्र्यायार्ट पर्वमय प्याभव्तार्थ थी । इस व्रेषः कुं अधुद प्प्ना मेरे रम्य पन इत। मिर बर मुबब ल पम्पूर मेर् 31 च) छटल.तप्र द्वेच ।चंबेचल विश्वयाचलका.चंटर चले हे.कें उत्तर चंहेला। कै.ज.हेर.चर्नेचय है.चर्य हेट.इ.पहर्या पर्ह्मा.नंट कैंव.पह्मा.च्युर. त्ह्रमाकुं पर तहून । ५८ वर द दे १८८ ईस दे स्वीति । इस दे स ८ह्मा विमान मिन तिया येमस मेर् १ हिन्सा विमान सामक के के मिन

द्र द्वेद शब केवा । द्विर दुर इंदर अवत केद ला हेद हुन विका । ह्मर अवह र ने व व व ने ने देव अव्द र व न व व व व व व व व व व व व व व हेद युद कॅट लका । न्ट्र नाले हैंन न्युं न्नार मने हे नहेन मही। ही। । अठव हेर रेण म भेर छेर हेर महें गुल हर। । । इस्ल गढ़ी रम हुः र्म स्वाय यव भवा पत्री । दे पत्रिव हेर पर्श्वाय येर प्रेर ख्वा सर्हार मैना ।रिस र्युंद म्सुस धर द्व रामित यद सम छ। ।यही धर यद सम पर्वे स्व क्षेत् पकु द्वा । त्वल स स संदे दहल वा है कि त हो है के ला । स संदे मादस । इस क्रीद तम्ब समाय क्रिटा । माज्ञमाय केट् हूं सस तहम पद्दि यद कु तन्त्र निष्ठम । । पत्रम निष्ठ पद्दि सेमल वृत्त था स रमस पत्रा। नविष्य द्रेन अर्थेट. बैट चर्मन वय वय अनित रेट । विश्व मुख अर्थर लख. है जिंद वाबुद पुर केरा । १८५ में य रणय म जिंद केर वे ये केर केरा । विस् मते क्रूंबल तहना केर हित अवर खुन है। । त्यूल मु है द दहें द के क्रूंनल विरंदे प्रवर्धा । वर् अर्थ अर्द्ध तार मुका स्वीय स्व प्रवाली । के द्रा विमान्त्रव र्व मृ महिर मुदे अकॅम । मुल पदे वेमा पर देअ तहम ह्व रब्रिं | विव सट्रिम परिमादका देशक पट रहिम हेव परि तस दसायर चल्ना पर श्री वर्ष श्री

2. वेन्'प:के'ह्रम:नेश'३'वेदि'न्न्स'इस' पम'नेबन्'पदि'स्निम्

च्छा मुन्दे हिन्दे हिन्दे हिन्दे मिन्दे मिनदे मिन्दे मिनदे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिनदे मिन्दे मिनदे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिन्दे मिनदे मिन्दे म

महीर मान्य गुर गुर तिसर महे की। । गर्म तहे बार सर्व छर त**्रा** ञ्चित तर अधिवा । रे के कि इस राम इस लियेर में स्राप्त है। । या हव ल राम म चु सुद्र मुख्य हु अके द्रदा । हिद त्र स्थि संग्र त वेग प के छूट में । न्मे पहु अर षद ने निष्धु के लिपना । देश यर तहे व नद नपद य अस मुख्य ख्य मार्ज्य मही । मुब्रम्य क्रेर्रित नेयात् हेर देव नेय हा। न्त्रम् स् द्वा म न् न्या विषय त्युष्ट म पति। । विषय विषय हिंद नाज स्तुर मुक् लम्ब तृति गृत्तुग्वा । इस नेव हेद गुर केन् संग्र नव प्रार में सा । दे लेख माज्ञ प्रामाज्ञानक स्वाम के देव हो। । एता माज्ञानक हेर हा है कद हुन नाम मही। मिंदिन विवाद पहें वे पर मही। दि द्वार सम पर पहें निहें सरेन हिर महिका प्रभव के द ई माल के द ई क गु ही अहे द परि । मा हु मल दे पर्वसम्म न्यात्मस युर स्वात हा। । देव यस एस हिंद केस विद्वार पर स दवा । तिर्माने रेना मह के व के मार्कर महामा । अहर मध्य झे वमार छे हुंता इसाय मुहेला । तर्ल हे नेल यल दे प्रेंते तर् नेल प्रा अर स्वायाय क्षत्र मह्म म हैव । रिश्वेनयारारार दे नेराह्म हैव क्षर ला। नव्य स्वत्य वेसवार् सहत्य स्वाधि स्वाप्तिया ।दे प्यत्येसवार्दिन कु इ. च. २८। विश्वसः विर हेव कि विर तर हता त है। विव स स्वाय अर्थत्य ह्यान्त्रभय में ह्यान रचत्। विश्व निर्दात्वेर सेत लिवयार्ट्र व'रर'रें। । गुव'नवे गुर वर्ष हैं व भर'रे स रर'। । इ हैं व'नवे रर हे तप्र. १ वं भूरत देवं । पहेंचे तप्र, देश पुर प्रमूर, रे. वेंच केंट पर्वेटा। । इस व्यट हेर नहेब पहनब व्यट हैं नुरन्। ।दे दन पढ़ी सब रह कु खुप दह का असम मुद्द प्रमुप्त गुर्व (हैं : 32 म) वर्षे 'खुल देन हा । प्रमुप्त महुप्त इ'मरे व केंद्र इन |दे'सराष्ट्र माने रमा व दार हत् हता हा में

एहिन्य दि अवर है ज सूनेय है। । कर ने हेनेय ने से अ प बेट ने स्थ रहें। म मह्या । १३ १४ १ में ने बंबर एकिंद्र मही देवता हो। । अर्थेट्य मर भू निय त्तु चेत् हे सु मासुका । तथिल त्योम रेम केत्'मादस त् सक्द हेत् त्र। । व हुन् व विं म कु तन्न कर महन्य छेर। ।ने'न्य हे कद मकुन् नु तनु म भेदा । वेसस भेद इस धर नेस ध है प्र पकुर दे। । गुद प्रदेश देस नेस भ पहुँ पत्र पिट, भ परेदा निया क्याय पर्य पत्र य प्र प्र प्र थ भी व भा । भू. मंजा क. लें लेज कैट अर्थ्य शर किया । बचा त जुर हर विश्व चे बिश्व मकु बर वहन । हर है द क्षेत्र द द म मर्ड अ के व हिन । मन कन्त्र वर्षे पित देन देव रहे व रहे रहे हैं। । क्रुव वह व के मायल वर्षे दुव र्षे र बुद दर। । रसेल बुर ऋषिय पर्व रहिर पडल देव्द बुद हैदा । राष्ट्रीय मुद्र तम्बर सु होत् बुब सम्बर्ध साथी । दिनाव तद्वे कु वाधुव माव्य होते इस तर हीता हि दि से नसला नि हैंच देश तह हैंदा । सं ह्व देश हैंचे रहा चबुर ले.ल्रब नर्या । ४ ह्ना.चेर नट.च्रब चब्न केट अट अच्छेर। । ह्या. गुरुन ने'न्र'गुल्द नु'महेन नु'बेन। । गुद्याम गुर्खे न्य हेन बेन हेन ने नु ्ह्रण । ८४. ५६ व प्तर्म हेर् पश्चिम् ल स्ट ल पहुन्। । हें व स्ट म पहुर स्वाय अर्थेटय.तर निवे तपु क्षरी । विमातर.एक्ट्य ब्रेट.अ त्वे पर्टेतय. इ.स.कैट लेल के. क्र्यंथ जा । टेश्र्यंथ तह देश मुंग मुंग पढ़ कर तर है। । अक् केट पर्वा में व ल पहें न में अकेट बेट । रियट में हे जा व सं त्या हाल न्रेन्य में न्य न्य १ विष्य । विष्य प्रमाय में न्य न्य है में प्रमाय में न्य में में प्रमाय में न्या में में म कु'लब क्रवम्याविवानुव न्य मह्यम्यायरात्वुमा ।(३ ३३ व्)विनायर क्षरं मुक्ष श्रेषक अर्थ ता क्षेत्रभावता । सि च्र र अ च हे प्रक्ष चित्र चित्र हो। । ल्ट्रेट.यं.मंबीनंश तिट.ज.जूनंश यश्य.१८ निया । मूट शर्ड विशय यं.हश तीया.

हु मही । य में द र म सर्व तहें दारे एसस पर्रे म कुर। । द र र कु इल ईश पुंथ विश्व हैंचे हैंचे । विट ह्रांश चर्नेश रेट श चर्नेश कूरा विश्व हूं।। मञ्जाब स्ट राम छल मञ्जाब ठद पिकाय पर्छ.रम। । ছিল শ্রীর ব্রীনার निहम रूट प्रथम निवास क्षेत्र प्रमुखा । इर ८५ मुंद नस्त कर की खेल कि होरा । क्रम होट नियम ग्री. होनाय नाइन क्रम ग्रीयः नहिया । इस नेय सिट स हिना हुन हैं वे भेर परवा । इस नेव प्याय पर्व देव पु वेयय गुरा पर्नेया । के पुर क्रवाय शर लेट त्य भ तर्मय त। । क्रय विशय है वाय मुडेम ८५ म वस पर मिलला । दे.पढ़िद हेर मंसुस दस सायर रिमीम स मिन्ने । श्रे मास च न्द् क्षर लनु चम्मा च च च । । लनु स च स लनु स स च स न्द्रम पनुन पृष्ठित प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त भी में प्राप्त भी में प्राप्त भी में प्राप्त भी में प्राप्त विर तर प्रम विषय बुंब वि देश,तर,तबच विषय, मुंब मुं, पर, मूं, पर, तिव म्ब्रिया । अकेराय केम महम्माय । समान मह महिन है। ।हेराप्टारे अर वन केद वट दि । दिवेन्य केद के रेस के केट वके दार में। । निवर व्य है अकेर पह देगम्बरूर्रा १ द्यानेयाम्बर्याप्त्र केर ग्रेही बकेन दे। किल मधल महानुनाकिय गुः हु। बद्धाना नहान नि न्द्र.अभव ४ हिर अभव वैटा । विव.भव.४२.वेट.४२व घावेव ताही । ३व व्यापाद्याय नेवाचात्री स्टर मही । निम्म मार्चे साहमा हेन अव. विद्याला । क्रम हुन शेमल प्राप्त प्रति । विद्या स्थान । विद्या स्थान । भु.रे में हु. य. त. ये हे थे। विष्ट टेह. य पर्वे. अ ह्य य. त. त मेरी। विर्हेशय तथ. अथव वेंट चढ़ी, पर्डे के वैंच है। निंदे श्रदाप्ती, वेंदे पर्डे, चढ़ी, क.रेट पर्वशी (इ. ३३ प) वंभ अंविर रज्ञाच चोहेय प्टेंब.अ.चेश.पहा । चंडीचेश लेट.कूथ. निश्य करे. में श्रे अपर देश । गिर हिंच गेर नहें यह रे. रेना हया पर ने ये में ८६४.घ.८६४.घ.७८.घ.चेवथ.२.५वीर। विम्यम है.४७८ येवय. पहल रे रेर लट! लिपुट विशव र्षेट् पहुंद शेशव शिंद इस पर वेवा । बिक्द मृद्धि बिक्द हैंदि दूरिय बेद मासुब मासुब दुवे। । बिक्द माद्धे केरिय तर् मेम तर् प्रेर पशुषा । अ**ठ**व हेर खुल रुव रहेन घँर पहण्या प म्युवा । मुब्द त्युर ८ रंग महेद में शेर् ८ रंग मेर महत्रा । मुद्रे के हिन प्रेण श्व कर श्व कर केवा । कुल परे प्वस सु पर्न केन सिन कर न्युका । केंच प्रेट्य र्व एक ल्रुय क प्रयादिन हा । नेव प्र केंद्र स है न हि छेवा । धुरि के छ्नि यह हिन्स वह हिस वह हिस पह लाज न अळव हैन लहुना नाले ळिल ए नहा। ।लहुना मारे अळव हेन नासुझ सास पत्रिय प्राप्ति । हिंद प्रतिय व व्याय होना केद प्रक्षित है। । नाद्य सम्म स्था मु ही दे मु अळव ला । पण ळणल सुद हील हिंर सूट रट पढ़िद रूट। । प्रवास पर्वा गाञ्चनास पहुंद श संवास पृष्ठे क्षे अट। ।देर प्रवास क्षा प्रवास 🎖 म है। बैद थेद ला । ५ दें य ल हेल ल हुल स श्र न मुन्य स मुन्य। । रोअस ८८ रोमस पर पुट प इस हैंग है। । वळद परल सळद सेट् हॅद अद्य के अद्य स्वीया । यहूर रेट हूं ये तथ पर परं य हुव हुरा । पष नेव सहस हेय पाट रण नेव ध है। । अस रट खुल ठव सकद हैर संगय न्द ह्वा ।हेव की नेव च वयव उन वन उ वन्या । पर्हेन नद हैं म सब पहण्य इसस गुद पहण्य है। । यह वय पहण्य सम्ब सहद है द कर्प ८८। । पाइट १६व पारेश स्ट हे छ देश ग्राट्य मा । हिंस द्या प्रमाय निश्व लट व इस ए एडी |निष्य रिपट की मुेव लया हीस इस देन देश | गु व हैं व य (ह 34 व) चें व गुव छु न गहे व गहे हर। । अ शुन नहे य यह लद'व हुन् हु नुहे। ।देव दश केंच हेद'र्स्टर मून दे चलेव हेद। ।दद' पहें द्व प शें पुर है केद दर। । । यस नेव मुख्द रय दक्षेत्र खुल खुल मानवी । विनायर निवास का माने हम हम मही । हमारेना मह नहिन स्टब चीत रेगी. सूर्यक्ष मेबिटका । मिलेंद रेतट क्षेट क उन्नित तह गीर तटेंद. धुरा । नुषु व अळव हेन य दे नहें स सु तनु। । बेन न्द वन र र मब्दि हिंद म हेरा । अठद नबिर वहन द्र ह्र ह्र क नुद महन्य है। । लबेल लब हुट। १२ लट पश्चेर ह होर हेर हु र सब रहा। गलना ह लहम छेन परेम ल महम हैं ल मा । जिस नम हैन ल छेल मुन महित है क मेल परला । द प्र बंद रश हेल योग पहेर दश हैन। । दश छन सु होन अन्य ल हेर हट ल सेला । इस देर होर त मा अर सुर पडर समाया । अ ह्या ह्या तर प्रचाल में क्रिय वारीश हरी । रिने में अर कर हेर मूर्य हरी केव महिला । इ. च चर्म मुर्केटल य हेव केर विकास । वर् चेर चर्लर दस्य भेद'सेद से प्रदेशिया । दस्य नीय गुद गर्वे क्याय'यर्थ कु रम्ब निष्ठेश । ब्रेट्य वे ब्रह्म के स्नाय ह निश्चन के विदेश । दिन्द में दुन निस्म ब्रे अके र द में के दा रेग य यह सदस सुर र यह ने स न सुर हो । क्षर च हेर चहेर कर्णय घंट चर अ. ब्रिट । । ५ र्ट्र ब्रेट हेर हिंद ख्रार थ. पज्र केर म है। । १९ र र किर है प्यत्य हुति हेर वेद केया। । एक केर प्रज्ञित चेत्राप्य क्रेंचयास्य चुरायास्य । क्षेत्र व्यवस्य क्षेत्र हे क्षेत्रे वार्ष्यवाद्य प्रक्रमा । मिन्द्रिय कुन तयुर अन्यातनाम के नेदा । चिन समार्म वा <u>भ</u>ीनः हिरास केंद्र तरेवाया । तिवित् तर गुद्र तहेंद्र हें नय तर केंद्र सुन्हेंत्। । लव पर्या में स्वापनित्। । प्रिकापिक है (३ ३४ प) में इकारमें राह्म स्वापका दरा । गाँव में है लक्ष ही ला रच रच कि वर मं हिना र के हैं में क्ल'लचे द हव पर ला । न्युप्त हे गुव हे व द्व प्र द्व प्र प्र महिला । रनेर्'य'देव'न देवल देर'नुव'यदेर्द्वा ।हेर'हुँद्'ठद'दे'हेवल दुन्से

ल्पण द्वा । १३व वें स इसस ग्रैस पर्ण केंद्र झें दस हैं सा । प्रकृत दे इस तर पुंच ५८ भुँ ८० ८वुँ८। ।च पूर्व ही गी ईंट ने प ब्याय हो। ।कबाब म्ब्र तहेन म रूप में रम रमें रम। । अल मब्बिर तक रम तर्दि रम की वर्षेत् वर्षे। ।5ुण् मॅ णुष् १४ र्षुण्य भेष्य त्या स्र महेदा ।घर मह्या सर न्न पर रम हु न्छे। । अर्द नेस हुन वेंच अबु हूँ मरा रम न्छे न्न । इस वृत् धुन्य ने महीत् व होत् वेत् त्। । वे वन यद यन मह पहिष्य नद्य भाग्य या तर्रिष्याम के प्रवाहित या है। । तियेव प्रेर पहिला के वि लबाद्य पर पद लग हा । लगुम म गाँउ व पट गुम महे व्यव लग गाँउ वा। तियेव गुप पित सिक् तिस्य रेम ध प्रिण ।य वेव तिरेपय ८८ प्रिंग मेय कुँर पासुरया । वृष् ५८ कुँ अध्य प्रेष प्रेष घर अध्य पकुरा कु ०५० क्र मार्थेश ४ टूर हैं मिंबेश ५ हमाया । ब्रिट्य त ईस मंबंध ब्रिंग होर में क्र परेंदा । अहर क्र हिट एकेर. क्र मेहन ह्यंय घटट स्टी । वे ह्यंय संट हिना नहिना स हिनाय स दी। । शैंना नहिंद सबैद हे दे 'ये हैद सबेद येद!। त्रोश या ठव वे प्राय अवत क्य प्रेप भवा । क्रिय विश्व ववा च हु 'महिन्' द है। । स देन हिन् लेद हें द स्टल ल रें हीर लका । हेन स हन चर्ष है पह गुद क्व नासुका । Na क्व के प्तयास प्ति प्ति व के स्या त्येद मुम कु महुद के महित्र हमार पर महुद। । निमुम महिद बमर मुस त्येव मूच वर्षे स्वादी । मूद मैसारयेव दृद है सूर त्येव वर्षे हुन। । मान तबन्य मान मेर मुन दन है देर मुन। । मान तमुन है स म महुद हु रमें पयातकरा मिय भव भ देव स्वतं सर्वे देव राया । रद्य देवया मु रियान हेव रिमेल हैनाय प्रय रिमेटा। । येट द्या गेव ह्टा ट्रेश क्या हेट दे। ।र्देव नमाहेवार बेस रहेना भेव हु खा । कु नि सक वा हेना कु नेर्य एटिट तथ वता । एवील च हेर, बैट. क छत्र, हे नेय तर. टेबेडी । कूल

최영희·대당·청덕화 3 顧·知쪽학·영국·희·덕희·다·보외·대고

बर पर होन नामुक कुल पर इस पर पदन । गुप अधर पदि में नर वन स् स् हा ।रट श्रूब हा न अधर श्रुम श्रुम रेंब है। । धेन म न अब ल ३व वेंस र हिल महिला । माबद महेद वेंस क्वेंमस ३व वेंस ८६म मिरे क्वें। । क्रिया पर्वत मान प्रचीत प्रमाण प्रमाण प्रचार विश्व प्रचार क्रिया प्रचीत प्रमाण विश्व प्रचीत प्रमाण विश्व प्रचीत प् येंचे ईश्र स करें। कि अरु लक्ष हेर् क्रिय प्रमुद्धि सिंद सूर्य केंद्र। रिवेट रक्ति हुर जार किर किर पाय हूर श्रद्धा । यहिर द्य श्रद वी पर्ष पार शिर्य त न्ता सिंद विव वृत्र परि ये नेमाह मेरा । प्रमेव न्त के अध्वाकीन प अक्ष हेर र्वा । मुं प्रसम् पहिल सुन नार यह में रेस हेला । नेस मु ब्राट ने ब्राय ने नकुष्तानर ने। निर्द्य ह स्र श्र श्री यहेव तर महूरी । विश्व निक्ष व निनु केशन ठव ही परि निवश। दिर ही व रसें प ह्या परेव र प्रवेद है। १६. म प्रवेट हैं व विश्व अस विश्व से ४२। ११ व स्टर वन परम तम क्षम गुद तमुद पर्देव। । स मुन सुल द्वेनन हल केद केद ने दे की जिस्स ने राम के अधिक कर है रे क्वा । इ. हे व (इ. 35 न) है हुर के. तपु गीर शूट नेवा ं अथय तपु जय टेट ट्रेय. तथिट. जिय ट्य जया मञ्चर वेशव शुर्व रेट मञ्चर वेशव शु पीलू यो । रिलुवे हूर्याय कीर.वेश.वेश. प्रमाय हैं प्रमा के किए। । हैं ए क्षा अधिव भ्रव हैं वहा विश्वस परिवा हैं र।। लम मुन मान र्म न तम्न म ने पहुंद हैन। । सेन नम्म हम मुन सम्म मे सर्व र्द्रा रद्रा विद सक्द हिद् वा र्वावराय विह विह स्वा बिनाय बंदा में पतार ताज्र हिर पना । इन्यं में हैं न महिर सुध भी हिर के भेष प्युषा । भे हुन **युन प्युष क्षेंद्र य प्युन अंदुःय।** । क्युंद्र गुद्र त्युद रत ही मुंद रेट है। रिज्ञात व त वी. रू अथ द्य तर. एवंट। पिश हवी. मैंत रेट इय प्रीय ही अक्ष है। विश्वर निष्ठ हैं अता देश प्रीट श्वर विवया । स न नत् वन नत्नाकेत् मार्ड मॅर म्हेन्या । स्टार्य के क्रेरे क्ष रुव तर्व अप्तुषा । अप्तेव 'न्याया'न्य' अन् न्याय के 'अन्य वर्नना । हैन पर्य ५२ व वेश व विश्व पक्षित हैं . र्जी विश्व वे. पहुँ रेट हैन अरे. कु क द दें। । युन अवत छे प्रमा श्वर है न। । श्वर अर वेग के द न्तुत् रच विस् से वेदा ।हुन न्हेन मद्न स्टब्स नेद मालस सुन्हा ।वि बामुका । वन केन केंस केंद्र महिनान्द केंस मेंना मेंनर तहेंद्र तहेंद उत्पन्तस्य प्र क्रुव प्रमा दे। । गुव ह्म व्यप्त प्य प्रव प्रमा प्रमा । क्षेप्तर्देर'तुल'स्व'क'वेद स्नुद क्षेत्र सेवता । देव दवार्षद'स देप देव मुंद लुबा । ५८ स विस हु। ६०। पना ५ तमा प्राप्त करा वर्षेता । हु मधे ब है। हैं साई। पर्व पणतः उ तर्दि। १ तुल ख्वाक केद केल स्वापन पर पर पा । देनाव टे.ज.एहर्बा । विचेट एहर् की.एस्य.लज.कुर.टेंब.मधेव.मुी । विखे क.टेंब (इ. ३६ ४) विजय बिट ८८व इय. जूट. ८८.। । ५२ व. थ.व. ४ वेच ८ व्या. पदेव.र्द्धा प्रमाणिबर्द्धा । विश्व.ता.विवर्द्धवी.जा.श्रवाय.क.त ही । विश्वट राताज. महेद'के'मदी संप्राणीय वेता । निये सूद्रे स्याय यस केर दि सम स्य

न्ति खाद रेणा ल करपुर धु'हे हुर। |न्यत य'पेक य छु न्द झेंणा व कां।। लेश प्रश्न अर्थेट श्रेव देश प्रमुद्ध में श्रेट । निविध्य श्रेश क्रूट रिटे. अंश्रेश प इस सु ल्रा । गल्ब इसस पर्नाय ल्रा सामर स्वाय क्रांतर र्माम ।रटः रेन महित रेन नुस नसुस महन्य प्रस सन्याः। पने तन्त सुर पर प्रायः लिव रामिल गुँच पविष्। । इस्ति हे पाष्ट्रमा उन्लिन् पर हा। । या केव मोदल पहुंच बर स्थ प्राप्त प पढ़ी । वि पर्वेच मोखेंबा मोझें प में से प पर्टे. मकुर दे। ।मदण मृ ह्य दद मदण भेद ह्य उ बदुका । विज केद वर्षेण दद मदेव माम १६ मान अव। । मानव इसस स केर रम सह तामल भेव दे।। इस रा पड़ टींचा पर्सेषय राथ लाश कि हा। । विट द्वेंचाय गुँय पर्सेट ४वंब सी. इस'मले २४म। । कुव बुनाय बुनाय म २५५ १व मे सम्बद्धाः । माले स इत बुर विनात कर अ बुर। । बुर हन पह ले जार कर बार कर पार का । न्द्रिन क्र हेल तम् पार्केल तम्ल पार्क मा । अद् क्रेम पर्व मुनायाला र्द्रेन्य म ब्रुमा । नियम में महुल हैं 'क्रें मान्द्रह'नम महिला । दे 'लेख मर्झे सक्ष. तथ. हैर पूट. बेर्नथ. तर एकेरा । दिवा. त झटश भूट रेर्नो. त चीरेंदे. अ. झटशां प्त्रम् नावस्यः पर निरुष् । धुर द्र देव। । प्रमेश क्षेत्र प्र वेदर स्व हुरः भ्र द्र-ाम विषया । रेगी. म. श्रम्य प्रय प्रत्य प्रय विषय विषय विषय है. एसूं। । पर. न् क्रिय वं याप्तरे । ते प्राप्त विष्या । विश्व वे अप्त प्राप्त अर्थ । विश्व विष्ठ विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य व बर्द्र चुरा अदि हेंद्र र्गु म इद कुर र्गु मह सा हि सा है सा विश्व प्रमुख रहेट स. ज्ञाप र प्रमुख पा विश्व मा विश्व मा विश्व र प्रमुख र स्था ईसा पर में शा । हैं प्रस्ता सद्द नेय केंद रद केंद केंद्र नेदा । केंद्र मेद स्ट प्रह (इ. 36 च) है वे चरल है वे अर रहे। । श्रेश. वे. बेट. च है वेट. चर्च कर मकुर्दे। विन वयर न्हेन कर पर नहेन वेर क्ष कर। । र हिल खुर त.सूर्त.त.बंदेश त्रेश.घर। । तथ २.पर्शंण प्रकेश.ष.क्ट. वत.तर.मु। । मि.

र्दि पादाव पार्ष्य अव रत् मुत्र छ्या । तह्या में छे थे कु तम्य र्येर मुख वन। ।वट में हेव तन्न खनक तन्न खनक हम है। ।दे अद तिव तनक ८ मुद्द र्व मुन्न निष्ठे स स्वा । स्वा म स्वर निष्ठ वन मद्व केद दर।। म्बुद द्व मद पदीव केन हिंगल नयद ईव वै। । क्षेत् सबद र्रेव लस म्युस मुवि सक्तरा हुर दया। पहुँद हॅप्यापि पित राव स्वत छ्र ठद पहुँदा।। इसाय पढ़ हुना पर्झे अस पल झुद निर्वेग हु। । हुँ र सस हुँ द वस रच पर्श नर'रु'रवेंन। किंगल बुँद छट इ दमद महुल केव म रखेद। अ म प्रिय पकुर देश यन भेर पेर ठवा । भेर भेर खिल की भेर वस हम सहरा। पर्ना बेर् निहेल हैं न्यानयम हैं र यारिय हैता । हैन नहिस नु स सर्थ श्चिन् बेरि अधराने मानुसा । केन में मानुन खनास कुस देना म के।। सक् व हिन् कु' भिल पर्मेन् छेन् नामा बन दे। । वि क व नपम में रेस नासुसर बेबबानक्केन्द्रवा । ह्वेन्य यार्थ केव्य मुन्न सम्ब्रमा । दे लद हार्याः बर्व हैन देव केन नदा । निष्ठे निष्ठ प्याद नम् नहीं हिन श्रीन पह हैं। रचें व चें चें द्या देव देव त्या कें के परिष् विवयः एट दे। किय रम इसारिनेट हेमा अहिट रेस मिलेव महीय। । शुन वयतः वेवव पर्व प्रामा है मासु ग्वाप्ता । इव मेव पर्व गुपः ह्या परे बेबस डबरमता । विगारे व सवागुव गर्व महुव मनुव मुन् मुन म्बर् दे'गुद्रम्बिरेद्रम्पर्नेय। ।मळद्रित् म्बुस्ययरेनु न्यता । त्यत् त्या केवा हैं या प्या क्याय न्यत् श्रेया । स्निन् हेया के हिंदा ह्य (इ.32 व) वयः रेतटः रे. हैंदा । मेरेनेयः मेखे, ह्य लूरे, रे. हेट हेव. इ.जूनी मन्नान्दः मन्नाने रामः सन्यानु । मन्नान् भिन् । मन् कृद परि १८५व म प्रमा । पारे व कृद नेवाया में कृता देवा प्रमा । देरा एड्रन अ'वुअ'नवुअ ८८ हॅट'च चढी । गुल घ'६न'नेब'नेब'दशेनब घ'अर'नेब

प्ता । गुन् हॅम इंद बेट यद दम अर्थेट च केवा । अंत हुँद अ**र्थेट झेंवा** अधर धुंदि सल ९६० । दे ये कु ९५१ धुंद हुन धुंदि नादिस यहा। । हैस पर्ने तथ पहुरे द्वा देवल राम मृत्यो। |पश्चाप घु'झेन परे पश्चाप स्वाप व्यक्षित्र । रिस्त स्वास्त प्र के भीव स्व क्षेत्र क्षेत्र मा । रह विके कर व इस रैन ०४ न वह मही । धे दें इट बद स सुन है सस महेदा । दे लार दें द कुल मुहेश ल्र इस पट्ट मा । इस म मुन्द प्रेश शेशन सामदेव पर लर्देन। १ विषय मेश इस स्य कर मनेव म नय। । मा ब्राय हम है हैन रहेद ने स दे हैं द दर। । इ है न स हर पर दें में मुहेस के द हा। । इस ह्व द्वर म क्षेत्र में रम रेम महेवा । केर म नवल द्वर के मरेव ह्व म है।। म्हिस हिंद नेस म महिम स पदेव पर वर्षेता । सूद पस नेस देर मेंस न्त स में य न्ता । यत्य कुय य व प्रिय झूट में द सेन् थेन् गु। ।०५ँ न सम है पर यह बेर ज्हिय सुर्धे। [स्र्'मे हिन र्घेद ए पम् स्याय मे र्याप न्द्र हिंद क्षेत्र क्षेत्र विषय विषय पित्र पित्र प्राप्त । व्यवतः त्रायः हर म्बिर्ने, च्या चार्य प्रमूच प्रमूच । एडीं स्थान स्थान के स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान बूट लट परेव पर व शुप नेव प शेव। । बिट रेंर वेगय हुँ ए गुव हिंप पर्व पर रूट । विट लिल् हिट ट्रेर द्वाव हुव अ अकेश पर। । इंट रंग हेट वल हिंद धर नेल धामेला । देव दमान रहिन हेन न नहिल नुद ट् ब्रिला । पश्चर, वे. वेर छन अभव रत्तर, ह्रेंब्र, त हे। । हें बंब वे पेर ह्रेंच कॅंग'क्यन क्' हा हुर। । वेर्'पविव(ह 37 प) सूर त्र र्व र्व र्व व्य विव 1 हेर बेरे मने व महे क के व है क अ से न हैं नका । तम स स के म महिन अर्दे रु.चेरा ।रुचे स्र लट अर्दे स्वाय रुच स महिना ।सर्दे लियंब इ.प्. हेर अर. रंज उत्रेर श्रिरी विद्रायन सं.रवंबान श्रवंब वर, 짜드'월지 1러도'도'자드'용도 미역적'용도 여러'생''피미리 1월'러지지도 했다

मान्द्र शत त्युर पार्वे । शिव स्ट हे मह प्रमेद पार्व पार अगार अगार । मुन ३ कूल मुनर्म मिर्कार्यकाल चयाना । कूल वर्षेत्र रेन्स नि पर्नाव पर्ना । पश्चिपायुः ल प्रमादि प्राप्त के प्रमादि लवन मार्रे नामा दियु ने वे पहिल्ला निवास मार्थित वे प्रत्य विवास क्रि. १ व प रेत्रें रे हेर प्रेंप र्वाय त लुखा । अधर में हेय प्रथण पर रूर न्स के समुद्र केन। । गुद हिंग हिंन प्रता व विषय हिन धर कर। । शु ह्या न्यूटन त्र्रोत लेगन हेन हेन त्र्या । र में ८ रून य स्वाय निश्र शिट्य देवा । क्ल. पर्वेश. ट्रंब हूं पथ. ग्रीप पर मेरे व कूप र मूरी । हो. द्व सर् है मार्ट हैस स् अविदा है। वित्रहें स स्वेष में साम क्षा हैना समा ब्रे देव श्र पढ़ित इस पढ़िया शेसल रस हिरा । किय इसल गुद हिंग रहिता. हिर नेय दर लेंद्र । दिव दश स रहिल हैं दर लेंद्र म केवा । दिवस मन त्नीम तुस की तुस अळव हेंद ठवा । पदेव महिस दें मिंग महिम ल हिम प दें।। व नन नेंद होन वुल नन ले बुल हीता । लाम नन मिन महे नुद हैंस द्वा सर त्वेच । प्रतेष ८ द्र य पाना पर इस नार्ट्र अर. रेपाना में या । भी स्पान त्न्ता प र्व दशक्ष चर्य या । विषय पार्षेत्र दि वयर वृत्तार्व प्रम हैन। ग्व निविध तर्र मेर माळ्ना हैन पर्या । प्राय व ल नेय द्वा म ही एट्र पढ़िता । व्र मान्य अन्य क्षेत्र अक्ष मान्त सा । वित स्वर (इ. 38 व) अष्ट्र के बीटे कूचे प्राची राजी है बीटे क्ष प्राची है बीटे क्ष प्राची है बीटे क्ष प्राची है बीटे क्ष लिया विश्व प्रवास्ता विह्या हेव लाम्याय बह्दाह्य सिट हेर पहला । विषयं विवाध हुस रेतवी.एवील वहूर सप.एवींट रेट । विष्ट्रिय पर्य. अवू. क्षेत्रव रत है अप्युक्ता । वित् अपने दित हैनक नविव रनान हुन छेर। । बार्येट पहल हर प्रविश तह नेयाना विवा विद्याप्त हैन हैं वेट मे हिन् सहसा । मनेद नहिन तहिन नहिन सहस महाय केन ने। । बर्दर व रेण क्ष्मांब ल्बेच वेद अवर युग में ।वय में हैंद या है द वै पहना की बोखी ।बोखीट गोंच ही क्रारायना अस्य अस्य शामा । विषय श्रीयाया ন্ধুল শুল ৫০০ বিল আন্স র্লম গ্রা । বিল বি দে শ্রুবি প্রবাধ দের্লা ন ল नुसुन हरा । गुन हर व कुन नग नन यहुन हे हुन। । यनना केन नेन न्ब हु⊏ बन् न्युन् हॅर पल्न । येन्ब पर न्युन् पल हुँव ए नुव देशे । ति म हेद गुव हिंग मनेद स वन्य भेद हे। । दिंद ५ स मनेद स वन्य मुन हिन्द्र नशुस्या । गुक् हिन तहेन हेव नावव मन्य हेय छ नहेंदा । देव रुक्ष के य मुन्न केन मान्त केन हा । मान बना मन्न केन इस महुन ह्रेन्यः प्रस्ता । द्वि दस्र २ दस्य १ द स्टर्स ह्या स्टर्स । सम्बर्धः पकुर नेश स्वायार्श्वेय पर्टर घरडेर द्या । रिश्र पटर श्रे हु दे ग्रेय. हिंच है। १९.वेर रम परत प्य प्रव रट किर मरी । कि. मर्स्य स्थान स्थान न्स महत्य भेव है। । मूर्ने न्य स सुम न्रेस बेद महिन महि केरा । दे 口滿기 도본적 정도 오른 리 디오드 월드 '교도 제정도적 | 기괴미' 정도 지 최 최 집 전 चल. बुर बेचेश. पथा । एहेव केंट्य भूट. त. वंब. तीयः वर्बेट्य त. लुवा । वत्य भेय बेट हैंर अर्व बेश हैं गया थे। । जे भेय हैं से हें है स्वीय न्छे न थे। । स मह देश मर्गित् श्रुप्त हिन तहन महीन। । हिना नेशः पहुन्न श्रेट'प्टेंब'नुद केट कुट ठम! ।(३ 38 प) R न प्र श्रु केंद्र श्रु बेन छ। प्रत तर्या । येन इस्पनेय तहेव नेय प्रतेन हैं व है पर थेवा । येणः विश्व विश्व विश्व अर्थ तथ हीर अर्थ तथ विश्व विश् क्रियाचीवं क्रेंट दवा । शिंच बद्धर पट्टे क्ष. विट क्र्य मेशू सूर्। । विश्य सह. न्मिंद्र म व्याप केन सकेन गुरु माणाया । इस वर्षेन हुन न्द न्द्र न्त्र इस देख हो। । लुनायान हेय ह पर हे पर हिंदेर हिंदा से हाता । विन न सुकार स्वाय विश्व क्षा नट त्र प्रियाय। विश्व र श्रेय क्रेया निवास स्वा निवास

कन्य या । वन केर लय है हुर हिरे र्ने स्य म है। । युव सर युव केद. ब्रिंग पर्टे देव दल छ्ला । दिन में यह दम केंद्र हैं म गुद हून केंद्र। । म्बित प्रस्ति प्रम्मित राम के वित् मि के वित मि के क्ष हेर हैं है है। |रे ल हैं 'हर है अतद तम्ब हद विदा । गुन हिन तहुल बूद दशक्ति दूर प्र कूट। वित हिन स् मूर केट म हिन मूर म हिन म हिन म हिन म गुद चन्नाल बेद व नावद दमर गुद हिन वेद। । विरस मुन गुद हिन बेद' णुद र्व रुम सदा ।दे प्रसम्बद्ध वित् क्ष्य सद्ध्य सद्ध्य सद्धा ।सेद' दे धेर ने व व व व व द हैं द है द कै वा । विव है द केंद व व व व र द द गुब ह्य है। । कूथ ८८ अ ४ हैन अष्ट्र अष्ट्र बालु बाजिस झटना । हैंय चेल हुन स क से न भूव र ले के न से विवा । इस मालन मालव र मा से सम र स र म महुवा । इस हुव इस मेलार व पानेव प्राप्त हा। क्षिणे प्राप्त गुरादिर दे मे नेवाहिता । मदेवाम्यम मबेद गुम तत्वास मुकामदे हैस। । देवादमा 스도와 전도 뭐 다양.꽃이 마차.쥐에 | 네이스 붉다 모드 찾다 게이 돌다 찾다. 역에. र्टा । अक्षेत्र प्रवेश अवत वर्षेत्र ल हिन् पर अर्। हिल ह्रास ब्रेट. कॅस हिन् क्र वें ने मान क्रिया में माने माने मान कर कर के मान विरा । देव दश परेव पतर र र पतिव स मुप्त पति। । बेर दवाना दश दे चेश क्रूंट किंद पर ९५८। । मार्डेस क्रूंट के नेस रट रेगा हैं ता पहें मा । सर् विगय सक्तरा हिर वय अर है पर पहेंदी | पूर् हूर ला कर लिगवा रहे अभय. १ भा कृता । प्रियम पार्विट ह्याया स्रेट् अक्षेट्र पर मार्थित । विनामध्य नव अपने क्षेत्र कुर हैं। विन हैं महिल कुर मुन्न हिन्द में व की । निबेट सर के सर तिन, कर हम प्रम हा। दिनेश बुर सर सर भक्षत्यत्रराष्ट्रिय तर.हर्यया वित.श्र इत्येश ग्री.नेत.श्र.क्य.गेर्यंसेश्या ।

स्वा श्री । क्रि अक्ष हुं हे क्रि. हे वा. ता ह का. ता ह का. वा वा. ता ह क्षेत्र क्षेत्र हे ते क्षेत्र क्षेत्र

4. 미워드'콘디치'菁'È'현미'대견'품의'대도' 미어미'대견'캐디지!

पश्चिम, खुट्ट में तिर्प्ताय मार्थे । जि प्रमालिय क्रिया क्रीम, प्रमार्ट मार्थिम, खुट्ट मार्थे मार्थिन, प्रमाय मार्थे । जि प्रमालिय क्रिया क्रिया मार्थे । विषय अपिय प्रमाय प्रमाय विषय क्रिया प्रमाय विषय क्रिया प्रमाय क्रिया जित्य क्रिया । विषय अपिय प्रमाय क्रिया जित्य क्रिया । विषय क्रिया जित्य क्रिया । विषय क्रिया जित्य क्रिया । विषय क्रिया विषय विषय क्रिया विषय क्रिया विषय विषय विषय विषय क्रिया विषय विषय विषय विष

लब्सा । मुद्दे प केस र्दे रका एर केर जुरा । गुर परेद बत है र कु के ल व्यवस्य विष्या । युष्य विषय युष्य उद व्यवस्य व्यवस्य विद्रा । वर्षित वे अष्य हेर विश्व क्षत्र विषय । विषय विषय । विर्मार वर्षे 'रु'देल। ।वर्षे 'कुर्माकेय म भेद' वेद सु मही लया। । तम्स g'ผล'चेद ह्याय ग्रे'हे' र्हेंद दे। । दुस'द्द' कु' स्य' हुर' बेद घरे 'घ' घढ़ी । पञ्चन'न्युक'र्श्वे एत्य प्रचय स अनिय पर रवन्या । दि. में हिंद हैं दे हैं दे हे विराप्त रहना दिया केना किर दे सकद हैना पना स्त्रा । सकना मठना यदाव मानव नद क नम छित् सरा शुरा । मदी दिराधार केवारमार दिना हर वर्षा । गलर हनक परे कि के मेर हनक भेद है। । दे हैं र लक्ष'न्द'न्द्र मुन कुन नु नु पावन । पहूर पु हूर पुर नहिन नहिन नहिन नहिन मन्या । भुष्य प्राप्त मुर्गे । प्राप्त प्राप्त । प्राप्त स्प्राप्त । प्राप्त स्पर्म । प्राप्त स्पर्म । हुन् र्सन्य प्रमु हुल वरा । निराम हुन महान्य मु स्थाप मही । न्तुन् चुरे न्दर्भ विराम् विराम् विराम् अपयार्चयाम्या । दर्वादय हे प्रदेव क्षेत्र प्रदेश प्राचीता पर्वे दे प्रवेद । । **छै छै गुव हुँ** न गहर हुव छ नहे हुन। । देनस हुन हहना झे क न न हेन द्वलाचित्रचीलालित दुल क्षेत्र हेरा । हिर्मे हिर मन्(इ. 40 व)लमान्डः स्व न्र में में वि । के न दुन स्व परि प्रमान ने के दिन । । न्र न्य लिन रद्रामदेव सु कि दे मिं वा । श्रु वे वक्ष मदिर मदिल महत्र मति दे हि दे । अ.म.म.भ.५८ तथ्यान्द्र,ट्रे.हेर.क्रुया । इ.म्ल.६५.२.पहुरात वहर.हेर. वना । हर तम मन्य हुन् १६८ ५ ५ ५ ५ मा मा महाराष्ट्र हुन् । या पर हुन् । या

भण। । प्याद केत पश्चाम । प्रमुप्त मुख्य । व्याप केत हेत हेत हैद हिनास मिल्ला में उसार एक्टा । निया हेर एक्ट्रेस क. अध्य हींद राष्ट्रकींदी । दिनाब माबुब के रहमा कु समाय दाद से देंदा । निस माबुअ है। य केद मारी इंकिश्वापन्तर । विर एड्ना अळ्ड पठल से हिन क्षि गुँच है। । ये ने पदी मार्रे म प्रस्त प्रति में बीच में बीच हैर। । वाक्य सेर तह म वाव स सर पर अवस र्म हुर। । हुँ म हुँ ए सक्र मक्र सक्र केर मेनस एई म्स दय। । ञ्चन हुँ न छ द न शुर सिंद शुर केव केवा । । १५ न न न न न १ व व संगय यञ्चय तहिन हेद प्रा । तहिन हेद त्रस सम्मान संहे रेस महिद मर्चेत्। । विन्य मुद्द मन्नाथ केव नासुक मु कर्षेत् मुद्द छन। । सन मुल हेद लिह्द प्रिंद चेन क्ष लिंद कुना ।रेनाय एवे न्स नु ह्रींच बारे न्यन एः न्दा । ज्ञिन न्यं न्यद म्युर हुन बेंद न्या वन दे। । ज्ञिन बेद भेंद न्यः पदी प्र व्यास्य कुना । तिस्य प्र हेर तिन कु कि सहय प्रेप विषय । गुद न्वे हिंद भिर भेर रूट इस'यर'नेना । हुँट छेर छन के चबे सद हरे इल वर्षेत्रा । नियह हैव नह सह हैंत य कुल अक्रम् महिला । नियह यहुला क्ष वर्षेर पदि भी हिन वहें में जा । रगम प से रूट संप खुन सकत न्ह्यम्बा ।ने क्रिक् हेर पड शेव रच नु हुन। । वेव रच देव रचेन्य हु। केर् भु र्र पठवा । प्यवान् ५६ वास पर्टि हिन सेन ल पहेन नहा । न्ह्य मुन न्ह (ह 40 न) ने खन कुरि से नेय नहीं न। । निन्ह हैंन के नहना मह्ल मन पड हुन हव। सिलम सुर पर्न मह्व प्रत स सबर हैवा। क्ष मुंख के क्ष. इ. इ.र अहर एक र की। विचय मुंब ईल उद्देर अष्ट्र की कीर. हा केद हो। । महिद छ दे देव वे कुद नासुक दन नीय महाया। । कु कुद वें य र्टायम्बरम्य में ८र्म्य महर। विषय मु में में में में में में में में महेरा । एत्र केर क्याय प्याय रच त्याय महर्त. ये. वा । के. केर. ह. ह रट.

विवेद दिन् पाषाय पार्टी । विवेद हिन् दिन दिन दिन स्थाप्त कुन् रह पार्वी । गुद नादी निष्यास्य कीय हींद स्व निष्या । ग्री प्रस्य प्रांत संव मार्थ स्वाब हि स है। । त्युर म बेर मब हैं नब मु हिन सर सुनाया । माबे स पिस अभव ८६ स त्र प्वत एपाय प्रेश । । विशय हे ८ हर प्याप रह मबेद मादस देनास दे। । उदि घर मासुक हाद कुरा तशुर अर दन हात्स। । न्ये न्युरि हुल गुल में त्र है अस मञ्जीयसा । सन्य न्य न्य नेद है दस न्न मे । न्य स्वयं माया स्वयं न्य न्य न्य विष्य माया । विष्य केन न्य व्य क्ष देशस गुर में नदस। । हैं नस न्नार मान सम हो हाम महि मान समित ल्षुर्। । ज्ञान न्याया प्रश्निस् सु केर साथ क्ष्य मी रही स्था । ऐस नाद स सरे. केन यन्न देन ले ने भी। । यने निने न केन ये ने देव ईंद य हैन। । मन्यान् वस्ता । स्वामेष सन्दर्भ मीबीट एड्रब्र. मोड्रेश क्षेट एक्रिय एर्थ. के क्ष्रमेश. नेरी । क्रिंट पड़े ए विट पड़े. टे.लब.क्र्यंत्र.तथ्या पिहतां हेर हेर हेर हे में राप्ता के मंगव तथा । इता Ŋ.염ㄷ.lass 됬.길리.옴.ㅁㅗ.륍ㅁㅣ llass 네싦s 휫.ㅁㅗ.눇의 힑의.튍ㅗ ㅁ लवा । हिन्द कु. इंट बक्र्य, है. पर्व हैं। नह सी। । हीट नशुव (ह. 41 द) मिनया द्वा स्व प्रति हैं हि स्वा । इ म्युस मह में हि प्रति स 5म । ख म हिंद खना महुन छ हाना है म खा । विन दर हाम मन लगा हुन प्तता । पर्देर. अर्थेत. श्रु जय श्रायल. श्रुं अस. प्रहिता में । प्रवेशः श्रेतय पर्खे. स्वाके.मर लेव.तथ.की | नि.रंच देटल कर्नेल.की.प्रत लवालरेका । गीव ्र्याच्याः स्वयः त्रव्यः व्याप्तः विश्वः इतः च्याः चित्रः स्वयः विश्वः विश

ख्या । दे हैंद अडेद मेंद हैंद केद के ने ए। । हेन हेंद केन द्वा ना त्हन के से निम्या । अर्थ च ए ए हैं से अप न्यत कुन क्षस त्युद पर पावसा ।क्स पड न्यद स्व नुस की तिम सर तकर। विषय कुर निष्य पत्ति हैं अ ध निष्य । किर तहे**व** कुर मु ह्येर प पढ़े अय पर्वया । एक बुनक न्य वन दन पर्देव सल मा ठवा । लहुन । निवे हेद नमन भेद निशेष स्विन र्श्व नु लगा । ने भे निशे म पकुर दस मुहेब पर प्रत्। । श्विल रूट के मेल युव धरे श्वें र खल है। । लुस न्द हम सुर न्यद ईव वि ठेव वालुवा ।न्द मर तहवा उद नुत क्षर रल हैय ८८। । भ्रिया नश्चर य क्ष्या हैव ८८य हो मेख हा।। बद्ध कुष इस पर पर्वेष त तसीर बोबुं हा। । ट्यील प्रूर बंबेश हुर बंबंब. नेय परि द दा । हैं व द्वार पे प्रेय व प्रमुद रेगल प्रमुख दर। । अयुद् रिणम हुण अधर धुण हुम र्विर है। । कु हु है र्स सिंह स के म ह में व रहा।। ब्रुपासकर् रामन्य हेर बुवायावया थे दरारह्म । विकासरे त्य हन दिना निया मह्म बुन्य सन्या । श्रिम सन्द दे के ल्प रिवर मिर मिर । । नुस रहिर तस प्रस्ट में स रहना पर्वे में प्रस्ता ।(इ. 41 प) लस्र-रू. गुन हैं म देन दल दग्रैल विसर दु। विषय म नेमारम मही महे दमर अक्ष्या रूटी । मूर अ मूर कुर टेंबरंट अक्ष्यल तर हैवा । एडियारंट. न्द्रम पार्व हेल सु मावट म मासुका । दिवन कर्केम तहेन हेन दे तद्व समाव हिंद पक्कित रेगर्ट पुन हिन्या । दिन रेन ले नेया झेंग पर हिन्दी हैन। 美 통,월다.스턴의 및 당전단 당취다 다.명의 | 1급의,당을 비 튑다 급 튄다 급스,환. त्तरेब ब्रिटा । तर्बिट.ति ६ किट.लव जा पर्वेत.ति.ब्री । हेट.४हब ब्रिट.जब.

पचर प्रके रम्ला । प्रमित स्व ठव महुव विष केर विम हुला । मु न्तुत बुन्य गु हैं हेरे द्य रान्य पत्रता । हिन्दे रहिद दे रेस पन्हित धिद हे। । पञ्जेत रेका है में प्यद समा रचे पा नहां। । मादका स्वाय रहें व मन्नि हु मिले सहर हुन तम्सा । हिन मेन निम म दे में सहर हुन है। । नुपुन् मदे नद्य हुन यद सन गुद स हुर। । हिन्द रेस हे में न्वे म र म विव म खुमा । म म भेव म म ल हे हुर म व र र हुवा ্ট্ৰাৰ সৈৰ চৰ কু অকৰ সূত্ৰ দে কৰা ।ৰ অকলৰ দীৰ্থ ইবাৰ এইৰ नाई रोब्र किया १८विर नावस मह नाहन हैं वस नेस पर है। र्दें द देश ने बें विश्व हैं ने स्वाय पर देश । । रह है द हिनस रह र्णे स ल्किर ल्किर क्षे प्रा । । धुन के व कु 'के व म दे ह्वें द ल देव में द ही दा । । धुन कु'मदी'मन् तम्बर'म् वें प्रमान मासुस दे। । हिंद सुपान सूर पासुस दें दस क्ष हैन नहा । गुव हिंच हेव तसेल नहां विव चरल नहां । तहां ग भक्षत्र पर्द स ब्राट. में ईस चीटय भट। । हैन पर्द रट पर्द दें से में बीश. बक्द प्राप्ता । प्रवीप्त व्यव्यापित प्राप्त विष्या । विष्य प्राप्त विष्य । इट बचयालय छात्रेय श्रुरा । बट स्वित्य ह्र स्वाय मह हे सि.श्री. श्री । रिन्ने. च नशुक्ष (इ. 42 व) वर्ष द्वर मही त्र मही मही मही मही स्वाक मुन ब्रुवामिद्वे महुन अरे एका । १ विवाधिता मार्के महिता के विवास के विवास के विवास के विवास के विवास के विवास के व बह्र वेट के रट बट पहेंचे प्यंत्र वेहा । किर के हैं राज पत्र करें पाउ मिष्ठेश समाना । शुद अळमा प्रस्यामुम स्रुपायदे मयस मान्दापारा । श्रिदा ब्रेन-रिवित-रिविर-ब्रिय-प्रस्त प्रायदे। विवास नेस-ब्रिय-प्राय-प्राय न्द्राध्या । वस केन सन्य जैस मञ्जून केट शुद् केद ही । हस-८८ द्र 용비 스토의 립리 됩니다 형비 | 교비자.정, 夏스,다. 퇴의 다오저, 夏리, 의스, 스드, |

। स्वांश ब्रीटी । रिटा स स्वंद श्रीयथ स्वांश गुरा रिने अर तर। । । विश्वः रिट में पह स्थायंश्यरे प्रवा । लय पाना र्ना.येण हैं र प्रथा माहिला । दे.र्म असर बुँद रस्य तिह कुँर ति हुँरा । मर्रेर द वेल रम ह नस.यम पट्ट हुए। विषय अक्ट्रण स्थ पट्ट दुश तय.पश पत्ट्री। लाम हिन हुँद य नाशुक शिल विनाय प्रमुद्ध ना । विद तहना में तथह के तर्र त्युच पर त्युरा । हॅन् चेन कुन के नचे च पहेंन च चलेता । किन ने पबुन्य द्व पु र् वर् रिष्यु । हिन्य के न विव व न् विवयं हा । इस ५ में २ इ. च में ८ लब लाग क अर्थ न ही। । वि अर . के र के र के थ मध्य प्रवासनाम् । । सन् कि हार्य क अधिवासके अधिवासके । । कि द गुै'न्द्र स्'लक'रैअ'र्देव गुप'र्द। । । त्य छन् हैद रहेद कुर् गुै'र्चैर' महा जिंद दे अ क्रम ब्रीम अक्रम ब्रीद श्रीम निम्म । निम मुद्र अपि प्रम न्गुलार्वरामक्र हेन नः। । हिनाय र्विन्य वहेन म तय हेन्य महामहिना है। । स् चेर हूर हुल होने अष्टर केर ज स्वेश । रिग्रेल विर हेर है। पश्चर क्ष्रपाय अपूर पावस्य निष्ट देश । पाट ज्ञा निष्ट मान हो व प र ट पाव व निवा । लिय ८८ चयम निर्दे प्रक स्वीया नेय तर है। । चर्चर व्यया है किर 42 प) ८६ प स्वास हुँ प प वे। । हुँ प कु प ८० द पति से प्रस्तर ह पस चेरेला । इता ५ में न चर्चल चले हे बलल ठट ग्रन्। । र्जाल चर्चल 용괴 է 보 허무의서 튍고 다리다 너무 다우네 | 되는 다녀 돛소 큐는 통식 나온데. न्द्रे प्रशासकत्। । व केन् वेट क्षेट स न्द रेन्य स मही । सहर र्म हिल मदी क्रवाय रट क्षिम मन्द्र महिना । यह अमा सं रट मदेव महिन महिन क्रिया । एक ५ 'धर प्रमेर प्रमेर में हैं था । मान स्थार मा हुना नि 월도'미정의 협작'월이 | |두미'다'미정의 협작'두협자'다'Ě'은'월| |두흡디자' विन्यः ह्य ग्रेय स द्व स्थापति । निन्दः पवे 'ने 'हे नि हिन प्यटः पः पन्ति । ।

वि हेन'नद् व म ८८'दे'दे'हेर'मदी । दिन गुरिहरास है दटान्द् महर हिरा । गुन गुर हेन समले ल पहेन न स सा । अन स्य सम्ब मुन कुर निविभास्त्र वत्र ४७८। विष्ट रिवर निर्म निष्ट म लव र रिवस हिंद मित मस्या । भ्रयायम भ्राप्ताय हेनायाय पहना चार । । श्राप्तायर श्री पह सेन हिन ८७८ १४ मा | हिं हे रहेर् इसस हेन्। पर नहेन्स हेस नहरम। । छ प्तर म्.इ.ब्रन.त.वेर.अर प्रनेश । ४८ म पह रेचट.मुल के कैर पड़ न्द दे। ।न्यद विहेर्स्सालक क्रेम म न्यु इ म्युद्या ।ने न्यं महेन इ न्दै दि हैं दे तथा । पहेंद् इल त्व वृत हेन म नश्य दु त्वा । मुद्धे दे दे प्रदान विद्युष्य हेरे पर्म । शक्ष कहन १९६ वस नह प्रवाहत ल बुरे पर। रिन्न स ले नेय प्रेर गुर ल हिरा । १९व र ट मिर बेबस गुव त्युद्धारहेव सदे वेन ।ग्रे लाखु इं सं न द्यार खुद रेन । १६८ सर सर भक्ष बेर ब्राम्य त्या । किया विष्य प्राम्य विषय है. विन । मन्त्रेन् हिन्य हिन्य म केद यह है 'न तुम्र चन्य। दा सहे हैं 'चे वयवाताम्बर्भात्रेवा । हिमानार परेव परिचेर अर हेमान स्वय हिरा। वना । ब्रेंट (ह 43 व) ध केव में हैट हे हैं व दिया । खिन है स रनन हैदारहिंद मासुक ग्रेसारहिंस । ह्राप्यां महेत्र पहिंदा ने महेत्र प्रिय मिला । न् हर् केन हें नव प्रवे प्र न न्युम महम प्रवे । । महन् हेर के व व क्ष कुन्नान्त्र ल रचन। । झून्नाच झून हेराल्ट्र लाइकाचावे। । ह सर् वेटना नश्चिम् दुः तुः त्र तुः पकुर ५८। । पर् ५ है । इसः ५ न् । वतः । इ.वृट्टान्हेर् स्त्रा ट्रॉट्य त नक्ट्रिंट्र विद्या विट्रेंट्र विवय तथ हेट. ह्रवास जान्द्रेया निकेद सिनायन जन नह हिर हेमल छे जया निस्तायम मुस्ररमः वर्षियः हवं, हवं, कर.रेटः। । इश क्रियः मंद्रध्यः क्रैं प्रथ है.तर.

चहेवा । तहन मुब्द, हेट. ८ हव अथ. श्रुव्य टेश. ह्वाय प्रेश । विचय अअ. मम् ल बुन्य में ल सम मन ल में हुन। । तम्य मु देन ति हव के स म वे ल बुँदा । ल'तु है दें में नेस रव मार्ड दिर बहेदा । द्वी दस में मार्डिस में मार्डिस में प्राप्त मार्डिस में दिन ला में में ये अस हिंदा विस विमय मंद्र हिंदा स देश रहें द लेसा विस द्र ह्मा प्राप्त पर्वेश पर्वेश राष्ट्र सं हिंग । रिवेर्श ले हिंग स पर्छेर **ह्याल तकारहेय । ले च ट्यील र्ह्नर क्ष योश्वर,ट्येर ब्रट,तप्टा । ६ छ.** मिट किंग अथय के ल अटब केबा । स्थित म ब्राय पन होट ट्रेम ग्रिय पन ला । र्व मर्ने हन्य के रिल मस देस मर हैनाया । दे दन छ म कू दह बुरे त कुरी । व चल रचन तथु क्ल रहेर. वश्च रे रहेला । वुर प्रेत. निम क्षेत्र व्याय में हिन म लया । तिम क्ष्य हेर छ खेब हिन्य मने केव त्युर। । ल है हे हे हें ले बहब कुब महे हैं दा । यह विमा में ल हे द हा विद्रारित्या मिन हु द्रारिष्ट हेना म गुन ही है। विंतायहन ह्या बेद मेद हु रव हुते दवरा। । है प्यर मु ईंश बेद पति झें दबारहण । हा त. क्रब मेर्थ क्रब से द्वेम छ छ। । रट. तैट. छ. नेब क्रब अट. छ. यट य सेवा । रिचेत सुभव स्टाबर टर्ज हुन ता निवास । अभवतालय क्रूप न्रेट सिट स्रवर मूर्ल रेटा । क्र्य. क्रव. क्र्य हेट. मूट क्या नहेव स मूला । लव लच्य (इ. 43 न) बेंचे प्रमुख्य में हैं बेंचे प्रमुख्य प्रमुख्य है निर्ध्य है निर्ध्य है निर्ध्य ग्रॅट हे. इस स. पढ़ी । अब स्मी न ४ हर नि चीरेश चैरे रस् चीर्टिता । वै. बहे हे स्न हुद मकुर्मन् कुर् ला । है दरम्बर म बरम्बर हा कर् मूरा । मूल प वेलन हे रेग मूर हन के मुरा । मूर हे कि के हि प हि अरंत्रु टटा । अर् टच ल जूल शिट शिट चेल चर ७ हूं वे विवाय अवि वित्रयस मिर्ट अदे में ल सर वेदा दि र ना र स के म हमान के विकास र नेया वितर् पुरे व में ना देश या न युका दि रे या मद न युका न युका प्राप्त न युका

र लगुरा । ईर छेर पहुं पर्वे पर्वे सर् सिर हो । गुन छेर बारा करें। मकु प्रेय ग्या । । पडु मरुव कु प्राय सुन हेर ८५य प था । ८इम हेर त मञ्ज ही सून. किंट इमन श्रा । तनिर वतन मार्ट ह केर निरेद. मिलर घर अर्थित्या । विर् तर हर अअस वि.टे मेशर यह हैरा । रे प्रिंद. ୬ୁଟ ଟ୍ୟ ପର୍ଡ କିଥି ହିଳା । ଜ ନୁ ଅ ଥିଛି. ପ୍ୟଟ ଲୁଖ ଯାଥିୟ ଥିଥିଆ। । ୭୯. कुरै बाँच । य राज तक द हुम नालुका । पान्त से बुर पान केंस स्रे क्र वयातकरा । द हे रताल अष्य पहेंच पत्ति ल रही। । व अ पत्ति पहें र. न्ष्य व वे अवे खुन्या । कुन् गु न्र्य ह हुन् न्गुय वहन न्दा । न्तर मुर न्य केन भेन भूत हैत दे वहेता । यकेन प ख्नाय कु तय के क मुद्रिय पदी । श्रीय कुं. समेर कूंच केंट कुरल तिर मुद्रेयथा । श्रीय तियस क. मधु है से ब बारे दे जा पान है ते पान में दे हैं या पान हैं दे से पाई दे ता ई वा हा । हैं दे मुल अष्ट्र ता. चेता लिंद परिव क्रीय हेर्नाया । ला. हे. रेन वर्ष पत्र क्री. क्रय क्र न्द । निये न्य तन्त्रासु है न्व न्यावीयाक्षा । मन्यदास्याव है हे वियापा इवासर मुवन पर स्माया हो। विनापर में गुन तक प्रमुख प नुसुद रप हर स्. कुर अहर निया म बिश्व जुन्य तर हैं वे तर नियं व स्था नेय से ति है... गुद हुवा हेल मु वा लका इस यह देश यर है (ह 44 द) व हे वाद स हुवा यह।।

पर्वे ता हेचाता प्राप्त प्राप्त की की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्त की प्राप्

 मह्त पन ना विशास र पर्वाचय पहल हेन हेन मही विश नम न्दर्भवार वस्त्र ह्व स्त्र यह। । निर्देश व विव वर व वर ह्व वहें केंबरा 15 " एहला केंद्र मुठेका महे हेंदु केन दर । विवाय प्र देश केंब देव केन अहर विद्यारेया । तहल होन बुद बंद हर हेय देवें दस हैस न्नित्र, । न्नि न्द रेण म मले दलर नर्ष मेर पुरा । केन ठ० मार बन अध्य द्व हु प्रमेत देट । विट विश्ता । सूर्येश विश्व प्र प्रमा। हिंद छेद द्रा प्रकल गुन् ह्या इद परि देव। । विस हेद हिंस स्थ क्या पर द्व परिक्षा । द्व वित व्यव स्वत क्ष क्ष केव देव देव दे। । केव दे मुश्रदर पति द्वेशाय प्रमुद् य द्वला । इत द्व तर्द्रायर सक्षेत्र मेर् देश म लेता । क्षण त्व व न्त श्रुर हाम तमाम लेत हुना । विचल नेस नेर हुन अक्ष म केर नदार्देव नद नुवानाबन नदा । निद वना प्रवास पर निवेदका माक्वायायदी। ।देव केंद्र इटार्ज्यवृत् द्रण द्र्यो पर्व व्यव। ।३व व्रव ह. च. हेट. विश्व अ. हेब त. पटेला । नहूर त. वत हेर वेबेच टेट अष्टर. हेट. रदा । पिर्वेद सं प्वश्वराव वेक सर र प्रेम व व व व । । प्रेम क स स प्रेम त्वे दश ख.रूष म्। ।विवेट प श्र. हें य हें य देवेट य है स. चर. प्रति। । गुद अप्रेद से नेव अर्द प्रेट देव स हवा । य दूर क्ष किया के ने वा। हुद ह अ ल्या है। हिना भी । इयान देन व्याप प्रदेर वार वया ला क हैं वा । श्रिय सार पर्म केन क्षेट यह ले मेल हैं वा । सक् व हैं मालह व हिंहे इस नेय भाके हूरी । जय हर में कि रहत तह दूर भाहें वा निवय स्वा इन पर देंग ल हेंन के छ। । तहना हेन हेंन गुन दनन (ह 44 म) खल दल नेयंश्वाया । रद छायं भय हेर् द्वावावव के हेर् द्दा । सद्व सुकाहियाः न्यनाखराने करामाहेता ।केंत्र गुदारताद्वि श्वेत्र न्तित्वमानुना

2. विष्यं विषय श्री द्वार देश प्राप्त अवश हेत्र विषय स्थापन देश प्राप्त अवश

क्षेत च हेर हुंब हुंब सर्टा। विदेर सर तिर पक्षेत् अन्तर्थेश स्वतंत्र पर्षंत्र क्षेत्र हुंव सर्वा हुंब स्वतंत्र स्वतं क्षेत्र हुंच स्वतंत्र हुंच हुंच स्वतंत्र हुंच स्वतंत

खनवा |रेनव म रेर पुर्वेट रेनव (र 45 व) दि हैंद हुर। ।रट पुट म्लिस् हे केन रूर बेर स्वाया । ब्रिस मार्सर मालेन मालव नमा स्वारा । विनि पर के नि पन्न हे हे नि गुना । नि म पर नि य अर हिन प लट । क्रिय त्रिर इस म न न व्यस त हुर मर म वेरा । वि हिन इन हर हैन से मदेव हव पर हैं जा । लिना ह है दे पनार स हव के कदर। । इद हिस हुँ स मार्ड न मान स श्वास प्रेंस प्रमुद केर। । केंस गुद प्लेंट्स माठेम लेट ह के भग्य प्रवेत। । त्य केंय प्रतेत प्रमाधिय या पहेंद द्य म्युट्या । ते त्म ह प्रश्निर वे पर्श्व व पर्श्व । विश पर्श श्व पर्ने व प्रश्न पर्व अश्व मलन देवा ।देव क्रम वर्ष मुब हिम हैन न मनेवा । महिम वे नमः यके र्व र पर्व पर्व । । अळव हेर अर्प्युर ब्हुल परे नेब खुल रूरा । बारिवित प्रवास पर तेत हे शें के शें। वित कर पहन केंट्य प्रिंत रेट कें तिल्ला मि । दि द्वा की विकासाव अदाय महाता । दिने पाले अप्तयुद्धाः लेल च रवा में हेर। अदि सम्बन्ध मन मार्थ सम्बन्ध मुन हैन रेव रवार मार्थ । क्रैंट पीनेबार प्रिंत पार में अपूर क्रेंटा में । विश्व प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर'मबेदा क्षि'तयन्य तहन हेद'इस'त्र वेंर'गूद हेंम'दर्। दिद'दस' ह च र विर केर कर है र न खुका । केंबर ह में दब पर व हुन बन ब खुर न्द्री। । तयन्त्र न्द्रिक हिंदे त्रह्दा सूद्रक हिन् यर न्द्रा। द्रिक यहन त महेद्रमदेद्रमान्द्रेय सुरदेया । वर्ष्ट्र रद्रमवेद्रम्थिनासम्बन्धर् रॅंब'न्अ'ग्ठेग्'न्द श'न्न्'म**र्ह्न**'नु'बेन्। । पर्डे अ'न्द पराय व नेन तहेव त्र्रः उत्ति । । ते त्र्रः रणवाप्ति नेव कृष्णुव हैं। । का लेप् र्दर्पन्य पर्देव पाने हुँ हैं 'सम्बा । र्देव रक्ष र्द्द 'ने द्व रह के कुल 'हैं। । रहार्टा है। अळव अहा है ता है। सामा । माहितारहेव महिल सूर सामार्टा स्ति द्व'द्द । निष्ठेश केद्'नेश यर तहें न या शेवल देवा सुन्या । बूट या

पत्र हैं प्रस्ति पर देश पर स्वा । विषय स्वा स्व प्रस्ति प्रस्ति स्व स्व प्रस्ति स्व प्रस्ति स्व स्व प्य स्व स्व प्रस्ति स्व स्व स्व प्रस्ति स्व स्व प्य स्व स्व प्रस्ति स्व स्व प्य स्व स्व प्य स्व स्व स्व प्रस्ति स्व स्व स्व स्व स्व प

3. न्हें दें 'हें 'च' इस' पर 'देश' परि 'स्रवश

 तहेब ही। विहिन व पदम बेद हैनव पर नेबर पा पत्री । विह्न पुन क्स. दश्य भंद हता हा हैया हुट। । ज्या प्रवस्त असव कर (३. ४७ ४) हैया. वर्ष्ट्रसः नृत्युक र वर्ष्ट्रका । गुन हुन देश प्रदर्ष हिन हिन वर्ग हेर हा । । धन रदेव उचरा खेब बन्द स के स है। विहेद स हैं। खेन बात हेनल हेन से में प्रदेश। मिल्ल ८० वलस्य द र स्व अर देव नेस वर्षेत्। १ देव सवत प्रेन श्रम् यह प्रव ब्राय है। । एए ए उन र्व र्थ नेव यह वेय राम गुँग।। विम मिह सिम म मिन बाहर रह हुए सिबाया । सिद हिर रहस ही दशम गुर र- खपार थै। । हमा कर हार ए यह में मूर लक्षर उ छ्रामा । दे छेर दे द्या महेद दम के महेद कम । विवस युवास श्रुम मास श्रूम हित हेद रहीता. 51 । ईनाय क्षेर वस्य उद चदेव स द्व वह समाना ।दे में भू पार खल दे ब्रिट म हेर्। । वर्ष महिन चर्मना परे रहत्य दर बेर रम्म क। । ब्रिट महिन र्वतः इव द्वाना व द्वाना वि हेद। । हिंद हमार विवास मुद्द रह हिंद खन्सा । नि व क्षे वि न नि अ क्षेट स्वाय पह . हुन । नि स स . न स के न रद नेवर हिंद वर्षेर हरें। ।र्यान नेवे.स्टर जैन रेनेन ने नेवर रेट. चलका । ट्रे. लेस हिंद लेस क्षा पहिंद हिंद क्षय है। । देवे. च चरं पाले पहर द महिल सु महेन। । कर्ष मित्र वेत्र हेन् इस नामे हिन या महा। । सेल चह महिद सं चर्म केर इसमाहित हा । इस मु चर्मा केर र में धर है। ब्द महिना । धुव बद हिद धुर हिंद तु महद ल'द्यमा । दे' के ह' दें खन मह हैं । व अप हैं पर र अक् व नरे ब हुं हेरे। हिंग महेन इ'म मन्य वहत मुं हिर न्याय । में अर्दर दे हैं सरस सु हियस केर गुमा । किंस उन हैं कि हैम नु जाइन सारवेयमा । निस हैन नधन मना हैं ला का केरा । वर्दे केर देव सह न सरे पार ही खने हरा । असम इकार्य तिवासाचर्या भराविष्ठ हेर्यास पर्देश । रिवासमा विषय व विष्ठेसा

हिन नल म हेन्। १५व ५६ सन्न थेन हेन वित्र माना हेन्द महिन ६० ४६ मा लुखा । निस् बद गुन्द केन बद बद दखनान सुनाय हुन। । नूँ द दद हैत सबुद बुद तहुन देश य सदेत्। । त सस न्बुद - यान् दल हे ने न महे, । हैनेश कुर ५ हरे त ४ नूने ८० वि इत नेहल विह्न नह उन्हें सक १ थ मिन है- नहेन नहरमा । हे बद से च नद नत दरन दर रहे। दि ह मेर् हेस म्द्र म लिया है। स्वाहर केस मान रहेम हिरा नेने । देने के कि अने बीच अबर च्ये पन देने ना दिए इ.चर्न विक् सम्माय में बे एक । मुहिम र मिने केम , त्य है मूर्र दें। हुन् नि हर रेन्य । सन्य ग्रेय नन्न । दिन्य अवर नि चन नर्न है इस्राय पद्रा । ना हेद प्र यानस य पद्र ख्वास द्रम्य पद्र सर। । छूव मन्नाम्बर्भः । स्नि महे क दस दे 'न्द्र दे तहन । न्वेल म देनल कद निष्य में हेय पत्र हिरा । दनान प्रते खरा दिस विस प्र के शेर जिस । । खल रुव तस्ति पन ने नेर तहेव ल'पन्नामा ।देवल नेन हेल'न्यन पनन मुद्राष्ट्र धर हता ।द्रेव दश्रादेश मुद्रा अदे द्रा मा है। ।वाह्य छवाला पहेंच नवल पर, द्रमंत्र पहुँ दा | दिनम्, देने ए उन्ह , श्र प्राप्त वर्मण. क्ष'न्येनया । रॅन नम'न्डेन डेन'रेनय म'गुन'के'नवना । छन नवे'महा रंश मू स अ ध्वाप रेटा। विरे.क्र्यारचीताताप्रकृत हुट रेत्रेरात सुरी। ट्रे.ब्रेर ट्र.प्र.प्यूचा.त.चेश्चा.वे.पड्रंषा विट तर प्रत्ये त.शवर.पत्रे.श्चे त्मान नहेंचा । नहें में भेद'हें नवद दना भदा भन दन। । नुद में हैं पा न्तु अदे अर्केन् महेन् न्। । र कुन् लुन्य सुन् र य गुद मनेद अन् सुम। । ट्र विन हेन हर हैट है न हैन पर हैन। वित वह र है न विन होन मिन्कानेता विराधरायि कर देवार हैर हैर पर लेमेबा विश्वसामका

म्ब्र बेर्'बेसस गुर्ट (ह 47 व) बेर्'यर हैंग्या । महिस बेर् केंस र्मेट्स में हेरे न्द्र पर्व या । शेवस ठद सम्स मुस गुद में हैं मानम वन पर्व रूट के अर्द्धत्य हैं य पाय्या । तिहर तर्य रेवेर केर पर्व केर. रंग लय में में । यूर परव यूर केर् हेर रखेल लय गुर लर्या । विं पुर अन हिंद हि अर क्ष भ हिंद। विश्वश प्रवित हैर अर रट, हिंद देवा, प्रश्न हैं नाया । यां ही अब रत्या के सम्मानिक के दि में हा नर श रनत मुख्या । इस रमन खल श्रेव श्र हैं न तस तर्य हैर। । ह्या दे तथन्य यस न्वत हर हर रन्त पसा । हर्राये हस तमुरादिर वै स श्व रा । भेट हरे शिय पहेल संस्ति हिला है जला वला । निर्वेदल म मुर्देन कि में सेर हैन लग में ला । नर् मुं द हे पर दे ने ने में प्र र कुर।। ছুন্ৰ ব্ৰ প্ৰথ কৰ্ দাই দাই ব্ৰহ্ম গ্ৰীৰ ভিব। । স্থিৰ দ্ৰান্ত্ৰণ ল ভিব্ । ব্ৰহ रत्र्र लियाया । गल्द र्हेट खुल यत्र र्घेय चल र स में बेदा । इस गुद षष्ट्रच रिय ते.सत्त.से.पेर.तबुरी कि.श्रच श्र्य तेल.श्र अर श्राय.ग्री.हुरी। स्तान्त्र हे रट. श्रह्त हो सेर. विश्वत्या । विटे. हेंट. वच वायल स्वाय ही. मुन् बद्द तहना में ब्रियाय बेरा । पश्चर ने में हे हिन् मक व रत कर यात्रा पलेत्। । मनेव ल केत्रव पल के त्युर लेता। हिंद हेत्र हें मल के कु रस्य द्वेष ग्रेय ग्रेप। हिंद हरारसेल रसिट रनीन भरे. मेट ल्रव ता । है. हिर् ही अर बद पहना धन के। निर्दे में है न क्य नर देय नह स्माया 4

4 वि.र्चेन्। सस्यानि। सस्यान्यः निर्मानि। स्रीनिर्मानि

ब्र पथकालय है स दया अर पहेंचे त रेट । । पहेंचे पहेंचे बेंचे प

चर् स.ब्रेंद ८८.त हुं। । द्वित्य श्र.भ केंटस जय ४ सेंच ध्र हेंट। वाश्वर राव वार्यक्ष तर भर तय कुर में भ लत। वि अले हैं वे वह द विषय क्षेर स्था । अव स्य तियाय में ही हिंग इस्राय स्था । (इ. 47 स) न्य मकुन् वर्षेर य पढु ह्व देव केव हेवा । दिव के कु वस्त न्ये केव हुं पर न्याता । तक देव वस तक क' बेन्' तक ' पर हो। । हिंस बेद के यदः इरिदे द्वेग्य सम्बुद्धा । यद त्यम् के ह्वम् हूद् केद्रस्ट स्वारा केदा । न्याय वर्टिय केत वराश्व कर नरा। । माहेत् ख्य लेटया हिन् के ब्रूट्या वता.बार्ट्र.तव्या । ब्री.वक्ट्र.रंबी.ब्रीर.एष्ट्र.त.र्ड्य.खे.ट्रा । भे वय पञ्. नः नहेन सु क्षे नि में नि नि नि नि नि क्षेत्र के लिन में कि नि में रक्षताष्ट्र अ.वेब.श्र ४स् १८ । विवास ६८ श्र.व.त पत्र में पत्र । कि मर बुट प्यथाहेब.ट्र्स क्रूपत्र.क्र.पत्रा विश्वाश्चेव क्रि.अब्रेब परेची.प्रह प्रतया संक्रिया भि मार्थानक मार्था मार्था मार्था मार्था मार्था मार्थित मार्था हिन कर्ने मर्चभाकाकेत्। १६२ भेदाखरामा धुन मह्म वस्त वस्त वर्णाः। । भेर मह्दा अट. १८ भ्र. द्रभय क्र्मया भटे. बैचाया । र्बिम पर्वत मंथियायशकारोहर. तर. इ.र्चन म् । मैं. प्रचय सर रचा प्रचेश ने बेश ने बेश हैं। । मैं में बेश सम्बर ब्रैसयत्तर्टाक्रिंद्र पर्वेत। विट.क्तर्ट्य प्रियःविषय रटा हेटाई.क्रा। द्रनामरे प्रकारमा दे पर्नर हैं स्न हा । क्रिय गुव रहा पदिव हैं पाने र मते देवा । बर हेन नेबर पुरान वर तहेवा के लिन छ। । के लिन देव चढ्री इसम्पर देश परि स्रमाय स्। विनापरि स्न गुरु त्यस च नुसाय ज्ञान व द्रदःम् छितः अह्रद् प्रञ्चायाया ज्ञात्राक्षात्रायः प्र्दायते प्रमुद् पर्दे व देव पुरा ग्रेन् विच हेल वे.च.लस हेर्च त.चेस.रच.ग्रे.चश्चच च.इस.तर वे.च हे चेर्य... म्युग्महा ।

यःरुषःयरःष्ट्रेःय। पत्तर्भायरःष्ट्रेरःदह्र्ष्रःश्चेःपश्चयः

1. ଟିକ୍ଟେବ୍ଟେମ୍ବ୍ର ଅଧି ଅଧି । କିନ୍ଦ୍ର ବି । କିନ୍ଦ୍ର । କିନ

वित प्रायम देव हिन झेंबाप्य हवल सु हार। वित स में हिना मिनस गुट'सुद द्वेंय पहेंदा । विन प के हर हैर तहेंद के अरहें केरया । है माद्र हुम अर्थेट महिल में देव दा पर्या। |दे के हे में बेबल हे महिनाद प्टा । क्रियार व द्वात वेद स्थाप क्षेत्र हेना यहा ।(डा. ४८ वे) टेस क्रिना चेल्रदान द्वात्र मन द्वान्त्रवा विनामह विनामर नेव रमाञ्चनान्त्र अह्मरा विष्ट मुख श मेल्. अर श्रामेशल मामखेरी विशेषामे एक्स्मेश मन्त्र. मन्य सम्ब ने है न है मना । में देश है न प्राप्त है व परे खेल प्राप्त मन्या । क्षे नाव या क्रेन्य हेव के अध्व क्षेत्रयानु देन। । अध्वाधिर खल नाव या कर्नि कट'र्हेण नेव ८८। विलाधिवय स्वार्ण ग्लेट ८८ हेंगाय हरा। वि न्द्रे ५६५ अग्र प्रकार्वा चुन्य ५५ न पर हिंदा । इति ६० परेर प्रकार लय.में क्य चर्चे र स्वा । निभवन म हीर वे विच निर्देश हीरा । अनिय ८८ १ व भूट ह्येट. तबु. बट वर्ष व वर्षेषा । ने संबात बचा तक्षेष वय अ. न्नान्न ।हेद अन् क न्य दय दे ह्नायायरे मरा । वि वट एया नट एया ल. महेब तर ४ हू व । हू व यह म. श्रम भी व बाबुह. मी. अ श्रू. ला । इस मीर. इ.इ.१८ में श्रें अथ ४६० पड़ेंचा । टे.रे.चे पथ. मुब ४ अथ. इस चडेट ज. महिला । मबिट हर ले ले रेनल मब्बा महिला निवास । विद मिन महिल महिल तर् के छेद दर छेदा ।हेल य स व महिल य तर् छेद यकुदा। तर्व हैं । र्र म नेव हुम्य र्म में लगा । वे महेर हैम तहेव हुद सर महास र हिवा १६ म इति स्थान के प्रति है । विष मसम इव निय महें व दर रहेय मरे हैं मस। । इन मैस है सस दर कर दर कर्म मेरा । इद गुन रहना मरे भेर मेर नदस समस रदा । रहना स धर २ हिंग स्वाय अञ्चल नाइस रेस र्गु हो। । नाइसस हम अन्य सुग्य सुग्य स् र्चे प्राथम रेट प्रदेश । अधरा है हे अभ के ट्रिंग लग अष्ट्र हे मेन। । मैर ब्रैट्य अवर हुव हु वादय रचींच तर्। ।चटु.वायल अक्ष प्राप्त प्राप्त स्था नि तर्देश । ने के सर् कुन मलस नित् गुद के निवे। । हें द सरस हुन मह्य वसन वर महिन पर छेर। । अने महर के क्रमन के सम मझेंदा ।(इ. 48 म) भर ह्य द्वा मधेंद श्रम्य प ते.म मश्रम । ईक्स बि'रनाय हापा हिन्द मा । मानेव मारे इक्ष ठव १व राट हिन मर हा । लर. हुव र्चाय. थे. पटे. पटु. इस. स्व प्यट्या । विव स्ट स हेर. पर्चे प्र तहन हेद'य'न्द'लहद्या ।दिद'णुद ह्याय सन्य दे'द्द माहेर'म'केदा । दे गासुका । वळ द ' म' संदर्भ ' ए छैं । व द द द स बक्ष व द्वीपार देश हे पार पक्ष पान देश । इतियानर हेश मेन ने ने ने प्राप्त हैं माञ्चिम। १ठूथ हैन्याची के विविध्याय विश्व के विविध्याय विविध्याय । १८.४.७ व्या हुनानियाद्मअरमरात्वेता दिवादनाहास्याहास्याद्मअत्तार्धेरा न्द्यास्तर्हेनात्रे नाषाच दात्रा । म्रेंश्रह्ण चन्नात्रेन् न्य नेय रवा गुँका । नधन ने ब्रुवान मान भागक अध्याप हरू । नधन नबि इका धर के में ना नहन के विद्या । विद्या के प्रवाद के वार्याति प्रतायिक में प्रताया विषय विषय विषय न्ध्रीयस समित महम पुन्त। यर हम १५ गुन्म द्वार नन से मलेंद नु॥ म हैं दिन्य में अल स पहुर कर पहुन । भूद रे हिर्म मून प्रांत रर्में न्य सु मन्ता । त्व सम इसम होत हाल व न्त युन। । मनुने छ वे द्वन ह्य हैं पर्वेष प अधुदा । दे दम न्युंग सं रंग पर्झें म पेटल गेर् प्रेरी। बह्द पर्य क्षेत्र के बे विवस्य महिनाय पहुंच था। । नियमय पर केर रव इस तपुत् बुद् तु तह्म ।दस यर से हैंग स्मा अर्थेट क्याय न। ।द में न्हेंग नु सद मल बुद नु'तहुन । दे वे लद दम हैद लहद अवर धेव हो। । धेर बुद्ध एकुट ग्रेम क्ष त्रवा बिट एट्य ब्र्वा । अट्ट व भे, ह्या विशव स ट्युट हुम मण्टा । ।र्थर श्रुट इ हुट महीत महाय(इ 49 व)रूट मम हु। ।०हेला गुद मेशन तहेद गुद्दा ध्यान हेन् नु बन्। । बळद अळेंद रूर होते अळद १९ इब मर ५५५। ।हेद ० मेल हलका स खरारील के के कमका महारा । रट हूं हैं र ख्वान ब्रंट हेंगा नेस रव अक्ट्रम । हैंने यवस नट वर्ग नवर. म्र पर्वे त है। । रतिर पहूर्या मध्या प्र खु है ये प्रतिपार अवे री । व्रा बर विश्व प हेर हुँ र प्रवश्न मृह्व कुरा । 5 र म्यू हुण्य मार्य देव रव त्येद म थेवा । निशेष कॅवार्च सक्षाम्बला निर्वासिक स्थापन स्थापन । निर्वासिक स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप महोत् हिन् द्वेन्य हैं या गुन हिन्य हिन्य हिन्य र र महेन्य तर्। १९८ ८.४८४ वे शै.वे बु डि.हेग्.वु, झुभ.४अ पर्वर तर् सेपयांस्। ।

2. 裏'ਕਡਰ'ଡ଼ିଟ୍'ଡ଼ି'ବିଦ୍'ଘନି'ନ୍ନିଅ'ନିଅ'ଡ଼ି' ଇଦ୍'ନ୍ତ'ଘନ୍ନକ୍'ଘନି'ନ୍ନଘମ୍ପା

मुटा। जिस एक कि.स्. बिषय ने बात स्थान द्वा । १३४ व्या कि साम क्षा निवास क्षा

मनुब् भेव हे। । निम्मान इस ह म तम्ब सु स्मान स्न मह्ता । नि मिर लाय उद ९६८ कनाय ही मेरे नाहेदा । मेर इय ८२ वेस मकुर मईस सुब ह्य पड़ी। । कूर प क्रियो पर्जाल की भूट होट सू लेटी। । रेने ये अप अप अप अप मबुद मद्मा बेद द्वा मदि द्वा । तदु न्य देख वेय क्य द्वाय हु व हुर। । रद हुदि अळव हेद इस य यही इसराया। । नेय रय गुरु यह नय द्व य हे मर प्रवेग । परुर प्र प्र प्रहेग क्र्याय प्र छट ट्र पर्सेस । सिम स इसिस य दे वैस सकेंद पुरा है। ।से दिने से पक्षेत् पक्स दर दिने प ट्नि । त्तृत् पर्हेत् केवल प्र प्रुंत् यहे हिंद तहेत् कुैका ।देल तकुेद ल हुँद दे षे क पढ़े घर। ।यदेव पढ़ेरि इस य यह दुवा य इसस स। । १८५ यई दः इत् हैद नेवर्ष ए प्रेव हुँदा । वर्षेद लब इत् द्द त्व वर्षेद पहेंद त्युल द्वारा । भेद (ह 49 म) बुद्ध हैद रहेद महद ब्रुंबर पद सम च दुवा । स्रेंस लस यह द्वा है वा हवा लय सर्वा । वर्षे च हैं ल च दुव हैन मनुन् नुमन्। । रन् नुल ने न्य इसस न्य हेन समेल केसा । इस यर वर पर क्षें ने बेंच ल वेंदा । वेन केंद्र रेन कर केंद्र केंद्र केंद्र विष्ठेश हरा । विव सर पुन्न संवाय कर ने द क्स य पदी। । प्र येरे प्रय हर अवस हर ल रबेनम है। । वि लुने के सन्द म वे र वि न विनया अना । दिल विश्व ल नवस नम्म में मध्य द्वित। । वश्य ग्रे किन हेन ञ्चन् इत रखें महेंदा । नेल मलेद न्यादल मल न्यात नम के रखेंन हीं। लयन्त्र में मार्व नि के बीत क्वाय पड़ा । विकासन्त्र वर पारे निने स हूर ७ सू चया । सिवा. मै च बु. २८ घर त क. भ वेर. जी । मैण स्वाय हंस इव के जब र र ने ने य द्वा । क्षेत्र स के व वि ह का पर है ज य य कुरा। ह्यें प्रभार्येत्व सु द्रम् पत्र हें हुत्या । वे प्रम् वश्व प्रम् द्व सरे द्व न्द्र विद्रा । दे लट्र इस इस स्वास रह कुर मा । केर दनन दक गरिमहात तं ... 1698.3.. ज्ञानक, क व. च कि ज्ञान बारकाथ, बारकार्क

101

भ्रष्ट के दे के कुचा नह क्षेत्र हुन के हुन नह क्षेत्र स्था निक्ष क्षेत्र हुन के क्षेत्र स्था निक्ष क्षेत्र स्था निक्य क्षेत्र स्था निक्ष क्षेत्र

पद्या । तथ्येर हुच इत् त्या अप्या क्षेट हुच दिता । त्या क्षेट हुच क्षेत्र तथ्य । त्या क्षेट हुच क्षेत्र तथ्य क्षेट हुच क्षेत्र वित्र हुच हुच वित्र वित्र वित्र हुच वित्र वित्

रमाल मह मा है । मायल इंट ट कुल हैं कर रिन्द महा । इस मान्य हुन मालेर मुर अय पहुंदि रामिय पहुंदा। ।पहुंद मालेर मुर माले पलात प्रेश सुरु]। ।पट वण प्षट मृत्य तमुद **हॅद मॅं प्रस्ता।**। लब रूट में रूट में केब मेरा म रूट। । हुट बर रूपट रूट केब रूपट सक्षरः खेंचे हैं। । इस उर्देर पढ़ी हा इस पश मूट उद्गर उर्देश । बुट रंट अंत्रय उत् हुँद परे रेग परे छुर। । गरेग मैल हु गद्र मही कर द्रम पर पहेदा। इस क्षेत्र ग्रंट क्षेत्र हिन क्षेत्र पहना हेर नहना। । सदल क्षेत्र नवर में हिन प त्योश केद श्वाया । अर्द हैं नय अद सम है प तहिद मायुस में केटया । 도드 불도 여자 도도 독행이 오늘도 현어 도 외포비 1美고 정도·영희의 을 했고 월. ल विचा ाञ्च व कुर रचुनय ज्ञाय कुर पंश्व पंश्व पंश्व । । विवर ट्रं मुन इत्य स्टब प्रवास पानित्य पश्चित ह्रिया । सिन् ह्रिया सन्द दस्य छ. इस हे ना । है पर्रेज र्रे (इ. २० म) मन अस्य मेट छम म मही। । हैं र 미정화, 월도, [명다 글 단괴 복화, 등학 오다! 12, 참신 툁고 되는 당신 난과 월, 결상, खन्य। । पत्रेद ८८ हेर ब्रुप ब्रुप ८८ ब्रुप य की । यद यन पत्रे में १८५ म त लियाय यहित हित्य। नित्य हित स नेव हि म्य प्रमेर हो। निह मा ने भेर, भूर, पक्र, ने ब्रिट्स जूट सि.की । ने बेने य टंट, ने बेने य, पट्य ने वं य स. पति ह्यांस सर । । गीर अया ह्यांस विशय रेते पत्र कर अया हैया । श्रीयस चकु नि किन हैं । तहूँ र व हुँर। । दुव गु तिहर वर प्राप्त लगान इ पहेंच है। । सकद प्रचट द्या पर केटल खेलट हैं स माल्द। । प्रव सम दे ह्य सद् मृत्रा स्र याया । १८०६ विष प्र एव प्र प्र वे कुर दर पहुना । न्द चॅर अळव अ मह्व वेंच नुष्यह्ना चरा । हैद हें प्रथ ज्ञास न्द सें पुर भ्रवास रा लेखा । पञ्चित्र प्राप्त स्वर प्राप्त विष्य । विश्व स्वर प्राप्त विष्य विषय । विश्व स्वर प्राप्त विषय पलग्रह्द तर्ज् प्रमेग्न है तग्म केंद्र हिंदा । । सह्द केंद्र ह्वेप हेट दूस

नालु हेर नाबात लाया । नाहेर ना छे.छ.पहर छ.ह्नाय नर नास्था हिंग अर्व पुर ए र् रे हे पढ़ी । किं न न नुस मुन पञ्चे र क्षय रेस प मबेदा । ह है य मद तरेय नम हन्य मद हिला । हिंद है न य मद मान्ना ह्निय छन पर्ने रिव्रि। । य स्य तिम अक्य से ज्राद्य ह्निय तर्। । ह्निय चुेंद लब लग ले नेस द्युंल लॉक्र ग्लुग ।द्वट पञ्जर इस एस कुरा ग्राप अकेंद्र केंद्र पर्युद्र । । त्व्य सुक्ष केंब चुँक क्ष्म सक चुँद्र पर्वे। । केंद्र मस मूल बुर दक्षणय म सबर दण ला । स रणय जायल झूट लर्देव हेट ट कुण महेव। |इंश त है ए हूं यू विता तथा। । श वृष हैं हि य है द ली देव नेय ८८। । स वेग हेट द्व ब हे हु जूब ईल हो। । यद यस मेश पर्यक्र मर्झे बब पब हुँ 'प दा । छु' दद र्दे द दब 'रद रेग दग म'रदा । धुद मलेर' पश्चम्य त ब्रेब्(इ. २१ वे) अष्ट्रथल पर्द्ध कुट.र्जट्या । अध्य तर.अ.प्यथ्ये. महाय म न हें र या चया | किन्य हुँ द हुल हुल हुल हुल हु इस वर्धेर रें। ।दे ्र ब्रैट जोखे. क्रे एक. तर होट वार्बका । रताय त हेर कि. सं. त वार्वश हाथा. परे। किन्य ठव वके शेन के नेया के न्य ग्रीय शेंदा। विन प्रया हूटा न्युक्त रतःपद्धेद्र'पकुत् दुर'स्त्य। ।द्यानेय हुत देव पर'श्रेत् से न्युका मा । त्यु मञ्जू अभेतः भेत कृष्यम वृष्ट्रा । विस्य स्नूट उसः समस्यः देः ह्रवाच ५५ हिंदा । दे है ५ इ हे नव ८६ मा पव हे ना पहेदा । दु मा ह्या 그렇다.의마다.틝.저도다.너상,뤨쇠! 1월 용 라니 외모소,나군서 다 봤는 휄쇠 일!! ह्य मार्य में व राम प्रमुद्दिन मनिया हुन। । सद हैन में मार्म हैन प्रमुद्दिन हैन क्षेत्र ८८ वर्षुदा । वर्षेद्र पुर स्थापक्षेत्र वराये पुराव वर्ष स्थाप । दव मे रन् लिया हर्से नव इत्य सहि हेया । हित्र बहेद से समार्यात खान नहना बहै तुर्वा । क्रुं बळे ५ 'प्रवृत्व' प्रवृत्व' व्रुव ह्या ५ मह में 'प्रवृत्व' । क्रिं प्रवृत्व बुबरमहुब खुल ल'लिटबरखु'बुद्रा । ले नेबरमङ्गेकरमबरचे मणुने माङ्गे। ।

निम्म मुल मुन मान रह रेमल क्रिय पर्म । लक्ष्य पर्में पर्म अर्थ स्ति र्ता । प्रतिक प्रतिक मानुक प्रवित क्षरा दे 'र्र दे। ।पक् सिर्य एक निर्मा होन् सेन पर अकेंद्र । सिर्य र व्रव न ब्र म सा ब्राय प्रकृत मुह प्रवाय मुद्रेन मह हिन् एक म मुह हिला। अकूर मह्रेर मध्य ह्याय हुर पश अहर रेट अवेश । विवेर कट में बिद्धा लय मिर श्रीत पर श्रीत । विर तर श्रीय त ह, पत्रीव कर पर, हीरा । लर. महेस ईस विट अर महेस ध्रूर. म हा । पट. एमना अर्थे दुस अष्ट्रमे. न्विन्य इत्य गुरु न्यु स्ता । देश दे हेद त्येल एट पर ठद त्येन द्या । है अर हें नया है पर हैन हैन रमुरा हिंगब रेश ए यह मही पस रम्य गुरुष में। । १९व क्रेय के हॅग् (इ[.] 51 म) ह्याम राय वर्ष वर्षा । गुर्दे लरा मध्र बुपारे देव मुन्य मह्ना ।रे.हर मध्रम मन प्रमार बार प्रमार वा 5' छेता । ह म हूँ ६ है ५ है है है है हि 5' एडिंग । ने' पर दस' गुव' कर्टन' स्व हिंद हिंद दर। । के त्युर पदे प युव कर केव परे। । एव लग रचे च प्रदेश सह के केर.पथा । जिस स्व. अश्य रेचर के. जिस हरे. वस्त.रेस्.।। बिट एडिंग इंश त विर्य विर्यंत्र ह्रांग भ ही । तमुद्रिंग इंस. प्रश्न हर तथा तर् पर धेरा । अटल ज्याल में हेरे पहल प्रत् शेवल ल'न्क्षेणला । पर्न' हुन अपथ रेट भट्ट तर वेट कित ता । बिट ४६वे. दुश हर तर वे व ४ ४५. तपु. भिष्या । ह्रिया भे पद्धा पद्धा मुक्त ह्रिया ह्या । व्याप दे भूव हिन् स बुन्यायि के बन्या । न्याया म सु सु खुना कु के व म न । । न हिन्य भ्रत्रेष्ट्र-ताम्, पृत्राल्यवा दिवीयवा भ्रत्या विद स्वाव त्रेर क्षारिवेर पत्री | लट.वे.कूब रुमें बूब परस रेह्स विप वट । दिह्स. प्रचायाचेन् द्वा प्रचेर चिनान्द नेवाया केता क्या । हेया गुरा प्रचेता प्रचाया । हेया गुरा पर्वेता प्रचाया । हेया गुरा पर्वेता प्रचाया । मनेन नमर हैं न केन लिवना । यह लव हुन हिन नि है हल वहें र है। । रिश्रमिश रेट रितेर पथ ह्य श्री ईल ४० हिंद चर्चिया। । द्रम तपु पर्वेष बीनांस. हूनिय तपु रात प्रति र राता । पूर नियान कु मिय हूर बिनाय रात प्रति हा।। ମସ ବମ ଜାବା ସ୍ୟୁକ୍ଷ ପ କୁମ୍ ସ୍ଥି ବ୍ୟବ ହିଁ। । କୁମ୍ ହୁଁ କୁଜ ସିନ ସିନ ପ୍ୟୟ अप तहेव नहा । इव हैट है है है वल तर्चेर अव लग नुग । निग्नेस हैर निर्मात प्रमाय विषय विषय विषय । विषय विषय विषय विषय विषय हिल पु पहें वा । सर्वे क्रेस रूट प्रेव क्ष्म प्र तह वहन स्टल मुख्या । प्र क्षेण हें हेल से हेण इतार होंर चन्ता । वृह्ते चलेंत् त्रॉट्य अर सुनास पञ्च तक्ष् (इ. १८६) प्रेशा । पञ्च प पञ्चित देश देश वित् वित पह्न पञ्चपा। ह्निय रुघ निर्धे घ है जिय पूर नियम ह्या। । एत् छ ८ ट्रा रूप पर पर पर मूट रे प्रह्म । अ हुद्र लेल जिटालय चतार्मे सैनाय खेया । मिटेश भू ह्म कु ह्म कु के व्याय त्रा । चुन के सक हु हैर श्रम महुन रहा। । बिनाय दस भ पत्रीर पर्ने प ब्रीपायर पढ़िरा । रिमाळ्य छेन की स् हिना हिंस यस श्रुपा । तथा कु नृहस न द क्र कु खिना खुना । खुना के द सन सना हुन है तक्त र्व र्व । । ह म र बुर सुम के व ब सल समला । बुव स्थ नहुन त प स्वय खर क्रवंच अरा। । तरे अक्रवं मेर हेरु स्था क्रवं न विश्व भिद हे। । भु है है चग्र व्याय कुल ग्वर पश्चर रहा। । समस्य सः स्वर हता न्तर वर्षेत्र ह्रेन्य रेश निष्ठेया । न्दः मं १३ द्राय वर्षेत्र तथ महेदः निष्ठेया। कु. अर तथ ह्राट्ड प्रचंद हूर शुश्यार्ट । । जू चे ह्राच छा पह वह वह वह वह ब्रिन् विरा । दल निक्रम् सल ८व्वेर के निर्माण विरा । वि मार्ने हिते। प्रविद्यात् अव त्या है। ।तस्यास सुर्-तर्द्र प्रवास सुत्र विद्यामा ।दिला न अन्य अन्तर्म हिन इत्य त रहा। दि हन्य ह हे दूर सिराने ह्या 형 1통'대통'도 다자자'최 [P다 국과·원 1월 5' RBE' 여디자' 현지·영국 최도'

मञ्जे र रेस र । । हिं पर ग्रम् महाम श्रम है से इस र में र र । । व अवे त्र मार्थे द्वा प्रति हमा नावी। 1इ म बिर्ट प्र क अध्य मार्थ मू का ह्येच ते ये मेंच रच्य स् न्यर देस मुं। |इस म तथ मुंद पद सम मह मिक्षेत्र मिल्या । युव केव मिक्केट देव मिले हिंद कुल बदेवल विदा । हिंगल इश इब रम् ह्र रनान हर नश्च है। । रह्य लिय विन हेर नयव ह विन तार्टा । पाल कुर इता रहेर पि हैला है यह है। । इस्त हा सर श्रीम त ब हिरा । कि. धूर है अ अष्ट्र हेव तीश रावही । लव जन रेट च दश नात्व महीते ईनिल(४ 52 म) रेस म। । আ সুম ন্মৰ ন ন্ট্ৰিক ব্ল রন रा कृषाया ।अधर पुषा कृष मु इता तत्र चूर घर्टा । क्षि सल हु स सुक्ष मनु द ल्युंच देंव दें। ।द्रेण्य महत्य स् में हुद में द्रा त्र्युंद द्रा । ।द्र खुकाचनक स्वाचिन वे में नाम वर्षेत्र रेनाया। । प्रमेनाय केर् स्र मयस स्व लच देव भाष्यका । एसेश सेह क्षा पर्में यह अटल मेंब हूरे तह लेवयां। मुल अ पर्निट तर. क्षा प्रमुर पर्बु. पश्चित्य हे। विष प्रमुर. रेट स् पश्चिर रुवारिवर, पश्चरा डिस शे. रेल एत्रेर. हूर एत् रेस्य पोष्टेया हैय। इसार्वेर के साथ मेनायान्युस ८८ ह्वा । स मु न वह व दस्य हे ख्वा क्रमयः अरः। । मुन्तः पर्दरः प्रयागः स्थायः प्रयागः मानवः । गुनः 교는 그렇다.음.왕.됬다.음.나이 나는 저희.됬다 다양.음도 오른데 뭘 줘요 भ्रा । तहना स्टम हम चुन पश्चिम प्राम्य मान्य स अध्या । दे स गुन हम रतः मुद्दान्त्रायान्ता । दिद्दान्यादिन् नावतान् हेस दर्वानाने दना ग्रन्।। हर्तित्रवेगामान्य १८ वेर मानविष्य । दि वेर रेत वर नवर प्रमुद्रार लियान्या ।न्यारायदेवे वे नेयान्याम्य पद्म मे लया ।हिंदाय्वीयया विमा केदान स्वाया देवाया देवाया देवाया है सा विद्या गुरू दे दे यह मह वाया वाया ता है सा वया । गुव हिंच देव देव देव केद वास्त्र विकार विकार । गुव हिंच दर देव र इतियाय मुहेल भेत्र हे। । इ हु दिन मे खुद केंद्र ५ तेव न सुक ५ ८ । । हुँट र त्रि ठव श्वार कुँच लिख इट चहुँच। । विव श्रेव चरे इंट श्रे हूँ निस म्रुगम सरा । नम्र पर्वे हूँ माले तुर नु तहन मा समा । दिन प्रस् में नेब द्ये देंव द्वव हुन हुन तकर। ।शिन तहमन इन नातुन तब छेद केन ने मुंबा । हिंद क्रिय चंदे हिंद जे सेय बद्रें ह्याय है। । यस ८८ इस ८३५ हिंद क्किलिस र्विहे! ।अधर घुणा ये नेस(ह'53 व) से छे देंदि णासला यें। । हु बारे द्येल बार्ड केंस गुद दे भी सुदा । ही देव हु का से सुरे हैट तहेद पर्झे अ। । द्वार षट परेद केर प्रे केष गृहद स प्रापा । प्राप्ति हु सुव विर तर पन कुन ता । हिर प्रवृह हर यमा विर मेमन है सेर हरना । स्य देव अध्य भव पहर पंजीवाय के सब अक्टरी । स्वा तार बेट पहेंच से अस अष्ट्रभस हीर है। । अधर विच ईश रच ही अपट है से रवीया। । कूस है चे. द्रम अरद ने वे अव रायम में |देव दक देद माया धुमा केव हिमार रेम है। । न्द्रायुग्य ग्रेन् न्द्र तक नुब तकर द्वाय म्द्री । । समानुब न्द्रायुग्य हिंद हेर हे त है। १५ छ र र हर ध्येम हर मयल म हिन मर हुट वैबाइन क्रेल धल र्न है। । पार्वे स बूट र्ये र्ट पार्वे स बेट र्वे हुर। । श्र हे में ले. पंच बहू व किंद अवर विम प्या । श्रिम कें ज दूर पहें व हेल महिन सन्य अर परा। । सन र्व हे पहिन रहेन थर्न सम्बद्धा । बुगम नवस वैस परि १ सम क्षेट विदं प द्राया । दिन नसम तहना हमा हमा देश लस इस वर मकुरा । अट तर्माय महत्य गुट तर् र्व वुव मट सेता। हुँ हैं हैं है है नी के के ने बहु हैं। । हैं मा मन महिना के ने के न मै र्ना १ एट पर हैं ८ है र परे के व र सहस है। । हु सह मु र र र र र हैं दूर नेबल पा । रेनेर बर सब हूर नेबक जिया पनिर हूं । रम् १६८ मिन ८८. व मून देन । मून दिल १६८ न्या मान १६८ व मान मान

अन पर भूभ रेश किर पड़ स्टर है या श्रीय पहुंच पर भेप स्था।

4. ਵੋ'ਵੇ'ਬੇਗ'ਖਨੇ'ਬੋਡ'ਵੈਕ'ਕਰ'ਚਗ'ਗਫ਼'ਤੋਂਵ' ਭੇਵ'ਖ'ਭੇ'ਬਗ'ਨੂ'ਬਕੂਤ'ਖਨੇ'ਸ਼ਰਯ

मान्य रहे बिंद रहेर वर स्मानहर होत पहा । ब्रिंच पकुंद पकुंद लय हि त्युर है द अ थे। जिंग देश में श्रेश हैं स रेश में दश सद सद । । इ न वर्ष नरुष वर्ष (इ. २३ न) वर्ष महिल सु ८५। । ब्रु द्युल स्नाव सु अक्ष परनायान्त्रामान्त्रीया । विषयानाया हेट ही खुद सद राह्न स इन । १९५ धर गुन मु: पवर में 'पवर में '५८'। । हुँद ५न १३व पद्या हेन महे प्राप्त नेता । ह्या झालव लग चले हव महम छन हिना । मिल लब देव रटान्डिन्'कर'म्'व दे। हि च ह्वि'सट हेट'लहेद संस ह्विस ८८ । दिया ह्यां अभया था अवर हिवानर टु पश्चन। निश्चेश ह तक नर मु परि रेम न्युम र्टा हियामपुर मेंट के व मेंट हे मु म र्टा । उप 클 미경미·두드·쵤지·ㅁ조지·쪼미지·퀄ㅁ·욘! I루·짜드 조미지 두드 덤·디지 퀄드· ह्यान्त्रिमा । पञ्चित्रसम्हित्रसम्बद्धमान्तरम् रन्यस्मा । प्रायस महत् क्ट तक्री. तेर टे. वेर. वंश. हो । रिग्रेश रिवर क्रम वे. येटल टेट लेल होन ह्या । तिर्याश्वेषाञ्चर्यायास्याञ्चीयायद्य पीदीयचित द्वीता। । यद्वेष ग्रीयायद स्वा पदी शेया मुद्दार प्रवास्त । जि.ट्रमा स्वास ग्रेया ८६८ महिनाय रेमा ८६६ प्रतिया । वर्षात्मक्षात्मकार्ष्यरायद्याचे कर्षात्राच्या । प्रतिय सि. हर्षाया भैदः मैदः अरे श्चेदः स्युरा । वर्षाः अदः रेषाः रहेव इस य यदेः स श्वेरा । ह्रचय, इस, ब्रेट, कुर, टिंग अर. विंट, अथय. ब्रेटी िं रह्रच, खनव, चेहेय, ग्रेय, हेर. 회학적·낯년 교회대·디탈의 | 출시 통, 출시대급리의 젊 어느 있다.더의 선소! |

बी महेडू है. भीय बैट च कीय. उहुं मध केट । । महिम जब उन्ना मय कूष मी भाषि विपर्वे। । क्रुपल च्रित के प्रथम के हे के क्ष्या । । क्रियं च ८६ म मु ९ मुच सकद से द दे। । किस है द दे च बैद है द य ८ हम य दे। । छ बुदि बयम सम हेट देन यदे के हुन। । मिस सम हे पहिन य में के म हे द ला । दे पर्वेद हे पदम सकद ने द देव देव रहन । ईंद पहुद द्यीप अम्म प्रमूप प्र विवाध दश कुंबा । कि पद है चलुंब वाबात प अ पट्ंब (इ 54 व) पश्चित्। । अळव पठल छे जेरे हेल सु तहन पर पन्ता । देल हें नल लम हीर बच परवा बच छट चहुल। । तिर्वे त हामस ह्याया. ईता. ८ ट्रेर स विका म सुका | विकास सेव केव कव है सिर सूर म गुवा | किय है र मुर छन अध्यय श्री ह्रियाय राष्ट्र अला । ब्रिट र्या ह्य यविट रील राष्ट्र रिवेट्य श्री. अधि। दि हुर हित्य श्रेयशाय श्रेयश के मेशा । इस अर तह न यस रिवित म रहार्म मिला । में ब ब ब्रिट नि ल्याल ब ब्रिट च हे ही रा । निह मूह देश बेर देन हैं द के सेर रहन । ग्रिंट हिरे रन्न हैं व व देर व पर्दे य मा । प्रकार निव में 'नि मिल ल लिया है नव तर्। । र प्रव में र नुस त्रेव प्र अरेग्पिति । ग्वर प्लेय मे मेय प्रीप्य परे केंया है द्रा। । न्या पढ़ी नाया हैंद स सन्य सम नु छेता । मर्ने र व क्रम हेन छ है केट तर ८ ह्रेन । नवस १ अस के नियं कहन हेट खेव मीन ही। । से सम ग्रीट लस में हमस पदिर न्यार रच पदिन। । यद रम हैंद सूद केंस हैन वन होन तथा । म नन् विनय कूर सेंब नींच हर मेल नेहेसा । जूल पीनेश चलुर. न्वसःरम् मुम् रेन प हेन। । मिर्ष्यु वन् केन नहेम तकतः मन्दर |बंद्य भ्रम्प क्षेत्र हैंगेय.ज ब्र्यंब ईज.उद्देर है। ।उद्देर प्रदेर. 51 म् प्राप्त राष्ट्र र प्र प्रो। । में प्राप्त में विष्य में विष्य प्र नश्चन। । नदर न अस रह रहित् न न्द्रेटस कु म्द्रा । ख्रुट न खुस मुख्यः विर तर बूर भ पतुरा । तथ पश बूद पत् वर यर विषय पर पुरा। हिंद मारुव कर प्रमुट रिंप मारुव मानेर सु मार्प। । मारेट प्रदेश में ए कर पद्र परा ए पत्रहीं । पानार नाम्बन हुँर वे सु पदी है हूँ न न्युका । पश्च गुरुम १ मन विव विव पर सद मा लुगला । वि स वे विगल है द है हिंद १८ है। । देव इव ए सब दर्घन यह गुव हिंद दहा । दिव दब देव में पड़ हुन मक रु छेर। । भुन्य (हैं 54 प) न्युव न्हेन देस पुर हुन लम मु रेमा । हे प'मदी स्द र प पनेल मुहेद पहेदा । रल रहेंर के हम द्व त्र्वि <mark>स्न प्रस्त तथा ।रद १८ घर तर्</mark>द म्युस त सुप्य सुर्व । क्ष पकु तर मूल ५५ त इस सर ५० । हुन सु कुद दुर लग मु रेस स पर्झें वा । प्रति तम् क्षेत्र केस तिम्स प्रति हैय प्रेयाय कार्येट । । ने खे प्रय हें बिट एट्रेंट पहेंच केंब ब्रिया । यर यः ट्व महिर देय रघुट इकासर र्वा भिष्य ने पत्र प्र प्र प्र में इस.त पस्या। । स किर एस प ने वय रू द्वेट हे छेया । पट छम सेसस महीद देव हुन मध्य मेला । रूट म्बर र्देव हिंदी देवा तक्षत्र देश तर्रात्य । श्रीय ते क्षेत्र प्रति पत्र की रुष त पहिंदा। बर्दे बर्बे १६ रट देन केंद्र एस प्रस्वस परि। । प्रमार देवस रेस प्रस् लश रहेर. पर चल्री । हिंद हें हैं में वाय पहुंच चर्च चल्च चहें च. ल। । मिं हैंद रेनाय ग्रद विर घर व्यव तमा ने । देव पर्केर कर य पड़े हैंद. नेश्री ह्या अक्र व विवास र ति र ति स्वास स्व इस तर्चेर १वन प्र प्ता । इस मान्युम कुर सम कु निहे महन है। । वै कैर ४ दूर,४८४,८ दुर, भर है. त. ब्रैंट.। । व्यवस कैर.रवट, चब्रे. रट. पर्चेल बच पथ पर्झेश । परचंत्र कि. में हे. में हे. में हे प्र सूर्व रेव एकर। । १ अस तेव अ १ एव कुर नासुक रण नेया । शिर रूट विक्रुस कर रण वेशया ब्रैट. में विद्रास देव नकी पड़ी अया हैय न महरी दि वट नंबट. म दे हैं द अधर खुन में हिंद रखें म स् क्षेत्र माल की य अळ अस महर्। लिंदर में तक बया य तहिन हेद लग ल नहिन। । बद हन पर्व दि पर सब हैं। দ্বীলাধ ধ্রাথ মা। ाष्ट्रक प्रत्य प्रत्य प्रत्य हिं प्रत्य केन प्रत्य नम् खुरा । वेशस मान स इवा मासुल हैं ८ १६वा है किर है माना 18 अस मासुल ही स य मार 1र्देर पासुल(₹ 55 व) विव शेव श्रेस मापुट सुल पश्चर । । तिविद् श्वनायाम्बास श्रीय १ सम श्री दिन दिने । । तिद्व न्सुस दिने । मश्रम ह्यूर'पयायायायवस्य निया ।हेद त्योग मश्रमारह्ममय कु'केद रे' र्वाय स्था । स्वाय सिट इस एत्र महिस मा पर कर पढ़ी। चकुन्'चकुन् बुद् अन् चकु मले हे। । गव्द केद चनुद् छ ग्रम्भ मन हुन्' न्द है। |न्नीय त्रिंस त्रिंस विवाधी मेन्य इवय सेव। |ጝጟ፝ጚ र्म्स ग्रुप ह्यत्। ।न्त्रधूट १वयः सु नेयाययः स्टार्मेशः नया । तिहरः सः मञ्जर च प्रदेश सह मीच अवर ब्रैंबेश । अहर नर्बे अर सह चर्चर मु देव के व देव या । निर्मार्थित मेव य समय भाषा भाषा प्राप्त प्राप्त प्राप्त मेव य बेर-र्ने बुर में हेरे केन हु नबुटना ।नवन खन्य निहेन में रनाय ख विद मु:खा । श्रूट पालुका प्रकार करा हिंद मार्दे पायता केवता । सिटा प्रकार इ. ह्या विशेव अप. तिश ईश्य वेष्टा विद्याति विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र लक्षा । इ. चंद कूब चंद्री लवं लचे चे हे अ. टेंट चंद्रशा । कुचे ट्रंब कूब टेंचे बर् स्नब नवु तन्य नहें या । है देव युव हि स्म देव हे सम् हुर्येका । अबर बेर्वा श्रूचात हुन बबेर भाशूचार्ट्या । विराधरायश्रुभार्ये । मने सूर रेण मुकल हैं । । नुकामतुका नुवेर केन भुक क्षेत्र मेल हेन। । बिर विश्व दिवा हैं र द्वाय दिवा शहर दे दे हैं । विश्व के विवेद मेर विदेश हैं ब्रूट है। । ल.बेट बट ल बेट प्रह्मा नेयर न है। । व्रू मान दें प्रमा

तिवः अर्क्षेन प्रदेश मृद्या भीवा । मावनः पुः पश्चेव प्र वास्त्रसः विरामः मुद्री । ह्विर म मुद्रे र नायर सम हिराम है। । जि. मर्नु ह्वेन से मि. ह्मिर ८६ म अर ८ छट। निष्ठु निष है। निषट हम हमस छ। निष हा। नियान विष्यास्त्र निवयात्र विषयात्र विषयात्य विषयात्र विष इस मूल लया ।(३ 55 म) लय.८८.दुस.८८ सल.मावर.स्य मय.मञ्ज्ञा। मदे हैं न में हैं न से नेस मेंनस तर्द मडसा | निवंद सुसामरीय दूर क्रिंसस प्रह्मा मने हुँर रा १६नम मह जब १५ वर हिंद मने हैंद इसमा १८ मुम हेर हेर ट्रे.पश में च्याय प्रूब, है। । सक्य अर में व श्वाय है पश में या में में , कुड़ा । जुन पन में स.में .पिय द्रता हर एकरा । अक्ष व पश्य ह. पड़ इत्य एप्रें र मुन्द्र स्था । ११ अस्य सेद्र स्था ईस्य द्वे प्राम् र्नारा है हिन्दाके मेनर्संत नर हिन । विकर्नार्न वनक है विकर् ला । विर्यास स स्व रचेव गर्यक्ष हिंद स्ट दला । ह्यु . स्व रचे । ह्यु . स्व रचे । लम तर ट्रं रट। १६८ वायल हीयात का मेवा ही मारीय वायीय. पदी श्रम्य दवापर प्रमे । तथा । तथा प्रमुखा वन वेद . तथा की खुः । तिर्यय एचिट जिर्मय हिंग, चिट. सुभय टेट्य. अपूर भी। । अपूर्व टेच्य. तक्रीय. प्रत्येत.ईत.ईत.ईत.द्वाया । तिक्ष.िर.इथ तिष्ठ पार्थेश त धूर पथश. चै। ।हॅट न्वाचन्य छन् के व देव हे सिन्य सु ख्रया । व्यट प्रहेव के प्रमान्ये ट्रेव टेब.अवप्र जथा । विचेट.ब्रैट चेड्रच.वे.वे.वि.चप्र.अव टचा.चुवा । ब्रैट.च. तक वरम दे विदेशमान्त स्थान्या । क्षेत्र में किंद्र मान्य द्वे देव हमन मुनियानिश्वा ।रटानविदायायाच नविर्टा स.२.८३। ।श्वय प्रदानविर 5्रमार्दिन म्बलायतार्थे श्रुद्धाः । त्रकार्त्रमाहेव प्रति म्बद्धाः मृद्धाः मृद्धाः मृद्धाः मृद्धाः मृद्धाः मृद् 4-1' 13.4- 84.9c.4t4.8c.4t4.2.3.31 1492.4t4.6.44. निष्टे रेथ रहा दे नविता । इता पहुंचे इस नविना है जिस स्टाम मेला ।

बेव य यहव युव देव तय्व व्यवत उ थेव। । पर दें देवन शव हैं केंद्र वेदः प हो। Iरा गुव हर नायल हम पड़िट हों जिया Iरा हीट य अय बदल में निगम हैं मिन्सा । राम लची है स बहे लग में में लग की । रिन नायात हु लिल पहें दि रेश त एस पा । (इ 56 व) लव तन मूट वल मूट दे. लह्ना धर पन्ता ।लन्स स स्वा क्ष ह्ना कर्त रु त्युर। ।कर् अन्य श्रुव प्रत स्नाय अन्य परे हिंद ने । अन के द हर हे के प्राप्त में प्रत पर ठवा हिंद वे अर् स्वाय हैत यति शुनाय न्युय एका । प्त य द य नेर धेव वळव धुण केवा । इवा म श्रण्य ५८ हेय सु अधुव म झे। क्ष. मेर्य प्रीमेश ह्य भर् श्रींय अद्यर तेता। पितित मूंत अ श्रीट अपर किर गुद् ल विवा । तिवल लिग्य सूट लट वरेद बेर सूट ठम हेरा ही लग्न निव निव में निवंश रेप प के। । पिल देव वेसन हेर हेर है में के क्र में मी। । श्रेट च छेव हम हीव रा. प्रत सिंद हरी । व छट व छे से सरा में र छेट. मुद्र पास्त्र पय पर्या में पद किया । पास्त्र प्रीय सक्य सीर दिय पर्देर मधुरुष मजूर। किम मू. बुट सूच माय १०४ स सूचर। किम म स्वर. हुैंद परीय में टे है पर्यू । किंचिय पियंय घराय पत्राईवाय प्रामीवार है। । है द द हे हे ले ने ल रचे पल प लेका । प्यार राम क्षेत्र में ल प्रस मुहेन त्युर पर्दा । यन मुन क्षेत्र शेशन श्रेय गुन पक्षेत् तर हिनाना । पर्च पर पदव पट सि विव कूब र्षाट्र पश्चर। । बिश्च स क्षब श्री बाबिका. ह. र्वे ५८। १० वृत्र यस वि देव पकु मिल्य स्थ न पहें । । रय छ ८ लिवाय ख्वांच केरे चकिर च्यार ज्ञार पहुरा । येर के कर व तेय कुर क्य देव म् । निष्य प्रियं यन्तर हुट ह्येत तह प्रश्न इश विश्वा । ही अर. दु. हैं अं है. भ डे.ला ! रे चे ज ल धूर म हूर ने म द्या । १४ अथ पूर पार, म ड मीड.

मारेर करा था। यिव केव नमा छेन हिंद रल मून हिंदल वला हमा महन इत्तर्द तह्य व वेया । वय व व्य कुर न्द्र विद्या । अल नुल हु मुल्म हुन हु अर २०६२! ।र वेद न्यर पदी २०विष (इ 56 म) बेर मादर र्मु भेला । बि सल महार हुँद माठव रचेमल हल धर विष्ठा । इत्यालन विश्व के हैन नैका । अत्यक्षन दिन्ना वाल मु मुख्य तम नु हिरा । ने प्लिंद हैन न्य हुट ०६ म हैद ह्या हैद ह्या है एक्नाल अर अमिर श्वीर लाख दंश चूट टें.८छ। ।क्रूब प्रदश श्वील मांबिल श्वी मावद तक्षमाय सेद गुँया । दिवद व्रेट रेस समुद वर दें वासुस य में या। ইবি এস মন নামৰ পাৰ্ডৰ শুৰুৰ জীবা নামুন। । নুন্ধ প্ৰ নি শুন সূৰি নাৰী रत्यर ज्ञा । हिंय नेय नया हिंद मु नयुम रत्न । । धन कु केद में क्रिय गुर्सेट में है। वित् बेट हि स बेट हिनाय है नेट खनाया। वित सेवस हु स है तम में स गुर १८। १८० इट परेंद केंद्र तम हिर पर गरे क्या । से में मामल हीं नियम निस् हैर हेरे मुदा । एन स्थापन नश्चा पर्त्य गुर्व पश्चित रहिर हा पढ़िर। । कन्य मूल परे हुंद अर से रत में सर। रिट अथय व मुैब तब व एक त बरी । जिस हेर तुम म. तक पिरे निर्नाय निष्य कृष्य। । तिकृत्यय सेर् प्रियस सुर्स स त्या स्प्र नश्चरता । से नितृ क्र्य हैन है नहीं हैल हैन नहा । श्र अमूर्य रहेर. अर ल झ्योब वट क्रूब कट। बु नुर हीया टाईल प्रथित हु ट पोड़ी । पार्थक. बुल बाद्यर लाल चूल नाखुंब रहेंच दा लाय। । ही च दा गुव चूंल बहुब नाद क रवंश वंध हुन। । जैन पर्जा बु. हुर हु श्रम सुर 2 कर्ना । विराध प्रवास र्ट्य रम्ब अक्रव नर्अव ट्नाला । अक्षव हेर्नचुर च वस भागत है छ. वै। । गुव इत देव दस वद तह ग में ग्वस मा । प मकु द दे हे है । व प्रविश्व रिवर देरा । र्रेर पष्टिंग श्रेश्य की विर प्रविश्व हर ग्रेश या। । अ

그렇는, 다칠 음 급 당다고, 당독네, 는다. 1 월에 꽃이 는리의 너 월호 회생, 외 교육. ना । विष्य छव् नन् पकुर मर्नि है है । विहे रचर । । ह इंद लाय हिर हैं। ब्रट्ररज़ेंट बीरेश (क. 2.4) बोड़बे ाश्वित ४ मूं.नर चर्केंट ४ हिर स् है से है। । पश्चेत प्र प्यम प्रायस्य प्राप्त प्रविष्य हिंद लम-नुमान्य रहेता । वराय मालुनमार्ने मानुन पहेना । विनः नेबर नकु.विन ह ब्रिट स्र पर्नाय नकरा । स्. अनेब रून न नेबर अब्र नवर न सुल एव। । में सन्य नेर छैद हैर में है दि सन्य। । नहें में धे अ प्रत्ये अवस गुर नमारे लगमा । नगर नमर नम वित् असम सि हीन ਉਂ ਜ਼ਿੱਧ। । नुसर वित् श्रे के बूँद त्यूंच बेद त्विचायठन। । ਇਹ ਪਾर लका गुरे नी हीं न नयन्य ही न ने। निह्य नी ने न नी ने हूं से मारी स हिं। विष. ५व्र रट सर्गित्रस ४४४ पर्बेट । विदे तालस.ब्रे.क्र्यालस.ब्रे.ब्रैंट जी। बिंद्य प्रमुद्द मुद्द स्ति विष्य प्रमुद्द स्ति हो । स्र स्वयः श्री र स्वर स्वयः सबर.पथानितान्षार बेताबट बंबार्टूबो । अनेश नि.रट अंशवाईश्रा न्नामु पद्भ पहुंच। ।नेन्य सेल चन्य रहेन सुपायरे नद्र में हैं। ।न्हेन त्य महिना न्द नहिना नासुका नहिना त्य नहिना । पन् न ग्री नहिन रखुता ने सः क्षेत्र वत ब्रुप् श्रिट्। क्रिट्य वार्य स्ट्रिय स है न साम है न से हिए निवस पञ्च । पति देव। । शुव । क्षेत्र क्षेत्र सम्बन्ध । अभवारकूषान्ववी विवयत्वायावार भ्राप्ति हैं तिन्ति हैं वा । विस हें वा हिंदी विवा भेद देव'द्र-'पद्रण ।द्रभेदसःसु'पठद वस'दे'द्रण'श्रेस'स भेसा ।र्रः हुँससः निन्यात्र व र्रेट नि कर कर हिन्या । ह कुर कुयात्र प्रस्या मुद्दा प्रदे भर्म हैन । ह्र्मेश, इस में इस हैं देह, देश, एंट्रेंट ही । लूट, कुश, प्रविश्वर द

ह्य तर अथय धर है। । हैय अर पा हे प्रम ह्याय तर हे में पहेंगा । सर पलम (इ 57 प) मिन तहेन नहेंच नावे हेर सुप केर । । १८ न कनम हेच बु इद पय कगय केद बुगा । हिन ८६द में नेय सकेंग मु बुग केद दें। । हु हु न ने प्रत्य प्रत् निय वर तु हुन। । नावव की खल हर के नेय नमद में हुन। । वमय नेय ८गुँव रिवर रिवायय तय हैनाय पर्दे हूँ नया। । माञ्चियय श्रेयय अध्य प्रहेस प्यथान्त्र प्रव भन स्। | ह्निय प्रह देश न्युंब द्वार प्रकृत के स् स्वा । हामा त्या हिता हित हैं हिराना बिना । तिमा वर्ष पहिला म वर्ष पा पर्व वनयरनान । द्वा से हेट न्मल बट ने पर्टेट है किटा। । उत्तर पर सूचा ब्रुर पश्चे ब्रेट. रहे भेर स्था। । नाम्र भेर. रस्य. प्रट चेल तर रहे दा लेखा। रहेश पर बुद् है ने भेगल देग लेर महेश । र्याय पर ख्रम बुनल लहना नेत पहन पाना । नियम में में मान सेन मेन मेरे हिन पर मुना। लय.के.ल.के लेप.क्र.तटे हैंट चंडेग्या । इस.स्ट ट्र्य हे ह्र ५ में हैंट. ब्रुट्य दया । ले. कु. पार्ट्य म्र. स्वीय ह्य. मश्चर. द्या । हेट ८हद खे. तरे ४६व भरे.वर्षारवीर वर्षेता ।रेह्स.इ.सेवं.कृर देवर वर्षेतर. इनान वि नरे हिरानवन्तर दरायह हर १८८८ माना वि देल हर तम्यासारमुर केत् झित् ठेवा का । निरामा वसामह अस परु पारे व सामे तर। दिविधाय प्याचाय प्रश्निर श्रेट देवाय. त. दे. हे दे. प्रमुखा विश्व र त. विवश कुरियर्गा हिर बिर एहिंग में । लिसर्रा सामक्ष्य मेल एतेंर हा हिन भूटा विष्ठातातराम्य तन्त्र इत्रत ग्रम् ब्रम् मुद्रा वितार्वर दे द्या कु.रेट एसेय.सेप क्षा ।रूबं,अर.रेबं,नय.बु.हेबं,ट्रेट एहर चर्चेता । पर'पश्रुद्धांशेश्रशंपञ्चे दिद श्वरावा द्या । व्यवर द्वावा श्रुपे र्वश्रमु पञ्चा । दि हिराल विश्वास्य प्रमास्य प्रमास प्रमास । (इ. 58 व)

क्र ह्म व १ अव क्रेय क्रेय व्याप्त वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे ह्रताय टीया प्रतीय। १६ ई पश्च श्रूष्ट, थल जिल्ला में है व श्रीय, ही । जिस ६ टियो. नुन पश्चेद सक्षा है.हा । श्वेल गुन गुल मुल भुल हेन लग तर हुन पठनला । हु पड़ हु हैर इंद वल हूं पाइनाय अर्थ । । एन हु द दन छे द सून स मुश्र में है। । अम् रिल युर रेल मि अपि में र प्राचीय में या विम लेर छन्। दल एक केंद्र घर्ष रुट् 'चसुच। । भिन धेन दन मुन केंद्र सुन रु सुन केंद्र सुन रू र है। विमय मेय हेय कन्य श्रे महास सर्मा प्रमा । श्रेनिय सर्मा स्था क्षे र गुर च दे ' के द र गुप। । हे च ल द ' खे प र क्षें क' स' हें ' बे खे ब। । ही च नासुक न्ना तम् मु नासुक र ह्यू ने । । गुप केद दि स्वयं प्रमार प्राप्त द्वार में हिन। । पत्ने न देश हिन के वार्क में दिन प्रायम स्टा । समा मु अव न पा र्वेर सु पठवाया है। । नेनव वेश वेनव ९५ व हैनव रेगानु शानु व। । र्से हे बेन्।परि श्रेम:रेम:सन रनान्त्रीं प्र वेट पा वे यनानु पद्मन्परिः भ्रम्य हा विन पर में गुर तथान न्यान न न न न न न न न न न न पश्चिम मानासुसामिनासामर हूँ दामहे मह्नद मह्नद नेसामु गुद्दानु सामु लय हैन प हेट ह उहर के पश्चन मार्ट का तर है पाई निवस पक्ट पहें।

न्गु'या वर्ग्न्'वु'ब'न्न'यअ'ग्रु'नेव'यर'थुे'ना

I গ্রু'অঙ্কর্'ন্ট্র্'ব্রে'ম্বর্ণ। নাজ্বা'নেই'ম্বন্ধা

लक्षके ह्राच्याचाला बेच्याचित्र विवास व

अट लट मेर में हैं कुटल लक हूं। दिल कुन नर्ने दे ने ह ने ले हैर व लम । १३व र ८ १ में मठल लग ८ देन ९ मुल महन ला । विन केंद्र महर रूर लाम प्रमाय प्राय प्राय प्राय विस्त में प्राय रहें या विह्य प्राय प्राय वि मा क्रिन्य पर वर प क अधुद दने पय मध्या । वस्द मुद्दे न्दे व्य म्रेंब स्वेय हुल तर्। । रथ त हेर तथ्ये लट रंग श्रूट त रंट । । (इ. 28 म) ह त्युल न्द मले क्रिंग म कुद त्युद है। | यद द द्द में दे य स्नाय मब्दि र प्रो । भे महेद नाराय दक्षेत्र महि पर नास्ता । रनाय म हिंद बिद प्राप्त में दे हैं के लिया । दिन्य सेवस हिंद परि प्रि र के स ए एवा । हुन प्र सद्व नेय क्य कुन हिर तहेन तर्या। । हरात हैर केद घर मरेद म मले गहेय था। । क्षेत्र हुन क्षेद्र थन मले रम रहेय रहेदा ल्ला । में अध्व प्रनाय र्सेट देने के मा हैत हैन मक्त में न कि न कि हित्र तक्ष्य है 'महिन होता दिस' क्ष्म क्षूत् उत् तने 'क्ष्म मर्सम याद्रा । घर'माक अधुव'द्द द्द खुव व्येव'स्या । श्रुर सम द्व'द्म'सद्द ह्नास व्यवस्य अपन्य है। रिह्मा हैव प के अब पुर मेल रा हैन। रा प्रवेद वय'सर'पर्वर'र्षेप तहना'हेव क्रेंश गुं'अर्केन |पद्धे ल'द्यद'र्घे सूपल'स्' महिस रेर पार्झें सा । नाम के नाम प्रमान प्रेमिय हिन पर हवा । गुन हैं महनाय पर हीन म नर्दे प्रस हारा। निर्न वर् नहेश में हिल ले में में म'बुनाया । शे'तक द' के सुट'म सन्य व्यद' हव स्वा । मदना हु'तहेव हार न्द्रस्ति हेन्य या क्रेन्। ।देया एवे न का स्त्रुव स्या हुन् नेव नम या । सदेवा विभार्मे वायाता मिराय देश क्रवा मी विम्ने सका ने हेर वायर अर्मेट रिन्माय क्षा । द्वि. से वा. अर्थ : प्रमा क्षेत्र अर्थ : वि. से लम्'पर्देर.ज.पञ्चता ।अञ्चर ज्ञूट.पचेट.द.द.पचेट.ट्रते.पद्धाः। ।तसे. इ.च मेर स्वाय प्याय रेट हैं. प्रीर.रेट । विशेष भूर. छ प्य हैं य तथ. ह्मर यर ९६८। । हो यहेन हेन्स हल स् हिन पर पही। । हे हा बह्द श्रेष ह हैं रे ह.हवाया.हेवाया । एहवाय वासावा प्रव हव वर्चे वर्थे. महिना अित् समार्थेस बैदासुदारदम्मामार्वेदानेता । अन केदादनेपान क्ष्यों । भूंच लस विद्रायर स म्बन्यायिय श्रीयमा है। । सह्व श्रीया हूं योगा हे कुर्राशांत्रदेशायर मेर्। । वनायात्रत्र क्षेत्राध्यानेत्रा । नम् केन तन्यामन क्षत्र रदानुदानेसय हेवा श्वरान्य पराकन सेनान्य इस पर जूला । विर पर लगप विषे दे वि किर त्रीत के। । सहसाहित जूसना तर रेने प्यान्केशक्ष्यक्षा । रियम्य तमाय राम्यानमु मान्यानारः न। । इस इद पढ़ी पकु पढ़ पढ़ी पहेद यं स हिंदा। । हेद ५८ स.५८ न्त्रेन्य परे'विर्'तर विर्। । नेत्र श्चेत नहरूर श्चेर् हत श्चेर् सर्वा । नेत्र श्चेत नहरूर श्चेर् हत श्चेर् स हुं चेबा । लूब २व विट तर. २व. ईवय बूट. टे. एनुला । तच. ४ल ही त. सल. सामर् रेसामर्चेत हिता । देस क्रमा ह्रमाया म्याय सराहितामरा । अवरा पथ तसूभ प्र अवर. विग. वहूब. तर. हूं गया । अक्ब. पढ़ि केंब अवह. ट्रॅर. हैट गुरु देन सम्बा विन न्युक भया महिला स्वाय प्राया । क्रि ध्रुतःक्र्यःपर्वः चर्यः भ्रुटः द्वरः द्वयः पहेयः। । ४८ः पद्वेरः यटः लः ग्रहः **नः ।** विन प्रेम्पना । नेनाम नुवाहत्यामे हे हे हे हे पहे नेना । ध्वाम प्राप्त तर.भूर २४.पथथ.भू विचा । श्री.८८.ज.पुन बालब.बह्र १.टी.वुरा । वर्गः बेर्'र्ने' ह बेर्'परे महिद् में र्रा । मर्चेर्'र्र पश्च पुरे बववाम्रुप्या ह्य.क्रुच.च् । य व्राष्ट्रीर परेट.क्यंब.चेल.बट्य.चेल पर्वेश मकुन् अर्थर ख्रम प्राप्त हिन्द हर रहा । विन के द प्राप्त हर द व के अर द परि य नद्भ पार्यत्य। इ.एतिजा अमूर पुरा हू विक ह्रा अहू ए. रेट श्री ।

इस्यान में से प्रेम श्रीम श्रीम स्थापन में स्थापन में स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन सद हद नादी। । सक्द नादी श्रीनः मारे कुंद ग्री बनयः मेल हेदा । देस हना हेद द्वा सल रट है। हैर प्राप्ति। । रहे। पा है तथनाव द्वा हल सब रटा ल्हन । में नवार मुन मबे मुन हिलाब मुन मुन। । मुल बर ५८ खा ५८ ८(₹ 59 म) कुल बेदा ।रम दण्य है बेद रूँ द खेंद रखेंदा । ब्रैट.रेबंध.अट्वं बैंद इट श्रंट श्रु बेंध्या । जिवाश में क्ष्यं ब्रुंब ल्राटश ब्रैंट. इस तय प्रांची विषे स्वाय होते पर रट सर मंद्र, प्र हीं दी वि. रट. विभयः द्वा अध्य प्रविष्ट केत अद्। । वि मिन ब्रिट क्षेत्र स्विष्ट द्वारा द्वारा नश्चर.लवा विचाल.नश्चन विश्वभान विश्व स्वय सार बीचा व्रिया है र हॅनवःदव छ⊏ सःरैवःभ्रेवःश्वेदः। ।कुःन्युवःद⊏ स्दःदने डःनॅ⊏ः5ःदन्। नेश ब्रैन रेश ब्रूट ले नेय द्यापडु १ शुप। । १८ : वर प्यं १ हद । पत्री स्वा चड प्रेश्नर्वा ।चड्र'यर'च€्र टु'केर्'यहेर्ट हेर्'रह्मा ।व चक्र वयामहरूप के स्वायाद्वार प्रदान । विद्युष्ट हर् केर के व्यक्ति द्वार पश्चर ४ द्या । १०व. श्चर, देर. ८६ द. ८ पट. ५ देर. ८ पट. मे व. श्ची । व्यवर. वर्षार्ध्य प्रयास्त्रीय स्वायास्यास्त्रीय स्थि। विश्वसाविया वर्ष्य यापा हता <u> ब्रुच, दुब, पुब, ८८। व्रूप्य, ब्रुट्ट, व्रिट्, लब, ब्र, प्यट्ट, जेटब, ट्रब, ब्रु।</u> वक्षव हेर विवाधित लग्न देवातर विवाधित श्रेवय रहा ।

2. 여덕자·영·북·ੇ '현기'다다·자'대의' 동의'다다' 제주제'다다' '취디자'

क्ष्यंश्व प्रस्त क्ष्यं स्वत् । विष्य प्रस्त विष्य स्वतः स

र्भ में दे हैं दे हिंदा विकास कार के अवस तमें । विकास निया पह हैं नियं प्यं हरे पूर होत। इस्तिय हम परिवर् हैंद विश्व हैं नियं ता. लिया । हुँ र एक हैं ५ वेंच एव कुब है र वेंच के। । ५ चे ले दें न वाया कायर विन के व व्यापना । यह यह प्रवास के प्रमित है के हैं। । रह न विव पकुर हेंगल अरंब सूर सरका में पर। । हेर पहेंदे स्व हींद है दे से ह भूर। पिटें म बूम तथ ती. हैं क्षु व्यप्त निभय। पिने भर धनीय सब हैं र. श्रम प्रस्ति । दिं 60 व) प्रदेव हैं 'प्रस् में र दे सहे। । यू के हैं नें' ण भै गू ने नदा । ले ले लें से सुन् के म गु समना । बैद नद है बेद कहूँ हे कहूं। १९५ ५८ हेर ९५ ५ वर्ष हे ५ द विंदा । महिल महिल स निवंश रन पश्च पर्वे पर्वेर। विश्व हिंद हैं। पह वर्वे हिंद श्र्वेर लगः ही। जिन्न सेर ८६ मंद्र क्ष अध्य हें य थी। विन हैं ए पार्ट ह्रेंट ८ मूर पूर हिंदि त लुका । तहूर द्वार क्षंट पष्ट ज कुष श्रुक त दका । क्ष्य अक्र्य क्षंट द्वा चित्र में देव हुन भुवा । पर अ कर रे ट्रव के दूर नेवल अहर। । श्रीत. अहि.रिचट.बूर.रट चलुर अ पूरं शिर्या । विशेष.ये भूर तह ज प्रेय क्षे. ष्यीत प्रतिरा । मुक्ता हार केर पश्चिम केर र्यो र.४ ने वे. ता । हुश हार अभय. र्ट अभव वैट सेट निश्व ही। टिट्य असे च नविश्व ए वैट लग्न है हा। किंद. अधर ज़र्स सेंह रेवर वसेंर.श्र श्रेव हो। । देश र्श्वर. तिर्वाश श्रे वधेंद इस. सर हिंद गुना । इपाय पाय कर वर्षेत वायम प्रव हूर पा हिंदा । जिंग इति एति दे दे प्राय हिंदे कर हो। विश्व हर हे से हेट एहर यह न क्रम मक्रम । १८ १ म हिन साम निमायायहाय महुन्हें मा । ने के माने दया च\$वय व.र्.च तरा । चर्च च्रेड प्रेट.एचचा.चयवा.र्याया.वायवा.राष्ट्रा । प्रयास्य क्षर राष्ट्र कर्णय क्ष्यां,योवसाक्षेत्रयाञ्चारा । । लक्ष. श्रे क्षेत्र खेता साम् राम्य प्राप्त । पार्चन नदः पार्वः पार्वे स कर्षे म वा वा सामि देन पार्वनाः

दै अर्थें द त्या में भेरा मु। । दे के चें द अरे सेंद 5द महीर मुर धरे। । सामे। ष्ठित् यर गुद रेंद्र पर्दुत् है समल। । ईं है देद केद यह लख गु रेंद्। । दुद् हेन तर्वे मा । तर्ने हेन यान्य नुष मार नु क रे विना । ने द्य में या सम न्द्र दे रम द्वार संन्ता । तहेन हेद तद्य महे सद सन क अश्र मसा निंद भर साम के व स क्यस ह ८६८ च मूर्। ।(३ 60 च) अधर हुन में हे अंसर नम्ब हुर नु त्युया। । विन तयम्ब मेट ख्रा हे यहन केन' मुरु पर्वेत। रिट. मैंट मैंप स्वयंत्र स्टर सेवंय ह शरु प्रवंश। रिवट द्वा मञ्जी हिंगल भूय मिंच वर्ण पर्य ४ भया । विल हुर ५ ६ ५ वर प्रभ प्रत्य निम्मित्या । विष्यं यो प्रयम्मित् नि निम्मित्ये विष्यं मान मम न्यार महीय अंच हुँ न या । हुँ र सम मही मर्भेन में व मुँ रेन याया. अब्दा । टिन्स अ अस तहेर ह्या तह बेट.पहेंच ही । ह्यं अ.पांस अ ह्या. बर्बर हिंद ले मेल सी। रिह्म हे हम पर्ट पूर जब पन ग्रेटा । श्रिमन बु हिंद क्रूट इंस्ट क्रिया में अर्थ विस रच कर्णाय च प्रमाचित क्रि र गुर परि। । पदे के व अप के न देश गुरु य तर्वे प हे। । पदः में व ए हुतः इरायुः नहुन नहराया । हर पहर प्याप्य नहना त्वाप्य नहना स्वाप्य प्राप्त महत्र महा अक्टा । मिट ब्रेट मदेर एकर '२६न हेब. दमट युन १६म। । देव मन अर हैन क्रेंट रूट चकुर पकु हैंगल। । दे हुंद लिल के हूंट रूट अ हैन लगना मेशर अंदर पूर्व होर ने देव अंदर होर ने होरा । दि देल. परेव सकरी ने कूट कटा है में ना । नाव न नट नम नाव केट ठव नट में तर्ये । । वर्ष मःचिर्वा च्रा देश प नट में त्रवन्या विष्टे पर्वा के ने विष्टे प्रमुख्या महा दिवल हूट प्ट पर्मित पर्म पर्म देशका दिल ह्वाल हेस स्वाम विक्राय हुनाय केवा । छित् छेत् यहवाकेत वर्ताया नासुक नासक तता ।

3. ผสาชิ 'ผส'ผๆ' ସିଶ୍ୟ'ୟୱଁ କ୍ରିଟ୍'ସ' สม' ผราศตุଶ୍ୟନି 'ଲ୍ସ୍ୟା

ह्री. ह्रेट हिटे. तर. र्. | ट्रि. क्षट है. प्रह्म ह्रिया ह्रेप ह्रेप ह्रिया ह्रेप ह्रेप ह्रिया ह्रेप ह्रेप

ब्रुट्रायामञ्जय पञ्चमारम् उत्तयुरा । सम्बुर् महिर प्रवासमा पहिलार्श्वेद्राया है। विकार में हिट तहर पहर पाली विनाय रवेद से ग्लंस व पालन पर वदा दिल दे.त मुद्दे तल पट्टेंट. हेंस. ट्रंस खे.चेंदेंदा हिंद. पष्ट्र स. म पहें हैं दें ति के ने के ने विश्व मिन्द के ने के के ने के के निवास के न्रा । ह्रिन्य रेव हर दृते दूर गुर दे भेदाला । तिवेद व कर घठन हेद मा हेल तहेव थे। । हे इंटल युव लॅलल बुल पानवान केन स्व। । खन पर ल मेंब रेचर चय (इ. ६१ च) बेंब ब्रूट रेट.। इंबेंब रूथ केंद्र र चलें. मल रेन तहत्र्वा ।हिन् र्यम मु दे राष्ट्र न महा । वित तहन ब्रेर. ह. द्य तह र्य दे. पहेला र्ज्य स. ग्रुचः पहेल र्द्य स ह्या स रटः।। मुदाय में द त्वेल हुर पुष्कर हुैद हुैदा । हिंदे मार स्वाय हुव हुदे विन लया गुरा । विदाले वा में दे हैन हैन हैन स्वार हव विनायर विग्रा । विन हव गुव'रदर श्वेष बेद'नेय के'देटा। । गुव'यबर क'सहस हमा कुल श्वेष घडन निष्टे मारानिश्वराकराष्ट्र। विष्टु स्था स्था स्था हे स वश्वराय दर दे। ।या मा । रद्भारियारेश वृद्धार्थम र्या स्वाया । द्व महिया बेद अरावही बुवि नायकाताला । रिश्नमय देशातबुर रायाले क्षार्यापत्रेर रेटा। इतिया नमाहर्मानमानरे हिंदाची असारदेवसा वि. श्रेष्टमानदि ह्वादिना स्वेबातिका ।शु स्वेबाल्याजीय प्रचार र प्रथम मिरी विश्व ति विश्व र्वाद के विं के तर्व संवाया । निरं चर र्श्वेर निरं विरंभितर वहेवाय केर् प्रह्म । वि । न्दर्देश व श्वदर्श्वाया यह देश विवा है। विवा है। विवा है। विवा है। म केर विम में। । येव नव व्यवतामयान्याम्य हे हुन। । मन्द्र वृष्य लाम हु हे मह मन हल। । इंदार में मान मन रहेन हैं व वह व दु हुन।।

हिन यह हिन स्व स्व मान स्व मान हैन हिन यर स्व स्व हिन स्व यह स न्युष्य तिम्र यह्युया । शुण्य यह धिय विष्य विषय हिमा नि क्रुंबस तहन तर्दे द सद दयद य महेद धर मुदा । यदे बकेन सन्य स स १ निष्ठ में पञ्चल। । श्विस केर क निष है रैनाय पहेंद ए हे। । निर्दे हैंद हिं से भटनाम नाबुन मुद्र दार्ट स्ट्रा । भैन्(४ 62 न्)र् श्रूम मेर्'नामेट बाद में कु न्दा । मार्रे क की दिन मायाय या महेद हु सु गु। । निर्देश मार्रे क बुँ प्रस् सपुर प्रसुख यद हुँ य पठवर संग्या । प्रार में पहुं य देव म्र रेल मुल सुर। । प्यत् यक्षुर प्र तसेल हे मुल स्व सुर भेव। । पुल मु अम्र प्र र् हे पढ़ी रूट है। । रिन्स हुन य रूप धुन यह हुँ प न्युप्त्या । गुद गुप्त च क्रुप्त हॅंप्य हॅंप्य में हेव ख दर्। । पद तान न्दर द्वा इय नुष हुँर व दे। । व हुँद रेस दह स व दिस वस से द्वा स नेह। । म्नाय त नार्वत नि ह्नाय रेश न्व स सर लता । शिर श्राम् अवत निवे न्त्र स्वत स्ता । वित्र स्वत केर तल न्द में के न्ता । न्स क्रिं सुद ह्ये मार्व सर्वे श्रम् । । सस्य मह्य गुव मनम श्रुन् मार्थ देश है। । अश्रेभ नवित्र हूट च. इ. इ. च अ श्रेचया । जिस तप्र व्ययम हिंद अश्रेभ हंय. महत् पर के। दिन अ न्य महत् क्र हिंद कय बुनवा है। । क्रन्य हुन अह्ब. कि र रूप पर्षा हिर तर में पक्षा विश्व त अष्ट्रत ह्या हिर तर प्रमा चूल छ। । तक्षेटस सल भ भरीय स्तिताय तह होट. त बाबेश। । हाल बारू व ह्वेपल लक्ष.इस तर केल त हेरा । निर्णित ने नेबर ट्रं त में तर हिर हिर तर पढ़ेर! ।रे.रच गेब कुथ.८इथ बैंच.अ्यांत हैंर। ।लथ.कै.लबे.जबे.जबे. चन्त्रात्र्व र्वेट याक्ष्यायर न्वन यह स्रवराखा।

4. হ্র'বেগ্রুহ'র্ম'না'নাপ্তর'গ্রী ম'মেম'র্ম্স'ন্হ' নাল্না'নেরি'ক্লান্মা

हि त्यूर है दि हुर पर पनि मिल हुर। हि पर छवल सम हैट. मंर ह्रीर पथ पढ़ी । अगुरं तर अहर पथ ही ट्रर, पहुँ थ. पथ है। । ४ वर प्र चल्ले ह्ये चित्र श्रम पन देट हा। । पन्न चल्ले प्रदानियान के की सार करा पर पदेन। । निसु अर रॅ'कुट अनुन य है नु पहेना । ह्युल वर्षर लाव उट ८८ र पार्वेच मूल स्वाया । मार्वेच पार्वेच प्याया व पार्वे र र एक्ष्या । वि. भव विदेव हेर हे भूष स भक्ष्य पत्रीता । है सेव लू विद क स सै. उसेव (इ 62 म) अन्या । नेय रम म्युस मुस्य ग्रेंस स्ट्य र्झेंद एड्म ५८। । म्युस त बाबर होंद दीर किंप अथय कें पश्चेरी । इस प्रींट होना पढ़ी पदा प्राथमा ध्रे पत्र टी। विज्ञ हिंग ज्रिश हिंद पत्र चढ़िश क्ष्रचंत्र पत्र चर्चेटी। विज्ञ चर्स. हिंचा बर्द क्रियाय ह्युंट ह्युंट सब रहाया। । पिष्ठिय बेर्द क्रियं सब सबर प्यायम रिण ८ हिंद पत्र हिं । अर्थें प्रस्म पदिद पर्हे प्रस्म गुर है प्रस् सरि शुरा । सर बुद्ध इस श्चेत कर्तत हेट्रणसुस प्ट ह्या । हिन्स न्या तस प्रेन तस प्रेन बिर बिर प स्वाया । स्व २४ हर तय ब्राट तबुर एस र्र हेरा । पद्र भेद र्वाय पहिर हैं र में युव य लया । विर तयम्य वन वर तहे मय केरः र् हर सा । पत्र ह्रन्य के निम् गुर एस्रेर, हे हिम् बुमा । क्रार स्थाप निष् न्द सहव यर नेव यर्नुन ।न्यतःनेव हेर्यस्य हेंद प्रस्कारिक र्नु बहरा अन्य तथ द्वेत कर कर मुंदिर भी । है अर देश पर वर पर वर क च हुत देश ज्ञाल क्या । मू. मृ. प्रमून प्र. हुव क्या च्या । हुव. पह्ये. जिस. मर्बं हेर वे वे बंद महिला विल्ला विल्ला हेर विल्ला हेर विल्ला हेर बहरी । अवर लम हैन मिन हैनान में ल क्त है। । हूं है से संस हैट

विश्व में विश्व वि रत रवित के वार्ष क्ष्य हीत रहा । शु क्षर वित जन नित्य हीर छर तर एकवाया अध्य प्रवेच इ श्रुष्ट एहर है. बहुन ना । इस ह्रिप देने ब्रुटि प्वित तु हुँद य ५८। वितास तह द ले ति हैं दि य प्युका । वनक मूल हुँ न न मुन गुल ल हों। । ल वु हैं। रन न लक केन के न है। । रति देव देश अभ हेर चेल पत्रि त लट । विविद्यान भ ट्य पहेर पेंबुद्ध यानिश्य दे। १ मून्य पत्राप्टरें युवस श्रम हिंद है। है ही ही । विव सूट हिंद न्द सहव (३ 63 व) वेस स स्वाय त्या । नाम हिंद कुव न्द पर्स वसस पर्ने पर्दे संबंध वर्ष वर्ष वर्ष । वित् दर्भ स्प्रें र त्यस न्युन्य द्वित् पर्ने हें र भी। रिभ्रम्य मारनिय हैं, सूच पच जिट कर ह्या। प्रियानह हैं सह पहिना है. मी. कैंचे शु एकरी । शु ए किंद परंश प ह्याय ता. हीर. कृपय या ख्या । सबर. लम इत हर्व ह्वाय हे चुर बहर है। । पर कर बेर लगक कवाय हरे रवस न्यन मेला खायह हे हिंदाने हिंदाने हिंदाने । ज है सामनादेशहर लय प्रत्याचा । विदेव हैं न्य इवान्वन नय क्रिं खुव केव छै। । निम मदी ल लट वटानिश्वापतुः निनानि । अवारहिना मुद्रापतिः वादी पहेंदा । पर्देशस पस सं पहिताल नेस प्वत्या ना मिया प्राप्त है । विष्य प्राप्त है से से प्राप्त है से चर्डर.रेनु.चस.रैंवा.व चल्ला ।रू ड्र.४०८.मु.स.अष्ट्रवा.रूवास.सर्था ।ईस. वर्षेराक्ष वर्षेराके प्रतार होत हैं नव मा विष्य निवस्त निवस्त अ.पर्व.रीचे रियट प्रबुर्ड्स रेवे.जस.सूचा मैं.क्र.बा किंट च.पष्टु.ज. बैट.अष्टर.व्रव,त.रटा । धेर व्रव र.र.खेवेब.चय.बैट.चट्ट.या । ज.र्चेब. क्षर यह व वर् द्वारस्वय स्था । वर्ष अर्थेट मेया व्यवस्त्र द्वार सेया भा । अट्व. बीर अधर होव श जाल. ल्व 2व. ह्याया । खेर. च. होना च. छुन.

पश्चात मानेश्वात्त प्रमुक्त माने स्वाद महिन माने स्वाद माने स्वाद

रुष्ठाः अहरःश्चेष्ठाः । स्थायरःश्चेष्याः

ब्रम म्यम दे पहुंच क्रिंग प्रमान पर ब्रुट राज्य प्रमान क्रिंग व्याप क्रिंग प्रमान क्रिंग व्याप क्राप क्रिंग व्याप क्रिंग व

र्वि.रंभा अबूट श्रेंशालय वृत् श्रुंत त हा । अह्मिय व श्रुंत त हा हिन्य. पर्। । से नद्य सुन त्य सेन् देने किन सपर स सुन। । केन् म नहस स्व त्र हैर यर्थ केया । विर क्ष्य अथय क्षेत्र प्रम्य ह्याय. ह्याय. प्रमा इस्. ह्रीद प्रत्याति प्रविधाय ही भी रचीत हर। । हा. पुंच छ्र पाय हीय द्वाप रखें अ ळ्य भेट्रा १८, व्यट प्रच व्यट्य प्रचा भी हो पत्र क्या भी. बह्द बह्द हूट मुख्ब है। । हुल हुल महिन कर वृद हुत हुल सर हुँद्। । र्द महिल अवर धेव मु महिल हेव यहेव या। ।देव ल लेद'य ले इट व्यूट मिर निम्दा । सूर मक रुर्न मुंद हुँद हुर घर म लेवा । वन केद प्रव 5 त गुत स्व केंब शे द्वित्व। । दिना य नहिल स्व केंब हेद हेद शे हा। । अध्यः चन हिना स नाहेना स अस् र्या नाइस । । त्र वासल ह्नान त्रेता. सक्द हेर पशुर रह ह्दा । त्यार हेन श्रम् म खुद छन्य हैं में हेरा । हें वेश चार वेश क्षेत्र के से से चरा च बे विषय में हैं वे च (३. ६१ वे) वर्गित धर बळव न्येस वक्कवा । तस्यास न्द केन केव सिंद स हुन कुन के तकरा । तिमूर. रंट हीट भी अक्षर. क्ष्या अहर च रंटा। विदेश वीच रंटा मब्दि सेर् मिरे मकद र है र मकुर। । के खूद महिना नमा तर.रेवे। निश्च.रेट व.रेटे कु.क्ट.चबुटे.त.नेबेश । श्रील भ्रे.पहूर व हु. श्रीर त्र में प्रति देवा । श्रु क्षेत्र स्थान प्रत्य द्वा अहर हेव प्रतः कु। । बिह नुवा रत पदीव पहनाश्चित प्राय चेतायक्ता । पार्व क्रिंग समा में ह्राय स्वय सम् हैंन। । जुन बराह व नर्दर्य मदे प्रान्त । जु न्युवाववन हें प्राप्त हिंद.तर.चंबिट्या ड्रिंद टेट ट्यूट्य त होते पच घरेश त हेटी रट. पर्वेद. १ अथा म अर. रट. किंद हिल हेता विश्व है। १ दे श्रूट श पत्र हितारियाता इदा । पहेंद पाले सेस बन केरावहिदार्खना । पार्वे सावेरान्य साम य नण म छेन के बहल य हेन। । हि हेन सर में म ने द तहि म नुदल में स्। रित्य केर बत्र अन्य इत इत न प्राप्त प्राप्त । द्वर श्नाय श्रद्ध प र्वत पहुंच सक्ष हुट पहुंचा । कुन हूर हूर पहुंचन त पन ने रेख उदि ।। मुद्र मुद्रि मुद्र महाराष्ट्र केट केट केट नेव रहा । इस स मुद्र महाराष्ट्र विम बर्ट्च हेरा । पहिचर सुपहेब छ गुप हुल कुल पहुंचा । हिलक 국목의 월도 전도 하도 철도 대적·현대 | B 저 용도 젖도 로드 루트 다르고 말도 द्धा रका । अष्टिव पर कुल यर प्याय गुरा की प्रिय में । व्याय प्राय स्था ष्य प्यु व म्य श्रेव प्रिया । र्वि र्य म्य प्रे प्व ५व सुब हु प्रिया । नव्य र्ट देव हुव रत्र विकय स्य निव रहा। । निव पुर हेय द्व हुन एक बचा म बरी अबिद मह है मल म ह. है म ह म ह म है म है न है न प) तहे नवा केटा ने 'तहा । हुँ ५ ५८' हैं नव धर्म प्रमुख हुन बह्द अहेद माश्रमा । माबन नट स रहेस मह मकु समार नट सहरमा । कुल धर वन केर हैं क्व हैर जर्ग है। । उर खन खेंनल अध्व कर केर इस धर वर। । द्विवल तहन वर पर केल निर्देव हें व महत्र केरा । क्विं कित् बह्द नेय सं सं जट देन हता । विवयं कर देन पढ़ि देन हैं प्रेय के एहिन्य चल्री सिंद अरे.रेब.हे पहुँध अरे पन कनाय पर्या सिंगय है के रेट अ ल्डेस'गुब'सिंदे हैं। । महिनाय मुक्त महिन स्नित: ५० हिना । इनः ल अ मैं । देश ही व लवं १५ वी । जिनक नवं श्राप्त मर व सम्बद्ध स्वाय सः पिष्ठेयार्टा विष्याम् ना सुमाम्बर्धाय स्वायानकुर्डे है। भिष्ठात क्रें न्तर भष्टवं रेता हे अस्य ग्रेया हैया । घटन पर परि प्युट रेप्टिय पर सर्व र्या इ.र्ना । सुर प्रयासित में या माना हरा है नया हव मान हता परिया पर व में व में ४कर्,रटः के. क्रुचेश बटाजा । श्रिष तर. ४ क्षत्रथ श्रेट क्रूटच खे. श्रेटा. त. हे। । विनायदे रायम् स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त

2. প্রবাম শ্রের স্থান নির্দার বার্যার প্রবাদের প্রবাদার প্রবাদার

क्रमाय में द्रा माहित प्रांत सं ति विव श्रा मक्रमा । प्रांत पर क्रमाय रूप छ. चुंब बींच त बाहु था। दिश ही रिहर जूर. रेचर चर्व बींच. त बाहुबा। बूट. नर्या भी न भी नियान निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा इर.पर्चित है.बु.मेश रेगर अरूर हिरी । १ घर.पथ तबु.लर पर्च.रंग. ८५अस'न्दः। । बि कुस'न्यदःन्युन'यसन्'सुन् स्टस'नेदस'ने। । सस'केदः यार्मा वापता हिंद के स्टारक के निर्देशका समा ।रता ही के मा श्चेत्र देवा नित्र वित्र नित्र वित्र नित्र के वित्र के के वित्र के वित्र के वित्र के वित्र के वित्र के वित्र के चकुरा । पञ्चरापते कुरातु रल के रेनापाय वहुरा । पर्नुराक्षे रेलास राजः इव मृदः वर्षे प्राप्ता । प्रविदः पृतिदः स्वयः श्रुदः स्वयः वरः प्रायुद्यः गुदः। । हश्रास्त्राभेट्य हुन द्रणाया वहदायर वर्षे । विद्यार सुद हर् दूर हुन ह्र קבאישָם חַקיפֿר פֿימיקטר ו ואַישריםקקיבֿי שַדיקריקדישרי ब्रेया । अळ्ट द्य ८६८ मेर ब्रैंट. इट. रचिर अचेर. चर्या । रचट. ब्रैंट. ष्ट्रमाः हेव.र्यट. तैयं.चचेर.र्ट. र्जवा । विश्वयः ष्ट्रः प्रटः मटः लापः तथः भट्ट.त.भुरा । पुर. त. ५८ ट्रेंट. विश्व द्रवी. ४६ वे. अष्ट्रवी. वेशव. ट्रेंट. । व्रिय.

श्रम् प्रस्ति यो पार्ट्य प्रस्ति स्था स्था । स्था प्रमान स्था । स्था प्रस्ति स्था । स्थित स्था । स्था प्रस्ति स्था । स्था प्रस्ति स्था । स्था प्रस्ति स्था प्रस्ति । स्था प्रस्ति । स्था प्रस्ति स्था प्रस्ति । । स्था प्रस्ति । स्था प्रस्ति । स्था प्रस्ति । । स्था प्रस्ति । । स्था प्रस्ति । । स्था प्रस्ति । स्था प्रस्ति । स्था प्रस्ति । स्था प्रस्ति । स्या प्रस्ति । स्था प्र

3. इ.हे.हेब्।त्रद्धः अध्यम् व्यवानी त्यस्य छः ग्रन्तः सःन्वयः प्रति स्रवसः

स्वार्य का नुवार मुक्त नुवार निक्त नुवार की । कि नुवार की नुवार का स्वार का नुवार की नुवार क

द्व दस सब्दा विद्या सद्य प्रदा विषय थे तर प्रदा पर प्रस्या विद्या मुदि नुस सु के नेस रह दिन हिन। । यर हिन साम प्रमास समर सुना रहे स क्षा । वर्र व बु एव शुप वस बुर पता । यहेव हे पराव गाउव गाउँव मुँ दिँद मायाया । सिंद पुर माई सि कर देव मुँ दिंद मायाय अईर। । में हेर देव तर रट पर हैर न विश्वा । तिवय हिव पर पर श्री पर ब्रिट एडियो एसीया निंद एडियो सूर्य द्वर स मर्थे ह्रे तथ वस हीर। पिनूर, त्रम गुन चुन इस वरुष इस मेर दन। । गुन तहन हम कर हैं ह हैन हैट हे है। ।वनस नेस देन नश्ये देन घर नर्न घर नहेस। । ही लेस र्दि प्रमाय देश हैं स प्रदेव प्रकृष दक्षेप्या । प्रकृद सद अक्ष है स दूर स द्र द्रिय में मेदा । इद म इद मेद मदे हिंद हु द्र हुदा । मिन्नेद हें नह निय निय स निय प्राचित्र बाबित्य होन। । बिन एडिया हेर प्रश्न अब लग स न्देन कर। ।न्द्र भर नगर नर न्यान के में मन्द्र महिना ।सर्र व बूट हिंद दें विश्व शुर मा । है पट में नेय प्रेर केर हिर केर विश्व पर् दे ख्रि एक अरे के मुंब में ल पहुंदा । देश तर एक व व विव लट स सक्स्य सद। दिने भे दिन मुखल सर्वेट व्य पर में हुव। मिंव में दिन नेश्रा क्र. ४ देर. ४ देर में च में दिस मार्थ हैं व हिंद सके दे हैं न में हैं मार्थ हुं प (इ 66 र) हेट अर देव तर एकदाकें। । हैं अप धि हा हा में हा में रेटा अ. पश्चाचन क. भून पर्तेल हे अध ग्रा । पह्त अप मून रेट छ. धर भ प्र च बेबेबंबा । मूं हुं हु भें ल भक्ष्य राग पर चोहे सहा । सिर च. स.शेमल म. मुंब से द्र है। विश्व त ह्या त एहर तह म मंब सी विह त्रहेब'सर्व'मेल'ब्र'केंगल त्यें देव हींना ।त्रहेन सेन चने'य केर हीन के कर्'यम्ला । यर में लख हें हिर यर यर्व रूट हवा । व अल हैं नखन एनान्य वस छ. पुन भी। विकास वस्त कर प्रत्य भी. प अर्थट स ही। विवे

ल के श्राम बद तहन करन द मेदा । दिल केंद्र में बद वर्ष पुर अवर युन अपना । सकूर त है र पटन हम अह श्रेस त सेता । इ प्र वित हम अक्ष हिन सर में गल के। । तर वहना यद सन तुल द कर न्यु है। । सिरल हुँद ह्मिय रहा मि हीर परे प के। । रह पड़िष केर रह है है है के व करा। त्मिन केर व्यव यम र्म में में में में में में हैं। । विक रुस में सब सब में व्यव मन् व स्व तर्यमा । मिस्र हुन है स न्न महे व्य न न च च न । हन म से नातुन महिल प्र निवेन स मरी। दि सेन प्नार म केन प्र र र मनुन हुन।। नाबाद नासुस ह् त्युत नुद त्यूँ नादल ५६ तर्दा । क्रुँद सरे ५०६ धुन ख लाद मूद प्रय प्रय प्रयाचा । श्रिय प्र गृव प्राय हैंद हैंद यद्य हैंय या वहुव अति इ ना तळ ८ कुति नवसा । मु के ६ व के नेस ५ कुत राम्य हो। । बद पहन महिन स क्र पट मबनिय में महिना । में हे मख्य पट स्व हैन क्रिय पर्वत पढ़ी। रिनास सिर्म सि सि सि प्रिन छेन पर्वत यस हुन। असे पढ़िर बेबाय विस्ट. से. ८८. छ. पुरा है। १८ है पर पर्व हैव प स्वाय टे. अर. त्युरा । क्रम मु अष्ठमः हेन ने प्वति हैन रह प्रवेदा । क्रम विद्या हिन्स ह्युं लद लग पर्द सबर युग । ह्युल मु 'सुद ग्रेस ग्रुप पर है। । ग्राञ्चनात्रः सु (इ. ९९ च) प्रेष्य त पर्, रूप प्रेष्य से. लूर्। । प्रेष्य सेनल.ईस. वि ही वि वि विराध रहा । हिंद रेल ि व देव में व रेग व वही । तर्वेश स निम रदानित अर क्षेट हम हैंगा । परे पाके मा हर पहनारद पहने है। विद्यानक हेर निरुप निवस त्युर र मुल हिर प्राप्त । दिनक मु निर्मे चय रंगुभार्ध्र,अवर.लय प्रतेट । । वर्ष ते.द्रवय कट रंगे.च्छ. क. क. म्। किर्ने में पाता के हैं हिनाय है तकी। दिनाय कर के पार नाय कर कि. ल.रटा ट्रे.प.लेश.पथुंश टेंग्रे.पध प्रमे प सूर्याया । मेट्स भूर ईश.पर्वेर. विशय: हैन हैन संपानहा । इन्यान हैन हे . यद हर व नविश्व दे . ए है। । नहना

सिर १ अस्य ग्रीस प् अहे मूर अहं दिन । मिले पुन सिस हम से सम में पर इन पुरा । त्यस नुस देनस वने के रत पहें के हैं। । से मेल नुन तहम पर्व है अप य रह पदिव मेरा ।रह रैम तथेल तथे मेर है ह इस के हैंना । ज्ञाल पर ब्रुट परे सक्त हैं द ए द एवं। । कु के पर्श द वसन छ नेव लिल ट्रेनियः लहन । विद लय इवस ब्राय विच त लेल ट्रेय क्रुटा । हुँद हेर अहम हेर हम त क्र में तकरा । तम्म मेर मक्र मेर मे त्युर मस्य श्रेष्टिया । यदे य वि श्रुर रत्य विद श्रेष्ट हे प्याया । यदि श्रिष्ट श्रेस रट बि.च पहन कर पर्वा सि दे हिट च लय कीय हैन पहल प्रमा । क्षेत्र दर भे नाम कि दूर ने तुर ने तुरा । सूद हेन हुए दर महत्व द्ये हे मन्या हेन मनुवा । बुद सहय यहिन के के के के हैं यह है यहा । बुन्य नदः क्ष्ट केन देव सहत के जामें दिन । जाबन लट मेल पर इस नज तक ट संजान का । प्यंत नृतः श्रेत सल में ८ 5 प्यंतर सल नेवा । सर् र व के व य मासुस नि इस मेरेस है। । वैंद(इ 62 व) क्रिय-देना ल भावत हैर विच वहां । हिं इ.स्ना तह.स्वर बिंग में एत्य है. नेर्व प रंचन तह. सेंप्य सा ।

4. न्यान्यक्षाक्षाक्षात्व्यम् । स्वत्यक्षाः । व्यापन्यक्षाः स्वत्यक्षाः स्वत्यक्षाः । व्यापन्यक्षाः स्वत्यक्षाः स्वत्यक्षाः ।

मेर.टे.से स्वाय प्रथम के विचा | क्याचिट्य.क्यासे.प्रट्य.से.वैविज.पट्ट.से। | प्रथम के स्वाय प्रथम के क्याच्या | द्र्म स्वय के क्याच्या अद्य के प्रयाया | द्रम्म स्वय के स्वाया विष्ण के प्रायाया । से द्रम स्वय के स्वाया । से द्रम से प्रयाया । से द्रम से प्रथम से प्रयाया । से द्रम से प्रयाया । से प

के ल कुर में हे अदेव घर में ए हो। है के न देव दर न न मह मह पर क्षण । राष्ट्रेर मेर हे हे प्रण पेर प्रस्त स्रा । मे हेग महस हेर तर्व हिल क्षे छेत् या । हर ज्या अद्वेद यह जे नेत श्रुवाय बक्रवा छ। । देश नव हिन विश्व कर् मार विवय कर् विश्व । विश्वत द्व हर् हर विद् यर रस्वव मरे नित्त । रिग्रेय मूर सिंदय हुँद स्द , रुद देव म सा वि कुत दनद हन हैं वीत होने जब हो। भि नंदर हैं ने स्व अहर पर पर पर पर । हैं मार मु न्दाये नेयाना हैया सेवाही । मु सासुव मुन महिन स्व व नि मूदा। माबि दिव हुँ र महि गुव माबि हैं व मिद मिदा । क्षें प्र मावन व मुर महेव म मे बेब की विश्व क्र हर संदित महि क्र हेन है। विदे हिर हिर हिर हुन चुन हर्म हिना मेर्ना मेर्ना मेर्ना निमान मान्या हे दूर व है ने १ हिना बेर विव श्रीय पति त्या है द अहर । । इस में ह मं सक्द १ है द विष मालुका विषय मु हु द वि वि वनका । व्रुल मु नित्त मु नित्त मु न कळ द हिन दा । व्रिन्य मु । व्रुन्य मु कुल'म'न्युष्ट-'नेन छेन। ।(इ. ६८ म) ई.ई.इ धर.रेवट घट.हे.चे.चे.। बाक्षाक्षेत्राच वरार्द्राल्झ बड्डि है। ।र्याविवाधुवाक्षेत्रे वेटार्ट्रा द्वापन क्रदार होता । एत्रेट देशय हाम ता पढ़ी हित क्रूय हेट ला । नेट स्वाय प्रमान हित र्ट हेंबाद्य अह्रवातर मेंबा ।विवेटबार्टा हेटाएह्रवारविटाकुर्वटा मूर्यः देश। १६.से २८.अर्थेर.ध्याज्याचानी ग्रीय.संखा ।४८.ईथस अफर. त्र् रेग्रह्नं अ.स्ट्रां विमामानः सं सरामानः स्राप्ताना देटबा । गुन गुट देन केन जनद पति हुन्य सु नहिन । मु जे र प्रथा नेन् विट क्यामी.चंब्रभ.वी। ।इ.स.च.च.हैर.वीच.चट.५टेष.४वैट.। ।इय. क्रवा हिट.वायमा वायम ह्वाय अविदानर बेट । । अक्षवे हेट वायम त्वा हैं वा

के द म्ह र विवास मुद्दा | र द र पहिन मुद्दा व स्वास द वाम के द स स्वास र महिन । म बिनाय रहित वस अधित तहत क्षेत्र मुख्य होता । बिनाययामा प्रमेण भेष ञ्चित् पढुत् ञ्चेत्। । मार्नुल छ इस तमा रत चूत लगें प हुन । गुव णुत खड़ बिंध क्षेत्र म से से हिंदा । हिंद पन के निल् हिंद शिम के बि.म हिंदा । मार्टेट ळिंद श्रुव दाल रह प्याल र्व प्रिय पुष् ७ पूर जिया । ११ य में देल सेटब परू. जि हीर दय था। । में सेप ईय. परीप रत्त पद्धि क्ष्य भी । क्ष्य प्रत्य श्रीत श्रीय र ने ती । विष न्य के हिन तहेन तहें मार पहुंच मार्चा । ये नेस मार्चेन वस अनिन कः हैट त्र वेदना । अवस्य वेनल हिट हे वेनल पन नह्य किर पुना । इस श्रे. मिलेर मावल है हिर तकर मिले छेर। । यो नेल मासुझ ह्व मिहेट मासल रदः अल निवस । प्रत्यासी अष्य हेट एहू व तस निविध त हेव हैवा । ज नुसा स लब रहे पब है न सा । हैं ल से गुर हिम नर्ल हरे रेंद गुद अहर। । इ.से.ह हैर पेरेश पेरेश अदिय तथ तथी। ।अर्रर (इ. १८ ४) व विर.क्ष हुन स्व स्य म सुरा । विविध हे रहार्व र मुह्म स हन्य वया गहा । न्वर देव रट इट सेंद्य मुर मबेटल मते हता । दिन्दि सादन बेट दु प्टींश होते हो। द्विष तथ हेंब जीत केंब अपकर तर परीता । प्याप कर. इ.७वर. तेर्यं में प्राप्त में त्रा है विष्य है विष्य राज राज राज है । विष् मरे में जुद लक निर्व मान सिर रम देव में केरे सहर महान म नासुक भावा तर हूं व तर, पद्भव, पद्भव में य वे. ये वे वि व द य वे. प पथ. शर्य है वे... र्ध्यं सेप्र रट. तबुर इस.तर है व. है वर्ष वर्ष तर्. तप्र ।

यहत्यम् वात्राच्या इत्राच्या इत्राच्या

सर्व पर व्रस्त है'पन्निसन वस पड्सन क्रम गुर । । विष्य देव भिन ८८ छुन्य पुर ८०८ युर वा । स बुर्य पुर यस ८३८ हेर पर्वय प किया । अमिय देशय अगु म क्षेत्र धर है हे बुला । ने हे व यह महूद बित्य रिने ह्निर्मिन्नया । क्ष्य मुैं प्रित्य दश है पदीव की नेय वा । अळव हिन ख्रीन रेर हैं नवाय नाय खेन ाने हिते झव नु'त्युर देव विवय पर' बुर। किराम निवस रित र त्याव बुरामहूर भव जिला हित सर मुन्ता हि र् पर्डेंद त्युव रुवदा । जब्द स्वाव कु अदेरे व अदर पन्त के व्या । रदः तर्र वर हार हेना झें हुट हर पहुंचा । नाबुद केंद्र तनातः बुनानिट.तर प्रान इवकातिटा। निक नि.ही.ज क्षेत्रस प्रान्तिता। रियान्यवस स क्रि भन्नाभाराभारता मन्त्रमा । निर्मुत्र राव क्रि केव स परि ह्रा भेग महुत्या । दे द्वा मद्वा नीय है मदिव है नय भेद गुरा । अर 5 र्षा न्द न्यायरे मुख्द इस्य । । पहेन न्या मुख्द यन है भैस हुर प वित्या । शुवानमून दे के द लुद के वायल हे द में वा ।दे अव वर्षे इसव नर् हुर्'क्र राष्ट्रा विश्व विश्व देव रेचे र्य नयम ह्रेंच न प्रयो । कु हु द्वार माम अर्दे हैं प्र अवर हेंद है। । हु स (हैं 68 म) गुडे में बाद्याची व म्राप्ता ह्या विर ह्या वियाता प्रतित इ. यावेश कृत के हीवे . रिवे

44.32.1

चड्रमः न्द्र-वायमः चः नेयः छः अनः छेन।

नुब मु खूद नहुब ने च चल्लीब हा। । चक्षेत्र चहुब नुच च चल्लीब हा। ।

प्रश्चिम केंद्र कुच ने ते ते विष्ण है। जिल्ला निर्मा केंद्र महेद्र महेद्र प्रश्च महेद्र कुच महेद्र जिल्ला कि विष्ण कि व

निरंत्रिया । निने च महत्व स्व विच वर त्रा प्रदेश । वय । ह वः रम प्रवेद पर्हर छ रम। हिंग छेर मुर्दर छल पहेद पहेंच छट है हैंगा। ब्राजिय. श्री विश्व विश् निया मुक्तु । ति ह्या मुक्त वर हिन मुक्त हिन् स्था स्था रेस ८८.। भिसीर तर । ज्ञाय तथ तथेर पश्य तथा. में स्थात । ८था. पथा. विर पर पश्च भ्व र्वाय प्रतिय पर्वपय। । । पर ५ में म मालुर हैं इ नर्र महुना । भूव अहि मझल म मार् ब्रूट गरे विर । । धूव मायाद कुल पहेर प तिर हे नल पारेसा । इसूरे ही पुंचार मेर कुल प रा । क्षि वर्षात्र्य प्रथम भ्रम पर्म मिर प्रथा । पिश प्रवेद र प्रथ पेर भवर. स्र पर्ने ने त्य हुन जिना । व. रूप हुन पर्ने हुन विषय भी देश तर तथे वे । इस त पढे.ज.लब.जब.मिनअ.पडु पडु। ।पडु.पड्.पडे व पश्चत पंढेंश हेंब. तर परी । इस्त के लन हैन पर हैन विश्व है। । विनाद पर्व पत्र नेव रघ'यकुर्य थेया । हिंद दे रहेव कुं वश्चम य नाईंद सूँव सा । माबाद क्षाप पालेश पूर के. प्रतिय लय जाता व् । ह्या सर. ट्रेप्ट अकूबा हुब कुब. स्तुत् निहे पहे जोते । ज्ञें व केरे मझल माना । इत महे व महे व मा । दि महे निवयाना मिन्या मिन्या मिन्या होता का है। विद्या मिन्या ही मा मिन्या होता के देश मिन्या तर ला । मर्ल मु मर्ल मेर हेर लमेल ही ५८ हा । मे मन मेर हमन अव पाय पाय क्रमा हिन। । विनाय है पाय बुट विराय ति मुद्दा । केंच ता पार्यात पार्वेबाया देश किंद पार भाष्ट्र अष्ट्रा । विवा अञ्चल देल खंद. बिद सुद् मुक्ते हैट मा । सि हैन पक्त गरे केट द्वाल से सहेद है। । हिंद मंश्रिम. ब्रेंब. चंपट. ब्रीज चंद्र, क्या केंद्र है। विश्व चं रंट देव श्रेट चं वि पद्रे. ल. श्रवाया विष्टाश्रदाक्यायातह्नवा अधेशारी होर नरानदेवा विधेत ताश सहेन् तहन् हेन देन निवन निवन मित्र मित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र विवास

पति हिल प्रमुद् है। दिल प द्र में यद सम् पठल पति। दिर प्रवस दे तः तर्म मेर नम्ब अक्य मे । मार्ड में हुन म है हर में न मह हला । माब्स मिश्रेस माल स्वाय पदिते नि में दे। । ख्रिम्स पश्रेते तहेन हेद विसस द नुस निश्च किता विर्वार प्रश्नित पानर हिंद अ हिंद प्रति वा। विद प्रम हा अकर क्षेत्र भून में में पूर्व के प्रेट. क्य जम ने बार्व विवास तह क्षा। नि मिर श्रीत तहन में त'न का खुनाय पश्चेत हैट। । । । पर न श्रीत पाने व विन्य साथर धुँद काहर। विस्ताय मासुर वस मुँख खुँर के स्निय थ। ।र्वार इवि स्वा मार्थ मार बाता अकूता के प्रका । मार्थ सार प्रवा क्ष प्राप्त अव इस केषता । स् क्री रट कीर ता प्रतासक ता सूर रटा । हुना कुर रेख माश्रीक निवेचन पर दिल हैं व स्वना । हिनव यह है र है जूट रेन व देर अनेवा। रक्ट कुरे हिट मिगर रेंग केंद रुग नाम नासुस। । १८ म महनास पृद् सर न्न गुः वर यस पहना । नस्य पंति तर्दर सक्न में ह्वा परे सुद्धा । ब्रह्म तप्तु म एत रिट हैं बब बेर्नश पहें बबा । । तह सर्व सार्धर. न्गुंब देव तमुद्द न्यात य हुन। । क्षेट यर यानेयाव नेद यनुन यह स सद्द कर्य के बा । कूब र दूर किट परंच वेशव तर प्रेचेव केर यथरी । पद्धे ता. निद. हैं. रेज ४ हेर. कैंट के ट्रेंबा । में ट्रेंट किंद वित्र मान वित्र पर देवे व लगा । नर्राक्षित अर्थे में नेल मेंन वित किन नेला ।र दे ले ले नेल रेगल हिरे क्ष्यान्तरा । इस पर्तेत हें है एक ट मूब है च प हेंगा । हैर ने बार अष्टर तथ.हेर.झंट.ज़्टन भेट इका ।रट महुद धर्म.पर्ने के.कूर्यंद(इ. 70 म) बैल सेर नरा विश्वल छर पर्नाल हैं व च द पहिल हैं वा अ मिश्रेश पक्षेत्र परु.पद्य मिश्रेश.एसर.हिट.एयप। । अर्रे ब्रैंदु.पर्यट.ब्रूज. म्राम्पानम् । विकास मिन्न सामि क्षारा अव अवासि मान् 다 하 수 . 연 . 구 . 구 . 나 의 | | 모 사 및 . 년 도 . 전 . 년 도 . 연 . 년 도 . 연 . 년 도 . 연 . 년 도 . 연 . वाव्यवापुष । ता व्यवस्य पदीते प्राची । के विधु । पाई च प्राची स्व वह्रद है। दि स भैन अल देश क्ष्म वह्रद सर्व ह्या । रिग्रेस सहर प्र त्रम्य त्रम ह्रेयाय पर्व क्रिया । इर् मेर् सिर त्र प्रापत रूट ममूद पर्व य मुक्षा | विमार महिन्द दे दिने से है। । विद्यु वर्ष हैं स व व दिन देवै अळत् हेंद्रा ।देव ळेण द्युं व ब्र सुद झद र्र वन्द्रा ।पाहेच व पिट में कूब पितर में सेने देते। 184 ह्रक ता ईअब तर्दे पाली वृ.व रेट । । विष छेद स इसम र्मिर से वासुस नु सबेद। । विश्व र्मिस दें में न्द है पह्चा तपु क्षा । जिंद में दू तक्र ज़ुष्, दूथ तपु क्रुवा । प्रे से स दूर स मर अधित स र् भी। । अर्थ द है न अर्थ न वि न द न दें द न न स म पर सा। । मनुद्धि वल विष्ट केंस खुद इस नावन दर। । युव सेव नायद स्नाय केंस प्तिर क्रिन ने पत्ता विद्यालय मुख्य हिंत प्रसम्र मन प्रसम्प प्रसम् । बारीश त त्यां प तर्त वैट क्षा रेट त है। विसे व अपारेट वहेंदे त से द माय स हिरा । रेश मार् अ मिर अअम हे हे एहे व देशन ग्रेमा । विन दमव ह्या कुर हू है. हुया त देशशा । श्र. सूर पर्नेत खेल परेच तह योबंध क्रे. त्रका। । पर प्रकार में प्रचार प्रकार प्रकार प्रकार । ये अस मुखे प्रचार प्रकार प्रकार प्रकार प्रचार प्रकार प्रकार हिट कुष प दे। । मह.मकुर मण्य मस्मित्र हे ईर् होणल मञ.री । मण्र हुट रेच हुर अहरे तए क्षा ईअल प्रेयी । तिथु ति के प्रीर प्राय प्रीयीय (इ. 11 व) है से में हैं। । तथर जिये हैं र घनअ जीवा कुर मू मार्था। मु नायुक्त होत् नावि किता न निर्मात्य पार पकुर। । अ न्य के अव रेना रहेव पद के पकुरा । कुल में ह॰ र्सन्य नित्र वन कुर एत्स पकुरा । कि है पत हु.स.च चंदर चोरेय पीचारा । हु कैंदे. ई. चंदि स स सर घघय. घष्ट केंपा । ञ्चित हे हुँद त हुँद त गुहेर गुहेद हैंदा। । सब दि कु'नग्लामात के चनन हैं। | देश म न्युंस म मद लग् महत्रा महें। । महेंद्र म दें हैंद्

ह्युंदे हींट अक्रेंग तर्रा | हे हेर एवंप होट क्यारार ए हारा प्र न्द्रापद्षे पास म्यास पदिहे द्रा है। । तिस्नुस सुत हुन हेन हेन वलाके परा । वित सम्मानिस लस १व वेंस मान्त रमस पर्मा । महेव मर्डे य मन् अहें न रने वर्षे रे नर हैं। नर हैं या विष के व युव से द से अस र स नित अप ज्ञान। । किंद टीना ज्ञानस रहान हेर नाड्स नाड्स नह नाहता। । विद 명보 립다 명보 설 설문 취임 임드의·원드 l 기존 미리 및 로드 스는 스 링 모델드. र्केर क्षा । मेरेश त केष पद्भेर चूर टे चूर क्षेप था । पद्भेर तर् मेले अ. क्रिय कुल केय न्वें ये चीया । नियः पहुंच र्स्य पहुंच नर केथ थह्न प रहा। पक्ष के क्र परेज हैं र झेरे कि खेलाया । जिंद क्र यह व तह व त्र व केंद्र बुद अद्रायत। १८५० अद्द धर बुद न्त अर स्मान क्रिया । बुद 회수 문지자 (현 두자 팔 두 현 '다이 | 본 오필지 및 오염이 다셔드 최어 휣'두드' G८ । । विट. रूल पर्नेय ट्रंट पर्यंप. प्रम प्रम पर्द्र प्रवया । पार्वेश प्रम्टे. ख्या ह्युत वर्षु ५ में ६ वर्षु ६ । हिंद अ वर्ष व प्रति व वर्ष व वर्ष मकुर मा । निरम्भ म हिर हुन हुन हुन सुन है। । मार्सि महद म इस प्रवित् वेद बोश्य हो। जिवाय ब्रांत वैद क्षेत वेर वैद. सेवे क्र्बाय प्रवा पद्धे प (इ. 11 प) ह्या तप्र प्रथ पा स्था अ ए सा । पत्र म्या हिन र्टाया हैन हैंर रटा । अर्थ नहूर स्थल के वेट व नाइर श्रेय बना । बर.वैट. पहीं पट के प्र लेप। पिस् हिट श्चाय बे. देश क्य टर क्ष है।। इभागान वर्षे नामव लगान वर्ष गर्। विलान हेर् मेर्य मेर दे का स्र विमय क्रा १ ल्य. १ व. मीबु. भूव क्ल. मिल्य पश्चता पाप्त. क्ला । नाव य ल ताला सेतया. महिते प्र मं वी । वर महि सब बाय प्रो महि मसे का महित् हैं है है। Jeat ब्रुप'द्वे'म वक्द हिद तहनाह्ना'द्वा । श्रिम बद्द वक्द हिद्द महेद हला दिहे द्वं य केदा हिन वान्य श्रदः विदः द्व द व न वान्य हुद्। द्व म किन केव

तकर् १व वेर के क्षेर रहें स हे सा । नियं श्रीय प्रेश प्रे प्र य स्वर्**लंब** परका । प्रेस प श्वेर पहर हूंस प्रिय ह्र पांचेर है। । प्रे स्प ह्र पार्ट. इ.च झ.र्ब ट्ये। ।अ व्य व्य व्य देट व्य त भ १४४४ तर। । बिट वनस. ब्रीर-इ.दो.चे ने प्रत्ये श्रीत पश्चि । । इत् श्रीत अर्टर तर्जे स्थाय पर्वेश-र्जेय. लियेश श्रवंशा 18व ह्रश्रव् वध् श्रवराष्ट्रीय पन् वशा विदेशाय परिवे स्व वेना केव सं वर हेरा । निभन्त स नवे खेट देव के हेट में नहा । भुव ल्ब भर्र. श्रुंच पश्चर्य पश्च पश्चा । विश्व प विर. क्य अथन रंतर पश्चा साहिता । हिं मिर के मिर हिंगायर हा मानिता । अकद निवे हिं दिल स बढ्रबल हेद.रट लेला । कू. चेडु च मुट हे स्.स्ट ब्रुला । ह्या. हेर. ब्रिट र्ट निर्ट दिल क्षेट्र पर स्वाया । विव स्ट श्रेव प्रह्म पश्चित छ है. ब्रुट बनला । द्व दश श्रेशन मञ्जेद के दि हा हु । । क्र. नार दावेव. ह्यानविष्मिष्याच्या । व्या कृष पत्राह्म भट्टान व्याप्य प्राप्ति । पर्ले. त र्ज्ञच र्ज्ञच व्यापन रेड्ड पर्लेट ज्ञूल प्रेड्ड । व्रि. प्रवीर जियम एड्ड. र्टान्द्रिन वर तहन । इंबायरे हे चे र्यु म व्यायरे हुला ।(इ. 72 व) ब्रुच निय विराधरायने हिल हैं। पर हेरा । निय हव नियम अह कर हर हा हा रुभ. ऋच चेबेबा १८ वर्ष. क्ट रेट हैर. तर्थ हेर. सं. ख्वेबा । इ. प्रचीर अंगर की. हुने, त बेबे. शूट री । हिं, रेट विटे तर हैने, तपु रेश कूने. थ्रा । ने स्वांस्तावंद्रभावंद्रभाक्षात्रां क्षा । रिभ क्ष्यंद्रभ रने श्रेभवार्टा वाह्या चह द्वा | मूं रहे हिन्न चिर तका रेश है रज् चरला किंग नहें रहें दें मञ्जानिक विश्व क्षा । जिल्ला विश्व विश्व विश्व । व रेट. पढ़ेट. कुल बर सूर् करू. २ थ. है। इश त क. त. लये. जये. पयो. य दस. तर्। विश्वय प नवयावयाययम् वर्षे विवे तर्। पत्रा विमार्देर मेला हैरा

इस्यायस में बर्दे नस्य पठदा । निवस दुना पाता म्राम्य पदि है दि स दे। । क्ष प्रविश्व क्षेत्राच्या ह्य पाष्ट्रण प्राप्ता । मुख विद्राप्ति अर्था वृद्धि ह्या ला ।रटाविदार्स्याववटार्स्यांटेय क्रम पटा। ।ईसाय प्वेपार्ट्वेर व्हिंग मञ्जनामित सम्बा । तहनामित निष्य मकुर्य कर् १९८ देन सर मन्। । वृद् अदः रेना परि नद्य केद छर ज्ञानया । क्रिना मे रह्म या से या हेदा मन् ह्यून दे। ।रदामदेव मेुव नदाइस तमुर मासुस नु । ।र्वास तम्स म करान्द्र कर अही । खलान्य खलारुव दे हिन्न छेर लामहा । महर वि.रथथ.१८८. हूं तो प्रोध क्रु. १५ व विष्टा | ६७ व विषय हैट. च्.स. स वर्षेत्र. पर पर्वा । द्व प्रिंद हिस तहव पा दिनाय स्वार प्रस् गुर । । से प्रस्त 리복·터 성성·급·체소·교도·당] 1호 비설회·더·떠도·외포비·터더·비용성 비용성. ल्टा जिल जूना मध्य हुना अकून कैट. कैट. पढ़ेड जिला जिल्हा पड़ेड नेस्. मै. वंस. मेरे वंस. पष्ट सम्या विश्व अपनि स्था प्रवेश से वंस मेश्रापर. ब्रद्भा विष्याति स्र हिल दे। विष्यु देव विषय विषय विषय विषय विषय नेब्रिह हिर पश्च द्वार्यक्षय त्रुया हैनाय। । क्षेत्रारना ख्या केत्रा ने क्षेत्रा ने 를~ · 최 · [리롱·롱·롱·롱·저희조·롯데제·링주·디즈제 | I저트리·디존스·최드·독리· क्वि.रेट. श्रेपक. रूब.हेरा व्रिक.वर. अक्रथय ब्विर. ४६व. ता. अक्रब. रेवेक. नम्बा छिर अर्घट तहेना हेद तथा ग्री इस नवन श्री । ग्री मना स नववान्त्र हैनाने ना । शासिर खनव सनव वर १८ ५ छ । छ र । अवा भट्र अर्थ है. रेट. क्ट्र ताह द्या ताला । लट रमें उसे पार्षेश रेमे ईंगे. धट-र्- । विविध्यत् भी तथन प्रताह ग्रह्म सर क्रिकार हिना पर्वे । नव्याभ्रम्य वर्ष्य द्रसारहिन हिन । गर गर्नी निष्ठेशता हुनाम हन कर नेय वे. हीता । इस नवान में नायर है। वट विर पर पड़े। ।वट ने खेन

न्त मुन अवर्ष न्ते नम् ह्या । जन्न ल रनेन में हैन हम रहेन ने सरम र्टा रियम में बेंब ब्रूट बिट निश्य हैं अकेर ला । गुर महुस निव्ह मबीद इस न्ते कुर पर मन्ता । अहन ग्रैस खन्त हर नेस च पादी हर तर्ना । बिर भर प्र. म अर मुल निष्ठ माडी। । ब्रिट ता हेर कि अष्टर. १८ पहना लेल हो। ।कूल सि.पहना सपु.सक्द १८.माश्रमःच ईंचला अह बेट वी अंथ. टेट पद्ध बुच. में. त्यूंणां रे. वी के हे व हुट पत्रेण त पस बुर्दि संस्था। । सक्द हिन् छेन ससम्बद्ध रेव पहुन। । हेद स्वेस ने चि कि क़िंदि पासुक चापाय प्रमादा। ।पासुक य वक्ष किंदि कु की येण या था। । वेग नम्ब १व-र्षे स ह्य न्व देन केण न्द। । तहन ही मनेव मले महुद स द्य प्रचेट द्विषया । हे स. जंद बच पर्य थ्रेर प्रचेय दे पत्नी । रिप्रे. प्रचेत भवत र् च पत्त्र, तथ था। । रट केल से . ट्रें (इ 73 व) पट्टे में. से . प्रें प. है। । पश्चर छ सर पर्न केर छेर नहें स हैं नका । तस्य प्र हेन पठका हैन भर मन र राम्या । इत्यं व हैंर नह रम रहे नहें नहें या हैया हैया । के.रेट. प्रथम हैंर श्रद ह्रा विर तर एलवाया । कुर हा. परें वे अटब में ब बुच त जा । श्रूच नेर. श्रू. कुर. पश्चच. वे. बर. होर् चेच निह्या नेष्ट्र वे हैने न में अन्य हैर न र देश हैं सेन बैन अधर अअथ दश्र में का है। । नुबाचुरी मार्क रत अहर हिर देर रहिन मा । कुं र स्वर रवा रवे विष्य न्यं में वैद्य प्रतिय है। निष्ठि, पर्टे व प्राप्त कुन कुर से राम प्रम्ता । रिपः अधु, इस क्रम प्रधि है पट्टे त मेहेश। निर्मेट ने नेट हूं अ पट्टे मेहेश अ. प्रतिल, हे तथा । प्रतयति भे त्ये ध्र-रम, रचे अर्ट, हत्ये व वेट । । तब्रेट, स. है रत बर चेत्रव श्र.श्र ला । इंश.चेबच रचे.बह पहेब. छ. अर्रेर. पहेंब. चढ्या । पत्रे प पाश्रद विवास त्यंत्र पुत्रे विवास दी। । वासर हैर पात्र स

म्बन हीर प्राप्त केर ही रह पढ़ेब रहा । इस कहल केर ही एकर बचल. मबुक गुरु महरा । में सम छिर मले हमल गुरु देव ग्रम्य मिर्ना । कर् विन् विन् क्र रखनाय मूर्नावुर ज्ञान पर्ना विन पर दर मु. विनय द्वमान्त्व सर्ममा ।रे सह मारेब क्षेत्र स्वाब के द्वा ।कुर के रिवे म 월· 두 명도 리도 51 1日 월도 축대 유명도 점 · 독 · 즉 · 두 · 즉 · 두 · 급 · 다 · 등 점 · 품 · रेचर पश्चर पश्चर विध रेश क्ष्मा. ईशा । पश ही अस्य हेमाश पश्चित. विध. र्म्य श्री में । या ताम प्रति स्थ ति देश त तर्व र तर्व । अ. भर में र्ष. इ. इ. इ.च प्रवट. वया । तहूर. वे. अ. तथ कैंट चंबेश रेच वें पर्वेश । ने लट कु कुन के सब मावेन र्वेष है। । इस मानस मानु न न छन धर कू (इ. 13 म) र जिम्या । मेले ज.जिस. अभय २ ह्र स्ट्र मेर स्विमय मेहेसा। बर्झ द हो न र ले देश न ही न मही न ले हिन हो है । हिन हो र बन स स हिन न मही नमुर दमक्षित प्राप्त । ।हेट रहेव कुर गुः क्वेंरान महीर्य मह्या ।दमह लाम मुर मुबेर नुमेल रहिन एहना खल मुना । हिन रे में नह मार्व मेन लस न्या.त.तस्र। ट्य क्रया.तति ति.रंट. व पत्रीय.ते. स्यापा ।हेट लक्ष्यामञ्जीत रेम न्युन्यारे न्युक्षानुनान्ता। ।ह्राम रेमान्युन न्युक्ष पर पश्चिम श्चिरः पर पश्चिरमा ।विराधराकुः त्यमः हैन सः हैन मासुस पश्चिमः हिना । ब्रैंस.पप्र.जय पत्ने ब्रैंस.तप्र ब्र्याय.पक्षेत्र.तय। ।र्या त बहूर्य वीस प्रस्य. हारे' कुर ल कुरा । हर' छेर' कुर' छै' देश' र छे' जनव ए'र्टा । र्दर्यार्थ पडुं मिश्रम दें देन मनद्रवाया पठया । विरत्युर प्रहेंद्र देन देन देश देनु लका विट, केंट. र्ज . प्रतिष्ठ श्रान्तह, हवा, ठ्वा, ट्वा। विट्वा, श्रे से अप ब्रेट. प्त्रत्य, क्रम स्वया म्र्ट्ट नेट. क्रम. केट. यट. त्यम द्वेनय. अष्ट्रद. ट्रा कैंटे. कुं बैंचे कुं बूध पर्यट वर्षटेश वर्षा है। इश्राय हैं वे व लर्ष पर्य पर्य पर्या नेशाचा वता क्षरा में कि विश्वायत रेवा । प्रवायत द्वापर देवा पर प्रवार प्या प्रवार प्य प्रवार प्रवार प्रवार प्रवार प्रवार प्रवार प्रवार प्रवार प्रवार द्या मिवन पर्वाप भ्रम्यायायदेव नि में ने मिन् पुर केन केन मह्र पन क्ष मिर प्रमा । तहल मेर प्रमा पर हेतु क्षेत्र व्या । इट देव देश देव द्वेंद्य दृद हे सम्दित्य प्रति। । हें व था प्रति दिन देवा तपु र्भानिस्थान्ति । विराध्यान्य विवायाभ्यतः विवादिकान्ति विवादिना मिहेस यान्वित पुर्तस क्रिंग्रेन केद सहिं। ।तिहरामान्त्रमे इह हसा न्युन् माला । दे के हैन केन् इस न्युन् हैन् महे झेला । युन् केन् कें के त्यन्त परे पहें (इ. 74 व) पर हैं। । लिन हैंन पहेंन वरा प्नेंटस या महन रू. पञ्च पता । पदेव महिन हें में देश हैन अवव के हैं दे हैं। विस्था प्रदेश रत.रेते पंबत्तर.रेज्य तथ.रेतेरा विभंध खेवब रट.चढ्रेड.खेवंब.एतेंट लिन्द्राचान्द्राः । तिन्त्राष्ट्रेन् छ्वात्र्द्र्यात्रेत्रात्र्यसः । न्त्रुसः TI. A. TI. 44. TI. यन्नाकन् म्नियायहे नेयार व वक्किन्यहे हिला विव त्र्यायाल म्निया द्यम् कु'द्रभ'नदिदे केटम। । सदर म्हिम सटम'नम'न्य'नदि'सदे'तस'ट्'महुन।। न्द्रम मृद्धे चन्ना भेना मृहे माणु न्युन् न्द्रमा । ने त्यम स्मामा जी हा ता विर.तर रेवे। श्रि.शर. बट. ४६व. हे. तर. भरूर. पर्वेश हा विष्यु. त. श्रि. ह्नि, ईश्रत्वेष्ट ईश्रह्याला द्विय प्यथानिय . देश्र प्रप्रापप्राप्त ह्या पर्वा। र्नेष्ठ हेर्'र्णर'र्ल'र्लेर'के ह्ण'रके। । द्र र्जेर'सुब'यसमळे रिर्र म्न. ह्या. ड्रटा । पट्टे ह्या. इ.प. लग. २८ ट्रे. छा ए वया । पह्नर पट हे थ. र्श्रेन्य प्रकारम्य दे त्या विषय र् है दा हे सरदा हे दा है र दे पर दे हैं र दे र दा ब्रे.अर.प रत्रेर चंबर पहर्याष्ट्रं र्स्चाक्षे। ।रस्या चर्चरात्रालयात्म्याच्या केमन श्रम क्षा । निवन नमी पान स्वाम प्रवेश निवन है। । हिन्दिन गुर के हैं। नि दे दे मा ने। हैं दे दे ते के न न ने न के न में के न न न न के न न न न न न न न न न न मन्य क्रमान पहेद देश । पढ़े दे रेड़े। । में सहल रेव पदर अभय है. पर्वम् विषयः पर्वेद। । निर्वेट २८ मेर्टिश्य स्मा प्रियम पर्वेद ४ अथ रूथः मबिरा। मिस्रुमार मुनारह द्वार र प्रांत म मक्या । द्वार महिर्म महिर हिन्न महेन द्रमाम देति। नियुन तहना म्रामा हिनान कुमान किना । हैर द्या. तपु स्था रसा । बिंद श्रूट ते त हूर प्रांट लय जय हा । है. चन १व र्स स्थापाई। कव पर्वा । रिश्लेमल द्रसार स्थाप स्थाप लिय पर्निया । रट. किय. ट्रेंट्र हेर्र प्रचेत. क्या था या विवा. कर स्था 다양.네는 크네.돌석.남풽.네용제 | 나點知.급 뙻.뤛드.륅 스는 글.팝네.트! | भ्रम्भाम्बन् हेस. ज्ञा हेन. नहीं भक्ष. १ स्था । निर्म्माना नेया हिन्या है. अन् क्षेत्रः रेअः तथा । चुन् गर्हरः चेन् राययन्य एतः सुवाराये । इव भर रुभ विषे हैं के इस विषय हो । इ. इ इस क्ष्य सेटस इस से. इब्र-५८ः। । पञ्चेब्रयः प्रवास ग्रायः पर्वः तर्वा चार्यः वर्षः चार्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः इथ.७.५५ ब्रिन.तह.६५। १०३६-६.३८.३८ वेद.५६ पहुंग राहर.६८। । बह्द है बाबा भव त्या दे खद्द कद्द हैं बाबा खबाया । जो नेवा दे ता तह वा क्षारिकारायम्। ।ईमार्कारकार्यक्षित्रामुकास्वरामि । इ.न.र्वेट हेट.र्वेट.ह बट.टे.पहेंच ।लर.पन.स. केंट.प्टेंस.न.नेनेट. नि ने गुन महिल पर मन्ना । है द मन महिला गुन हैं न मह प्राप्त र्व-८म-४८-विमान्य-विक्तिम् १८६-१ । १९३-४८-१८-१८६न् म्म-६३ म्बंभाक्षामावया । पद्धामायद्गामात्राम् पद्धामायद्गामा N의·절시·□필드·경·철회·도의·어리 [본·스립·도·전·전·미·월·스턴이 연미리]

मक्द माउल माल में ल मकद ने द दे निष्य हैद। । ल दे विमल में ल दे स ह्रियं ही ल भना । ल हे अभय हर ल पश्च अश्व प्रविता प्रेश । ग्रिंट. हेरे त्याय दें यावर रेट क्ष पढ़िरे १ समा । सब दम हियम केंद्र मेंद (इ. 42 वे) ते हे व के पर्वा । त्यार त्यार क्षा ही का के कर ज़ के के का मनुद्रा । हो सम अद मन देन ले मनुद्रा हुन हो। । लुन्द न्मुअ निहेन पश.रुश में ब्रूट पठया । पश प्तिय प्रिंग प्रिंग त्या श्रीय क्रेट पश.प हो । र्षात्र प्रव्यवाय तरहता हेव पान त्रिय क्रिया विष्ट प्राप्तेर तर्द्य मह मुन अधर हे ने भा । अरामह मान मनु दिस महि न् व सन मीहेशा जिल र्ट उत्त सेह द्रा घर ह्वा खिरावया । विषय प्र ने च. लव लव क्य टिव रटा विष्णलस सर् क्वाय हैट त्र होव कुर तस्था। बिट्य प्रेप्य के प कूट च्.ला पे टेट. । । श. हे पे प्रचित्र प्रेष्ट प्रकाल. ल झ्यंबा । खु हुर चर्चार, तत्व तर सूर चर्च वर वर हो । चर तर इ. संग्नासुक धु स्था । ५ गर ५ सर दग वि प्यद यग नार्टे पुरा महरा।। **₹.**ई४.ईप ७व्रेर.छर छय पंत्रेश.रिय क्रिया ।श्रर.तयश.यूप ८हर.र्थ. हेट लब जवानक्या वि. प्रवेश प्रवेश प्रथ व्या भवत तर्रा हिरा । **६.इ.**चरीभ की चड़ेर झैंच.श्रेत कुर रटा। विर.वैट.खे.स्थ.चर्चार.चरा.चेर्चा. हिट. ख्याया । इश च च वि ट. च लब लया. च व घपू। । दे. हेर. च स्थार ट्रं अवस स मिट्य ताला । य लगामद्र में निय द्रवातर में निय द्रिया । म्बर्यान्या पाला स्रवया प्रदेश नियम हैन हिना परि लय है। स्पर् न्ता । निष्ठे पा देस क्षेत्र नृहस्य न्दार प्रनाम विन्। । क्षेत्र स्र्वेदः ब्रुंबरम्बर धुवर्यम के करा । अकव क्षेत्रंभकवर्याद्वेरप्रदेने प्राप्त विवर न्दा । वित् यर प्रव हव वितासमादेशक्रेना मक्स । किन्स वस सम्बद्धा दे.पत्र विर्वत्वत्राता । यद्य मेश्रायदेष्ट्रम् म्यायद्वर्यावि रदा। ।

इस क्रम रे ने विदेश्यर चेंद्र द्र द्रा विशेषाता ह हे ह्रम पर स पश न्वं न्य (इ. ७२ व.) व ८८.। १६८ वर २४.० ४६ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्षा मिट्य. १९ भावत चीत. इस अप्टय. नियं हैिह। निवंदे. खूल लग से ईश. म्बन् हैर पहन हैरा। । य में इस म्बन् एवन एर पर हैस दस पन्। । नसुस त मब भव स्वय ८र्व ब्रैंट.तपु थ्रेंपा । ब्रिय बिश्च पथ की ब्रैंट त ब्रैर. मझन नया । हा मेर कुर से हैं ईर रूप है सम हु। । हे व मनस रह हैं र ह्य बिन्य ग्रीयान्ते। । युव अद हुँद् यान् १ य द्र देन यहुत्या। । दे व बुर छेर रहे. च म् रूब रहा । । ब्रायन बुर है रह बुर हम हर पर विश्वभा । एल्र्स्नायरे में व व ही दव मुल हीं दारे हिला । मूट अही का वहेर, त रेचा.बैट. तर्हेदा । तलु तर्ह्न ए ब्रेट छ्र.च ईश,चेश्व धियश । हि, बेट. न्ता । वर्षेत् क्षेत्रामध्य तम देना तहेत् इस प्वेत् पर्मेत्। । सहस्र हेस वयत्र सूर्य ह्विट.त.च के देशक यहेवा ांबा वे . रेयट. प्रधु. पस्रे देश हुस. विश्वभाषया विद्वीतः यसः इत विद्वार्थः विश्वनाय्युत्व । व द्वीर विश्वनाय्युत्व । व द्वीर विश्वनाय्युत्व । व द्वीर वबेह न्न हैं र.के.रेट है। । बैट.वबेह.एकर.क्षिरसंब वेह याव है वे । 튀스 다.필요 귀.보다.더륏구.다뤗요.다양.되다시 | 눈돼.다.니비.다 저요.너미.다 84. तप्र । व प्रमामद्रवारा मूर्वायायायवर हुव वया । एवया व चिरा हरा थर्द. रे. मेरे तपुर क्षा । नेवया पढ़ाया स्वाया पढ़ितार दा है। । सक्या क्षेत्रवेन सहरत्वस्य पद्मद्रामा । वेन्।नव्यात्मस्य स्याधाः स्टान्द्रस्य श्वीरः पकेथ.थ्या । नु.सम्.स्व्यं.स्य.स्य.तुर्यःपद्वया ।स्टसःस्यःरटः पदिन् मु र् न हेन पहेन पदि। । कु त्वल त्वल र तिल पर प्रमान मवना वितापन्तरहेर से. महेरामा व (इ. 76 र) वेना हा विता हेर जूर

हर हम द्वा भेर त्या इसमा । दि ह से देव देवे न समय ग्रेस न स्वा । पिष्ठेय रा प्रयास स्वाय पुत्र अंदिय पृत्य युवा ता। । श्री र यह व स्राय स्व तु चन पश्चेर रूभ ग्रेया । पश्चेत वे ६ तह लय.पढ़ी लय लग परया । लय. हुर नमिर ८८ न थे पहिल ग्रेश अपूर पंजा । ८५ स मीन छट हे मीन त ट्रे. एत्रेश भ्राप्त ह्यें ८ कु किंद क्षा । नायुष्य स ह्याय ग्री अवस् युना रह्य ब्रिया विस्था क्रिय अर्दर यहेव रट यहेव. क्रिय यथ पर्य ला विह स अक् व के इस मार्य प्रय मन्न्य वृत् । । अस्व वृत् हेव प्रः सं वि तहन क्षिश्रमाथा विस्वय विश्वित तह बिट पहिना प्रमात हिन्द पहिना हु अक्द एक्ट कुर व अक्षय रहा। । अक्द रहा से ले.रहे.त.विर तर पठना । वे श्रेप हेन नुन द में अठन हेन निरा । पन त्या में न्यु । खन क्रम मु प्र रेणमा । यो नेस छ प्र मपुन प्र नेस मह है। । प्र हन खेन लय.बूट.रेट.अर्थेटथ तर चक्रेया । चलु.त ४ चेश विध देश चलेचे.र्जिर. लब्बा । मुक्ष वि एवं व बैंट. बैं. ए बेंस. टें. व हेरा । वट्ना हूर बैंच. स. इ. इ. मक्त १ हेर र । । सक्त र ८ में में हे समा मार्थ समा पहिला । पाल न र् व, अह्र द्वा खर, चैट घट्र, कॅबाय, ग्री ायट थ. खेय, खेर, तर, बोलट, **हें व**, नश्र : हे न मुरा । ल हे दे र ने र स प र न द र र अ हे . स न ह न । व : अ ह र पारवित्रहेमा हेन हेन हो। । पर देर हेम खन्य पकुन प्रतर्मा रमा । के मिर्मा बर बर किरामिर में ल ईला मुख्या । अवर खुन में ल का कृत सूर्यः यत पत्रेवः वी । असूर्यः जैर विदेशालः सूर्यः हत्यः तप्रः कृषे । अक्षरः हेर्-रन्-मबेर्-मबुन्यक्षाः हैलः बेन्-मिययः रन्ः। । निर्मः च मेर्-(इ. 16 व.) १८ रच.रचे. वश्या । जा. पंतर ह. च. ह्या. १ वी. व. वर्षा । दे.रेब. रूथ. में हैं हू च वायपाता है। । इशाया मर्थे मालव पर्वा मर्था पार्टी ।

धर प्रत पड्रम न्त्र हैन में प्रत्र पा

श्चर यह पहुल देव केट में 'नवल प दी । विन वर दने 'प गार देव श्रम श्रम वया । अक्र पर महूर द्वर महत्र महि द्वर महत् प्राप्त मानर रचे वर्ष पर्वे लव भव श्रीय पर्वे पर्वे। निर म ब्रिट विश्व हीर पर्देव बिन के द लुन्या । वे सहेद तहेन हेद शुद व्या म वेद पर द्ये। । दुव प्रमूर लील टेंश ईश चंबचे एहल होरे चंद्र । कि मुद्र अहर गापविल चूल ह्माय केर खन्या । मार्च विष्ट क्षेर महर तहन हेर कुर महत्य मन्ता । मेर्रेश त हूँ र त नेट किन लग्न मेर्ने मंत्र हैं। विन म के किट एक हैं कुर मबिद् शन्त्। विद तिर मुल महे अह्द मा मुल है है मन्। । नमुस्र मः नसः मार्थः स्यास्त्र मार्थः मन् मार्थः । सिम् नी स्य मु ७६८.७.वे.वंब.वे। १०७०.वर्ब. ४४.वर्षश्च १६८.वर्ट.वर्ट.वर्ट १६०। १५. त्युर कुर र्र सुव हेरे पवय लिपय है। विश्व या द्वारी है व बेंबबान्यन्। । पद्भारा-कुला-प्रदेश्वरायम् एला-रू. प्रदेशः । पद्भवर्यः म्र-दे.व हिर.ज्यय.जयश्रायः । विष्यः पर्वेटः प्रवेटः व्यायः हः हेरः विष्टः चप्ट.क्ला । ह्या.प्रवासण्य (इ. 77 व) प्वव देश क्र्य. देर क्षा. च व्या । िटथ.रट. ७ चुल चहु. कु. चूर्. कूथ. ७ चुर. चत्। । छ. च चत्रेश न हेद. न्दातकत् १६व विवा । विवा न्यव विवा केव विवा केव विवा विवा विवा

अभय पश्चिम मानित के पश्चिम में जाता । विषय हिमाय है मानित है मानित है मानित है द्व पर्या । व्व प्र पत्रि हेन हुन परि हल विस्य पन्ता । हुना धः रेन मंद्र में हैं ए एहे में हेद लगा निष्ठे हैं ल स्वीय नेया ने हैं है, देश में बचा । सक् व हेर हेन प के किट मुपायि सहत। |हें हे हेन याना मर हैट मन्त ब्राप है। विश्व व ब्राय व पर पार महत्व इसल पन्दा । पार्व पार हल में प्रकार महि केना मही। । प्रवास मु १ मारे महे महिन होता 표시 기월 (전 미국적 다양 미국제 최주·육·대 구도기 기쁨적 다양 돌석 오頂 및 준비 इस पढ़ी है। नियम तस.सैची.तप्र.संस रच.सुर ६ल पर्सरा नियीर त हित्रहें हैं। पार्वे वे 'सेपा पार्वे था। विकास हिपान के कि से सार्य राजा राजा न्यत् इन्य हा अर कुर नहर हेर तह लिनया । अव त्न नहर हेर हैंत. चकुर निर हरे ख्रा अंग प्रायम ह्या पर हिर तहे व व्या द्राय निर्म म सक्रव है न देवा मह स्थापन । स्वित्य है न सम इस महिला है है निया त्राची प्रतासना में नवार कर्ते हुन महे हिला । हि त्यूर वट कुन में ने ने ने स्वासन ्र विर् तर,पश्या । ४ अय. थे. धिरय. तथ थ पश. प्रमूर् क्ष. पर्नी । पर्दे. त. विव भूर लम होव. सरका मेब ६७। किनेया में अपवार्टर रेट्य जीन विवे भूर. ८८ । विव भव, अष्ट्र मा. ८ ६४ अट ४६ मा. तेन में . क्रा । प्रसंस में र. में प स. इ ५ मूर्यः पाद्येत् प्रवयः । अधरः विवाद्यः परः स्थापारे । द्या । विवरः विवाद्यः । बहुन्द्रिन्द्रप्तिविद्र्र्तियाय प्रस्वय ह्रिष्ट्रा । अविद्राप्ति (इ. 77 व) नेयामह्दावासर द्वांपर्। । शासराह्यासमार्थेनायर त्वासराम्या मर्नि हिर पर्न कर्मन पहेंद्र निर्म तहेंद्र लहेंद्र ला हिंदा प्रमानमा मान बर्डर तहेना हेद तदेर। तिंड निवेश खेद तथा या ने सुना में न हेस्र पर दर्भवस्य पासेद्रापरि चुन्याहे केद्रायदि मद्ना हेद्राप्ता वद्ना हास

यभ्य कर अप्ति न्या वित्त प्रतास प्रतास प्रतास प्रतास वित्त प्रतास हिन गुर प्रवास प्रतास हिन गुर प्रवास प्रतास प्रतास प्रतास प्रतास वित्त गुर प्रवास प्रवास प्रतास प्रतास वित्त गुर प्रवास प्रतास वित्त गुर प्रवास प्रतास वित्त गुर प्रवास पर्यास प्रतास वित्त गुर प्रवास पर्यास प्रतास वित्त गुर प्रवास पर्यास वित्त गुर प्रवास वित्त गु

(Louine) Julianourimen franzischer vand Julianourimen franzischer den schoolen fieren eines Julianourimen franzischer Julianourimen fiert f

स्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्य स्वाप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्याप्त्रम्य

4.4: 月.4.4.2.48.月.4.4.4.四 当口.8七.面.9岁岁别.田仁 七二. न्दः नव्या वयः पास्य स्थान क्षा प्रति निर्मा । न्यापरे के याहा स्थानरा र्टाम्बर्मायर राम्ब्रीवा परे हिंद श्वाय दे पहुंच वाल विषा । प्यथा प्रस भ्रद्राप्त के अकूष्ट्राप्त विवास के वात्ती होत प्रवाहित अटा हैवा के वाता हुर्धाक्ष.प्रमेषु, विप. पट्रेस रिवास दिव वि अधु बिपय पट्रे श्रु प्रचेश क्रूट्य.पष्टु.... . मेर. टे. पर्वेचाया । कुर प्र मार्थया में अवरा सूर मिल पा. हे. अ अहट पड़ा रूपा. अ. क्ष्या । पहुचा हेव. च स्था अप. इस. अप. इस ज्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्था ही. सूट च हैंदा जिस तेर, प्रत्याय हिंदा कछत्य नविष अट क्या में दिन हमा में मुला । द्व. गुव. युवाया युवाया है । ठव ल झें । वर्ष म नुष्य पुष्य है । । र्यामास्व सत्य कुल पर्च । । दमानात है भूर तक नेर लिय केया हुना हु देव सहर से मेय है। । (स. 1 म) पट्रे. प. क्रवे. त्र. पश्चर. मी. हूं. हैं. पड़ी. ये र. लघ लेब. खंचया । हैं र मी कि. कुंब भड़्य,तपु, बुदे, परीर, तैट, किंच बूच केंट चेंबे तर चबेंबेया। बिट बुंबे. विराधक्य, इ.मर बेट्यानमान्टिर है वि.मध्. २ अकूर न हैला । म. पुरा द्रायाची माने हर्ष पर्से प्रायम मेर्च क्राया हिन महिन महिन महिन अत्तापने विष्युक्त स्वास्त्र हेवा स्वास्त्र स्वास्त्र केव अति । तिह्या प्रस्ति । विद्यापन

लय लिस्रलयस्तारद्र्र्र्र्द्रे केर् हे स्वराज्य महिन महिन् । तस्त्रम् म् बित तकेव नेवा तह भूट में का । रेंब ने से रेंट हे का ने में चक्रैर ५६४। ।१स.अर् गेर.ज म्ल.क्रैर.ब्रटस.प.छ। । वीय घ कुर्य स्था हैट वस लव चकुर रुट्टी । मर्ना हैं । मन कैं केन महेव हैं व रेन मसा । में में ने वे अधिए, अधिर वे ले पे बे बे बे बे ने निर्मात प्रमा अध्या इस्थ ल'म् नर्ते श्ररा । नारे धर नश्रुव नते (के 2 व) न बुद लदे न मूंल चर.वै। ।श्रावधारीय में योध साथवधात्रवधात्रवा से से से प्रायधारा पर-दुन। ।हेंद जुद अळद हेंद खुन्य अळद र अ चुन अळद च जुन केंदे हिन् मिया । ने बेर हिं ज्य तथार पत्र पति के विषया दश के र्रे क्षेटा। निव वि की अञ्च , कुर सुष्ट, इ अञ्च में ई रिर. ई अय क्षेया की वा करी। खिट र्ट. देवायानारु अधार वार्ट्र हे हुर्ना । राया देवाया ग्रीय रमानुः पञ्चन ध न्मा। अति न्सन 'न्मामील हैं नल धर'न्माल' सन्नाना द्यान्त्र्व पयान्त्रिः र्व नयल घरान्त्री। ट्रिप्टावर पार्टावयक २८ अबिर तह, मं रितट मियाताल ह्र्य अर ह्र्य त मे अपूर स रूप में अर तर वि. खेटा। 1 रे बय प्रथमत रेटा मुभा विट मी प्र रेपाल पहें बया हुआ कुंशा व ने ने न प्रति पुन क्व परे । ज्ञान हु । ल व पर त्युर पा तरि ने कुल पण स्व र्टाचक्याययातेवाव सराव्यवस्यति। स्वामान्यस्य विवाहिता ।दि 용·연호 너의 귀·ㅂ은리,> 목·오의 영리,ㅜㄷ.ㅂ근당,된, 쥐살,스와호,다.보의상,집,! 나 निने बैदासद्वाधरास्त्र पात्रात् की द्वा परानिने बैदाहर परानिन सःमबुद्दःनीःर्दा वःबरःर्नीःबदःर्दरःम्हेषःग्रुदाःसःसह्नाने र्द्दःद्वा ।

न्द मं यात् की में द त्यापालुका में बुद मी तुक इस धर पक्ष प्राप्त कर के र चुट ब्रेस प्राप्त कर कर के र चुट ब्रेस प्राप्त कर के र चुट के र चुट ब्रेस प्राप्त कर के र चुट के र चुट

सेत हैन हिन प्रमुख स अहार महारूप निकास महा । सेत हैन हिन प्रमुख स अहार महारूप निकास महारूप निकास अवर.

न्द में अद मह्रव मालाम्युका अटान्स्य सून् मह्रेय स्वाधुरानु मझ्त्या देश-द्व-मन्या देश-सन्द्वाम्यसम् कु गर भेर.री व्य.र.अच.ब नि.वैःच ब.वै.ल.त.च ६ (थ्र. १ न) वै.रर्र. म् भि. हे. भुष्टे. बे. जी. जी. बे. अच. है. ला डी. र. ७. वे. आ विश्व च है। लेल שַׁיבּׁיפּׁרִיבּא מְׁא שַׁיחְצֹּיבִׁיןְםילָחְירָחְד בוֹי אִיפָֿרָ בוּא שַּׁיחְדִידִאּייי बदशः क्रैय एसनेय ता. त्रेर तप्राक्षण एसनेया त्रेशा. ते. मेनेया सरा प्रनेया हैरा... रत पहेन वुर कन म व हे सिर रेनस केन यं पहे सर पर नहें ये से ही हैं विश्वेति निर्माति सेन सेन निष्युत्ते विष्या स्वास्त्र विष्युः भू बिश्य बर् प्या या से हैं .ल.गोंच में .चर्य या ता य व में मीलीट रचा रद्भाम् भिर्द स. कुटु अहूरी हे भुष्ठा तक्षयाता चंखेश बे.ट्रे. मु. प्रे. छवाश तर हूर ता वे हैं नहेद नहें या अप हैं ल नेय ने जी व देश वश्य वर्ष विश्वकाश्वार में विद्या के प्रति के प्रति के प्रति में प्रति विश्व प्रति । विश्व विष्य विश्व विष मालामातुमा देवाचन्यान्यम्या देविताक्रियात्मा थम्रीया क्ष्यास्याम महा । निर्मा देश देशमह निर्मा देश हर. मद्यान्ध्रे अप्रिक्षे या प्रमा स्मान क्षेत्र महि क्षेत्रा मान्य क्षेत्र स्था क्षेत्र स्था क्षेत्र स्था क्षेत्र न्मुदे द्वाप्त्र मृद्यादे मुब्द (श्वाप्त मुद्य (श्वाप्त मुद्य (श्वाप्त मुद्र स्व राम्त स्व राम्त स्व म्नवसारिक्षे में में दे क्या वादय के देव हैं। दि विते दिवदा दु विताना दे मबेद निवेनन्यारे निवट रमा न्रें सर्मा निवेश है सर खुर स्त्रेश महित्य खन्तर इवक्'ग्रे'चन्द्रश्याव्रें के प्याद्वयम् हे प्यत्रव्यायम् वह्व प्रति देव या के दे′द्वां तदे भारत विद्या कर् दे दे द्वां ला क्रदा सम्बद्ध के क्रदा क्रदा

ल बिवाय तथ में हिंद इसल में वा सर हैंदि ता हे हिंद ही वाद बवा (के 4 द) ल. रिट च क्रे बुट । अर देश चर्सर पह चर्सर यह श यद शिर वर ह्य वर. चलक हे तहनाधर तमुराम दि। बर मुद केंगल हेंगल केंद पर कर अन् परि केन नुरे। ।नुस दम मु के तकता व मझूद महत्व ईस परे ईना सर। दिलह करारक्ष व स नायुस मुख्य मार् मारकेव मार्स मा । माहियाम दी। मुँदे हु त्य न्याय दे नाहिय सु' केन् यदि हो नेय न्य यहेद धर छ। यहि न्द्र " मकेंद राय बाबी झूट हूंट या लाया खाराय चीय गुँच राज्ञेंद दय उदाय हा ह्रा छे '' मार्थे स श्व. भूट तार बेट. पहेंचा. रेट पर हेट हर ला चेटिल. वे. ट्रेट हरे. तर अहर त। अ अ व म दि से लक मूर्व देव हैं त रेट किंदे रह झे लस मूर धर विराता सं के में हैं विराह्म दर् लस स्वास पर्राह्म माझे लिल निविद्य पर देव वर्ष क्षेत्र प्रसान्ना अह यह निवस् मुरामा है। मुन मु मिल म् लका अटल मैच बल ८८ मेट में सेंगेश टेट बेल ला ने ये रार. कराम दे दे दिन्दाल ह्द शास्त्रा । बिसे तमुद्र मना सदस कुत हे दुस कु र्ष्ट्र-प्रुप्त बिलानबुन अक्रवानर नेन्द्र नब्द्रि रुक्षानालय नब्द्रामा सुन हनाग बुद्ध तह ज में ब बेबर ब कि है। बिर के में बंब बेटिय हैं के नुहै मान्द हैद कुैक'न्यार्वमायहार हायहा हा वा हैदाद है मान्य कुं महादार है। बन्य प ब्रान्ति, मैनाय, ग्रेया मेरा हैं . में य ता कर मूचा पर है ट हिना पर एता. चर. अष्ट्रव चार्। विशेश च ही इस. देव दिव विशय वेश र. ही. य. वेदि. महन्। । हिट तहन द्यापा केद रे शिट पार्गेद यस सहसा । नेस र व है क्षेत्र चयाक्ष्य गुव नास्ता। विच अक्रम द्वाग्व मिनासास्या रहता सा । विवास है। तहन हेद या नद हेन य देन कर हैंद मेर मेद हैं दक्ष सर देव दा हूं अप व व व व कु कि व विश्व की खिर हा है व व व र की व व व दिर ह

ह्म अर्ट्य पर प्रव हव गुव ने निबे अर (कें 4 प) पहन केंद्र भी किर हे भवं कर मी अभवात्रात्रत्य तार्तार तर एम् तात स्वीव त हेट ह रहिवं.. मुख्य म न्यम मु अन्य दे रे रम हिम मले हिम खद नम यह सह मार्ति न न मध्ये रे.अ.४ड्य.मथ अह्य मेर ग्री.क्य थे.चमेर जा की.रट.रट.म मह्या हैन मह्म पर हैं पन नेट प्रमान के दार पह महित है "" हर पर नेय रव गुेखिर व दे है हिर सराव रहिन हेव प्रताय विदे . 5. हिं हुं न दह है हैं द मिरे केंब गुब नला मर सहि मा अर हुं सन्ब तहन हेन न विच पर वानम प सुन जुद क लात् के प्रमुद प सेन क केर मर शुर्द लय'र्द्यापर इस मर मुल'मर सिट म्र'न्ट खेव मर्थ सके के मेन प्रवेष अवर क्षेत्र है दिस्य पर ज्ञा पर के मेन सर्वेद प्रवे स्व हिंद " न्य में नर्ता में देवता ता सत्या में व में में देव बाव करारे मुक् मुन वरा अहर च दे.ज.चनार, द्वेब.चव ने ब.त कुब.च्या से ने ज्वा पर वर्गेष्र । पिट्या वे किया पड़ स्वर प्रव के जार मा प्राची पर पा व व व महत्व थी. हूंब. १८ इस. तर. रेचा. तपु लिट हा. ल. बूर. पन रेहेब. त रेटा । वहेब. तर्थ. प्तित प्रहेर प म्बुमादे विवादाम्बुमावरि युद्रास्टामाधेद्रामाराहिवाहेदारि सपुद्रास्ट्रा 5 मुन धा १६ वे वे वा धि से स्वा सा से सिवा सा से प्रा के प्रा का प्रा ति से सा की प्रा का सिवा से सा की प्रा क त्रेर स्टर **गुरा गु रो**ण परि प्राट पुर पर्व 'छेव' पर्व ' द्वार हिंद ' केंद्र तपूरी विश्वभाता है। एस् विभय ह हैं निवास पर प्रतात है विभा 다크다.된·철도,다석,맞석,집,본급단석,집로,네온호석| 1월데,다당 여다.온, 결국 교다. कुण वय हिला । श्रुपति यत वय दि से में में में में से हिला । बेस मा है। येना धर.बै.तेर्.यथ.क्र्यंथ.त.वेट.क्य.अक्र्यं.रे. व्याय.पश्चेट.क्ष,क्य.ता.वर्धः.

ब्रेन्'न रह हैन'एकर हा की घर अवस वर्ष स्थल हैन हेल पहिर व प्याद''' 원·왕스·대상·스디어 교·명호 교상 및 교석 집 첫디서 집세 어머.의 최디서·석·회에 पर अब स्.बंब मैट क दश भू पहेंचे तह व रूप रे बुंद त पर प स्वाम परि पत्र में मुंदा में अक्षेत्र के ले गुंदि में ले में में के पर पिन्न में । विमुख सु मुर्वेत् अ हैन् वृष अहेव् सर सुह हुत सम कुल स प्राथम उन् गुँ। *** मन'नु'गुर गुर न्'न्र मुल'स्य न्ब्न' बुरे द्ल गुर दिर न स र्ह् न नर '' नु त्रम् परि द्वासद् पा स मु दल स्रापा वहमान्यल ही परि से विस मन्न न्र तकन् १व मेन्यम् वा कन्य र्म्य ग्रे में अन् यह हैं मेंया न्द ना बुद्य में अक्र न कुल हम । देश हा । तिर्म हे सेना के द स र स हुं हुव पह प्रवास महिन हे महेव पहा । मिले मही हिनाय विसय सम्बर প্রীব শ্লি লান্সৰ এক লাই। । ইন লাগ্গ নেম শ্রীব শ্লি দিন দি স স্থান। । এই ष्ट्रदे.से. तत्रुंद्र एतंब.ते हेर शहर.ता । प्रत्य एहरे.ध भ तर्केट तर यदब ल.प.रेंटी द्रिय स.हे। चेंबुंध केंटे.अभन्न.श्वे. गोव पर स चंबुंब केंब पूर. व्यवतात्वर्द्धत्व वस वसव वर्दात्र विनेवसावर हैटात्रासाह्य के दिल दे न्द्रायर प्रवित्र द्राधित हेर ग्रे प्रवास प्रवास हिए ग्रे प्रवास प्रवास वित्र ग्रे प्रवास वित्र ग्रे 톤미작·디추 우래·다'미충작'협작'시의 협'러트국'투미작'遺드 대 다뤘드 국적 중국'귀작' ल्ब.च.भूट. ब्रूट. ब्रू. चर्च हैं अ. जैव ब्रैट्य वया चट्टे.च. छव चया विट. तर.दे.वेथ.तपु.भे.यबुषु.४वन्य.वे.कैंट ल.क्र.४ट्र.हेट.दे हैंद.बुट.क्रेट.वट्र. बह्राया प्राप्त देव सुक्ष स्व के हैं है है है प्राप्त प्रद पार्ट में मार्थ प्राप्त स्व पह्रव. मि. श.रेजो. पह. तप्त में अवी क्ष मा. में अप. जी पर्केर तप्र में अहर क्ष्यं व्याप्त प्रवास विश्व पाले विश्व विद्यान विद्या विद्या प्ट्रिय दे. में हिन्ने पार्ट ताम रेम ज़िंद्य (कें 5 प) शु स्वाय पर प्रमेद में । ।

न्युअरा द्वरम्बद्दरा व न्रिया द्वर्राद्दः ब्रामुद्द द्वेत सन्य ह्रस पदी पन् पर्दा । प्रत्य दी स्त प्रम् सुन मिन केंद गुरा । मार्बर समाय हैं नय मारे मेर महें व द्वाद मार्म । देव केंद्र हीर दयः म्राय मा में पळ ५ खेरा । १९ ८ १६ में मा नाया जार द्वा हिंग व व महें । १३ व माकी श्रेय ह्रीर पन्नातिर चतु ह्र्य चन्न श्रेयान पुन रच ग्रेय द्वित चन भुषाचु के के मालटार्ना धराहित घड़ में मुंब मुै बुब माक संपार्व पट. स्वाय अप्येव पत्र। पुष्टि हिंसायहे ह्रा सु स्वा सु मा वा वि वा । हैन्य-र्य ग्रेय पश्चर्रायि नाम बनार्य्य अक्रनाम पहेदाद्यायन्यि प्रकेश म'ल'नले मा नेर पहेंद नेद मुंद्रसद पर नतुर रम के केद' में द्वा मु इ.श्रुवा विवेट.लेवेश कट.टे.२ अ लट ह चलुरे.हेवंशनां में से में अवी. קב אמיםיקשם ביצב לביצביתקים מיפב שקישקים תלקיייי प्रमान समाराष्ट्र प्रचट प्रमान हिन प्रति स्वाम रहेर में हिट हैं प्रमान प्रमान की प्राप्त हैं "" भीत तथ क. १ थ. थ. थ. पट तथ. हीर. टी। वहूर वे. के. कुव. त्रा भा हें थ. व थ. हूरे. चेद् भी मबुद १६६ ६ । केमा ५८ देव भी क है मुख क्ष प्रमा देखायर मुखल पा पुंबाची अ. जिब्रा तापु , यो वे व कर . ट्या तर र हू यो व ए हु यो व खे च कर त च व . . रमः पर्ने । विष्यं मा । प्रियं प्रियं है। श्री प्राप्ति न प्रीपा प्रियं ब्रामागुन। न्नेनामाम्यामहेयारि न्न पठव न्ता । किन न्न पठव न्ता अक्षत्रयः हुर, तरुवा । तम् वात्य वरुव हे पश्चर, तर, हो । खुव पहेंद. यर् यान्तर्वात्राणी प्रवासन्ति अर् त्या मुला स्वासर मझ्दायर मुग्मादे प्वायादे द्वालेदाया दे त्रावाया दे त्रावाया दे व बर्टर पहुंचा (के 6 व) देश देव क्ष्य देव के क क्य पर चर्चा में इस र्ट श्रु प्रविश्वर अक्षर हुर र्ट द्रवेश च र्ट श्रु प्रविश्व वर वर्षा सर्..

पचित तर चीत च् । ।

पान्न से ते ट्रां प्ता । प्रमुख्या प्रमुख्या ।

पान्न से ते ट्रां प्रमुख्या । प्रमुख्या विद्या ।

प्रमुख्या प्रमुख्या । प्रमुख्या । क्षेत्र प्रमुख्या प्रमुख्या पर्वे प्राप्त । क्षेत्र प्रमुख्या ।

के त्रित्य प्रमुख्या । तृ , जब बरात पर बश्च वर अद्विय पष्ट च्रां , जब्द , जन्म , व्रमुख्य ।

के त्रित्य प्रमुख्य मुद्रम्थ प्रमुख्य प्रमु

नर'5'नवो'न'वलुर'वी'द्र्या

न्दःया वार्षः विदः ह्यून् पञ्जन् ग्रीः वहेवा हेवः ने

विन्। वस्त । वस्

 पहिंच तारु स् रुभ में ह्वा भ श्र दीर र्मियं में प्राप्त विभयं प ह सेर. पश्चित. ... हित् वावल या दे 'ल' यहेद दल' हैं ल यल हैं ल दें वाल यह या वल यल 축의 디소 로시 다! 젊은 다시 미구리 더 우디다.다 복하석 이 중의 디소 를 지다 다. न्द सब इबस नेवाय पर पर्वेट हिट वर प न्द वबस उट अविव पर त्वाया विद्र भवर.विया तर सूर्य तर एकिंट तथ। वर्षेत्र तश्य क्री जिया.सूर्या सी. ह्नाया परिन्देश पर हो प है। य रेल में हिंद त पहिले माद्य से इस पर. मल्य मही विक मा विदेर हुट वर् रम्ने व रेम धर रम्ने मार्स महिः द्वा मान्य न्या में द्वा तक्य द्व दत्त तक्षे तथा दत् व देन, में देश रे हैं श्रु श्रीय से किस तर एकर तर एकेर ला में हैस ता है। बूब त में किट चंद्र वृ. जूब नाबर ते चटना नुब नंतर ने चंद्र नी चंद्र ने ... इस ट्ये. पर्वे प स्रेयब तबु चबुंद लब जब चुंब पय्ये व पट्टर बीटब हुन... सु'यदन है। दे'तय अर है द्वेंय नेर हराद है तर धेर रें। निस्ता मान् रेमारे हेरार् दे पर पर पर वित्र है में वित्र में वित्र में वित्र में ताबु सिवयात्वे च हैं मूं देवह च हैं वे च श्वन ता विश्व के देव च ने व पर वर् है। इथ त हि.तथ.हैचे.त.६७ हिशय.ग्री पश्चन.त.हूंबे। हेव त.८८.प2बे. चल नेय रवा वर्षिर चल सेवल स्वल हिरा हे तह व की वहा वा ता नह दें माने प्रमुद्द परि देव स्वर हैन मा सम्बुद्धानमा देव स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ है। नेयान मञ्जनायान्य स्वराधेनायायाया हेन् परि मञ्जून महिता ।

अन्य हैर पहुंचा पहुंचा है प्रेश्च हुन प्रेश्च हुन प्रेश्च हुन हुन है । है । प्रेश्च प्रेश्च हुन हुन हुन हुन हुन हुन हुन हुन हुन । हिन हुन हुन । हुन ।

स्ट.दे.मार्ट्र ता देश ग्रे.प्रिंग प्रप्ता । स्ट.दे.मार्ट्र ता देश ग्रे.प्रिंग प्रप्ता प्रवास प्राच्या प्रक्रिंग

र्ट म्.ज.चार्रेया की मुर्वाचेट जया वेट का मूर्य तर्द्या मह्रद्रायहा । निर्मातित मह्रिया अर्द्रामह्रदा कुषाम्बद्राहा । निरा संदी ह्र्या अद्रे के पुरे ही रेट हे सम है। बिया मही महला हु र ह बर्म चेर में 'हेर बचेल केंग्य म लयाचुर महे बैर'म्बय मु सकें 'र्म् मासर" स्पृदःपरे'कुँ'८८ केव ब्रै'८८ में स्वाप क्षेत्र की ख्रा वे। खेल ब्रेट महारसः व्या महिलयल महिला महिल छु ति छै ते छै दिल है र प्रमुदा बिर में कु के व वे बन रु श्रेंब मही । १८ में दे। है शेर दस अमिर दिवेद स र्ट बेबब र व विकास । दे कि कुल पर श्वाय हे वर्षे परि लया । तहर नाजर नवानित ने पर्ना नेर हो। ।हेब र वेल नवक के विनायर क्रेंट म है। । मुनुत्र पुरे ने त्या का मार्थ के स्वर मार्थ । विद्या मे ने दिन हिन्द में के मर्नेर्या नर् । तिर्वाश्यमकाके तिल्ला कर् सकारद्य पर हेवा । देवा पार्शे इ.मूर्विश्वाचार रहित्याला वर्त्य वेषां च प्रतारता अभया रव मुंगानम्या मुद्दा निविद द्रायवर के कद्द धारे हिन्दु मुलाम द्रवस मुंगा नवा विरामित्रम् यह विशय रेट.एटेल वेट.यटव केय.की.वेवाय.ह रेव इसार्थेटा, में प्रेच्या प्रचाना वा का मिया प्रचान प्रचान हो। देश्टाक्र्याची द्वीट्यास्यान्त्रा वृत्ये व्याप्त कर् विष्टान्या यया विषया दे स्वा मुबामारेना प्राच विमा , ग्रेन प्रमेशमा हु. तर पर मुन कुरा महन्य (क्र. 7 म) ह्वर दरा है पार सर दे पिनस्य प्रस्त है जेर भेर के सहर पार्व प्टेंजान्ते अरश्चित्रक्ष्य ग्रे.वेंचेव्ह्राह्मा अक्ट्र अति हे हेर हिट.. [गमन: न्द्रिन: मुत्रः मन्द्रः मन्द्रः मन्द्रः मन्द्रः मुन्दः मुन्दः मुन्दः मुन्दः मुन्दः मुन्दः मुन्दः मुन्दः म

नर। प्रनेत बन्ध मिट बेंब ब्रूट, टे. कैंट, नपु, ब्रू प्रतेत कुबं हा, न ब्रु. त ब्रू बंध. य कर दर हैं लय तर्य पर केंद्र पर महित हैं। निकेंस में केंद्र में न्धेत्र सम म्बर्'न् के रचुर लद। । धेन क्षा क्षा सम म्द केंब हेर. मुका विष्यात्र में पका हिर प्रका में अक्षर करा विषय ता है। यह मर मिने में या में अस गुरेस से रें रें रहा में मुझे में सार खेल के सार्वस्त रह है। निमेद्य प्रथम प्रमूच मा अविव मा अविव अवे खल लख भीव मुं तिन्य मा मुन बाकर हर हैं जब सुर म हुर म ने हें हैं लबाई म म जबन हैं। हर मर गुर के " त्युर देत। इस नह्त मैल व्साधित स्थापत सम्बद्ध पदिन 'ने पदिन 'ने ने ने न तर, मेर शत्र रटा। निट केंच अभय रतार, ईशय ग्री, बुट, हैंट चह हैं थे. प्रमागुः प्रदार । अवस ठव इसस गुर तस गुः हवा सद्दारर चलनाल सन्दर। कूलाहुर गुलारमानु क्षा माल स्नाल स कुर्र गुनि हैं. क्रवान राधः बुटः विभव में . अष्ट . ए वे अव . प्रेय वर्ष है। अट अ. में अ. तरा प्र कु.जबा बटक.च्य ज पुक.तेज बु.चयम तथ तथा । हिंद. प्रचय देश उत्तर दे दन्'रदे हु'ता । बिद्'रहमय कु'सळे' पहुन्'य'स्वर 'द्तुन'सेदा । हसः तर. रैट. शहर. पूथ गुराल्टय थे. श्रेट्या । विट क्वा अभय दे. गेर जी नवस तानवुरी । श्रूर, अभ में अष्ठ, नयंत्रा त्यत्र, संस्ता विषय वर्ष, प्रया इसल में अष्ट्र. प्यंत्र तका तका तथा । त्रियं वर्षे वर्षे दः इसला में अष्ट्र. यका करे. अप्रिव त हेर्.ज.पहची,तपु.सूबा । शूब,जम्म.चे,अष्ट,वस्त कर अट्व (ख्. 8 व) पहुंचय मेटा। ।वसःसम्ह.र्नुपयायायात्वयाययात्वरात्वराहा। । ह्येर त में अष्ट्र अर्थ र्ट रेट अरे स्थर। हिंद केट कर् अर परे न्नेनश्रात्रात्रात्रहन् ।युन्यानीःब्रेटःइस्यानुःस्**रु**ंगदःब्रूटःब्रेटः। ।नस्रयः टा.अश्वर.लय.बुट.क्ष्मय.र्.इर.ब्रूटा। अभ्यत् वर्षे विषयः देवेट्य. प्यमः मिष्ठेय या बेटा मिर्मेर प्रदेश था निष्य हुना में पर्या परि प्रति विषय हुर'मध्रवा नाले' ५८' हैट'में 'बे' हैन नेब' मजुद महे' लेट' में ' मन् हु' मन्दा दे लका के बहेद 'ग्री 'तहेना' हेद 'छद 'यर 'दु 'दु है 'यर । दि है दर या ला किया खेट.baय.ब्रीर.घडेबा विट.तर.वे.चे.चे.श्रेश तर्। ।टेट ग्र.ड्रा थ्र. विर.हे.अस चेल चह हूना.भुव है। । विश्वस.प्रीश्व.लस.एट्स ले.प्रेस इस.म्ट. ता ।रट.डेट.हेर.विच.डेच.मू.च.च्यूट.त.३। ।देश तर डेट.शहर छ.चेय. मट. कर अष्ट्रा । त. श्री. र. भ दी. प स्माप्त में हुए। । बुक्स स. है। मट में के क्वां सुर मुःद्रे अयान्युट्य रहामद्वेष इसान्याय प्रयामान्ये के न्युट्या हिन् भेद खेरा महिन या दे वे नाद स खेना रान हैना हु कराया भेरा दे। नाद द म्हेर्न् र्यटायरे नव्यर्देर हैं। दिरहा चेट्रिय: चेद्र, रविषा द्रैट, रच्ये, कचाय, ग्रीय: अ.चर्चय, प्रायः विषय, प्रायः मेव . है. न्दःरेक्षःषुःक्षःकन्षेदःपर्नेन्द्राःकन्त्रेन्दाःन्दः व्य मा न्दःने देवा क्रैंद्र-पार्श-मृत्यः श्रुंद्र-अन्त्र-अन्त्र-विश्वात्य-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्र-विश्वात्य-विश्वात्य-विश्वात्र-विश्वात्य-व हेर ग्रेमायान्यत्यरामरामक्षमसामामक्षयानर में बात्रानम् राप्तानम् राप्ता यत्यामुला देवता मु वित्र हुन् भुवा मिला हिन् मु देवा मिला परि मु देवा पर । विता वित्र मिला पर । (क. १ त) ग्रें में खेला जा प्रें ना कर अक्षर में हुत मिटा से इंड्रा ता है हुत मिटा से इंड्रा ता है लरट में न स्वाप्त के न के हैं कि पान मार्ग के न में द मार्थ है है । श्रुंब.दे.बुट.निवय.रच.एवेशव.बे.बक्च.भे.नेड्नं.पटट.ह्रनंब.च.रट.। देव. मेड्ना,गु.हेट.द.ह्रट.ट्रिंग.चेट्य.हेट.गु.ह्रट.लट.हेट ह्रटा श्रे.सह्ना ज.स.

रवातविश्वतक्षे अष्ट पर्व वाद्या श्री दे देवायुटाश्री दट बेटारवातविश्वता में.अष्ट्र मिन.तर बैट त स्वेथ हैं दे भिष पत्र प्रवेश पर क्र.पर्तेष कृष त्रात्र. हिंदाल ट्रिय प्रयुक्त कर हुट ही। । यदया कुया कु अक्ष हिंदाल ट्रिय प्रयुक्त कि स्थल कु अक्ष ८८ । निर्मात त में अपूर हैं ८ द्वर राव हैं पहले । दुस, वी सेंद्र सारा हा। विश्व ता दी। वीवव रिप्ते विश्व के कर् मिल्र स नयम में विमा । देवाता में दे.ज.रट म् विदेश में विर तर है। तज.कुर.जडा बुट.इंश्य में अष्ट ज ज हैं केर हिंद देश दश्राश्रावि रही दश ता नादश। । श्रूट पारे हिंद में दिंद दव दूर तेंद्र में अष्ट्र टंचे ल जन्य तर चेंद्यां । बुट इसल में अष्ट्र.अर्थ.टंट. रतिय अर.मे. कु पर्टे मे. अष्ट्र.रे में अष्ट्र.रे में जायंत्रा विट. नियम में अष्ट्र. र्वेट्याद्यापाय बद्य मुब वेद यावद्या विवाय हर रवेट यावद्या बेमबारुद् कुराया। बादव कुषाकु कुद् कु मला स्वाय वा महेद हरा। वादवा लियंय. में हैं जिल्ली हैं लियं या अपाय स्वाय ह रेनय स्ट्री निहेस त ट्रीयंत्र में विट्रायर है। पि.प.विश्व मार्थ प्राप्त है। प्रिट्याप ल ब्रेन्य दे नु प्वदेर नद्या ।देर पु प्व हिर हिर हिर हि प्य प्य प्य प्य । गिद मिर प्रम देशव में अकूबाद्रभारार त्रिया | बुबाहा | मिर्थेशारा में दी दर ह्येन ने कुल अळव कुरि हना हेव वसा यहूँ ते द्याल कुर यर तहना हेव यह मं में द वंबामें द रावह 'वणुर चैबाहे (का 9 व) वा वव 'हव' वदाव दा। न क्षे अर्दे न्वार न्य वर्ष क्षे के लाशे अहेन के लि रहे न्या टे.जब.बेट श्रटब.बेब.भेर.अ.ज.ट्यंड.वंड.बुट.बंड.ट्र.वंब.ब्र्यं वं वंद.र्टे... विष्, कटात. रटा अपूर्व अपूर हा गीर है . महाने अगी. खुटा प्रथम देश वास लट रेचे. तथने थ. प. करं अरे. तर तके बं. त ख्रेचे थ अट हा विष्यु पा ख्रेचे क्ट. है। बुट. ईश्य. त. प. पड़ी त. प. दशी । प. प. पड़ी प. प. पड़ी । बुट.

क्षेत्र का प्रमुख नाता विश्व वा में प्रमुख वा में र रा । सि स मुद्दार प्राप्ति परि हिर्सर है। दि में मुद्रासर है प्राप्ता । हिट इसका माम इस पर नेया । कुन पट हिल इसन व प्र पर। । अर क्ष्रचाय भ्रम लूर. है. तर. श्रदा विश्व श्रमय ४ तिर. प्राम विषय सर । विषय म्बर्ध पा पर सदस मिय. ब्रेटी विंद में अस.प पर सदस मैस. पर्या वि मुष मु विद्यार प्रा विद्यम् याया रेप् केर दे। विष सुर परि पह्नियायम में निषय निषय वा लार खेर द्रा ने महिन है। विस में वदा है बारे रदा रद में रदा भेद में रदा दे हैं रदा दे द सुरे रदा सर ब्रेट ह्रेट्। बटब मेब में ह्रेट क्यब ट्टा ब्रेट क्यब पर प्रिंट ह्रदी । श्रिय क्षे हर हर ने दार में त्री । श्रिय मान ने ने मान में ब्रुटका विस हर ग्रेप्टिय सर रदा। हिरामिश्वराय हीर महे मार्च मार्च सर् नुमान्दा अद्व तर नेवार पर्वार पर्वार हि देशन भागा भागा सूर्या ब्रैंट, मु. सिट. तर . टेट । देव च्रु. हो . देवा . इथय र टर । अथय . वर वि . हवा. हूर भूटश त(क् व घ)रेट रिव जा ि. हवा दें. इंश. तर. रेवा तपु. पेश वर. स्वेव चर्डे वर विर् तर है। विषय अट.चलक.बुल.श्र.विच.चर हिप रे. न्द्र हा । निर्देश त ने त्व व दे तिन्दे माल निर्देश र नेश त नर्ने त र । बुनारु नक्षेत्र सह । १८८ द्वा द्वा समा अञ्चल देल स्व निव निव तहना हेद'म्बस्या । व वळेदे द्रा ख्रा दिना हेद म्बस्य वर द्वा । मुद्दे द हैट. त. घ. हेर्ग प्रमेद . ब्रेट. चेदंश | ब्रिया त. हे। व्याप्त प्रमाण . व्याप्त हे तर बेट बहर नेह खेव अवस्त्र में देश खेव नाइवा में वट रे पहना हें र विशय

कु अळे दे चलेव मनेवाय यह खुना वे अधिया की हैट में रच मृ नवस य लेका म मरा हिंद सलदाल नेलानाद केद अके हिंदी नके दे हे से सर रूप स प्रथम ब्रीयाश विपापत वादस पर्नात् पुर्वा के वे मां भ वादस पर प्राप्त स्वा स्रेमस न्यत न्यत स्याम मुन्य मुन्य नी श्री खलाया । तहन हेन की विश्व मु अर्थ देश दूर पु खद पर दहन हेन की विश्व मैन पु अर मेरे निवंश खें अटब केब इकायर केंद्र अहरे हैं। क्षेत्र खेट किय पढ़ि रेट हैंदा मं के के म वैय वकुद यह बैद रहे मदस यर मस्य सा । मिहेस यह दे प्यत हिन के न पर में शिर पदी यहे। । तहन हे द में पार्यना पन हिंद मासुस के। १ देश मूर टे. टेर केर. संबात के. तर्रा विश्वेश तथ रा प्टीश्रय अक्श्रयःश्चिर केंट्.के.अद्धा ।श्वेट.त्.अ.ध्य प्रकेष खेट.श्र श्र लट । । कु'बद्ध'ल'चहेद'हिर खना'चरल च है। ।बद्धना'नी हील भें निरुप ने ५८स बिदायेदा । निवि दि हैदायां से में निवायेषाय मुदायते विदादी साहि उस विवा विद्रावे देश हिरामही रेश्यम दिर खन दर मक्स म हुटा द्री सादका श्चिद् हे दे दिन् क्षेत्र ल' बुन्ने वर कुन्ने कर दे ल ब्रेट महित्य के प्रति हिन् कुन् विस्तर देव दी। दे देश दे र स की पर हैं दा वी दस स्वापर र द में दर त्रः परि तहिना हेद कु निषय (का. 10 द) चेहच चंदयाता जा चेहचा दशः चाहेता ख्राचनाटलायहे द्वेटा नु 'स्टल यादाविताखनानविनाचेलायहें रायाहें टान्टा''' म्। ट्रेन्नाम्बर्यस्यानाम्बर्गानु महित्रामा हित्या महित्यहित महिता महिता च. हेट चे हे स टां टे. हेट. प. ट्रिंट. खेच कर . च्या च हें र च वे अंग च है। ब्रिट्र पढ़ि, तपु, पहुंच के विश्व के प्रथम हो प खंच, पर्थे, प ब्रेट्र पर्वेश के हेट्र कर्र... च्रुप्त प्रहम हेर मुनम्बय महमा ह्रुया निर्देश हर पाम द्वाया मुख्या मुख्य क्रम यह रहना हेद अव कर प्रमार लार । दिर दे म रेल र्ट ना नेर हर् रामान्यवाय कु.पिटाचे इस बि.एचंटावार्। दि.वयारमानाराचेटावया

म्ट.२.२८ तर्त्रात्वा पड्रावड्रा पञ्चितायता तहन हेन के जात्या हेना सम्मा प्रमुद्र है। देतर हैंद केद या चे पास्त पक्ष प्राप्त सक्स सक्ष सहस्य हैं राक्षे तहनाहेवा दे वे वासनावकुरा तव्यवस्कृत कुरिहन हेवा दे वे वा ल्यातम् रतारतिश्वाम् अक्षर्षारहिताहेर। दे ले तार्टेट विराल्याचढरा स्ट्यायाव मृद्धे प्ट हैट में के हिंग मेयाम कुद परे दिए महिन स्वा दे इसम गुरार्स स्र मु सक्षा केव मा ल पहेव हिराविर एवन रे रेस पर्मेर पार र्दः। व्याय उर् गुःसवरः विराखन केव चंत्र पश्चर प र्दः पठल प है। दे. इस ब्रेच दे. अष्ट्रच ने श्रेण तप से से चेहन ने उर्व ब्रेट क्षर कर टेनट हा.... रुक्षव पति हर हैं ह पासुस र स होगा हु पासु हा हि पर हु । र्ने पाल महिला के महेन् ह्य पन्ता है सब वर्ष यह हैव पन्न तर्। रिट. मू है। टे. म. विर. से म. के विर. हैं सं के विर विर में दें मर्च निवेशनहेव एहमाहेद निवया । हेर छ महेम्य सर नव्यापर मह विश्वभाषा । श्रेन्सहेट् रहेल यावाया । बिलाय है। विश्व हैट के हैं वा वीयाम्बीदामानेहाम्ना स्वाप्ति वितासि में मानिक स्वाप्ति में स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप **愛な 毎、ぬ窓 口美し、こっちん、おとい、あれ、り、食に、中、うい、うい、りょうりょう。 ・・・** ਬੁੱਖ ਉੱਖ ਜੈ.ਅਝ.ਭ.ਖ.ਅਦ.ਖੁੱਟ.ਅ.ਘੇਖਘ.ਖਖ਼.ਖੁੱਟ.ਜੰਖ੍ਹ.ਜੰਦ੍ਰ(ਘੂ. 10 ਖ਼) ਭੁਖੇ.. यः पर्वेयः पहेदः परे तहना हेदः मे । मामना में मुंदः हे तुः हः पहेनाव सरः *** संस्थानरामरापु दिल्ली हुल झारवा गुल्हिन हेदावहेनसा चेवस.च। सरः मव सामासा अक्रमा केंद्राया देशाय कुर्या मुख्याया से सहेदा हे सामा महाराष्ट्र वृदः न्युकः श्रे त्र देव प्रदेश के अवेद प्रे अपन्ति व व प्रति व व प्रति व व प्रति व व व व व व व व व व व व व व व इव.त.पच्ट त.वेंथ.त.वेशका.प.पटिवं.तथा बुट.८ट्र. श्रेय.तप् अथव. ववं. इनसः व्रृद् क्रिंद्रस्यायान्दर्भुवा प्रम्ता स्थाने हिंद्रेत्त्र है। श्रे अहर्त्ता दे अव पाइट्रिय हैं दे अव भा बेट्रिय हैं दिन हैं

अक्रमान्यत क्रम यूट हिन्स स्म धर मान्य हर न्यत नमासी र ... मुद्र पकारी हिर पु मुना की । माहिक यही हिंद प्रस्त करी लाया । नियस सेर सेता त देश यसार इसार पुर र्मामा । बिट देश यह मालुस हिन मु तहेना हेन मुना ।रम मझूर रमुमल खुल हें हे मले लेल लहन। ।इ क्ष्याय बुद न्योल यहूँ है चर न्याया। । शे कहेन हिंद न्युस यह हिला. हेद वरि में व तावर। वर व विषय स्वा स्र स्वा मा बुम व हा। मसमा पुर तु इस र पुर । अळ सम इसरा स्त्रा यन प्रेता गुन सर। स्टब सु-र्नाद ना वस द्वेर। हेट हन हु नइटब हुन्य र के के न बुंब मु:च ल ख्वंब स बह्य क्वेब मु बुंद.र्ल पश्च चंद्र केंट मुंब गुंद वसारमानु प्रमूर बिट प्रमित्व हिंस मार्ट हे पदि व सक्साय ठवा मिर्म्म के. श्रमकात्र प्रतान प्रील प्रमान क्रिय प्रवेद च नहीं हु ने पात ने वस हा। त्दे भे हूं व सत् द का सर हुट अर दें। । पार्ट पार्व दें पा के दें पा प्रेट पार्ट वियातर वर्वेचेशा । हेट चयेश ४ दृष्ट हेरे वा४८ जूट अ श्रे देश तर देट. बहर केंद्र में तम हैं ला है ला है कह मह निवस में हिन केंद्र में हैं है में हैं है मबुनाय नेट द्वा के वृष्य के वृष्य के विषय है व बहरायह श्रुव याकु के र्यह मुंदिन है। रच अपा क्रियानिय में मा र्ट्रिट ह्रेंड सब बच क्रवाय श्रे रखेड चरवाचेंद्रच रक्त श्रेषा है। चहे देव · · श्रव में मिवस महिन में वर अहव तर हिन्न धर एकट में चह होर देश तर रत में अर दूर जूटन हीर ह्वाया से ह्वा श्रव इसल व वावंस त वे हीं न तह. मु तयत देन कु केर मेर इंद यर बर दें। दियायत दें। ।शेद यदे पर्ने वे पार्क मान्द स्व देवा । पर्ने पार ही पदि पदि पदि पार पर मक्रा । शिसहर् देरे द्वाया सु हुन मह हिन महि महि तर दे दे नक्र भारान्त स्वाम देव वान्य मा तर्नित्व मानदात कन्य सु नर

प्रह्मा सेटाइ.। जिट्टां प्रश्ने प्राप्त । ।

क्रि. प्रमुट्टा जिट्टां प्रमु अग्री ।

क्रि. प्रमु में टाइ.। जिट्टां प्रमु अग्री ।

क्रि. प्रमु में टाइ.। जिट्टां प्रमु क्रि. प्रमु में प्रमु में प्रमु में दिन क्रि. प्रमु में प्रम

2. तहेन्'हेर्'डे'झन्'हु'न्ड्र्र्न्'यंदेन्'न्यर्'यः'

पहलान्त नक्षणा क्षेट्रन्त नक्षणा के नक्षणा के नक्षणा नक्षणा विकास क्ष्या के नक्षणा विकास क्षया क्ष्या निवास क्षया क्षया

ट्यं सूट चार्थेश टंट के भुदी के चोरंश चंत्रेंट चार्या । इ.फ की चश्चेश चंद्र देंट। बर चेंट श्रेय रंट.चुं ४टूंट क्ल.जूं। उंदु ट्यं क्र्यां क्रैर यंत्र टंट्य पा चार्थेश। क्रूंट चंत्रेंट चार्येट चा चंद्र टंच्यं प्राप्तां। उंदु टंट. चोर्थेश शे.लूट च पंत्र ब्रूच भर.क्रूंट च्रे.४डूंच.पुंच चंत्रेंट चंत्र च व्या अक्ष्यं.

रेट तू है। चर्षणात इ.अह कूट चर्षण ४८४ तथा । ब्रियम वर्टर. धिटालटबार्ग्नेपारियर में बांश कवांशा । हींव प्रथ कर यस के का लेटा सूध. 스러워 | 다른, 첫 도 외청도 다봤어 더 다르는 및 소 교비의 | □ 밖이 다르는 여성성 विद अञ्चल इसल गुर बेद प्रदल से हिंद चार हैं व लग ने अह 'ददा व में च देशक. ग्री. जब अरीव च टेचे. जबा च चंचल च क्र. क्र. क्र्ये अंतर, पूर्व में . क्रूंट. मझेल घर घझेल हे. सेंद्र लेद.परंशांचेशां हें बंध घडे श्रं श्रं वंशा हैं ए जार श मायव ह्य भुवाव केव में व महम हिम तख्यामायायानेवावयाहे देव गुमा बिह्नेन्यर के ब्रिय सर अ हिट मेद मु त्रिय सरे हिट निष्य के मुक मु क निकार नधु हुट. टे. देश श्रीय हैंगे. मू चेशूर. मु चेशे पुर. है वे. कवेथा ना प्रथा. कर में कुद मैद हिरे अप मैद रंस दय वेप वेप स दा विवाध है। यर पूरा दे दि पार " वस मार्थर की पर्डे बेंट नर'म नवस मार्डट अह (का 12 व) है दसम कीस बद्दार य वे.बार्य क्रिय हूंर.पितैर.पप्र केंब.वे प्रवादयाखा अप्र पर्दा व यशेषा स.चबर. स् बुर्ज स् ाबुब कुरे रे चहूरे तथ चन्नेज. चबर. सूर. जीवश स्थ. बुक् हैट. हे. तर्श ट्योर. त्रह, अर्ट, जब बिबटक मुटा। अ. मुक्र क्य पह अर्टू, ल्य म्ह्राणाम पट्टीलाम्ह्राल स मही ह्रेट अर्घटाटी मेंबिटया सपटाटी ट्राप्ट मध्व'दे। ।

मेहेब ता है। प्रैट. मुब. है. पश्चित बाजर में रे में पर हो. रे में पर हो। विदर

वयः अष्ठः कृषः वृषः चर्षा चर्षा वार्षः विषयः । । द्रव रहेटः व अरः द्रम धर त्वेश'च'मशं ।रे'रव रे'चर्व श्चेर चले विर'स्न चुवा ।रे'स्र हरे' विद स केर सूर् केट. ज्या पर्वेषय तर मुन् जीय देह हेट टे. पंजर जी रेपील. त्रमर मुद्दर्भ । दिले हेट नुःहर वर्षेत् कर मुं कुत ववल वर्ष हिले मु भक्ष क्रद्रात्राचुरायादे तार्रेश पत्रिव भक्षत्रत्र भक्षत्रत्र श्रुरायात्रायात्रिः मर पर्वेतयत्त्व भुव भीय विषयाग्रे.हे.सम्रस्य पर्वेट व.घ.मंथेश.रे.देथ.. . मराम्बेशाम सवा विवयारमा स न्युवानु देवा के मिलेशारम मिलेव दव मु.६ रा हेर. तू. वैंट बुटा विश्व क्षार वृंद पत्र वेश्वर दे पार्टेश विश्वर व व तथा हीत सब पकुर पत ज्वर अर वंगाम में पति हीत पवि प्राप्त स्था देहे हिर खुन इसम मुन में। नि हर लटा हिन र्में र रेमें र में मुं मन्दर्भ प्रति हुर र्वा वैस प्रति । सेना पान दे नेन ने रि दे रेन मुं र वि मःलुद त सूर्यंत में. छुर पंशिंदल सूर्। रि.धुर.संग्रथ.१८ छ.सकूर.पचीर. हिर-तुमा । हुन-मः अञ्चः लयः मकुन् हिरः लयन्यः मः हे। । रे :रमः रे मनुनः म्चर पार्व किर प्राप्त पर पार्य पार्व के पार्क अक्षर निया कर पार्व र विर विर विर दब्र्याटाट.कुर्यातार्वेचा.तर.चेर्या.कुट्रा क्रिये.च्राथक्क.क्रेटालयाचीर टि.ट्राचा. क्र-्रामुन्द्रिरायसन्यत्वरम्यान्यस्य। । हे खेलाया हेना पठल गु(ला. 12 प) मेहा । वी पढ़ . क. मेश. हेर. पर र मा र दा। । मेशर सम ची प हटा रमामितरार्टा अर्मा ब्रह्मा । हि सक्तम् द्यापन् प्रेट सर्पाट रेम मदी ।दे.प. हैव. स. वे. मरं. इसम्मदी दिन हेव. म. मुं। पर मेणा ह्र. च्र. वृद्धा वृत्त म्यू. द्र. ता । वित्र नेश्य में में प्रति वृत्त वृत्त वृत्त वित्र में स्. ब्रुट भट्ने ते हे र विभागित हार हुए । विश्व मा हिन्द्रातातुनापति अवस्यान्य पहारापति छिन् सन् कन् परार्थापदि ।।।।

पडेग्य गुै'क्स'पर्यप्रमार्भर'पर्द। दि'श्रवर ग्रुत मेट तहेद संग्राम्बर १ म द्वा । यर इसस मद सन मनु द स्व सकेंस महस्या । १ रम देवे अवर द्वैषय दे द्र अहर्य यर प्रेंप व्यव गुरु गुर द्र पश्चर प्रेर प रे वर्ष है। प्र में जाइत मेर तहेवा महिल स प्रेस सर्व सर्व तहेवा न्युअर्घा सेटा हेटा ठवा चले घाने वासका । छाप हे ही वित्र हे हैं। हिन यहका ८५६। यह्न म स हुन बहेद हे प्रकेर के रे पहुना दे द्वा मे पर देवन सु अद शन वर्मिट्रट हिंद्राचंद्राक्ष्य में या मार्च मार्च मार्च मार्च में में में में किर दे दन नैस नह असाय है। यद लन मकु द दे परेल म दर। देवा म קבן שב חקבן הבא חקבין קבא חקבן ביב חאקים र्दा तश्रुद्ध व अभीव दाल के निवृत्दा र्दा हैं पाल के निवृत्दा देवल श्। शिर पत्रे श्रेर संबे पक्रेर.रेट पश्य.तपु.रेत्रेपया 🖫 वात्र.श्वी.वि. धिमान में प्रबुद्। चिन लेस पन्नवीयान्। है. इबिंधु ब्रीटा। विवास पाट. हिर। वित् हे श हैर हे हिट कर पड़ी नर. रे. पिय. रट पिय रखनीया ह्नेर स. या रेट. स. या चेंबरी बेंच. रें चेलू. रेंब. रेट. जब बक्रूचे ७ ज्ञा विदः 5'월'원 정작'도도 잘'의 정작'의 표도 띄면자'다 없다'목작'다들도'도다 다중하다'다' ट्यांची ट्रीयन व इत्रायाय होता है। याना (का 13 व) स्वापा शिन हा नु पदित इसायर हिट केद पदि दूर स सु प्रदार हैटा हिट खुद पकुद जुद विषयावर्ष्ट्र संस्थात् । अर्टेस हिन् ख्व प्रम दे मेव मुख्या । अर्द है। इससाथसाम् उपिष्टिमार्मा विष्टु परिष्टि नियम मेसामाह्य । सर् ग्वर मर रेड् भा ग्रेर हैटा बर्य हैटा इं न्यर हैटा मै में से लास्वायायास्युति श्रीमार्वि वृदि तिम्मानु खुलाकेवामञ् प्राप्ता प्रवास गणा ७ ह्या.ता.अर्. पथ.वंशटय.पुट.। वंशट.च.चथम.वीथ.श्र.विच.घध.अर्. त्यत्वतास्त्रं हूट व्यत् पर प्यन्तार विषय हिट पहि विषय स्तर्

पत्र-श्रु ८८८-तर-भ्रुश तर-तुर तथर-तथर-रू। ।

दि है मोर्ट-तु ह सर तथ है खूल लक्ष-क्ष्य क्ष्य क्ष

न्युकारा दे। तथनामा खुल द्वाय दमा गुर दु दे वन द्वा । तदमा पष्ट.चीट थ. इ.स. टर्. मेंट था । चर रे अ ह्य अक् ल स्वीय पड़ी दया । वि रचन. ६. च बु. ह्वेचेय च बुढ़ क्वे. अष्ट्र र. ४ जू। । अष्ट्र. ४ वेथा सर्वे इप्तिह इट. त्य पवेश । ट्रे.हेर. हर्षेय अष्य तह हाट ? व्यवधा लाहरीं मुद्रा देवार के अक्षेत्र में दिन देवा त्यान माहर होता है दिन देवा विट.पे ४.४च.स.रची.४८४४.तपु अक्ष्रस.स.चारस.४.हे.४.स.चारस.४४ ... देव-वे.च.सूर-कुर । देव-वेट-वे इ.स्.मृब-टर-विव स.सूर-ला दे-वेहेब-गु पर.रे. ह्यं.तेश.तु.रेय.रेप्ट्रच द्यत तै.पय.है.रेट (थ्र. 13 प) ४ प्र. प्या. बैर.त ७ भ.ट्र थ त.बुब चेर्यय.त.प्रींटु.चैल.त्र.भ ट्रयात.यंदेय.तप्ट,भक्र। ब्रुरामाल बेटानु प्रमान् करासम्बद्धराम् अभागामन दे। । नेदे सुनामामने ब्यः|मःस्यय ग्रैःॡःपद्धेरःम्बन्यःयःम्रःध्वन्यःवःमन्।श्चरः घःकेदेःन्द्रिःःःः पर.प.यंथ क. प्रीट. पार्थे, ८८ पा क्रि. क्रे. अ.प इव. क्रट. प्रतयाया क्रे. क्रे. क्रे. विपायाया 리네. B. 매포네. 비. 네૮ C. 너고 '다. 보다 요. O. 다. 저를 '고, 음쪽 등 라. 와 너글로 오 C...

लयम मा व्य विषय द सन देव नहीं तर पद व व व हा ति में ने ने में स तर्वे हेट राम मा चिट कुनिय व मन अट ने है नहें ट रह'म वस ह शिंद श्रृ में बाज़र की में अधरें र श्रेट ध्याय या। देवत के सर के तम की के तकी. न्द परल हे अके अ इंस धारा ताब पनुब पनुब पायल सु पार्सेर ब्स धुँपाल " प्रवृह्म मु के हिंद प्र र स्पूर्। । यह र ज्या र हिंसू दी हा वेस मु पहे ने 튀드 다듬지 김 저도도 본 중의 첫도 다.날 훓여 여러 중도 양도 다양 뭐 다지 독립 ... बेल पु प तपुर बेर। नैर देल है पर सक्द परि हीर भेद पन द ह्यूरे हिट देव निवास का उनसान ने बिंद किया में इसस क्षेत्र कर बील दस व नर मुंदि हैद। अभवाय इवका हब्नु क् विंदि प्रवेर दु त्युर पर पन्दि दे। । सिस र स्वाय में स्वाय भेट वीय वित् यर हूंना । वित् वावन वासम दे सिस त्यन्य में अन्य रत रत ने अत नेय वित धर हैं व स है। अय केय वित यर दु तळाण्य य दर। वर्द तहें वे वा सय मेर स हीं द की छिद यर व छुद नर्दा शिद्रेर श्रुष उदल प क्षय गुरू पहें स पहें सुव गुरू पर पर र् है स है व किय नास्त्र पर प्रति है है । देर ये सिर देर है है सा सन्य तः सिर् भे देवं त एकिर व दश होने त्रेय एट्टे तह लूब धेवं जाया सिव टि.... . पण्ट प ळ द परे छेर दे सद पु जाव की IE' अप (के 14 व) शेव' में न्वत इस्य के के न्वता । शिर पहु न्वति में दे द्व ने वर वसारह से शिर मी ब्रैट खंद मु मार्ने मान स स स ब्रैट मु बेद स कि द मादल मेटा। माबदः ताई अथ प अर पत् च नवंश तर्टा शिट संव देशस वंपट नारू. पूर शिट. व सद्य इवस द्र पुन्य वर्ष्ट्य द्रव स्ट्रियर चलेट ही । द्रेष्य के लेव इ'म दे भेर रब मेर रद अपहल परिम दुरु है है अपन नेर हरक भेर हैंग न्युन् गुें तहन म न्य के मय के देव ज्नावरामर मन्द्र है। ।

चल म.द्री रक्षेल म.ल रेबायाबारेय हे.या.ल.एव । रेट ठ से.हेस्य.

निवंत्र की अब हु प्रत् है। नि भव ह रा प्र प्रें प्रवंश भवा । हे बैर ७ में. त टीय जिल अ त्यं ते हुन बंश टब शूट हो ७ में त यो बेंच ही बेट .. मानेस न्सुत म द्र में द्राय है मह मह स के स म है। दे व द्रुव मिर तर्च म वे तहस हीत तर्दे रिंग न्यम कर हिंद सम है न व सदर सेन महिन्दुल म केव मा लिन्हें हैं दिल मिलेव रम मुळ मा ळ मा 5 पन्ते कृषे न्। टि पन्ते। महैल.पह्राक्षा ह्ये बेचे लट श्य हे.क. पह रश्या प पकुर रहा। दे'र्म स सर हम पदी रे सर पह सम रे.रे. व हैं पिहर पर देखेल पा के स सरा र समा तरका है से ह पार पर दें रत मैरि व व र । मुझु किरे दमाया हु में र य केर रे यही यही वर् त हे देशव की अधिर जूर्या थ थे छ.पेर क्या कि पेर हूं जात करा अ ध्वाव वसवा ल छ बराना कु. हेर बर ना लिहाल. हेर नेव ना नहीं हैर नियाना महि हराक्रेरान्य मार्मस्याने चार प्रक्षेत मक्रिं क्रिं हर। देवर ह्मैर इसस र पुरे सुर में पादीव पु जानम कु के पर सिंप्यर क्रिय है र है कि पार भेरतमाता हिना वेना के दा हुर व नहार मार हुर नु तर्ने न न मार क्ष्यंत्र क्रन्थान्य पञ्चत्यवर पृष्ठमानु क्षे नृत्यं सामा । है केरे नुसुलाय न्न दे'रे रेत्रान् अ'न्न'णुद उद्दा हे र्व किं 14 म) लय लय गुम महे इस मह में मान कर में रह नाव य देव मा केर्यम मन्द्री । तर्दर दक्षा मालेशना भाग हैर सेट टे.व र म है। हेरट ल मे है साम है व है साम द न्याय केया नि राया न्यार वर ल्युर वर विन ह देन व दुन अन गुना ब्रेन्'यस संस्। र'ग्'लेर्'य ल'ब्रुर'र पर्सन् देवसंक्रिन्यर विन्'यस-न्धुल' मर्ते । भिर्वाय वे तहरा ही दार देते रेना दाना कर साम के विष्य के दान में कुला म् नामेन हे नान का मेटा। देश लिहरा मुं रहा है जिला के देना के नाना न्दा मिन्न क्रेना हर खाना लाक्न क्र क का हुन नह कर

मदे न्व स विद दे दे ति है ति स दे स व दे स दे स म व द द म व द द म व द द म वित् है। ।दे यस झु केद के दिनास में देस सु माईनिस मा य सनिस के दिनास हि पर्तेत क्य कि कुन हैं हु राग है ते अवस खें क्रिट चंटर सूर तर चंचर ... । भे द्वाल देश मत्त है हि झ लस रम सि है मेन हु हिर से ह्वा तर हुए यथ यथ चज्र भूष जैश भूष में रे देव तथ हा रे ने सह हा । रेटें र स् दै' वद प्रकु' प्रत्वस सम्परे हुँ प्रस्य म सेव बेद । 📑 महे नवस वै'कु' सर्वे केन संक्षे देर' शुः भ निष्या राष्ट्र पर्या में हिन्स न नान्स म इसस कर मी सिर स प्रविद र्'मादस'यर'यन् हरा है'स'प्रद दे'सहर र्'से मासस लदा द्व हे 'लया रे राम के राम है मिट के टा के विकास अब में कर मु ८८ मुं न्र द द समुलाखेर लास्नियायि मार्ड में केव में देशस नदसायर र न्युः स् स्। । १५५ तम् वेस्या ५५ दे तम् । वर्षे । वर्षे । वर्षे । गुदः हैर खरे झु युरानकेना नका विना मारा तहना मारा वर्षा द्वत ट्रे.केर चंच कु.च.पथ.चे चंबानर बैटा। के.ब्रव बु.ख.ब्र.प्टें में.पथ. यहुन् वे स्व(अ· 15 व) याक्षेपनुन्किते पहुन्निः वे स्वायर ज्ञान्य स्वता लत् व ख र ख हो। दलव परे देव की दणवा ख खेर परे। ।

भद्र द रिक्षेत्राच दश प्रदेश पर की प्रज्ञाच इसल की लव लच वि पर ग्रंट चहे. मन्स ल इया त अरे ही। अ. लेल की. ह येन हिंद केट नहीं लेन किट हिंबा. ल स्वीस त लिट चारे दे तात लूट चल व टे.रेस केट ई क्षत की मद्य समाहेद रु त्युरारी । सुद मेर हेर द ह मासुमाई मेर मद्या । दस कैल. किट च ब ट. सूट हिर. है. व. हैंगे । हैंदे कल स बाबे स्टब परेंथ हैं जान. बक्रम ।क्रम पनट ९५१म मर्देर हैव मनसर्टर परमा ।रेप्य हुन मह हित्व सुका हु हा पासुका हु पानास म हु। इससा ग्री पान सामिता है। देवत सुका ब इ.पालेश टे.चेताल त द्वा टूर के.पक्टिरा व सर.कु छ.पाहेला ट्या प्र पड़ि.चाडुचा है अपडि.चाहेस झि.पचीट प केर जाया। है अपडि चाहेस में मुद्र द्वद में दे। दर् द्वा वि वृहें में पकु है दे द्द। मुद्र क मिष्टे अपन है हैं। दिन दे वि नान असी विश्व दे हैं। मुख्य में हैरे मुद्र मिर्क रहें द ईल. रें दें हैं जसार विरामा केरायी । कूथ मंत्रम अव्रामा है प्रचीय अव्राम म्दर्भा । द्विम्यः महिम् नेटः मन्दर्भः मन्दर्भाः । दम्यः द्वेदः क्षामहेसाप्रत्यात्र्र्राय्वयायात्रः। । तहेस यह त्यामान्याक्रम व्याभाव-पावना । (क्षेर 15 प) वें र पिते हैं द र प्राप्त न पर गुव पानन ब्रैंदा । पान्नर खेपा पट र ट खेर पारे ब्रेस सर्दा । स्थ्रें प्रसर कुं प्रस 그리·ㅁ 흑·조미리·회제 | 를 자·ㅁ자 오른미·두· 여디· 첫 · 를 두·다· 두 · ! बुरावन्त्र नदान् वहरात्रम् वार्टा । ब्रायतान्त्र द्रमार्शन्याने

प्यात के क्रिया तक्षित पर्या । १९४ अधुव तिविर पावस अधि पर धुँद

32 त.रंटा विश्व अष्ट्रच चार्च संट अ हें या रंच है। विश्व रें के विश्व धुषि इस ग्राम वा ।देवत प्राय व पनु पुर की य प्र इस धर नुत महीमार माचर में माली सही ह्या है था रिसमी कर कि मारी रेट एवर अ थी .. न्यान कर खेद राट ए स देव में केर म नाम मन है नहीन नीय मार्सेर मा हेंदे हैं हैं हैं पर विशेर की खेवांच है हंच है जिन्मी किर हेंच हैं है है वि विक्ती द्र तब्द स सु क्षेत् द्र माई स तथनाय य। स माने मासे म मी रू माने म त द्वं प्र के के क्रुवाब तप्र बर्ट्स भ पट च चमि के विश्व वीय चर्म होट .. मैद मारा सुर तह समा देवे हैं समाबे वे देव में केवे ग म वि दुल सूर नेस महेबल तह बिट देश र मुंब तह कुब हैं म करे। हैं बंब पढ़िंह हैं केंद्र में . मधु व छेतु में कू की ये न कि मधी देश मधीर थेर। येर कुब सू मखी रह बिर से व ये भर दा व का तह ब्रा हिर के व किया । नेह, भर है ने व विर खुन न्यन कर हैं न मेर् यर मेर है से केनम यर किय रूट। कर रे रूट रह मर हूँ धुँनाय व हुन रजुर कुँ करा निर्वा वुन खुँनाय व रहेब मरे क्षार्ता प्र क्षेत्र द नात पर क्षा हे हित क्षा ही साना के क्षा ना लट. ट्रे. ट्रेंच में है ह्रा हे व ह्या में बैट क्र अक्ष्य व ट्राच प्यंत्र ही कुट. ल्ला पर्वेश बुबानी म बेर रे.राम्य कर क मर्थ बीय हुए की ये रे ... र्यान् कर् वर्षे रखनाव या (क्र. 16 व) सारा पर्या क्र स्मान् कर् स्

महुर मुन हेट ९५ँ५ ५णु वसल ४५ ९मुट म ५८। देहे हेणा द त्य म निण्म म सु सुति हैं योग छा के दे ण बेला सु म कु बेट रु र्यण कर्सू महु न्द अबल सूर नु न्यम ळन् हेल यकुल ल्वर यहे यु यदी य न्दा । हु न हिंग में हिं बेत अक्षाय के कूल तकेंट देंहा, परिवेद ल खेल दी व टेतावी कर टेवी पकुष रिष्ट परे बुँघ या। हेरे रिपुष द पकु पुँद गुँव केंब परे प्रोकेर चुँ वि ५८। १९५० राज्य इ ह पा१ंय मुँ पा५व व प्यय व द्यय ५८। नाबाब कार घना कर त पदा घटींजा घड़ क्षा मुँ कूंका घड़ी रह बाचाबा घड़ हि । मु नि । व प नि म प नि नि नु स की व तक य तम क्रुंग यह पनु न है है पुर यद्र। त्रार्विके राव वाहेब दर क खुर्य कुँ वु दर। ह ब्रेंब कुँ अुनाय क्ष प्रमूर बाजूबा पकी क़ूट टेट चर्छ ता जूबोङ चलाल कुछ थ विच ता क्षान 도니 爰기적'다형도 미국도 월 4 미자드 다 다 미지 국 본 현 여자 급 다 ặ리자 현 माब्बर्ट एडबर व वर्ष हैं। । दे ब्रेट ब्बब्बर ह्वेब् कण्य हु छ ला। । महेद घढे रघन चल रमार हाद रखुल रमार माबदा । ह माखुल की मादल देवे केट बुँपाय व रेस प पदीव में द व स में द र प हे पाय पर है स श्रु हमा भवेंद मुे.जब जब वैंट् पषु बोबेज लब बिट ब्रबोब है.क्षब मुे.उट्नेर त दीज.. टे.विंट त बंध भीतर ब्रीब कवाय त है है थ पड़ेब तह है बंधस क्रट.त पथा र⊏ घर ०६ँ र घर पाँहें पाल गुट छुं केंद्र गुँ २४० रईं र र⊏ सुल पहे २४० ०० तथा पर्.ज. में में इस में इस है में हैं यह है में प्रमास हास है से में इरा चैल प.भ सथ.तपु.कूथ ग्री.रचील च.२८ र्व सपु रचील र्वें रूट. मुब पर्वेष. तपु. पर्टू ट्र लूब. प हु ट्यूर. ध्रुट. तपु पर्वेष ट्यूप ट्यूप यावर. ख्रुव वबुल पर्व मिट्य क्रिन ल'न्यर बेन्'यर वाबन व्युत्य'न्यर बेन ने वर्नन थे देव हुन्। में । कटल देव । इंन्य महिन्यः निवस निवस निवस हुन् । गुद् ने निंद 5'रिन केद कट' 5 है। ।(लै 16 न) दें हेट स हरे 'द्यट हुन के

प्रवास स्वरा ।दे द्वाची जिंदा दु कदस देश स संग्र प्रवास प्रश्न ही. न्द्य पहुं दुन विद द्व विद दु पहेन्य सर कन्य नेदा देन गुद है मूटारे. प्रवे श्रुवे हिटारे हुं बर करेटा तक्या वेडेवाया विश्व वर सहस्य चर्छ. पर्व मु जनकार है। देवद अवादेश पर्वेद प्रवस्त महद रहा है। हैन ताश देवे वह इस वस्तावस इत्य व है। देह हसासी वहिन्या वह दिन रेया हिन्सायर अनुव व तन्त्र है किन तर्देव मण क्रम्य मरि अनुव व त्रेंदा दले हे हे द्रां प्रथ ही स के कि के विष कर अन्य नाइदासक के व कूँद क्षिक के अहेद गुै वद्य व विदेश केद के मुख्य। वसम मान्द महिल दा था रह मेल में ह अ'ल हैं स हे हिंद में हिंद नह मानल द महिषाना करामि दिन कर। दिन में विद दिन सवाक मानुद से दुव महिः हिंद गुः विंद दर नायलाय नार्वे यान के बिर नाद्य नाब्द ळ द अ द ' रें द। अवत'न्न'व्ह वर'वेन्'यते'तेन् नायल हे'नायुका वसकानाह्न नायुक व ला केन्'गु'ल परि'पने'प वे रप'तृ हैं'परि'ड्डेर'न्वे'प'हेल'पत्वलम्निनेट'ने'म्न स समा हुर परि द्वे हर। पदे परे देव सम कर पन् पन परे कर् कर् प्राप्त । वरिष्य दे केर कुष भिरार वेश पर स हा दे प्राप्त की प्राप्त लब लेव त. है. इब दे बुटे. तह. देव केंब हे. वंबेश विश्व वे वे वे वे वे स्प्ति हैद त्विन्त्राय क्रिंतिया क्राव्याय क्राव्याय विद्रार्थित हैद केत्। चह चह्नद्वस्य वस्त्र हुन चह चह्नद्वस्य हुन। ज्वराज्वद् द्व रहेला पह स्.में सथस.१८ जब ४तेय ते.भक्न में बैर.तह.४वंबते कु.में.स्.मेंह. मान्स मासुकार्ता वान्यावार्त व वीताव क्षय शवास्त हन् वी विर धर भे के परि भे के पा। हैट दे तह व हुद यर ठव हिंच प्रमान में दार मा है व स्टबारि, मेर्ट च सर् तपु समी मेरिट यो रया है बु बुट अस्या है अहंब (क्. 12 र) तर केंट चंद्र के दूश केंट.चं अहूट चंद्र के व.र्ष शतर देव

हिट च ब ह मेर मेर मु अर्थित। मार मार मार द र द त होल माल तर लग संद ह्र हुम म मूट ब अट नार स्मा अव। रहे ल देल सं रच चलवल सह मंड्रेन्यामु अवर युन्। पार्येद प्रमायायायायायायाया लेव गुर डेर रं। त्मसायु के प्रते खुँ मूला प्रवा व रत् . मेला छेन् प्रते प्रवा के स्वा स्वा स्वा स्वा मन्द्रिता मलल जान्द्रमाद्वीयात्रित्नाद्वीमान्द्रमाद्वीमान्द्रमा अद्याया द्वार्थं स्राप्तवाया अद्यापट प्राप्त है है। तह व व व व व मन लर् दी। दि लय के के पान कर देना के व की पर दे तथनाय पा दसम व क्रेन्र क्रे प्रकारवित्र प्रदास सर ग्राप्य मिटा हिंग क्रेक् रे स्टर्स स्टि प्रवस किंद्र'यर'सिट ग्रर'प्नित्र य स्निश'सर्द्र'र्टः। स्नित्र कुंद तन्तर हिन समः मसुद्याप्ताप्ताप्ति स विम्याप्तिमानु सद्यादि दिदा स है। सम देहे वृद्द न्मदः खुन् के द्राये दे न्द्र विषायाय महितानम धुन् हमा हमा है। यह न्द्रा । मैनाक्रद्राचर लटाचन्द्रा विटाद्य मेंटा दुरिक त्यूर के बेटा तथता । देन्त्वानी क्र-्निवस दिन धर अद्व धर स्वास समार वृद्ध दिन रवास धरः **ผู้ ๆจุลาวิ เวา**ที่ตาจุลาที่ตาวิ เดิสาดฐา เปิดเปิด ลิ เดิต เมียงเป็น วิ รูตา न्मराष्ट्रमानिकालयनाकायरावर्तर्त्रा । द्वालेकायवर वेनव हुरान्न्र रूपे इंग्लूबर्हे तिर्देश्वत्र ग्री विकायवे देश सुर्भेर प्रायायवे देश प्रवास करें बानत विभामा बेया पुरे । सिटा व दे पा है। है विटार्स तारार पुर पत्र सुरे। । मार्थितात्वर मिर ही। हिर मार्थिकामहिना है हेद रहा मी ने मर पहिना। दे'न्न'क'केन्'नुस'स्यायुम्पारारार्द्न्। ।दे'धूर'मन्द्रपरि हुँद्राम्हित यम मूराम्युक्त के मूरा के द्वार तिया हे दे की मिलल प्रिया र का की मार्गे मा इ.से.प.ध.४४४.रट.४४व्यक्ष.त.४४४५.कु.छ.५४४८व्य.प.८४.वा वर्ष पर.कट... मृंग्यानेटारह्म ला देरावनाम्बद्धारि हेट (क. 17 म) मिनवारमार प्रवस कु अक्रेरे पार्गे द्रायरे कुला दे स्वाय कुला द्राय है अर्थे द्राय है स्वर्थ पार्थ स्वर्थ पार्थ स्वर्थ पार्थ स्व

स्य प्रस्ति स्थान क्षेत तर ह्या है प्रस्ति स्थान स्था

स्वेश दृश (क्ष 18 व) ग्रीय जीन नर न्वंदि हुटा। सर्रा व प्रमा हु। मान्य प्रमा निष्य न मान्य प्रमा निष्य प्रमा मान्य प्रमा निष्य प्रमा मान्य प्रमा

म्ट बंब ह्या है अब हुब जीव अष्ट्र बंब अधर. ट्बिल पट एह्नी हेब जी घर. र क्यांब ह्यां

महिश्य म कुष पर मन्द्र म दे। दे लद महिन्स केद है। सकेद ह मही है। |हिन तहेव में प्राप्त के के व प्याप्त स्व सेन। |देवन मानुग्र ब्रेन्'यते प्रमाय स क्रे'मकेन स्'यबिन गुण्य है। विन पन क्रे हिस पन प्रमृद् द्व द्व द्व प्राय तप्र 'ब्वि व्य रेव चुंच रक्ष य हुर येप्य गुट। रहेर म मने मिरे अन नु प्राय देश की मामन ना विन सर ने द र हिन कुंसम ८६व में ह्वेर परि'न्य'स्'व्य अपिर'हेर'अधर अधर अध्यापर देशापर "" वुर्'हेट लब'रे'हेर क्रें 'बेट'बड़र च लब'वुट' चब तवब वु'क्के'च'लटट'रे'' क्षेश्वर मेव पार्व मार्थ देश मार्थ मार्थ में स्वर्थ में स्वर्ध में स्वर्ध में स्वर्ध में स्वर्ध में स्वर्ध में हे इस नेव सबर प्रयास्य श्रेमाय इसायर चेत्राय है स्वानिय सबर प्रयासि के अदा के दे में कुंबा पर के पर में दार में दे पर के पर में हैं महेदा त्रु नेय दे क्र द्रारा स्वय द्र विषा है दर तर विद त्रु नेय केद मदिग्नुद्रम् ईत्रायर द्वाराये द्वाराये द्वाराय चेत्र हत् त्राये वेता केता व च तपुर चर्वे रत् ने व के द र ते व के द के व के के के के के द के के द के व न्य गुर र्वेप अर त्वितार्त्य में राव्य रेप मु अकेदाया व्य रहेवात्रिर न्य हर में हेव ल है अके द पारे असन पढ़ी मार मान पारेर है या देश। मा हैना में दः स द्वारा तस देना देश देना है रहे स के अर है दः चरद स्ट रा P हैन नद'र्स्व'म'ने'न्याक्षेत् म'न्बन मृत्रद'त्य चयास'स'देव ह्या ।हिन गुद न्याते हे परके मन्यायन सेन् सेन् सेन् सेन् में केन्य है पर है की सेन् है प कर, ब्रेट. तपु, एटे. पुंबा द बारे, पर निया ब्रेट बरे हराजब रचावारार खुटाजी दें हैं दें केंद्र वा पादें प्राया देश प्राया का वा का अप का का वा का विकास का विकास का विकास का विकास का विकास

पदिव न इस नेय गुंदिक निरावसामाता सम्बद्ध प्रत गुं रेयर पर वस नेर । र शुर पत्र सर्व त्य मेन मेन मेन किन हो। सर नम हैर दे तहन में रर ल नवस मेट कुंद रेट घर में बन पन। देर जट देवे से बन त्युपा पर मेद ह क्षायक क्षेत्र मा ।दे भूम नावनका अद्रायत मामला प्रवे के हिन दे तह द कु में वित्र वाप्तिवारा रवायन वाद का की देन वाप्ता के कि वेद वेदा पत हैत ह्रिन हु न्द्रनाव पर केर्दे। स्त न्द्र हु क्ष प्ट्रिन द्रिन द्रा मे लख्य या इवय हे हेर ट्रांदेर बाया यह बेर हा । तिर्देर बह्द या या मा हव वीयाव विवाय केन्। विवय दिवा केव की केंद्रा देश होत नु विवय पारे वादयान्त पुरुष्यर १९६५ म ६८ । सदस मुख बल में के लया गुरा। न वुन्य ने द परिकास गुःस्तार्टा वर्मा न्द्रिन्द परमा हेर्र्न्ट परमा र्षेत्र न्दान्यसः देश प्राथक्ष्यं म्बन्यान्त्रम् विद्राप्ति । นละชาเพลา ปีเชลียานเปลา ปูเชลูน์นั้น เล้านานูปเล่า केद यं मिन् प्रवेद वर्षे वा वी कुन गु न्विंद्य में द्रान्य। वी वा वा वा विंदी है. पटु. बेच अ. ग्रेच. में बेचे ब. जब मूट. टे. टेन बे. नपु. श्रीवर . जो वह . देश. तर्त्राचे वे वाराहि व वा विवाद स्वाया विदाय हैता है तह व की खिया के वा है व तर चल्रे. र्। विविध्य विश्वराच्यामान्त्राच्ये प्रताप्त विराही । सः ब्रेरे नदस्य नस्य महत्र रेन्य नस्य नहत्र हेन्य नस्य नस्य । १८६८ मा र्टा तथा विवादायान्य प्राप्ता विवादा विवादा की विवाद व वांत्रम सं.पोर्थ द्रम पर.पटेर.पूर.प.ट्र.टवा.इ. १४ .टे. पर्वे.व. पथमाविद. चर्दिर मुनासायाया प्रस्कान्तृत् पदि रिना हेत् स्वास न्र दासारी न्युक्षायर द्ने कुष सन्य। पृष्ठेषायर हिन्नुस्य प्राप्ता द्रार

क्रमा केर्पा स्वास हे स्वा करें रिवा तरि वासिस वासिस स्टा म् ह टे. हैंस. म हरातारहिन हैद कनवायायर के हिंद पु सेव देन मा देना व। मससानहन महिनामिर है हिना के एल्या न क कटनामिर मालत के नि हैं दान हैं हिना देंद्व रेस चलेव सकेद्'द्वाकंट्यामास्तुव'व'रह्द्व'द्टा कट्यारेस स्वाय वयान्युतायते पर प्राप्त रेमा में या का व्यापति । सामा क्षेत्र देवा पर के इंग बर प्रवास मान्त गासुकाया द मार्दिन मृ क्रिया स्वास ने सार्विस स्वा क्र-द्रन्यः प्रकृषा । क. चट. द्रवेश च. च कु ८. च कु ८ च व घ. छ। । १८ ५ ८. च. बुमाइ इ दुना है द र पुरा । १० दें द पित ह द तिन य न ह वर होता हर-|वस्तराष्ठिः चस्राथः २५६७ कन्यः ५८ व्याप्यः २५६७ । वस्यः ब्रेस्य मान्यः यः । । । लट.श्वरी अस प्रवास मा हबित श्वर श्वर श्वर श्वर कर नहीं ने रान ने श्वर व्य-प्रकृता त्य-वि-प्रकृत्य-पुन्-प्रकृति का-प्रविता चक्री सट.रक्षिताचक्रीर.चरुक्षताचक्षाचकार्द्रस्तानक्षाक्षाकुरक्ष वै.ह्नेटा ब्र्या. अर. ५ ह्या. हेव. क्यांच राष्ट्र श्रीय थ. खे ८ ट. हे. श्रीय वर्षेट्र राष्ट्र हे. १व-मद्देद-मृह-द्वत-द्विह-अक्टर-सव-८म्-त-दे-दन-१९८-दु-मुह-हि-। । ng·k翼·ca·k翼·ng·ng·g·g·g·ς-1 多·省·案·n雪与·克·ぬc·舞动·ロエ・ न्वन ।र्ने महान्वर मदार्द्र हुन रद श्रेरावेश परे रस् मार् **५७०'म-मकु**५'५५'९वॉ'५८'के'५न्य हे'८व ८वॅ'मकुर'छब मब ८५ँ५''''' माहे.मे.बुबार्यावयात.८८.। (जू. 18 व) श्लिट खर्.तकेट.ब्र.ब्र.र.टे. तथ. तर्दिन्यः है 'ने क प्यक्ति दिन त्या । दे क प्रति दिन त्या न पर्वे.तथर.खर्.वीट.वार्ब.विवाध्यात्र ब्रिटे.श्रवीय के.टेट क्र्यायक्ष्ट्यात्रमः.. द्र-ावर्षा । स्य.य. र ब्यायह,र्माना स्राप्तरमाल, व्रीरामाल र के. र ह्या

रा महान्य ता सुर म केव मल है। स है दि तह तह कि समान समान है। तह हि है प्रमुख्य समान समान स्थापन

क्ट् ग्रेट इस मुस्य-इट टालुब-ब्रा ।

क्ट् ग्रेट इस मुस्य-इट टालुब-ब्रा ।

क्ट ग्रेट इस मुस्य-इट टालुब-ब्रा ।

हिस्ट ट्रिल पावस मूट स-इसस्य प्रिय-इस्ता ।

हिस्ट ट्रिल पावस मूट स-इसस्य प्रिय-इस्ता ।

हिस्ट ट्रिल पावस मूट स-इसस्य हिट-अस्ता ।

हिस्ट ट्रिल हिस्स हिस्स हिट-अस्ता ।

हिस्ट ट्रिल हिस्स हिस्

यां मिश्चेश्वः प्रश्च क्षत्रक्षत्र कृते यां मिश्चेश्वः वृत्ते त्रक्ष्यः मिश्चेश्वः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः याः विश्वः याः याः विश्वः याः याः विश्वः याः याः विश्वः याः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः विश्वः याः यः विश्वः याः याः विश्वः याः याः विश्वः याः याः याः विश्वः याः याः विश्वः याः याः विश्वः यः याः विश्वः याः यः विश्वः याः यः यः विश

द्रास्त्रवरः तरः तथ्येषः वेश्वनः वे स्वाकः वि स्वाकः वि स्वाकः भेदः श्वनः वि स्वाकः भेदः श्वनः वि स्वाकः भेदः श्वनः वि स्वाकः वि स्वाकः

बर वृद्व या नि । अव कु निविध नि इस धामा हे व प निवा हु किन हुट । भू लुल घरेच में घडीर घड़ चीलिंट टेचेश सूचीय बेट बरे.घटे.जी ब्रिटानर ब्री अब घर क्रेय प ख्यंब इव चर्षा क्रेया क्रेया में अष्ट्र अव अर्पार """ है, रेंगे लय, रुष क्रिय, सैंद चंह हैंह, क्र्र क्षेत्र रेंग्न रेंग्न वह, खेते हैं, चंह या परि'रिर्न्' हु' इसव में में जुदरा दे हे दुप है। दियर द लद स्त प मुल' केद्रदेश मुखे महरे कर बच मु मुस महे में 'सं'ममु हक मा से 'म' से 'म' से 'म' रया क वर वस्ता छेत। सदर सेत्र या वस्ता वस्ता वा विवा वी केर वस्त हरा। मूट पुरुष इसल सल ह युर उद मु के ल म हूर हैस हुट दल ले मनु रेर " हैलारे किर्मा प्रति हैल बर् य र्टा अहम दिर। प्रति क्रम स स हामा इं व तक हैं ने वचूर रें। । वि इनिव इवन गुैल केरे हा पारे ति बनार्नु महिल पर में ले पर्ये विच त रेट । अहारिस महिर ले श्रे देशस ग्री विक न्द केरे क्ष्म कु'ह'म्बुल न्द सह्दिय'यर प्रमृद् केद'। विश्वामानिक क्षत् हसाय क्षत्राम नहा विश्वास्त्रविक क्षत्र हसूरी मिर तर्मित ममिर पर लर्मा रेश महिर मार हिंद में भे हैं में इसस केशातवरार् में नारायरा छा बिटा। तर्न में हुनाया तरारे मा केश मुद्राचन्त्र गुः पद्धि का नहिन द्व हुन ने परार्दा। के कर् गुद्र सुरा स्वन्त 되.뉯.호d.그림.듁.ㅁ요! 다 어느 ろ는 너.듁.ㅁ릴! 뭐.为.참 d 다.ケ는.더니. E. Rकें 'बेट'। मुल' केद'रेल पढ़ी' प' के से से 'पठु' ल' केद' बन नहेन नृ (कें ' 21 व) प्रकारप्र, ज्ञाल प्रवी अंथ ३ ६ . पश्चिमात्म, ज्ञाल, प्रवी, प्रवी, प्रवी, प्रवी, प्रवी, प्रवी, प्रवी, प्रवी, मदे ल हैं द स्वाय रेग पढ़ित विद अहे यात युर चे य विद र खुल द्वार चे द तरु.तर.रे. पुन्नतर, ते. बुटा विवाय विशय त. इनय. दे. मू. शूरु विवाय न्यन् क्रिन्न्वला परि मान्यान्य सहस्राधि प्रमाणा म् स्वतं सु तह है।

महत्रायादी वद्राया देश के दिल्ली हैं तुला | इयम बेद दयादै पहु पर त्यीय य प्रा । दि द्यायकुर् विते यर पु त्येल ले ख्याया। क. ब्रेच भ. ब्रेच चर रिची. पर्यू. प्रमेरे. जी । प्रमुख प्रमुच नेर श्रीर विश्व प्रदश्रुं नृत्या । तहस्र ह्यात स्व शुः साधव विन्यार तस्यवाया । हे विष् ब्राम्या श्चित् नरामुद्रा श्वराचेत्र के क्टा ख्रामा स्वरामा वेता मु देस मा केट्री **इन्'सर'ळे 'सॅ'८्पन्'से८' युन्'प'दस'रैस'पर'ग्र**न्स'ठद'ग्रु'न्दस सु'ग्रुर'हे। वर्षराके मि परुपरि पर पुष्तिपायरे प्रमुख्य स्टि में देते वर्ष सुन वर्ष बर्डद्'न्युक्'भु"मञ्जूल'यन'ठर'द्वेद् सर'द्वेद'दे। देतट'ठे' सं'सुस हु'सहे' नुबन्धु-सु-वेहे पञ्चलामार्थि पनुबन्धानापनुब बनापनुब हे नुपाहे नुबन्धु-ब्द्'ग्री'मञ्जल'यात्त्राचानुब्' विष्पाननुब् मञ्ज'यहे पुनानुवा मालनाम्पर्व त्युदार्द्रा ।दे स्वदायामार्चना रेटा अन्तर्मा ।दे द्व के ला चरु'माव्याम् नुप्तिते परानु प्रविशादिताम् नुप्ति व्याम् वर्षः त्वेलः त्रीयः द्वाः प्रिणः स वृष्ठेन हे। दे र त्रं र 21 व) वः व ह र व कुरः वर कु प्वाप्य प्रविद्वा दे रे रे रे रे रे अवर प्रतासु मे विद्वास्त्र मासुस वैश्वक्र भेत्रपर चेत्राम। वदर पहु या द्वापकुर विहेश्यर रायेना पहेर बार्षनान्द्रेट स्राष्ट्रेन्द्रन्नालाद्वायराच्य्रलाहेन्त् देलां चु देन्यवदे कुटाया พ§ส.ชชน.ชมีบ.ชน.นน.นะ.มิ.โอป.ก.ร.2<.24.ตงน.กะ.ชมีบ.....

मः मद होय स्वायः प्रयाम् प्रा स्थः प्रस्य प्रवेर स्वायः प्रवेश गुद विषाः यर यन् दें। । गुद्र अष्टिंद ब्राँट केंद्र यस अ र्चन रेट में के में द्यन केंद्र नु रिलेश महि प्रिण देशम देश मान्य रद मुँ हिंग अर क्षेम ने सम् भूष त उन्नेद.तर बाबिटब त उन्हें हैट हुबे कुद नी रूट जिबेश उन्नट. तपु..... ह्याल शुप्त बुद्दा | दे क्षेर्व अर्थेन ला द्वा देट क्रानी हैया । पर ही। एक व'वर वकुर रद वरल व स सम् व **हमा के के प्र स**ल स्टब हुर्… प्रचल रस्ति है क्रम्ब से रस्टिंग्स्। | त्रिंत् हींट एट्रे म्बिर लस न्सर स धरः दमा दूसा द न अप द है। श्रीर माबद मासुसार्य दे हिंद मी तम्ब स स सरस हुँ न पर्द काली वे न प्रमाण करा में काल काली है न प्रमाण कर काली कि में में काली कर काली कर काली काली काली काली ह्में है पत्र गुैं से पेद' पत्र ह्में परिर हें ते से म इससे पत्र निर पनि गुर """ ह्रें प्रयः के 'बेट है हम पाल ह्राम्य पर्यः महिम ग्रैंच ग्रह हैं पापहीं र हिंद महिला नर हा नहे हिरा नर्मा रम में हैंद माल सम्बन्ध माल हेदाम इसस की सक्ष में ब्रिल मह से पर्टर एक म पह रहेल महेद हैं वे मर त वर्टर महें में बळव गुैकाहबूदे श्रेट वै शेट म्बद्धात्मक वृद्ध यर नुरस्यमक है। इदाने ह्मित्र मासुक मु दत् द्यारदी दे त्यामी याधिदादी । तिरी दे दिनो मा मञ्जर त्य ग्रे. तथ रेचे श्रम्भत्म ह्येचे हिता पर्दर दे स्वत्य ग्रीस प्रमेत्ता भेव'ल। तर्नर वै'बेरे नवस'यद्धे'र्ना ने रनस लस या भेव'हे। तर्नर'दें' न्में प पहुंदे अस्तु अस्ति प्राप्त पर सेसस मेट इस पर प्राप्त प विदा (कैं 22 क्) रिनेर कें कि सर बुँ परि मान्य थेवा रिनेर के तर्दर हु पर नेमस'पामित्। तिर'दे हें हे । सस प्रसाधि हैं हिरे मृत्द सिंह' हैं। बेस ८८। अदि न्व सामबे त्या मुन मुन्तर में दे रह्युदि ही दार हिन के द नियं चलः सूर्यायः दूसः क्षेत्रव हे। । क्षेत्र च्रीटः खुटः सटः प्रापुरः कुलः स् च्रीटः । ।

न्यामदिते रेकान्य रेण्य मदि यान्याम् । हिम् तर्नेते सेते तर्मा माने इनामर प्र नवल वयाले ब्रा में एल्स है। यहर हें अ भेव में वैदारी हे दब रेस मुक्त सहेर हे पहिल म रह प्रमुख म व स्वर्थ मेद ह सह मह मर हें अ.भुेंब न झेंच ई थ मख़ेंब मैंट म ईश्य बंध श्वाप पा रख़ें.ख़ेंद .. खिश हूरे.चेश्वा च। चश्वांचेरेवे.ची अयागी.एक्ट्राचा बीचेश विश्वश च है.ची. ला के बल स महत न्यार में हिंद हैं हैं पुरित में कर्न मा कुद मार में बद न इंस मिट दे था हो द मित के वा प्रमान मित की वा मिटल व व इ.एत्रेंश ब्रम्म.वेंच.हट.स चंदेट हेंपट.वेंच.त.पत्र। श्वरास बेचे वि हेंच न्सर केर' मुद्द य' में स मैद' के द पता दे दूद शुक्र की रहे गुद्द रेस धर व्रवस्य म न्दा निते के श्री समुद् भी ता गन्द श्रेन् मिरे के से हैन् में साह है हिन त्रहेण हेव'व'सूर'यर युर'हेर'। दे'पदीव तु व पहुत मुवव पर सु'गुरे क्षाचुटामत्दा वृतावया तम्याया तति कत सुवामा वेद महत्या बेटा है। त रेबा केटा है। दे इस तस है बेस सम्बद्ध स्वय केटा विद हर। विश्वरात्री अस रनास चर्ने रनानी नी न जी साह र सह दास ब्रन्थिया रेका ग्रीका महिना भाग हिना कर्णक सर ग्रीन हरा सन सर ब्रुन्यसःन्वतःन्न नैसन्नाय नद्यास्त्रम्यान्निरःविदःश्चर यसन्निन्नार्दे कः ब्रेट्स हिंद वर अर्थेट देश विषाय हुन । विषाय हुन । विषय के विषय के विषय ह्यित ह्या चरानुत्र मा प्राप्त हिना स्थाप मा हिना स्थाप हिना स्थाप महिना नप्र.ब्रेर.विट.त.च्रुचेश तथर वेट इ.। दि.वंश चेश्चं.एड्च वेश तप्र.चेश अ. मूब तर बे. लिएट. बेच. बंब. एवंच मेंब. अ रेट. चर्थात वेट बेट. चर्था.... तर लट अर्थ तथ के विवा नियाने हिल हर ता पत्र हि व कर प व में चरद. वुदः देदः देवः ईदः परः युरः पवः वे दे द्वावः ये वट वः नविनवः पवटः देटः । पर्सन् वसवाके पर म्यानवाय होना होता न्यान न्यान वसवा कर में निया

चन्र देरावन नवाद्येल चराचेताचनावनाचन कुलाधाके। कुलाधि व्या म वित् चयाने बया चडमय हे मिनवाने भा बितामी मनिना में मिन सम यम। अभव त.जब भ्रेंच.तपु.ह्वेर.घे.हे.स.बुब वे.बुट.। ट्रे.बब हुम.बुब ध देशक कृषे त पंथाकु तर विर पथा चैता तृषु पञ्चा पात्र १ अथ त वी विर हर में लया मुस मुद स हव पार में जान हैं द पार्दा। दे ला मुना पर हेर हैं । वेट. व स्वयं हु व वेया है बारा व हा वर्ट वार अधर र वर अध्य है... वेह पञ्चल याप्नुद केद पुनापद्देर रैन्नायर प्रेपाय पुर दे। दि लाईना महे नुस दे हॅन्स स्दानी मझलाम देस मु दिना। ये से रहिन मार्सेन हरासमीदा म श्रम् न देव हूँ न पर्वे में निवाय वर्षेन क.महीन.मध्न पर महिन में..... पय प्यास्त्र स्व। ह्व श्रुवः पय न्यायः रहिरः कः प्रिय है। पर स्राप्यः प्रियः ज्ञानार्द्धत परमाध्र रवे परिश्वस सम ज्रास्त संस्थान का नहिन रमाणद रेम पर में हे रें र्प्व दि मुर पा केव दें। विदे रे में पा क्वम गुद्ध रेक्ष प्रदर्भ रेण्य पर्वेद ग्रेय हो। देवद हेंग बर क्षर प्रगुर ग्रे ग्रुद्ध प्रया कुल देत इंबल हुट बेटा दे वस्ति हैं अपी हैं व यस मेर हुट पार्या लग सम (बर्(कें 28 व) बुद में पद हे वेंद मदादेव क्ष्म प्रमृत पर दम्मराच वदे देन्य सब कराकुः न्यम वया में स्न हर कयाय न्य। खल यावदानी यह बहेब यामय 5 मेन हैं। बेहे 'देन्स'न्द। मु'प'र्सन्स'के'छेन्'यास हे हु 'देन्स'न्द। ने 'हु द'छेन्'

मिल प्रतिनित हेर् प्रवि पर प्रमित् हैर प्रमुख पर विश्व में प्रमुख प्रवि विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विदः। देश पर्दर्भ सं ७ क्रिन वा देश मु मा हिन्या माना मा में प्रेन वाहे सामा । देह मह्य अं अर्थ मान मान प्रमान मिन मिन अर्थ मिन मिन प्रमान मिन देव पर्व म दें.पप हैं.टर.पश्च.वंश हैंट प्रवर्धनां हैं.दें स्वयंता 다취어,다.다크드, 닭성,폪어 닭,등,얼쇠,ᆿ소,夫! 1세설 뿐드 성전세쇠,뭐,튀,맞소, न् केंद्र मुद्दाना समान प्रमान हो। दे हिन् निद्दा होत व लदा प्रमान समान g.나k도.떴.보다.에너나나서 칍ㄷ.ㅁ 七ㅜ 줬니ㅎ 너의 휙더 ㅁㅜ 칍ㅜ.용니 용ㅎ ... तयत्याय तिराप्त पार्य पार्राधित है। १० मील मिर पार्व सुन हार विश्वभाद्रायक्यामयाम् व प्रमुख वय बद्द द्वद 5 बह्दायमार्वेदारा लबाक्षर पाकेव यह। ।देशमान्नम्बन्द ह्युदायायलाकरायनु मेव ददालडा क्र'बै'मकु मुब्र'मुं के'क्र मकु'न्र'मब्रे'मबुर'खुन'म। ।नेरे'मु बह्यामान्नान्त्रभाकुरिम्दान्तान्त्रभान्तान्त्रभान्तान्त्रभान्तान्त्रभान्तान्त्रभान्तान्त्रभान्तान्त्रभान्तान्त ष्ट्रं वृत्यान्युका है। व्रीटान्युकाला द्वाटा । देवे पुः हे । क्षेत्र वे । वटक कुं । विदर ॅॅं रुव् न्युष्य प्रविधाय विकास का की का मुद्रा की की का मान्य प्रविधाय है का देशिपुः हे ' अहे संस्व ' स्व ' स्व ' सुनाय ग्री ' तिन र मिं ' ठव ' अक्व व ' क ' नादे द संया र सः ' चैत्र'ऍ'बैट'ल'न्नट'छेन् य'हे। ने'छैन'कन्'ल्मर'लस्'ॼॗर'य'वनत्रुन्' ग्रम् ह्रीम् निवन् निवन् निवन् द्वार्थान्यम् क्वार्थेन विवन् । पुनानिवन् भा च्छेश ब्रारविदाना दे अरथा केश रेट चके विदार्टा र्ह्मा स्था केरा चार्मा का ग्रैसप्तज्ञ हु सेन्पति तस तर् प्रमुख्य पति न्यट मीस स् । नि न्याय बळवः र्वे स्त्य कुराष्ट्र म्याया ह्रेंग्य वेद्रायि हेया सपुद्र स्र्र हिराया केरा गा प्यन्तरास्त्रवा न्वापुटाळामा कृत्या निवास्त्रवा निवासम्बद्धाः ग्'ह्रन्य'पर श्रुंत्'प ह्र्यय स्वं भे द्वारा स्वं प्राप्त स्वं हे। दे भेव कर्वं

खुद क्षेत्र न्द न्यद वद द्या के ह्या पर यन्द ला देव केद यन्द ख्यांच अरे मेट पहंच शिर वल कुर ल टेवंट व हूंवल मुँबारहिर बूबा क्रिंट , म देश मन् म द्वा के के मि मकु म अब ल के रैनाश सर तमुद मा सिंद दे।। दे'द्व कॅ छुद गुद खुद बॅट व थेद घरे घर्द ख्व वाबुब कॅद'दे। बकेंच के देव केव मनुव वै। इव म हेर मालमा सम्बर्ध देव में के वै मालेर लया प्रेय मेर द्वान कर हा तम् व हिनल हिंद दर हिंद वा है। अ नहना सार द्राम कर झूँट पुरुक्त बेट। देवे अधुय सुस हु हु मासुस अब कर न बार केद ख्वाय एक्र वश्य कर देव बातर त र में दे साना केल स्था श इंस सर र्षेत्र स रहा र् हे खे लह अर धर होत स हिन देश श्रायर लक्ष'र मुद्दा न्द । क्रिंग्स देव में के वैश्वे केव में वे महान क्रिंग्स मुद्राम मुद् मा अक्ष म नम्म कर मकुर हिन हुट हिन। है अक मन व मनेश महे क्र.लब जन चमिर देवं उन्ति य। रियमं कर्तममिके विराखन मृत्य केर यर चेत् हैं दे है हिर वर्दे दायर थम वन कर जान यर चेत् म (क 24 व) बिज ममु मुन मुर हेर री । पद्दन सं रेन में के दे शिया भार ह्न रूप प दमालुह सदे दे तमुद बिदा। देन व हैं व सदस्य संके दाया के वसका कर गुरु'अ'न्द श्रुट सं हिर सर्वेट च। श्रुट देव चग्रेक श्रुवाबस वर् रेक्ष चर चुेन् केम मन्नमाय नम् अनुब्धा । सु अस्य मिर्जर दिम विभावनमा भेन गुम रुर्ने प्रवासि रेनर रे. में रुच्या वेगा हिंदा मंत्र हेरा है। । हिंद में रेद म् क बे हेर भ्रत्य त ब्रेट.तय. ब्र टेवे च.ब्रट्य चेट चे.च.वेंच थ.वध्यय... ब्रेट मुंब, पंखुर होरे पा अंथव १४, ईवका पात बालेर हो व्यव पा खुर्व ए हींट. ह। ।श्चर मार्ट्य मार्क है उर मेल प्राप्त १६व ला हैव प्रार्टिय सरद रहता ग्रीट भारत प्रतिक त्रिय हिंदा किल स्थ हिंद सह के प्रति है प 'देर चल्लेल के द्र्यंत्र पर वर्ष च। व रूल लश कुल चर हुद प दर।

मी की मार्टा हो की मार्टा होते क्षेत्र मार्थ में में स्थान द्रा में के स्थान क्षेत्र में स्थान स्थान मार्थ में स्थान में स्था

त्रुन्यर चेन्यते र्या चीर्न्य कर्ष्य वर्षे क्षेत्र चीर्य कर्ष्य वर्षे व

मन्द्रिं त्यक्त्राच्याक्ष्यां बेट् स्थान्त्राक्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां

र्टः बु 'त्ररः न्टः रेष' में के अंगवाधानर हैं प्योब स्त्राह्न । यह । स्वाया प्रतः विकार्टः । तहक विटः है : का के 'में वा प्याया यह है । प्योब स्त्रावा हिम 'प्रीवा के । महें ने 'प्याय

रट.अष्ट्रचे स्वीय.ग्रीय.श्र.क्वीय.राष्ट्र.स्या.रटा। क्वीय.ट्र.हिचं राष्ट्र.क्र केंद्र.

मनमःन्त्र छेन् न्द्रमः मन्द्रम् । ज्यान्य क्षान्य विष्य क्षान्य विष्य क्षान्य विष्य क्षान्य विष्य क्षान्य विष्य सनमःन्त्र क्षान्य क्षान्य क्षान्य क्षान्य विष्य क्षान्य विष्य क्षान्य विष्य क्षान्य विषय क्षान्य विषय क्षान्य न्द मुल पर मुन् पर बल क न्द । मुंद द हर के मुंद हिट खुट ख मुक

मीब मध्य ब्रेट हें त्या क्रियम हैं त्या क्रियम हैं ते क्रियम महिंद्र क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रयम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रयम क्रयम क्रियम क्रयम क्रयम क्रयम क्रयम क्रयम क्रयम क्रयम क्रयम क्र

मुख्य-द्र-रब्य-ब्रुश-अ-ख्राक्य-ख्रेट्-क्र-ला चिट-ब्रेट-ट्र-एट्-- से-ट्राना-प्यक्य-चुक्य-द्र-रब्य-ब्रुश-अ-ख्राक्य-ख्रेट-क्र-ला चिट-क्-ट्र-एट्-- से-ट्राना-प्यक्य-प्राप्तक्य व प्रकान-ट्रन्-- क्ट्र-स्वाक्य-पा चिट-क्-ट्र-प्रक्र-- क्र-च्र-- क्ट्र--प्राप्तक्य व प्रकान-ट्रन्-- क्ट्र-- स्वाक्य-क्र-- क्र-च्र-- क्ट्र-- क्ट् द्यानाकान के न्याहिता ह्याहिता । मिल्य प्रतिका के स्वाहिता का स्वाहित के स्वाहिता का क्षेत्र स्वाहिता । मिल्य प्रतिका के स्वाहत स्वाहत

वर्ष पायर. ट. कु. कु. तर्रा ट्विल, तर्रा पार्ट पायं या क्रेंद्र या तर्रा ए प्रें तक्षा है । विष्ण प्रें तक्षा विष्ण प्राप्त क्रिया विष्ण प्राप्त क्षा विष्ण प्राप्त प्राप्त

द्याधि द्वाय प्ट पुर त्यें है है पर न्यूय ईंटया देवे के ह्यूदे ही है ने हैं। मेड्रम मुख रह में क्रब हेर क़ुब नवब में रेंच मेड्र महिन मर दें बूच मर देश. हे नवल मालल। दे वल अम्ब हे लदे स्त्र दु द्वेव मालल क्षेत्र महे द्वार म नम म ने तर के व दें। । देव अस मारे में देव में ने हेवा खन र स मा ह्युहे ब्रेट पुंक्ति केर पर छुन में। । मुंदे वेंल सवन हु नावद रन नैल मुद्र देते हेल सुर्पत्रप्त प्रस्म प्रसम्बद्ध मान्त् मान्ने परि पर पुर्व वसार्द्र प्रवास में द्वि देव में की पर त्युर है। प्र में के हें हि है हि व स्वयं वर पहिन ग्रम स्वयं मान्द्र है। नर मुंख्यारवन्य हिन्द्र द्वा मु म लम हिंद में के इसस मुम दे पादेव दु र मुद्दर में। । हा के क्षेत् म दे सुन हु ह नश्रम की नाव माला है। हिन हीन खब द्रममा कुट नहीं में निर्म न नमा क्षेत्र तहेन हेन हिंद है। ।देते हैंना नुः है हैन नैयानयम नहन नहिया. व्यापादः ब्रिलामञ्जीनास समार्थसम्बर्धन् वस्त्रान्त्रम् वितार्थन् । देर वर्षकाने कटल परि परिष ने देशका कर दुः में केना गुट केना महे के महुन बिनाम बेश मुही ।

महित्र पार्वेद स्हित् मुं निवस महित् प्रति महित् महित महिता महिता

पर पन्नत पार्हेणयापरे सवर से सम्प्रित है से के प्रति रहिण में मनुक् क्र मनुद् म कर महि दुवा । मन्यम मनुक् महिक म अव कन हिमा मर मेरा । कर तहना रे तर म सव मनुव र्या व स मनु र या वे र र न म सव मु मादन सु ह्येव केव'में 'तर्म मामाना कर प्रायम द्वा मूर् 'तर्म माद के कर" ब्र.च हेर.विय रेथ ट्रेंडेट मैट.वर्षेत्रस हे.चस्त्र.चेंडेर.चेंडेस च. सर कर तहनायर त्युर री । वे प्तितृत कु निहेन श्रेष म सद प्तितृत अवरा । श्ररः बद के महुब्'गुब्'गुं घ कर दे। । हुद मार्थेल मलक'महुब्'मासुब्र'म खब कर तहना । दे हिर अस तहना या पत्ति दिर ख्य तहना य नहन ही व या सद मनुव र्वाट महि अधर श्वर केस सव मनुव तहेन में ।दे दम गुव हेन्स मह व्यवर देव मुल में दे राम गुर हु बर त्रमा पर हुन यह हुत सहस्र द्या प्यथानिव चार्थभाता वर् कट एह्ना तर प्रति रहा । दे न्यू सर्हेट एह्न भूद्र-दि: पठवापवाहे। विद्ये पराने क्षेत्र प्रवाहित व्यातहित् विद्या पत्रव मान्द्रमाञ्चवार्य दे के कुर्ने में वारहिम् प्रति मुं दे ने हे दे रहेद् कुंद्र स नदः पठवः पवाहै। नेतदः पववा गृहवः नदः में वः हैं गः नधुँ न वे हुः चुः नदः। गहैकायाव निमलायने का हा सारा मास्त्र माना मा चबु.त.र.भूर.ट्रेन्ये.अर.तय.वे.ऱ्यापचिट.चध मेर क्रेय त्रहेन्'यर चेत्'यर केत्'युटा असम ठव्'रट मे कित्'सम्युम परि मृद्धाः महिं के ने ने मार्च महिं के ने ने महिं के ने महिं के ने महिं महिं के ने महिं महिं महिं শীবার্থা |

च्छित्राचाराम् वस्तान्त्रा । प्राची वस्त्रस्य वस्त्राच्या स्ट्रिया । वस्त्रस्य वस्त्राच्या स्ट्रिया । वस्त्रस्य वस्त्राच्या । वस्त्रस्य वस्त्रस्य । वस्त्रस्य वस्त्रस्य ।

इ चढ़े रचेंटा। १८.८चं हुल.बुट.चईंशब.चब.पहचा.कचंब.ग्री.चर्चंतरा केद'म हुन इ इ पहें पकु वर तहु है। दने कु व द वर में केर कर न्य अश्रमाया । कनम नवस तहना हिंदा रे रेरानर प्रमान है। । है पुरर ल्ट पर्वेषथ पथ पर्वेष. कुरं. बेडुबे | इबे बरं विंट ट्युंज. एस्. पडे बर प वस न्युत परि विश्व कवार्य पर पर पर । ह्यू दे हैं र हैं र हैं र पर प्राची केर वय पर्वेर विह यर रे रे व्याप रे वा वा विह ता ता वा विह ता ता वा विह ता ता वा विह ता ता वा विह ता वा विह ता वा व नश्चल न के हूर् क्रियं क्षा मान्यरामधल मेड्रम । नड्र लान्ड र्मे के हे. मे. विवास मकुत् मि वस के सि महु मति मन्तर मन्तर मन्न मि ने वस चमिर मिरे पर एलेल ब्रेट शर पार प्रमान पार में अप पार्श्व स्था पर में विचात चेश्व हे रे ४२.भर.चर्.चक्रेर.धवैर.धवैर.च अ.चर.विचाचर्.चक्रेर ... ब्रमा व्यम् पर्वे त देश पर्विर्,हिरश्रन्त्यां क्रेन् मरारव्रापानराम् स्थापान बाक्रे वर्ष्ट्रवस पथ वर्षातर, क्षेत्र पर वर्षात हे सी वर्षेट पहुना पत यर वसल वहार्वे । हूर्रालहेनायालान्वेना है। लहेन वालावरावस्था है। 91 मर मझार है 'नुदे 'खुद नु नादक है 'कर्नर द कनावानादक'रहिना हैंदस मही'' म् र (म् र र र) र लप्ट पर पर्ने हे हैं र स्ट्रियान है स्राप्त निर्मेश हैं हैं हैं मझ्लाम मकु दु दे मझ्लाम केद में निहेना केद दें। ।दे दन के कहेद त्दिते'द्वद तु'वुक्'गुै'हुद ब्वादद वस्तायातें क्द'गुद स्ववत विव तु'सा इस. हे. प्यंत्र ब्रिय. श्रु विपाय ब्रिय हुए. अट्टी. प्या विवा विवा विवा कर्रायनी बेदा हे हे रना १ हे स्वा हेंद्र वेद मेंद्र मुद्र मुद्र मेंद्र मेंद्र मेंद्र मेंद्र मेंद्र मेंद्र मेंद्र मेंद्र इयागु मिताअक्षी अटा ने देशातर बैटा अहरी क्र्यागु हर हर छ. हेत्ररच.रे.केशतपुरमें। जानुसर्ट्राइर केलाया शतपुरमें स्वा चवट चॅरे'न्यम ने'देवस'स्'म'स्'वरे'पन्नम'य'रे'म'वे'म'वे करे हे द दग्रेर

मन् मालूरार् ।

पडित पहुंचा हुन मुन्त हुन पड़िट पड़िट पड़िट पड़िट पड़ित पर क्षेत्र प्रमान क्षेत्

त्रभ्रत्वेद्वात्त्र क्षेत्र स् । तिह्नम् हेद क्षेत्र स्वेद्वात्त्र स्वेद्वा स्तर्भि स्वेद्वा स्तर्भि स्वेद्वा स्तर्भि स्वेद्वा स

बुद सिंह नु महेंद्र स समय माहित सरे तिमेल सरें। ।

स्ता पढ़ित है, अ. अप. तय बैट्य प्राया है से मिल की से पिट कीय किया ने से स्वा पढ़ित है, अ. अप. तय बैट्य प्राया में से से प्राया में से से प्राया पढ़ित है, अ. अप. तय बैट्य प्राया में से से प्राया पढ़ित है, अ. अप. तय बैट व प्राया में से से से से मिल प्राया में से से मिल में से मिल में से मिल में से मिल में मिल में से मिल में मिल में मिल में से मिल में से मिल में से मिल में से मिल में मिल में से मिल में मि

गुंद्रम म्बग्रदि'हर्5्र पुटाहर। ।

न्हें य य दे। जानर 'न्स्य हुट' से 'हा । य 'न्यें व हुस में निट सरीवा मेर्पि वर। । धुव य अभेव य नार्ने प्र पाईन हर प्रकार। । नेर् य दबाद है निर्देगानर टेंद्र। । दश अनिर्दे निस्त्र ग्रे.टिस से प्रेंट टेंग्रेस से पर म ठद' स्थल खु रमण कर हिंद स्मा स्य महु खलामा देते हेद' द्रा रेश मबेद बे क सरे न्यीत रिवर देवस युद न्ये मात्र देव हुआ में कि सहस माबें लिय में में वर्षात वर्षा में ने मह मन ने हिं में में मह मह मह मह मान न्ग्रैल'ल्क्र-रेले नम्न-नु-चुल सर्व। ।ने-न्न-ने-नर-नु-म्हे छून ने बन् मिंदे स् स्ट्रिकेर है हिंद र्गीय रेतना क्रेर्निखे रिवेश वि अ रेगीय सेव रवेश कु'न्ग्रील' हेब र तुवा स'न्ग्रील केन र तुवा दवसा कन् गुन 'गुन ' वृत्र हुव में दे बद्दर'पश्चर,दे.सू.सूपु मे.क्ट स्वारप्तिर,ह्रा |ट्रेड्र,ह्रेट टे.हेंब्,ह्रारपट. नु'न्मन्'क्न'रुप्तस्य वान्तिन दे नेन्। संदर्भ वर्षे देन् ने निम्म मे प्रमानिक नद्रा है। दे में लह नि विद्रापत नद्यारी दिहे हैट रेस पहेंद हुन म्ध्रःभग्नेव.त.क्रेंट.स्वा.हेर.का विव.प्रु.तम्ट हेट.स्वा ६ पश्चा वाद्या. हर-ब्रेट स्व हर-ल हे पर्वश्य पय-प्रतिय.टे. प्रट्य त.व वर्वेवं कर् प्रव.. न्ना क्षेत्र मुन्त्रम् स्थान्य स्थान्य स्थान्य द्वर मुन्ते स्थान्य हे स्र मुन् तकः वः कुः कुं हिंदः विषायिषा क्रायान्दर्भे स्वराधितय सहामिष्ठा सिवाः । नदा अवरुवयादयाही नद्न (का 28 म) ने मरावर द्वा के गुदाहित हु निटानर्षेत्रवास्याष्ट्राम् वे मेराम वया है। नहिना निर्मा दिना विद्या नरः मृ पुरः न्यारः वृ द्वरः य। । वृ यः करः गुवः गुरः देव केवः र द विवः हैन्। । बुद्रवित्वत्यत्ति । वित्वत्या । वित्वत्या । वित्वत्या । वित्वत्या । नमराया बुपायराय हे दे द्वापात्र ग्राहरी के मन्

ह मेला मर्जू द मा माने निर्देश्यामा है द जी माने हैं द माने हैं द जी माने हैं द माने हैं द जी माने हैं द माने हैं छ चुंब ग्री-मिश्रबन्दर देवां परेंब तप्तु-विश्व रवांब-तप्ता । वि मिर बालुल लब र् हेर र स दी । वे रमर्दराम बियामर रिमर बेर रखरा। । विवासि हेर में कुर हेर खन ए पाइ। यर्गीयर्र स्वर सक्स में हर पर कुर हिंद स्वाप्त है देव जूरे तथ रेवर जूल पश्चर चालेर हेंद विष्ठा पह कि..... मक्षत्र व्यान्यानु प्रतृत्व पाष्ट्र भु व्दानु प्रतृ प्रति द्राष्ट्र हुत्र प्रतः भु न्य वस्य उत्रुप्त्रम् रावेदावयुद्धा व्यायस्य रसामवेदायुग्य रेदामहेर् बुःब ८८.घग्रुण,रुषु द्राव्यवेषात्रम् प्रवासम्बद्धाः विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् ब्रिट हिंद के विन गुर । देर निवस गुंधि के इसब रह हिंद गुँस रहें गिर निहा । न्यल नहुन मन् छेट पक हुव मेरे दे प्रति न्युक क अन्नि मेर मे हिल न्या चले म् वर्रात्रावद्या में हे हे हे प्यापे क्यापर महिन्या में प्राप्त में क्र-ान्द्वार्द्वत वर्त्राच्द्रेर्परिष्ट्राच्रावरात्र्वार्ष्ट्राच्यात्रात्र्वरा च.रट. चर्बेच.रचथ. चर्थरे.पष्रा । क्र.चर.क्रेचेब.चे.रू. हुधू फूर.लेचे.पा । हेर-स्थ. १. यह हे अवर रन्यना कर हिर सना महेना मी के हिर ठव की हेनक ति. इ. इंद्र, व्रिंग, ज्या, ज्या वर्षें र. ब्रेटा। दे. वया लेव. त्रुं प्राप्त व्रिंग वर्षा वर्षा गुैप्तर न्यम् कन् हिर सम्पद्ध हुन्मी क'ल'ब्रीह्म अर्थ दे मासुक होल करः ''' नव्याम्

मासुकाया है। हाप्पार में र पा कर्ष मा गु भ र र । । (कै 29 क) केरका के प्यार में र पा कर्ष मा गु भ र र पा कर्ष मा गु भ र पा कर पा कर

हं मा हा कर देवस गुै जु सकेंस पर्सेर पा दे रे रे रे रे सवर तकेंद चेद मु २ दिन् ह्या अहुरा अठव मा दूर पुते दिना होता मध्य र हे। १ हुन नेल पर्नेर पा १ विर कु' अर्थ र र र वि कु' कर दे न अवस्पर द्यन इसस ल्ट्रें । दे द्वा ल्ट्स हुँद स लेव् प्रशेष दे वया । यद व्दे कु अक्षर्यः अवरः विषाः हीतः पत्त्रं या । रिल्भः हीत हेव में रिश्यः ग्री य यर मेंस्ट्या। रे मित्र मिर हिर मिर छना । निर्मेश किर हिर हिर हिर हिर नियानर्त्तरा । दे कुना हुना या प्रव हुद केदा मही । दे सूरा प्रवेश र यदा कर् दे सिंद्य हैं द् के स्वाय देव पद क्रे कु कर्ड ल प्रनाम पर कु मार्च मिरापत्व पारह्ल मिर के मालव कु " बर्त्याच्याना है। बुट्र-द्रियाना कर हे. ब्रि. हिंद्र लूट हुन ब्रुचाय अष्ट्रभया देशे बद्यराम्बर क्षेरे कु 'बढें 'कु 'कर्'व्यव्यायम् खेर्'हर एट 'स्व 'यब पार्सेर पर्दे' स्वर-द्र-प्न-व्-प-द्र-हेरे प्र-एमाक्रद प्रकी अ.रेग्रेस.मी.हेनाभयापूर. नामान निर्मान के देवानन्त्र मेमानिय वर्ष वर्ष हिमानिय के प्राप्त मान मर्भरामा दे निष्ठिया ग्री कि कर् ग्री त त्वस स्वा हिर्पर स्वष्ठ (के 29 म) म वृद्धां के कर महि द्वीया हिम्स मही प्रियम मिन्न दिन महिम क्रिया है। स्रु अवतः विन् मेव दि । भारता केंद्र व या व यव उद् में पि । अस्य य द य ब्रुक्रायर गुरायाधेवाबेटा। देग्ध्रमाधेदाक्षेत्रवत्राह्मटानुग्रेलायरानु हार्वेटा न्यासरान्वतातरे के रामानु का पार के रामानु का पार का के पार के 5व अद महा ।

पढ़ी पर दी लय य.रेब.सी.परी.परी.बाही बाबा पढ़ेहारी वा विदान

प्रिंशेट प्रहेन वा निष्य हिंदा विश्व क्षेत्र प्रहेन के प्रहेत हैं। ।

प्रिंश के द्वा प्रहेन विश्व कि प्रहेन के प्रहेन के प्रहेन के प्रहेन हैं। ।

प्रिंश के द्वा प्रहेन विश्व के प्रहेन के क्षेत्र के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्षेत्र प्रहेन के क्ष

सहं तह, क्षेत्र, सूर्र-दें । चंब्रिय, तर स्वावरा, ते, दूर, में, दें , वे , व्यय स्वावरा, वे, दूर, में, दें , वे , वे या वे य प्रत्य वे , वे स्वावरा, वे, दूर, में, वे वे , वे स्वावरा, वे, दूर, में वे वे , वे स्वावरा, वे, दूर, वे , वे स्वावरा, वे, वे स्वावरा, वे, वे स्वावरा, वे अप ते स्वावरा, वे अप ते वे वे स्वावरा, वे वे स्वावरा, वे अप ते में के , वे स्वावरा, वे स्ववरा, वे स्

ब्र-्टि. लूट्. तपुर, चोट्य, हुए च्र. कु. चोट्य हुंचे क्रिय वार्य प्राप्त में वित्र वित्र

बुम इ.स.मुहेना दे । विक्री प्रति महिन महिन महिन है। लदः बुदः अदः ८६ के अर्द्धः या है। ८५ँ । प्रथम व पर्दुः ग्रेया ग्राम्य मिन्न व.पर्. वे. चंडी चंडी व. चंटी किंचा व. पर्वे. हे चुरे त. वेंच है. इ. नुवन्यः हराम्द्रपिते हुन्या लाज्यात्राचा दे द्ना लायहेन परा म्सुर्य "" बा दिलम्प्रम्थालर्द्द्रम्ममस्यावस्य महिमार्व्यप्रम् हुन । डेस सा । ने प्रनामी मादस छल दी। देना महिरे प्रील रहिर वहिरे अधुन् स्अप्याक्षेत् छेत् तु पर्वेषायदे अप्तुविष कु खेत् अव क्त्र का पत्त पर्वा ब्रेट-दय-रेश-सर। मुर्श्ना-अ-द्वे-अ-६८न्स-तु-दा । तु-व-त्र-दा-सुद-स-क्रा १ तम्र के के देवा मर्थे । निकिर मर्दे हैं के के रेट मर्थ मह वर्त्रामयर्देरामबनाम् ।यर्ग्युवर्श्चर्न् सामद्राकरम्बन्धर् तहाकेटाथराक्षेत्रवर्ता ह्यां सरात्वा ल्या ब्रेन्ट्रायस्य वहा ब्रेन् ान्त्री। तिर्देत हु नुषी। दे राम गुै रसुद म व्यवस्य सक्रम गु मर कुल के द पल प्र रे राय में हेर द सुझ इ ह ग्रुमा देरे हेर अग्र प खुकाकर'म्बद् महे हिन बाक प्यादे मधे मा विषय माना प्राहर स्वा ल्युल-द्यार। मुबद-ल्युल-द्याद चेद इवस स्। । मुक्रेस म मुबुग्र-पिसस व मह हुन है। रे रमा मु रद्या परे क महिला देन केवा नेव हु भद्रता भ्रामिटिता भ्रष्ठाम हे पित्मिली ख्रुषारस्यासास मार्थित वसस हुता हुव सेन। न्ये कुय हे से मिली मैंस में ता कन सेन रियो न्ने कुट। हेन् न्या कन् केन् हिन्दे कि पदी। अधीव महिन्स निहेस कुैं करा हरे. बटा कटन केवा निर्वे व प्रदेश कटना है से पढ़ी. इसस न्दराया । न्युमायान्वन्य नेदालायद्वाके राम्यानुमार्यन हरा क्षा मु अळवल प्रव कर पु देश पर वस स्मार अवत प्रवा मान क्या नेत अवत हि.लट. थरी ४२. प्राप्त भर भर भी में अपकर ति व क्रांतर सेनम हव देनम विकासर विश्व कर में विकास ब्रेन्पा खुका रु । ह महिन (क्षे : 31 व) विक्रवा मुखा मुका महिका पा ने प्ना करा त इ.कुर्र, रुअ.त.लटा विशवानीयिव दे.येवाबानीयिटा मेर्ट, क्र्य वर क्रियान दे हैं हु प्रदेश्याम र्षेना अर महिन्य केता दे क्या महिन्य मिल्या दे वयार्द्रावस्याद्वस्यक्तवावामेटा। र्द्रावस्यागुटारेस्टार्देष्ट्रस्य ह्रेत अ.ब्रेटा अ.घ.देशस.रुश.ग्रेशक्यशतात्रवे ।

त्तर, ग्रेट्र, तपु, श्रिट्र, मृ. क्ष्य कर म्यू, भ्रिट्र, मृ. स्ट्र, म्यू, स्ट्र, म्यू, म्

म्नर च विदे रिवेतमा केर लाहे वा हटा बर दिवत पा वर वर्ष में ता है नव गुव हु हुअ मर नव या पा हैना छ ता है देव है। में ता देव पा Handa (14년 - 14년 - 1월에 기용 : WE : 첫미치·경·디윌 - 5·3도 다양 뭐 기하미의 वर वश्चीर दे अर्थे रूच रहे दे रे र विरा विकास हेर है। विदेश कर्वेश क्षार्थ्यात्र्रे क्षेत्राक्षेत्रं त्राच्या क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राव्य मुँगालिय टेन्नेयस स्वाया सिम्म य स्राध्याय पर्या श्रीय स्वाप्य प्रतिस्र स्वाया ग्रीय स्व मालका वेत्रासुरम् तहरमामानुनाम्बर्धाम्यक्रमा है निकुन्या में ब्ययं गुरु प्रेर् अर्थेर प्रब्र म् प्राप्त म् याया प्रवास महिन है। विकार दे नेते हु । यस केंग्स चरम सुद येंदे दें द उद वेद । यदे हु र रहम द्वार ह कु प्रमा विभाम दुना हु मन्दरम मन्दर्भ वा स्म देव सु है है देव कन्सर न्हें न्राविमाहेद नु स्वान्द्रिन्द्र स्वानु द्वार् हेदा स्वानि है व दे पह महेशहा लग्नारात्रियामायाता । अत्यो साम्राम् हेयाम्बा । हः श्चेत्-स्वरम्प (क्षेर ३१ म) १ द्वेयस स्री विषय स्ट्रिस्स विषय विमायायहेदायहे सूरामहे खुटायादे ने महतामा माने विमायी प्राप्त कर ल.क्ष । श्रद्भावपुरवादयायु भेषाधराष्ट्रा । विषाद्भार हा अर वालाप्वादा वस'मन्द्राय'द्रा अह्दापह मन्द्रा स्थापन हेनान हेटाया हुनानी रंभाभीतर,जा निर्देशका श्रमी,मी.भैर मेंटश अबूटा विवासी, प्रिंग सेनी. न्हेस-दर्भाष वकुर-दु-१६ द्र-य-सन्द-४ वस-४ वस-४ वर्ग्ण-द्वसद्-कु अर पन्तर पार्रे ना र दार है निय पुरे हि ल र ज व र पार् र पार् व व व व व र्--जु-९नय-वे-वि--ह्रेंद्र-महे-ह्रेय-जु-९ह्न्य-म-प्र--महे कु-स-- दे-हे-नु-इ---

रूप क' अप 'म बुद पर । । सद में भद मु सुल रूप अप। । दल 'मु' द सद हे हेर मतुब की ।दे सका में मबीब में मबीब माहिल माहिल माहिन किवा केवा गुर इस यार्स सर पग्र व है नु'ड'पर्कुर'र्-एगुर वेद। सर्रेर'व हैन १८ कु सर हिरामकुर व स्वाय य इवस ह्या वर क्वाय विवादी मायल पर्सर हेर रु है हैं । अंगल परे। । गावत देवल गायंद पर्मे र श्रु निव्य निवस बिहा । मैं सेर र.र ज मेट त चबु. चबु. ल्ट. तह मेट त देनी. र विकार रे व नवस म हो। व अराम हे क्रिया ने माराम ने ना लिया स्था हिल व नवल स स्वाय रुअायर नामल पर्सर हिल.टे. नवल पुर हिम. देवस.... गुैर्दर मं दे लिय रहा कु सर जु र्येण अय सर दय पर सर दे हैं। सदे 주미 전도자 전미'러도'륄드'다리 월도'국! |리 용도'현라'드드 튤'쿼도'국저저 존리 5 मित बंध टे. ईस बंतश श्रुष्ट में ट.त ब.श ल हे. श व अर. में हूं में शाया है. मार्खन्य हिम व वर्ष मार्विय मारे स्रमान्य मी हिम तु नावत (कैं 32 व) इसस क्रेस दस वियान्त कु स्नाराने निया सामा विराधित के सामा करा कि सामा कि सामा कि सामा कि सामा कि सामा कि सामा न्यत् ग्रेन्य हो नेतर्के क्षात्रेम स्मायान्य । स्मायान्य होद'य र्दा विह्ना'रेद ह्म गठद रुव के पहा । देव'य द्वारायक है' क वस सहम् रेट में पर प्रमुद्द वे रेट राय य म्प्रव पर्ने र र्दा क्षाम् वद रट.रेंब.ब्र.चेरेब द्रे.चेलय.पश्चर.त्रे.क्ष.त्रेय.रट.एत्य.क्ष श्रा रि.प हे. मा भूग रेशरा सर.धा झुर.त चबु.येलस.ग्री.लर जम में.वेंट.चस.रंगे. न्वर'न्टा हापा द्वापा प्रस्ता सहन रेट पढ़े न्यं कुष्पद लग्-मृ-पुर-पन ही म्बर होन पुरे ।

इर महम । दे. पत्र हेद. बमादे. लद हे हे. विदा । पत्र हम प्र महेद हम है कि बन पुर। दिल के पड़ वर केर रर लाम म बिन ने र पुना ८ च ६ त न व न न सुस्र न हैन हैं । चुस सह द प्राची ह न हैं । हैं । सह न हैन । ल बद हुन इ'दे ख'ळेंद नहिन । ख'ळेंद्र हुन इद सदसाय दे समाहेद बन न्द्रन मु र वुद दे र दे त द्वन्य है है केन हैं द न नक्षा वर्ष प्रत्य द व ह्मर पडु निक्रेम अप किए देन हैं र रे रे ल प्राणम हैं र प्रक्र पक्ष के के दे खारे जिन ने ने का की निकार के लिया कर कर की महि सह । विन ने तह बन नु चेत् व क्ष म नद है का नद्भ कुर में रहें हैं। या महेव ने कें व बन हैव बन विभ बच चारुक के 'दिने 'च पुराहे'। । वि केल घर 'हिरे क 'द्र है 'कव' व्या । । तिम्र प्रा विमानम् र खुम दुरे क दमन है। । धु रम रेट बेट केन 필,명화 없, पंजा विषा 원, टें अ, पाली, अ जा, पोला 라 본 소, 당 전 | 열 प. 모 전 देश ने पेन्द्राच्या प्रमुख्या कार्य हिला हिला है स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त हैं स्वाप्त हैं स्वाप्त हैं स्व ব্শু'ইব'মেন্রন ব্ল(জ' 32 ন) নতব'ন। । । । । । এইবান त्मॅरामाञ्चे प्रवृत् क्षारेम्बरम्यावयायमानी क्षारेम्यातकरामि वरास्य ग देशःन्वते कु ॱक्रॅं न् त्व्ये 'चते 'सुव् 'न् हेन्।शा क्रेव 'ब्ना हेल 'चु 'हे ' सुव् 'क्रं क्र क्र ' ' ' र्केन्'इन्'रु। है'अस'मुस न्हेन्'यम्'र्म्'र्महे'खुद्'केन्'रुक्षे'क'न्हेन दे विमालना है खर कर के र के प्रताहन है माल चर पर पर पर पर पर इसयागुटा केया बना भया हेद बन दिया विमा बना छै देशान बेद मु एव इट.च.लुब.र्. |ट्रे.चेश्वंत्राचीयाच च.र्ट.जू.चंड्यय घट्ट.कु.चेचेयाकु.क्ट. गैसाहा पर अप्राप्त सामी पर रे हैं वे बचा नहीं है। विकार व नहें स मुद्रा हेन् ज्नार्ट हैं पहुन् हे पहेर्ने व पहे हैर है। । है पर विद्यान व व के ब्नान्द्र के है। इस बना सेश रेर जूट साम दे हैं बना सेश देर अ जूट स गुप्ताता हैनाया पर १६ ५५ ५ में विकास व

महिना मा हैद बन बिस मक्ने र हिस है पन होन स बन रेन स विस म दे स महिमा में बमा के खुम में क' के व मन एर्र न्म्य महि क्षेर मा सर्दि तथा हाय छेन् न्द मा हैय त्य मैदा । हाय छेन् वे ख्या या । भाष्यात्य विष भे खित तर ८ रूरा | विष सा । प्रिर प्रत्य देव विष विष मार्ड के है। से सक्द हिन म केद द मर्जेन सहस ही निय महिन ह्मिय रिम्ब त मद द्वा । रे ह्मिय त त है अय विश्व दम सुय हुई मर्मा हैन उद के हिल है पह नहेश सारित्र ने में यात है है । है है । लाहर षित्र प्रका है व एसे रूपा पड़िया की । या पड़िया डेय दे पहूर या **प्रका** । बेल हां । देल व सं जिहना ल हिन बन सुन म के 'हुन' हु 'दर। हिन है पह महिन यन है बद बेद है हुद महि हैर। हैन केन महिन रहारहा में बम खुल दुरे पर्म हेर् ठव् मु (का 33 व्) है पापड़ महिल रे हिंगवापाद लि है। लिंदरही देव हिन्दु केल बनाल बन परु नहिन हिन परस दरा हैव ब्ना स ब्ना स हे सार प्रत प्र म चर्च या प्रमुद व्याष्ट्रिया में 'प्राप्त मुन्द प्रमुद प्रमुद मरे ब्रेर रें। १देर देव जिट मिन्तर प्राप्त रें पर कर राजेल र में निर्म स्वर माला हा मानिवा मु तहना हिन दे ल के स हा लेका मानिका प्राप्त मुद् न्धिनंक कर व नहिन्नाशासंगिहन मृत्यहै है है मा संवित्राचनतायहै। नि हरार्वेद्य बुद्राप्ति स्राष्ट्रिस इस्स म बुद्राप्तेद्र न्वताद्रम् स्राप्ति तपुरायन हे साम प रेस चलु निवस हिलानिस्य प्रमूर रे निवस ग्रीटा रिट्र ह्य मुष्य महाराष्ट्र वर्षा है। निवर द हिरी मासुस द निवेद सिंद प्रति नुना न्द ब्रीट व द्वर । इट द हूँ वा वुव व द द व व के पुन में प्याप्त । नुमानु रामा क्षेत्र द्वा नुष्ठ हेता खु नुमा निमा हेता हेता हेता हेता हेता न्गुव। न्गुव हेल न्धेन रेक्षक्व नुः ल्यु हाय है पुरार्थ। । व्यापता त्या हैर.पड्र.पड्रेय.वे.एकर.हे। देव.हैर.ड्र.बे.शंर.बे.पट त रंबे.इर.परंय.

मह विश्व रे ल पाचर इवल गुल लिंदल श्वित् महि खुद ल नुस श्विर पार्टन हु """ मलन निर्माय पाय पायत प्रमाय कर ता निय हैं म पह पाहित कर दलत में नेर प्त हुँर'पड़ प्रेष गु विअ'श्चेम प्रुट्य म प्टा चे युण बण रे'य क्षर [[라' 전도 국' 폰 미리 디즈' 오죠도 다 이' 전드리 튋 두 영이 웹 등지 월도 다중' 미융 이 मार्थित रा वे हैं का मिं व ल श्वर पालिव दें। । निशः श्वरः र्हेपन ग्रैस र्हेरः वर्दे राष्ट्र प्रमाय होता विद्रती विश्व मार्थ ही विश्व रत में नुस क्वेर पड़ म्हेस है हित हिल पहें न नु मांसस पने पर महस ' मर्टा क्षि श्रव र मैं न लक्ष म्या महात मरार मेरा है। इति मरा रेंधर रेंब. ब्रैंस पर बेंध्य के पेंट क्ष पत्रेंद रें. के प. पथा केंद पथा (क्र. 33 म) लचु दस्य ५ में व पर हे मा ५६ वे मेद दस्य तम्बा ए पहन में मा 55'म'ने'क्वल तपुर पर तणुर। विलान्तुरल म स सि सि कें कें कें कें कि षरारविशःहिन्-तुःरणुरायान्दा। वे द्वार ग्रीके प्यतार्था या वृत्रार्ह्म्दा चक्रैं रामकु प्रति पर र विषय पर र विराम। हिला के ते कु पालक के किर मध्रे मु अव नि नि मर त्युर विदा के मि जूर में प्यापन विदास वकु'सह मरानु'में पर र गुरामार्थन्यानुसाक्षे परा। वस्राज्ञानुसामके स्वासः हे नवान्वात्वयात्रचेषः हे द्वारहे वाष्ट्रवाहे ।

मु पबेर म केर वा रह में है। कुल महेर ह मकु लचा महेले रमह रु सुन यह र्⊏ र रम्ब सुहे रुव मासुक हॅम्ब एव। माहेब्स सुम यह रुव मासुक युक्ष स्दा मासुक्ष म सुद्र मी पुत्र मासुका हैय स्दा म वी म हमाय हम तिह्य परि पुत्र मुहेम हिंद स्व पु मिलेद दें। । तिनुस म स सम म दह मिले शिर म्बे' पुर स्मय हिना दे दय रेस गुरु यस यम मिर्व य स्म्य मिर् होत प्रे पुर देश खुझ स्द र्मिय सु ८ हिनाम ८ पुझा हैंग् अपिद मिरे ' ' मबेर म रू र्म की नवर निर्म केन केर। दे हर रही पर एटस मुर महर मिर कुर समा हे हर रहिण हैन मर्गेन के दे महीन में। ।(सै 34 न) देस सह मुन्याययाम्बर् सर मब्दि दी। विष्ठेय स दी। यह नुयासु रहीर नुय चढ़िते ला मान्य है वि केन हैंद हुन चकुर नाव्य मते हिन्या एवं र्र स्वाया एवं ह्न नि हैन विवासित रे रेलर के हैंर चल चर्च रे रेटा। हिंद की 렇도 직작.젊의 髮도 들여 다필.」를 다돌어서 다지 전. 뭐 그리 髮도 다필고 다필. 중..... बदब कुषाकु के बहुना धरे 'दुब ददा। हिन हेन के हिन मकुर चकु दे ता मिंदे के तह मा धरे पुन है। देतर देन य हिन तह ने स्वर् अर्वे पर्वा वर्षेर्यं वर्षा कि.पर्वे क.वेब्यं प्रवित्यं प्रवित्यं प्रवित्यं प्रवित्यं प्रवित्यं प्रवित्यं प्रवित्यं ब्रेंट पर्कु र पर्कु र पर्के र हिंगा हिंदा है र प्रकेट हिंदा र पर पर्के र देश हैं। लि. पर्वे. क. प्रियो ता त्रवे . युवा हिंगवा ता दे व व द्रव प्रव प्रव प्रव पर्व पर्व । प्रव **८९८ मेथा अधिर हेनवाम पाय है वा वस मार्थ के वस की के काला मार्थ ।** देश चकुर्'चकु धर'रेश'कुष तबुर रा ाह्माय'लेद'लहम घर छ.रे'र्ट.कुं. श्चिर-वृष्यःसर-श्चाश्चिते सःर्हेर चकुन् चकु-पतिःर्वेष सःल्हवा-पःनुस्यस्रसःस।। देवे के दिना में लख्य कर्या प्रति है दिनर में बेब परि एक प्रयास राज बहु.रेब.वे.४५,१५.रे.रेनट चब्नैर.बुटा। के.रेनट.मु इमेबलब.वेट.नहु.

मिल म् निवर मिल पर्रेर हिनल हिन बिनल रस हा हैंद पर्मेर पर्मे पर अवर हुं बीद ब्य सदे या यें पर्व संवय देन हिंगल एवं रहण में । देवे के बुप मिर निषय घर मि मिर्स प्राप्ति पर्मेर पर्मिर पर्मिर पर्मिर पर्मिर हिर हैं। निम् मे रेनाय लय.वेट चढ़ क्र्य में केल.त्य में मूं नर्श्याय व रेर हिनया... ह्रवार विषय विषय देन देन स्वाप स पदिया परि, इश त क्या पर, वि, बुटा। है रेपट क्या पश्चाय हे रेप्ट ह्याय. चकुर अब (জ, ३१ ट) तिट च,⊈अथ गुआरे अानी चाई चोधुब जा बोलय टाञ्चर . नुः सदः मृहेन ति मर मुर या देते के दा क्षर या दुस स ति १ है र १ है र या इचीय रिव.रेच त् बुब वे.चय मि.मू.चश्च वया ह्वीय रिव पहेच पर वेर... है। । बर्दर व के रलाया सार प्रतिला के द में प्रति में विष्य मार व महाने मार प्रति मार प्रति मार प्रति मार प्रति ह्नायास्या यद्वा इतास्या क्यान्यास्या देवाह्यास्या हे.चलश्र श्र.७ वर्षर नार्। विषयात्र हे.चूंट टे.श्रूब्य व्रदेश च्र.चर व्यापा मर्थल,तपु,ज्र.वाट्य.स्वाय पट्टर.य.ह्य्य.स्रा । पत्तु,ता.द्री ब्रेट जया ह्रेट. कुंकरा दिवास्वायावे वकावायता हिन्दार मार्चा प्राप्त हैन प्राप्त मार्चे बद्यासु र दा हु ' चन्या । हिंदा या यावर ' द्दा रेग हे द र द्दा सन् र वें स म्हेर देवन गुनाम मार्थ के इंदायर देन मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मा इस्त गु. भवर. २ . चंचर . प्रचाया में . चर् हिस है हैं ट. रा. चंचे न चंचा विद्या पद्वत्याक्षे। देवदाक्षेत्रास्त्रत्याचाराम्बर्षान्यत्यस्य मैं, भंदा हेराने वे ह्रायानर लिहराना लामावर लिना करे जा निहमा हल ने ला

दे ल र प्रस्य सर व के से हुन इ इ म ले न म हा म म नुव सिन ला ने वे हिन 5'म्बर बन छेर मबन मस स र्न मह र हुन रन है'न छेर रन मह '' मुरेम दे स नुस मुै प्रविद्य स्वाप्त स्वाप्ति सं प्रमु दे स व द्वर रहें न्य केंद्र देश्टालाम् वर्षे बन हिंद बन व ज्ञा व दन व दे हे ८८ द्वेगस गसुत्र है। न्द्रिय गुंकिय पर्नेय प्रयादन हिंद न्द पन् हेर स्ट प्रमुद था दे हैं। प्र (का 35 व) वर मञ्जूषायव व माजुल प्राप्त माजुल प्राप्त प्राप्त होते। । दे हिर.रेश में ए विर प्रुप्त प्रियाने पश्चा त्राप्त प्रमी त्राप्त विष हिर प नाबुका येव परे चुेर्प प्राप्त हैं ए हैं पना नाक़िया मुहेन मा नाबुक प खुव मिते मन् हेन हव नु म्वका है। ने प्यत में रिका मित्र है कि में मन ब्रम्भित्र हुट प्रत्व प्रै कें व वेद ला वट र मुक्ति प्रदेश कर ब्रुमः प्य शुर्व ग्वय मेट में ब्रुम प्रश्न प्रश्न प्रमेट प्रमेट दे रहेगाय सूर। र्भार्तितः हे मिश्रुक्ष क व्यव्रम श्रुवा प्रशासामित्र प्रह्मा हिन् हिन्। महास्र बनामसुक नुस कृषिर प्राय वस्य मि है संप्य कु कि दाना है सि प्राय क्या मृ 'निकेश'यरे दिन्'रे'म है'हैं द खुस हुर'निदेश'य देश यरा व ल'यदि 'न्रा खुकार सुका है हो। दे वह दु हु का सुदे दुना था हु र व द व ना है क च कु। दे लग र्त्वन्यात्वस्याः वे न्य्युवार्ताः है हो। देवे वयर व वस्यायायवरः हुनः द्वाषर'ढ्र वर्'रे'वहन्यामामदेव र धे' रॅल हुबर द्वन्य र्ट'क्'ठॅर'गुे' म्राम्बर्धान्य म्राप्तिकालेचे बुर्चित्वान्ता है। हिंदुः सर्मान्य त्राप्तान्ता विभयः कर् क्रूट'यर तहना हे तुल चले केद'र्घ'निकेन हेन्स नेटा अर'ल्टब ह्यूटनेन द्यामाथयाच्याय ह्रायास्य ग्रीन्य श्रीमार्मन्य नुयाविष्यान्तानाम्य श्रवरायाक्षेत्र वृ। ।

ग्रैस सेनेस एट्ट हु सिम ट्रे. ग्रैंट तर बेट. खुन ।

त्रेस सेनेस एट्ट हु सिम ट्रे. ग्रैंट तर बेट. खुन ।

तर्र तर प्रतर खुन क्ष्रूच ने किट तर प्रस्न पश्चस है. ने सेनेस प्रत्य स्था क्ष्रूच ने सेनेस सेनेस है. प्रत्य में हैं प्रत्य में

क्ष्म्य पर-तुर-तालुक, हा चिक्किक, का क्ष्म्य, सक्ष्म्य क्ष्म्य क्ष्म्य व्यक्ष्म्य विद्या विद

र्। ।८८.च्.द्री अर्द्रतार विविध रेश श्रुरा नेय रेवे.त ही । विव अर्द्र मान देवन ग्रेम लेल रेम हुन हुर रह पहल हुर निविधान रह देन रह शहर म् भवतु.रेने पथ पर्मेश हे.पर्नेश तथ रेपर बरानेट टे.पष्टे.तर नेषू। । विष्यायाल विश्वका ८८ स विश्वविषय अद्यतः है। विश्वविषय अद्यय स रमः देश पनुव नुस ख्व महिम ।(सै 36 व) ने पविव छुन्स क रे मिंद सुना न्द चर। 18 देल झू.अ मुने देश झूर.कुनेश हूर। 18.में. झ. पड़े. बि.चे. ट.ट. पदि था । मबु १२ देश देश समाय ह पकुर कुट समाय महिम । ५ में द । परे ळ ५ दे 'दे 'च कु ५ ६ मण् ळ ५ दें। ।दे 'षेष 'हूँ ६ म्बुअ' पर ५ हें अ' बैद' बिला । देव मान्ने। बाबिवय है अधित देव सं.रम मृर्दे प्राप्त सेव बाहिया। दे महुद स ञ्चन्य हुल महिना ।दे महुद स हु हु स नहन ।दे महुद स दे मिंद मुल महिमा दि मनुद ल खमा मुल महिमा दि मनुद ल हाद मुल महिमा ने महुदास है : बेर की हुस नहिन् । ने महुदास ख्रां सानहिन । ने महुदास मिन महिन । दे पर्व स दयामहिन । दे पर्व सर सं द्वाया अरे केनाया च हुच चू । शूर, शू. है. ने ६ च खु. ज वि.चंट. हू.। वि.च खु.ज. चेखे. चंट है. रह्म येट हा । येखें रहें भक्त च के. ज. केट. ये येथ च हुये. ही सेंट जय है। ह्मेर रवन्य तथ र्वेद्रात देव विह्या विराधका है, या में या विषय होरे जा यथ. भवर बुस देश । मिट जन्य पमिट जन्य प्राप्त करा महिन है। नवि रहें सामित र्वेद दें। देव वे देवे कुलायं दे राम वब कुंदा मुख्याकुं तहमाहेव कुं परांतु क्षायान्द्राम्बलायरावुवाला । माहेकायानुवानी अवत है। वे मेल हुना द्याप्तेर रचेते क पहिन है। दियासवर स्निर्डना साहे पक् है पी। दे था स्त हेना हुना छ वट हेन है। । खुल छ खुट र ल खुल छ है दे वना नहेन । २.४वित। क्रियास क्रियास नियम नियम कर्मायाम नियम प्राप्त कर्माया

हुन इ.इ. मही पर्याप्त रेष्ट्र का नहन के रे रे अग्री अवह और चेहन महीन महीन हैन हुन छुर यह वर्दें दी। अदि हैन स चकु हैं मु त देवे अदि हैन ।देवे अन् हेन सर्ग छ । यर हेन । वन नहेन सहर हेन र्म नकु सर् (कै. 36 प) बेब.ची.रेबी.तबीह कर्षा विष्ट हुव अंभ.वे.ल लेर ब्रुबा लेरे. द्य श्व र पा है व बिना नहेन । है व बना श्व र प हिन नहेन । है न नहे महिल है में महिन है। तद दम हैन पढ़े हैं पड़ महिल है रिमायस तिम्राम वे क्षि वटा क्षेत्र महुः महिस प्टा हेव त्रेस मह नेश्व ग्रे.नेर.त है। विभावत नेश्व खेबाने. पड़ा इस तर लट धरीर हा। हे है विहास मार्था में बार प्राप्त मार्थ में मार्थ में तातकी हूट वि एवंबा सूर्याया नेट्या वेट्या नेट्या है पर्व है पर्वता चहान्य केन्यह पर न्यावल चहारेन्यायारम्य वाराक्ष्य है। विश्व प श्रम् अवतः दी । श्रम् अवतः श्रम् भी श्रीयः सुर म प्रमा । श्रम् त पुर लक्ष क्षणानी खेट पा है। । पह नक्ष देरे ने ले कार प्रतर हैं दे पर्। । बेट ने व्यवतः दे थे ने देश सुपार्मुह्य अर्द्रान्यशमुद्रान्य सन्य पायेद हैं। दे.र्वा.प्रेय.स्थापञ्चरात स्वीयारियात्राम्याम् मृत्या देवराया इ'न्द्राष्ट्री तर् स'मा है: व्राप्त के बारातका वायल छेन्। वायक राम्या प्रियार्थियाच्या विह्नायत्याचियावेयानाने वि श्रामार्थात्यानाने षत्र,क्ष्मा.ची.खेट च.पडिट.डी। व.ध्र.विटैंका। यटब मेंबाल तेम एक्सा.ज्रा ब्रियामा भू द्वा देवदाया ने के किया में हिंस मि हिंस मि किया में किया में किया में किया में किया में किया में बिद्रानीयार्देवाद्या। क्षेत्रानीयार्देवाचीत्राह्यदार्श्ववाकेदा। देर्पणायुद्धा मेन्यायर पहन्याव अदायिका हुट हि है र तत्व गुट देवे रद पदिव "" रेग्'ल'क'रुपुर'म'क्रे'गे'क्रेल'पु'क'रुदेक'मर'म्ब्क'हे। वर्ग्'म रग्व'मरे' नुसान् शु १९ माल रे रेर मान्यामा निर्मा हा सामि छन् में १९ ५ दु मान्य ३ म स र र म त्रा विष्ठु माशेट तु ब्रूट म द ह ३ मा रे रेर ब्रूट म (के 37 द) मबिद मित्र त्रि स ह व माशेट तु ब्रूट म द ह ३ मा स्रेर स समाय म मबिद तु ब्रूट तु अ हेत द स ह द मित्र र मित्र ते ते ति मित्र मित्र

4 त्विन पात्र्य छेन छ छेन पश्रम पति स्रवस

स्था अह ता के देवा की क्षित्र पार (विकास पार्। । स्था अह मां क्षित्र वे ट्रिक्ट प्रांट निय कुल विकास में ट्रिकेट स ट्रिक्ट प्रांट निय के किल विकास में ट्रिकेट स ट्रिक्ट प्रांट निय के किल विकास में ट्रिकेट स विकास स्था स्था स से स्था के स्था हैना कर में किल स विकास से स्था से स

बीच छल। देध हुंच चर्चन तहा । ता खेब श्रूट च प्रबीच नुट्ट पश्चेब्रत्या । देष्ट्र ट त् ल प्रकेश अस अस. बोर्ड स्प्रच प्रवीच नुट्ट पश्चेब्रता हूं हुं नु चे नु च प्रवाह

पड़ित् ग्री. एड्रिच हुंच वश्वश्वर में श्रीय तम् नामित्य थ्रा ।

स्ति पड़ित्र पुन्ति में में वश्वर प्रमास मिन्न मि

खेबा, मू खुब्ब, ट्रिटा ट्रा, ची, क्षेत्र, क्षेट हो, क्षेत्र क्षेट, क्ष्य, चि, क्ष्य, च्या, च्या

न्बद'र्न पन्नक अर् पर्र्र पर्र । केमन उम पन न्द न्बेरि हमः पर केल पर हेट'र लय है पन कनस प्रमुख'रा लय हुल पर ही व प हुंट ··· मलागुद मिलेरि इवानेल भेदा लेख नम। गुद मिले मिल के भेद मम इवानेला ळ्यं रं येता रं येता में प्राप्त कर क्षेत्र क् मन्त्र महि मन्त्र वर्ष वर्ष वर्ष महिंद मा स्वाय हे हिन हिन स्वा में दे हिन रुन् गुर कुंग्यार अव्द म ल कुंग्म नर बन् मयान्वामें में हैं के व मिट दे ख्री-रियामा च्रीय प्रवास में । वियस मुं हिय समी अस मास्या य में हूर वोश्रात च अर्थे तप्तु विश्वश्च हैंचे रेट क्रूबेश त्ताबोड़ने तप्तु श्रु भीवोश्वात हो.. नित न्नान्व हे अप्ति के मिर वा वा निष्ठित इसाम वस्त उर् तु सम है। हेद'केद'दें' देश' महेद हैं। । स्थाने स'सर झर समुर' शुद केर म नर हिंद विषु र खुद अँद अद मानि हैं व में दिर में त्या र् दूर में विह्या हैव दर! थे व लया पहुन की खेलत उद त्युप ला इल तर्षे र के व मेरे कुन नु नि लग त्युक्ष न्तुका पु पद्भाग परि स्नाम का कि प्री ति हैन है। पह पी के कल क्व ब्रा इन महन महिन कि निकरामि के निक ने महिन मह केंव अधुद ताल विवि देश में है। है। देराविश्व प विव में देर विवि दिया में विव नु र हिना हेर में नियम हेर में राम मह कार पहली में । स्वीय मिर्ध रंथ न्वि व्या तथन्त्र मिन वा म्बल में पन् श्रेष क्षाय तर्र रज्य \$ 4 4 2 1 1 1

कृष्ट के अर्थ देश विष्य क्षेत्र में स्वाप्त के स्वाप्त

इत है। रिल्माय प्य देंग.रेट सेंट हुन.रमन बहुर ने बेंद्र था दिरहर मन्य म कन्य महे के तर्न हिंन के तुन मन केन नम महे के है सर तहन पिते के 'हे' क्रिते पाञ्चणाय र्श्वेष ग्री' हुंद अ'बेष पा'दे भेद (क्रि 38 म) हेद दे ल''' लय लय क्रेब.तपु.पचंब.त.रचेय ता.व क्रुचेय क्रेचे.तपु वें य त्र दर ···· मन् मन् । यद्याकृत्यति अर् सन् हुट वी वसन न्व रन्व य य में द र्न हिर हे हिंद हैं। विश्व बहुद प्या ह प्र य च्या उनेर तह अ.च्या य च्य में. य च्या है. यह य च्या केंट च्छ य मंद हे इस्राय स तम र्रेंट युव हिता देव स्वा क सेट शेल स 5 'स' प्टेंय त जब रवेब त पश्चय भूट.ट है वेबब त.हेर.हैंट पंट केंब इसका... हिंद देवी स्राप्तास्त्रवाय तथान्न ४ जीय तराविय तावि मुख्य दव ही अर्थि ही... पत्र ग्रेशः महेत प. भूवे. १८ । रें अ.सेवे. **२.अ.भयः ५**.आ. स्चेष घष पडि वीडीवायः प्तः। अत् विवाकास्युन्यसम्भाषास्वाकामान्द्रतानुः स्वत व विव यह क्रे वि इसल गुर्में र नवारायदे तिल्लामा ता देवलाता उस सर रट सेंद हमारमाना मर अधिवाही। दिस्दिन म न्यास सेम्स में देस चर्च.वे.त जना जन अञ्चल.धि.धन.चेश्वन.पर्चेना । श्र देशस ग्रेश ह श्र. हॅनला । दे हें हेन हेन हें र दे हैं। है पर पर पर में हैं द से हरे। हिंस मामन् अञ्चलारदामाध्या । तर् नुराह्म दा अ हे न्या वा । तथन्याया भ्रजार्न्टः त्राम् सम्या दे स्था स्त्राम्य प्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य 利 上

लयान्युत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याः वित्राच्याः वित्राचः वित्राच्याः वित्राचः वित्राच

अधिव ग्रेश रीथ त ग्रेर त.वं। तीथ त ग्रे.वा इ.अधिव ग्रेर त हा ८ हुआ त लमा अन्ति र लेहर स स्वाय कीन महिस् में हैन हैं होन महें ही होन ह्य नावाब किंब महि धुर न्रेय महि सु तम्य मु ब्रेट व्यमवान महि मु मुेन এক প্রুষ সর্ভর ৡৢৢ য় বুদ। ই(জ 39 ব) বুদ বুদদ নীৰ শীৰ ইবি মন हैन माना हैन मर हैन म न ना है देर नमर नेन नेन मा हैन म पना हूर ग्रं क्ष म होत म है ह है हर महम कि मह हैर नेन मन सिल हें बाब त ल चलवा तह चि.मुरे जन्म बार्बेश चरे बाब त च.बाहे अ.सूरे.त .. लया ह स हिन के तहन हैन कन्य हल ल हुर मु भेन प्र देवे न्यर 5 चुल है। विन सर ह अम्ब न्द लड मिर चेन म में नद के बे बा न्यु स तह्न म तथा सेसल हेन ग्रेस दे सेसस ठव तहन हेन'न्द। 1र्हेन मु तहन हेद भेद र् इ हैन्य रम्रा । तम् म माल्य त्या त्या स्व मुख्दवा । अंत्रव श्रद्ध द्य देश दे 'लय गुद स्द स'सेदा । देव मुख्दय म सूर ब्वीर केवल उद रूट। वे मन हु तिम हेद की मनसर दे हैं है न सेनसर मु त्यस अध्व धर प्रमाण धर सेमस ठव क्रम मु सेमस ८८। देलट पाउँ मर दे द्वा की देंद्र वास्त्र महि सेस्स हैद दें। । खद सु स्वास दि सहस्य सके मे प्रमा के बे दे । देन मुखल महे के अस ने मि है स के स मह स र में ग्राय मारा स्टाम महासारकर विदा दे तर रद महीव ममुन् हरे हैं न प हैं। देश दवे के दवे देश य प्रमास परि पन कन्य रेशस स पहेंस याख्य नु हीवायर है यादा श्री सेवल ठवाने द्वार में स्वार ठवा में स लेल गु. इस कर गु.र्थंट एहता हेर गु विश्व बाबर खेव क्रटन से नियं विश्व तहन हेर में निस्तान्त्र न्नाकन्य परि केन निस्त मेट हेर तहना हेन कु मिलन हूं द पारे देश अपर र ज्या प रेट्री । रिगर व ही स विहे हूं में के हिंद मैश्र में परि खेश पर्वेद देश रिवास पर हें प्रहर्ता विश्व पदि किंद वह क्रिन्, बर्धा है सूर पहेंचे तारे हेरे स्रेश. वह लेब प्रवेत तह होरे. हर. विश्व हूं त्य पर में भीवय (ख्र. 39 व) ने हैं रे दें प संब हाज बीर बोबबात. हैं के प्रति भेगा में हुँ न लिल टें स बैट बैट इस ए हैं र परि भेग स बैट य प्ता दिवे हेव इस यर मेस यवे केंस ठव की कुट वेस के पाये के है। प्रोर व भुषि पुरे तुष तकनाय याव य अरे मृ विन हुंद यहु द्र यह य य वद ने । क्ष देवे लक्ष सुराम्बन य प्रवेद दें। । शिल सुर म्द्र प्रवे हुल स् रम दें न्न बेबल कुं मन् कन्व कु बूद म रुब लब नम्द में हैं हुँ पुल नु के रिकुर पय. हैं टय. त बुब अट. टी चेंटे चें या विदेर अब में हैं द वह व हें द में विस्त प्रेम बैन य न न विद रकन्य यर मुेर यह धुर रविस्य य रूट। मान दीमा स ने हैं है न नु स्नि की मादव नु से लर्च मादे रह मादीव कव की माहेब " निष्ठे हिंदानिके अपूर्त देश वर्ष से वर्ष क्ष कर दे देश महिंदा है। दि दे इस पर नेय परि रूप पविव भवापर धुर दे सूर नु पहि प केव पर दसा न्द विन'नन'ल'क्ष'क्ष'न'न्द'है' बारे केंस ठव न इस धर वहेंन स महीद'दें। । इस्र नेय गुर्के हे १८५ दीना न्द्र एवं ने विष्य में नेय म दे नि र्नेन्'न्ट'न्ध्रेनस'न्ट'म्ल'म'सेव गुट ब्रूट'महे'सळव'३ेन् ग्रेस'हेन् **ब्रू**'''''' ळॅन्यायान्दास्वायानवेवानुत्यकाणुःह्द मृद्देयास तदीष्यद रह हेन वयागा वाहरे दें में हिन केव 5. वेव केट. रेवट. में या के हिन लेल केव माक्लार हैं र के श्रेम मेश हैं मश्रायर च परे रेंद् हुमार्ट परुषाया भेरापते केर हुमार्ट । नेयाधि केया कर है। नि हर दे हैं हैं हि हि मु न हैं वे न न ने न हैं। निश्च न्द्रः म्राम् मुद्रा निष्या प्रतारा मुद्रा । निष्या प्रतारा मुद्रा । निष्या प्रतारा मुद्रा । निष्या प्रतारा मुद्रा । हिंद चडु हु 'पर त्युर'ला ह्द'पडु में 'दे 'द्व गुद वु 'परे 'द्वे 'पन रहेद यर ब्रेन्य न्हा श्रुव यर ब्रेन्य न्हा न्द्रीयल श्रु ब्रेन्यते ह्यू ह्रास्या म्बुअर् म्ब्म में ।दे लिक्ट महुर्य दे लक्ष 40 क्) मृह प्र मृह ८ह्व च ल ख्वाय चहुन च मुने हे वा हरे ल वह री वह प जा स वंद पड्नर मुद्य प न्य दे तहेद अस तहेद हे ने सस ह मेस हिन में है'दस दे। । वे क्ष भ्रेद्रायन प्रेट् इट र र्ट र दे न पर प्रेट् दे हि के रहित प हिंद में य हां विवायित रिय ग्रीट रहेता पर हे में मिन में है व हिंद के है पर्म म रुव अव रे'हर युप'य है। । बेब मुलुद्य पर देनवाय है 'रेस हु' हिर छे. छुव तथा वित हेर रेट हैस हैन छ किया प्राप्त हैं। सब देश हर हुट। धिरट टूर केल च विषय तथ. पर्नेच त हे. ईश्वय स घर होटे तथ. हु पदि में ने न्य दे तहे व परे हुंद हैं। । गुंद कुंद र इटल प से पिनस यस पर्वत य ने निवासत्चितायह केला क्षेत्रा क्षेत्र यस प्रेन यस सुवायह हिंद ···· 돈 | 1회8회 미국적 근도, 공적 집다 열근, 1교회적, 다석 다බ다석 수 횡로 다. 날, 근데, म्बर्स म्बर् प्र म्बर्ग्न पश्चित्र दे वहाँन यह हत्य ग्रैस प्रीयस ग्रै। ग्रुप्त में प्रवास के में विकास के में प्रवास के में विकास कर गु ज्याय हे म् अंपया हैव धर हेर धर र हेर धर हैर खर है। । लट हे हर वट रुख बहे ए विषान्त बुर बुर दर बेर बेर में अब देव मुना कर प्तान भैत्र श्र्वेय व र विर प्रह्म हेर क्यंश तर कु.लट ट्वेत्य क्ट.ट्ट. ह्य पर्दः विर्श्वायापदः प्रीवारिष्टः अपुतापदि स रवापुः विस्ताप्ति ।।। निस्य व नाम्राना छल है। हूंटान हेर्न कु अक्व हेर् रेन देव हेल खब खार निर न्वय पार्षेर्वयमार्थः न्वयः स्वयः। देव ह्यासः हर वन्यावेषा न्यत अन्। हिन् न्वेश सर्। पायश हैल सर् क्षेत्र न्या बेटा ए हैन पा हिन् ने।। रेटबाल बेल्. पटु. बेरबाली हूं. पर्वसाया लया श्रेप दि चा पढ़ेव. दे. दुल:खुद इसकः ग्राप्य नैट:खुद्र'य (का 40 प) लक्ष ज्ञागुः ब्रचुटः यः सेदे दृदकः । म माँस पर पावसामाया। दे लस कर बेब सु हु सुरे कु'ल चुट प कुरे दृष्स अ'नाम प्रति न्द्र म्नाया दे स्वरंद्र अपर त्य स्वरं त्र मूट व स्वरं न्द्राय मूर्य प्रति मृद्रा स्वाय स्वा | दि द्वाय मृद्र स्व हि हे म्य हित 지도 밀도 다'루'다짐다라'다'에서'황도 전 뭐'당도 도미리 다리'미리저 목처시 요딏ㄷㆍ हे दर.रे.प्रतिर.त्.त. हेर् तप्र २४ अप.त्र.प्रवश्यम्ययः रेट अर्थट्यः भेट । ने क्य न्द्रीयय सुर्देन यदे हुन वीय रे हीन स्यायवाय यदे मान्न म द्वेन ने र लय तरु.योवस श्रेपस.के.विष्। । ने.केर.इस.ब्रेस धिर वे रक्षितर्धर वस हेर प्राप्ता के पार्मेर त देशक हा है त पार्षेत् रे हिंचेश तर एकेर ता लिय .. वा ।देशव तरेनाहेन के निमम कर दर द्वीयम दर वर्गेद्रय है हो प बर्न्र्र्र् द्वरामाने न्य ग्रम् ने क्षेत्र सरामेन सहिष्य ग्रे ह्वर वर्न्र्यह रा न्तर तथाक्षराया तथार्वरावान्तरान्तर्भवात्रक्षयाक्षरा विश्वर हुन् निर्देश के विश्वर मानिकार हुन् मुद्र प्रति हुन् ने सूद्र प्रतास के वर्षे । । हर्-हुन्। तस्र रन्यायिक हिन्। हेन कुं। वस्य त्युवायिक हुन। यह । द्वा ह्रवाक्तराया विषय कुष्पवायात्रात्रारायात्रात्रात्रा देवारावाया मनुब् ग्री देनाबामा तब में ब मरा चु मा है। विदे हिर है दा नी हिंद हिर गु निर हेनानी हैं र इंदर में प्रमम कर् इंदर मारे दे मामला महे मकद है दे कर की महा प्याञ्चर्यान्दर्यं स्थाने हैं दिरायहेश। येन है देव द्वारत्यराता हेन ख्वा है। वक्द हिंद रुद चि वर्षे तथा है। रूप मि वर्षे वर्ष स्वाय पर हिंद पर देव बुदे'न्बर'में'वनर'न'ववेन्'नदे'वळव्'हेन्'ठव्'चु वधु'यव'नुवावे। मा अग्रन्तरा स्राता हेर्यास्रेर्णनान्तरमा ह्रान हान्द्राना के' मनुवा पुरानी (कें 41 व) नगर में 'रमर माझर मिर बळव हैन 'ठव पी वर्वे प्रयास्त्री में द्वी द्वारा हिनाना वायात्या वहने इट हे है ने चर

ब्रे स्टीटब्ब, ट्रे. खुटा ब्रूट तर्बर ता. प्रचा वर्ष्ट, जियम स्था लुव, ट्री ।

तथीर तर्वा स्थान स्यान स्थान स्थान

मुह्या मुद्र पत्ने प्तर्। । मुह्या मुद्र पत्ने प्तर्। ।

 स्थेश.चैं। । अथय ८८ अथय वैट. अर्थट्य.ता. कि. र्वर.चैं। । १० व. श्रट्य दव ह्य ग्रें दें दें त्या त्या है । विश्व त्ये च वर्ष मान्य के श्रें दें हैं। विश्व प है। ८५ व चन रट पन दें ने निबर रे वी रामित क्रम वन कर पर में निका में वेर्'पर्वे कु। दे सर्ट ग्रुं स्था ग्रेश्य वृत्ते वृत्तं ग्रुं प्रेन् कु र्वु र दे। र्वराव केन र्मर रराम्बन्य देखना नेया के मह मेर कु श्रेन'र्चर वे हेव ग्रे'ग्रेर'कुं'र्र ग्रुग्य'दे'ग्वय'ग्रे ग्रेर कुं'व्द'यदे'ग्रेरा विचल वे.लेल क्री.नेट क्री.लब.हो। लेल क्रीट.तर वेल तह होटा अ.स्व क्री. गु ८५०'अ ईंट तु बॅग्ब इ'अ'ह'ब धु ब धु'बदे'चे्र'कु'फैद'हें'र्न्न'रेश तर क्रिट. तप वे. ता प्रट. तप हेंद्रा वाता वे क्रिट. तप वे ता प्रट. तप बैंब त ब्रट. ग्रेट. जोतंब ब्र. होट. त. दब्ध. ही क. दब्दा त ब्या पर्। ८ देंब. है व ही. क्र्यान्द्राह्नेन्द्रवे द्वेन्द्रिंद्रवेद्द्द्रवेद्द्द्रवेद्द्द्रवेद्द्रवेद्द्रवेद्द्वेद्द्वेद्द्वेद्द्रवेद्द्द्रवेद्द्द्रवेद्द्द्रवेद्द्द्रवेद्द्वेद्द्वेद्द्वेद्द्द्रवेद्द्वेद्द्द्रवेद्द्वेद चुरामाद्गाक्षदाह्मा त्युदामारे कुं दियामा है। त्युदामा केदामा विद्वारमा वटालव छवानु हिन हैनातमुद मुं किन्यान्दा असमा गुरहेमास बहनायहे क्ष म्ययान्ता येया गुरायदा ह्यानु में हिरा हिदा हिता हिता है। विदेश हिता है। अक्षर हिन क्षे अंगम क्ष्मर निरम्भ कर मादित क्ष्म निरम यद ह्य नु कु मार मा लव.त के.स्ट्रा । देव व.प्टेंब.सेब.सज.क.च.बुवा.सेव.कुवा.पर्टेंट.सैंट.सैंच. मामेव दें। । नियन व सम्बन्धि स्ममामव हव में हिनय में मामानु हव हवा ७ में. प है. पेट्रां । प्रयापट य का या का या के वि व है। या में या प भरेश.में.चैं.बुय.वे.हें। यय.य.य.यो.पट.चा सै.पी.यु.सै.पीपु पट.चा है. वि.रंटा रेबे.पष्ट सिट.मू.कि.रेबे.पष्ट श्रील.अध्या श्रूरेबो च.रंट पहुँचया लट्रमः तम्बर् हेव श्रायः ठवः क्रे. भाषा अहम। अः तज्ञीतमः लट् (क्र. 42 व) अः चर्षे द. दे. हे ट. मु. अंध अध्यानु मुद्दा । अथय ८८. अथयः निट. चट. वट. मुक्र वहुकानेता हेर् प्राप्तिकाकार्यात्ताहकारा प्राप्तिकारे वहत्त्र ब्रीट. मृथ्ये. ब्रीयः अस्तानं ता के. विश् । ।
क्रियं पटः कर्वः क्रियः अस्तानं ता के. विश् । ।
क्रियं पटः कर्वः क्रियः अस्तानं ता के. विश् । ।
क्रियं विश्वः विश्वः

त्रक्ष स्वार्थ के स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्व

प्त्याक्षेतिष्ट् ।

इ.प्ट्यानियाक्ष्याक्ष्यं पट्चा च्रु प्त्याचालुक ने हैं, ट्चा क्ष ट्चारु, पट्चा,....

इ.प्रियानियाक्ष्याक्ष्यां वर्ष्ठ पट्चा च्रु प्रत्याचालुक ने हैं, ट्चा क्ष ट्चारु, पट्चा, प्रत्याच्याक्ष्यां ने व्याचियाक्ष्यां ने व्याचियाक्षयां ने व्याच्याक्षयां ने व्याचियाक्षयां ने व्याच्याक्षयां ने व्याच्याक्ययं ने व्याच्याक्याक्ययं ने व्याच्याक्षयं ने व्याच्याक्षयं व्याच्याक्षयं ने व्याच्य

निश्वातावा दे मार प्रमानिय में वित्र में दिन में। तर्व मामिया म्हितामु लम्बाने निरादर तर्दि। हि स्नित् है। लम्ब मुद्दे क्रेंब द्वायान्य है। दः ९५ व.चे व. क्रु. क्रु. व.च व.च. २८ . जू. जूर. त हे तथा तथा थ्यू ते तथा । ब्रुबा प्रमुद्राप्तराष्ट्रीरास्य्य स्थात्रक विश्वास्त्राप्तरात्तरात्त्र गुर्दा सम् ब्री.चेष्ठेष प्रथः ध्रेषं अप्टयः ताद्मेषय राजः तर त्रियः तप्तः क्षेत्रयः ग्रीयः क्षेतः ताब्राः ः टर् प्रवादियात्व इ.इर. प्रेचेबातपुरिष्ट्रेचात देववातारच्याति वृव्याति है। व्यायमार प्राचित्र व्यापन विवास विवास में मान विवास विवा मुं'९न्नव'म'युप'यव'मेर्'धर'९र्द्रादी क्रुे'प'मेर्'धर'मेर क्रुेर् मुं'क्रेर्'क्र ब्रद्रायान्द्रा। पुत्राबेद्रायत्रात्यात्रात्येद्रावेत्वायदेर्येद्रार्थे । इत्रा ਚੁ੶**ਰੈ**੶੮੶ਜ਼ਁ੶ਰੈ੮੶ਗੂਫ਼ੈ੶ਫ਼ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੵ੶ਸ਼੮ਗ਼੶ਜ਼ਁਖ਼੶੮ੑਸ਼੮੶ਰੇ੮ੑ੶ਸ਼ਫ਼੶ਫ਼ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼ੑੑ੶੶੶ पत्र श्री |देशद श्रे पञ्चेत्र भारत वरदे हिंदामार्चेद पर्दे । वि दे ता श्री ब्रियामा वता नु त्रा वत् क्रियामार प्रत्यामार प्रत्यामा वता मेत्र क्रियामा विकास मान

चल त. है। हैर के घटना पड़ के कि में के में हो । । अभन स्वाय केंद्र प्रतिष प्रचेश प्रचेश दे ने स्थापन । तेश चेन खेल उट. क्र्य ईश्वर. टेशनेश पर मुदा । भुः त ने नव के में ने दाय प्राप्त ने मुद्दा । मुद्दा के स्वाप्त प्राप्त के स्वाप्त प्राप्त के स्वाप्त म लय वर्षिटयारहार्टा हो हेट.के.बट्यारहेर्टा वार्याहारहारहेर बहर्षान्त्रभागान् द्वेष कु'स'मान्य उट्यावियाने कुरिकेष केषान है। दे क्षत्र[®] त्रदःरदःवीःरत्त्रपुःश्चेरायायदःरद्वात्रप्तिःश्चेत्रपिःश्चेत्। परु.हेर। नेत् कु.ल प्ट्याबान्यशाचराम्र्रायशस्त्रान्यश्चीया कु.क्र्यावसया रुप् कुरे कुर केर पर मशुरसमाप्ट त्यायाम देर सम्बद्धा । बेबबर्र्स्रन्यरहेरवेबबर्द्राच्येवबर्ध्यसम्बद्धाः चर्त्यः चर्द्यः चर्द्यः चर्द्यः चर्द्यः चर्द्यः केविवर्धः देशः अपन सुःरेनायः अवुद नावदः अद्गासरः हयः अद्धारयः मेदः। वर्द्धारयः स्वः रिन्यायवुद्ग्न्ब्द्ग्नेयायरायार्केत्याराञ्चेष्य(कै. 43 घ) ४४ घ) ४४ व्याप्तायार् रत प्रतिकार होने ता दे अर्थे तकार तारे अविवास हो में वे हो अपी स्वीका इसस भार् निविष्णायात मुद्द दिस मुद्द अनामी देश में साम हिन नि मरुव सरि'द्विन्व'तुर्'दे'न्वन्वन्य'तुःश्चे'बहेद्'यद्'यःमद्देद्' । । रहःसदः

मिल्य सह प्रीय में के मार्थ ने हार मार्थ हैं में से मिल्य मिल्य सह प्रीय मिल्य सह प्रीय मिल्य सह प्रीय मिल्य सह प्रीय मिल्य मिल्य सह प्रीय मिल्य सह प्रीय मिल्य मिल्य सह प्रीय मिल्य मिल्य सह प्रीय मिल्य म

प्रेश पाश्रद्धा । प्रमुखान्त्राचन्द्राच मूटास्रहेरस्वन्याक्ष्याम् च स्वास्त्राम् चु। स्वेश

प्रचेट. च्या के स्वाप्त के स्वाप

स्टा ट्यूट त्यूट दे स्टा स्टा में स्टा ना मुना है स्ट्रा । स्टाय दे ना में ट्यूट की महुन जब स्ट्रा म्हा मुद्रा स्ट्रा में प्रिया स्ट्रा में प्राप्त मार्थें स्ट्रा में प्राप्त मार्थें स्ट्रा में दे स्ट्रा में हैं है स्ट्रा में हिन में हिन स्ट्रा में हिन स्ट्र में हिन स्ट्रा में हिन स्ट्र में हिन स्ट्रा में हिन स्ट्र में हिन स्ट

मार्ट दे.र्च कें.चेंद्रच जब पंच सुन सेंद हुत है चें चंदन सह हुर। । मार्ट दे.र्च कें.चेंद्रच जब पंच सेंद स्थान पंच सेंद कें.चेंद्र सेंद्रकें प्रति से सेंद्रकें

नी बिश्व त है। अक्ष हैं है प हैं य देश अक्ष नी बें देश तर नी बना तर हैं। ति.लर् ६४ के.पत्रस व.कि. त है.पर दू. प्रे.पर वे.पर वे.पर कें.पर्यस हा विस. तह मैं तथ श्रेश में में दे में दे में ति मा प्राप्त स्वाय से दिने मा श्रेरियो मा लय थ्र.रेचे वा जिट थ वर्षेष जयतिर अ.वर्षेष क्री.व.हे.वे. बैस वर्ष त्येलामि द्व मेर्नम अर्द महिं कुं लेन गुट छ। देतर मामक्रियाम न्दः ह व बहुद्य पान्म्य प विदाने। न्येरादार्द्राष्ट्रम् वस्य गुरेदार्वेदस त पट्ट कर्वाय पथा विशय मूट अ.चे हे य. ब्रूट य. त. च हे टि. स भेद'यर। दे'लय १६६ परे पर्य गुे'हेंद'स्र माम में देंदर पर व य अब्दर्यता रेट । १ व अर्थातालट द्रम्य श्राप्टराय भ्रव में ९६५ कन्यात्रात्य तत्य तः १९६५ कन्यायः क्रिन्यः हे तः देन्य स्टः न्येय सः लव व्। विश्ववत्तराष्ट्रेचेव तरु मैंटबावर्द्धत्य तरु मैं तर्वे न पर्दिन न पर्दे बर्द्धत्य हेव. हैं, कैंर बेर्नायात है। पार्द्व, मृत्युष्ट्र र्वा प्रम्पः श्रुष्ट्र रेविंदा अध्यापिता । प्रम्पः श्रुष्ट्र विंदा अध्यापिता । प्रम्पः श्रुष्ट्र विद्याप्ति । न्ध्रेय मुद्दे में मु महद्द्रामार्टा दक्षेन्य सह सुला सहद्द्रामार्टा खुल(क्ष. ४४ म) ने चुन अर्द्धन्य मान्मा द्यापारहित हैन्या पठिणामस्या सर्वत्य पर गुराधारे द्वारावाक्षणानी द्वापर नेवाप हेरा नेव भु मु गुव्याविते प्रमाक्तायास्य प्रति अश्वास्य पुरा विष्या क्रियाने स्वास्य स्वास्य रहा न्न रेंच मन्दर्भ त्या मन्दर्भ त्या मुद्द माम विवादी। देव विवाद मुद्दर्भ माने से समा

विविध्यात्रात्रेवियात्रात्रे देशक विद्यात्रात्रात्र दे ति देशविय च ८८। भ्रमान्त्रीक मेल ह्यें र खलानार चना देह चुर जैका पहल स हर के कर चुर "" क्षरानायतानेय वहाय प्रता विष्याची द्वानीय विषय की द्वापर यता रह्म नापुर पहुंच केंद्र कर जुबाता त्विर दें अध्या नैंदर क्रूरा व व वीवाय.. ८ह्रवे.तपु ४ह्रवे केंट्य १वे.लुवे.तय.वी अन्न रेट अन्न पन वेंट व. मिर्धेयाअर्थित्यात देश त पर्वेयाञ्चात्य अर्थित्य पाला दे। विषेत्राच्य पा लब हें व झटल त ही दार होर त वे गावि र में है विश्वस में बें में विश्वस हर्र्रात्में पति र्व विवास। जार बनारे क्यायर मेंस पार्वे पास नेन्य वुन संयानर नार्क्ष न कुं खेया ग्रहा देलहा कुं खे स्टालय समय सम्यास कर्नायान्ता बे. ब्राम्या तथ दा कीला ही ता से पी रदा । वर्षे विषय में हें व ब्रद्यागुः त्य्यायुर्याम्बर्यार्मेदायाम् विष्युष्य गुः १६ व व्यव्य गु हेव पुरामा है । या **षद् प्रायार्म्यायाद्राया शास्त्रायाया विकास्त्र प्रायाया । इस्रास्त्र वे त्या प्रवास्त्र प्राया । इस्रास्त्र वे त्या प्रवास्त्र प्राया । इस्रास्त्र वे त्या प्रवास** नि क्रिन् चेन् गुः कु त्या क्रम् क्रिक् कु नि मा विकाने क्रिन्य सु तहे क्रम्य होन न्ने'म'लबारम्बान्तित्वाम्बान्ति वित्तान्ति । ने'लम न्मेरावान्त्व श्वर में क्षे-द्वे मालकादेवे त्रव्यकासु द्वुलामवे खुट् मं खुमामा हु सु है। द्वुलामवे ह्मनाम्बर्भक्षाक्षाक्षाक्षाक्षात्राच्याक्षात्राच्याक्षात्राच्याक्षात्राच्या खुका है व खुद में व कर बे कबर पारे पा हु । खुद का पा झुव में व मिव मा पविव र ु कु र ने र व व प प र म गीय हर र त स द म गु द हिर द म शेव में पु द द म । न्ने पाकालिव हे लिए का पहुंद मिं वहीं । श्विर कु खनल ठर पहुंद पेर परे कु मि वरार देशमा अवे ला । राम्य ति साम्रे नार महत्रामा वे में ने मु मतः हिर हिर कुं तुत्र केर दे भ्रम्य परित्र के माने द्रा ।देशहर सम्मास

महिता है। किंद्र प्रस्ता केंद्र हैं। किंद्र मिन केंद्र प्रस्ता केंद्र हैं स्थान केंद्र हैं केंद्र प्रस्ता केंद्र हैं केंद्र प्रस्ता केंद्र हैं केंद्र केंद्

| अर्दे मान्दान् वेणवायि एत दे न्वेणवायि के व्यव नेव थिव वै। र्वट नेय हेवा बर्ट हार्य रट रट में देववाय मेंद्र वा ब्राय में देवाय में न्द्रवाशुम्बर्धः वत्रात् दे नेवामादेशः अर्थः खुलानु त्रह्मा विदाला चेशन हेना प्रकल देशम कुन दे देशन कार हेन दे ते भाग सम हिन के भारत लम् तह्रव्यस्याणे पात्तः करापुराया रस्यो वर्षे । | दियेराव्यू क्र कुष्वतःमेष्ठःश्रेष्टं वित्रामवस्यामः चेत्रायते श्रूत्वे हेव् विव्यामविव्युत्तर्दस्यः यं वस्तर ठ८ 'ग्रे'हेव' छे८ 'स' **वे**'यर मा यहि 'ग्रेव' थेव' हे ' युव' स्ट मी 'यर मा जेव'' गुद्दान्वितिः द्वायारः नेवायाद्दा युद्दार्वेदायायेदायते प्यति। यद्वाने विषाप्तिः हेव 'द्वादार्थे प्याप्ता के देव 'दु खुद 'वा क्षेत्र असामद दिलाया रदःरदःषीःहेवःददःषावसःददःपावसःगुरःयः द्वस्यःस। । सद्दर्यःगुदःयनुसः खु-१८-१-भार्वभारा-र्गुर-मुख्-सार्थवाहे। हेद-५८-१०वेद-माञ्चद-१ ग्रुट-स्रमा क्षिमान्त्रम् त्रायान्त्रकाराक्ष्या । त्रिमान्त्रम् त्रायान्त्रम् । इबःयर:न्न्'यर:न्चर:कुन्:यहा ।देवःहा ।र्वेन्वःकुवःन्टःचन्न्'यहेः कुैव्ग्नृष्ठेत्रःगुटःग्रेदःग्रुदेव्दःर्दुत्रःयःयेवःर्दे। ।देःमःयनायदे कुैव्ययः त्र्रात्र्त्र्वामात्रुव्याप्य्रायम् । प्रायास्यायस्यायान्यस्य वैर्द्रवायायस्य न्दासह्दर्भाया कुं प्रवेगाया तन्सामायनायाम् सहदाकेनामसमान्दर ह्दासराहर्नात्मात्मा (का 46 द) न्य मानाक्षेत्राति नेन्य के नेन् मरः मृं रिच्चेन् हिन् रिच्या स्वाता स्वाता हिन् स्वाता स्व तार्दा वदावेवायायावा द्वेनवायराचेद्राया दवन्तावा वात्रा थयः लेबायः ८६२ : ब्रे. स.१६८ : चड्डा स्था । दे. लेर. मुब्दा चढ्ढा क्टा मयः अन् नेयास्यायाः स्वत्यायाः नेयाधेन्यायः स्वत्यायः स्वत्यायः स्वत्यायः स्वत्यायः स्वत्यायः स्वत्यायः स्वत्यायः स हटः। मुेव्'न्हिव'स्रसम्बद्धस्यः स्टान्यः नेव'मय'नेसःसूटः दटः नेसः स्व'नेसः घॅ'क्वेद'यर'पवेद'दे। देशद'नेव'यव'येक'ब्रूद'क्वेद'य'ल। क्रेद'म§क्'ळट' मुं प्रेय तह म सर ८र्द्र म इसस स दे दे लाट कट पर मुंद पार्श्व पार्श्व स्था स्था स्था से स्था स हिंदी में पार्थ से स्था स स्था स हिंदी में पार्थ से स्था स स्था स से से पार्थ से पार्य से पार्थ से पार्थ से पार्य से पार्थ से पार्थ से पार्य से पार्थ

न्युक्तरा दे। कु केद त्र्वा य स्य परि त्र्य ए हो। वि रेश खुल कुथ. पर्वेय त पर्वा पुष्ठ प्रस्था । अध्यय द्वं क्रिंट, क्रीय. पर्वेय. त. ईव श्रीय लस्या । छेर कुर छेर लस्य श्रेल स्रेश कुं अर्थे हा । श्रेन्टि कुं कुं अर्थ. मह रम्बा म बे निल मह र में व दे हैं। हैर मार्थ में में रस्या त दे.तथ तप रत्य रह्य क्षरां हेंपर गेर.ह्तामी.क्ष्य क्षरांतय वा । विवय विवयः देव द्वायरे वर्षेवायदेव वे प्रथान है द्वार परिवर्श लन्न पु महन् व मान भेदाही। देंद दक्ष दिवै दे हैंद लालन्न पु महन्तर यामरात्र्रम् यात्रे मेन वेत्याता नवित्याते वे स् मं हेत् के मुन्द देश र्चेर बेर्'यहे खेरा द में केर् केर केर विषय है विषय ह बहर्'यहा । तम्ब पुर्दे का बिद् हो। त्रुव व पुर्व व मुन्द् दिव गुः इत्र निवर्गा श्रे १ वर्ष मा । विः इत सेत मुश्य में व पार्व मिर्याम् त्वस्तुः भेदः है। दे देन स न्युन् (कें 46 म) महै न्यून नु पुत्र है। धु र्देवाम्यानेव परि नव्य स्वयं खारी हिंदा हेवादा हिंदा हिंदा हिंदा है है चै पंडियंशः ऋरें दे, द्रां ते ७ ४ सर्यंशः तार्थंश घटेचं ४ वंशः छ्यं छटा छटा चटे. न्युन् पारे प्राप्त नु युव है। क्षे रेला कु रेव मिवा के लेव दिल पाव का खु बूट परि क्यारेण ५८। ५व ५ म्हर परि क्यारेण भारें प्र या क्यल पर्ण परि प्त्यास्त्रात्रात्म् । बेबब ठव मु.बैंट्.गुबापर्वेबतात्राद्वेश्ववाह्ये में प्राप्त संक्षेत् है। लया के ह्या संन्तृत्वा सार मा हिन के हिन के मा स्वाप्त सार साम

न्दः। नेर ब्रूट परि इस देन । सन्य प्रमुख या इसस्य या । चिन् तम्य दे। 리스 희망 및 소설 급드.다 네드 성소.다 점점성 오근.丿! IN너 외8억 및 튀.너석. चैट.च.रंशस दु.में.अर्थे में रचंस.सेंट्रा रंटे.रंशस.मैट नंडू कु चहु रंचट. 5.विश्वत्वात्तर् त लुवे की। अवर विव में दिश त वे अपने वे । विष्ट र्ह्यामा द्वारा हुन पर छेन् पारे कु वस्त रन है देव पर महित सुरत्ना धिव है। गुव वस हैं व सिंद्य गुैं मुंगुद नाबिदि इस यर नेस य दिस्य यहें चन कन्यान मुद्द प्र । इस्यान पुर चर्त कु बन्या से से प्र महिस सु'त्र पति देर। देवद दद में गुव'वस हिंद में दस पाद कु गुव' मंबुद्धः देश तर मुंबात एक्रिंग्यप्ट, बार्मू व पर्मा कर्मिष देशात वश्या कर्मात वश्या कर्मात वश्या व मिलस मासुलारि मिन प्राप्त मान वसाई व सामित्याया सलसा उर ग्री कु 'वे द प्राप्त व रा माधिदारी १ दि। सामा सहिदामा गुव महुता हु। अवामा सवा मुहाम देवा चव्रद्वं लेयामन् नार्ति हर्षे दे हिव्यान्ता हल विवयः सन्यान्ने महेर लयःलयः नृणुक्तात्वा कन्यायः विवादा द्वायः क्षेत्रः की। यद्य कुका कुः कुः । नासुद्र युनाय ग्रे ऑव रहव सम्दर्भ सन् कन्य गुव नाबि य सबन स हेर येव प्रेर लट ने हे ने र दे ने बर के बे बर ही खेंच के किए के विकार हैं ने के किय हैं में हैं कु'अधुव मामेन्यामराम्बुद्यामरे न्युद् रामे हेन् भेव महे कुराने विया "" निद्रा दे भारतहेव वस्यायद्या क्रिय क्षेत्र मुख्द खुन्य क्षेत्र प्राप्त स्वाप्त सिर इस्रामान् विमानेसाम् कुरामि सामि सामि नावा नावि ता महामाने के नामा वण'र्'क्स'म्ल'र्वेच'धर'रखुर'पहे कुर'युर'धराव वल'ध'रेर्'धरे साध्व ढेल-तुःबेु वन् वेद्'ग्रु त्र'वेद त्रदे सेमल ठद् यमन ठद्राय पद्राय देशा देन " हा । जिट्द मुक्द इत गुम् नुर्दा हुर चुट में कु बेब नहेब स्टर्प तालव है। ८८ मा है। गुद्र मुबिदे इस क्रिय के कर इसस ५८ । महिल प दी स

तार्। ।

ब्रिट चीट ची मेश राम देश ४ ह्मा माम ब्रिट में में प्राप्त असे स्वाप्त माम विद्या में स्वाप्त स्वाप्त

तहा । दिन्द्रालान्धेया हैर पद्धेदारान्टा ने सेनाक्षेत्रकानमेन पहा।
पन्नेदार्गा ने स्वाप्ति ने स्वाप्ति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वाप्ति स्वापिति स्वाप्ति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापिति स्वापति स्वापति

पश्चर्यकान्नुर्नित्तिः लक्षानु जाद्यक्ष्यः व्याप्तः निर्मिर्गाने । त्याप्तः विषयः व

म्। । प्रदेशका स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

महिनाम दी विक्रामित कामान मानु विक्राम है। विक्रमान पन्न.पन्न.८ में चे. प्रमान क्षेत्र । वि. पन्न. हे. पन्न हे. पन्न स्वान पन्ने वि. ब्रूटा दिलट इस ल्जिल समा मद्रम क्ष्र द दे न्व द द दे न म्बद् क'स्यातह्द न्दाष्ट्रा । १६ न्यान्द स्ट्यात्वेशाच स्या । १३व माष्ट्रकार उद् 'वयुद्द' चर' वयुर। बित्र त्युटायाष्ट्ररात्रिरायान्दान्दर रुविरामरारुषुरामहे सामे परामरामा करारहे वारि मन्यारहे वार्षे वारा ब्रेय गुःबेदःख्रायःदर्दः द्वयःयः २६ दे दे दे विदःहे। दे त्यः यहेदः दयः व्रः पार्देदः ब्राट्या क्वा प्रमाण में विश्व विद्या मा स्वर्थ क्वा किया विद्या विद्या विद्या विद्या इसामराश्चेव'मारे'लमारुट्'मेट्। दे'लमाश्चेन्'मारे खून्'मारूल'वसमाउन्' ♥ 하는 영도시 로. 마시. 레드 아시. 스트 첫 4. 젖도시. 다. 다. 그런 그 다리 취리. 다 되나 다 다. 다. ٩ڳٽٽڳ٦٠ڳ٦٠٣٣ קבישביק٠٩؏ۣڎ٦٩١ جفت م٠٩٩٩٠٠٩٨٠ عظم٠٠٩٨٠ क्के'लब'बस'र्यारेप'ठद'रॅर'सु'*न्*द'ल'र्येन्य'य'पदिद'केद्'यदिद'र्दुट य' मदेव मदेव'कड'म'कदे (कैं' 48 व्) वे'महन्य व'हूं ह्र म'हें द' कुं के त्रधुल में " वं भवे वं हो। तथन् मा बद्धा में मा वर्षा में में मा दै कुलामयाम्बर्ग । देसप्टा गुद्दिम हुद् संदयालय गुयामञ्जेता । पयः दे अभयः पयः मुद्दः मः भेदा विस्तरः दे 'चन् कन्यः द्ना मितः चयन्या व चर्चाक्रवायाम्यान्तर्भः । वित्रविष्यम् द्वाद्वी वित्रविष्यम् द्वाद्वी

मेर्डेश ता देश पृथ क्र्यंश तमिर रेट हीर त है। हिंद मेश्रा अर्धायी. से अस हिन् हें म केन दे। । रह मैस रह है स रेगा रिनु छेन भेना । मा अस त्र विचित्र पहुर विशेष केंद्र केंश तर. मुंबा । धिट ट्रेर. क्रूर व शक्य एहूय. प्टरं नेयाहै। अवसापुर पट्टरप्टेर देव ययान्त्रनाय स्ट युवा । खेर पेदर अक्षय ब्रैर हिर् तप्र प्रिर प्र प्र रह्मा विर्, तार्श्चेय व भवारे वि. क. क. हैं नल'यर ९५ँ५ व'चय' अविद्रार्थ वेट हैं व' में ९ लोल य चय है व सूट में ५ ८ । ब्रैट इ.घ बेर्द पपु.४ जुल.त रट विंट. रेब्र्टश बंशन ब्र्बर श्वेष वर..... मन् मन् म म स्यानेय पर पु दि तर्राकेष मृंदार्वादी क्ष सहदायहै। सर् लया वेंच मानेन निय (का 48 म) उर्व में 'निया । किया दसया गुव कुं नाव म भेव है। १०६ 'संद ' यस दे विषय मार्टा । श हद विषय मार्ट ब्रुवामा भवी । देव पवित् व हेरा हामा ब्रुवामा निर्माण केराया रदःमबिवास मञ्जीपसायर मासल मा क्राम मादानुतदातमान म सेनामर ९७२ छ। रद मदीद ग्रीकार्ण धरे केवल हैर्'वेंण स केर्'धरे'रुकाठदाक्रिय कु रवित्य दे विदेव हेर् रहानी हैं वे हरायर अपूर्वा यह नमेल हैं होर् ला यद्ना द्रा न्द्र राष्ट्र व व वेदाया मान्द्र हुन या वा सुका सुका स्व हर सूद पर त्याना पा केद पर हाय मुक्त दे क रेना है। के बन खुलास ८५.वेर.तर.जूर.जूब.जूब.चेब ६.८८.घचय.केर.चेच्य चस्त्र. महा प्रते देव प्रतः तहेव प्रेर के नेवायामहित व प्र या केराय बेद प्र महिवा शुःब्रेट मन्नाम्ब्रिन्तुं महिता दे तन खुल लाई द्रु महित महे द्रु वियः स्वायः द्वा, मू. तिंदः कुं. पाना. कर्नाय कुं. बैदः पा. पाने य पालयः एतिल बैदः रणयामाण्या इसानेयादालाख्याख्याचा हेसानेयादालाख्याचा न्वदानीयाने प्राच्यात ह्वदार्देर न्दा विदाय है या विदाय है द वह बिटाम् है। जैस दे सामक्ष मर एहर वाका के कट में हेर वसर हैं। मेशन्ता स्वाप म ही रेश संस् होता द्या सूर म सूर हैन म स्वाप महिन पर ८२.वेर तस अभय.वेर मृ.क्र्याय देशय विष.तपु.ए२.वेरी देश पर्याक्षा महत् यर पुरावय मञ्जामा के दि यर पर अर्धत् अ'या समय याय सर्व यर'' बुब् त्यन्न में बेचन में में किंदि हैं में पर में में इंब कु में रेगर् राम्युव म प्रेव मा अहंद मन। रेगर्व रमाय दृद गुव १४ व. १८ था । विधारचायात्तात्ताचे व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप मञ्जाव ८८: चराम् सुदसाय ५८: १८ । दे द्रा । दे द्रा सुराय कार्य नि=(कैं 49 व) बेर्'स'र्='। कन्य'स्य र्वर्'ग्वेर'परि'येव'स'र्वा'मेय' 회육회의 불자,다의 정신,다,당태다,라는,,뭐,어지,의원,오소,근,라는,나석 떠다,정신,점, थधः भ्रे.पाला श्रेटा अक्षभ्या श्रुरामा श्रेन्य विष्य मर्गा विष्य मर्गा विराविता मर्गा मारा 회수,근,나는도,다,용,도८,天,회,성,다상,리상,다 황 등, 등,사,뤏,청,어, 뭐, मञ्जानिकानी में व क्षायर वे थे व वातक रायर र मुरामी

न्युक्षःमुद्रान्त्र्वे त्याः विद्रान्त्र्यः विद्रान्त्रः विद्रान्तः विद्रान्तः विद्रान्तः विद्रान्तः विद्रान्त विद्रान्तः विद्रानः विद्रान्तः विद्रान्तः विद्रान्तः विद्रान्तः विद्रान्तः विद् गुद महिरे हेट 5 रोस्य गुप्तम कन्य में ८५ माईमान महिम महिना माया प्रवित र्वेट भ्रु ४२.त.र्वभार विश्वभाविट है। विश्वविद्याल स्विव राष्ट्रा क्षेत्र रेटा। दे 'द्रम तहे द मते 'हम नेय की कैं नय' हे 'दें द द्रा रह में सुस सु केंद्र महीद क्रूट चरि पन कन्य यस के लिंट ल हुल कन्य पा क्रूट खेसल गु रें द न्या ना महीपकाहे तिहरामरा त्विवयाया है। वर् हे कुदालवा द्वा न्युवा दव म्युकाञ्चर पारवा । देवाम्युरवायर देवाम्वा दुन्ता वादी केता है मुक्रान्यत पर अहर पाष्ट्रारी । क्रिंग् गुरिष्टेन हेन नवन्य सन्यास्त ह प्टा । इस ने र है न स्कुर प्रे प्रे प्रे स्व प्रे स्व । र में प्रे प्रव प्रे प्रे प्रे प्रे प्रे प्रे प्रे प्र न्दाने के मु में निया मि त्र मिन के में मिन के में मिन के लस विमा अवत वेद पदि हिंद च मुना दित हैं से है पन दिन मन्कन्तरं गु असु भारत है। र्भ क्रून् गु निहम हेद न्दर । दे भा महेद महेद न् बुन्याक्षुः द्वः र र न्याः पुः हे स्वाः हः ये। वुः वृदः न्दः वृदः केद् गुदः कुः र वाः वृः कॅर्'प'क्षर'बूद प'बेबब ब'न्र (कै' 49 प) दबारे'र्पा'स र्देव'र्पबंद्व'पर' बेद द व प्रमान हुन पृत्र तह द परि खुल हे प्रमान विद खुल ल ल हि दे महिन्य कं देश के राम हैं हैं मान दे माज है माने । गुद महिर दश ने स हैं द कर व्यवस्त्रवार्द्रम्यद्वस्याचे इकायरावेस यहाव्यवस्यकुरादी। वयापञ्चरताने पर्याद्र व्यवताक अधिवा की र्यो तार्या कर कार्या के विवास है विवास कर कार्या के विवास कर कार्या के मसनास-मस-स्वयामाना कनाया नायर प्राम्य प्राप्ति नायय प्राप्ति र्देव भी पन कनव पे बहु पहुंच पा है केनव पहुंच प्रवाद राज्य राज्य है न मरुवा नि हें में केन् गुरा तहें व मका वा तहें व हैं मा में जिस. ग्री. मन कर्णयाष्ट्री सर्वे तथा विद्यार दिवारी है न तथे है व तसे दिवार म् मूर्यान्वर्यस्य रेटानुप्र सि.मुर्गान्यस्य स्थान्यम् सम्बर्भावस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य मी.पित होत अर्द्र नार होत हे.चर्र होता ला हैं रे.च हे चना क्ष्मक क्षाया न खेल

मुं अयु पह मा विषान विषा हित में विषय मा दे त्या विष पथ. १ व श्रूट थ पर हिं प्रथ है। है लेश पश पश्चाश पश ह्या अ र ट व अ ब्रेन्पिर रिव्र प.दि नी क्रिंट रहे नीत है। हिन अ ब्रेन्स प्र पन कनल मुै कर पर से स पहिना देहें कि से सम तथ र है। र हेह हैन पर गुरा है। लकाल झ्यांच तर रेव त्वांच तथ क्रूर. तथ है अह लिल रेट रूव रेट जिंच है. मन कन्न एकर पर एच्चर है। बिर मैंट र्सर म हैने हैं ल पर्ट प है। हेद रहेल लुन्य ह्न कु केद खन देन दा । रहिल बर घर म अक्रन सरम मृ क्षुर। । तर हिर लिंद पार ह्या पहल यस उर में गर में नार लक्ष चुर महत्त्र व हैं। मालक चुरा दे लेव म रह दे हिराम लक चुर म स्वाय रुष ग्रेय प्रमेवय त्यावयय १८ ग्रे. १ प व रुवात प्रयास प्रयास प्रयास हे हिंद पर में हे दे ता प्रमास में वे प्रमास है वे प्रमास ल्म्राम्र ल्वियम्पे के के प्रमाति के 50 वे के दिव हिन हिन ब्रेसपरि सम्मामान्यान्य संस्कर हैया परि नेय रच गुरु मनेय स से माद सामर ह्रे बार्य व बार विषय बोबेहर से बार है पार पार है प 도다'는'크다 여자'역도'다'다는'다'다하'다양'저출미'에 자다 등 월도 다고 여밀도 ギー

में प्रधिभः क्ष्मा प्रधिभः देशनाष्ट्रां भावता क्ष्मा विद्या क्षमा विद्या क्ष्मा विद्या क्षमा विद्या व

खुल त्सुल'य स्न हुल ८८ महता मदल लुनाल म ८न में न है हुनल हुद मु न हुन हुन हुन कर 5 महरा मदल लुनाल म ८न में न है हुनल 5 मन्। देखल न हिन हुन कर महरा ।

नित्र है। ये हेंना नाबी ये नादल सिर क्रिंच हन हुन । हैंनाल है सिर्स कुल क पुर । व हैं नाल हे लेवल हव व दुर परि हैंव रें ल व ले हैंन पर मूर मेंबुर मंद्र सिमय है हेर.वे। हिमय कुर मूर सिमय ग्रेस.४५८ सिमय. शुर रव रिप विप पह अद्दर हेय ये.पहूर पह रेपट रे.विश त है। रेपट. गढ़ी क्षुत्र शुन हु पर्दे पार्टा अन्देश पर पर्दे पार्टा देश पर्दे रहा ९५५ त.२८.। १४.०० वर्षेत्र.२ वर्षेत्रत.४ ४५२.त.२८.। चेट २४८. [म्ब ह्या पुं'रेट पर हर्ने पर्टा क्राय हा है ने वास हा हर हि परहें। दे.हेर इव त.टी त्राप. इ.ते.वे तब हिट.श्चेर. २४ में (क्र २० ८) पेंट्र पेंट्र है। देते कु अठद सुद मुन हु रदेंद मदे ल दे। कुँद प्रद नाहेस मा लेदस हेर. ज्ञेस बीच चतु. क्र्य. २२ प्रय. ४. मे. २ मे. २ ८ प्रेप ब्रेट प्रथ. ४ अथ. थे. धट. . नु के उत्ता विस्याणु मूं ये के उत् परे क्षेत्र सर्पर र मुद्दार र र । देव बेर्-रु १६ र-प-रे-१० दे। मुले देवन्य बेर्-धर-ब्रेंबन्मर घटनाय य रेर-त्युर-द्राम्याळर दवाणुटाववुल धावपुट चरावलामहेरञ्जूदार्टा। देव मा डब्र-५ुरहर्न्द्रपार्ने हिर ब्रा पश्चिर-५ुर्वे पहुपायस मध्यापि हे मर्पा यर'ष्य मे त्युर'परे मुँद'र्द । हर'ष्यद'पम्चुर'रु'यरुप'यर'रेर्द्र'य'द हेन् व युप पति हिर ज्ञा पति र प्राय छ । यद व र कु र स्वाप पति हैं र र । नट.रे.लट विव पुर.चरेच.तर.४५२.त.व.२५४.च प.रीचे.त.४८.होर..... निवे लिंद श्रुन केर र त्युरामा हन कर र तह विव मेर र विवस सर त्युर परि क्विंद र दा। द्वाळ प्रवास सु रहें द्रापा दे प्रद द्रापा क्रा में व क्वे प्रवेद से उद्द है। हैना कैना के नव दे हैं हैन ना दमा में नाबे रह के उद्द पार हैन

न्त्र यह क्षेत्र। दे क्षर माले हुन य 'दे'दन के खुनाय रहेद व्य स्त्र क्ष्य न्त्र हु त्युर क्षेत्र रहे झान्य'कु नाले हु' के मालेद क्षटा। दे घषय रुद कुंब नाद्य स्त्र यह क्ष्य स्त्र स्त्र माले हुन स्त्र ।

महिषय । प्राणि में दें दें दें स्वाबुद्रा देहें रद यही वृ

५५ ५ महन्यत्यित व्रिं क्रींद्रांभवा में व्रिंद केरान्या ने निष्ठे सक हे सा है। देवत हैं विश्व वहूर पर्य कर माल्य ने में किर में अवत प्राप्त में वक्ष करते क्षेत्र सु अ मुना (जा 51 द) रट प्रदेव मुनायुन सवा केट म कर्रमे अवतायम तर्याहे। हर्ममाया हैंद महे क्रमाहित समान रद प्रवेद मिर्दा अदे सदस कुषा केंच मु र चुर अद मु र पुर ने प्राप्त र पा र दिर त्रव न्दर्तर व्यामुन वाके क्षेट रदामुदानी के नेवा के दार्घ के के वाके के दारा के के दारा के के दारा के के दारा त श र्वाय शं हो वा ये वया में ला हे वय है ज त है र व सह र वय कर है दा ब्रिट 'नु ' केन केन लिल्लाम निम्मेल मान निम्मेल के केन में के स्वामी में ला प्रमित केर. हर्याता हु इताया क्षारी कि दे हैं हैं वे वहा में मार्थित कर केर पह नहीं में विवास भी वा विवास में विवास में विवास में इसस स्मर् सेर्'र्'म् स्मर स्मर स्मर हो से सेर मुना मेर न्द्रीत्य ग्रे.सु-न्दः वेष न्द्रः मध्ये क्यान्याः हुः ह्याय ग्रुट् प्रेन्। यदः प्रेन्। यदः प्रेन्। gxxx;dxxx;da g, a, usig, &u, ex set 2. ax 12. ax 12. ax 12. ax 12. ax 12. मुद्राकेन है। निते स्टायकानिके द्वर नु नरानुका मेंवाक प्रिय प्रिय गिर्वे

मिश्रिय दी। से निस मिश्रिय सम मिश्रिय हिंद है र र प्विम्या न्नानित रदाम बिन दे भी नेनानित समामासम सन हैन नुम्बनाय है। देव न्द मा धून वा रिवाम न्द्र मा अन मन में प्रित निवेर अना में बन ह इ.म रेच च ल संस्थानसम्ह्रिट विष्यान्ति। यह प्रति हैं से बीच में ळ नेस महित मुसल छ।मान्त्र खु मान काही मित्र हुन य लका दे वे हैन वै ग'र्न'भा ।रट'म्बैद'र्र'वै'हुद'शुम'मा ।(कै' 51 म)बेब वा ।हें मिंदे हिंगाम द स्प्रि केर् किं अवदा ताया त्य ला रहा मिंदे की हिंग माद तकर पृद्धिक रवार् पृत्वाव वाही दे पृष्ठिक रहा हैन दिन प्रवास कर विषय ह्माल य के व वर प्रत्वामा य दे देन य र ट मूल यस। अवर प्रवेते हैं अ न्द सद्य हेत्। विकासा । यो नेव प्रत्य एत् प्राम्बुम्बास दे। हे हे केमल न्रतः हैन में में में राम मानि के के म मान कर् में में राम प्रमा बुन्त हे न्त्रुम तु नेयायर मुक्र नेन । देवान्युद्य या हर केवा मुन्तिर दब म्नायि हे मिं सुरामबुनाव यवासु नासुकारम् । राष्ट्राय केमायि राष्ट्राय निवेर निवंदा मुद्दा सक्त सार्व स्वा की विश्व सेना में मिता है हिंदा वर्षा वर । केर्'र्। ।रद'पदीव मान्नार्यार्दे सर'पदीमान्यान मार्द्य मानुकाले वन र्मा परि हो में से से से प्रविष्य पर्या अद्विष् परि के अपनाम पर से सर महास । गुर्-'चु'न ५८ चे परि द्वापास्त्रास्त्रतास्त्रतास्त्रता ठ्वा वे वे दे दे । वि देवा नै न्यागान्याभायद्वासारकराम्द्रिकार्वसम् व्यन्तारम् वे सन्यस्

बद्यासिय ही देव व हा मुकारे निश्च प्रति चर प्यर त है। इराय प्या ष्य क्षेत्र अर्'व प्रव हव रखेल अर्'विट ख्वा अर्' । वि. सक्ष पर यह सरस मुक्ष क्ष्य ग्रुट अर्प स्मृत्। विव क्षा । दे त रेन स नि विव क्षा वर न्द्रेट्य सु सन् नुस र्वेण अवत महिल की के महिन मुखल लख म हिन् न्द्र न बुं बेदाल। दे द्वातयवाय द्वाराहें की वाद्यादारा पठवा पहें। । ब्रैटा वद 5 जाव कर ज्ञा नाव के समका ग्री नावि नाव के साहित ग्री द प्री द के स्था तिम्र यर तवनायाने ज्ञात सर अाधित यस न नुद नाले स्नद नु तर्दे दे। रिट्रे ल ब्रिंस वस स चित्र झाट ब्रेर.रट चीट्टस हूर बिंह ग्रेंट.व रेवा व स... हीत त अ.चेट से.चे हेर.चेवय.प्रतायम.बेट बेट व वही ले(क्र. 25 व) रेय ख पर बिट जारहर कूर हैर नेया वाजा ने देव परत रेन टेंब अहर हैंजा पनारिता या हिन् सुर हीत परि के सि म वनार्दे हे जावनाय ह सुदें। ।देन व न्द्रीत्व मुं मिंद्र न्द्र म्द्र म्द्र मिन्द्र मिन्द्र में मिद्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र स्तुन सन्द त्रुन्यति वर मित्र हर। दे भूर व द में हूंद न्यत न्वेर बेन्। रा प्रविद न्याया हिन्द न्वेर बेन्। श्रुन्य हे रेन हिन्द बेद्'दु'चबुन्त है। देहद'हें में व्याद्यापत के वियादवा वापत क्यायर रेचे.त.हे.वेर चर्बेचेथा रट.चर्डुब.हेंब.ब्रेब.बेच.तप्ट.ल चेव के.अक्ट.टेटब. त है. तर्न प्रविष्या विषय है. पीय परिवास ह क्राप्य प्रति दे व वर्ष से. तर, प्रविषय श्री।

लिस ह्में व मीख़ झेंट कुरे चू रहा। हुई इस लिस ह्में व सूहन सेंह हैंट छ. न्द मुन्य अक्ष्यं व रदः प्रदेव ह्याय मुद्दे दिद सूद न्द। अर देन वः रिप्र पर हैं। पश्च रम् टिया रा श्री मी हिर विश्व कर थेटे ता है। हे ख्या हर हेब जीत हैं। तमिर के हैंद व जब रह बर वब अंदर प्रवं की हैंद वा . .. केद म र्व महिम स नर म देव मु हो। वि मायल सम मु मायल र्रमर नुस द मेरे बिट म में अ रमामकायर रह मामल। रह महीव में बिट म हिन स्र मे निर्देश व्यान हेरे क्षेट म हिन केर् मारे नका कामर है। सुन में हि घष्ट क लगर र र्जर, घष्। चिर लियाय ग्रे. से घचिरा घर्म सुरा सद्ध केद मृष्टु मृत् भवा युनाव हे हिन एकर परि में सरमानवामा (कें 52 प) हूर किर एकर पंध बैट पंच रचीचीय प्रांत्र मुंब केर.एकर पंध जूटय ह्युंट अरबाबाय सा भी. केर ४ कर. चंद्र हू च्रा अरबाबाय सा चांध्रेय छट. हर एकर पर है प व प्याप्याया। वहर मूल हर एकर पर दियाया व त्वावल या द्वाय मे नेव है तह्व में सदर हैद या सद्वायते हुवल ह अपनानाय मा पर्न प्रविधी हिंद सि हव के सि हिंदी विश्व म सेर रा नित्र ह प्रेंते कथायमार्थासम्म मुत्रे चुरायान्ता व्यव हव कु कियायमा रत चबुर श्रुल बुट इंट न्दा श्रुणकाहेरे इस सवार मिरायर श्रूरार इत् नु है लक्ष हर नर म है। मही इत्रिंग्स्ट हें ल हे हिन इंट लट रिष्टित व रिष्टित मेट दें र व में व हर। में बे इंट ल हैं व में में में म्नें लूर तथ रेचे तपु. बुट रेट अ रेचें तपु अधित बैट असूट तपु चेंचर कीट त्रि ल बुन महा । त्रि हिन मुलाम्बि किनाल मान्ना दे में ल स किना स ष्टिन पर क्षेत्र माल के बिना देलन माले बन के निरम में निर्मा में में में में में नुन महिक वया मुँभाग दिन्दा। व मैया द हाला मुन मुन महि का दय प्रविषानिष्ट्राचेनेवात है। ट्रिट्येरान्नाला अरान्राप्ति मेंदा चेन पाड़े

न्हें य दे 'यब बेबब उद मु तहुव हुव पन् पाय महिना है देने परें। । कि देव पाय पर स्थाप के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कि समुद्रा स्थाप के कार्य के का

संदाने। कें. मृर्मा, श्रेर, बांड्या, ताष्ट्र, कर्या, ता, प्रेक्ष, तार, प्रेक्ष, ता, प्रेक्ष, विक्ष, ता, प्रेक्ष, विक्ष, विक्ष,

ह्य हम है व परि स रेम यार हास में स य दे दूर में स य दे मृहित स्व रहेन स्वेत सर्दा गुव महन्त्र सह स्व मान्द नु'न्युंन् यह क'न्य मुख्यकां । मिल्ली झूट ने रद लया युद यर क मेल यस पञ्चत् पर प्रत्याधित मेव। दे मासुका पुत्र सह्दत्य प्रवादे वाष्ट्रप्राधित मेव महीर प्रवित माले। अर्र व प्रवित मह की अह्या मा। भीव मुंब माना छि०. कि तर्। भिर्यात ल इ.स्रिक प्य ब्राय त है। र पर लया ३ व अवस में अ द्रवाद दर । तस्ति व स्व में अ द्रवाद दर । (का 53 म) रहिल विदे विदेश अन्तर्भ मार्टा वहूर स ह्वास अन्यास रहा। यह्र य पात्र की अ ह्यां तार्टा अ मुंब य शूर्य यह अ ह्या य रूटा है. क्षेत्रकारेना मा इस मा इन मुद्द है रदानी ह्यूद मा श अहिद दे। | दिका हा । दे'लब'रहेंद'यरे भेद दुन न्मेंब य दे। भेद'र नु'य द्र यह ब'य दर्म नेय प्रवास्तर्भवायान्ता स्रवाहित प्रवाहित प्रवाह न्द। खुलाल केदलायान्दा क्रिक क्रिक स र नाव स है। बद 5 है नहिना ह तहत्याव प्राच में कर क्रायम । दियाद हेदार होता पहुंचा है व है दल मुन्दरम् देट रहेर हो। है र ल र हा मह का मह न है न है न हेर् स्टब त पर् विश्व देशव क्रवायात्वा है बक्ट पर विश्व हैरायर.. हिस त है हेर एत्रेल लेपल सं.एहच त पर्वे.च्रेश्न.भ.रच वालय एतेंट पर्य.. है। विदेश्य विदेश हैं निरार्च कर देव महिल्ल महिला महिला मिन हैं -रत्र म नेय य दर भेर हम्य अन्य कर्मन यहां दि तस रविषात्र पर देवे र्ने। दि'लय. से ते वे वे व त त. र्वेंट तथ देश तर के व तर् । दि'लय. रहे दे लिल हा । इंद्रांचहा । बिय याल स्वाय यह स्ट्रांच रचेदायहा । दे त्य श्रेम वन नेत मु नम महेन महान्यासुरहेन धरा सेन धर राहित मान्य

इ श्रुट रेट चिंबेचेब बुंब देश । रे जब लेल के ईब न टीचे ज पुंच न हैं. बुंट. मकेन मित हैं। मकेन दुन मुं पुर हैं। में लय खल तहें वि देन मित्री। दे अब क नव हम पर बरे करे केंद्र पर्दे | दि अब खुल ल बेंद्र परे होद महा । दे लब क्षेत्र कु लेद म में दिन दे क्षर खल देन ते वेद मही। ने'लब त्वुलायानु'अर'बूट'य न्ट छेन्'य छुट यह क है'त्युट'अ'देव य " मञ्जेद्रायस श्रेद्रायदे। ।दे सस मात्रम्य सेद्रामात्रम्य द्राद्र स्ट्रिय स् क्रेप्तस ब्रे मर्दे। नि(अं. २४ व) लब चेब त.रेट वे त रेट. में तह तर टे. हें लट.रेट लट.रे.ट्.हेर ७१५४ चय.७१६४.चपु.में.१९४.७चें प्रीप पीयं से ४६व न न दे. न हे अ न वि श्रेट पर न द र अ के र न हा । दे जिया हि र म स सर ल्लिल ट्रेंब की हेब ल्लेल पर्ड प्रिक्ष मुद्द ब्र लंबर नेबर पर मुद्द है। केब हेद वृत दशःरदः अरेण तशः धेः अरेः रुतुः मुेन् रृतः । द्वानेय गुः कशः सुशः रुद्धः। म न्दा अदल नु रहेन दे केर केर में 'ल स्वाब पा दस केर न्द मा हान स सु ब्रुवाय नता नेहे हो अकेन दुवानता केव वर्षाय परिवास ने ह्मन ने करायान्ता श्रीतायाता श्रीतायान्ता स्थापन तथ में विदाया न्दा अद्भित् मते हैं पर लेदायान्दा अदल द या है प न्दा न्दाल ववासह स्वायाय विवर् दे स्वीर वह वर्षे रात वे में वा व र र अवर एक वा है एत्रेस.कवाय.श्र.एतुट.पर्। |दे.हेर.एव्र.पर् क्र.वंडवाय.प श्रवयः तर्तितिष कि. बु. पूर्ट. कि. र व व चे अ चे अ. तर त्वी व च पुर . क. ज अ विरा हेर्य श्रम्य त कि. दे. जा. पुंच कि रहा हा अ. पुरा वह . क. प्राची हा . के. क्राया अ. ब्रिन्मिते लिया अञ्चय वा स्वायाच सि. ब्रे. क्र्य हेर् ग्री. महायोद्याया मार्या च वया चित्। ग्व वय प्रमानदान्त्रताम् स्वायान क व वित्ति स्वायान स्वायान लकः चुर् । चलकः यः ५६ म्यकः ०६६ वर्षः यदानाः हुः हैनाः यः ५८ । स्रवः ५ 'कः भग्मन् पृ : हॅग्यापान्या। त्यु माद्यान्दात्याल मन्गार् हु : हॅग्यान्या सेव

मालमा निम में मान्य मंद्र मान्य मालमा निम मालमा निम मालमा निम मान्य मालमा निम मान्य मालमा निम मान्य म

निष्ठिय स्वाही विश्वस्त्र । भुवि भुहेद में सन्दिन हिन स्वाहित स्वाहित

कु केंद्र पट्टेंद्र पा इश्वर्थ से वीप म् ।

कु केंद्र पट्टेंद्र पा केंद्र प्राप्त केंद्र केंद

में है य प्री भटफा हुन ४ विट च बिमी चेर हैं अब दाजवा 18.समी.

हिंद येग गुव हिंद देव देव होता ।दे त्य है हे दे त्य बद्ध के इसल है कें १ वे भ्रम्य तथ तथीर पह प्रतित्य सक्षेत्र, प्रति तब्रु त् अपार्टा मुँदि सन्ह। क्रुंबिय सम्बुब मुँदि सन्ह। समैन्य सन्ह। सबे बुद श्चेर पह पर विस हे ब्रा सर अर अर ग्रंह रेंस से. त्रेमस पंबर पटींट . पदीते इ स स स में व मी के नो पदी नित्य करा। ने वन वुर वुर में ते. निय । इत्याय तर है तप (क्ष 55 व) इ बर्टे । ह्ये बर ही व रट उर्ते ... मिर हुव में बेन कुर न्हें या किर न्हें र न्हें र न्हें या है र न्हें या है र न्हें या है र न्हें या है र न्द्र अ कन्य भेद हैं न्य मकुर्'गी हेद न्याया पर पुरा देश देश दिर स पढ़े शुरु महिल महिल प्र पर पर या। प्रार्थ में है द की है नहीं में निश्च त अ.रेन तह रेब बे.से.चिश्च रेट रेने.चेश्चा रेन तह रेब से. न्युव में हेन मेर पर व ने रहा न्युवा रहिरास छ ल न्यर में रहा ने लय. जेस तप इसेर पढ़ी पक्ति परिव है. इ. प्रेडेश इ. प लव जना. जस वुर्'राष्ट्र कृटाल स्व नस्त्राय स्वाय रा प्यार्ट का प्रेय क्रीय राष्ट्र राष्ट्र ह्ना गुव हिंच गुै श्रेष ते पायला देव दश शु शेष ते पायवा रह महिद मु ह्रेन ले'न्स्य गुैं कर नादब हे लुब लंदब खु ह्रन्य स'नुद ह्य द्र द्र द्र ''' रेश कु ४ वेट च चबुद्र श्चेद्र श्वर कर्याय और चीच चार्ष ।

वया कुर नहुं सिट मूर अकुर हूं। । जह साल नहुं वे सा कुर नकुर। कुल निवाय वट हैं ने नाता तान्तहुं वे सा कर ने लिया कुर ना हुं वे सा स्वाय किया कुल महिं सा सा से सा सा सा से सा से सा से सा से सा से सा से सा सा सा सा सा से सा सा

महिन्ना प्रमाण क्ष्म महिन्न हैं। विश्व स्थाप स्थाप प्रमाण महिन्न प्रमाण क्ष्म क्ष

न्हेंच प्रवादा विषय न्युष मुँ त्य प्रवादा हुन हुन प्रवादा । भुष मुँ हेंद में मुन हु नम्रो। नुद हिन न्द्र न्य मुँ तम्य न न्न्न्। मुन मुन तम्ब

चिष्ठेश्राम् है। सदलाक्षेत्रारचेद चा चेत छेर हैं सब च लका । द्वापी

हिंद विम गुव हिंद देव दस हीवा ।दे तस है हि तिस सदत है मु १४ श्राम्य प्रमामित तर प्रमुद्द प्रमास के के हिंद प्रमास प्रमास मुरम प्राप्त । र्ष्ट्रियस मास्य समुद्रम प्राप्त । मास्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य बुट श्चेष पह पन विस हे झूंच सर घर घर घर देह देश बी, त्रेंचेब पंबर पविट... पदित ह स स स मंद में कि ने पदि न म र स मा ने द स दूर दि स नुस त स्वीय तर है. पहु (क्ष 55 व) इ अर्टेट त हूँ व सह बीब रेट उति ... मिर्दे हुन में भेग छट महिला केंद्र मिर्दे हैं मिर्दे से मिन हेंद्र द्वापल में न्दस अ कन्य भेद केन्य मनुन् में हेद न्याय पर पुरा रेस पर रहिर ल पड़ी ह्युन गार्थिय गार्थिय पर परस्य पा प्राप्त में से हिन ही है गाउँ में न्युकाल व न्न महे न्यु में न्युक न् न्न न्युका न्न महे नु में निश्च में हेर होर तह लाने पर्वे निश्चा रिव्र प्र. काल राध स्वर स्वी. की हे' लख में ब पहें देव पढ़ी पर्में, पर्वे हें के बोहेश के प्र व प्रतिप्रा ପ୍ରିମ୍ ପର୍ଜ ହୁଁଟ.ରି.ରିଧା ଯାଜିକ ଓ ଖୁଧ୍ୟ ପାଟ ପଟ ପଟ.ରୁ ଏକ ଯୁଦ୍ୟ ଅନ୍ୟରେ हिता गुवः ह्वागुः देवा ले वालका द्वादमः गुद्रेया ले वास्वा स्टाम बेवः बु वेन ले'न्युल गुै'कर'न्द्रल'हे लुल ब्रन्थ सु'ह्नन्य'म'नुद हून'न्ट'न्द्र ''' रंश कु ४ वेट च. चबुंध श्रुव श्रूव कर्याय कुट जीच चर्। ।

द्या क्षर पह सिट प्राप्त कक्षर हैं। जिट में ल पहेंच दया हैं। क्ष्म प्राप्त पहेंच द्या हैं प्राप्त पहेंच द्या हैं प्राप्त पहेंच प्राप्त प्राप्

हु महिन्। हु निय लक्ष न्य के नेव के हु महिन महिन। लक हु नेय तिमर म हिन्। जे वेय गुँच तन्य म हिन् म। । यह विन स महेन दल हु लें मन्नेता देश देन ले'मन्नेता देन ले'ल महेन नल गुन हमांगु हुव स नवत्य स प्रवृत्त । नवत्यते कु हेव सत्याया सा तन्य व नतः म द्राया रा र द केंद्र हूं न क्र्यांच प्रदेश तालय प्राप्त प्राप्त में में में में महा दिन्ता दे (क. 22 म) गेर हम ग्रे प्रवेद्य प्रविध प्रवेत प्रवेत महिला म हु अ देश स दे ल महेर स द्व राज सह प्रतिस स्वि अप अप का में निता दे तथा श्रेत चब्रि मे नेयारकर दित अहर च है। देरदा मार्चेन न्यार स्राप्ति अष्ट्रित एव कीट बेचाब किंदु हूँव अद्रुमी. वेबा केंद्र हिंद मै इ'लब पुर। दबर'मॅं'रप हु'दबर'प'लब देवाले हेंद'परे हेंद बरे क् विक्ष अप्र. ४ . लक्ष केटा अर. मारम है . अरामालक द्वितक देवा मार र्वात्तर, ब्रुव अप कें विया यह इ पय विता वित्येव रवा वे वितामालय. नेब रा रा नेट में हैंबे अह.कैं.नेबा जिश पेंट में ३.जब प्रीट हा। ।ट्रे. अट वेशर पर में दिस्त के स्वार पा ता के दिस्त के स्वार प्राप्त के दिस्त के स्वार प्राप्त के दिस्त के स्वार प्राप ह्मना ते व सु पा सु । प्रमुद्धा प्रमुद्धा के व स्था प्रमुद्धा । सु द द स्था व कि है सू द अय. हे. प्रूच हें च हर्व खेश की बैट या अहूट जो वियो जे हूंट यह हूं वे अय. श्रम्भान्ति प्रवेश की विद्यान अव्या निवेश क्षापर निवास हैन अस हैन ताक्र व्यवन्त्र में झूट वाअहरा। नेस रवारटा चेट वी झूर अस क्रम हेर. वन् परि व्यन् व वर्षे परि हेन वेन में। निवन गुन हैं व गु र नि वेन वे। लया है हिटाइवय हैयालयान्द हुव ब्राट्यायात्वित वर्षेत्र नरामुन क्रेनायर हिर्ला द्वरभ हे. १ हवा जि. नेय है. हिंद देशय हैया है जि नेया है व. द्रि र्टान्द्रिय । विरायस्य रट्टाम् नेय यु ब्रि घर प्रमावित स ह्रिय 41 1

पह पदी विष्टाम हेर स्व मे नेय महत्य हम मेहा । दे दन म विच होर पर्वेद्रायात स्थात के हैं, हैं, चे. इ. सं. प्रदा्य जिल जरूट चलुद ही ल कटाध्य के नेस नु जाद्र का द हा म स्वायाय हेत् य है। रदान्य सम् लगुत्त व के व संस्थाने स्टामी स्वाम ता कर है। वि जिल्ला हिन के लिय क्षे में में में हिंदे ही। ।(क्षे 56 वे) हैं दिशाय लेया में में में में में में चेद्रद्रा ।द्रमामाराद्रमामा स्व मेर्न्य ग्रीमाद्रमाचेद्र्या ।द्रिमार्यमा कुरु पर पश्चरकार्या । ने भारता धरे प्रवस्त हल दे। गुद र हुर पारे स्थारे पार य न्द क्षेत्र हेना नु मात्रा के ल्युराय हैं हे हैं। स क्षेत्र स न्दाक्ष हैन हैं न्द्रमा वस्त उदारमुद्रमार्ट्रदार्घ केरी स विनाति प्राप्त हेन हु न्त्रसा ब्रुट्राम ब्रुव माणुवानु कावता प्रकासिका निवाली में का निवाली क्षान्त हुव हिनाः हु 'नद्या श्रुपः सम्बद्धः धुदः परे त्यः नेयः र पः दृष्दः हेनः हु न हु । क रि.पथा प्रतिराम अर्.तपु.क.इ.सथय बर्ष प्र यवेया विमानेयलार्नी. मी है दे य पारवस्त कर पारवस्त स्व देन में साह है हिना वस्त वर्ष मव्या कन्याया अन्यति सुरु रेश्याय अन्याय विष्या दिवा अन्यस्त ह्या पार्व मार्व की विष्य मार्थ मार्थ मार्थ की की मार्थ के मार्थ के मार्थ की मार्थ मार्थ की मार्थ की मार्थ की तप्रजामार्था है बर्मान्यम् वर्षा है बर्मान्यम् महिनादान्त्रा । विटाला स्मानहिनाति । विटाला चण्नान्द न्वे अद्दर्भक्ति हुट हुन खन्न न्वा वे द्रा वश्यादु तर नव्या हैट हे ने दे न महील प्राप्त का की हिट हैट दि हैट प्र हैट में

मुख्य प रिवित रें से में ब्रिय विष्य है। अभय दर विभय ग्रेय सरस्य के हेट. त्य विचा किट तिवस एकर तिवस के स्व हैन विस अक्रदी रिट्टे केर.प्रधित तर केंट चंद्र अभय श्व की विभय प बंदी. श्रद्ध मुल मु है द राय ह हिर विष हर विषय में वा र हे र असल रात हैर मे के बिंद में कुर लया तहेन हैं में एकव की वेसन ठद वसन ठर ल दें मबुद मंचेन्य तर हैट में हेल पर्ने.ल बर मुंब विच त मबुद.रे नेदंब हा। बुबिस ८६। रूरि संस्मित् लावा हैल प्रमुख्य दे सुरुष प्रमुखा। बर हैं द से दस हुद गुप पहीदा । नेवस हद शुस हर इर मा। ।दे मदीव निवेत्व महिन में व दी। विश्व मित हिन पर समा। दिन नार्टा अप क्ष्रींस प्या स्ट ह्ये. तु स्व. प्रसाप वेदवा हिल क्ष्री. त वै अर पर्वेव दें। जिन्न ग्री पण्च पर्टर पड़ि अन्य की । जि नेन कि ग्रीन विषय में ब्रेना विषय प्रति रह निरंभिता विषय विष न्वित्याम दी शिव्यव ठव गुव कुर्राता । मुर्दा खेर नेव हिल नु प्रवा । देव स्वयं श्रव श्रव अर् क्रिट देव ट्रिक्ट म इवयं दर अश्रव यर'न्युटश'र्स। । १९ त गुव पु'पबट'र्घ ब्रॅंट केव'र्नारिक्स ग्रैसा

बदब कुब मुँ हैंद सं हैं तब र्द अकद दसे ख्वाब मुँ क्ष ठद दु छद स " ५८। हिन्दा मह्य परि अर् इसस ६८ देव मु हा मास सुद ६८ रेग्स मल हिंद म हिंद मा विद्या महिंदी मध्य मध्य मध्य व वर्षेट तु के दुद बहे देंब ब्रा'क दब य लग हैन बन गुद हूँ बर रेनाल या य ल नाव्य पर पुर कुप कोषय (छ 57 व) नियस गुर हैं पाय नियर पर पर . . नावस सु त्यूर व हु रिल सर्वेट पस हु हैं सि है निवेस देश सहस कुरा में विर निश्च न हूं हुए निवंश कुरं तथ कि हैं रिनेट मुँदे हा। अर रेने तह थे. अय पहेर व रहेरा शु'अर्घेट ल'रह पढ़ित है पर हैर रह है ह अहेर हैं। " तकर तक जुद ह्यूँ **५**ण्ठ'क्केंद्र धर **२**ण्य ध व्यव्य कुँक'वाबद व बव व्यत्र ''' न्द्र कु केर न्द्रम धर महित्य है ने हैं ने जी न्युट रच यस हैन्य धर र च है। देरना दे हिन दल है र नहेंद महें। दि हिन के म छे मा है। पर्यत् वा अहर खेनवार्टरायकर खेनव स्थान हुनानेवा अळेव पर नेसुरवा है। देवत हैन में है जे से स दे हैं द स सु ए द । जे से ब ए द । हें द **⋶.रटा इब्बब्ब वि.रटा छ.चंब ब्रि.येट वि.रटा इ.स्.रट.** चलेव विनय हेरे क्र स स जि वयानिया मह हेनेय से जि में निर्मा है है है है है हेर श्रम्याया हार्या स्ट्रां स्ट्रां त्या ति स्ट्रां प्रति या हार्या हार न्द। वर्ष्ट्र व्यव १ प्रदा में पासुकार पहिन में के स्र मानवाही। सु हेमा बेट च मना दे बर हैट में दे हैं दाया । ब्रु स जि मेन स दार ही । पूर्व कि पूर्वा इस्तान हा । इस्य कि.क्रु. मुख्य कि.क्रुरी । ह्र ट्रा कि रहा. रट.पर्लुव.सं । विवाय है.सं.लुख गीव प्रविद्या । दुख झा । ट्रेपट रूपी तपुर. छ. चंत्रामी. कर छा वं बच पवं वं चवर टे. है. खेट हा कर पर त है। इया पाइ है. म रदार्वित्य देव.विश्वतित्वत्त्रं क्षात्र केद प्रत्रं प्रत्रं के बहरी दे हिन्दि त्य र वित्य में वित्य

णु महेर तु मुर यस रेव कव त्युद स्व त्दा रिंद् वेर केंद्र वेद यस रेंद् ह्मन केर हर। ये दश यहन कुत यु जुन मत र्द यद जुन मते स इसस सु पादस सा । दि पदीव रु से नेस स पार्द दस पावस पस द हु है व सिंदस त कि २ चर त है। इव तह ८८ में २८ हिट. विश्वस्ता स्वांश त रट. न्वत्य प्रवास से विद्या (के 57 प) नेवा विं। दे श्वत्य उद देन पर सहस्र प्रवास अक्षाम हिन् की भे नेव हा । अ तहेव मर श्रूट मवा सर हैना मे नेव हा ! ले दब हुद मुंब मुन मन मुन से नेव का । दि वसवा उद केव हैद दु र मेड्रम तथ क्र रहित्य ल पेय हा । रूर है पय रहें त व हर है। रैना य'ल है अ केद यस रूद द्रार घॅर्रा । व्यव निव हिनास यस केर घॅर्रा । द्रवा तर प्रवेशतश्रत्वर.ग्रह्। अ.पद्रण ह्रवंश पश्र हिट.वेहा पितीर मानेद्राम्बरम् विष्ट्री देर्नागुराणुम स्टि द्रन मही । देन्न स् कर् मस सहित हेन्'न्यर'में' स्र'य है। प्रीत्स ने पहेत हैन में हैं येर क. पुंता प्रथम ब्रीया श्रु विचायर विज्ञाय पार्डे हि. चू रेवेर अर प्रथ रे. पर्वेद ... मंचुनाय तपु.मन्य. नदा अपवित पय. में हे रेटा। स्व १व ह्रनाय पय. देव'सं'के'न्रा सक्र'न्र'हेव'ब्राम्ब ब्राचीय स्य मई न्रा देव सहर लय. अथ. क्रु ८ विल टे. ह्रेचल चय. जय ग्रे द्रचल हा । ^{थिट} कि. लूटे. चय. लेल. हे पर ब्रिंग्य तर्र्न् प्यार्थेराय है। विम्य के देन् विम्यायाय के अश्यामी हुट दें। विविद् तर्यामी तकर निवेद में दिल सेन तह में हुट ह्नं । श्रदःयार् अरापनुर यस दृष्य श्रुपस पनुर यह यह । । तिहर र्थं बेट.परट.वियासब.वियाचेर कु.र्थंट.हू.। द्विवारिबार्ध्य य श्वर. ल्द्य सु र्स्य वर न्द्रि वेद प्राय हैट है केद राय में हूट है। विदे द्व त्यु परे हृत्य भेष भी। सकाय पहन्त्र प्रसंदेन प भे ने वार्ये हित हा। । ष्ट्र य.र्जिप भेव रच.र्ज. लूटे. तथ. झू. चे अभ.रद. चंधुरे. ग्री. ष्ट्र य हे. ष्ट्र ईशय.र्थे.

तकर है। तिष्र तद्व में तकर पार्व में स्र हेद ध्वारहेद्राधि नेव रव मा । देन पह तत् निक्रम पन हिन पह नेव रच मा । देन प सव व र्द्य प्रम विप वेद की नेयर्य में। दिन द्व रदे हैंद द स्व स्द प्रमे नेस रच चमा पद व (स 58 व) लिंद लद्स ना हैस नि र् में न नरेंद् घर मुंला पुर कु नेय रमाया । रिया मालय मुबद सेर मय रम पुर ये से नेय बेंब पु है। तर द्वा हैंवा दुउँद की नेब रघ अप्वेद की रेवा या से नेव की कर ल महन्य महा ।दे दम गुम मुद्दे देनामा हेद ल अ क द द हेर लेद सुक अञ्चल में करा। दें मा कर द के अञ्चल म ब्रूट चारे की खामा में कर है। म् यमिष प्रधि प्रदेश मार्थ मार्थिद क्षेत्र भी मार्थिद क्षेत्र मार्थ के मित्र मुंद मार्थ चलुव है। विदान प केंद्रान प्रेया स्वयं व क्दान प्रवाचिता पर है ना व व क्ष्य प्रमा विषय विषय विषय मिन्न Ê'몆지'렇드 다'도'회'본 점'용디 | E'용지 쉬지'다'도 회'본 점'회리 | IE'대 वान्त्रिन्यायाये क्रेयाद्वयय दे। । ब्रूट विट श्री प्रायम्य पारिद व वेदा । देश य'न्द्र। देर पुः स पर्मेद्रायशा द्येरादायदेव न्द्रा से मिद्र पदेवा । न्द बूट दे 'ल' दे 'हूर हूट | बिका की |

मुँ वेदुदे र्वुष ग्दर्थ। देदे प्रात्य वै पुर पर मुहू रवर वदे ग्ब्र ः न्दब है। इस रमुर समा हैंदू (कैं : 58 म) रेद केद न्दस अस सा । रेद केद प्रतुष्य म बुर पकुर झाँ। यो मेष सर्द सु स है। । बुर रूर मेष तपु. ३ प लट से । विषय २८ से किंदु रूट मधुर हो । खेंच त रूट । ही र्ट हुई ६ वट वा । अ.च.इ.स.र्च.तपु कूस हुर चर्या । खेल स्वाय की केर पशुस्य था। दिवस्ट में मुर प्रवाद समय सिव सह मुल्ले स् हिन् नुवस म सुकाद्र में बर के हु सा श्रुमका है हिन् केर नु मदकाम है अहे द्र बर के वेंद्र। । केंद्र बहे प्रवाध प्रक. मू वर्षर केंद्र केंद्र विश्व तथ के. वर्ष है। गार्ने प्रोमेर में हर के व वस देंद मुख्य में खूद य बचुद यह हैव मेंदा न्र न्यर द्वा व दव है खुल ल तहनायह हैद हैन । साल विल दव रव लकर परि हेन छेन। नेल खुण उन नगरन झन परि हेन छेन ने। । इन पर रत में ल दे कित्य स्वा ल ब्वा म हे लु मु के हैद हेद से म नि मह्यय व वट इ.ज. है जानेय जिंद प्रटालव था रहान हुव ने वेट नय हुव स पहिते तथेल हैंदा रिं गुँ हैं पहि दशरिं न्याल'न्यापते हैया ले कु पयादे ल पहें व व व व दि मायल पह्ने बात है। देवदान है निवेर के हे के व व निविध होने के चन्नदार्म हैं संस्टान विव होने के निविधानी चर्ना है र . . कुर माल पहेन नम मानमास। । ५२ ५ मार खाल मान प्रमा ही मान विवास त् भूर अत्तर्वे.रट. पश्चत प्रकृत भूर था है जीवना नहीं से ला प्रमित व पचट सूप डि. ब्रूप होग जि. शेशल चूटा अवल मी ब्रैट. म ब्रै. क्रूपेश स मेलूरे क्रें। निस हुन ठव व कर बेमल गुः हुन महे देव वर महा से ने क गु २कर मुंबेर मृद्याका । हिंद धारद कॅलाद हैं हे थि मु कुर्'गु क्षाप्त व तर्। कि. र्वेश में बैट च.हैर चेशल, टे.विच तर से वे श्रव चेहेश कर जा

पह ना है व इस में से ते में के माद माद माद से से माद से माद से माद से माद से से

ग्रेशया ,तर्मा हेर्'ग्रे'हॅ्र्स्र'य'हॅ्र्स्स'रैस'यर'हे'या

1. क्रॅब्र'स'छेन्'क्रॅब्र'डन'क्रेन'ग्री'सम'तु'हे'हेन'

ने हुर मृत्व वित् क्ष्री ने हिन प्रति कु न् महन स्था ने हिन प्रति क्ष्री महन स्था ने हिन प्रति कु न् महन स्था मिन क्षा ने हिन प्रति कि स्था मिन क्षा ने हिन प्रति क्षा मिन क्

मायात हं हे हु खुट जिम्ब की भी टेट जुट माथाय विट तर टे टेने चट्टा । ता वित तर भीय जुट उद्देर अहट त च दि माध्य माझे व तर दिणा टूटे पाभ टे ह केर मानुमाय तर दिला अन्य मिय मार दिल द्वामांता स्राध्य माजेट.

न्द में है। तहेन हेद तहेद यह कुल य न्यन् केन् लका ।यन्नल घवट उद्देर उद्देर बदल क्षेत्र हैंट मैं 'निव्या । घर नेगर हेर'प्रह्माल अश्रम (के 59 म) बेर भूणिरे कुला । है और दस सम्दे निस्स स वर म रे और र निर्म प्रितिश्व के बर्मा दे श्री र सम्ब कि देशव में विषय है रम् श्री ला हिंद लया बद म के बदल मय हिंदाया महिंद में प्रमार कर केर त देशव की नि.जू. की न्तापुर अट्टर त का अक्ष्य कीश व खेश वी वह अक्र की वा. महिन् महिने महिन मिनेगल म केरे हा म न्य देव केव केट में ल केंगलामा मह्र गुन के लद म ह्रवार् हुव हर। दाक्षर कर्दवायर दमिरामहे लहेना हेद'द से तहुनानामान्दा मने माठद कुंतिहेन हेद द देन्द्रमा सेद'द्रमा महूरि न्यल मे तहना हेव व सरम मुस न्यल महरामा ला सन्या करा करा हित सिंदरा अरे ता क्षेत्र पक्ष बीट मिंद्रेश शाक्ष गुट हैंदारार अहर है। ।अर हर्म त व ४ इन्ते हेर की निषय देश सेत सर्दियो प्रयोध हैया है। यर हिला वर्षर पर्दर्भ पदिन न्येनव प वर्षेद्र में गुद्र हु न्ये वेनवास स्वत्राम न्यनः नीय है जिंद विद्याय प्रयादित त्यार प्रति के मार्थ होता है अपन किंदू र तर प्रचेर प लुब्रामा द्रिकेर अटक मिन हैं वे पर्द्रा प्रमाण माद्रवस दे हैं वे मझ्मान्ता के मुँद महि मझ्म माइस्मादे सुद मझ्मादे स मु दि स यह्मभावै भेव हु अदाल हैं व यह भार में व यह भार यह । यह भार या महत्य भार दे

त्र्व यह हिन हु खुव पञ्चल पञ्चल केव हुन छ है । स त्र व य प्र हुव य " कुरं त् बुंब ने . तप हूर्य तथा पा अटब के बंदियां हे देव से व तथा प्तित्व के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के प्रति के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स हि ५५ हैं। देवस सुद मझल सुस मक्त ९८स दस फॅद ५द मलॅद म खेस छु पर हैं व पश्चल ल अटस केश मकेर हि पड़ी हैंट ए हैं व पर अर् हे पश्चल म चचट म् परा प्रतिद्ध प्रथ अक्षर। प्रतिद रघ **देशरा परा अध्र** अस्य पर प्रमुत्त माना में मिन पर्टी हिंद कर्याद मी पन्नेश य पन में परि लागर में सम्ब कुल बेल मु प मुम्ल मेल केन प्राप केन मुम्(के 60 व्) वर्षे वर्ष पखें रे जा अध्य में ए परिंद पर में स्थ हं स में अहर प हैं होगे.त.क. क्ट बेंबे ब्रट.रे. जेबेब स.रेटा। इंबे.वेट केंच में बैंटे न ब्रैंटे नधु.क्र बेंबेब. मन्ने दार्श्व प्रमास्त्र हिन क्रिन मु क्रिन म क्रिय भेव ला देलट हेन दक्ष मा निर्मा रह्म हेर रद्दि अर रह्मान के लें पन किर्म विषय मानि पर राम सरस मुना व्चेंब.हे। ट्रे.पथ.र्घ.चर.अथय.वर् देवया.श्चे.पंय क्ट.बुट क्र्य ट्रंब.टे.श्च. पिष्ठेर.तथ. ब्रु.७ वेर्ष. पाची.पाथ. ही.वंधर. है तथ था थे १८ पंथ कु.तथ. भे ... त्र्वें वं विदा प्रात्वेशाया के द्वी पार्टा वैवा हिंदा पार्टा द्वी परि हैं पवा प्रमानवारम् व क्रान्न्या बेय पर्नेर हरा। र्माय प प्रमेश क्रामा प्रवेशित ्रत्यु तर्या कुर हैर ने विनाशकिर मारहिन । खुक विका ने वर्ष र खुन। हे हि.स.६८.बैट.। चक्के.त.स.चैक्के.बैच.मा चक्केट हिट्ट टेब.बे.वैश्व त. त्रुंद्रचार्वेन्वःवदवाकुवारे देशे खुलाद्द रेन्वाद्यः हिन्द्यः वयाद्यः पा न्दार्विरान्दानुष्के न्दाप्तकृत सदिन्त्र वाक्ष्य क्रान्दानु है न्द्र प्र वर्षभार्तावर्षभार्त्रे व्याम्भावनात्राक्षितायरावस्त्रेदार् गुद्रियः बर. थट य. के य. ट्रे. ट्या. मु. में, क्र. हो रे. पाय. ये हुयां, ट्रे. पाई बया ता ट्रे. पाइं व यो पे दे.

केल म्. ८६ हेटे लुब ह्या ।

पश्च महिता के प्रति व के प्रति क्षेत्र प्रथम क्षेत्र प्रथ

क्ष्म मुन्द पर मुद्दा ।

स्वार पर मुद्दा ।

स्वार

न्वार मूचा । एड्रच, धुर चारू मूच्यार हुर ना । विन न विन जीय विन क्या. ब्रुण्या व्याप्त सरामार पुरस्क्षेत्र सर्म विश्व हेत् स्य सर्मा स দাস্ত্র'। | ব্ৰিষ্টাশ্ৰম বাৰে। সহষ কুষ ৫ই, চল্ম ঘ্ৰাইষ ধীর। । श्चर म होन्यायरे न्य केव परा। । तहना हेव ह्या पहल शुर वया। स्थावित क्वांशेसल पश्चित में। बिल संगल पण्तापञ्चल पर गलुत्ल यस मा । ने वस मून य तरे जात्य यह में द वि द है समान प्रदेश यह हर्ने देश वे.तर बैर.तप्र.ष्ट्र.पर्र्थ्य.र्जर ४८४.वैग्री वेत त बुब वे.च ४५० . हेब'र्-ु'मुट म'रिहे श्रु'ल'सर'र्ट (जै 61 व) हैल'सर ग्रैक' मुनब सेट ग्रर''' हरे' पर्न पार्सिन्स न्स्याने। पर्न गुरारपानु हिन पारि भेस नुगुरे रेन्या क्रेया । विंद हदारेन्या ५८ द्या प्राप्त व्याप्त विष्य क्रिया विष्य हिन्। । पन्ना ने या क्रम्य दिन । हे व पन 'मु ३ व वन व क्रम्य 'में। । या इल.बु.च.मे.कुरं पहुर्यकाताब्रट.तर श्लेष चर.सूर्य । द्रव श्लेर पश.चरेच. चर्च शुःचर्न्न्। वर्ष्ठ अःह्व ः त्र्यः हुना मित्रः हुन चुः चः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः ब्रुराम बेरि प्रम्मा स्मा द्वम म बेर् परि रिमराम र स्वा म बर् नास्त्राचुत्र क्रायरे थे अव्राप्त देव तार्ट्र है मिरान्ति सरसाचिता हेन 5 खुर हैन् हेन वनमाय रम कु महेन पर रहें निहा वियाय मन न्द्रम् मुत्राम दे द्वारम् इत्र व्याप्त महेत् दे न्या वर्षा विते तमें 'वड अ'यर वर्दे दें। ।

मुम् क्व तहेद म् पहुन् अधर रम हैन् गुना । हिन् महे नुन मन्म हूँद लस ह चकु चन्ना । शुर चस्र व विच विर नाब्द सर न्सुल सेरे मुन्। । देव लट् अर्चेट प प्रभुट् स्वाय ट अर पायुट्या । विवाय केव घर हे र्यूट इसस लयाल मुद्द वित्र स्वा स्वा के दि दे प्र द्यार लया हिंद मुद्द प प्रम् । प मान्य केन प पार्क है वे व केन तर्य पार्व यत्य क्षरा है दिन तर्न प्रमाप के व में रहे व प बे क प प बे क पुर है। प्रमाप के व में दे ल मित में विश्वास में व में बित पर्ने मित में विश्व परि रिवर में व में र मेर मुल म हिपल मुँ स हुन हेल मु म बिन मुम्म। ।देवे बर्व व वर्ष मु (छ 61 日) पर प्रथम च में अक्ट रेल बेब ने नधु सब में अक्ट हैंट त् सहय तर अल्य में य वंस सक्त हुन पूर केर हीट त्र किर त हु हार की थे . हिर खब हैंट रेट वश्य तर पहेंद्र त में वे अरे वस बहूर तर बहूर हुट। मधर मुम ने भेर में या गुर दे पहित तु महिंद दी। दि दस तुस महद हिंग व चिम बे देश हं श्रुर हीट पर है इसल पश्चम पर गढ़ी य पट पुट हम हो है . बेबर म पर्में हैट। जुम यं हैपर मु स पूर रट केन के रहिस सन्म अस हूट चरल प वेट क्व हे असल अट देव तर पश्चेद. ये वर्धे मूं । दे. वस दे द्वा वीसास यह व ह से सिरे बिद वी सेव हव द्वा यससम वस यहें सर हिंद पर्य में श्रेष हर अभय पश्चेर हर होर पनिर वंश श्रेष पाम परेतातान. दे पहेंद म्मेन्याया देव केंद्र केंद्र देव हैं प्र हैं प्र भी खु हिंद दे परे प हव मी हैंद तु के 'द्यम सेद् तु तक ह कु चर लुट च झुवा दे च विव हु खब खु व सेम है तह्र दे हुद रम मुनेन्य सु हैंद पहुन्य दस हे द्यम हेद सूर य सु द्व सब त्रव धरे वें रद्य सु तेंद्र बेर गुद तथनाव द्याय पहेनाव सुत "" घर तकत मु य प्ता। पिष्ठ य वे अषु केव विव है। रवा मृ यहव या दें र मु महेन्य परे मुल पर। वासुस्र पर्माद परि हेन्य तहस न्यल हे गुद् ह नाज्ञ ना कुल ज्य द्वाप हैन अद द अ त्वाप म से सहद द्वादे बिट'न शे रिवियल पर रियुर व श्याल हिंद कद वर सुद वहाव है। 1ने वस पिश्य मुँ मुँस देव ८८ मुँ अक्टूर देल **मुँ स्व ८८ शू**प बाह क्र्यांच स द्यांच पा. म्न कनाय में य र्ट धुर अर में शुर पद्देव हर। तहन हेद में प्रमा के सहेत् न मान्य य यावर यं रहे हैंद ल न्य स में र ल में र तिहर य रहेण दहा। कूँचय कुर्व चेन्नेय एकट ब्रुथ तपु चर टैं जेंट चक्रेर्व ग्रेट विच ४ हेने थेंट भ महिंगल म मल्ब मुका हिंद महिंद्य हात्य मन। रह हैद मुक्त स्वा मर हिंद मिर प्रमानुम बन श्रुव सम पु मर (छ 62 व) महमल म व तहिल हेव कुर विशव रत में बोलूब कुट इ.अकर ती कैंट त ने अब वित तर बैर हुट। रत रे श्रेन्य स स पर् पर दर्व प इसम हैं। पर सहर पर हार पर हिंद , र्वेचय है अर तर, सेवंब चयुर्द वंब श्रुव तथ क्षेव स् क चयी, चरेच स् देते के कुल प देव केव हैद पंच पहें व त्युव संगय पंव हव द्या हु बेद … तर में बंब नर्मिय त कुर बह्र हुए हुँ येव नर्रे हु बर्ब मेंब रेट नेट केंग विवय द्वात इवय गुर गुर पश्चाय नेंद केंद्र प्रदे दय तहेन हेद शे "" विश्वयं श्रु अहर टे.वर्षण त वबर च्.ज श्रु टेर्बेंड क्रू चमे है.से बैव.तड़... के दे चहुर वानेवाय त ये में बितात हुंस ने चर जिंद च हैर तर अहरे हैं। । बुध प्रमिट हू.। विविध लट सहस्र में स ग्री हिंद जर चयत्य. तप्र बहू जया मिट किं अश्व रत्त रचेर पर मेल त्य पर्श केंद्र पर्य त ह्व वर ... केशव मार न मार्थेन बिय माला हिंद में के खेर मेर मेर नेखेलामर नखेल श्रम ल लम हिन्यते अरे मिम ह तदेव अपव मे मुन न रात्रा के हिन" भर्ट हु वीस्थ तथ पर्वेष. हर। हैवेस ह्य पर्वेष थर विवे कर, लग मूरी हेर हैर हे के पहर पाने पार के दे के कि प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप लिट ल हैंद हेते सेमल हुट चर् होंद हैन धर न्यांसल पना दे हिंस हे अनल मुँ हैं नबिंधानिहर पर पर्वाव पव छ छत्व है। पश्चल प पक्चीर मुँ हैंच प विट वस निष्ठेल यह नवस है अस बर यर निरामह देल क्षेत्र यर रहींट य... र्ट। सिट म् मश्रम्पर सर् पत्। हि सर पर्स ह द तर्य रे प्वेद मिनेन्य म नेगु श्रम महर द्वि मु स अहद द्वर गुराया महत्र स्व त्रव दे'पद्वेव मनेनवाम अहे व केव ल पहेव हे'द्र धरायुराक्त हु युन्व मञ्जेद म दे महीद तु होत गुर नाजुरक म दर । मु (कें 62 म) केर रेल मर। र्वेण सर विंद ग्रेंस र्देव लेंद सर्वेद स स्व सरे से हेंग नेस दें सकेंदा । देस दे मदीव मनेमाय म सहव सुस 5 अहर दस श्रम्य महोत मरे र्षेण स ने पदीव न्नेन्य म देव अर अर्थित ने दुत्त केव पर यह न्युत्य सा ।दे हुर र्षेण सर धुन्य मञ्जी न हिल वेन य के हम ने हिन यर नम। वेन के व हैन लात अर् देशक ब के पर पर वर्ष अर पर्वेट प देशक. बु. वर्ष विष्ट रें ब भ्रम्य प्रमास पर वित् पर न्दा। श्रुव तहन न्व न में वुन्य प्रभेत् पर विर तर अवीय रेवेट्स विषे अर त्य व रेट टे विश्वर्यातर अर्दे तथा श्रुपाय प्रश्चेत भी श्रेष अ वदी निंदि देव दिवा दिवाय पाठेण मु अर्दे पर देव हैन में रेस न्ग्रेन्य कर पश्चिन्य साथ वे हिन से सेन रें।

मही सालास नाहिया। होना नक्ष मु शुनाय प्राप्त में होना के व मु शुनाय स्था।

में अन्द्रभय में ट्या सकूट ट्री नियंद्य भटे नायुवा में वार्य तालुया । मिल.म. सट्टेंब.स लेल ड्रिंट.सूट मुं.सर्ग । नेप्र सर सटेंब.स्.स्.स्.स्.म् । यद्य स्ट्रेंब.स लेल ड्रिंट.सूट मुं.सर्ग । पटेंब मह्त पहूंच प्रक्रम उद्देश मान्य में मान्य मान्य में मान्य मान्य में मान्य मान्य में मान्य मे

त्य दे अकें प्रचारी | विवादा । सदम कुष अर के अहर दय दे। ! न्या मेरे कुल अळद शुम मारे मरा । मार्व मि हुन में दिन मे दी । सद्य कुल द्वा दे प्रेस अर्केंद्। । मुद्द केंद्र प्रेस केंद्र पर दे। । लेय ८८। यट्य क्य प्रेम्य सहर दय पत्र है। ।यट्य क्य दें युट मर न्य नु। ।मनुब वि मनुब क्षेंद्र द लेब अकेंद्र। । मदब केंद्र यहुं अ में दे य दे। वित्र म्युट्य य द्रा सहित्यया इस म्डिम्य सर से देव के द শুরুল । আনম এন শুরুষ শুরুষ মান্দ। । (জ 63 বৃ) বৃদ্ধ পুলু मालिया । बिस मन्द्र माला में मान मुख्य में व मन माला मा न्द्र केन न्युक्ष मुक्ष सक मर्जेन सर हिन्दी हैट। दिहे स्नुब मु न्द्र बेद पहल परि र्यम अरदः। १९५ गुलादेः पदिव मनेमलायः स सहद सुस पुः पर्ने व हिन बिनाय पर्ने न वय पर्म मर न्याय है। । नेय म मानय मेन न्युक त नुणु युव व दब व हम म है बहर मुंब हिंद शुहरा ही वर ट्रिट्र "" चबुर मनेनम प एतियासेन मेर्डेस रेटा हि सेन मेर्डेस ल पहुँदानगर अहरा दें क्रवाय प्रयास प्रकारी । अहिंदा में लियाय दें हिराव मृणु खुप पावस देव केव नहुन हॅर भे पर मेल मान कर के र प्र मान के कि मान के अहर गुै'नर'ग्नर्थ'बेर्'न्रेश्व'म। दे'द्य'ह्य न्वेन्य गु नर'न्युअ'म ८८्य' निता गुन भाषमय उर् हित है जिया । श्विन धर पुन धर श्वेन धर हैंगला। कन्य मरुव व्यव सन मरुद् गुद दे। | शेरह्मिय मर्जे द् द् ह्रा विश्व ग्री। भर मुल पर्भेर्'पन पर्सेन्'र्युन गी। विन पन रेरे के पर प्रेन रूट में मासुका हैनाय सर अह द दी। दे वय सुन हैन है दे पहिन निनेनय स सर कुल न्वे महेन्'गु'न्वेदस'स्'र्ब्वस सर'लुन्स स'सर्वेद देद'। नेद नु न्न तथाम्य पालावर्वाव्यावयारवार परायह्रद रवीय व्रेय हेद खेन परेंच री श्चित ति अकूर्य द्विटापट्यात्वा श्चित कृष हा मालवार्य हे तिया ना भूरी ा रहेम हेद तर दतर कर एक विव इस र्वेय सु वे मद्द दतर कर्म से वा। है. क. प्र. चंट चंदन अष्ट्रच टेच बंधट लूट श्रुव ह्रेचन अश ह्रेचन अक्शन टेच बलद केदा । दे दद बणव सु च हर मारे व हेद कु व मर गुव मु खुल महिन न । छ्या । द्वा पह क्रमान पर्न क्रीय पहूर पन पहूर प्रांत ह्मान हुन कू वेश पर्धित्रस वंस प्रसेश त रेवी पर्छ ६ वोड्डव में. अक्षर पत्रद वी पर्स. पञ्चमल (अ 63 म) हे द्वार स्व की म्दल स दे दे हैं हैं की के कद्रद स यर चलुनाय स सन्य हा है चलेंद यर रहेंद ला हे हुर रहुल अहेंद कु निव विश्वयं वर सूर तर शि त प्यांत के में शिंह परूर त रह्य लुब ली लिट पन हैं। प्यन्त लिप टें हैं ए इसन रहें व देल व रेट टें सूर मल है' म न ब व मी ज्ञान हल दीन नम लड़ेल मर सम्ब दी। निवल महब म इसम र्श्वेद सेसम मान्य मेन मनुदा । ने द्वा मन्य मेन नमु ठ र्श्वेन म सुना। द्व एक ट कुर २५ँ५। । इ परे हे य पदी शय नद्व पहन् परे शुन्य है। सम्ब कुर क्राय पर है त ह्या अर बियाय पश्चित प बंद पश्चम है पश्चर त चार्य भूरे. पर्वे ये प्र चीय कुर्य प्रविश के वि कि हूं र श्रेय तर विया भैद पुर कुरा ल शुँव य ४ व वहर हैं। | दे व व स्त्र स य यह व वेद र त्युर सत्य कुर ख्रारख्य पक्री वि पर्वे हिंद अक्र हिंद क्षेत हैं दे व हुर। अञ्चल रह हम मेल हुँव पान महर है। । दे वस महल केर महिल बाद्य कुर पहुं पिष्टें व कर्षेत् देव ही पातुक कुरा कुरा कुरा की ह्युत् या ता त्युत तर शहर कुट। ट्रेबंब पञ्चल घडां प्रतिष स्वा बहुब बुब अटब कुंप एडू ह महेंस पर पुस ने क्षे नशुर गुर पुर हिन हुँद पर यस यद प्रस्य ठर हैंनाय सर्कार्त्वस सत्य कुष सं देव रहें हैं। । यस केव है सम मह वस पाकुषिया पाष्ट्रका श्रीत स्थाप्त प्रति हैं प्रति स्था श्रीत स्थाप्त प्रति स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत

द्र में दे। वेष केद स यह वासुक द्र से वासुक रहा। 15' सर' प्रति द्रम्य गुर्य ग्रम्पान् ह्राप्टा [हिम परि विग म ब्रिंद येमस क्षेत्र तथ हो । १८ मेरे संदर्भ रहेद संगय ५ विट संदर्भ पति गुढ़ी । हे ५ न्यात महेव न्य होन स्याहित मन्द्र। । न्य ग्रम् मका है एन महेव. न्त्र मह नमा । विवा म केव मह विवास सरम की मिल के म होया. यस मुह्य मेर्'म्<mark>युम'5 क</mark>्षेत्र प्रमान मेह प्रभावमूर पर'म्युह्य है। देलर हे वर्ड व अपवस्यका या दे दर में भेदायर वर्देन। १०६ दे वस्तर म दमन केद गुना | दिन दम। मामन केद निह न न मामन मामन । क्षेत्र महि तम दे कर मुद्दे है। विष स्वाय ५८ । दे ५८ मध्य मर तहे वया अन् विषय भीषा ने सिर पश्चमार बार ब अन् म निर्मा के विषय भी स दया प्रकार द्य व प्रायितियर हिन्यायर मेु प्रात् । माहिकाय वे दे का के प् पाल सन्वारापुनाम् । मासुस्रायस देशिमास्रापदेशस द्याप्तहस्याने सदस कुल गुरुष प्रस्ट देव अर्दे (यस स्वा | देव प्रस्ट दे। । क्रव ये हेर महिन पर। दि दे पर्व ह्दार्य स्वाप्त माना माना कर केर्पा मानुका करा म5्द'र्'मर'कर'बेर्'मदेष्ठ्रभ'मुब्दम्द्रद्रभ'द्रिय'देव'र व्या कर्रस्थायास्य ग्रहः। मञ्जूकाराज्ञह्याकेहाराचित्रं नुप्ते रामाप्रहा र्या सर पर्वेष्य ता । बुष प्रविषय पर्टा क्ष. झे. क. रट ह्रेपण पर र्राता. मनेल गुना तर हरा है ए हे न हे अब द्यंत के न में मुन म है मझेल प चिर्या केर परित पर त्यूर रे। दिते हेय सु अव (का 64प) प्याञ्चित तर स्राप्त स र्मान तर विच्य प वे पश्चल प मार्स केर्'नाहेन लन्हा ।देवे हेब खु क नृद य 'राव नृ नृष्व व व्य व बुद हे य व छ व क्ष में हिंद बीस है है रें रें रें रें सर मझेल म महत्व केर महत्व बीय हैं में सर चुक हे। बादक कुष गुँक गुंक हु पावद में झुंप धर छेंद मेर वकुर रें। ।दे हिर प्रमुख प्र मिद्र भेर खेश है इ.पार्थिश मुद्र अटश में व हेर हिए प्र हेव . बेर रें 'बेल द प्रस र स न पर्नें प न्य । न्नेंद सकें न हैं द में सर्म। ने मखेर ने ने ने स दे मिन्न त मार स केर म म म स सर मिन पर मही मह म म भेद'हे। रेन्य गुःसा दे' पढ़िव नाने न्य य दे द्यम य दरा द्र। महन्यर के बुक का । बिक नासुर समाय मिन म महन्य मि च दे'द्वा की वि हैवा'युद्ध की बाद्ध वयुद्द हैंस ई द्द्र्य सरद द्वेंद्र व है। मुत्र स सरा प्रमाय केंद्र र स स हा ब्रम् रुष झ र हम समय मार्स केंद्र प्याचार्य केन न प्रमाय परि हुन्य महिन नहा प्रमाय हे व हेन प्रमाद प लखार्द्य माल चारक केट्र चन्निय महे मुन्य नहिन है क्रान्वन महिन र मिश्चर पर्टा एल में या प्राप्त में देश प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में पर्व द हाल जिंदम ब्रेट. किट टी टे. जेंदम बोर्य बोर्य में रे. पट्टेस तपु है पर्वे. ह हिरे पर नु पक्के य प्रत्य केन किव मेर वर्न पर्न । अहन प्रावुद रियेश र्ट अध्व धर छ। इ प्र स्वाय सम्बद्ध स सट में य युट्य में निवय हुन हु'यरि'न्नद्र बेद्'हेद्'चम् हेद। कु'र्रेश'द्द'खल केद्'र्यन्य सर् स्यत् माक्षकारी हिंद खुल तु युर यह यह माहम शे क्षान्वन मेन हु कु केद में द्ना कटानमून् पना कटल के दल रहे हो स सराय दिन स मार्म मार्म मार्म मार्म

मार्यास मार्य केर् हुंस नाप क्रम अपट क्रम अप हीं मान्य वस पर्याप्त पर परित्याम प्रा वेच पर्वेच स्था विवाद प्र श्रुव परि हैं पर उद्(अ 65 द्) रूट। सिस्य मह्द् प्रुर्थर वर्षे मधी। । मुद्र कुम सेसल प्रात्म चारक केर नासुका । गुव पृ हैं का यर कहर य केवा । बिक कें निक लम केव में वस ईस सर नायल बिटा। न्मेंव मकें न हीव लया। नेव नम चैट छित ग्री. अंशव ह है त पढ़िब हून अर अरूव रे चेवा पर अहर तय... रित स् ब्रिय त बंब प्रचीत पर पांबीत्य त श्वांब देवूत्य पर पांबी. के क्रुपेब . य दरा अपन्य राज्य वस्त वस्त दर ये नेय मु कें नय नेव मु कु कें व यें वस्व यस सदस कुर रवुद्राच हेत् नुनार वह धेर तुस रेद घर वस्ति य र्टा रन्ष हुन रेश हैं रिला तर रन्ति हुट नेट किन अष्ट्रन ए हरिन. म द्रम गुद्र व्यत्र द्रम् स्रम म्ब्रम परि धेर द्रम पुद्र हर मुख्य म द्रा। र्देव रुख सरः जात्य रृष्टः चर्चात च संगुल रूप चर्वेव ग्रीलः रुमेव द्वेत । <u>र</u>ुत्रः निष्ठेन ल'नुब नु'माबे लन्न व'न्दा नु'मालर निष्ठेन नु'हुन स बन्द प्यथम ब्रीयाश्रीवित पह दे मिन्द हेर हिंद पह ब्रेस अटामाह्यातरा विश्वत्य मा सम्मान्म्यान्म्यायहे न्वतान् स्व तस्नायरामुच यह क्षेत्रातम्य तर् से """ 口音により

वीटबा,चुट, चोडुच, क्रुचंथ, घंथंचंथंचंथं क्रुचंथं क्येंथं क्ये

दे वस केंद्र देवंद नेस रयायबंद नु युर केंद्र सदस कुस दर्भेद सक्ष्म यद यम पहेद प्रमुद्द वर्ष पत्ति हे मुह्य केद पहिस यस समि हैस म दब महुद महि मर भी कहुन मधुर। हे दब मुझ बेहे हिंदु (कें 65 म) किंव मुँ श्रेव नु सुर केंद्र यदय सुय बर वे वहन पहुँ व प्रमुर प वस पहुंद है बारक अर्'पासुब सब क समुद्र स वे पाले स दब सह पाठिया गुद मृ हेर्द ' मु मर मर्चेर हर। ने न्या यस केयान हुन के से सि ही मेरे स न्य स দ্দ ট অৰ কদ্ ৰজনৰ ন গ্লান ৰাম নাই কুদ শ্ৰীৰ নাইৰ নীদ নাইদ্ ৰঞ্জ न्द से नेय गुैं केंग्य प्रेय प्रमुप्य पर सहि हैं। । तमार देग न्य महुल ५५ ठव पडु'रुप है। । मर्हें व त्युल त्येद'र्य त्युल हुण यदल केर मनुदा ।द्वर हैव नेल रय ठव वे च्रारल बेद 'यहेका । यमेंद्र केद सेव य हैन'दे छे सर्दा । दे लद्याईद'० गुल इन में स सुर'पर'य न्। । हिर मुद्र के अब इसक गुैब अस वर्षें द यहै 'सुद अ बावस य हवार देवा वाद अव वी न्यत मैस न्यत यह स न्य य उव मात्रा सेन मह हुन । समेत महिन समुस हव् त्र तुल हुन महे महत्र केन् मनुन्। नमह इव नेवारम हव् महत्र केन् पदि इसन गुरापम् र हेट। । पर्यारम में हैं व प दे हैं स रूटा दे सर म् हुर् प्रवीय रेच पूर विरे तर ब्रिय.बार्य.बुर.चंश्वय.लेच.२्थ.लुचे चुन पत्र 美 기적 리조' R B 두 디유드 전 두 주!

क्रिंट त्यास्य क्रेड, ह्यांचास्ट्र क्रेट क्रिंट क्रांचारा । द्रियं मार्थेट या प्राप्त क्रियं व्यक्त क्रियं व्यक्त क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं व्यक्त व्यक्त

व्य स्टब्स् श्रीयाय सहित्य द्वा स्वत्य क्षिय हित हित य द्वा था र्भ १ में है व प हुन है न स महित य है इस य न सुस समा पदः वा सर् हे कुद लया अया उद विवास हिद (कें 66 द) में दिन। विवास दसद. लाक्ष्यायान्य । विश्वियाय तिविद्यायम् चित्रा निर्मा विश्विय विद्या महत्र्वाह्मस्याणी । ह्युन्य मही मा हिस मन् म हरा हेन हेदाश संसमा क्सल गुै धुराय रें य पृ धुदाय पहिते ह्यु ना विना निवास सवाय क्षत्र मा गु.बुर.विट ब्रेचन स्.चर्व मु श्रुर त। चे छे.चे प स्थान देशन अर्थेय उर्देश यर मु परे धुर अहर्य पर नेय परे हुँ । यम क्रम क् मून्य परे धुर नेमम रव हीत परि हीं दाय है इकाय महीरमा है मैंस में बद पन बुकापरे भट्रे.प्रयाचिर क्वा.सुभसंदितर इभस ग्री.श्र.चर त तस्रेर.वे.वेथर स सम्भसः है। अवसामक्रेन्य वे चन् धन्त। प्रवाधान्ता व्रूमा प्रा महै मन्न सम्मान्त । यार्म मन् किन् मन् विष्टा किन् सेन् पदि । प्ता क्रियामके प्रा केन्य महित्रा च्रा च्रा ख्रम्य स पर्व प्ता **बि'झेन्'न**हेब'न्द'। न्तुदस'हॅमस'न्हेबा कॅब'ग्रु'स**ॅ**'न**बे**'न्द'। पवट में ह्युं न' म कर के ने मान कर के की की कि के निवास मार्हित की खुल ''' लबार्द्यायार्वेच क्षेत्र अवन क्षेत्रायन महत्र्रा ।

मी अं अर्र महेंदा की सम्बद्धा । समस्य मो हेस महेंदा की समस्या ।

ब्रैर पर्। । अप्तान क्षां व्यान क्षां वास्तान क्षां प्रमान क्षां क्षां वास्तान क्षां क्षां वास्तान क्षां व्यान क्षां वास्तान व

महेश साथ पांसुआ श्रेण नमद हम है श्रेण स्टें हम स्था हिन स हे है श्रेण स्टें हम स्था हिन स हम स

भहरी । चर रट कु मुं. मुंब तब अटच के प एट्टी । ट्रे स के दू स त कुर कर जू. मुं. पष्ट्रत के हो। । कि दू से बाद्र जार प्रेंग पात्रा ता के बाद प्राप्त के प्रतर के व त तम्मे. प्रय भष्ट ने राष्ट्र में तम्मेत्य हो। र बाद प्रति वा बाद प्रति द्वा वा प्रति वा अदर ता र त त्र हो। वे दू स त के अव बाद स मुर वा स्व में वा अदर। । तम्मेल. व्यस कुंब जूट टे श्रूब म.कंट बेट बंद प्रथा टे क्वंब चनवं पह अबर बद्ध कुष झर कुषाय कैन्य पठ्ट मुठेम मेर ब्म पट्व पर अ कर् रु "" पर्देर पर प्रमाय पर्वेष क्रियं पर्वेष देश प्रमाय पर्वेष स्व कुब देन बिन्य पहुँच पगुर प स्व कर्ष पन्ने य न्य पहुँ में पहन है . प्रमूल केव प्रकुर सक्द र्येत कु प्रमुग्य व्य रगर ध्व में ग्वय सु ध्रे म न्स म मृत्र म्र म्र मु तहुत्स निता दे (क 67 द) दस न्तर स्व है नावस वर वस्ता सनाय अहर न न दे नहें न है। देवर हीर न व स म कुल सु र्व गुम के रुष गुम्स सेन मासुस मुस केंग्य हिंग्य मुम केंग्य सम केंद्र मिंदे हेंद्र दम भेद्र हैंद। दे दस ई हेंदे मद्द्र स महुन्य म हुद् कर्ष रि हे में तकेट म गुर खर केर ला धुट इम गी नेट इट 5 र्रे ल महुन न्स्ट है। म सन स महुन महुला हेन हैं। नहन है किं नर महेन. पढ़ी श देवा स्वाय पर दिया है वाय पर पथ वीय हैर बहूट हूं थ प श शून ... यह यर ममायदे सहर हैद । वर यह द में वर म निष यस सदस कुराय द्दा देरे हैं द द द तस्त है स द द देन हैंद शय तहेन हेन पर प्रायम माइन में अन सम हार्य है और हेरे हैं अब तहन अव ' कर ल वर्ने कन्य नि मल मेन महि कन्य मल हैं व र्य में यह व में व 45'855 51 1

क्ष्में स्थान स्थान कुष्टा कुष्टा स्थान क्षम् क्षम् क्षम् क्षम् स्थान स्थान क्षम् क्षम् स्थान स्थान क्षम् स्थान स्थान क्षम् स्थान स्थान क्षम् स्थान स्थान क्षम् स्यान क्षम् स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

इसका स वाज्ञवाया है। इब्रुटी ज्ञाद की नित्र हैं नित्र वाज्य वाज्य है के वाजी विद्रास्त तार्यम बेर्'ह्व रूल'व्या ।र्यार यह हून स्वाय मुल'यर गुर'यर णुबुद्या । मुब्ब नुःदेय पहेः नुवः विः वहे नुपद नुः मुख व पञ्चल य न्यमः नु बेद्रायदे में ह दुरबह्द पर ह्रेन्यायर यह य कुय बेद्राय पेदा है। अया खर बहल यह बर्दर। हिंद स्ट्संयहें पुन यक्षल य (कें 67 य) प्या हु बेर् मिर्दे मिर्ट रेल हु तहेन हेद मिर्स्यान् हैरे सुद ने दी स है द की बैदानहेन हु मुराध देर दे चलेव नावेनक ध द्वह घॅरे हॅन डेल घु वर बहल कुल दल सेवस ठव कु 'द्व' वह दे हे हि दे तस दिन दे ही है कि है ब्रम्बामुब पर द्वा प्रवामीयाश्चिताय पन्नाय प रहेते परानु पड्ड । ५ ५६ लट र र है। यरम निम्नित्य वर्षा पहुर है। यरम कुष यह हुलात्वर या अपूर यरा नुष्यहर् में देव य देव। प्रता केद या वयक्ष योवस है। अभ्यक्ष कर् जूटक से श्री यह दे हिरा वि.य.सम यमेर. कुलाम हेन्। । सन्याकुष हेन्'न्'मध्य युर'युन्। । न नुन लन्दे तिने मा विद्। विद्यानुबाबद या कृत्यान विहासिक विद्यान विहासिक लबा इन्बर्गी वि.ए ब्रे.पर्श्वलात वे.च विबाविबातमी र्रूट शटा तृष्ठ ब्रेट इल. है.अहरे तर ह्येश तर अटश केश स्.बुब.रेट.। केर.टु.हेर चर्नेश त. त्रुथ र्वं प्रदेश तथा तथा तथा कुं का वितासर अह्वं सर रूपेया तर.यटस.चैय दंश.चै ग्रेष इचाय.से हैं। तर अहरे ही विश स्वाय. प्रमुद्ध । प्रदास क्रमल श्वीराम् केशायराम् विषान् व कामपुर्वा । मासुकायरा न्नाय मुख्यायम् न्थेन स्वराया । हिन् भेदार्दि बेरान्यता देन हैराहेता क्किया प्रिट्य मेर प्रकृत क्या है लाग मेर वहर व्यव्या हि ल हेन केर मा इत्रम गुै'खन्त सु'न्द्र मेट्'न्द्रमें क्रिन्त सम्न्द्रम् सम्मेद्रम् सम्मेद्रम् मदी मर्चेत्। मृहेश्रयरास ५८:मॅ 'द्रश'म् ५ वर्ष'मर ५८ । मुख्यामरे' भ्रायः श्रु र्ना स यान् अभ्रायम् राव्या भ्री म व व स महि भ्रायः श्रु हिन अव रू ब्रेनिय पश्चर मिल पार्वयय लयार्स्ट, ब्रेट, क्षेत्र चंदि निम्ह, पश्चर, ब्रेट हे ... 통, 음, 음당, 날드 도, 당동소 월석 수 었는 석, 툁니 동네석 다양, 최소 (왜 68 호) 작는석. कु महे द्वा मझ्द हे वर्च महे द्व वहर्यम मद्दे म वर्षेर म वर्षेद मर वर्षेट " इ.। । ह्य भूरे. टे एक ट. मैं चह के लाल च बेट त मे हे अ हे। वि. हमें हमें. भव मुना म मिन्। यह दी र प्रमान मान महिल से हिल स निवर निवस मि हिन र भव-रे पक्ट में निर्व क्षानके व तर चले रें। जह बेर बेरेबे व पना निद्रः सह देश देश देश देश है । दिन क्षेत्र निद्य सक्ष्म १ अस द्रमारः मन। । जट नेना बटवा केव हेर. बटवा केवा । विषय मान पश्चि रहेर बटव कुषा । देव: प्राप्त पर्दे परि प्रवस प्राप्त वृत्व के प्राप्त के विकास कि सर अटब के हा। ।वाडवाय ग्रीपायय ग्रीरिय के व रहा। विट्र कवाय से विट. नेर सन्यक्ता । देव पति तिर में हित पूर्व त्यापान हिल पर सह प्री । ञ्चन'न्यद'रन'र्नर ज्नाब स्या प्रायः स्व हुन्यं पर्ने सः हेर्'रु'र्देद' न्मायुन्याक्त हरा । न्नित द्वाक्षे में दे महत केर केर कारा हैना न्गर चुरा । ने व व दिर वे दे भे पदि र्व दु भू यह है मा चुर नरा। RB पर्नाभशःमुभःमुःम गुद इदारे दे मुभःमुरः हेन । देव हुना मान्त्रा तर्भात्य मुन्नाद्यान्ति हिन तुः क्षे प प देव परा नतुत्यापर के रिन्त " हे.प्रत्य भें. प्रदेश इव वया बेहबा. रटा. टे. घडु. प्रतिषा धर्य प्रयापाला..... बद्धाः सहर् प्रात्ते केराहा | विवाद द्वापित विदार्मे दा सह दे पार दे दे स सद्यं क्यानर मद्दे सरद रेट हा।

व्यक्ष मामा वही । मुन् में स्वाप्त क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा विष्य विषय ।

ह्मीश्रात्य श्रम् क्रिय त्रान्त्र कृत ।

हम्मीर विद्य ने पालेन मिनेन म स्था कर ग्रीयार्पन्य पालेर क्रिय व्या मह्म पाले ।

कृत क्ष्र्य ने अस्य निष्ट कृत । विष्ट क्ष्र में हम्मा पालेर क्ष्र निष्ट ।

पालेर पालेश क्ष्र प्राप्त कृत प्रमुख हिन्द हम्मा हैन्द हम्मा पालेर हम्मा ।

पालेर पालेश क्ष्र प्राप्त कृत प्रमुख हिन्द हम्मा ।

पालेर पालेश कृत प्राप्त पालेश कृत प्राप्त हम्मा ।

पालेश प्राप्त पालेश कृत प्राप्त हम्मा ।

पालेर पालेश कृत प्राप्त पालेश कृत प्राप्त ।

पालेर पालेश कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त ।

पालेर पालेश कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त ।

पालेर पालेश कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त ।

पालेर पालेश कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त ।

पालेर पालेश कृत प्राप्त कृत कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत प्राप्त कृत कृत प्राप्त कृत कृत प्राप्त कृत कृत

लिस प्रचान्त्रवे नार्यचे तारा । मिलानसार्यात् प्रमुद्रा सद्द्रास्त्रास्त्रामः चित्र प्रचान्त्रवे नार्यचे नार्यस्य नार्यस्य मिलानस्यः रटा। श्रियार्वार् नियात्वेश पृत्र विश्व हिन में अन्य में अन्य कि हा है। रह बहु ध्याब, टे. ट्याप येच सहट, तारु क्र स्टब, ब्रैय स्थल ग्रेय चर्चेत. तथः के नेंच ही लिच र्वा केंद टू हुँद घटा यहारा हीय देवल हुँव ट्वाट वक्षुर हे " बट्य केय.रेका अर देश होर ही. पिन प बित्य देश हीए हीर एकट के क्ष मञ्जू यर मन्द्र म द्र स्तुव सरः मृद्रा हिन्द्र हें हेव् कि 69 व) देव स्वर पर। प्रोक रूर की रचेल हेर ए हम पत्रें सा ने सर पर सरस केंद्र अ चंत्र की स्थापह हुन प्राथा है हुर मृण श्राप्त । मान्य केर पासुक रु केंगल मराग्य गुर । १०६ हें व के हेंगल हैं रहूरा । ह अन्य अपने हेट रहेन नवसा । दे छे चुन्य पहुरे परे जोनेन्य गुरा। वल हैं । मृ. कर टू. प्रमुखे ही। विश्व श्राप्त रही दश हैर देश रेच राष्ट्र। विष म्बल में हे अर्थ. राम महेब मना विश्व हिर. देश व किल माले रा नि. हेर. पश्चम प्रमा दें रद्य द्या । सर् हम मेन हे मद र्म हमना । रखें प त्रिल चर च चरि छैर। ।चुर हम क्षेद घर मबुन्य द्या गुर। ।द्युर क्षेत्र पर्नि इससार्य प्रवासे । विस्तार्वि मुन्दि पर्मे प्रवास गु.७६र.ष्.घभूर.घर्। बिय.८८। इ.७०४.गु क्वेट.श्वे ४र्वेष ध.थ.४४. गुद्रा द्वानुपर्यात सुव श्व ठव ला । सुवाय वहते कुल वा क्षेत्र कुल वा क्षेत्र किल वा क्षेत्र किल वा किल विकास 5। १०५व यन लटन हुँ न देव के केरा । हर-न के रटन दुन हेन-न। है हैं व परे प्रात् प्रेव देश किंग परे मार मार प्राप्त हैं पर किया किंग हैं चल्चि वामेन्य सह। । वेस व्युट्य स। ।

अवस पश्चिट्रक्ष चेट्य, कुट्, प्रक्षित्र, कुट्, प्रवास, प्रक्षित्र, कुट्, प्रवास, प्रक्षित्र, कुट्, प्रवास, कुट, प्रवास, क

ज्ञाह्य, तर चेत्र में के के के के के विष्या ।

ज्ञाह्य, तर चेत्र में के के के के के के विष्या ।

तर चेव्य त्या ह्या ह्या के विषय के के के विषय के विष

मिरासहर्, श्रुट स्थू चाना से से स्वास हो स्वास हो स्वास है। स्वास हे स्वास हो स्वास है स्वास हो स्वास हो स्वास है। स्वास हो स्वास हो स्वास हो स्वास है। स्वास हो स्व

चल्ने.त.वा प्रताशवाल लट र्वास्वायार्वायाय हूं व विह्नानेव. हुन मृ जिस्स मुक्ष न्वर प्रस् प्रस्ता । तिहर मु पर न्वर हिन के देश मासरमान्यवर प्रमुन् वासर् कुन् क्ष्यास्यानु के हमारन् देना मुन्न हर । युव वरिःश्चितः द्वितः सदस कुन्नः नगरः वर्षः वर्षः यह दः वर्षे स्वतः राष्ट्रे स्वतः राष्ट्रे स्वतः राष्ट्र लका द्व.मी.र्म.क्षर.क्ष्य मी.र्मिट्य.हे.बट्य.मीय चल्पेय.पेरं साम्र देह में दाव प्वता में दार है सारी । हिनाय है दिना में दिना में दिना प्राप्त है से स्राप्त है से प्राप्त है से स्राप्त है से स्रा ल्या ही र हिन्य अहि प्रविधाय निवय भिव विष्य हिन हिन्य अहि र छे । हन्यान्ति विदान्यविदावेदायते क्षेत्राम् । दिन्यानि दिन्यवेदाद्वामित नव्याखन्य हे भि ता पहुर हूं नवा ता हुन प्राप्त का नेवा है। दन ता नहिन हुन मु क्रमा मुद्र पत्नामा पार मा भवा दिना देते में नाव में मा पार में कि मा में र। । निवट, तर, प्रव, भव, लेका की, श्रीवर, ही। निवट, त. सेंद्र, तर्बेनंस नेंद्र स विव्'वित्'। नव्यागुःविद्'न्व्'नित्'व्'नव्येत्'यरे' धुर्'र्रा । हेन्'यरे' ह्यां भर्षे प्रयान्यात्याह्यां भर्षे ग्रीमिलेश क्य विस्ति मुंगा है। देया मति हैर दे निहें की द्रीयातम्द्राकी महत्त्व महत्त्व भेद हैंद्राः देव हैं लहत होत की हैन य दे द मंदर मंदर हैन पात हैर है। स्वर्म हैन महत्व ी द्रत श्रव सरूट र द्रव में ने सिंह प्रद हैंट हैं। परन्य य देशय में उत्वाद मादश क्षव हिंद समित्र विवय है। स्वाद देवे मूंद व मावव केर सह . बेन्दी |बेर पनदर्ग 'न्बर फरा (ऑ. 70 प) कर द्वा देव दूर न्द श्रेट देवे हा प्रमूटा । रट चढ़ि हिर मेवस मेवट रूप प्रम भव देवसा। त्र निवास द्वितानु हाँ त केर नम र प्रमुख्य महोता । स्टर मन्दर म देरह मसू व र्म श्रेष रेम्ब म्युब नु २५ है। अवत न्युब व्याप क न्य नुतर **प्रमा** मु केद केद श्रुव ए बकर कद दद दय पति है में बदय कुर में य बदर बुन बंध ममूर वि.रंभ त है अर.रंब रूर की प्रवाधा हु अ विर्व विश्व ने ब्रेटन पत्र के मेंब. हरे हार हैंद घर रट वैंद घ. हरे है वेंबल प्रथ बिंद .. रट. मार्ड अपूर टे कैंट त छ संब हिंद द्वाय से लेव क्रिय क्रिय क्रिय हिंद कर टे. उत्राधनीर अरे.त हवायाल स् स्प्र देवील एकर वी क्ष्याती वेषा अपिष् न्मित्य में अधरात्रकाराय स्टाब्रूट म दे हिंगा केद केदामा सुन में मार्गिताया लेख मेर्टा । निर्वेत में अप्त निर्धास क्षेत्र की रूप रेप श्रुपान ने मंड्रेचंस त स्वाय, इवास क्षेत्र ब्रिट. दें स्ट म ब्रे स्ट मंबुद ख़िल सेंद्र ब्रेट मी. हिंगु केद 'न्द। देन अरे न्द्'नु के अहेन 'य संगय म दर्भे 'मा सेसस उद क्षे ब्रिट च ८८.अब्रेब.तपु मेर्थ क्रिअक्ट्रच रट रट.चे एह्न हेर टेप्ट.चंडेचेथ . मु नियम प्रथम पार्व क्षेत्रपरि पार्यम कर्म मु स् खरि पार्व मु दिंग क्षेत्र 🗥 रवायायते प्रस्य में स क्षेत्र मा प्रायाते की जार पहित शय मुपायते नर्या नल्ल लक्षानटाल स्वयातानम् तप् ने नेवाक्षाक्षात्राच्या व निर्दा निवस के दिना केद सिंद्य सु जानक या है। स् स निवस के से में दि ल्ट्य सेंद्र ब्रेटा है स्पार्थिय है शिलासेंद्र निवय है से निवस है ब्रिटा है जिद

अहित हिंद रिव रिव स्व प्रवास वार विश्व विदे हैं। ।वायद यह दूरा वाहर विद् ख्वाब समेर क्षित अर। । ने द्या शब प्रविद अर द्या ६ ३ वी सद्ध स चिन् गुँ अलक स हसाय गुँवा **न्टेंब न्ट सम्बाब स**हि पृत् सद र्वाच स र ' ' ल्ल मा न्या (के 71 व) हान अम न हैं व पर हम प्रमाद कर मा राह्म है ने बधक बर्न अधिव न श्रीय नह अर्थन देखा है ने श्रव न्या न त्यून मह बुद्र, जर हुन अर्वेन म न मक्नि देसे ज है - म दे । हि वर् निश्च श्राम्य केश विविध स्था मित्र प में न्रे न्रेस पहणात ल ही व मालुक प्रता ने बार्ड का रें कार यन वाच वा या वा वा प्राप्त है। हिन यर उन न स्था है यद श्रुर व उट ह। दि.स स्टर्स सेह ब्रेट म्बस ब्रेस च ब्रेट । सट विनेतिक पत्र पत्रियक पिशक प्रव स रह प्रवस्त मिर्ट अर्थ द्वा कृष क अव । मर सद मन् मार्व हुतै। नम् धुन केव मेरे न्वस दे सेव सा देर तकता मु द्वा चन्द्र पर्देश्य व्याप्त मु तकर मु द्वा म के दे। वक्ष म मु सुत में हूर दिल देव लूद ता शिल में रें दे किट अथय रेशन न श्रंट प्य कि व नि हैं विश्व दे अहर ता पर विश्व हैं वे ता है देव हैं वा तह लग हैं दें हैं। |दे ल पुरे दें न के देरद पुर के सम में दें द में में के पा के मार्थ हैं द व्य द्वापित त्र भागवस्य परिषयन्य मात्रक्ष गुःशुव क्रिंट मी द्वी परि स्व '''' गुनापन्नित्नात्रात्रिव्रत्मानु क्रिन्दिन्यापान्तः। क्रिन्याप्राञ्चत् सहित् गुन 미지도, 근, 디룀디씨, 디자 디서스, 디씨, 홈페 및 '口실스, 다. 얼, 와, 엉크, 날, 고날, 다 오소... पदिव है। दिवारिकर पदा विदार अधा विदार अधा विवास मार् अपनिवा न्द देन'क्यापर पत्रिन्य पार १व देव क्षत्र मुक्त मुक्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र महे न्द्रम्मद्र गुर्द्रद्रद्रान्द्रन्या केन्या केन्यद्रम् न्वसः केव सरः मश्चरताय वे १९व र देवा ग्रे ने र देन तथा मश्चरतार महित्यार

3. ଞୁନ୍ଦ'ମନ୍ତି, ଖୁକ'ଣ୍ଡିମ'ନ୍ଦିନ'ଅଞ୍ଚି'ମ'ମଞ୍ଚ ମନ୍ତିବ'ମଞ୍ଚିକ'ମନ୍ତି, ଅଟ୍ରମ୍ୟା

द्वांता, के. कु. श्रुंबा हुवं ग्रेट अटबाकी अ.ग्रे. खुट. उट्टर, अष्ट्र ते. ची. श्रीत तहुर हो । विष्य अप्ते कु.ग्रेच अद्र. टेट लुवं जया वुं वश्र भोष्य. ख्रेच अर त्या कु. हें। । विष्य अप्ते ब्रुच्य, मुं क्षेत्र देव अप्ते वुं वश्र भोष्य. ख्रेच कर त्या त्या । विष्य श्रूप ज चात्य अहरी. ता प्रवे अप्ते व्या अपिता । विष्य श्रूप ज चात्य अहरी. ता प्रवे अप्ते

मुंदे हुंग पर रूप म निर्म में बेंद में हुंद म पंत्र महें बहर महि । कुल ८५ हे तिरू बुब यो २ स रे. श्रीट यह यो बुर ये हे न व व व व व व व व व व रिव में के इसस पस रायनांच मूर गु.िसांच्य ता.इसस गुंध पांडे के वार्या . . पर्क हे अहर पर इस मार्य पक् इर पन्द्रांत स स्वीय पर्ट। প্ৰ स्ट अ लुब.त हुंचा त कुबे तू टेट इत्यंथ ग्री क्ष्म जब उत्ति घ टेट । न्यन ने रैनाल परा नेंब विंप नु लहेना पर लेंब य वेंनाल ळन् (लें 72 व) बेन त्र अध्य पश्चिम मु 'यत्य कुष गु अहर स लदे वि वह बेस म क्षेत्र मार्के ''' तर भुरें य मेर। द्वेच त कु किर. चू चीरें ज ती. वें श्रेर ज लूर य ये चीच य त वै अकेंगि मी अहर पा पड़ पाईषा बेला मुझे। देलर कुर हा अयथ। धुपार भी पाय था बोलूय घर। । श्रीपात पुरत चाबुद श्री क्रिया गुँया । भी घ अर्द्र तर है पर्टा रिवार लिंद बांद य देव रहा पर्टा । विवय ही पहिंग न्द पहुस्त पान्दा । पाई के पाद्य व समस्यापन्दा । पाई व सिते लिंद्र-प्रेंबर-इल म र्मा । द्रार त्युम प्रार में ब्रिंद्र द्रार में विकास क्षेट. त्रर बांचुवाय तारेटा । तरीर के पश्चरेट ह्रवाय तर हा । विट क्य. क्रम ग्री तिवर प्राप्ता । हिंग त्र वर्ष धर मिने गर्य सहर दस्या । प्रत्य खु'स'न्न'देन'द्रसम् खा । शेन म हे शेन निवस मर हेंदा । देस निवस म 링도'폭! !

ब्रैंद्र ट्रेंट्र चीर लेब की वोबल ब्रेड्ड्रिंट्रेंट्य ता हे वो ट्रोंट्रेंच्या के ब्रैंस्ट्रेंट्र चीट ची खेब किर से का केस्र प्रवाश । विट्या का ची के के कि कर से किस्स्य किस्स्य किस्स्य विट्या के किस्स्य किस्य किस्स्य किस्स्य किस्स्य किस्स्य किस्स्य किस्स्य किस्स्य किस्स क्षेत्र स मानेन्या हार माने के वे मुद्र मान माने म द्वा रहि हीत নুষ দীল বাৰু স্থীন-খিলৰ লড়ে সু বলিৰ লং-ৰেনিৰ ছম ইবান গ ওছিব নু . . किंद में यह बार नर में श्र मा है निवासित रहे कर देश से व सबर रेंद्र स्वर्थ म हिन के गुटानिक मलुनक हे हिटानिबन है हैन हम हम र महर हम हम महर प्रशासिक मार्थेश वंश की जिस महेश तर सहर. है। ें प्रशासिक स मार्थ. वै। ब्रीट पट पुल पट अल पट देनाल हे मैंट हुईल पा हेर भा व्यविग्र न ही है। किंग देनाब रहा। अस हें ने बहा के द्रावक (क्ष 13 व) नाह. नेया मैक्षे रूचेय पर्वेरा दिन देवा गुवल स्तर व प पर्वर हेवला. ये ४ हर्य.तर वेश.तपु क्षेत्र है.ले ज.र्च इंटल म जेट टट शरूव ४ वैंट वेश . . मंबिटयानुदा क्रेयेन अति है। प्रटा टिंग देदा है. म.र्टा अवन व्य नदा है व अदय नहीं नि. अद हरे. है ने अ श दर देश में है ने अ अवः म्बें रट. ल. वर मेर तर वेरा मार केरा है व मार व पर है पार है वाय अस रे वे चह. व वेच वंच पर होते। अवस वर्ष ही क्षेत्रस समा व वेच व हेर. हरा न्वदालरादराबेरायररा हूंन्यर्रमा ह्वार्या हार्या पहेंद त्युवा द्रा वयव गृत्रक्षयाय वेत् यहा ।

 दश पर प्राची पर सार्च स्वाप्ता निष्ठ में स्वाप्ता निष्ठ में स्वाप्ता प्राची में स्वाप्ता स्वाप्ता में स्वाप्ता मे स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता मे स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता मे स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता मे स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता मे स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता मे स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वाप्ता मे

अह्टें। । स्ट्रें ह्या ल भुव टें भाषित तथ शेष मेंट ए चेंज कर बंशब मेंट टेंज घर...... स्ट्रें ह्या ज भुव टें भाषित तथ शेष मेंट ए चेंच छ छट तर चेंट हो। हैंब. सक्टर प्रांत त स्वाय त जीवा सूल भुव टें भट हाई झैं.इज टेट तह्र वार्य त.

स्थित है। स्थित हैन में क्ष्य प्रस्ति स्थान प्रस्ति स्थान । । पर्दे से स्थान स्थान

मन्व मावी अन् हेरे हुँ सस तहन सद्वासद्वाह देन्सा ।स इन श्रेल गुर नहन नेय र्नार प श्रुर्। । युर क्रा बेबस र्वर विस दयः विषाने न पर रव मुं पुर परि हेश सु यारत य उत् नु लाने लाल में कुं है। """ न्याणी स रेट वसुर ५८। कुल में है एव रू रहल हें द मी स स्वा महिस एक चसक महत में मदसर दम दें द हेट दें दम में हमार पर अधर.. मुन् हिल्दा बेदाया द्वार विदासद केद केद केद केद केद हैं है है हैं से साम " " प्रह्मा अवर विम प क्रमन हट प्रम सर्दे पर सहर गुर वन परस हर "" विव दल मक्य महि मयस महत् क्षेत्रय एड्न हैन हे तहें द दशय सुद द्वार म बुट, देश भ मूल घर घर्डे व घरटा जिस ग्री में इ पिट. घर्डे व हट. जूचे घड़. महार ब्राय क्व इसर मुद्द रहन हैट देस के में साम महार मार्स्य मा द्या म अट म के मर बाइवास देश। कि.बीट दे रहें देष ह्यां शे.स टिंग. मृ श्रीता अ गुप्त मीवा विवादिया । की मीन मी तही। वकार ही मीवा । हैत त्यु नाहिन इंसल हेद'रेर वास्ता म निष् ह देन्त नहिन गुत के नास्ताम । अवाकायते द्रापत च ब्रुट् हेट। अव द्या मी द्रापत श्रुवा स हैट वें केट यक हिन म नेल मिन किन किन हिनल सर के नुकासर नहीं निमित्र हिरा हिर नि म्बर्ध स्वास या महित्य म्हित्य प्र हित् हिर् सहस्य यर णुर यस प्वी """ मुद्र सहस्य यर सळव हु याप्य सी

मकु न वे। दें दुन न्यंत वस सकद न्ये देन न तमरा । दुने इंद चर्रेशय तिर किंत हैर तूर वांचेवाया । ने दंश तेवा रेर विंट की व्रंथ प्या क्रियानिय सुर सर सहर्'य पादिय मेट जेंद से द्वार पुंद सरे यु से येवाय " क्कें अप के प्र प्र चर्षे ता चर्षे वा क्षेट के हि अपन चर्षे हैं हैं दिर मुस महि दे शुन स्ट्रिंट है उद न्यांस स श्र मु निसर में सर्नि न्य। रिर्वेश मार व रामिल सक्त नियं क्षाल रया मु मालाव दिर रिन् त्रार यर " मुर हेट । (ल 75 व) हु लक्ष्ट पण नेव सव हु पहारव ने सेव में धेर पर्वेषय देश। श पर्वेट केंपय रेट टेंगट चूड अष्ट्र कूट छट। | खेब स.अ. इतिब तरु कि पर्वे ६ पेट्रम जीय तैट किंप हैंट तूर बोचेबाय तथा। अ मोद्री वस्यार र राष्ट्र मार हूर पर्वेद न है र वेदा हूर नश्रम है पर्वा में कर्य त रंगर श्रेर क्रियं हिन हेर परि पर्यार या केर मंत्र गुर वस पकुर या ल ... स्वेष पा.ते. देशस ८८ ह्रियेश पर्दंद्र, वैट. क्षेत्र अध्य ८तार देशस विश्व ह्रियेस .. यहते बद्ध कुषानी देद अदायर रदार दानी केन्स पहिल में केंपल कर्ा " बेद महि'मर्गेद मस ममुदा सदस मुख मु बेद खरास ठद सुद् मदि देद बेर र्या न केर्'यस र्सुल याल बिन्स'यह तम् य इसस र्युन्स'र्युट'वैट'ह्य वन म वि.म क मक्षात्मर नवकानित रखनाल्य म वि वार मा ब्रिय हेन'न मुन परि के केमा रूप मानेबर केमा में बेर बर म कर्षेता हू चंद्र वि इश्य वेर तर हैं तय भूट कोतर ज चलव वे तहूर। वेत अष्ट्रत. हैं न गुंब गुद: नुब न्युअ गुं बदय मुख गुं बेद: फेंद् 'दें हें न ने गुद छूप' हैंद र मिरे कुर मिर्मित् म हे केन म समसाने केन मु दूर मन महिन कि है। में क्षण वटारी, चर्च देश चहेट चह हुट ी. हुल इ. येट चर्च वंच लेप. चर... रु गुडेग्या मु इट घर पद्यत। इद स अर्द रु पद्या दय पद्यात सा।

न्णु स दे। भेद हु के मचन् प्रमद ठव मन्न ग्री है। । हिंद केंद्र स न्द महत्र मुख्य परि अधु क्षेत्र महत्य। | ने ब्र मनुन् त्य कुल म न्द मनुन रेल मी ख़रे स न्मे ह क्त क्लल क्षेत्रपर सहन महे बन न क्रेत " " अक्षय वस ह्र वर श्रीय है पर्ट ही नवस नास्त्र भीट पश्चल पर्या हिन उद रत हैं ५ गुँच हैं भूच के पान ५ मार्थित पा स्वीय रहियाय सुवा सूरका 😗 मैद मैद नु के पवर परि सेक्स क्षेत्र है। द्यान कर पकुर हुरे निर खुन मान पर निर्म में के नाम देव त देश मुंब हैन तमान तर बंब पर, प्रांतित नु म स्न मनु देशव गुर हुद हैन मु हिन्स है । सकेंद करे कर सम हैर """ मिन्न परि न्युन्य श्रुव पना ने न्य वस्य उन् युन क्वा केर यं सहस्य परिः सकें न ही व की पर्नेन म स्वा मु कुर वस सह र नाय है। पर्नेन वस म ने दश मुल वराता भे क्रा सका पर्वेटक से वीसूज प्यो। पश्चेल प्रदेश में भरे. पर केंप्य मार्रेय पञ्चानया मेटा अधर खंब पर द्वार में यह से खें खें रिमेंट दट पठल मल बुका क्षर शेर्'अ'र्ट र्नार'अ'र्मक पर्न्'णु'चु'क द्वल गुैक गुद्ध ९५५ मार्थ हुन पहुँ पर पहुँ वन गुद्ध वुन्य न्याप स व व व है "" न्यं र व मन् भी है रविंदान महत्र महत्र महत्र करामहन् हैत । दे द्व लक्षर्ने हा ह्वेर पति हिते पुरक्ष में के निष्य मा देवा पर वर्षेका कें वित् क्व मुं श्रेव पर सहत् य संग्रास सर्रात वसस यह में हें हे हे रहे व मिं वस मनुन् ग्री नुस्रम् से रह्मन्य सम् नहिन् चुन कुन ग्री हैन मन महिन्य महि वसः अरिक्षर दे है द द पहुल पर सहित्र ।

पठु प वे। पत्रवामा विषय प्रेत प्रदेश प्रेत स्था । विषय में गुप्त स्था में विषय में प्रेत स्था म

स्र-इंश-कुराक्षेत्रयामा विष्या हित हित स्वाय सहय पर मेव पर परेव न नहीं 'न्ना हेद एने भारतिया अधि सिना में रेस न से ना स ना मार म्बिन्य दला दल में क झर् सु रेट्य एकर म ह तुन पर तुल सु ही व पुरे [음. #꽃山 L 첫 출소. 口 집 소. 화스. 디 스와 너저지의 디닝 의 성의 집 찾다와 다음스 मस मेल पर पुर दि सहित मु प निर हिल्द हर । दे वसल हर से सल गुै'झ्र हेना नहेन ८८ हेद'यहे'लेख रच गुैख'रेन'य नखुअ'ईंच हेट। ह्यट' ने.स.बुट स चपट रू.इ.से.सिंह.हेट ड्राप्टूर नेय चर्थ रथाक्य गीर ने. न्धैत्य सु हा व अदे पा अदः द्वाप्य स्वाय परि चुद ख्व मु सद्द (का 76 व) तर हूं तथ तर अटश केश था। १ देह बैठ श्र व्रावर जिवश रहव शरा । स्या मु न्वर तिहे दर। मर्न है स्य ग्री सु गुव द्वर में दर ह म झु'न्डव' भुक् भेव' हैं। दि'वस दे' महिव न्नेन्स म मैद हु' स महुव' श्चिन् भी दान निष्या पर प्रयास है। सम में मुद्द दे कर में देश मुन्म स समा यस केन नु पहेंन यर अहन। हैंन मालुस स्नेत्र हमा नु मालिस मेन ह्येन्यत्पर्देश प्टेव्ता इयव ग्रैय प्रेन्या स्वाप्तान्य विद्यान्य क्रमाग्री-न्वाराय गा पन्नर। हिंदानास्त्रम ने स्र हमान ने स मकेंद्र हदायहेंद्र देखन पहुंद है हील मैंट अ.चनुनेब तर.वेट कैंच.के.नेट.ज चेच्चबंब वंब वंबल चेंटर की घर वंब. न्चेस सरःसहन्। यन्त सन न्हेस पर हिंद नासुकाक्चिर देदानु रकना । तर्व सेन नेबंध तर. वेट कित की क्षेट स्.ल श्वेव श्र प्रदेश तर नेश्चेन न मन्द्राख्नामद्वीयरान्तरानुम ग्रीन्तुाअर्वेदियरान्त के देदामर तकन ।मन्द्र स्रमाक्षायराष्ट्रायहर वहरानी निवसास्यायद्वाना वर्षेत्रस्रमार्ज्यायायर वयामेर वु में हिर हुर हुर पुरा पुरा पर्व परि के मेर में ला कुरे हुर हु पर्वेचे पार्व हें बात में ले हें हिंदा ने में वे रहा ने वेद हैं बार के किया है वा में वेद हैं के किया है वा में ब्रैंबय ग्रे.यून्। वर लिन, च.ज.केल. क्र्यं तार्षे वर् रूप बेट ता इटे. तार्षे लेल च.....

म् रिनेट म स्वाय बेर स्ट मालुर माह क्ष क्ष स्ट हा। । स्वा म क्र मूह जीया में थ प्रहार रेथ सम्ब में य प्रमा में य सूर्य मीम हिम । । स्वाय में मिन में समय से मास्य में प्रमा में य सूर्य में मीम हिम में मिन में मिन में समय से मास्य में प्रमा में प्रमा में प्रमा में ये हैं। । से प्रमाण में में मिन में मिन से सम्ब में या में प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रम

मुद्र मुद्रम म दे। कद्य सम्ब मुस्य महाम देव दूद अदेव मुद्रम ! · दिट, दुअ भू अ प्रिंदर प्र दुश चांबिश, पश्चर। | ह्रिचेश तपु अटश सेंब प्रेट मुंल मुहे हुट न पल्पाय पह के रट बीय पहुँय पह क्ष वप (हा 76 प) अ. ने तहन हेद म नुद मुन के हैं नव पर दर्ने दस है। वन दे हैं य यूस देंद न्यत ८५ व व व । म५५ हे ६ सदे हें व नेन मदन नेव हेंदा । सु त मझ्क गुर में मर के तुल मला । के ह्य क्लल त्रम हेर तु मक्ल मर छ। । बेस मासुद्र में सुमाय सम कुद्र हर माबुमाय स द। सद्य मुस गु अधुय कटल य मह्म सुद उद लिंद ततुल सुम द्वा हु है चनुद में लिंद दह हिंद कुन हे पूर्य देश कूश हूर तर नेश्रा प यहेत मैट श नोबंद य व यम . हिद ज्वाब स हिद हे लद वासुस 5 वास्त म महम मसावादल ह दससाती. न्यान चंदि रेस य येगाव यर मानेगाय हे स देव यदि बेसव ठव क्राय पाय "" महम्भ ने पर्र हिते में र्घे पर बल मुल प्बेशपाव रे'प्बेर म्लेग्य " तथ क्ष की अंदर जात्र मेर इ लेश तह में क्षात देश की वर, रें. वेबेश मा । दे बंदालार के अर वर्षर क्षेत्रक सहर हर हर खेर हर पर र निवा गुै'वन्य स न्वेन्य पर हे हे मन्द्रम्य अनुव प्रस्क हे दे प्रम वीस दवे हिंद वे दहस वर युर दस स विवास देर सद वेदि वि केद वे सूद " मुद्र च दृद्ध दृद्ध व मुक्ताला वर्स्न च मह्द केट हि च हि दा ल क्रेल के .. . र्वेट वीयापद्वित्रायदे के विवायापद्वितात हैन मुद्र मुद्राय विवासा

रट.कूथ.हेर्.तर भील पह श्रिंडट.विट.च.र हेरु वि.वेट क्वा.अंश्य रेतर अवय पश्चेर वायनारि प्रय ग्रीरिट्र प्राप्त प्रमान होता वा ताया हो कि प्राप्त लय में च तप रे मेर स्. क्षेत्र में हैं द से खेल च स्वेश चैट केंच अभय देवर. .. नित् भू निया हु केन यान्य गुम् लन्स याल क क्रिन है परि केस प्रदेन । " मदेव मामबेर मं माना मुम्म निर्म त्र स्वर मुक्त मीन सर नामुल नु प्रवित हे. ईश्र त पर्दे. ते हेश. श्री तर्श्वर. पर्द क्र्यर पर्दे व तथ ते के प्रवाद स्थ .. न्य पर्व र्या तहेन हेन न न नेत्र सकेन न सुस में र्यन स पुरा ने न स रेश पर रे में नापान्य (का 77 व) श्रेंग यन हिया। कुल में हे मिया। छु म् दित् स्रुप्त मार्थ मार्थ स्रुप्त मुद्रियों किया में सामा सरामुद्र मही। लाद्य दा.वर् मी मूट विराल ख्रांच दार्च दार्दा की.रंट प्रिंह वर्षा है. हे रेव में केरे विदाय सेवाक अने या देश वाद या है रेवाक प्र इस सु इदाया ८८ देखां पर देव 'सया पाइसम हे 'र्येण' स्वर तमर दे 'देवे पर क्र में 'रिवर " प्र केष्यं देश मान्युव पुंचल्ला अर्केन बुद ला स्निया विदेर द्वसमा चित्री वात्र वात्र स्वायात्र वात्र व च्छ.म्वल वर् मु.हे.रंट अ.चंट्य प्ररे.त.वेट.क्व रे.लंट.चहेरी अरेर 2. सन् पर तहना हेन निर्देश हिन तथा सन्य पर हैं तसुल केन में पहना खुबाडु क'न्युक नु'एवाञ्चु'वर्धुवाकेद'म्दि केन नु'न्युन'न्द्रायद सहन "" कुट. मूट हिर प्रथम हिर हैं हैं प्रयानवा राप हर र में ईट या में अकूर. हेद'ल स्वायानराबित ते बिद्धेदास्य भाष्ट्रवास अस्वाया है वेबी सामा मक्षेत्राम्ब्रम्यात्रियानवेदे के त्युव प्रका पहें गु खुला तरा भेट । मद्राद्राप्त साहेरार्मुरायमानु चतुन्ता साहुन नु द्रात्राराष्ट्री **८**गु८·й·й ल्'पर'अ८अ'कुश'क्य'८गु८'й'पकु८ व्'प्रथ'परे'पर'५वुर'''' म्ब्य मामक्षे महार मामक्षेत्र हात्र वर्षा हरा है।।

यह माहित यही अ मादम छ। तद सद्यायह हिल माह्न हर। । अ मर्म तहेन हेन मुन ह कुल धर अहरा । दे हर अहर ध अधर धेन महे भ्रम्य भ्रु केरे तर् छेर वे महता । तक महित्र छेर वे छैद छैव महमसः दल क्ष केद में कूट पर पुर ध दट ख़द'हेग मूंट हिर अटल ध ठद ल किंग यर देश मुल विविवत हे ह्या अदि दल क्रिय नि क्रिय अधिव स इस यर द्वे. मना बर् हे दि अध्वा पर्यम् म स्वा क्रि है दि के रन्य व हूँद पर पहुंद पर बुद्ध भेग प संग्र ग्रम्भ द्य सग्र परे पु र्ह् यस मर्ने न गुं(के 77 म) व म न्यंत हे मूँ हिर हु र द द द विद यू त हु म न मर व अर मिनेक्स मि त सेट मेरे १० इपक मिस पिता में इट पर रह" नेय न्दा इव य न्द नेय महीद की वनु नेय न्दा सुद्व तथ वन्य पर तर् नेय खुन्य ल'सहर। गुन दन्त में ल में अठर कर् नु मुद्द पर प्रम तबु. एवं वाबिश तसेव हुट बेल ही वरिशय त. तसेल। हे चढ़ खेल हा रम न्नार न्म मुं कु कु रम मबद र्मन्य महारा हा म छेन छेन हु र र र ब्र बर पर पर अर् रहेव पर हूँ व पर शहर प शहर प ह्याय यर समा ब्र खेनस तम् दिन प्रत्येश हिंग ने नश्रभागित्व श श्रुंशशायर खेनस वसा अर. एव य पहेंबाने से नावकायरे प्रीत्य स सु साम्ब स्व तर्वायरे हिल प्रमृत्। बन नर्व रे.है.रट बुध अष्ट्र त की छु द त्र अष्ट्र हुट से.चर्ट केट कुन्द्र कुन पहण्य पर सक्र हेन के इटाई हान इटल हे यह हेटाई है। बेद्राचरे हित केंत्र केंद्र में पार्वे ता सम्यामया महित्र हैर से महास्याम हु जुन पश्च मिर्टेट, ईश्व किट्य पर्ति है सिंधु हुए पश्चित है सिंट, तूर किर त श्र में हैंंद्र कितान् अभीयार्व रटा। लटवात व्यावी कार्य है ही का स्वाय ता देवल ग्रीयाकः मकु द प्रमुख है के बाद खल द वर्ष देन पर पर मेर देव हैं व हेन पर त सक्षत लाका त सह दें। । (क्षे 78 के)

त सक्षत लाका त सह दें। । (क्षे 78 के)

त क्षे निट लाट उड़्न हुंच ने न बेन निश्च न सह न स्वाय सह र में सक्ष्य ने सक्ष्य हैं सक्ष्य ने सक्ष्य हैं सक्ष्य सक्ष्य हैं सक्ष्य

ना बाब म दी। अब ह्य समाय पा के तस्य हिन नहिन म। । होन के व लियांच खे हुंद बिया पड़ू जिंदा अष्टूरों। । कून प्रतिन सी कुए क्टे झ्रीना पट क्षेत् ह्रम्या । के कुट प्रिन्धर के लाद श्रुव केंद्र मे । मानुत्य पुर सूद इसस १व वेंस न्या यह यहा । १००५ न्य इस न्ये स तरे स हो र ला । १९६२ वे स पहुते द्वाद धुन लुद क्षर पन्दा । सदस कुर गुं सहद त पर्वा अर् पत्र प्रमुद्द व देशक देव त के किट से स्ट्रियं वीय के अधिव म सर है। । नियेर व हव हैं व खुन व व कें रहा के व में हैव नहिन म लिट खेर क्रेचन परामिर तर्दा हिन क्रेच कर मध्य में लियन से हेर. बेचे यरू के ता भट्र के सहटया बिरे जय एतिट यथ अकूरे हे कूथ ग्री जिस्टा.. स मार्भिर मारे हुल ५८। भु केरे कि गुम् शुव सिंह नु मार्गुन हु शब सर द्व ऑटश शेरदर। |कॅल गुट ब्रायर शेरणुर है। | ब्रेल यहे हुल कु° केर यन्द्र यार्श्वाय एड भेद्र द्रा क्षा कर हिंद में प्रुद्र पर नेद्र मुंके लट बिंद.शूट वी वर्षित वि लूटस कि.हर कैट व ईश्व ह 8व.ह्य की.पिवंद... स्टि'भैव'यर क्षेत्र'ने'हैं द्वद्यावर व्यव श्रं मह्त्व है। नुस सुतर दे पहुर इस न्वे सारहेस धर छेन् धर न्वें व में पहे बहेया सु

एकर तर में तथ लाव था। अहर त तथ वाहे अ में किया चीट स माने हिया लट. प्रमान त भी में च भी था हव कुर घर वी श्री द घर वी श्री द व घर द तर जीवाय तर वर्धे र हैट रटा चूर पर्टर बावय त रवा नुस हैर व है. द्रचीय तर क्रेंट व पश प्टूर. है य वर्डेड टेवट हैं वे मैप क्व वेशय तह जिट. मूट. टे. टेट अ त रेष्ट्र इंस श्र ४ विटश हे रात कि राव मृत्य विय जा से द यस महें न यह के नल सु महन य सुर म न्य समुद यर मन्न यह। ल्दैर हे पहुंद व्याय उद अष्टिंद य दू र दू विदे मासुद रव अहंद य अर्थेटः " म र्देव स्व पाया दे मखेव मानेमाय महि (का. 18 म) इस मर घर म हे हूँ र नासुक लय चुर कहन धेर' पर। वेन य के हर ने न्ये य छेर न्यं य यर' इत् है। एयम्बर्म के के रूप मालका हूर मार्चार हर्ने मिल्नाय मा वंब कूथ र्ध्य ह्या बरावधूरावह वर मैंब तर रविंट व है। वे ह्या कुब ही लियाय क्षेत् सम देश हेय तत्र पर पर्ट वा पट्य स हव हा छ मिया परा त्र मुद्द यदे अक्रम बुद में सं कुंस-द्रा प्रमंद अक्रम यहे न्या यदे द्रामे लत. संय भ्रहण पष्ट, भ्रह्न, जय ए प्रैंट पष्ट प्र मैं य दर। अहर अधि वया. मन् महे के रखेंत करे तू रहा। बि हर तथ प्रदेश मह ईश्वर केट ल्द्य केद संवयत्त्वुद्य स्वया अर्दर द वेग केद में अर्द में द स्यामा मझ्टव भैव नु लेगाय सर लचुर सा अट अहेंद'सर लचुट सरे अहें 'न्ट। ल्ट्राय न दस ल्युट पारे सेन म सुद कॅट ५८ १द र्स ग्रे हे कॅट ग्रे खुन्स ग लुब.तथ टु.ज बर्बेंद तर श्रू.ब.अटू झे.जब.तम्.त रेट । हेर्चेश यहूट. चकु'य'र्श्वन वेन नमद के अर् हे ब्र-'ख'य'द्रबद'लय त्युट'य'द्रबद वि''' वसाम मन्नद व मेनव पर ल्युर में। महिस में स्वर हव महिना संगहिन पञ्चेल व के त्योग हैट निष्ठेल ग'क लेव'यर त्युर पता के येगस हा। सहत्य विव रटार्व पार्वर गावियातास्याया १व स्य मिन्हे हिन विवाधर र

मुन्य तरी व मन्य तर्म मुद्रा विव य वे देव यर वेन य केव यं रे हे क्ष्मि हैन कि प्राया अहर समुद्र समार सुद्र मिर के स्यूय के द मिरे इस म्बन दे हेन केद हेर में स्नाय भेद है। दे भार हद ईय स्नाय म के तस्य हिंद नहीन पर्टा देन केद सन्य व व म मह स धेद हैं। दिस अर्के व माब्व गुव ल यह के तर् परे ष्ट्रियर मेव मु कर है। । दे यह सम्म कुल तहेन हेन नु'र्वेन मह अम्म कु मन ह उन नम स हेनल छेन न्द व व नुन् रम् इव कन सुत्र है' म व नवल नेद उद म क्रल गुद में युव कॅट मुक्द पिर कार्द केंद्र दे। वेग म युव कॅट शुनाय (के 79 व) यस हत् इस सुनास करें भेद'मा विन केद युद संद स भेद सहे केट् 5 🛢 नहें निर्त न इसक में किट हर है किर चेर पह क्षित है होने कुद ही अर् पाय .. RB द व देशक छेव'यक'दे द्वा ल हीर'यद'द्देश ग्रद्ध शे तर् व द्दा ऑस तकर्र्स्थाम तहेस'यर चेर दर्षस्य। देवे छेर वर्ष कुर्खेन्स वर्देर श्रम वर् अमेद्रिया माहित सर मान्य सक्तं गुर । अहर स सह महिन ग्री रह स च है. चे हे व के दूल ने द च हैं वी व अ और लेव के बेब प्याप वस प्रति द च था। विर त्ने व सह दि। दे व में व मु ति में व स्था मर सर्वे मा देश सर्वे मारे मेंबर क्षा शर हा। जियम हे मेंहेश पश्र हीर हो में कर ही जियश हेर में के. भक्रम में बैट ट्रंट लेव,तारेटा। चेबटाय कुर्व तृष्ट क्ष तर वर त लुब,ता. न्द। विना केव प्र रूट हैन हैं अर्थे नुसरे हिन यर सन्य के अर्थ ने सम मह्मा भिवासित स्वर्गा दिवरण्य के स्वर्गा मुन के समृत के स्वर्ग स्वर्गा स्वरंगा केंद्रे वर्दा इप्टीदे दुवर्दा खुला धुनाव दे दूद देर ब्रावर ग्रीवर न्दन्त राम न्दन्त राष्ट्रिय र्मान्य द्वारा मान्य मान्य

स्वाक खुद सिंद पत्ति कि द कि द कि द कि। विवाक विशेष पर कि ति विवाक विशेष पर कि विवाक विशेष विवाक विशेष कि विवाक विशेष विशेष विशेष विशेष कि व

भ्वाय पढ़ी प रूर नायल ई हे हैं अर्थ अन्य गुँ भुँ रूट दीट प्याय । विर्यार पुरी प लामा होगा। अळवल सुर प। र्व कुषःयर पन्र पर्रा।

निस्त में पर्यो पर्ट हैर.रे.पचर ट्री । इ.भूछ चैट टट चेबेट जिवाब क्षेत्र पत्र क्षेत्र प कुट प्र भे.रेट होट . . इ.भूछ चैट टट चेबेट जिवाब क्षेत्र पत्र चेब प्र प्र भे.रेट होट . . इ.भूछ चैट टट चेबेट जिवाब के क्षेत्र प कुट प्र प्र भे.रेट होट . .

बर नैट. तस्र जूल नेष्य में भ्राट पश्चा । पश्चेत्रात्र क्षां हे लय नेबेन्य भ्रान्तिय में स्थाप स्थाप

र्ट मूं लेट विश्व में अक्ष.में.अहू बे.तर.विट क्व तह क्षा हे.जस.

न्द मादी विद वर्व न्यायत वाखेत हैंव रेंच है। रिटायुट के

मुख पर्- मिन्य हैं र स्.ही । मिल्ल पद्य मिल्ल हैं र पर पद सें र हवा था । रत ह मुख सब बढ़ि ब्र्ब रत ब्रुल है। । कि व् च बाबिश रिव बेब बट ब बेब. है. पबर। । निर्ध्व वे से अधि बुट टैं वेट नेशल हो। । स. पह छा. संस हां अ स स श्वीय पर्वे वा विष्ट प र द के दर पस पर्य प वार रेपट स Ba 다양·돌리·夫너 김! 링스 열 X드러 너 버드당·스디드·ろ는 다양 붉고 다 계속 2. पवर में हिन निवेदस रह वृह में से नेस परे पर मनेमस महे हैंह में निर्दे मह निष्या निष्य निष्य मि द्वार निष्य निष्य विषय विषय निष्य हैं दें जा रहा के हिंदी है के साथ रह कि हुन मुंध के मुंख हैं से बीच हैं से बीच हैं हैं में हैं में हैं में हैं रद'सर ज्या है। श्रद्ध ए दद हैं नहार ए दद से सन के द य न सुर द्वा पुर मृ : स्व दिन । तिम तर्व गुव मर्व गुव मृ मन्द में देव मु म कुरे वेना त य देव बुधार हिवा त वश्य १८ मु.रिवेट्य श हे तर है तह रख्या य भ .. विवय तर. तथर तप हूट मिट दम पन इट टें परेश तप क्षा में या मुन देव मं केरे सुनल। मूर्न सदे बन्ल म् (से 80 व) न्या केव मा म्बिंद दु 'सुअ'य मुंदि पर्वद व नेद हे धुर झूट में प्रद हद समन ठर अहेर "" नप्र चित्रेश्य क्रिंद चिर न बेट चेश्रस.सं.चध्र छ.चेश्र द्वेश्वरा अ श्वेचेश्र त.चेश्वर... ह्र वट.रे पर्ने पहुर केल कर क्रम ही सेंह रट पहुर है पहिनंत हा।

क्ष्य, में हु जा पुंच कुंच प्रमान हुंचे कुंच कुंच , वेंच , बुंच , वोंच , वेंच , वेंच , वोंच , वेंच वेंच , वेंच ,

वर्क स में दे ए जा मुंब बाज देरे तह इस त कुर हर निवेधन हा विधित. सर्थ. तम् । त व दे । तथ ह । में या । विम कि म व य र द व श्री हिंद रेर. षदा। विदुष्य विदेश हुल क्षेत्र विद्याम्यस क्षत् केत् मर्गेत्। मंबि लयामंबि ब्रूट न नरावते इस रद है स नेव वस है सस हैरा सहारा । नष्ट में अर. चंदुर रे पविंत त केर केंद चह पह एमें नह विश्व कर अर.त चंत्र. मर म्बिन्स दर्भमहें मरे युन्स हे केंद्र में क्रुब हे दे द्ना में द् दु बिद् । नियस देश तर. त्यूर त. ही र हैट. प्रट से धुंड, हैट क पथ. र्याय हेड. मिल प.नंद कुर्व अक्षूप्र.से.र्वश्र श्रीतप्र, अर्थर प्रीय तर. तमूर प मेशय में तेन . मि प्रिंद प्र पास्त्रवायायार वित् वाक्षेत्र वी वाव याग्री पाई रेटा। प श्रीहरिष्ट प्र रे ल लट हैं स कुरे कुँव गट केव सकें रुचच धरि रेचुंटस व स के से हुंट'' " प्तिंदान्त्रित् रेजात्त रत हा केरे तपुः म्रोत्यम १८.वं.यत्य मेय मे होवे · · · ह्मप्य मृत दर्में प्रते त्यस गुर्स मृत प्रति द्विम विस्त के व मा हिस (के 80 म) म् में पर्दे दर भ्राप भ्रमकात विश्वनंत देवीयंत में क्रियं में में पानस्था. . मुकाके मित हर कर अर तात्रार हे क्र्या में रहीर कर र देश अधिया नर है. वियामाने देश ने श्री मीशिट खेबेश ल्य देव होते जयाने हारे देव जयाने हारे बुटानिषय रेट भी क्रिय विच तर बोरेशय भुटा हेवा वा बींब की धाूर छर छत्। मते दें बहर म दे देंग बरे बनेंद में महिन ने मिन्स दिर द सहर म " लव हे. में . कु ब्रेटा इंग अह रेंग पर्ट. १ अ वया वेट. रेंट अवर में अ अहर. न पर्न दश्य दे ह्रियंश स् बंध की. रेट. अधिर चेवा तर श वें स स् । क्रिय सेंद 도근 비성어 美馬 용는 되는 얼마나 나는 점 점 보는 전다 사람 모드 시 다 도 집 점] हीं अंदु रें व व कटका कुर पश्चना त्रिका । श्री दल द्वि ना रें व पश्चन कर हुं हु। । अरय मेल में अबू । अबू । जू यान ग्रें पचर में । अहर स हूं हुं रें

८६ के वित्यास तर्। । मन्द्रमाधन यादे द्वा गुर सरका क्ष म नस्त्र के कैंट च भ बुट निश्य में हो से बार्थ में बेर से हिंद से नियल. मूं. हे हैट तुर बुट. रेट । रट केट जूटन क्षेत्र देश से कटन ता इ. अरि बिद्र दिर्म विश्व अरि नुस्य संक्रिय के विष्य मित्र मित्र मित्र के विष्य मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र में देल स्तान से हैं द्भानी हिंद लंदर में रें निष्ठ असूर से हेर में शिरान रें मंबिंगारी, में र पर पार्व कर हैं हैं हैं। अरथ में अ मू प्रमान रहा। अर. विद्य द्य वैस्य ठव कुं विस्या कुं अर्डेंदराने हुन सर्ने त्युर व वर्षे न्र " दश अविश विया कर वसमा उर करना केंद्र यक्षण य तर्देश विरुधा सुरुषा देर अप्ता परि सेसस ठव इसस रहे रहें प्राप्त । ही हिरार गुर प प्रा सत्स केश देशवा छा तर् शवा तर्तार्या प्राप्ता प्रमुद् प म्वता या नृता तार्टा लम् क्रियातामा स्वाम पर् हैन में क्रिय पार्के क्रवायामा हैर पर दिल. अम्मा कर ब्रह्म पान्या दे हिरानुसाख्व रे रेहे में वर्ग रे ही (के 81 क्) कु अळे राम्य देटाळट् केट पासूट देटाचेटा व वटा हुल नहेना में हेटा में " तहेना हेन देह रुभ साम महिना भरता सेसस ठन मी महास कर होता मानस माक्षत मर् मर म्नेन्तर मह क्षार स्वार प्रा प्र कृत क्षार नार इससा गु बेट व्यूट पार श्रुव पार मी अष्ठ केव में प्रदा श्रेस कर क्ष्म गु रवार्ने व्यापालास्योवाराष्ट्रं वै र्या क्षेत्रारा ने क्ष्यंत्रा पासे क्ष्या है। केव प्यक्ष ने ' श्रूर श्रूर पु ' दुर प केव ' वें । । ने ' श्रूर व ' मूर्न न करें व करें व के गुद्र-नु: पवर महि सहित म हे हित म वस्तर ठर दिर तरि द्वा में किर्य सु *** R5'म'मेव'र्व।

म्बेश्नाम् हे हे तकदानीय है च चहुत्र हिल लाम्बेश दिस्य दर्भ

बह्द कर विद्या यर दे। ।

न्द में दे। ने सम बेदारि तर्म केन व्यम मानम तसुमा ।न्यम अर रूप रूप अरूप अरूप कुर्णा । मानुर ही रू ई लिए रस विमय अष्ट्रमे. मक्केना ।ने सम बेद सदे में मुद्रा मु तहस महे केन हु हिंग सरे मदम मुक गुव मु प वार में हिंद गुँव प्रमाय स अन्य महि हम त्युत केव में व से हैं रू म् अस सेअस पञ्चेत् प स्रायद्भव वस सदस कुर परे हिल प्र सहत् परे.... रूष च चक्रव चर बहर है। तह वस चक्षेत च रचन है बेर चहे केंद्र रूष रें बुटाविश्व रट चलुर ईश तर चगूर त बुंब वे.वर ह्वं शह असूर सूह . इश्रामर धर्तेण तथ अध्य में थ भ्र हें ये अहंश त क्रव हा ज येशर ही हूं है . मुरेग सिल बस रेट चूर नेट क्य अकूप रे बिंगय पश्चेर ट्री । अने य हुआ. मर्केट क्रिज जब कूब जबर हट। विशेष तर. तथे वे अहर हरे कुरे देश. मर्भेट हो। । १ हर अटल किल प्रत भेट ट्व्राय तर पर्वेचना । टे. बस ही. म देश पर मकुर परे हिल मझ्द है। देशद है। प्रेश वाहिश मर्ना जानिय हींचे ही (क्षे 81 च) बंध बूर तीह होट.च बुंध तर हींय.वंध सदश कींथ. रिम्र ल जावाय तर हीर तर टिंट टें क्ष्य अश्वा टे.वंय ध्रांच च पूर द्य वि. पर बिल प्र बेर हिंदे ज्याय हैव देश तर बैर हे अदश केंबर्च पर हैं. .. ब्रुंस प. ष्ट्रंस ४४ हुट जू. पटेंद टे हेट. ट एहुर प ४४४. पर. पबेते. हैं। पर्व हु'₹ सिते अधर'भेव में केते खुद में **इस** पर पर्मेंद प देश पु परे भे : मूर हे थूर शहर तर ह्वाय त बटय में ल तह, देल चर्ने वे य पूर सेंट . न्निम्स पर मझल केव नहेन मु मब्निस सा ।

 ब्रैंट बन्नन वट हूर्यन तह भी खेर टट कि ट्रंग में एप्टर ज़र रट ब्रेंग कुट है.. हुंदि गुँदित पांच रत बैट जो मुल स रेनांच ले टिग्रील ठक्ति बोट्च पांच ठट्च .. मिर् ह्वेव र पुर पुर पूर्व है । अह क सब बळव रूट रूचे पुर क्रंट्य ब्राह्मिय तर् ह एकट में और बैट त है। बैस्यान भेर तह, हेर ह ह लेल. म लब मुद्दा । दि द्वा गुद्ध मुवाब है बद्द म कु व मु कि किर सि बहर प खुब हु हुन ए र्या राष्ट्रिय य ही हैं हिन वेन ने रकर हुल खुन्य " मुठिम भेद त। अहर य ने न्या गुर मु हुन गु अहर य दे अ भेद ने भेंद हिन की दे में दर इस हु रह नर नहीं । दिन स में ह हु इस स सुर हेंग बर अर्मेद चंदे बचन प अनिय चंदे हैं पर्वेत २ थ पन व भ रेट हुट चेबट म्निया में मूर धार केर में व मारे में हे तकत र्र है है कि विय प्रमा माना में में हित न्वस अम से हेंव म ल न्वर मुना म न्दर मुना म न्वव मुन्यम न मिरे बादव कुषाप्टा। में हे बेबब प्यार बिन्य बळव मी हब मादव पु बब पत्रुत् म देनाव पनुते द्गुल तिष्ट कु वहते तिष्ट सिते वर्षे वर्षे कुर बूट माझे हैंनाम स्वापना (का 82 व) केवन न्यत र्यं व व व व नेता । हें हैं अंअस निवर निवर माळी । गुन मु नबर में गुन ची मन्ता । हैं हैं। क्रित्र वार्ष्ठ वार्ष्ठ। वार्ष्ट्र स्र श्रास्त्र क्षेत्र स्यतः । विसायते द्रायः बेस ६५५ दी । ६ वर में गुव की गाउँ कीर वा । दस म दस महे दम मु धवा विवामस्यामः भूराम्।।

लाम्केबा ज्राम में नेटा हैलामहुस में मनेट सहा। में बितामहुस में में में में स्थाप प्रस्त महिला।

ब्रै. ७ तैत. में . हुंह, म्ल म्र ७ तेभव थे. येजा | नेटर. बटव क्रेस वंबर घड़ प्रथा वट. कुर भक्ष. क्ष. वंबर रभव थे। | ब्रेट. टट ट्य त के केर हवाय केट केता। टट. त्र. हो। हिर वंबरा अपूर, तय होर हिंद खटन भी छ। । देश. हैट.

रेक तथा क्षुद हैं जब रेग म'रूट डूट महे। बिट'र्ट मेंबल प्रस मान्द वि मुदा रिंद बेर नुः सर बूट महे। विवासन् म हिर केंव मुः हिद केंद बद मुखल क्रब हिन ही दद न पतियं माने हिन अब नेलानी बद हर नि देना. हि. हे इर में में में वे में याया प हर रह झें ह में लेग प हिर यंयप. रे अपूर मारे छे नेव गुँ झूट क मु न्द बेद मिमल कर बेन य ता ति दल ल बुँ निहे " न्द्र सु हुल घरे प्वर्मित् घ छेत् झूट लिंद स सु देव घु च। क्र घर झूट सहर नि केद अहर दिन ने अद्येश द माईदे हिंद में क्रेसाय रे रिनास नि इ ह्राप. इस्य प बुट. विषय है. में. इ सं. इ. तड़ वेय. यर वेय येट बेट य. हे. मुक्ति ग्रीट अब कर जब मुक्त कर केंब्र-रियम है. अरे.त.रयय.त रेम हैरट. . बुट्राम्बर निय के. इ. स्ट्रा ट्रि. इसस से. हस त के हिंद में हताय केंद्र में पा ह्युं त च च च द श के स्वरंभ स्वरंभ में ते से ते ते से से से से के दे अहे हैं। बिट रिट मुद्द मार्गिर य लिट म मु के द मिर मक्त म बि हे रे रिम मुल मारेन मे ह्रेट.चं.रच.धवेषय (ब्र. 85 च) में अष्ट्रह,रेंज.डेंट ग्रे ब्रेट.लट.घ धवात ब्रेट. म् निश्च व रव रविभव के अष्ट्र में रहे.व.रेटा में रू रवा में हुं है. hava 노디·오림회석·흑·외및노·읍디·디·쇷비석·뤗·오륍어·숮·퉁상 丈너 및 오림회석 . प्रथान नेयट.च.चयव, ब्रेथ. व्रेच नप्र.चेयं या थी. पेय तर वे है। व्यवट.च हैट.च्.जना हूट पश्च लिट्य.पर्चेर प्रदेश क्षेत्र हैता । रिवेटय.वंस. न्गुल र्ह्न-विवादान वर्ष्ट्रा । देश न्य स्वताय विवादि हो । हिन म विदा तर.परेंचे रेट है.बंट.बंबट । १वक्चे टेगुंड.बेंचे ईंब.टेबं ट्येंजि रिव्र. यह मु'देहर र पावित पर्व मु छर यर र द द मामिव है। दे पवित हेर्.री.वर स्व.तपु रट.पहुंबा स्व.२व.भ.पद्यापरा हैव क्रिय.मीत.तपु.

रत पहुंचा के नेव अधित देवंच देत. तंव पहुं रत पहुंचा विश्व वी.फ. अदल अहर गुर रत में दें व मूब रु केर यह रत व बेबा अइस य हैर सद् न सह मार हिंदा खाल निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा त्य न्य पर पर पर्वेद। पुरा प्रमुख रुपु रम्य केन् पर पर्वेद हे चाबिर बिचाल में अक्ष का की क्रूचाल तर केंद्र चार इस प्रकीर मी.क.पाल अक्ष . रित्र में पुर की इस पर लगर म है। देलत हैं व मह ख्नाय ले में य महिया हु पर इस सब हुद अळव र्या। इ स्वर स इसस र्य पर क सब दूट में। भक्ष रहा। विशय मिर किए ही सेश्वय देश तर रेव तर क जब वेबर हर. अक्ष रेत है अह्य हेर लिय. रे. बैर. तह. की रेट. रट चलुर कुय. हेर. 8८ । चर्च त.श्र-रे.तप्र.सेट च्र कि.चीमुबायात लय की विशय के बीमुबायाअ ह्य व वृद निष्य ध्राय हे निष्य में पदि य हैर समय (से 83 व) वदः अञ्चल पाद्धी वाज्ञ वाल है है : र हे खेल पढ़े होने स्वेय पढ़ी अहर हैय. इस्र अट पर्व विशयाम स्वाय है। असय पर्व। विश्व पर्व से हेवा स स्वाय मही। रेगाय रेग वेदारेगा वारेग नेकामही में मही। हगा कद मदना अक्रव ट्राप्ट पानवे मिं से पविरास्तानवेव ग्रेशाहर धराद्राप्य अधरायस महाराष्ट्रम व्यव्याप्तान्तील नियान्ती हिल नियम है। जाबर म हैंद म्रामया रदारेन अवस्त्रिया अर्थात्या । मानेयावि स्या प्रमूर,पूर, श्वा विश्व रेट । कूर्या येवेट जया अन्य वि. अधर, हुने हूर्य, भ्रम् वा । पर्वित्यस्यः पर्वे विष्यः पर्वे द्वा । वित्यं प्रतर्भः पर्वे स्था दे'द्रम गुर बदक'कुक'रद स्रूद मे'मे'में मे इस'म'यसक ठट्'मदे'मद्रम हेट्''' बूद बिदा द्वाद में देवद में प्रमान के विद्या में के ले

तार मेश् ।

तार मेश् मेश्न मे

म्,जिस्बील तपु सी तथर तज्ञ ४२ ज्ञील त। स्थाप्त श्रील तथ्य । प्राप्त सी प्रमाण स्थाप्त । स्थाप्त श्रील तथ्य श्रील तथ्य । प्रमाण स्थाप्त सी स्थापत स्यापत स्थापत स्य

周 四 월 天 월 월 5 के द्वा प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण विष्ण अ प्रमाण प्

म्हेल म दे। दे के दह सब तम् तर्म तर्म महिला महिला । अकेंग दह ह्य तर भी थ वे विषय हैं विषय हैं विषय के प्रतित प्रविद्य के प्रतित हुंदा । ने हेर की टट लख तम् च तर्त चह हैन वह से है रहिन हेर की विश्व स ख्य पर नित्य पुरे कैनिय प्रत्य स श्चेत पर अहर परि धुर कर " भुटं,तपु विवस्ता अधिव तथ ईथ तर रूज त चथ्य ग्रेब भू विव तपु क्षित..... मुँब नुब न्हेन मुँ पुँनव पहुदै रहेन हेद मुँ एवल रम रम्बाब रवस रहा र नु सहन् य पड़ माहेल की द्वार हिंद य सकें मा में हुल यह ही है। देरेरे तर पर्मानेर रेगाति हैन स प्राप्त हैन ह हैन देश देश पर्म पर्मा देन (के 84 व) व विदे व वहर प है। हु त्युम हा व मवा हु के नद्व व मकु चुन कर्मना । से स क्षेत्र व वन्य महत्र रेया । से स मर्न् सर्वः नुगुरे वर्षेव। । भै दिनव नवस्व वि तयर है। । पुंतर सेंद ने है दु খ্লা । বস্তুল লামের শুলামীর ইামের্বা । জিব হা । বি জব লাব্ল লাবের मुन् वनसःगु मिन् सर लट सुः मर्बन् वस्त छेव स्व तर्ल मा विनाय सहरः अभ प्र पर्षाता है पर्रिष्ण प्रथम क्रिय स्थित प्र पर्षाता विद्रम् मसंपर्ता म हे र्रियाम इसमा महित कें प्रस्त केंद्र में सकें म में हार महि " मु इवल कुरा दूर प्राप्त हैं व ला प्रविद दम वैव गुट स्वान सव है व सबुद तर चहेर रेश्राप्त्र च.रंभश परेंगाचर अहरे हैं। ।

भ्यत्यम् क्षे दिन म केत्। |ते त्या यो इल सम द्वेष क्षा तम मरामते हैं। यात्रमारही। ह्ये ह्याय ह्याय ह्याय स्थापन हें व ह्यायालय सरामते हैं। चाहुचा चा एकट.क्ष्म.जाचाहुचा क्रव हुद ख्राह्म चाहुचा चा रह वा चा क्ष्म चार्टी चार्ट वा चा ख्रांच चार्टी चार्ट वा चा ख्रांच चार्टी चार्ट वा चा ख्रांच चार्टी चार्ट चा चा ख्रांच चार्टी चार्ट चा चा ख्रांच चार्टी चार्ट चा चा चा चार्टी चार्ट चा चा चा चार्टी चा चार्टी चार्

क्री. त. त. केष्ठ ते. टेचंष ते. टंचंट. तेंचे चिंच केष्ठ ते हे का रचा में केष्ट ते. हेंच वा प्रियंत केष्ठ वे. वा प्रियंत केष्यंत वे. वा प्रियंत केष्ठ वे. वा प्रियंत केष्य केष्ठ वे. वा प्रियंत केष्ठ वे. वा प्रियंत केष्ठ वे. वा प्रियंत वे. वा प्रियंत केष्ठ वे. वा प्रियंत वे. वा वे. व

नेता अवस उद इसस हे में द्यम मु से या मुद्र या में दार दुस दही । मदस रहन हेर श्रें अहर दी हैंद म हिल रहन है पहिन्य मा रहन समर रहे. व प्रत्य स्म महिया पद्भव प्र मु मु प्रद श्रुमक व्यव १५व विव तक में कुरा नुस के में ने पारे नुस करें। । मान सर्दि माने रामनुस पारे में मुदस मर। हूँ व प न्याय तह नाम प मुँचाय केन। तह राम प्रमान हा केन असम न्यतः प्तिम त्या हिन प्रदेश प्रत्म या. मूट ह्युनाय प्रा कि छ तहर पहुँगा न्यत त्युद पर्वे वर्ष मुत्र इवन न्दा नुब के स त्युव परि नुब बुद्र। । मान्य कन्य तमुद्द बदल नु बूद पर। हुन य महिन नु रेल य इस तर है. या अपूर बार्ट हैंद रेट होरे स हिंद से बाहवा विहेर त. अवस हे इ.पर किर हरा लब लब चु किर है ब के लू पक्री मिरि-नुस सुद्र। । नवस एक छेन नहिंद दुरि धुस रर। हुद य नुन य है है. पकत्री अधूर अटश मिन रच पर्वेष अस्वयाना पर्वेष तत इसर्वे विद म हुन र्सन्य ८८। दुस के ले महुन विहे दुस सुद्धा । मन्य मन्य केन रेस (के 85 क्) म पुर मिंद्र के रे तमर मरा इंदरमा ग्रेंद बु द्वार में हैं पत्र हरी अपूर विट.क्य असल रेतार हीत की.सेनेल कर परेंची कूल.ल.की. ब.बैट ज.ब्रचेय त बैंट. ब्रं.टे ब.टट.। देश.क्र प्र.टेंचे.व्रंड्र वें हां। निव श्रेव लेना द लिह श्रे निर हिव मरा हैव मार हिव मराह अह हिव महिन महिन रिध्र मुर् त में त पेंद्रचे ला क्रम रचन त.पर्वेष.पर में र पर्वे प स्वम ना रेंब.क्र च्र.ब्रेड.रेंब.रेंड्। ।चेंड्ब.वे ब्रेट च्रु केंब.च्रु किन.वेंड हुँद त र्या पहुं मा वार पूर् रिमाता अपूर प्राया १४ दूर हैं। पर्तेषार्थेट र्वेद्रातार्थाचा है. अर.ताला रशात्व क्रथ पर्वेषाच हि.सेच रत्ता. मृ बेदाया दुवाके में पूर्व मुद्र मुद्राया है दुवा सुद्रा । मावन मना मा नास्तर श्चेष अ.श्वे.तेट:केंग.ग्री भेट देश धर.ग्रेश तह हैट हैं। ह्रेबे.त.तड्ड.तथ.रूथ.

चढ़ भू ज्ञा रोपूर अ चक्रेट चढ़ वीट केंच अअथ ट्वार देशय था। क्र्य से. कृति पर्वे त ज ख्वाय प केष्य पश्चिमा । देव के जू हूं हि मी देव छोड़ी । नव्य प्रमृत् श्रुम्य स्मा क्रिय सहर श्रुम् प्रमेश हो। तिम् के नम स्व य य नु द। न्य य ते के स स ने 'हे न मी जा स स स स है कि स नि स न पकुर ए ख्याय पायीटका रें अष्ठ प्रति पकी तपुरे अर्था । याबका £ हे निन्द चुत्त रुचुत्त परि नैत् जुत् नु। हेंद स अय सर्दद हॅनस कुल या। तिम्र रेनाय मासुस समीद में ता। किस देख मारे मेंद तमत वीमा मासुम्या। नुषके य खुब मकु पर नुष खुर्। । मादक कुल यु कुल येन गुं कल वर्मेद अंद बल हुेव कु गुव द्वार र घर। हेंव घ नुणु खुव घ। रहिर इस घ घलें, ला क्षमन्द्रिय प्य बुद्ध राष्ट्र स् हिंच पर्वेष या हिंद या पर्वा अर या गुव तमुदा मुव मुव मुव स्था समा देगा। सुवा स ता हुना में दूश त है जद नश्च में है स से न में रा देश के प्र पर्मी तप्र नुष मु:हे। ने सुर नावस रेस से ८५ व वह नाहिस सु ह्या यह (के 85 व) में हूर त पड़ बहुस श. दूर पहा । तिर क्रबाय हि हर क्रब सू टीब दिए मन्न ।सहन् पर्दं स्त्र स्टल न्नु'मठु ह हुन ळेना या ।ने न्न गुप्त रस् च ≇षक ग्री लिट चू.कि टेबो तर दी चांत्र लीब श्रीध कूबोब त कि छिब ग्री रद मखेरे. कर जर पर ये थे श्रेस से हैंद पर अहर तथ पहूं अस रे कूर हैं हु ईस म्निस हुन हु वस महे मन्न हेन ठव नु मुराम नम। सहन मार्थेन सम मु मान्य माना मुन महिन मान केन मना सुति महन म मह पहिन ने मन क अपट प पड़ पिष्ठित ही हूंब प थेट ही अरूप दिया अस्व श्र पर. प पड़ मिहेल खे हैं। दल मेंद पल मिन्त में देनल के अधिवात मर्थि मिहेल में क्षेत्र है तर्न न्यम् नु मेन् यह देव सहन् य मे तर्न यह पहु महिन सहन् यह " महर्पा देव भूते ग्रे मर्पाया पहेव वस सुरे पासूव पारवेल परे में व रु

त्नुं परि त्य म्द्रां प्राप्त अश्व म है। दे न्यु सर् ति स स है। ल्हेन बेर् हिन हैन हमल सम रट हुट र् नर मन है ल्खुल रट में र हन ह्युल दार मु इवल गु मु न्युट शुन्य गु पहन राव तथेल पर में र एरे हेन " विद त अर्थेट र्वेश रेण यस महिंस महस रट हेटस सु तर्जे पर हिंद तस गुै" पर्ण हिन् रव दें। । दे अर पर्य प्युश में दे देन प्यत में हे है से मान ल बर्ल यह मार्ल वि.कैंट यह मोब्य.र्रेट एखर यस र है बुट बर्टर... मब्निय मेट अहरत पर बेट नबिर ने लबर म द बेट एट्रेट ह्निय म छर. प्रु पर्ने पथर. मु ४ विट ह्। हिथर बुट. ४ ई. मूर्य भर कर्मन परु क्र. मझें नपु मश्य बाबिश में है बेब बेब में मिर्ट होन में मिर्ट होने में बुंद ९६२ हूँद त छुंदे. बंद त रंभ त चूँद तपु के तद्य पश्चिम बुंद ९६२ .. लबर हे. में बाबिट बिवाय ही तक्षेत्र तथ प्ररीत तह देश ही निवट बांध बार्थ हा. सूर परिवास भूट। अंधु पक्षेत्र तपु. रें स हे हु हु, ख़ बी ब ही लेल ही. बर्के दे ब्रीट व पबुन्य भेट दें द द ब्र दर। दने ब्रेंट हु त्युव (के 86 प) रेट रिव तर श्रीलाम सेटबाब्रेट.तारवीट यर वेटी विश्व विश्व वर्षेवातर. न्त्रासु दे अ ल लालना व हे हिरानव्य सु नाई न क्विन में कुल में क्वस मैकार धना छेत् हैं। । बुनाय के प्रमुद्द यह तय सुर है दे नित्व की मेद मे द्वायाय ल नदयः हा । श्रीनयानमा दे श्रीत महेद नह देश श्रामान में हेट दि देनम क्ट क प्रकी अवर्षेत्र पर्यः वेषायोग्य पर्यः में अस्य के में सम्बद्धाः वेषायो विष्यः । । गर्य ने पहें पर नुष्यु मान मान में है है है नि नि है है ने नविव श्री विवायानु प्रमुद्द पारि पुरायु र पार्म मिन मान में विवाद र मनवार्था । शु मानामवार्थे सुदे पद्देव पदि पु वार्ष पदि है दे है प है वार्ष है वार्ष

इ.रम मुंथ बंध में रेग्रीप ४ दूर प.रेड्स बे.श्रेर गर्। । मंबर में नर्धर नहर्म स.पश्च में अ.पंच तर पह्य हिंद वें में प्राप्त पर पर्य है। है. ह्द क्षेत्रे तु म वृद् सर उद देवन गुद मुन कर्षे प्रते माद न सु त मुर """ बुद्रा श्रीयम् स्रुप्त स्रुद्र स ल महूर स.वैद्रापष्ट, क्र.भी, लब पूर्र छ वैदा बल. दस र्दें त्युदा ह्युद दस में नेय ग्रें से प्रमुद दें। । श्रुप्य ग्रेंस त्रुस मह पर्वेच ताल श्रेष दे क्र. चार्येश.तपु. सं. इस्थ ही चेला, स्ट. विट लचा, व ट्र. हुंहु ... पर पहेन्य में यर वेंन व अश्व महि रह महें द्राय केंद्र में 'हेंय पु' मय' मुना महत् हेट के पर्तेल में अष्ट्र पर्ता हैर वर् रे.च बेने सा रिटर क्र.प्र नियम अन्तर्थ हूटा बिन तह नेयालव कराल श्रेयातरील यह नहेंबान . स्.िंच के. संबाधिश स्.रं। रि.चं थ. क्.चं. परे वे के. स्.परे नर.रे.चेब्रेट ब्रेज.परेजि.चह चर्चे रा है। जू.कि.चये.कि.हेट स्च चेड्चे. म् । दे. वंब. क्र. ज्. तथे तर टे. बेंबब. जुब परें ज तथे तकेंदे. त है। ज्र. क्षानमु ल सूर अन नहन में ।क्षान्रेर्न न दे पहुद पारे र्ना ने बर्म चरु.त.४८४ दश.चर्य चंश्वराङ्गे.त्रेचय अह्य.र्बर.चर्च्रता चैर.त्रेचय. लाद्यात श्रुप। वृपार्ष्वेग्य गृह्य स्प्र द्वार्य क्ययासुरिकायरात्यर। देन्त्रावस्यार्थः स्टायरा स्वाद्याः स्वत्याः स्वाद्याः स हे महामही देवा महत्र मान्य बुमा हु त्य मुरारी । दे त्या मुनामहुन दे। मालेब रेट ह्रेबलालेब रेटा। ह्रिबल लेब क्रारेटा हेबालेब रेटा। विका ह्य केंद्र ह्य केंद्र ह्य केंद्र हेय केंद्र हिया है के स्वार्थ के किया है किया विद्युद्धानिक के सुद्धानिक विद्युप्त विद्य विद्युप्त विद्य विद्य विद्युप्त विद्युप्त विद्युप्त विद्य व ह्मायावयार् हे हे तकट वियामार्ग दारि कट या केव ची पश्चार पर पर दे हे या न्द्र बहु बर स्तर्धार हे हैं दे पार्थ हैं दे बार बर कर के बार कर के बार है दे हैं दर'रु रद अल हे शे द्वेद दें। ।शिर निरुष वृ प्वेदल वृत्र द्वेद त ददः ह्याय सब कदन केव पर्में प्रेम्प स्वाब मानुस मित रह न्य प स्वाब ह्या हा । कृष कुँ विषय स्था पर रक्ष पर देव सहर म १८ है। । मालव सह मु पारुस रे रे बैट मुॅं'नाबुट बुनाबाल धुे'बट नाबुब रे। दे रे रे ल छावी छाबीर र्छें' पिर सिंद्र म खुल हु हु तु रे। पिष्ट्रिंबल पल सिंद्र म मानु ह मानु रू ह्या पर्टा प्रत्य में इस पर हिंद सहर है खिन सर्वेण पहुरे बेत रखुर बिटाम्बब कर बेर म दबब हैं। न ह से रेरे हिल नु महें नव बर फर्मिंटर . महु नासुका म धुनाल नारे धर तु के काहेर लहेना हेत लदे लिंद मल रह मखेत ह्विल त छुर पूरु पक्षेर त उतिर परु चानल से किंद त ख्वेल क्वेल वार्ज . लहिन हिंद ने विद्यार नु'अ दद। लहिन हेद कन्य यह हेय सु देद ये के.मार्थ हिंद भूट ल के चिंद मु है सू स्वीय पहुंच हुंद हुंद राष्ट्र अंशय क्द इसन मु लेन बिनन म लन मई निस्ट में हैं नन महर वर्षेय मन मसेत है। हिंद मुँ पांचियाय अर् हीद रुट इस नेय पांचेट घड़ कर पांदेश घड़ या पांचे ल अल सहर शुर रुव रेंदे इस पर नेव प हैट हे तहर शुक्र हुल (अ. 82 म) परि शुर सु मुम दस अद केद केद केद संगय विसय वस्तर रेस पर "" सकेर प्रवर हिल्द र्वेदक ग्रै रेन या श्वर स मझ्द न्येंक प्रवासिकार उन हाँ। तुर'यते त्युल य त्युट य लॅंद या स्नित सुव संद स'सेव'यते यन् हुल ''' में के प देनल है पिर अधिर क्रम हुए में बेटा ने प्राप्त हुं पर वि पर प्राप्त में रेहा।

विश्वाचा पद्भव्यान्यान्यः स्वाक्तिः स्वाक्षः स्वाचा

1. 口势句'다' 「라'다다 (麗 씨 ' 즉 씨 ' 미를 드' 다다 ' 워디지

रट. च.प.चे हेया चनर.वे.ह्य.चंड्रट.चय.अष्टभय हेंद्रा रेंद्र.

मुल यर मन्द्रमहा ।

महिन याल मासुझ। इ.स. १८। देन क्रम प्रमे परि।।

 कर. १ थ में में ने में ने परहें में ने दें ने मं में प्रांत कर में प्रांत कर में त्त्वापुर यथा त्त्व अपुर यथा देव न्दा केंस द्वाय व्यय उर्दे. पर्यम् नेय पर मुखा | ब्रिय म भ स्वायाम स मुहा | भिस भ पहिना म दी देवे श्चित्र देवा लेवा चरि है ना दे क्षेत्र अप्येद लायत देव चरि है न दे क्षा क्षदं र्वा विव स से से र्टा सिरं रिन्य स पहिना संदी स्थान समा खु स्ट मा बुब म हे ती जूर गु. खलाल पहिन मादी क्ष गु है अहरी देश स है ही। सर्थर वेसल ल पहिना स दी। स देव अंधि पिनर दर मार्बे व बे. माद्यस्तर देव देव हे के व हैं ता हैन। देव मान ही। के ल लहन मादी। हैव तहनायादी नने श्रीमार्केय बेयाम दे तरी है। अर्दे हे दिन । न्युम्य गुन्नामन्न महिन्दा बेन पान्नाम समुद्र त्युराय हो तर् मुन्नी हर इसर देर देर हर सा । ब्रियन्ता ट लट एक पर के पर प्रक्रे प्रति हे वा के प्रति व वा ति व वा हे ती हे वा प्रति प्रति वि न्ने श्रूट ने केंस मही देस प्टा न्ने श्रूट प्न श्रूम नहें दाय है केंस स मह पा ब्रुग्गवरूट्राया ब्रुट्राया ब्रुट्राया क्षेत्र व्याप्त विद्या विद्या व्याप्त विद्या खुन्य सारहन्यायादी सार हरार देन्य क्या हा सुरक्षात्रा ।दे द्वा तहवाति चार् व र्मा हे स्रात्नेल कुनावा नेव प्रवासन कुनावार हितानकद हिताम है। निया दान विषय मही । कर दे माने रामही । के दे क पत्र । विष् दे प्यट बेट प्यूम पत्र । बियाम के सु रूट व कद रिटा तर्वा चुना वनना करा वे ते हेना परि। विना परना वनना करा के से मुना पर्मा महा । इत्राध्यस्य उद् दे (क्र. 89 व) मर्ना अन् नहा । शुः हव समान्यः मार् दे दे पह | दिश्य मा है पु है अकद्र तह दे पार्ट । अशर्म खेटा स्ट्र स गुनावै पिन पर के तान पर पर कर है । पर पर के पर कर के पर पर है ।

न्सुसियाय न्हिया ५वे नि ५वे म ५वे म ५वे म ५वे म

माक्षेत्र साराय माक्षेत्र। महिंद मुद्दा मुक्त सम्पद्दा। मिंद्र स्त्रा माक्षेत्र स्त्रा माक्षेत्र स्त्रा माक्षेत्र स्त्रा माक्षेत्र स्त्रा माक्षेत्र स्त्र स

 मुक्त खुनाक कुंद कुं नाहेब स्व ख़िट कुं ख़िल कुंक ख़िन एके का स्वाप स्वाप स्व मुक्त ख़ुनाक कुंद कुं नाहेब स्व ख़िट कुं ख़िल स नाट ख़िना कनाव स स्वाप स स मुंद दब सक्त स्वाप स्वाप से मा से बाद ख़िन के ख़िल हिंद रखनाव स स

न्द्रित क्षापर चन्द्र वार्षा । अर्द्राम्बुवा है मह्द्राम

भू तथा क्ष्य क्षयः अभ्य क्ष्यः निष्यं प्रत्या मा | ब्रिय मेंसेटयः भू तथा क्ष्य क्षयः अभ्य क्ष्यः प्रम्य मात्रेय प्रत्यः मात्रेय क्ष्यः प्रम्य क्ष्यः प्रम्य क्ष्यः प्रम्य मात्रेयः प्रम्य मात्रेयः मात्य

स्। इस म म दे. दे.इस मन्द्रमाय मर। ह.सर व लग्न मर मास्या साम्भव दे वा क्य मान ह निय मेल है। यह निय मह न स्वा म हिन कुर न्दा न्यद् नुःअह्द स हैन् कुष न्दा तहनास हेन् कुषान्दा स्वा नु पद्मेर म हेर केर राज्य । रम नु रचे म हेर केर केर राज्य । हेर हेर केर न्द। में पर'सद्द ध हेंद् केंस'द्दा मद्दास ध हेंद् केंस'द्दा <u>दुस</u> हैं न जैसान्ता। स्वाप्त स्वाप्त सार्थ स्वाप्त हैं न जैस सा । बेसान हेन पहें। देशरा देश त चलेव लार द्वा यर अर्व यर ह्वायायर सरस केय वस ... न्युत्रायते क्षेत्रान्त । वेशव ठव वशवा ठन १ न्याता नु वहन् यते क्षेत्र र्टा देव स्वायाम व्रवायम् कुवान व्यवस्य परि क्षेतान । र्मृष की राग्न अधिर भ थर्छ नायु होर रर्दा। अथन वर्ष की मन्या म ह ले. न्युत्सायते के प्राप्त प्रमा निवास न सहर्पाति क्षेर ना किंद की न्यीय किंद है हैन यस में पर सहर्दे विश्वास्त्रान्ति केरान्ता अवताविष्ठे श्वास पर सम्वास्त्रान्ति केरान्ता निर्मानु केंद्र वा वु केंद्र व देवन मान्त्र पर केंद्र पर । केंद्र केंद्र विवाद र्त हर्मार मुख्य संचार हिर है। दि ल न्युत्य के लग हरी प्तिंत्र, स्र. विच तार्टा केंचे द्वर पह्माय पार्चर, केंचे तार्टा अटे टे. ह्र विद्रार्विष पर के पर । देश पर विश्व विद्र देश पर देवा पर के मन्दर्भ वहन्यराह्यस्मित् क्षेत्रस्वर्गात्रक्षर्भा ।देर्पाल मु क्र.च.भ.ज्याताम्,ल्य भेर.कि.ल्र. तथ वश्व.त.भ.ज्यायातपृति त कि.वेर . दे। भारान्। अन्दर्भरानुमान्द्रेय भेषा व्यव प्रवास केवा न्दा । वृद्दा देवा (के 90 व) द्वा स्वा के निया । वा विकास से कि नाम 8'तर्द्र'}्रा ।तदे'द्वा'स'मे प्रवास स्वा'हे। ।वश्व'द्द क्रायर'मे प्रवास

नदा । इस अलि मिंद नु हिन य नदा । श्रीन यर छेन य केन हे ने ला । विष कुर निवेद है लय जन है। विषय जनम तर प्रमर है। विश्वर में सूर. हन हुन हु है। दे महीव निमेन्स महिनास महि सर्वे सर्वे स्था हुन हु है निहेस स प्रमुद्ध म सुव म द्वाद स कुद दु स सर कुर पर मन्द्र मह हूं अ है। **4 2 4 6** अहेत् तहम मेर् हेंद मेर् तथर् र्म ।दे मेर् मुकल तहेमस महत् पर 10 99 92 98 98 9u 94 द्या । श्रे क्ष्मिय श्रुव तर्नुत श्रे कुम नदा। । श्रे महार रम नृत व मर श्रुवा। 92 94 9B लुस सेसस कैस न्य हिंद न्यार चेता । यने क्षेत् मेंदस सु मृत्य य सेता । 23 20 24 24 22 नेश पुरेन पु इस पर नामला । दनार पुरनार देश गुद नेस नाबुन । 24 26 30 39 32 33 30 34 इस रेग रेगम ल्वेल द्वेंय श्रुव नेता । बेट ने खट ल्वुण सु राम ह्वा । इ. 32 व.य ज.ग्रेथं हु. रेवेटबा । क्टल रेट चेट चेट हुं हुं हुं । हैं रेट रेवेटब र्ट मेंबल रा पबेट । दि.र्घट द है अ क्रिट्य. ता । शुरुषत है बेंब है स. से विवाधा । बराम कवा हट अ.कट अटा । भ बेंग भ बंद प्रिय टेट किया । कुद् कन्यात्रात्रेत वेट स् गुद् हन्या । द्वट य क्रिया वेदाय झर्र द्दा । वर्ष ५० ५१ , ५१ म्रार्वीर अ पंटेतक कर. त्या तीयां वा किंगा त्याव व व व व व व देश हैं।

मोथुंब त केंब तर वर्षेट त जायेथुंब। च्यांट ट्रा व्हेंब वहूबः

द्रमा समृहेश ह म द्रा द्रे पर्वे ।

न्द में दे। पश्चम पन्त्र महें न दिन है स सेन्। । बन्स म्युम एव र्वेष सहर पर द्वे पा | बिय प है। दे स प्यारे हें वे | महिन् म महान म नासुक हुँव। हिन् चेन हमा है महि मेन। ह्या चेन कन समासुस ह्दा तन्य तुर्म सद्य । यन दिन स्व व व वि हे। सम्बद्ध मुक्षस्य यात्रा पञ्चय (क्षं 91 व) य नासुक्ष महें ५ दन केन ६ व्य वेदा । कर् म मासुस एव वें म सबत पर दमे पा । दि वे केव पेंर मासुरस य मुल परे मण्या ।महाँच म च्वर की च्वर तु नेस सर छ। | वेस दर। तिस म ह्र किंव पता चश्च त विशेष हुरत हूं व लुटा दिवा की वार्थकार्ट लट. र्ण हरा। विण अ पर रूट अवर र्णे पा। । यह स कुल प्रस्ट र् अपस मल हैं नवा । बिरा न्युट्य म अर रा । वर्षेर कर स न्युस दे। सद् सुक हेल न्यान सुद कन् वार्ता । यद व कुन हा व सका । यद बिन नेंद सुद क्रिय र्ट हेर रहेल हैट। । । विसय मुख्य गुव वस हें व संटयः हींट हें र् म्युत्। वि परे वर वर वर्षे वर् क्षद म्भाग निवर्। विवस हिरा महिर च द्र हिर में क्षर में भार है मर पत्रेल बुट । नेंद लख पिशव पश्चिम में हुंद श्रटव ह्यट परे. श्रवशःशुः मुर पा रियं य से के एवं पाल प्रदेश से ही पाल ही पाई होगाल ही पाय प्राप्त है सामा । पर्व कुर मूर ह्वाय तपु यत्याक्षिय प प्रेर वयाचे त्या । | देवदा दस क्रम में नियम ने मिल की से में है है है। देन श्रम अपन्य यन में इस मन् रेग्सपर दे त के के का सन पर जरादन पर महार परि क्षेर क्षेत्र वार्य प्रस्त मही | देव मा | देवे देव मा वर्ष क्षेत्र मही । क्ष के वें म सर द्वे या यर पुर्वे या व सर द्वे या दें य यह या। % चे प्रचे. घ च देश मा स्रम्थ श्रे ह्चेय या स्रम्थ थे. देव मा स्रम् ब्रु मुत्त मा देव मासुर्य मारे हुल मुक्र है। देवर सून द्वाद स्नायः बिद् नीया विना सर दने व वे हव याय इसस रव मु दनार व वक्केद यहा। मर'न ने म दे रम मु हैंर म देशस के मेस हिर हिस अधार माहिस देश मर " ब्रद्ध याद्यु अरे अस म मदाद्यायर पहेंद यहें। वि सर द्ये य दे भेद नु दे अ के द य द र । भेद नु सबर धेद यदि धेर दर । वसर ठ द (के 91 म) । १६ त कन्य दर स्थ म'दर। भैद'रू' ६६ कन्य स्थ महे मधर गुरामते केर रा । दिवामन में के सव मान्य मदेग न्य स्व मते हिर र्। किन प्यापनाराय देखरान द्वायायायम्य परायेन्य पर हुरा मान्या केन मुल्दिन म बुर धेन मान्या स्व मही । स बहेन मानि कि पथ है। इतात क्ष्मार्टा वेंदे श्रूट वालवे तर् । क्रिट्य बें क्रिया व है कर् अद्रायति बुरावसम उद्रागु सक्रम् पृ मुद्द यह। । स्ट्रस सुद्रम् या दे रदः चलेव इकायर में लायह। । मिरल जु पुराम दे मुंदाइकायर में लायह। । बेयाया ।

प्रा इक्ष से प्राप्त प्राप्त । निर्म्त । स्र से से म्य प्राप्त प्राप्त । निर्म्त । से से से प्राप्त प्राप्त । निर्म्त विषय प्राप्त प्राप्त । निर्म्त के स्व प्राप्त । निर्म के स्व प्राप्त के स्व प्राप्त

सर पर्भ हेर. ग्रेम. राज ग्रेम्यमेर. दंश. चंत्रें य तपु. र्षण. च हेर ता. र । महेब त.वे। भ्रे. पंबंट बेचब के.वेब क्रेब.चश्चनब.त वर्षेष.टे.श्रूच ट्यूब. केर ने प्यान में से मन्दि दे। देशर श्रुव में व महम्ब पर मित हैं हैं। 출수 및상,। 활 및 도, 경비,다에비,소석, 라스 회적 다본다석,다석,석본, 등,석,다오,다 ८७८ एट. ब्रूपयाम क्रेय वयाद्यापर ज्ञान पट वि. पत्र द्यापा है। प्रीत्। । निश्चर्नाम्य मेन मेम्यान विषय प्रति विषय मेर निषय विषय मेम्य प्रति विषय विषय मेर् ल्कुंट्राताञ्चलाङ्ग्व इयान्याराङ्गल तय प्रदेशान्यल मुकास सुन न्यार प्रमुद्राः त पश्च पर अर् वैर प.हे.विर्। विवाय ग्रेथ.विद ग्रेथ.पश्चाय.तप्र.पाय. दै'मर्डम'स्व तर्म'वम म्यूर'मरे'हैट'टे'तह्द स'मबुग्य दमा पुरिहे (क. 85 व) व. रट. श्रेव रय. पेज्ञ वय. प. वेव. जेय. प्रथम प्रथम रघ. हैट. त. इ.चिश्वट्य त.ले.विष्टा ।चंबर लट जूर २४ ८८.तृर जिय लेर.तृय.वीय.वीट.तषु. वेद ध्यक्ष.पूर्यं इत्राचि त पक्ष.पुं नाबुद नामुनाय नधु भे क्षेट्र देश.कूस.कूद.. मार मुंक कु हो मार प्रति । स्राम्य प्रति । स्र सु-१८ । १९ इस-माट-१मा-मेर मेर्न मेरा-इत्यानहे स्वर् स्वर् स्वर् साम् श्चित्रायः प्रमा विष्या विषया विषय प्रतः अर्थे अर्थः व्याप्तानी, मेराने निर्मात्रा विष्यान्यः ३व'र्चस'य द्व हे हेंद केंस'हेंद दला । तिकर्'र्ल देवास'य'र्व'र्ल ख्द' नर महिंदान दर्भ विक्रम तथनाय मदे म मुद्दार है ति स्वाय विवा ने न्या गुर गुर ने प्यवेद माने माना परि हे स्वार माने परि हे स्वार माने परि हे स्वार माने परि हे स चक्रक्र क्रियाम् चक्रवाया ।देालाक्षेत्रक्र क्रियाकराचक्र सम्बद्धाः विष्याक्षेत्र क्रिया विषया विषया विषया विषय मध्यम्य, भूटः। । अरूर् . ब्रुंश-पुरु द्वा मध्यम्य, हः मब्रुं वृष्ट्वे हुर् नुप्ना । सदसः चेश्रवव्याचेत् रत्यो र्वेतश्रेष्यश्रीयामव्याभवा । देश्रव्या । देश्रव्यासः

मिश्रिमाम है। प्राप्त हिंदे पान्ना देशक ग्रीया असूर श्रीटा वही। पर निः अष्य अर्थ विषय । अर्थ न अर्थ विषय विषय विषय विषय है। हैर हे के व स स द द म र तथा गुव द न तथा । देव द ने क्ष ह देव भी हिंद ल'दे अद देश म दम लदे अद सिंद हैन हैन । तदे अद मदाना ने व्यापितः नुस न्हेन व पर्वसंस्व ६८० ८८ में अमें व पर स्वास पर सरस . बियादयास्ताम मार्ड् दाप्तार क्षेत्र मान्य मान्य विवादा देव सम्बन्धा । (का 92 न) द्वाकेन दर काने नारादर नार दन नेश क्र मारलायार दरा " निर्मात्रित्यायादी ता वित् भीता होर मोदी द्रां च वक्षायाद्रा मुंदिर पठका मान्दा केन्दान्वरुषामान्दा देव महद मान्दा केन्दिनुमहत म् विकाराम् सूर् व्रम । सर् रेहर्ष अहमा दिल्य स्वार प्राप्त के स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार डेस'मगर'मञ्जल'द्य रसमारुद्'द्र'ध्द'मर्रे'हिंद्'प्रे'द्र'प्रे'र्द्रमाहे। र्वि-१८ न्य-गुरु न्यु स्थान । गुन् GE.ाथका.मेटा वार्थाशार्थात्रेयात्रेटानिरार्टियात्तात्राचिरार्टियात्ता स्वयं हरा थे. वेद. तर अहरे, तर् ।

형 해도보고대실하다 | 년 대도나 음리,다. 영리, 현학학교, 김·다 헬리, 다. 교실, 다 보고, 현학 | 다 내는 다 등 보고, 한 대학교, 한 다 등 보고, 한 대학교, 단 대학교, 단

निर्मा द्वार हिंद पर देव पर देनाय संनाव संनाद मासूद रव दे र दिला पर हे खूरी स्वाप शेवन में पश्चम म मह्म पुरे वार में व मारे देव मारे देवन सु नवस महिए मिश्र रा वे अर् हेरे हैं हैं। भूना में ब रा में पश्चा मानहें पुरे मार्ड में र हिंद परि रेगल स मादल परि मासुद रव दे अहद परि हैं हिंद मी "" अकद हैं दी। दि'द्य में अकद'म्बे'दे देश'य महेदा सुद्र हे महेदिन स्तर न्दा निराधित तस्त्र म संग्र न्दा अस्त म हे मन्त संग्र सा ।दे न्य मिलेट म्व पट । हिर हे हिर हे ते या व व वे यह सन् न्य है। दे ब्राट वे द्व कु ल पहिंच हुर। द्व बराच पर्व तथ है। इ. कु के. त है। मि में के ले में हे कि अर में रिष्य माम बेर है। मि हर जरा ইন'ব্ৰ ইন্ৰ ইন্ৰ ইন্ৰ প্ৰা তিই দ্ৰীৰ্ট্ৰ ইন্ ইন (জৈ 93 ব) দ্ৰ'ৰীৰা श्चित्र । प्रमुख पारे ब्रेर हे 'ब्रेस म न दे द्व श्वस ठ८ प्रमुख पारे ब्रेर दे।। बेब स्वय पश्चन स्। विन पश्च तर्ण पर कर् स्वय र्गेर रहे.पया। र्दि भी न्या पुराव मान प्राप्त विश्व में प्राप्त विश्व में प्राप्त विष् म्बेब तर्लावते तर्ला । तर्ल वर्ते बर् हे ल ब्लब म र्नुर र्वे वर मेब्रेट्य तथा द्व ह्रव.ग्री.रेचट टे पश्चन त नेब्रें प्रपट वेट नेब्र्य.ग्री.रेग्रे. मन्त्रा दुः त्युरा मराम बेदाया भेद दे। ।देतर त्रुल महे से दुन खुला विश्व में पश्चिपाय मह प्र हूंन पालश पश्चश हे प्रविध पर प्रविध पाय कर म प्राप्त महीव मुकाइस मरामाहना म के लिए इसस प्र । त्रा महीस महीस के किए दे तह कर कर कर मार हिंद म क्ष वहें र दु छ पद देव म दूरा | बर्, कुर के. कूर वार. प्र अधवायी. पश्च प हेर त जया बर्-हिरे रदिल च वैद क्या राम्य दत्तर हूं अत्तर क्रवाय इसायर वाल्या रा न्द्रा वर्दे हिते वर्दे हे हैद दे तहेव बन हित कुं के न न्द्रा वर्दे हेते

सर्व म सन्द लस दर मुझ्य दर हैर दे लहेव में रव हु दुने व हे केंद त इवस हा। । अह्व तह ई हूर मुल रात कु पश्च त ना हू हार हूर त. लया अस्य तपुष प्रमाय क्षेत्र ब्रीत श्रा पर विषय गुर्व ह्रा या त्तित म इसस प्र। सद्य यह सर् हे दे वि व हैन्य रहिन यह हिल कु त्रा दे प्रवेष ग्रेण्य परे केट प्रे प्रस्य रूट प्रवेष केय क्र पर द्वा तपुरम में रेते त क रेट तक्य ताईश्व हा । विषय लट हा तैर हवेय ला हे इन न्या । वि कु न न वे द्वा न व व व व व व व व व व व व मानेर स बद है क्रिंद मालुस में ल द्वे हिल मालुद मार मेंद्र दे। विम दसद कॅंबर मुँ न्यत न मुख्य। वेष केव (के 93 म) मुत्र केवल मुँ न्यतः 5·विक स महिला मान्यर स्नाक हे हे वेग सह रागर 5.वेश स महिल हे. मर्विषय प्रस हे क्रिन् रणु र तणुर विद । ने न्ण णुद रेस पर त्र सर् अहर तर के केंद्र कर केर देश है है हैंद्र दर। हैन पर पश्च या न्द। बत अंदित में देव हैंद प्राया बत अहि तत्व त अन्य में भ्रूया पर्वा द मन्दर्भ हे रूर्दे। तर्व रत वर्ष हे छेर नेवायवा । ११व रत तनवास विवाधित हो। । वापा विवेश वर्षे पर्वे वापा विवेश होते हिए हिए। अभव रतर ४ केरा । बुका स्वीय ४ केरान के केरान विष्ठेश स रत केरा बना गुःर्द्व मु चलेन् सः यह नम् सर्वे। । अर्दे : स्त्रा अर्ह्व : संकु : अर्ह्व चले : चर्षेत्राचह्रम् । वर्षे रत्त्व बह्दाम देवा चु पत्र हेवा वी न्यर पु पत व कु अकद प्रवे प्रवे प्रवंदेर पर्दे प है। दे श अर् हे बेब यु पा खु रु'हे र्द के विश्व श्रूषाय के दाया देवता दाया विश्वे। वर्द हे कि वाया म्बर्भाक्त्रम् प्रताचे मार्क के प्रता । किया देव श्रीय के प्रता मिव के।

बुस प्रवृत्त व हेर खुल बाद 5 बाद बबाबाद में हिर वासुदसाय श्रेंसायसः । । । न्द्र १ न्य ह्म १ द्र १ द अक्ष हैंद दर । सिर्विशय हैं अकेद ल स्वीयत हैं अताय कें य दर। न्वित्य सि देव वया में द्वा मूर्व स्य देव दें। (त्तुयाया देव मुन्य दे में व म है। वर् कुव लवा हुट प्र त्युद प्र हुद पर हुद पर प्र । ।देव पर ल्युद्ध न्द नद वन नदा । वह स य नद है रव न्युःन्द। । इस यर देस ब्रैर तर्ल प हेरा । बिल पढ़ी कद महिल ग्रैस ग्रैस पन्र पत्रा हित पहें। बैट त. ई. ह रेटा बैट त. रे. रेब बेट प्रस. एवंट व है। श्रु क्या वा अर्ता हेर् स्था वराया व नियम क्षयं रहा हैर यह रेना पत हित च वे श्रद चह (क्ष. वर्ष वे) अभय त. धूर. किंट. त. रेट. । वेट. च. पत द्य सरार विरामा वे करामह सका मिकालेव मार्मा हेल वस मवर मर्मा वनामान सु वु व दर्भ हेर्द्र युराय दर्भ सर देन य से सर हैनाया न्दा क्रमा क्रेन क्रिय मा क्रम क्रा नि हिर मन्त्र मही मा ने क्रिय मना कर्म नहः हुर रक्ष। जान ल नहेद देश नश्चन मः नहरः न जानः चन । नश्चन मः वरुषायान्द्रमा देरवरु नुवेषा भुवव निव भुवाकेत्रम् स्राप्ता या के देशताय वि श्रेयायह केरार्व (विद्यात क्षेत्र वि व वे। लाई है। अर् कुदालका अह्य रेड. हेर रेड. अट. पटा विश्व मेर्च हे नका हैर. अह्रवे.तपु.क्र्या ब्रिय त क्षेत्र के अक्ष्ये तथुंब ट्रे.केंद्र.तह्र्टे के.टवे.पब त्राम वाकद्रानु विवादायहै चरेत व स्वाद व हेत पह केर ळ्यार्राप्रांतित चीचेचेया. १६ में निष्या हे में स्वाय हिए श्राप्ते हैं ... दशामदाव मान्या मान्या होता होता हिन मान्या है वार्ष हिन न्दा त्रीयावर् हेर देव हैं नयायार त्युर पर धेर है। वि क्रम हैंन

विष्ये तर के अपन्य हे हो दी वर त से मिन प्रमा में मिन प्रमा में म्ट भाष व क्ष्मा व निर्देश निर मा हुद है लिया म हे मा खब लेद मति हुन। दे दिया में मा हद मर बर्द र हता मह्य चर है कि नियम मुन्याय है। है कि निर्मा की मह बिम दिव मार ल हे क्रमाने ल देस तर मि नह हिर मने माने हिन । महिन मही मि व अ व्राप्त नटा पर स परि प्येट स सु शु न प्र न में न में निया में से में ८ ह्र व वेट त स्वय वर्षातातर, सुन्यार ट्र त वस्र १ अथाप, ह्य ये. सूर. चर सबर हार नार्टा विषय अहं चाने विषय विषय में हिन विषय न्न हिंद (कें 94 म) अ बेद पर हुन पर हुन दा ममु हूं दे पर वि में स अन्य पतर हेश स निदः परे में वया पर्न हेर तुम पाय र्श्वर परे सबर " র্ভ্রনে हे अवतः प्रित्र श्रुन पर श्रुन पर हैन पर हैन पर । प्रतुम प दे। 표저 축제자'' - 그는 ' 두 등 일은 ' 제조 즉 ' 용 즉 ' 용 즉 중 ' 제' 전 피' · 다 주 등 즉 ' 다 은 일 주 ' ' ' ' ' मन् माधवामव हा । लमाव हेव मन् मुन रहेव निव निव निव निव निव । म्हिन्यु त्रु। ।हे र्बून्यायुक्षानु देन्यायदे कु कहत् यद द केन द्वायन्न यान्दा क्रमान्द्रभुवायान्दरा क्रमान्द्रभवेषावरे मृत्रमान्द्रभान्त्रमा माइनवानी केन्-न्-रेमामामविदान्-नायुम्यामवि धेन-हे-हिन् नायुम-न्-इन् यर न्वलम् है। दे ल क्र न्दर्देश में में के के ने ने ले ले ने ले में שבילבי שם ילבי ש שו לממימום, שבמיפום בל בוצל והל בוצל בוצים. בל בוצים בל בוצים בל בוצים בל בוצים בל בוצים בל בי सिट, स्, रेट, किथ्य, रेट, मुं, अष्ठर, देवयाता, हे रूव, खेय, तेष्ट्रा । लट, व.सेट. इ.८८.विश्वय.रट. श्रे.अष्टर.ज.स्वेय.त.ज. दे.क्ट्य.बेय तेष्र। ।रेव्टय त. मद्भे प्रमान्न मार्थे भार्षे भार्षे भार्षे भारते वृत् चरु.कै.टचे.च.चरे.प.इ.प्रव.बुव.वेडू। ।के.टचे.पव.पटेब.च.बूच. स्टा के क्ष्य स्वाय प्रमान के स्वाय के स्वय के स्वय

श्रा चिस तत श्रूचेश ह्चांश क्ष्य हें हें हें से स्था विस् अक्ष्य चेंश्वेश ता ह्यांश ह्यांश ह्यांश ह्यांश ह्यांश विस् विस् चेंग्यं चेंग्यं चेंग्यं चांत्र विस् चेंग्यं चांत्र चांत्र विस् चेंग्यं चांत्र चांत्र विस् चेंग्यं चांत्र चांत

म विमा । अवेद केंस मदेर मद्दे रमेल महत्र दुना । देन का । दुन क गुरा पश्चर पते हे दे। अर्दे हे दे हैं दे गु. पर अधर इंशव से क्रपाय से चरुत् यदे त्वुत्यागुव वय्नुत् य त्व त्ता वह्ना यह्ना यर वु वा व्वव क्र यहि क्षेत्र इत वहे हैं व के अहें हो नार के व मा इसक मा । शिर मु वह व यहे हे दी । १३व व्या म स्वाय म तर्याम प्र हे म ति हें व म इवस प्र । नु न्य म न्यू द्य पा वायल पर पहुंच पर हुर देय देंच ने अर् हे द्याय स्। । क्ष्मिस सं, तकर तह क्रं हो। क्षमिस तकर मेट त नेहे स त देश हैंगे. परि'पर गुराप्युद्य प'द्यम मा । केर र प्रहेर'परे हे दे। प्रवृद्धिम भ मांभील पर विवास ट्वीस हार. क्षित की छटे. टी बोबीटस तर बैट व इश्व (क्र. 95 म) वा । ब्रीट म्बिर हैं वा मद बन मैं के द र महत्य प दर। मुद च.रट. करकातह. पश्चा वा वाक्षटकात इसक हा दिवकाता पहूर पह है. दी द्वार्ट वरमाद्व वास्ट्य व इसमाही वस वहिम समा कैमाहन माद्वसानुवाना दिए हैं नव धर छु परे छुर हैंद पन्नव धर छुट व नवद " लब द्राया है 'द्रो कुष'यर प्रमुद प्रमुद्र है न्य य प्रमूद्र पर है देव मा बेब हो । दे 'हे व वेद के हें व के में के 회 | 명시 보다의 원·형 및 명도 윤다 최저지 두다운 월드, 다. 환역 다. 보여서 날. वश्यावर श्रेमायह श्रेय राया है सुर्। मिन मृत्र मार हे दे। मिर हना स्थल राह है हैं दें र होग केंद राहर हैंग हैंद मा देसन है। दें ल दस पर वयवानवे हे दूर महत्याम दूर मानि मही हे वेया गुर मुहे। दिवर गुर קבין הַאִינויקבין הַיבּימיקבין פתינופיקאינוגיצאיאָקינופיפֿיצידןן कुट्र-ब्रेंच तर. एववे. त. ब्रेंब. वे. ब्रेंच. त वथव. वर. देश. तर. एवचे. मध्रक्रेर.इ। क्रिप्रक्रियमध्रियासम् ब्रेयासि वेश वी अक्रियासक्रियासि मेर्ट्र । । विश्व श्री । अप प्रेस मेर्ट्र मेर

रेश-इश्र तर-इश्र तह. क्ष्य में इश्र मंद्र- मंग्री मंद्र निर्म मंद्र पर- ह्य पह. क्ष्य में इश्र मंद्र- मंत्र- मंत्

होता.त त्रुत्ता.मू ४ तेथ से र त्रंथा | द्रिक स् | द्रिक स्त्रंथ प्रस्त स्था | हेता त.त्रिक क्रेथ.हस ४ व्हेट ला | म इत्राप्त क्रे.त्रिक हेर अक्ष रूप रता र स्था क्रेय त.त्रिक क्रेथ.हस ४ व्हेट ला | म इ.इ.इ.दंब.रेने.द ४ व्हेस र रा. र स्था क्रिय त्रा । शांद क्षर तर्ष.

न्यक्ष नर्य महत्त्र । नक्ष्य नर्थ महत्त्र हिना ह्य ह्या । निने ना बर मुद्द हिन हिन्द में

श्रम् थेट चर्छ। ।

अक्ष्य थेट चर्छा ।

वैक्रास्त्र स्थान स्

 मन्द्रमहे द्वा वि । वर म विमायहे सब द्व सु स वु स वु मही ।

मीबिकात है। एक्स श्रीम स्व 2व हवी । मझेब मह्स हे है है यो खल ग्रुअ:5'रूर्न। । अठव हिन्दे न्ह स्व मह मस्व मह म की देव केन दे भवाया हीर ही सेट. रे. में . हे. लेब हे है। हेर टा में . य दारक्र या। इ.स. श्चित,तार ब्रेट पक्षेत्र पर्यस खेलाचे. हे। ईसामने हमाय पर। हें वे. स्टब र्वा इवन व तेन ८कून त.८८ । १८५ ८वूं ६ हिर वन हिर वि वि मा । तक्ष श्रीम व्यव हव श्रीम व मझव महत्व है। । माहिल मार तरि ना विवर्ष की पिवाय पाश्रेटी । द्रय श्री विषट में में खेश माह्य मर महेरे म न्ता मुबुत् सम्बन्धा तहनाय तक बेन् वहन् नुप्तन् पाष्ट्रा सम्बे सना रॅव केन रॅव सन रॅव'र्ट (कें 97 व) स्वा । विकार्स सुन म सुर प्रदेटा । त्व योष्यः पर्दे स्था स्था प्रस्ति । विसे व पर्ध स्था स्था न्युकार् तर्द्रा विकासा दिलद देन मे दिरावि स सन्य प सद दन परि र्देव श्रेट. तप्ते पक्षेव पश्च रटा ६० वर्ट टे. हे च व स्वीय प्य स्वाप प पर्वीयः तर श्री य श्रवं पूर्वं पूर्वं तपु पर्वं य पूर्वं टटा। श्रेवं टवं प श्रवंश मार्चनाम बुरामेद महेर महेर महेर नहा। हैन ने म मानामाहेरहेराम बुरा तिव ८८ । नाष्ट्रत यस इस धर कुल च ल स्वनंत्र धरे र द्वानंत्र र व नाम्र र ला सम्बन्ध मह अक्टर हुद क्रस सु हु मह रहाम्बद ल एके म उद महे म रहा चलायह मझेबाम्बरम्यान्तुनान्तान्त्रम्यान्त्राचितान्तान्त्रम् अधर श्रुण व्रात पार श्रुप परि दिव केव मानि हिंद प नि । पुर हिंप श्रुप मान्दा विद्रापरि सून पर्वत स्वतः न्य श्र परि परि पर्वत पर्वतः वास्त्र ना स्वा बदब कुब प न्नानिब न्द नु हिर वर तर्ने न पा के दे हैं। ।

पढ़ी'प स'न्युका हिन सब गुै'क्रें क्ष'न्व'न्डे'प। पन्न'हि कें क्ष'

क्रिय कि.ची चंब्रकान कर्ट कुंच्य के.चिंस् । टी वी क्रिय पट पालिया प्राप्त प्रमुख प्र

माहेब माडी मन्द्रमा है दर में मन द्वार कर में ला । दिवर से मलुका के हि र्श्वेत कर्तर रहा। । पन्त व पमारे क्षेर्व मर्ग पहेन पर्व के पवे न महिकासार मुंदिन नियार हित द्वार व त्योल दिन है। स्वा ने द्वार क त्रचेतामा । प्राप्ताना हुन त्यासन्य पर श्वीत य प्रा <u>के प्राप्त</u> कर कार्या(कें 97 म) परि पसूर्व पर्डे स इसस है। । महिस म सर्द रहिंद सिं म्बुअ वु भृ र्श्वन र वे प्राप्त वि प्राप्त प्र प्राप्त न्द्राधि के प्रिकार मेला । १५ व्रा मे मह्दा में पर्वा मन्नहर्वहर्के वास्त देन्त में देव महत्व सद्वाम सहि।। ह्युंद्राचिक त्रेश मा अद्राप्त मा अद्र मा अद्राप्त मा अद्राप्त मा अद्राप्त मा अद्राप्त मा अद्राप्त मा त्रं। पिष्ट म्राचरात्र के.पष्ट्रक उग्रेश ताला ट्रूबत्मेंब्रेस्केट्रकेट्रके रेअ'य'नारुल पर'वेद प द्वु'अ'रेन्स क्रेन्स हुन सन्स'द्द व सहयाहिताल में प्रमान मालामा पार होत मालाहित है नाम के व सनामाला । हिं बहार्भायह कारबोलायाकर् हे कुनार्ट द्वारवेर प्रेव। कुर्वा सम्हा र्टा हिर पद्र.क.प्रमुखात ह्रमाता है मिता स्निय हो । न्तुमामादी महूर वि.इ.हेर्मार्टाहासामा 144.24.4W

मिट अ टेट ट्रॉट अ में व ज अयाय पाए। ।

मिट । टिंग अ में व अयाय ट्रा । वर पार्ट वस्त्र कर अप्रियं पा हैं व पा.

मार्य सिंह पहें प्रमुख क्ष्म है। हे ले हैं व पार्ट वस्त्र कर अप्रियं पा हैं व पा.

मार्य सिंह पहें प्रमुख क्ष्म है। हे ले हैं व पार्ट पा हैं व पार्ट पा है व पा व सिंह पा है व पा है व पा व सिंह पा है व पार्ट पा है व पार्ट पा है व पार्ट पा है व पार्ट पा विका के पार्ट पा है व पार्ट पा विका व सिंह पा व सिंह पार्ट पा है व पार्ट पा व सिंह पार्ट प

मब्रै मा बर मुन की वेब का मध्य मा है। व महिर नमद खुन कुद्र-इना ल स्वाय परि । विद्र इसय कुल पर प्रवाद है पर हार। । मूर्य थींबिंद क्रुंट.ता(क्रू. 88 र) दशया और विरे ४ लयोश था। । तर्धेर त र्येत थी. बर भ्रमकार देर के इसस पर्यें वसस पर हैं में स हर पर प्रार प्रार वीका मुल'परि'पण्र'पश्चरम्ब पर्या देवत मु'नबुत यय में नबुत । देवत. क्राचित मेशक प्रात्ति वित मेशक मुश क्री क क्ष क्ष वि है। हि.ल एह्नी. हेद मी प्रमम रहे व के मा मे वह दस मके म माम खुल हु मुन यह " न्युट्रर्यादेव में के केवर्यं देव मार्चे प्यत् केन् मेंन देव से में वे ≌चक्र.रट.रंज्यात पक्षत्र क्रियाश किंच त रट.र्ज्य तथ ज्ञ्चा.र्जर.रे.च्रेथ्य.... तर में च ल्ये जा देहे. स्व में . चेशव क्य ई. जी अश्व प्योत श्चेर वार्श्व. स्चेश व ए १६ टिन होता की वार्ष देशव टिट । वटव केश वार्ष वार्ष वार्ष म रहे हें हेरे मुख्द छव'देय प दस्य रूट । तहसाहित सहय पर पेर त्र मेर टेव विवास हिटस रंस. कर त्रावदी कर टे वेट. तर श्रूच रंत्र . विश्वा अम्बर्ध में देव हि. प्र. हे. रेट. ल हे. अं ये. र. श्वाय वीच चंद्र. श्विन. न्यं व केव यं देवल ग्रैयायहर यर देवायहै ज्वा देवल ग्रंट मुलामहै """

स्थान ब्रिट्स प्रिक्त मिला निर्माण स्थान स्थान

2. ਜ਼='नै'ਛॅस'दविन'चे'=न'र्'चे'नदि'स्रवसा

म्रायाम्बर्गा क्रयात्म्राचे म्रायाम् प्रमान्त्राचा क्रयात्म्राचे म्रायाम् प्रमान्त्रा

महा। महा। इस स्थान क्ष्यां क्ष्यां महार प्री.

न्दः मात्र माहिया हिराक्षेत्र स्मा हिरामा स्मात्र क्षेत्र के मा स्मात्र क्षेत्र के मा स्मात्र क्षेत्र के मान्य

धिर तहुन्। यदेव यदे द्वेषाय य गढ्व तर्देर देट। यद्व दु एड्नि तर्दा वर कर अर लम कुंब एड्निय है स्वेब हे स्टब त म मिल म इसस तस ह्रम म नाहूर मह हूं. बस मिल मर मेर म रदा। इस म्रा पाल क्रिय हेर सूर अर्थ तथ पड़ सूर तर्रा । जिंद हव क्रिय पड़ सूर ब क्या वस रघर च रद। दर्दे परि विसस स द्रीवृत वस रचन म स स्वात म इसम में हैर। इस रोट्र दे अब्द पत्र म्रें दें हैं त इसम गुरा दे। अर्थेट स्त्र में स्त्र में स्त्र पाय ग्रुम ग्रे रेंद्र पर ने द पर केंग में इस म्द्र प्र पठल य केंब क्षर ह कर्द दे। श्रेम द्र्य कुल मेंदे खब गुवा दे छ। प्रव व केंब गुः द्वा प्रव दे हैंद केंब गु किंद में प्रव में केंद्र है। केंब गु त्रम मार्य मृ हूंद यह केर है। विकाद्दा अर्थेद यद्दा है अपन के ब्रियामित सब कर केंब की क्षिराम केंबाही जार्स युद्ध के प्रिंद कुर स प्रहिम तथ प्रहर, प्र खेब में. तप्र होर रा। | खेब तथर तथ. श्रा | खिब क्रव लभ कि. चे बेट र टा. चे बे. ज प्र ह चे के व प्र ह में र व क्र चे अप अभाव मा के श्चिम तथ ग्रे.चर (थू. ठेठे में) तथा कि.चू.च्.वंशव १८ कूब ग्रे प्रेट्र प्राप्त विदेही रवि.श्राच क्र वर्ष श्रीश क्र्याशी प्रह्म ज्ञान हवा है क्रवाय श्री पश्र भी वि.श्रम दे.स्रेर. पपु. जम स् । वि श्रम दे पर कर भरे. तपु. जम में पर हो । ब्रिय मन्द्र-हिंद इस में लि कुं लस अद किय के लिंदर में खस्स उद कुं सकेंगा हु वुराया है। कु' केर रेशाय के सर्र पुक्ष म के में श्रिर में दे मिन के रंभ्रवायायरे हुर अताराह्। विश्व या त स्वाय या है छर वायर या स् । Nभ-दे.रेच घर्र्-विरःश्चेरातध्यावृद्धः राम गीय.योटः श्चन ग्रीप्रियः सूर...... ल्ह्रणायाची श्रूपाद्यंत्र द्वेणायहेत् क्षेत्रा गुदाह्म गुर्हे संपन्नदायरे रदः प्रविदः मुं प्रविदः सं दे क्रिया मुं प्रविदः सं प्रविदः दें। विव प्रदः। नेर हिदः

मारेश तथी लिंद में ह्म दम मी इस हम है। मिल पर जा नेस त्म् अञ्चर्षा सम्बाधित मुद्र नेबा क्षेट केना के नेर झूट। । मु अर्थ अर क्ष्य सिर त्राचिष्ठ अं सी । ने ल ने निय शिर में क्ष प्रम्य में स प् वी क्रियाय विश्वत्य पर देश क्रियं वाद होवा से दर्भ पर वाद मि प्रमुख हू पू हुन वर्षित्र बोट मेंट यहूर विष्ठ बंदू, चूर, बीर त टब बू ईस . सर यूट सह इस रेन में । देहे अठव नाबेहरा। सद्न में व यह य मुल गु षे नेब न्दा मु मुँव पार्त पुरे तम् व इसव गु मूर न्या व पार्रे व तम्हे वस नार्त मु देरे नेस म केट केन के नेरे इस मर झूट म हैर केव'में। माई स हिंद प्रदेश पारचा गोव बंदा हीर यह याचा कवादा कु अरार यह हीर . .. र्ट। (स 100 व) वट में नेया में पुरिय में क्षेत्र खेव यह सरी य सेन यह क्षेर रेंद रम धर दे चब्दि ग्रेग्य धर चबेर यह र्यट मेश मह्द ध हु भ ल द. हूं। । ट्रे के . च अ द. हु च , छ द हु , क , र जी प , खे चे जा था । च ट्रे. च र . वाचेवाय तथ क्र्य क्रव परी वाद्य क्रव कर वाद्य तर वायर तथर हव परी ला. न्वेंद्र की । वेन द्रक यदन ने वे दे हर के वर्द्र दे। अर्द्द लका नित देशक वित तक विश्वत्य दे.रेव ाष्ट्रव विश्व विश्व श्रदः श्रदे रेव है। विश्व नि र्ट ० रे. ब्रेर.रेच रे. ४ रेचा । ब्रेय प्यत् प हेरा वे. श्रय प्यतः रच के ह. च्.भ्रट.श्रूबे.क्र.बेंध्र श्रूबेय त से.ब्रैंध्र सेट तर धट्टे तय.र्स थ्रं भ्रुवे.पर्ने.हेटे . न्द! अर् हे धल दे क्षे रद अक्ष धर ९६५ धल प्वाचन अखिर हे दूरत

मित अवत महिल सु हा पर मुंद है। ।

चित्रं । चित्रं । व्याप्त्रं स्थाप्त् प्रमेष्ट स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्

तर विष्ये,त्रा । तर विष्ये,त्रा १

देव दि या ता नहें वा शे दिन सं संदे इस नहन में। !

प्राच्दा बाक क्षेत्रं स्था पर है पर क्षेत्रं प्राच्द्रं । दिल्ह वाह्नेह्न हैं। प्राच्नेह्न वाल्य क्षेत्रं विष्ट विष्ट क्षेत्रं क्षेत्रं विष्ट विष्

र्वा ध्रम् कुल प्र सर् सर् तथा। दे प्र विव मने मन प्र स स स द्वाप्ति शेवन उत् के विकल देवा व्याप्त देवा पर्टा विव पर्वत पर्टा मन्न बेन्य न्या अध्याप केन् वर्षेत्र मरावर्षेत्र महिन कील विस् माला सर्व यर प्राप्त परि सेसस उद इसस भेर तमुर यर मेर्। तयन्त्र सिंदे क्रिय तर्वा म तह्ना सर मुद्दे हैं। | दे द स मुख दे म बिद म में नाम स प्तर्हें व त मुल कुव भे प्रेंद हैद। देवे देव 'तु हैंद प्य हेद दर। अळव स अर.त.रदा श्रव त.अर तह बारेश कीश रे.च हुव बांचुवाय तह केल क्रूट.रे. हिन् सर छेन नै। ।ने र म छैस गुर ने चलित म्सेन्स स पहें त स्मुल कुंद के नहर है। देहे देन' मु: हैर के हिन' सह रहिन कह नम् अंदर । लिया मासुस फॅट्स सु'द्वा धरे वा नमा की साम के सम्बद्ध दे दे प्रवादे प्रवाद वा ने वा स खिल ल प्रह्में | बिस क्रम प्रमिन मासुक ल मानुक मीस मीस प्रमिन धर बहर्दि, रें। रेट ज्ञार्ध्य मालब क्षर हब तर प्रवेट यह बेश्वरा । बेश्वर मान्त्र वर में वायुक्ष की वान्त्र नदा वायुक्ष मान्त्रेर के ल्वा महित्र महि मान्याक्षा दि. हेर ४ ह्या तह. मैं . अक्ष ही मिनेत. वे. वेट श्रूप अक्रू में दें. न्ते पर रेम पन पन्न प है। कुर् हा म लगा रहेग हेद है पर समस लहण्य ८८। ।रम'र्'श्चेन ८८'सिट हेन चु'मे ग्रामश । वेस (के. 101 न) नर्भे म हैर। रेट मू विरेश वि अधिर माल कवाय म देशय हर अवि यह निवानीयानम्पान्य में नाह समात एहन न न न में हिए हैं ने म्हल मुल देग्या केद सर अदल सु हित ध नदा दे दल केर में हिंग परि र्श्वराष्ट्र मानुका गुरु दे पादीव मानेगर पर सुर श र रहुन हैं द प " क्षर, म्, ५ ब्र्यात्तर हिर तप्र हेर, यश्चरश्चा विषय अट रलवाय त स्था मर्सिन् वस्तरा सामित होता हिन मान्या मान्या है हिन मानि । वि स क्षेत्रमृद्धिः गुव हिनामा । मान्यमेया मेयाने यावस्य भवा । देव मन् मार्ट्य

न्द मं दी चन्द्रमि लेख न्युस मह्य च महु न्युह है। १दे त रदः मान्त पहेर क्रां रहिर मी अठव हिर दे। ह्व पर न्युद्य पर दि रसः क्रम चार होना होना केद ही लक्ष होनावासारिक्र वे व नार् मेर होना रक्षद ही. रेणक ठद देशक ल' पश्चेत परि। दिहे अकंद पढ़ि दे। १द विंव देशक ल' चन्य पर प्रनेत अर्द्र अर्दे हिर नेश्वर रच देशय हे जिट है पड़ि ख्राय स्वा देःद्वाःश हेरे धुरःपदेव पद्धेरे कॅस र्हिर देस ग्रुंदें व वहार पदेव यः । पदि लय पहलय हे द्वार पात अस पाइसमाइट परे हिर है हैं पट द्वार पर हैंव प्रशंद दे और देश मुहा |दिलदालिंद लादि प्रदेश मुद्दे 여러 대고 호 왕, 같는 윷亡 다 당, 라니서 집 소네서 요, 나는도 등, 등, 다리는 닭. ल मदेव मदी लव नासुल ५'महासाम इस म मह नाहिस गुै'ल विरास महरा" पति हुल पहुन प दे भिन्दे हैं। देते हुल अदः में प्रमा स्टिन पेहिते इ.स्.पर्बेर तो वि.च तर्बेर तो अधियाती.पर्वेर तपु थेल जीय पश्चिय ता मासुका प्रतिकार रे रे त्यार प्राची विकास देना हैं के व के देव पद्गे पन पदेव चलि'रट(के' 101 प) में 'ट्रंचें 'ल'र्बेन्य पदे'ह्ल गुरु'पहुरु नै.पष्ट.स्.स्.ज.रंभवीय.तष्ट्राष्ट्रण.मुख्याच्चेय ता.वीहेय ता अवर वुना ताथा द्वेन वादि हुल मुका नासु वासी महा मु मदे वदे वदे वदे व क्रमानुष्य मान्य हेर्'वेद'वेद'। यहाय मान्युस वामदेव मामवे संस मामदु महिनाभिन दें 'बेनारर्द्र'मादे त्रवर् महे हैंग्न मा किनार्कर देहे

ब्रै. इंट चेट वांबेट व तथ अष्ट्र वांचे थ रेट टेंब अ ट्यं त वें क्रुवां तर्ं। । पट्टें पढ़ेंषु क्रूब र्वाट टेंज, व्यंचे त क्ष्मिश है. पट्टेंज जिट क्रूट क्रिट टेंव ब्रंट, पड़ें वेंच ता थ क्रुट च्रंप टेंज, व्यं क्रिट त ट्रंप क्रिट हों होंट हों। । उट्टें जब वांचे त तर. क्रुटेंच त पट्टेंच पट्टेंच पट्टेंच पट्टेंच तेंप त क्रिट त ह्वांच क्रुट पट उच्च त टेंट्य क्रिटेंच त हैं, वंच पट्टेंच पट्टेंच पट्टेंच क्रिट त खूवेंच त खूवेंच त हूं वेंच त हूं वेंच त हिंदें.

महिला दी। अर्ड हिन सेर'ल न्रेंस मझ्द इस घर म्युस। । स्व हॅद अहर हॅन्य पकुट यं प्यद यन परया । तिर्मेर सं पर पारे अळ द हैन दे। सूर्व स्थ मास्ट्र स्थ रहेश माद दिन देन रात स्थ रहेश ल न्मिंटल वल मार्ड में र होग केव परि रेगल ठव देवल ल पहुंद परें। ।देरि भक्र पोढ़ी अभ मिस एत्र पर्ने पार्वे स्वास स्वास स्र केर की सर्हे में है पार्टे. वर्षां वर्षा वर्षा ।दे.रचं ज हुए हिर अवव हेर. हर तर हू स्वी. हिंदर में 'बेब में 'बें वा ने बें ने वा के के में रत रत में अठद हैर मैद रु र्वेद मारे ह्या मलत महर मार में रे मि द हैर क्रूंद'यर बैट घड़, ब्रेट, सेट द्रश वेड्रा । ट्रेडट बंदश मेल त्रुंड निय वे. म् विद्या स्थान न्यन पु केन्य इवस मा न्य पत्र इस पर इस परि से न्युव मन पड़शय हे. वत श्र. ईट त हेट मैं. ईल पर्वं तथ खंब ह्व अट्वं ह्वं पचंट. न्त्र मुदे (सं 102 क्) कुन् त है 'हुर 'हु पति देव पत सन ने देव पत्र' रि.रेट चर्च त पुर्वाय तर हूर्वाय. पंतु विवय, स. मू. पार्वेश देश वीट व पर्वे महिन ने में द्र एक द्र पर सहत् दें। दि त इस वर में ना सुस दे। नि ले हूं त हेरा जय अप व अप ता प्यंय वि. श्रुव व अर त्राहा सिय हेर सद्व ह्रियाय प्रमुद् दे। सद्व मुद्रायया भेषार प क्रिय हुद्राया है। । न्द्रं मं मकु ने कुष पर द्वा यन्त्र । दिल गुद महिद है द लस ने स हे द । । हे वय वस्त कर नेय म हेरा । इस गुव सहव हें नय हें नय महा । हे " सर खेत रत सबर गुरु या । अन् हेन नहेन सहेत हेनल गुर क्या । ळॅल गुल्त प्रति इस पकुरा । देल प हुर प्रता र्व पर्व ह वै। इस अमुंदि अळॅद मुंदि गुं'ळॅल पहु। तास नेल अळॅद मुंद पहु प्रिंग पाली नेल अर्ह्य मेर देता दिस ह्ताल हैंर न अर्ह्य मेर न दे तार्थ न । हे हैंर अर्ह्य चुें के ब चकुरा अधर गुँच मते हुँर म अकेंद गुेंर मह नमुखा स्न हैन बाद ब्रैंराम बाद्य मेर माली प्रमास में क्षा भी माद्य में में क्षा माली है अस हा । निर्म में व छेन में ग्लुम दी। तमें भ्रूस घर में व क्सर के देर पहुर हे पहुंद पर हैं। हैंय प दश मुंब में प द्वय मुं हर र विंद नु पहुंद पर हैं। क्ष्म ल एक्ष च देशय में हर में य तर च मेरे तर हैं देशय हो। दिल मार्य पढु मुठेना है। भू'रेरे हा। रच रहेर। पकु छेद। पर रच रहेर। चेषव ता लट रव ७ ब्रेरा वक् वेश रव ७ ब्रेरा वेषव वा रव तिष्ठ्या गुव न्नात में इसस में रिस मिलेव नु देस सव स्वास गुस मह्न म क्षय थ्री । अपूर. भ्र. ४ रेड्र रेव्र त है रेट्य. श्र. तथ्र देल तर्बेर लेज मु मर्ल म हे र सम मुर्मित प रहे ल हैं सर्में सम में सम हे पार्वे पार्ने र तप्रतिष प पहिंच त रेटा। विक्री वंस स्थ्य कर वंश्य कर्राणे हैं तार्द पति ह्वेच मुफ्तिय प्रथा वस क्रिय द्रश्य ठ८ (क्रि. 102 प) ग्री. पविश्व द्रिय है अर्थन तर अर्द्र खुन नु है नुब द स महत नहिषय र पर है मे नुद्र परे शुःद्व सल तद्व ध केव में तहें च धते हुर रे। ।

 विवेवास म स्वास दे प्ववेद विवेवास परि हिट मेरे विवेध वार्ड मेर हेंद परि त्रें वे व भी विश्वत रच इसन हवे हैं। 1ने रच व हु हुर लेवन घर इस घर. हु पर क्र प्राप्त में बेर है वा वा निवाय वस इस सहिव ही पर ही क्र स वनस उद्गाव पहन पाल पालव दान ऑस्य मुन है नक व है न मुख्य 5 लिया । वासिंद्र माले दे। दिव दसाधर करामहित है लिम गुरा। रह रे मुस ता देशन भी अहर ह्रांस भी लिल रुश रेंबर हु अल कर्टर । चेट क्व भी हैंद इ.रंटा लट्य त.रव स्वाय ये.रेंबाश ह्य तर वीर्यंट्य तस पर है है है. दर्भे 'बेस अध्यानी वेण मृ 'णबण न्यार सें न ग्री में द श्रीय इसस नद न्यें व ''''' अक्ट ना पारे नाम मान केन देव नहिन ना किन पार है नाम इसम है देर "" मल्यापर द्व भूट। ट्रेट ह्या म के किट में अर्द है जात के म ही मा अप न्न्द्र या उद न्यास्त्र य सर म वद न्यान्यामा वर प्रमेश के है। र्चेर व पर्व वर्ष कर्रा र्वे हिंद र्व वेश हर वर्ष मा वार वर वार्ट या देश वार्षेत्र देवातह भारति ही । अन्तर्वेश य दे अ वश्चरमा रेटा अत्यक्षेताय दे स्ट अर. तथा दि. हैर. चे अ अपूर दिव स्वयंत गुन्न-द्रम्द्रम्या वर्-द्र-प्रमुद्र प स्वानायन पर हिर र्। ।

 नुसा मा हेद में दस चारल में झें दस रचे द ऋष में सर म चन् वि पदि हूट है। हैं वे व्यवपापया विचाय हव, त्रव क्रव दिए त्रा विकेट हि चली. हूट प्यट्य पायवा । ब्रिय प्यट्य स्था । ब्रिट च्रि क्र वा १व ह्य ४५८. ह्ल म्युवा । क्रिय गुे.सुट म रे रेशे कर्ल पर्दिर ह्ल अट मट। अव इंस गु ८६८ हिल गई मं ज्युका है। है मा वि हेन वेस दे हे श्रुक माना न्त। अर् हे प्याय मह्न महें य सु रहें न पर सहि महि महि की द क्षा कूब मु.सिंद स् में इंड.सिंबा । बुब समेर सहे.ज में बेट क्रेस में इन इंट लंद प्रमा दे हम खुट नहेन ने हद के ब बेट पकुद विदे बट बन देश होग लब में नाबद दे द्वा में बेस बेर में। । जद हे या म हम में ब दी। सिंद म् विश्व ८८. में अष्ट्र ८८.। देव धर्तेन ज.स्वेच पार इस.चंदन र रेरे ग्रुस हॅग्य य दे कॅय सुदारे रेरे कंद 5 राम्युर बेदार के प्रतरादे "" हर पुर धर रहें हैं। । मद वि हैन हैं व बेंदर मार दें व कन्या हैं हर। मिन स्या । मिला स्या हा दे के अन्य वस्य वस्य का का प्राप्त व नि यद हुव ह्वराय समाय ग्रेस पकु हिरारगुर सा दे दमारे रेरे मा हे दमा क्ष लिए में नेर प्रमुव हिए। रूट रूट नी पहिंद, में हैं पे स्टर्भ से हैं प्रमुख यर हैं व'यर पहल वे देरे कर 5 वर्षे हैं। । प्रव द्या मार में राम महें व (स 103 म) कुमः कर् मबेरा । रे' सम मब्द र्म वेन' म केद म म'र्म'मे निम् नु पुरा है। व न में हैं भार्मनियाम दे। क्रिय म् दिन न केट केना हैर म्य हैर.बंच.पह म्.चंपका दें.पर। सिंह के ब्रुंट.क चंब ग्रेय.बंबंट. कुन्य बेर् पर वेया। ब्राट में के न्र यह कुन् वह कर् व स्ट में न्हेन मु महेन हैन। केन नस्त तस्त्रेन महा द मेन महे नमरे नमर मु न हें न्वार सह हार सं के रामा पहत चीता मान मार है व मह दूना क्या है कैंग मु खदः मं न् हिन् त्वी पर बुब स बेब न् सुह स है। दे हिर पुर व सर् नि

नाकृषिय घुष् श्रा कि येष या नाषात ख्नाव गुं के बि विष्यान्त्र या या था। उ चुरा धुरि चुरा क्षा वर्षेर चुरा हा बेर चुरा नाषुत्य द्वा नाष्ठ्र यक्र योषे।।

क्षेत म के अष्ट्र ल महेर म है। मि. हैं ट्रिम्डेस-पेटम प्रीय माद्र हैं या प्रे. ह्रेस माद्र प्राप्त प्

मकिंग में ह्याल यदि अ हिंद में इस यस सा।

स्ता, क्रबा, क्रांचा, ट्रांचा, गीव, ट्वांचा, क्रेट स्. ट्वां, च्वंव प्रख्य थूं। । स्ट्रं प्रच्य, स्. क्रिंचा, च्वंव प्रख्य, व्यं प्रच्य प्रच्

ब्राया ह्रेन पात्रहन प्रतापत्रीयायाय । क्षेत्र हु हेना न्याया प्रतापत्रीय किन् निर्माया । ह्युल परि निय पुं नियम कुन निरम् नरः निर्मा । मिन कु अनिय माक्रम निर्मानम् विरमानमाकु मानुराव रिषा गुरा हिन्य सहना सह वःपबुण्यःपरे के लें कु कु कु कु मा अहु हु हैया पर अध्वादि स्तर्य कु कि परे । ल्ब. रेच ह्र्य बंध श्रेव एट्रेव तपुरावाला चरेत तथ ह्र्य त प्रिट. तथ्य. ह्रेव... म ल अकूर हे. हुर म लब बर मर ने बूल म लब। रम हु हुर बैना ने खुर ब च ल तर्द्र में हुँद महीद दु तक म हुन हुन हुन हुन सहा हुन मही बूद म मब्ब हे द्याय नवद म रहुव यह द्यीय राष्ट्र ह्याय दवा अहु हु है। सन्य १व पर स्था प रव देवल प नगर पसुर कुन पहुर दस रें हे ह्म व के न्या कि के व के कि गञ्च । । दें हे लय चुट र्गुल होर ह्युल स्वत स्वा स्वा स्वा स्वा । । विभेष हें · म्निन्'गुं' क्रेंन्'दे। क्रेंद् म सहद'मर मुह क्ष्म महे दुस महिन ह्युह'द्वस्त गुैसम्मर नु न्हें न महें के हूँ द मन मनुन के व में यस महें न मु न हैं साम महें न के व महि हेट दे पहिंच लाम बुनाय है। भी मार्येट बेमया में हैं है जब हिं ह मार्थेद हे निन् पुट वन र्येल विष् इंति है पर् राया वन कर विष्य के विषय तर विश्वत्या स्वाय व्राय व्याविद् स्रूर स्था श्री हार विश्व प्रत् प्राय सर है। हैं ब.त.च भेर हैं .च भेर हैं .च दे व विश्व रूट च द व पह पहिर क्र वास अट चर्डु व इंदि: म्रे.चे. बुंब: म क्र्य ए चैंट चे बंट: चे चंबल लब क्रि. वंद (क्रे. 102 वे) महे सम र हे समय रट हेव.हच चल्चियायार के देवा हैर पा हव पर निवायान्य देशः बुल वयः निवेदः द्वारा निवायः हरः निद्रः तह्रमा हे व क्रम तमुद्द न्। । इ.नरे कुर नहेंद नन् नुष्त नविव नुर्दे। । अरकुर्रायुक्षायार्दे हे दी। है हे खेटायह त्योलायर म्वाव सहीह क्षेट हु

म्बीतात्तर्भवात्र वार्टेर.वर्टेट वर्ष ४ ह्रथ्यतप्र. देव विवेद्यातरावर्थे था दे अद्र है स्वर्व अदि इं जा देव म क्ष र वुद् है। देव दूद नुवाव मदे निवंतात्वय विटार्ने हेराताय इस लेर पर्व प्रति पहना हेर ने पहन हैरा N4.8 44.0.2.44 1 ₹.9.0 44.0.41 ₹.5. \$ 1 7 1 1 1 14. स्तास्याया गुन्न खुन्न द्वा कर कुन कुन स्तान हिन कुन महना महिन निहना महिन निहना केरान बेबल लब बिटा बी.रेनिस बे एक्ट्र खूब.बैटान.रिंडा से क्रवीय रेट..... त्रम हैव पट त्रेम हैव समात्रमायहै त्रिम प्र म है पन् कु दें है जुर नबुरस है '5ुस'ड कुर'लस नब्द हुरें। । पर्ने अर्हन ईन सन् सन सन वस कील तथ पंतरका । प्रेश सेव. ट्रेंब. खेल तथ. तेषु हे दे प्रधा । इसिंदु. श्चिर-दु-रिविर-ति पश्चिर देव पन्दी । हिंद दुवाद्या में हिंद वारिवर प्रदेश गुबा । नव ब लप रें र. ब्रिट इवब प रेंचर होरे छा । ब्रील तब चरें प दब. न्तुं व र्विन पर्वे न्दे ना सुरस्य । रिविन स्वापने स्वापने स्वापने स्वापन अ.अर्.तपु.रेंब देश श्रम्थ मेंब राभव १८.व्रेय.चर्षेर.तर वर्षे त रहा इति का श्रेन तर हें व ता पर्ने अटश क्रिश्व च महेव पर च लेट प रेट। न्द्रेय स्व मे द्वार्यित त्रे न्याय देन न्या स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य केंद्र,ता.बैंज तपु.से.जन्य तेषु.दे.दे.्य प्रिंट, सर्थ केंस वेट अवय रूपव . हर्र-द्राप म्.र्ट द्राप श्री इंद प्रम् नंबर प्रचेन । द्रम् में रहेन्य वेद र्ध्रम् र्राटर प्रवस्ता देवस स न्यर प्रमुर वित कुर पश्चर प्रमु पर । " नन्ताना हिन्स् मे दुवादनायातहन्त्र नेत्रत्य हन हन कुष (के. 102 म) रेनर. रेवे. के से प्रि. कर. ब.रेट चटल तथ है रच कु.र्.. प्रदः न्राप्टाप्तियाद्द ग्वा वास्त्रास्त्रात्याद केताप्त सामा द्वा देवव सामा के हे खलाहेरावदी प्र पुरावितावक्त द्वारा देव सामित हार्या में दि प्र देव सामित हार्या में न्दःम्दिन् क्रुदःन्दः श्रेदः सं प्नदःशुः प्रदःशः स्वतः स्वतः स्वतः प्रदे प्रदे प्रदे

हेर मही.रदा अध्य ह मही रद से अद.मही है मधीर ग्रीस महीर देश. ह्यु वित्र वस्त कर नियत मुद्र मेद सब विनाय मद स्ट स्ट बुन्य देख नेबर लट प्रमूर तर होर तर रेंबा ईर्ना ई. ई.पकट वेट केंच त क्य. अद्व तर ह्वाय तर सर्य केय हे. इय है देवेरय हैं रट. वय ह्वां श्वर रें यत्य क्षेत्र वेट अभव र्यान में अर्.त.ज.पूर् नेयल हैंदे,हन श्रेष राष्ट्र क्ष्य .. इन में द्वर धुन विके पठल वित्यायि दुल व वव धर अहित हे. ब्रील भींद्र प्रत्य तिह हे दे और तब्रिया बंदा हारत की है भूर त्रिय ताल .. हुन्य किंतु मुक्त प्रथानिष्य स्वर्थ विद् रूप दूर्य हु से स्वर्थ पष्ट के इसल ह्या ने खाल पत हिंद प हेंद मिंदल हात है हिंद दे तहेंद ल पत्नित देश निर्व वि.ल नेत्रने हे ब्रीट चबु वे च सन चबैर निर्वेश र्राटर के र्याटर ल्रा... क्षे क्ष्रचंत्र मार्चे या हर्षेष्ठ श्रीट ४८ टर्ट मक्र्यं बिल पड़िया पड प्रेश. सर श्रुल दब तहेन्य में ५ ५८ ५व अळद ब्राच रेंग ५ अवद बेट महुला हैं। तपु र्ष्ट्र म्म्य गुर ग्रेट लेल हेर वही ५८ देर वि वज् वह वह वह अ दिद्य प इंश्य पर्वता द्रारप की है अर पर्व स्व तद्य विव त्र बिट. रे. प्रिट. रे प्रिट. ट्यीप प्रिट प प्रिट. त. रेट अटब मेब नेट अलब .. इ.रच.गु.रेल रट.ब्रध्य त.रटा। ट्या चूप एड्याय गुर एक्र.तश्य रटा अंत त रेट केरे तप में भू रेट मश्याताल हें है बेल एत्रेर अस बेंबाड़े के. ल्या. ह्र र. मुल बेल हे. चनर. मैंट इक्स विश्वत्य तर. चब्रेट. त **動与 55 !** न्द। गल्द मदामन् हल द्व हिनाय स द्वेद हा । नियारिहर ही दिन (के 106 व) तर्व यदे से लिन है। विन ३२.८ पण एव तस्य हुत्य कर्रे हेद ची रिंग हु केंबर प्रीट्या मुख्य र प्रायः हेट अर दे। प्राय एव के अर र्मुल, ४ पूर, जुनाय, श्रिल, रेखा विक, मंबट, ज, श्रुमय श्रील र्नेद, ४ पूर ज निविद्या विद्या में द्वार्य में द्वार्य में द्वार में विद्या में द्वार में द्वार में विद्या में द्वार में द्

भार के के ताह के कि स्वाविद्य तार चले दें। ।

की कि स्वाविद्य के कि सार विदेश के सार चले दें। ।

की की ता के स्वाविद्य के कि सार विदाय स्वाविद्य के स्वविद्य के स्वाविद्य के स्वाविद्य के स्वाविद्य के स्वाविद्य के स्वविद्य के स्वाविद्य के स्वाविद्य के स्वाविद्य के स्वाविद्य के स्वविद्य के स्वाविद्य के स्

पक्षेत्र. प्र. ट्रा ह्र ह्र प्र. ह्र ह्र प्र. ह

3. प्रातः भि प्रदेश प्रात्त अस्य प्रात्ति । अपन्य

(क्. 102 र) नहुरे त्य कुम न्द्रा कुष कुमें हुर एहुर तर कुरे अत्यापा...
स्थि पत्रे ने ने ने ने प्राप्त कुम कुम हिर प्राप्त कुम कुमें हुर प्राप्त कुम निक्र प्राप्त कि कुम निक्र प्राप्त निक्र प्राप्त कि कुम निक्र प्राप्त निक्र प्राप्त कि कुम निक्र प्राप्त कि कुम निक्र प्राप्त कि कुम निक्र प्राप्त कि कि निक्र प्राप्त कि निक्र प्राप्त कि कि

या महिनाय मेर महिन म देन मा के खेन हर है निवय सर मि महि हैर मही

मिर्देशन है। वे मू टे.ज.संबार्ट.रब.पर्शना । जि पर्के.पर्वेश. गुद्र'द्रचात है'पर'दिष्र। ।दि शुद्र मुख्य ग्रीय'यर्, तर्तायह्य प मह्या । ने प्यत् हिंद केव म्य द्वारव है न न न महा मा न मा था न्ने १९ व हम मेन पर पहाँच पना देव नहीं पर्देश पर्ट प पर पर्ने म नहें नाय प लिल व र्राव नावस पर रने हिंद वसस ठर तर्स सा । मा लाद चार्न श्रेश दे इ.चार्श्व चे.प्जूंच क्रेश्व प चार्श त चोर हा पहार चे हैंद. तस सरस मेश अ तर्वेचेश तर. मुंच वंश की. रवे अंध प्रंथी हे हैवे करे. खेलर की.रबे.पांच श परंटा पूर बेंट कुर मूच हिंभव बी.तब्ध.बंबा मेंपा. मं अ के अ र ज्ञ में ' जु र ' जब मार हे ' दें र के व में ' अंगल र ने ' क्षेट हे ' ' ' ' ' ' नकुर नहेन नेव देना त.भ.न हेंद्र वे.ज्.हेंद्र देना है. ५२ व वस नेवर नेवस तर प्रव विरयः हा दिते के क्रि पहें पर व प्रव गुवारे द खिर के दें लामब्राम्य मान्द्र मुं छे न म्हम्य है। अ अति हे र्म् म्ह मेर मुद्र मेर मुद्र मारे पद्भव याम्रवल द्वार्ट । अन्तर्वल देव द्रान्त् द्वाल देखिया स्विर मब्रे.रंट मश्यातामध्य वयाकील क्षम में.रंगयानध्य म लुवान रंटा। है. चनानु स्वर्हे हे मूर् नुद दनह चार दार है । पर लिक है । पर लिक ना निह । पर क्षद्रवरा न्ने श्वेर स्पन्तु त्ययान्वद वस्तर उद्द्रम् पर्वस्या क्षेद्रसा गुद न्वात में द्राप्ति व व्याप कुद बुवाय क्षेत्र मारे ब्रेस् कवाय मार ह स चुर दर क्ष्य पर्वे प्राप्त थ अव र प्या र्ट , ब्रिट , ब्रिट , ब्रिट , व्या हे , तर्भामराम्बेम्य हे हे स्था मकुर् होत्य द्य पश्चर् मार्टा गुद्रिपार म् बि. एवं रेट त्यक्य हे अक्र्यांची पर्यातालय हिर विट हे हि हु हि या सा रविराष्ट्रियाताब्वायाव्यावाहितावास्यायात्राहराच्यावाह्या

सर्व (स 107 म) धर नेय धरा सावन हिंद पुर र्णु पर्केश या ईवि है। में है अंबर ल चल्ल य द्रा | दे वर्षेत् क न्य प्र अ चुल च हे शिंच यर अर्घेट हे हुन या। मैं नम हिंद के यम बेद अ अहद धर। मिट हुट वियम मर महेव वस सु हव तर्स। । शुन्य त महन है 'मसस नहव सह हिन ८८। १२८ च्र भ ब्रम्ब है। पर महस्य व्यवस्य द्वार मुरा । हिल पर्से पाप्ट न्त्रय मन । महेद दय मन मु महीवय मय गुद न्नर मंत्र न्न महें य म हैं र्वें में । ।दे देश गुर द्वार में हरे खुन हु धुर देश देश मह्म त क ममी,रेट केंबे हबा में बोबन तह के धूर बीट कुब तू रेट रेंगे . चहुंश त क्षेथ्य ग्रेथ क्ष्य चर्त्र चन्न्य हे. ह्यां अर गीर ट्यांट. चांक्रा गβेश है । स्याहित अर्दे के किर ता सूर तक्ष्य। ट्या.तक्ष्य तात तक्ष्य ब्रुरं महेर पर विकास मुद्द र्मारं मंजुनक हे पुर हम हैर मेरे प्रमुख हु । इस तर चलेल वंश अटल केल हेल श. टर चलेर वे यत श्र. हैर हे अल विच यर पुरु द्या तरे अद् पद्य वैस वेंस परि द्य महिन द देस हो द महि दस मा अव अव में में विवय कर हैं नव यर यन् य दर। द्या पर्व य दे द्व प्रकारमान्त्र पद्धित क्रुंसल पर ब्रम्ल द्वार हैंद नेल ग्रैल पहेल हे.हेट टे... · तहित तथ भटका वस वर्ष हैव देश धर प्रसा दे वसाहे पर लिंद तर्ताम सूर् म मर मल्ल हे दे हिन केर ने हैं। ल'तह नव म'र्द । दें हुर व कुष मर्स् भ त्व प्रत्य कुषान्द मार्च महाम महि महि महि मार्च र महि सुव मालार ह कर रा । नाम ननानी ने न ना नने कि ए है के के न न न मुद्धिरा ८८. ले के नेथा यमधा श्री भ तूर मध्या मर मेशू। विश्व मधिय मा चरुल'चर सहर रें। विश्व स्वीय हैं भर् की से दिय तर्मात स्वास्य से वी तर पश्चित पार्टा देर्या मेल सहयार मेल पराप्त से हे प्या हित है तर तेया ट्रे.बंथ.पूर्.बेंट.कुवं स्थ.रट हेरे भावश्चेय तर श्रंट गुष्ट हि.ज

रिकृत् है। के रूट लेब पर्या स सं लें पु स सं (के 108 व) से पु लेस पु प दे पदन मिं वस हा पर पुंचे। अ में सु सु वे नेय मुते मक व के द रय ह मस्या पर पुर प विव'हे। वर्षे भूर इव प है पर मुद्रम प वि रूट। देव स्वित चन्द वंस द्या चर्च स इसस ग्रैस धर हिंद मु देस धर पुरा वंस स " हार सि क्षान गुनि गुन केन् तु महेन् म लेना केन् मी मन तु खुन हरा मीना " म्निव हे.चगर नहात्रे ल लाममेश लट देवातर महत्र म हेश में वेश स्वा दे अर खर में हेव त्रेल पुर धुनम लर। ।रेर में पर म नहन लम त्र्व व व न प प । १९०५ द महें प द्र गु म दे म दे व वे। ।देवह मक्षामि हिल हे देर दे वा अर् हे इसम देखित में नत राम ह हर म सुद चरा क्रे अकेर 5'स्व माक्रे अकेर 5! हेद हैद रिमेल रम्द रवनम मारे मदेव पास रेग म प्र अम प्र मर ख्व म वे दे होत नि दि स्व मर। इव वेंच मी चन्द्र या अद या वे इव वेंच मी चन्द्र यह। यद्य मुंच मी चन्द्र त अर.त है.सरस मैस में तथर तर। वैर.हैवस झ.तर्व रेट हर तथ नु अब लग ह। अर द्राप्तर महेंद्र स अर म अर द्राप्त सर महेंद्र सहे हेर। क्ष्याल महर्-र्ट हिंद म लट र्या मर हिंद महि सह सिर कुर के र् र महर्त " विद्रा नित् अर्दे हैं दिर में दे खर देर मेरा नर अ दे खर नर अरा केन महिम दस क्रमान्तर्दे चरादे 'महिमालसारखंबातर' सिन सम्बास नवम में स्ट्रियानस्य क्षरामाने सा इत्या के नेत् गुंकित मह्या महस्य महत् हे स परवा इ हर हिट पर्टावर या वहाल पर लया वही पर पर्वे पर कृ केर मक्त म दर श्रस्र दि पार भ्रावयान वितान प्रमा मलद में कद मृ प्यञ्चीत पह हला दे पार्वेद मु अहर दें। दि हर पार्व पह न्द म्राम्यायात्रार्द्रिक्ष्रव् व्याप्तक्ष्य न्द्रश्वाक्षर मे हे हिन पह्नायहर न्द्रमावि भव दे। । पहन पर प्रमान दे सं मान मा हिन

ट्रिया मक्कि मर ट्रियाब बारायत मनी देरमां म दस ह्या है कि है। । हे कि मार्थ । हिट सहर नियर महे मार्थ के हि यम मही सब सर क्ष्य में है कि मार्थ मार्य मार्थ म

नश्रम मादी विव भव विन म के इसम म न हिरी । इं दुनमार दे भेर त्युत्र मः बेन्नः मुद्दे स्टा । मुद्द ने ने ने स्वा विकास स्वा मह त्रुन हैं स्टेबा । विशवानित प्रस्य नेपाल अर्दे प्रतिश्वा । विव श्राम अव पार महामान मुहे रेम याके विहे हैं दूर इसस है तयन साम में मान मान मुल स्थल अ या हैं व मूट हिरामिल मूड किय मी हैं होयल। या अ ल खाड़े प हुन पु नित है। सुन केन नेमन नित त्युम ख्ना पर्ड तिन है। सुन द हैं। ह्यावे अर् ही। वेशव तथावे प्रिय वा। प्रध रवा केया अर्थ ता वेशवा म्ब्रिकायरामन् द्। हिंगानाक्ष्यर मध्य ग्रम् विषय के माले माले कुषागुकान्त्रस्यायक्षेत्रहे। इप्ति हुन् म हेन् म मानु हु महार दिन। ८६व द्वा द्वा व्यव्यविष्यं विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया कुषान्युषामते कुर रा । मन्न वन ने इ मिरे हुन मर हेन म १व र्षे व दे मामेदाने। वेनाय केदार्यते नासुद दे दे दान ने सुल मामेदारी कुरारे।। बेश मन्द्री । अन्य १६८ मन्द्र महि नव्य ४५ वट व प्रमा । विद्य चन्य छ । लिट में भिष्ठ में मुद्द के वे स्योबा म्लिन.रेंबावंबेशापवाचेव रचाश्रेषका की प्रबुटी दिवा ए एवं सूध. खन्य पर्ना बुद अर अर्बर पार रेचर रे चे व व कर रेर बिर वर् कर् स्रु, रेज्र थ. त. हेर तथर त.रंट । वेव स्ट ब क्ष वे तपुर रेचट रे वेथ वया क्र ब्रेट्रायर पंशित्याम स्पेश्या ट्राक्रेट (क्र. 1034) रेथटा। क्रिया प्रीध

न्युन् हेव देवल व लूट्य से.चीचंव कुट ट्रंब.ल.चवंच तर चंब्रेन.स.व हि..... मग्ने.स्न मह हे त.हूट.रे.जेर्य त.हेट जा टु.जय ट हेर सेन्य.बे.प्वेय मि.रेट ब्रैच.तपु सैनश.लूप बंश पिट में जिपेषु सैनश लुब तर विश्वेदश श्रीटा। गुद अप्टिव हाँ द केव प र्वान्त दे खिट नि मुन प में पहेल दल मुन नुत र "" विश्व प्रव दिल विश्व ८८. अथन में देश ह्वे व वेच वेच रच में पश्चित... त बंदू. ट्रूर बैंच तप क्षंचय. व ब्रुचय. तर पढ़ेर ट्री । चक्षेव तप्त. बंद व क्रू. इ.है. वश्य १८ में. तब्र त. हैट. तर हेल वा ल्. प्रें देश में या अर जिवस महेब तपु चेबब क्रे.ब्री निर्श्नेष, मंत्र पर्नेष पीट सब क्र्यंब रेटा न एवन्तर म मिन्न के बर् सका | निर्मेष नधुः भर् कु. ए जुनः न रहा । निर्मरः लेट व्य में हैं जान महें रहा । अहेर तमेश हमन तम ब्राम पहें । र्म्य परेनेय रि.पर्वे. रि पर्वे हो। । प्र. हिंद पर टे नेवय पर नेविंद्या । हैट ह गयें. र्यार स्.जया ।र्द्य हूट प्रेयेश प्त प्येर प्येरी ।य. यह है। अय बुयायह सर्मा हिय हैं मान्य यम न्युम्य यान् । विया कृत रदारिक निमानर। विराद्य स्रदानिक सर्वे पद दी। विराहे निक्रिया स्र प्रमुख्या विकास । द्विता ह्विट स्था स्थापन मार्ग्य विकास । दिनार प्रमुखः मुः मृंग्य वह्र प्या । मुः प्राप्ति के सं प्यर प्रवेश मु। । नुग्य करे वर पुः न्वयायर मन्ता ।देष्ट्राये विष्या हुमा प्रमा । प्रमा नाहित नाहित विषया मु मेर्ट ८ ह् अस ८८. । शिय. ट्राय. ८ हम ८ दाल. में में या दे असी । हैं हैं द. चर रे.चेदअतार चबुरी रि.लट कि.चचै.संबे.चर्थे.लबा कि.चचै रेट. इत् र्या. तक्षात्ता । दे. तबुव . योष्ठेश तर हीर अ प्रा । विश्वभाग ल दे. कुर-बिनयन्। । छा-नेयाविट-कर-लिख-मञ्ज्या । दे-दय-सः प्रका नश्चम 네 | 토래·디즈·취래·조미·취드·셔트리·ブ드·| | 현대(회, 100 리) 남학생, 다짐다. नान्द्रराष्ट्रवानस्या । श्रिमायहार्यया । निवयासम् न्युल ला । अर्दे व सर् हे त्रुल न इसला । ह्रेंद्रा सर नु त्रुट नश्दा। जिट _{मी} जुड़े <mark>नाबिश टे.</mark> नामिश । । महित हित्सी व घण। । रत हिट के नाथ र्वस स महिनाय हा । सि हीं द इत स स से द नहीं होता । हनाय रस तहें द हते सिंद्र मलेता । ते सम मल्द इसम न्में स्य म हदा । ए हैं न त्र स म्बर धर बुद्र । विश्व मुशुद्र या थूर री । दे द्रम त्र्य शुल्य मध्य पदि मुबे सदस क्षेत्र ग्री'तिविद्य विते देश मदस दता। त्रित श्रेत्र देश मदस वार्त्र य दे नासर हैद में मामल य दन मेल सहद यह मझद हैल में भेग क तु स लक्ष्मिंद तु कुद यर मुहें। १९६२ चहुन य नान स में नान स गु मकस्य तहेन गुर। पञ्चा यान्त्रमार्दिन ग्रेन् हे हून न्य पर सामा ह्या या सन् सेन् ५८। यसम्मु ह निर्मानिक निर्मान सेव बुम स बुम ५८। ३व विस मु इन्ब न्द क स्नाय हिल महीद तहेद य लेंद् केद लें हैं य मेंद ही। देश र्देव की नमन निः मुल व सर्दे से मुलेर हिन्दा सालला सनल कुरु सु हव व्यन्य श्री तर्ता । इस मिन विषय मान स्थान मान स्थान श्चेत सद् दे हो । जिंद व व सु द तदत पर हेंदा । वदव कुव पर्स स्व प्रथम के विष्या । ने प्रवेद प्रमेपय पहन परि मा। विस्य ठव इसस त वन परे हिरा । पर्ने प प इस या झूर के ना बिस प्राप्त स प र । ह त्यूर भेद महीव इस पर म्मेंद महे कुंद लया विसस ठव गुव में केंग्य केव मा । है : श्रेन देश पर जावन हे : श्रेन। । यह स क्षेत्र ह्या म कुव के तकना। म्लाप्त क्रमण विषय मान्या । देन मानुस्य प्रस्य हिन री ।

मु ब्रेन बेट में उद द स महित मुस्त मुंद मुद्द स्थय सुत्र हेद मुद्द में पहें प्रमा मुद्द में प्रमा मुद्द

इं. हे. १ थ थ थ थ थ प्याप तथा मि. प्याप कि तमी तारी है ता प्र हैत रे. लेव व इं. हे. ... चल्वाब है। वह अह चहना नेश हैंय च लेश स्वाय चन्द चरे हुंस चैता प्रवास के व है। पहुंच हॅर प्राच्या र्ष्य चै रखेल स प्रवास सहर म लाय दे हिर नु मन् मारे छेर। हुँद मारे कुद गुर लाग द है है दर गुन नु'पान में 'र्भेगल कुरा'प हुल पर पायल हे हैं से देल दे' हिर पन् प पर। ख्या व हें हे नियम यभिन यह किन शब केंद्र यस यसम यह यह यह यह या र्वार वासर हर वहेर त बोरेट तह हैं अ स्वेश रवेंद वह हैर हो । देश रब्र कुर वे छूट स उव रु'हें हे लकट य पहरे र्पट धुन ने हल पड़्द " त सेन व रू.ह हैर ज़ैल जेव रे.च बट स ज स्वेच ल वेट केंच अथल रेतार.. हर मं दियस कुल नहां न परेन तह हर पर्स न कुर हो। श्रेन रेत्र ने न्नार हैट मूर स्थाप उग्रेश तर क्षा दे नाया घर घर घर घर हैर है। । है लया । ने. ते व अ केंट. ट्र. ड्र. आंगर ४ म्. इ अया । हे. व हेय लव खेल नेय. निहत्त लवा । वहन व नहिंग व में हैं ने हैं ने ये हैं। । दूर रिवर हैं कुर ह्याच वजद म नदा । वस्याकृतातहर नवायाम्यायायाय हुटाचराहिला । क्षात्व मान्यात कुर्येष्ट्र मान्यात कुर्येष्ट्र मान्या के कुर्येष सर बुप्य मान्या कुर्या निरामानित यारेकामध्य या नियमान प्रति कर्षेत्र वर कुन किना किना पवट. मूच पहेंच त हे. चे. थट होटा। राज प्रयट. प्रीत. तपु. केंटे. अय। तरे थे हिन सर हेन स्था । नवन नन सर्प स स सेन देवा । नन्न हेन प्ततः ह्वेन श्च. पर: चेरा विक नयुर्य स हरा चुर्(के 110 म) हेंद्रसः च्यावित चर्म्यायर चर्चर ताझ्यंबाख्र्रातालव। वे वेचाअ केराध्यंवर ह्या है, हे, ज्या, श्र. स्वाय स्फार ट्रेंट अ.स्मय ग्रेश हे हु, पर स स्मय देश. ये... है पार्ट है बालव में देश मुखानी दे ल ता पा बावर समें मु बढ़े सबा पार चन्द्र संद्रा द्वेत्रय में हिते हातते कुत् चन्न य नहित य दे नामहित नित् वित म् हे हैं दे प्र पहें से प्र एवं प परदासदि प नित । नित के 어느 선생 육.건강 튀스 붉는 전네.다오.네항의 다 몇성 회에 뭐.다 다크는 덫성 ... त ८६४ रता ही श्रीतात्र से हे हे हे रेगल से द ८६४ रता याना माना इ.. 다양 회스 너서 청다 되고, 문어 날, 정도 너는 이 집 현다 ろ는 경사, 다음 다양, 어음.. ितर अहर त सूर्यंत्र अञ्चर त्रम स्। । ग्रेंच ग्रेट पंतर पर्या केश तर रूप पर हिरा हिर्म परिन हर नियर केद महेद म दी। । एद रेट हिर्मर स किर. वेत.त. भरी । किंव.त च.र रे ये किर वेशर पह परेव च.र स अभ देते हुव पर रेल प कळव पाल्व रु पङ्गद प ठवा पेव पति धुर घवल ठर " गुट हुन व यं दे निबद्ध वरि वन्न यं हिन नु निहें। य कुन व अळव व नेश्राचारितात पत्र दे. दे. क्ष्य प क्रिंट नेश्राप्त नेश्राप्त क्षा दे. हे क्ष दे ख्राप्त हैं है ल कुरायहर हैट नयट यसूर यह अळव 5 है। पन म् अप्याप्त महीर हिर्म म्हर म मिलर रे पित मर मन् म र म मुर ला कु.च.चंबट.चट्च रेंद्र ग्रैंब.चर्च तर वंबेट्य प्र श्रुहें हैं है . हे हैंद च्राम्चान नवद च्राम्बन्याचेद नियदान्य ने बैंज च उत्तर बुन हैं हिय .. नह हिरारी दिन्दरान्यत केव समय है नहेव न वे नवसानिक नु बुन बूद व र्यम्य सुद् रेद यर मद्य मेद। पुर धर इत वर्षेर सेरे कुर इवस वस'नुतर बुच म बेन्'यर मृद्य यर (लै 111 व्) मृतुर्य हैं। अम्तर'त्र्र्य मु अळ अला नेल रम मुद्दे रम मुद्द हेरा। ।रद में रदः मले व हमा हुः मंदेश निट कित. त्रे पंत की. पूर इस देशल थी । श एह ते. त्रे. एसट हुंस ८ में. म। । मन्नात्राम मने म मिल्य दे वे। । माल्य दु विम प्रम प्रम माना

बेश प्रस्टिश हो।

१ २ २ ३ ३ ५ देवद है सूर्त तु। तु खु तु स स्टब रहा । गुद हुँ र कूर रह सद दः

रदःर्वे हिंद क्व में अद तु रेंस म र्व वेस अद्दे केव स भेव हैं बेस " महिन्य वा मालेंव स सल केर हो केव में है मान गुन हे हिन सर गुर हिरा म्बर यर देश मण्दे देंद श लेंचा धर मह्न्य स सर रु मुस ला। दे के बंब देव श्रेंच व चबर हा बेब चब जिर चनिष दूर व चन्त चहन दर. न्दा क्षेत्र नाके सन्दा स्वत् सुमहन यन्दा यन्न केन्न सम् म्बे ए फॅटर सु मञ्जान धरा द्वो २५ द से सिंह ही में इसस ही केंस दूर छिट प्रिय गुँच प्रस्त साथ से सबुद सर बेट बेट सर गुर हे सर् ९५ँद ' " तायत झे क्रवांब खे बीर कुट ट्वा.यड्अ त ईवल कुथ बीट इट त खेर थ पर्मा ने'न्य ने'म व न्ये'श्चर द्या ग्रैस नेस स्। ।नेति हेस सुन्ये'श्चर या'बेस मु'पर्य'णुर नबि'ए'पञ्चन्य धल श्चर यर द्वे त्र्व में ईर् य केर'' मञ्जिद्द्र स्था केद या श्रम वद्द्र मिं ही या नद्द्र यह दे या अर यगूर. न हैं हैं नहें हैं न नहें र जैया और श्लेन अधेर नहें देख ने नय जैर नहें स्निञ्चन्तरहेर्इन् म कु'केर्ममञ्जिन्यत इन्तर हेरमानवेर्मान्न गुन्ररेस रा मुका मुका व व व व व र प्रमुद्द पुरा है। ।दे । यव मुका या व र प्रमुद्द है। है। य वर्द्द प्रमान्यते विकर्षे प्रमा वर्ष्ट्र वृत्तर प्रमान्य देर प्रमान ८ है ना हे न १८ न १ है। । यह ने न म श्रायह है यह है यह है। क्ष प्ना तर्व सम केव या । निष्णु य प्र दें शुर हो। । स हैं व हे 본 꽃의 집는 등 | 의도 젖쇠 빛의 스러도 됐다.의.스트 | 1호와.디소 링·층.최. पर हो । विशव, १८ मूर, तर, श्री. प. लुवा । विष दुर, क्षा. पवं बार हत्य अद्रान्त्वा । नहींना लेना निर केद्रान्द्या नहेंद्र सा । व क्रेन्या दे द्रार हिन पता | विषया स ते. के. ई. देशव है। विष कुर पर्वेर. प. देश प विश्व । लिल, रूप श्रेम रेम्बे, में निर्मा (क्र. 115 म) मुना वि. रेम इंस. स. म. में में में निविद्या | विवास क्षेत्र लेव. ब्रिटा। प्रदे स्माय क. तपु क्षे. तपु सिट्य टेट । दे लिय मुन हिल स्वाय है म इसम में तर्दर हिल से तर म सर सर में तर्दर मर्गेंद्र म वे बसल कर लेंद्र हैं। हैंद्र के लिवल हेर रें। हिमस लेंबल स स्वाल र्व पर्व ह.पचै,८८। ।पर्व त.पर्व,पचै चैप,त्र.प.वृष्ट्रया हिन्स के ब त चर्नार पश्चिम्बर है। ह्वेर पश्चिम । क्षि. जेर प्लॉर दे. चर्नार । पश्चिम वासुक धर बहर्। १देवे के तथवाय ध है पय मिन बेस मु प मद रु देस त अधर हुव त बाद्व. त्र. बीर पषु रेवा वाद्व त क वाबी. रेट । व खे छ थे. ल स्वेश तप् वर्षे व पाषु वर्षे वर्षे देशक रेट । वेट केंच शुश्य रेत्र कि वर्षे इसस ग्राट केल च्राम द्वीत च्राता वि.केट लेल टे इ.केट के पेर्य जन किट वेबर.रे. नबुटस न प नबेबिय बे.बेस्प बुट. नधुँ व चर्चे र हो। होस न नक्र. न में टे. मू. येश थ २८ मू. भुंध श्र अथ. जिट न में व मु अर् अथ। में जिल स. केव स्.विरं,ग्रीयः रस लेवां चेश्च भ पर्यः प्रचीर ग्रीय प्रत्यं ग्रीट सः रल प हाः... लम नु सर्वेद व मृद भैव'य दे दे'दे'हैं द ग्री वसूव ध से'वर्ड विकुद दु'ग्रीव " यर गुरागुराइकाधरार्में साथ रस दे रस दर प्रापर के दुस दे रेहे हैं केंस क्षयं है। बिंस तप जिंद नेस ने में नियं में ए क्र मूर्य त ईस तर मन्द्रित्रित प्राप्ति प्रमुख्याय प्राप्ता देते के तित्व प्रवस् वद के चेर चर्नेद्। अर्दे हैं 'द्र अर्दे य हर के चेर अ शेर्द य इस गुर क्षे नेर मर्पेर्। मर्पेर सहस्रस्य सर्ग हर मुस्सा । तर समस्य ए के म इक्क गुर तर् भर तर्र पालय स्थान्त्य गु अपया प्रा निय में या है । यह रहे.रेजूब तर.मी.ल व बुंब.वे.तह बंध्य पर्व विट.टे.टे.हेर वर्षार वर्षा.... वर्षेत्रत घहरे.तर पढ़िर है। । तबाहु.पर्दे व. देशका पर्वेट त सैपया वर्षेष महे त्रीय मही ।(क्र. 113 व)

हुंदु.चच पिचंत्र.हुंदेर चर्च चा हो चे चंच हैं दें चंच हैं.रेनुं.चर्। । संचय चलुं त कं.रचेंट क्रेंट बर्ध चच पिचंत्र चर्चेट त ल च्रेशा केंटे.

न्द माल माहिया सर्ग्रामहा स्यापन्ति।।

प्रियाम कुषायर प्रमुद्र प्रकृत्। कुषायान्त्र प्रकृत। रेणः

न्द्रम् । व्याप्त व्यापत व्

ब्रे. क्रेंडे. तार ट. त्रीट. ह्यो. ताषु. इ. क्र्य १२ वे. ब्रुजाज्य ४८ ब. ता. बट स. क्या. व्या. व्या.

घमल ठर ग्रे ही बेल लिंद लिंद में मुंद में ही दियल मार्दे मिले में में में मुंद " में चवट त्या अंदर विटल्स वायल अ स्वाच तर में रेट अ में ये प्रील रिवृर में अष्ट हर यर सर राया रिवृर रिय वश्य वर्ष व वस वर्ष तर मिट किन तप इ.सर बेंब मुन्न मीन तप हूर चेनावा वट बातावर्थ क ... निश्र पर्द (क्षे 113 म) देवू तथा मी भी रियोग रहार में र अरे रा प्रथम में अभी वित तर रेस से रह पड़िय कीय बैट तर बहर त है। दरे हैर क्र में ह खब खन क्रम क्रमान प स. लब ब रही दता. हैंद ता. इ.हेर में बूद बे से पा श्रीह . क्ष्रि हिंद में कि राज क्षेट बीच हैं यह निया या दिवालय बाद्द वार यहाँद या नीट ''' त्राट का अष्टुल हूं। । व्रैट कर. केंचे त्राच्यूट तर अष्ट हूं चेल सेंथ। ।रट. ब्रूट लिंदर ल देंच चलें अश्व हेंद दर। हिंग्य य छेद में हर हिंग रह. अक्षर भना । तर्य सह मसुद नेय कुर के तकर 5 समा। । महिल स महित मु इसम में हम बर'रट इट लटल मुं'दे। केंब मुरे द्विटय लग मेंबे इट के नेय केव घंदे सूर कर रत हुत वदे नव्य द्व युव सून पं वर्णे पर। हूँचे.त र्वाय राजय, १८ में विष्य पट्ना हूं हुं एकट अक्ट टेगु नायण हूं नेय . न्द शन्न मुं मुं य न्द चल पर लिंद ला नुष पदी सहस य हैन तयं रिगुर दत युल परे पर र्'क्ष रद पढ़ित हैं पुत्र म केत में पहेंद स वस्त " उन् कु केट हा लाद नव मह नक्दल म केन केट केन रद अकद लख तन्य. नह विश्व विश्व देश विश्व केष श्रुष कर दे वर्च वर अहर हे बरिल वि पर्वे B 도 근 수도 다 저 여러 '다지 저 다중 다 축제저 퀸 휠 도 땅이 이저 끄다 아무지 다도 " मलेबाब हा । विवाय हुए बालव किंद हवाय लिए विद चड़िवाय थी। किंद मा इस स्यावतान्तर मुख्य व स्वाय। । निर्वेद्य व पर्ने न्द एक निर्द र्ख्य हैं ने ने अ विषय में हे न म किए क्या क्ष्म ल हें वे निष्ठ द्रा प्रमानित. मु द्वार थ जर द्वा पर व्याय हेरे दार वेया व पहरे द्वार धुन द्वार गुःन्बद इत् र्। रप्प द हुन मः पर्म मा नर रुः अहद हन्ता हुरः देव में केंब पकुर मा बुग हु पदे प रवा प्रद व व रव युग म हे रेत सह ब्रिट विद्यानम्बर हिंद में किट से पड़िनाय प इस्त स् हैं द म (कें 114 व) ने महीव नानेनाय म रेनाय सिरे कुल म इस म स्या स्व हैन महि लिंदर क्षश्र प वत श्रेष्ट रियट मुख्य पश्चर प्रश्न प्रश्न प्री कुर हैं न्य हे रहा इंद रे. अटश क्रेब खा । दे. बंब ने बंद हें वे वे खे. च. खेल चल हें वे. च बेने ल हे हुन हे 'न्ब्रिस प मन्ते नशुर पर तकन्यते हल हुन नेव बर प्यर ... ञ्चर विषया ग्री होना पार क्रूम ही चीला क्रम ग्री काला नाव वाह रहिर इस्स ल " मझ्दायर वहर है। १०१० ००० हल हुन दे। मु दिर यर प्रत्या क्षेत्र सः नवेदय गर्हेन। बुद वेस एर ग्वेग्सा ब्राय के नवे। रुट ग हा । दे. क. स. रेच हैं ट. रे पर्ध महित्या । हैं व त. रेच चूस जम है वस ह्या स् ह्या । ने दार्श्वास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रे विद्यार्थे । विद्यार्थे । विद्यार्थे । विद्यार्थे । विद्यार्थे । देनम हुन ने नवस इसस सु सुद सिट पठत न दिरे हुँद य हुन हुँ स है। दे न्य मेशायनित वे.मेर्नास्त्रां तार्ट में र्ययर प्र क्षेत्र प्र वे क्षेत्र मु खेन पर क्र में अवत प्रम प पहुर हैंदा हैं पर अहर हैं। । नवर प दे न्नानी के दन्ना में तिहना मा हैन नित्त में स्नाय नहत है मार्न मा कर देवस मुंदर निवा हे. रे. बंध दे वर देंद वया हि. व्यु रे विका धूर हैंय वर महर्म म्यायानात्रत्वावीत्रावित्रम्य स न्यनानु सेन्या हेन् सराम्सन्यः" स्। निव्दः अपु. नवं स से. अटस मैन. एति. नपु. रूवा । कून अवेव प्रटस भ्यावितातप्र, द्या पहर्वाला । ला. इता हुव. र हु वि. क्रिंग विश्वा विष्टा । भे बहेर् वा सम्बद्धान्य वा मुं अर्क्षमा म् उटा का देवा मुं हिन केवा हु प्रदेव ''' हैं द द स्व के सार के सार के सार के स्व के

सकेश हुट स्टाप्त चार चर्या तांचे चीर कुंच पहेंचार सालव दें। ।

विकार प्राप्त प्रमाण चर्या विवास कुंच पहुंच पहेंचार सालव प्रमाण चर्या चर्या प्रमाण च

 महिनाम रेगालहेद यह प्रमुद्द मन्द्र स्था । ऑप्स के अपने के महिन महिन स्था महिना का है से स्थाना

प्रत्यं मुरा । ह्यायाय के व्यक्ष माने। हैं स्त्रित् । अस्य स्वाधित के व्यक्ष माने। हैं स्त्रित के व्यक्ष स्वाधित स्

कृर. देव बेब बबे. खेरा जिला ग्रीय. क. बेट चर्ना हुरे हेरा जिले देव. हेर.

अविदे, तर द्वं हं अथस टेत्य कैपा बेट्या है। विषय ग्री, टेट्ट टाभीर बुट भर्गा, प्रविद्वा प्रति हैं प्रविद्वा प्या प्रविद्वा प्

न्य वेष तथ केषु विषय से स्टर्ग दे विषय है तथा है तथा है विषय है। के विषय वेष त्त्रीय क्ष मेर मे मेप त्र देश का मू .बाद बंब क्र.तं. २ ४ ६ अष्ट .पंजेश टे..... र्विय ७ बैर्चय क्र.चंबट.चट्च.श्रैष.चप्ट.टट.च.बुर्च.चुय स्रथस हेच.२२४ क्र.चे. द्वैं पु 'प्यस्याने 'ब्राय'पु 'श्रेप'द्यस्य स्वय'स्रि खुन्याम् मस्त्रः सद्यास्य मस्य मापु नयाः दस हैं.पूरे जनरान द्वेच विचय चेर महैशयतमा वि.रेथ हचय न दे.सथ. बॅरि बुनाब ना व ब नाबेर कु हैं है । है रनु 'दें ५ रन दर म दिन कु है । दें ५ र र वस्यामान केरे क्रुन् लामानर्वे सहित् पालेव नु क्रुंव याने वे से सब तन्य **** मह के अक्रम शिल में निविद्यार है हैं। श्रम् लिट हम अंशव बहर दे वृष वयःर्वटःवश्चर ह्वव व क्रव च्रुः क्वरःववश्वत द्वाः द्वः इ.चबुरु वर्षे र र र र प्राप्त में वर्षे वर्ष तहम न्याया मेल महिद समाया मुलाळ या हमसाया हस देस देस यरा यम्या । अवर मूर्त् अरे बत् यर हिन्छुदः नुः वैत सरे के श्चिमः न्यें व केव म् । प्रमानिक विषेत्र विष्यु । प्रमानिक विष्यु । स्वायः विष्यु मु बर २। है.व.वे.२। च.क.ल हे.इस.तर ब्र.ब्रु.चेल.कत रे ट्वर. चल्लर चह वर्षाहे सर्वापर चचता श्वापार्चे के वाचा चत्रु लार स्व गुरा न्द्रं तु भू भेट ज हा अर पहें के हर। नितर र म दे हि ले में में न्द षदः सहसाद्वावृद्यायक्व हेन् सुदः पुः चूल महे हुलामहूदः द्व रहेः 다. 명소 전·美·통상 취심 어느 소.다 등·정신·건, 여덟, 너성, 숙소 외로신 용다 신. 음. 너희. ह्र्यं में तिब्धा कर्ति हिंदा हुन ह्रियं स्थान क्षेत्र ति ह्रा तिव्य प्राप्त हिंदा ति मेव दे।

स्थ बुटा। ट्रान्तायिटा किया अथय ट्राप्ट क्षा प्रह्व क्षा प्राप्ट प्रस्त केय कुर क्षा प्राप्ट क्षा बुटा । विद्र क्षा प्राप्ट क्षा विद्र क्षा प्राप्ट क्षा विद्र क्षा क्षा कुर क्षा विद्र क्षा प्राप्ट क्षा विद्र क्षा विद्र

वियान्तर्ना-ह्नाका हैना मा हेराना क्षेत्र निर्मान्ति हमा मा सह के क्षेत्र हैं
स्वान्त्र मा स्वान्त्र स्वान्त्र मा स्वान्त्र स्वान्

वृद्ध इत ह्य प्रमाधित राम्या स्वाप्त हित रा श्रम है है । निवस निवस ट प्रमेव हरानिय तरु नियर पर में विषय कर प्रम है स्य अर्हन श्रुट । यु कुल रहन दा न्यूर श्रुव सर अर्त न्यूर । श्रेवः म. म्र. म्याय याया स्वा के वि दूर्मे दे अ के न्याय मान्य मान्य मान्य । वार्ट क्रेच हेर वार्कार्द है। अर्दे रव्वेट्स एर्स प्रेसिंड वार्कास वार्कार विदः हा । हे.र्न इति स् व्राञ्च व्ययः स्वः मुला । छः नेरः चलू द व स्रायः ल इल गुन सना । दे दे रेग लहेद पर के प्यकुर पर्वा । दे हर नमर पन्न नेव (के 116 प) न्युट्य पटि हेन प अदर न्य शेव प हैं 'ज़ॅब दाय' हिंद गुँच पोन्न गुँ हो पान पन पन हैं हैं हिंद बन के ग्रेन मेंच देव देव बागत. ल न्यूंटल महे इल मनुव गुनासन सा । ने ल न्यूंटल महे इल मनुव दे। नेश्र में वित्त ति प्रवि नेषि सेश क्ष्मिय पर नेमें त्य पा में हिंस बिन अस ह्मेस.त.के.सेव सेथ.क्रचंस तर.टब्रंटस ता रव स.क.र्त्र क्रचंस.तप्ट.ह्मेंश धे. हूरे. स् अष्टर. तपुरस्य त। वस स्रोतर प्रवेट तथुस स पहना तस मेहेर. नवियान्तरान्तर्नात्या मा अन्तरामातरत्र्रा द्वाय हो भेव ही ही दर् हिन पन महिर श्रुद हिन् पर ठन नु निमंदन या क्रम पर्म कुल पर है: लयं उव निम्दं माल रम हैं वृष में ल नुष अहस नु निर्मा मा क्षे प्रवास 라는 명점성 성 너 비로석나 됐네서 웹다.다양성 다о트 난 당로,난고,화성,석큐다.... माल न्वित्य माइत्रमार्थे। १नेप्ना वे केयान्व स स्य मामन्य के मुक्ता नु किर पल देन रहेव पर्दे पर्के पर्वेश विहा ।

पड़ नचुर। ।लट.कूच यमथ.भुट.इश तर.ट्रेड हेचेल देश । जी.जी.से.ह. पश्चा ।चेल च हः ज श्वल लेल पर्टेड सर.हे। ।तित.हर थी.टट.२ई.जु. स्वायालयानकिट दु.ररा दिवट क्रियाल बेट में केट है अ पया ए दे पहे. ब्ब के स्नूट ब्या । यि वे च कु . प्ट च छ प हिला वा । १६ जावल पासुक पु च जाल न.क्षा विक्रेय तपु.कुट मू.टभ.त.बुच विह्य ग्रीट चेर में हेवेथ अक्सर मु। विष्यः सं: बेस समाय सामा । सम्म द्रमस केद संह समुस द्रम चहा । ज्ञास्त चह चर्च च्य झूट चर त्युरा । ब्रिस म्सुटस मार्ट अधुद मन। वाया परि पर्वाप्य रेवाय उद स्थान क्य प्रमुद्दा देवे के देवे. ਰੈਰ ਡੋਧਕ ਗੁੈ'ਕੋਟ ਧ'ਮਕ'ਕ ਨੇਂ 'रहे ਗੁੰਘ ਹੈ' ਵੰ: ਘ ਝੁੱਕ ਫੇਕ (ਕ੍ਰੇ. 112 ਰੇ) ਵ੍... वकराम महुव क्षेत्राहै। है स्निन् हा सु मासुट खुनाल हुनाल वेस म नटा। हर कुर ब्रेचेव पथ पपथ त रेट । ।कूथ ग्रे पस्. प वेश त.रेट । । बेर ही थ. न्सायर पञ्चन्य म न्दा। । सक्दिन म केवार्या मुख्य म न्दा। । देव केव कर र्ने नियम् मार्थः में वार्यः क्षेत्रः सार्थः प्रदेशः विष्यः पर्देशः विषयः पर्देशः विषयः न्द अध्वापर र्षेता अर छना देर के मि हि नद म हेर। दे त महेव हे मुन בוים יחים אבן יחשרים שביצון קיף בי של מיצוים השקיייי मु विषय प्रवाद्वया प्रवास मा है है अवस प्रात्त विष कर्षेट में लेडे. 교수 회트네 올 다뤘다와.다자.夫.토.왕회작. 스디랑.에너 회트네.에도 취소 취소..... पञ्चित्रदेशः चैतः सः स्वित्यः यात्र वात्रः यद्वाः यत्वाः वात्रः व्या मझ्व हिं द्वाद मञ्जर कुर मन्द्र मन देव हैं नवाववार वार हैन हिन्दा कर है गुःगु द्वः । अङ्कः द्वः श्रीः भ्रः द्वः श्रीम्बः स प्रमुदः दे दिः दरः पर्दे । दिः दृदः नुसामहात्याचे कुत्रमे पास्त्रादी । ति र हु से पुनित ने रे र तमर। । व नु श्रम् श्रीत मे द्राया कथा है। । श्रीम्यापमा द्रमा सुरायया मेताया है। स्रा । इ'व'र्ग'र्र-र्मार'म्हें हे'सा हे'हे'असस'र्मसम्बद्धारमाहे के'मेर' मर्गेरा ।माबवरर् माबवरवं मासुटरमाके मामटा है। ।दे र्म माट बन हुवर िट. पश्चर, पाड़े। 1टे.रचा.रट. देश अक्टलातर है किराई. वर्षात्रास्त्राया मामिरि कु द इस रे में पु निर उद दर परि परि कल पु पार मिरि कुर् क्यमं रुर विंद् वे रे रत्यर परि हेर प्याय। ल वु में पूरे कुर् क्यम लम्हि खुल र् मुन्य या के मा लि ही द र हो ने य वस रद वक्य हे दूर य खु चनन। अन्तरदेश मन् इति न लाहे सानि कुर इसन गुराबुन धुनन क्ष है लादि द्वे प्वना इन्द में किर श्रेय नर्यद केद या न्वार प्रय हैं है ल हैं गर हे सेवस (कें। 117 म) नमस नहस सु नसुदस मेह के नेर मर्गन धर सहन ट्रं ब्रेस प्रमुद्धाः । युवायि देश त्र क्षेत्र प्रमुख्या हिस प्रमुख्या । र्खन्य न्वित प्र म्वित प्रम् वस पुर मादे केय अर मय म्यर स्नय गुै गुँप क्रे.फ. अर्थर .सूर. ता अपूर्व | रि.रंचा हु चार वर्षा चेश्व वर्षा चेश्व है सूच म्। सं । पहेर हे. इ. पर. पर्केर तथ. यर. यथ. केर. विर. पर्केर. तथ. विर. । ह्रेच'रुटेंश.रेचट बुध क्रुबे.त.ह.क्रेटे चा ।रट.चबुबे.हूबस.त.क्र.पथ. त्र्वाराह्। दिन्हरत्र्वाच स्वतः प्रवादिः इसायर हेन्। या स्वतः प्रवादाः त्त्व परि'न्पर मैन क्र में दिन्द में निर्मेर में न्द से प्राप्त में कि है ने पर सूद " पानिप्तावनमारु रहामदीव हिन्य पाकेवायि प्रमुव परिष्वेवाळप्यायमा प्रत्य या है। नियान्वरायह हैट में Mal है। निरान्व है प्रत्य है। कैटा द्वितास पढे.पीर में.रट.सेपीयाता विश्वट.पध हेट.स्.पस.एल्स. हे। |बुब.चंब्रटस.त.चंब्रद्भा |चेश्रव त सैंच.ईर्ड चत.लचंबर.ते.संच.रे. तन्त्री श्रीतः हे. हुन पश्चन मेटा नवट पर्ना पहेंगा । अपर. ल्बॅर'न्हेर'न्ह्र अळ्ट हेब स्कायर'स्वा ।श्चित्र'ट्वंद चकुर'ण्वेत्र'द्वंदः मर्व दर्ने दस महे है। । तस मु दिन अस हुँ स स सर निहा 1799 प्टीब.तथर.तथब.श्चित.ट्राच. छव. त्राप्ता । श्चित तथु. र्च द्वा वी योवया. หัๆ พิสาทุสะ อาหลัก ที่เราในเราะสมาก ยูะ เราิยสาที เลียาลำรับ

तमर मर हूँ व मान्यम केव गुवाम मर हैं है से सब नमत हैं मान्य। रहा ਰੂਵ ਡੇ·ਲਡੱਗਾਤੇ·ਤੁ·ਗਾਬ਼ਿੱ'ਕੋਨੇ ਰਹੁੰਘਾਨਕਿਨਾਤੁ·ਧਰੇਵਕ ਰਕਾਨਕਿਨ ਨਵਾਨੇਗਾਂ' में इसातर केंद्र ना क्ष्म पार्च रहें में हिना सर्वत से देन पास्त्र मा हिन में ना हिना में इस. हेर. इं. इप रट. अंस. हे. इता. त है. रटा। है. ते व वे. व वे. व वे व वे. व वे व ० दुवः परे क्रिकु प्राप्त । क्रिका क्रुनः पद्र। पद सन क्रिके क्रुपः खन्य दमन 美·론·조저·현저·지다·홍도·조저·日·도면리 도현대·대주도 현·국도 등 및도 다도 저도도 5.बिट कि.लट.शहरे.वंब.श्विष्ठ, प्रज्ञान क्या के.ल वे देव. ब्वै'न्द ग्रे'न्यामी गुन्द्रमास ब्रे'न्यारेन्यां केरे ब्रेंस संस्ट पर्याक्षे सक्त । हेब्रामदे छेद्रामहेन्य परे एवं परन्तर मेर्प्य पुरायरे नव्य क्ष्य सुरक्ष पा दमादिनानी के दिनात है दि नार विवाद में में प्रति है नार में प्रति है में प्रति में प्रति में प्रति में प्रति में रत्युत् युवायावहेषावरे रेगातहेदाळेद वाह्य वात्यु लव बहुर्या हाया व महिनाबापरे श्विमान्यवाचकुन कुषानुषातावाचन समामानेवाहे हातसुरा त्युं अ'लय'ग्रुं'न्वर'र्अ'ळेब'हहअ'न्वल'चत्रेब'म्बेडेव'ल'क्षेन्व'ग्रुं'क्वेंब'चु'''' ब्रायाद्रियातहर् पार्किताल ब्रिकाताक्रमात्राह्य मिन्ताहर तहवात्यावारा म्भिन्दिते म्मिन्या संग्राया संग्रीते प्रमात प्रमात सुपापते हुता सहन् न्दाक्षाम् क्षेत्रायके में त्वदार्वेता ने न्याभाम् सुदार्वे हे त्य मान्या में स् बि.पप्ट.क्ष.पर्वेष.क्षट.श्रेय.त.भद्दं.तय.श्रूय.रंग्यं श्रू.स्य.प्य.गेट.निय.... मिट ब्रुचःयदिः में 'रेवट' अर्थेद में र'नानेनावायाद्। वानर 'र में 'वस्तेनासुताने'

न्द्रायदेश्यायम्भेष्ट्रे । विष्या विष्या विष्या विष्या विषय । विषय विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । व

1. पश्च मात्रवानामात्रे सुम ५ दे हे हमान्मावरे स्रामा

विट. क्षेत्र, चर्चेद्र, ता. ट्र. तपुर. क्षेत्र चर्त्र, तपूरे ।

दे. क्षेत्र चर्चेद्र, ता. ट्र. तपुर. क्षेत्र चर्त्र, व्रिट. तपुर. व्रिट. व्रिट.

न्दः मृत्या चेत्रुवा क्षेत्रः स्ट्रास्त्रः चेत्रः स्ट्रास्त्रः । न्दः मृत्या चेत्रुवा क्षेत्रः स्ट्रास्त्रः स्ट्रास्त्रः स्ट्राः ।

म् १ व मादी तथन्य महे जुल पुष्ठ व व व मादी । । यस केर ब्रैं भैतय में हे व वैट । बिय त है। एहं अ. ब्रैट में में ने में लेप हैं ने में से में 뭐.저도서 흰서.스돗서.의 맆스.디상 형도 당전니사.터상 휠.닷식.네도.더.튀.네노 휣.. 명리 5·84·현취 원·철도 대리 교도 월도 다'도다 현미'다'교육' 전문'로다 लिवास विषय के पर क्वेंट पर सिवस माहे स मुद हैं। बिल सा दि ला नहेंसा न्द मं १९व र्षे वाया केर हुँन् यह स्वायायन् य वे। कुल यह कया । र्दित् शुद्रः गुवः द्वारः देः द्वारं विश्वा । हिन स्वारं हुं हैं गाः द्वारं विहे **ଜ**নঝ। ।ঐশ্ৰ লইনে, ষ্ট, মানীন নঈধ নিèন ধনধ, নম্মীন। **। নি**না, স্থান, প্ৰদ बेहि'नर'र्' पुर नरर नन्। । बर्ब कुब'हैर् गुब र र्ट'रर्'नहे हुव' ইব'ক্রব'র্ম'ড়িব'ছেলেনাড়ে'ব্রিল্যানীব'নার্রল্য নার্ল্র্র্রিক ক্রিন ছেলেনা न्यतः मुन्दः यः हर् खुत्यः केद स्यामाहः महुः यः स्वायः मह्द यहः युः यः । वर्षर क्षेत्र प्रस्था हे ते 'गुत' प्रमार में त्या मञ्जूत म मात्र प्रसामित के राज्य । मुँग्यामु ग्गानाम्याने राम्युयामु न्युयासु हुन् यथान्यास्य पुणान्य र्षेत्ः पक्तमु खुकान्यल्वकाने न्विट्टा पर्डे अप्ट्रिव त्र्वा पुरुष पाका प्रेंद्रा में पर पुरिका त्रम्'यर पुन् पुन्यत्वयम् वन्युः द्वाययः वन्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः यस' सर्हे ८ दे ' प्रतिस' हुर' द्व प्रतिष्या गुव' ५ प्रति ' वस' रूट' ५ प्रति ' कु' नु न दरे वें व उद रण हु नु र वेर पहुद य न हु दे र न व व व वेर दे व व व वेर वेर व Br·Bu 링·드다.저다.다. 다 하고 다고 토니의 워드 드리 다 모 다고 프로 레니다 छ.रेचिश्रताथश.धे.भ.मीट.तर.सेचेचश्रतपु.चाड्र.स्.ष ध्रीर.चक्षेट्रताश्चेष्ट्रस मुचे. मार्टा के सन्दिनि हर मिर हर मिर हर मिर हर मिर हिना स अन्'महें'न्वें=यात्रु'खु'म्ब्'मबार्म्याः नेय गुम् मिके खुम'नु'हुँब्'द्य' यु के बुद म ले दुह रहिंदर दिए म कर मान हुवाद या या नि है स गुःरन्'स्रायस'गुर'गुम'गुं'य'तेद् ह्यात्य हे'यहप'द्य'याय' कुष'गुं'यहद् य है 'ब्रेन् म्वर्थ'गुं 'यर नुः ब्रेन्यर' युव मुंब यह्माया - म्व वर्ष में यर ठव मुंब क्रुश चक्रेब तथ.रेचे.चक्र्अ.स.चि.लेच । चटुब त अबूट च उन्नेश. २ अ नैट 다고 레이저 워드! 됨시 어쩌는 점점 다양 다 용 점점 보다 듯 '물드 여전'다렇지 다 कुषागुषाबद्याक्षय गुप्तु पानुत् त्रिबेष सुदानधूदाम रव्यवय माध्रेस्य "" कुंबानर्टराईना १४४ झे प्रस्त कुंब चर्षा होर टे.सि. मक्र पाक्र ता कर वि. पर्वे . चे वे स्तर है . चे वे से है . मझ्ब ब्यान्यापर्सं सामारे रेय मेट सुर्वर मही सारे रेरे तबहर मय " लियों त रे. किट थ तारु, कु. ज़ूर, ब्रिट प्रत्येश की श की राभा बुद्ध री. है. है यो. रच है. बुद्याद्यामञ्जदाम गहर। हुँ हैं गाय लग पर माय भाव गाय पर कुल र्मियान्य बेरे रेम्ब अट.च्.ई.पर्वेष क्रियान्येष म ब्रम्ब हेर्य तर्. महेर .. मारमानु न्याया पर सहर दस विमायर्ग में सामीहा का सकेरे हिन मे ल्हेन्व प यवःचञ्चित्वः हे (क्रैं 119 प) रपः हु धु दवः मेर पञ्च प नहर। त्यन्त म दन्यमित ब्रक्षणीयास्त्राक्षेत्रेत्रेत्वाक्षेत्रम्यम् । स्वत्यम् । स्वत्यम् । स्वत्यम् । स्वत्यम् । स् न्द में लामार्ने हिंद के के लिखे ही दार्च प्रमुद्ध स मुक्तार में मुक्त अहं निय है " केद्राया अहर् द्राव्या सुरावेदर वी देवाय अर्घेट च देवा ग्रुप्य दे ग्रुप्येवाया अर्घेटरर देश वि.त.रेजे.पर्श्वात श्री गी.क.रेश ईव ज्ञेष ष.तपूर त ट्रीष पर्हेर्याता.... मक महुला हैं हैं नव के कुर गुव हु नहीं न लगानि र देने र देव के वियासम् अहरी ब्रिट सर्वा अर हर अर पहेबामा परिवास के खिला रिटर क्रय द्वतः वर दरायर बहर् वया सु । त्वा भया स्वया मा । दिन् श्रुत्या केवा या न्दः भेग्या वर्षेदः यर गृहत् रवयः यहुवः वता दे हेदः मृदः श्रीयः है सागृद मःकेषः मः पञ्चषः महितः महितः मान् प्रमान प्रमान

पर ज्ञा पह र्या पर्के अपा है अपर यर प्राय पर्येट जातक्ष योध्या पर्यंटा य रतास्राय शे. ह्वायातपु व्य त पहरे . श्रुट चर्ने ये. त. ह्वाय तर हिंद चा सद्य मुन हैन'न्द विग्य सर्द्रत्य परि सह न पा उद कि ना देव हेय हु 독평'교통하'의 하드 등'플릭'캠드 루'등에 두드 최본도 의 최종리 다'라'를도 본'Ⅰ Ⅰ दे.हेर ४२ेण च.पिट संब.क्र्याय.जब ४वैट.चध्र चर्चेब.चध्र.यो२८ रचयः.... रचया श्रे मेंबल लट । द्रेमें केंद्र तर सेमेंबर प्रस्ति मेंबेंब तह एसेस त. लब नि हिंद केट नेते पर नु मुद चलट पन्न दे। देलट हुँद मादल हैं हैं ग्रे पर मिंद प्र बहुद्य य तथा देव में झु म ।देव पहुं वहुं। देव विह्नु के हा देव दने क्षिट है नवा देव ख नव हा देव है से दा देव ब में ना देव शु होना देव खु दे देना देव दु । देव वहु दहू। देव द्वे क्रिंट द्व वर्ष वर्षा देव ला भू भी देव (का 120 व) णु खु र भा देव मान हा देवान सामहु। देवान के माने मान मान माने मान देश द्वी श्चिट शेट वी १० पहेंद्र पाना दिया पान दे पान है वा है या है या न्नानी क्षपत्र सुरमञ्जू पर्दे वार्द्व वार्त्व का कुर्यन वार् कुर्या वार्षे वार्य वार्य वार्य के वार्य वार्य वार्य तकर् १व मुं'अँस'र्रा विश्वेव'यर'ईन्यां हे'प्यकान्त्व स'यहें प्यामुव' खेंचेथा । जब , कुच होर , ष्टा । होर , श्र. प्टा । च्या , च्या च स में , प्टीय चे. चबु र्यम्पातर हेर् रे पविद् रायेश प्रमानित हैर सर है। विराग मे बुंद'य' हें ८ ही प्यार'हे 'झे 'पारे 'केना' पार्हे ५ 'दस्य देवे ना नस्य प्या बुंद 'य' ५ ८ । दे-हेद-द-प्राप्ति-द्व-र्ज्ञाय-पर-प्रेद-प्रायशा वर्द-हे-प्यत्र-ज्ञ-पर-प्रमुद-पर्देशास्त्रवातातु पुन्याकेन न्। विश्वास दिनस परि सेसस स्व कु में न न पुन

मिन.रे पर्यत्तप्र पर्वेष पर्व भावेश है। वि.श्रम व हे सिल की.रेस बी.रेस वस्य उद् ति द्रा स्वाय प्राचित पर पर्टे देर । प्र देशय दे वस्य म् रह्म विश्व में विश्व में विश्व कि विश्व विष्य विश्व विश्य दे'मा है स म हे स मिह स दु दे दे हिता मित हिर यह द्या म है स स दे दे द मे नखु कुद युन्य नहन मु नक्षेत्र यान्य यान्य वहद द्वार ग्री द याद्वा द्वार पर पक्रिंद्रात हिंस क्षेत्रोर प्रमूर पर्छ। । है। स्वा है। है प देशक के लिपाल हेर व सहव मा हे मनुव मानर ९६८ मान न्यानिय र में म में मान सारी में मान हु मन् या कितायर सर्दि ला सर् है म इसस हर् व में म्नानु मन् महे ह्व लायुद पहे सहद पा है पत्व षद १व वेंस के के हैं ਜ਼੍ਰੇ-[न्यां न्यां विकार्य विकार्य विकार विकार क्षेत्र मार्थ प्रस्ति सुरिह सुरिह स्थाय स्थाय स्थाय चर्च तर कि प्रत वर ४ द्रियान र्मेट्य र में प्र में में प्रमे में स्मा स है'मतुव'भैव'वा । श्चिम न्यव'लमल'बैम'वे है'मतुव'हेन'न्द'यर'बदस कुष गुःचन्तर वेदायर वरानु १३दार्थेय श्रार्थ हुं। द्वा वीया प्रयापि केनाः मञ्जूनायतम भवानु रहमा देवाया वार्षा स्थान स्थान स्थान स्थान हैं। दिस द कर सम्बुसर्ट विवाय परि दें र म विर्मा देवा दे है से हर्र मठुन्याति केन विद्यार पुरर्वे साही । विनाय केद माल सहद पारे हे हूर । स्वायाव स्वाया विवाधित स्वाया विवास सर. इर. टे. ७ तुल पर वर्षताता पर्वे अता वर्ष है. है. है. है. विवर विवर विवर विवर םאיצ קק עד פּקָביפּבין איאַימיל־יפָּגיאַיפּקריםהּ קַיאסק־יאַקי बिलायर्ने ने। ।यर्ने माध्वे वायर्ने यवन् यवन् यह वायन् ह्रिया न्यवा केव सः **न्ध्रेणाण्यकेत वे अने 'श्रे'यके क्रिन्य पान्य अध्याम अध्याम विवास कर्म के विवास**

वह दे दे दे दे दे दे दे ता ता कर हीं दाई स्वाय हो | (क्. 121 द)

मिश्रेस मासुस। चेम् केद धुद स्ट चरे से ख्रेर। धुद सेद स्नाय हे हिर दर चरे द्रिय चन्द्र से स्नाय है।

र्ट. स्.ज. पश्चिम अवस्त्वर्टा रेवे. अपूर

मुँ हेट हुं पहुर हूट त थ होता कि दासी. २ भ दिंद दा प स्था पा पूरी का थैया . न्न मस अकेन केम गहुन सन् निम्म नम क्षिर स स्था है क्षेत्र इसस होन्स नम-दे. मुंब हे. एकर १४ न दिनाया हिन हिन में सेन निस्म सेन निस्म विर प वस्त वर गुर सर् है'न्यन मु केन्य रहेन्य। क्विं में व विनय म केन् ता तहूर तहूत त न से ब है। है दू क्षय है अट्व टे ई परील रट. सहव तर मुंख तह रूपात हुट वर हूँव त वि वहां । ने र्न वस श्रेन केव म नु स तथेल देद । दे इसल न्द नुस सहदस सु तथनान म नूर्मेव सकू न म्ड्रेन्य परविश्व मा स्थन्य म स्थ मू.के.रविश्वामा स्थ मूर् मेर्नेन्य म हे हि स हैं ता के बेच मान्यूर महें स्वाप्त के बहुल मा कि पर न्न पर सून्य हिंद खन पढ निष्ठ म सन्तर हेन केव ने अने से साय में के स् द्वाप्त । त्वाप्त । द्वाच प्रमा अवाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप (ल 121 प) इवस दश के खुल रु खेपका मेटा। विरु धर तुरे खुल दब चुट मालह है। दिन के खेनाम केंद्रमिन केंद्रमिन स्व खेनान खेनान करा दिन मन 8व इंदर त रेची. में प्रराम मूट वंश इंचा त कुवे. त्रा सटल बेल ग्री. त्यांपा अ मुन्द्र बुंब सेर त परेतातब हैय एलचेय बेचय स्वीय कुंब हुने छ्र प्रापंत उ'न्युम्याम भेद'द्। वि'मेर्ड्र'उ'अर्घ'म्ड्र म्रुन मन महेन्या प्नार म् स्थेय ग्रीयायकेव पर्य शर रे.पश्चा हे.रेव देशहवी श्वराप चन्ता । ने द न देन के द में ह्रा न में द न में द न में त न में रचीत कु.ध.रिविट्यत्तर वेर्यास्य प्रमान मेर्या वे दे निय के मार्थ मेरिय ल। यु रेरे ते ति विद्यात्र मार्य स्तु क्या महेव द न महेव पा के कर कि या ति हेर.एत्रेल बोज्ञबाब रब इंद.एलबाब स.चै.हध.से.बोट टे.एविट्य.सध.बोदय. 면서·경속 ['코네서'다] 경취 및도 결소·철도서·다양·점차 회에·다·형·도속 회신.

स्वर्गास्य स्वर्गा ।

स्वर्गास्य स्वर्गा स्वर्गा स्वर्गा स्वर्गा स्वर्गा स्वरंगा स्वर

पश्चित पार्च विष्ण हिन स्वाप्त है कि स्वाप्त है स्वाप्

में निहुंदे खुल नु बदब कुब मुहेब पर धेंद लब उद हाँच न्यद केद सं हु मुन पुर है। लर गर ननेनव मालका है सेनक में निरंखल नु है। निने श्चिर प्राथ ह्य केर मुन्य या । दे केर सु बेय रहिंद य है। । फॅर्'र्ट केर्' यह सुन्य रहमा या । या अ सन्याय रहन हेन हु। । हा से द सेन हेन रय मन्द्रवा ।रम् पुरम्बत् महेरव मञ्जूनवरहे। ।मदे मर्डव पुरदे वर्षेहा। देव रहा मद्द षट ह वे के दे वर्षा सहसर्मात कुरा पुल कुै. लिम्र'ल्यां ब्राच्य बर्' कुंद तु बर कुल पर तुर प्रमुद प दे हेंद् कुंच ल हें हे न चकुर'खल द्वला हैल चकुर हैं छुँगला चकु'द्र है मु ह द्गुर द्यल चि र ल चलुनाल हे १९६ चन्द झेंस च द्रा माईन लगा मिर दर सकेंद हेन मुे'म'मबे्रियम ५८। ५वे ८५ुद सरळे म सुर बेर'यु विवस से स मेद मु र्दे अहर पर्टा अने मे जब मुं के वार में वार में वार स्वार में वार कर विश्व दिशास्त्रीत स्थान स्थान स्थित स्थान स् 122 म) देव क्व' केर्' म' सहर् । यूरे खुल दस नेर खेव त्युस म' शुव दहन द्रा रेन्याये हेन्य द्रा पङ्ग् पहें हेन्य न्युं से कुरा प्राप्त हे हैं स्तिन्द स्तिम् व व अवावासुक्षाचु न्वान्यायाचु व ह वास्व वर्रार मेला वर्षा नैद है कि वेदि लक्ष श्रीम वर प्रे पर कर्षा १व वेस प्रेस श्री प इस्स ग्रे.इर.त.प्रधूनं.इट इन्.कृद प्रमेर.?. म्रीप पर्छ. अट नेट्र. ट प्रमेर. हे अवर अठव पवर स महिस मुकल पर हैं मुल पाव। कुल में पदे हुँ द कु सःम वृष्यः । न्तः भ्रेव मः मञ्चल देनः न्तः नः नः । त्य के तहना मरः म्रेवः मुका मह्मान हे महे म ठव र मनियन वय सम्य मुन मैं दिन हुँ म सह र ।।।। हर। इट.मूर.भृ.व्याकातर भे पिकालात्य हो पर्वेच त शुंचा खुराउच्चा. परि-र्वास्तरायस पासदि पर चूराहै। तिर्राहित्यायान्स्त के रहता

तह्र गुर । वर्ष कर महम क्षेत्र सदर मुल व ते व म ल'न्य लव रु मन्नूर म मनेल ह्या । प्रत खुंगानुस सहर म देव के वे मुर्टम " " मिहेश। द्रवाश क्रवाश प. तचीत ने हीश तह शर्घर एच्या तह द्रवाश क्रवात. इ.च. नेश रचा रेण च हुन इ चा हैं ट. हैर च हुन हैं चा हैं हैं में हैं पदी। भ्राप छेन हैंन ने दे रेनय प तर्नेन परे रेनय केनय। दिन स इस ४वच पदल हा नर्झेट क्रुचल ज चबुड श्रीचल खे क्र्ब कर्व ज चबल चर. पर्टेर तर्ट। कूथ में टेवेटयाल पर्टेर.त बंधेया अथ में सेवया संख्याया क्रिट हें केंद में प्रा में अप रच रखनाय चले खुस य चक्रें प्रा मार्थिया त्त्र पुरे 'तुत्र'तु' क्षु न्तुत्र' क्षं र प्य हे प्र विष्ट रदः ने दें दिले में देश मार्सेर मा ल देंव देश पर महिंद मा दे वेद पर पर्रिता प्रथम मुन मे प्रिय पर पर्रेत यो रहन हेव सम स्वयापर पर्वे द मा इसमा मुं प्रदायम प्रदे हिन। दे द्वा गुम म (के 123 द) परि क्ष्य प्रथम भया मानुस मु देव के दे म न द वे सद द्या महूद या देव र्टा देश'रख्यास्र देन'क्रवास स्र न्द्र स वावादस पर देव धेव पस ह अबिव ता. कर अट. हट। ि जू. वे च. स्वेश क रचयात क्षयार्या क्ष्य सिर हिन न व क्षन नायायाम इत दस देन हैं नय हुन न प्रे पिलेन या से हेव इ. कु श्रूचेश चेबिट. हे. ५ टे. पूर्व के चे चेश्व हें श्रूचे चेट व रेट । एत्र ५. पति न्रें स क्षेत्र कुष दिस्य देवाय पा त निर निरम् अप्तर प्य देव.... केव खेट'य पञ्चव हे देन ळेनाल हुन केव नासुटल। दे लाह नेव वे केंस वस्तरं र हिंद हिंद नु'महन ल'द्वत व'देग वह हम'मुद्दर ह सह में दस" क्षेत्र पर हूर १८ यवया, के का हूर। इचा ता वेंच दे.ता देवी अप अप धर'मदन मदर। मदन न्युम'मुक्ष'मुद्र'हर हिं व हुन। देव'केन ह्येद्राचसार्व चर्न सेर् मार्डेस मुस्यायर हूर् हदा व्यया गुरका प्यदा है देना साम

कृत हैं। देल द' ह' में। हुन इ' मा देव बेंद न खुन दें प सुन पहें न सुन क्रांच श्रु ह्रे महा हा है । या विद न सुक्ष हैं । ने तह रहें व घर पद तन । है । विष्। पलवायात है, ख्वाय इस. व्रेर चर्नेर श्रुण चस्ति थ। विद्य तपु केंट. लया र्ने पर्दे लय में य मून मर मुर पारवन्य पर है र्र में पर ने पत्रतः है रिविट्य रेट । विश्व श्रम्थ सिट पुं प्रदेश या श्रेज श्लेट में किस स्थ. 정저 젊다 두끄러 효육'된'맺죠'우'다저 젊다 두끄측'끥 줬다 다루적 용도 두똔저 펩다'' सद में ब्रिया तस्त्रम्य विवयं ग्रेय महत् यः गृत् वेद मन् १व द्र गृह्ण लच विट च बेट से बेच हेन के के में के मादी च रू निय या संनय गुरा च सूर्व था । स्व रेटावञ्चरका इस वर्षेराश्चित्र माली माली माली मार्चित्र मार्चित्र माली माली मार्चित्र या न्युःस त्यम् यदि कं न् इ रत्योता ही से न रे व में कि सहिन। ये ने स खुल गुम् के घुमान दिल मुन न्यम धुन् के दार्म भी द (के बार वा मान प विस न्दायाविस न्दा अपि के उर्जिन्स केद मी क्स माद्र प्राप्त हार म्चित्रप्तर्भावतः विकासामुनायते मुन्न रावार्षाति सार्वम्यायहर् ने ... प्रमुद् यात्रास्त्रायाकेदायां सहित्यादे पुट । दस्त्रादेण्य त्रास्यापु - 물다. 영다. 그 도착시다 뭐 이오십 만든 여러다고 됐다. चक्रैं इअ.तर.**व्रेब.**त.बेबब.रेट.। वेबब.लट.श्चें टेच्बे.धेंब च्या तिया में . कुरं . मूपूर . नूस्य वीमान देश ता वीं पू वीमा किया वीं या कुर्य था मा बद्ध-कुष वश्चिद्ध-द्द-लेग्बर स्व रवेद। श्चित-द्व श्व-व न्याय वा कैल.ब्रम ब्रे.त.के.ज.म्बेचरारवर्णयातालयाव्ययान्द्रयान्द्रयाचीत् वाहार्षणाः... स्तित.प्रेथ.ग्रेथ श्रेष.बुट.तस्त्रैटथ श्रा ♦ ।य पश्चित्राताप्रदेश एलवाय ता.स्वाया

केर् मुना । पुन्न महि ब्रा दया हिल स् रूप स् रूप मानदा । य हे स रूप ही ই্ল দৃβ্ৰ ইনিব সহব। । তুল ব্লুৰ ব নিহু হ ইনি নে ইন ম ন ব্লু শেব म्बुस्युम् मुद्दः प्रवा केष कु है है इंद क' पर्ड स्ट्र प्रद प्रदे क म्डेन रुस ' ' लस्यास्य त्यार्थः स्राप्त्रास्य स्वाप्त्र म्यून् लया ६ वे सु ८ व ८ ८ व हिना है। । सं वे दिन मुक्त मिन माना । इनिया से दिन है दिन हिंद वे। । मसूत् मर्रे स के दे दे दे ता अपना । अर्दे हे देस दे द द द महे दे दा । इस य सदः मं रमा हु 'ल मेदा । लहिमा हेद हमाया हुद मादम हेदा । माबुद मेद ८८.६० ६५ २.८०००। बिल पिट मेल पहेंद हेट ल मेल में हें मेल म. महें स म तलवायायार्श्ववाया केंद्र विवास केंद्र है। देव मद मद स्वाप्य के कि में हैं र्श्वन वन वन लामेन कु अम्ब गु में देव कु न न हैं मुब "" न्गर प्रम् पुराद्याय पहुरम्हेश्य स्र में पुरान्दर प्रमुख्य व व्युवया प्रय धेय रूर्य जु विषा अर्घें ाप र अ (लें 124 व) चैया क्रेय चुव चै हैं प्रेराटे · · · ८६५ व्या व प्यवतामालह्य वय न्यातास्व पुरा वेदा वे मा हेरासूर क्रया 은 '전 정미적'다' 독본적 정' 미적적' 즉작' 청도' 청' 병전' 등 '전철 독직' 최본지 최본적' यर ने अप व विषय विषय प्रव प्रव प्रव प्रव की विषय के लिया प्रिय प्रव प्रव के व प्रव प्रव प्रव प्रव प्रव प्रव प् चार्षा चुस्यायदे क्रिया हा के लेरा मार्ग्रा दे प्राप्ती द्वी स्यात चेता क्रिया है चनुवर्द्द वेग महुवर्वम्वरवर्ता । १९८८ वेग्रामे केव्रमेरे सहेव्रमेरे हेर् र्वेत् निवादा सुरुद् सेत् माला श्रीय द्वित रहिवाम्बलाय द्वा विम केदायहा र्ने श्रूट हि स्नाम् के व न्युम र म मुद्दार म त्यार विन में में प्रति के व म महर त. व्यात. श्रम्थ. व्या त. कृष म्रि. इट. जियंथ. हे. य. हेर. यं अल. यर. अहर्, तथ. निम्द्रिक्ष्याम् मान्याम विव्द्र्या । प्रम्यामिक्ष्याम् द्रिक्ष्याम् है जैन नि महिन के महिना प्रमा निवस अवत देश रहेन नि हैं 407

इक तमेर महिना कुर हा स इसक है। दे' एक केंच हिर इस तमेर केंच हुन स वै पुरुष केंस दर्भ दर केंग्स पठ्द स'स्विस प द्र्य वीस पर्वेपस पर ' प्रवेद। पुस्य क्रिय म्बुस में इंग स द्य म्र्रिय गुग्य सु द्र प भेद ला कु न हा स न द रूप हिन इस एने न पहिन पहिन पावन स स मानाय सर न्य हैय के है यय कर्केंद्र हेद की येर पि दय हिंद्र ए उद्गाय प्रतिन्य प्रव है नहुंब की रहा है नहुंब हिषय पर नहांव व होन हो की मानाय पर पार्ट । देश विकेश हिंद ता मार्ट दस रेश मुस मार्मु । पस श्रेल में पत्रत मंदि पश्चित हूंत रामेश केंद्र श्रेम्स सुरत रही मुहैस में शुल स्टर पा अर पार्टा अहे पह दीन के कर मह है पह हिए की ये न्दं क्रेस पर में व मुद्दे पेर प्रति स्र म्स्ट्रिया वर द्वा में (के 124 म) में रें व प्र में अविश्व मार्य वैश्व में व रच में व रंग में है व पर वर्ष कर क्षा में नुर्वेद्य य त्र्येल वर वेद परि अव दम में पहुंद पर्देश अहेद हैं नव कुद ... सकेंद्र पर्हेद्र द्र परव धाद्र मेंद्र सहद् थ। दे दब वेषा केंद्र की सहदे है क्षे क्रवाय पहार प पहेंच माले.विह स्राच्य बर्टा बेर अहरी पट्टा पट्टा पेड़े व मे र्भे इत बन पहुल पान्छल सबत इस वड़ेन सहना ने नग में द मेद पू पहुल प केल प्र केरा हैन हम धर रहेन प महना ने वस केल रहिन है अर्थ रेचर रे.वेश तपु. द्य हेर की वीशेट रत लेज.रे हिर तपु रेब्रेट्य त रखें न चेन व्रव में कुन हैं न के विश्व महें न कि न महें न न न वर्ष म "" सहरा दे. लट चर च नसुस्र ल है सकेंद्र वहूर दर वर्षे वान लट सेद 8८.1 रट. त्र ज पर्त्र मा ब.क जा अकूरे. माईर अरे. तथ कूथ कि. म्. पर्ट. के सु में देस वदे हिर द्युस र्या महिन हु सहर ध कि द दें। विस मन्द दें। दे'ल' मर् हे' कुर दे'वेण य केर यदि केंस बसस उत् द्रां सर पहरा वहरा है हेर

यस येण केंद्र में 'अर्दे हे अद्यत प्रस्त परि द्र्ये दस त्रोध भेद त देव केंद्र '' नगर हुन सन्य स्वय है न ह नहन ने झेंस नहद सथन। सब रेस दे। रिनाय ८८ क्रेंय थ क्रेंय घ'८८। व्याप्य देव क्रव पहुर प्रमुद्र हेट देव मुैं क हे रेनल म प्रा अहें व हेनल कुद नहें से म मकुद पद लग महुद हुल मेर हिन के सन रून महन लाया। प्रान करल क्ल तहेर महिर हु अक्ष हेर नारुष में में देश में ८६ नार मुर ८८ नय में अवर नहिस सु म ... बुद परि प्तुन प्र । देर बुद परि अवत इस पर हे दस प्त अदि सम तकर्। क्रेंस हिन इस तमें दारी क्रेंस प्रमाय कर क्रेंस कर तियर म दर क्रेंस हिन् स दव समार दय मा नहिन सु हे दल हैंवा कुन हा सर है है ने नवस मनुष् भुष मने मर'नानेनाय महि केट में नहीं मेंर'नान्व स नमम मर सहन ेर्। ।देवद वेंद्र है इसस सर् कुद दद वहेद महिस ग्रेस मुद्र वेंद्र प्रमार प्र बर प्रॉप्स मार मेला है (कें 125 व) म श्रेमल दस हूँ वा देल स् मुन गुरा क्ष मुंच क राहवा तिने पहिता के संभाग मह देर केंद पांचित्याम न्त सद्व सुव नेर विन्य विवासायाक्षेत्रस्व विवास केरा विन पर्वेद। है पर्वेद ज्ञानिक ता अध्य अदे देनिक मू हिक ए वेट दे दे पर क्षा पा क्सर गुर गुट द्वा सह ग्रुट र पर्दे हर। व क्रूव देव में के समानार व अरु रेब्र्र्यार्थाली है.च रेवि.शुक्त बोट. देट चहेर बोब्रेट्या है. दूर. ि तथ यमार्थीर। धि.वीयाकी.अक्ष्य अथथार्था. योवंयातर पखेट ता. सन्य श अध्वापा रे मन्य स्रा अट्वा मृत्या विवादित रे विवादित रे विवादित ह्में वे बार । विद्वे पा स्वाव ग्रैन इस रेन रि. मार्ग । एसने व कर । ज मेन विचया लाचे ता इ.स.च. इंग्ना माना विचया हैन के दार हैं चह समय स प्रमाता प्रे.क. है, क्षा क्षा क्षा प्रमात प्रमात प्रमात है। पार प

मिन हैंद पर पहेंदा है के पहेंदि बिपय दि। हिन प स्वेय वल र मुन र्षेद'यर पढ़ेंद य। हॅ'र्ट'गुंद अष्टेंद कॅस'हे अप सुस हमस गुँस दे पार्ट के ह्र र स्थायमा मुस्य केंय सामावर द्वा स्थि मुब्द दरा। दे त्यस गुर स्थ केर प्वत हुँ द द्यु अ केद मेरे हु पा हूँ द पर पवे द दें। य है हि दे। न्ह्य मोबुं रह मही माने हैं। हे ल यह रहिय मोबु है य मह गुव है यस्य दय हेंद य है। दे हेंद लया हैं अ दी। इस नेय स द द स्व पति या । वित् गुरे प्र प्र प्रवृद्ध मासुक हो। । ई म ५ ई ५ म ४ वर्ष व व व ५ ६ ।। निम्म १६ व महत्र प्रमाणिव प्रमा । विस्तर में प्रमाप्त वेस से प्रमा । र्षेत्र इत वसम्पर्द वर्षेत्र स्वाप्ता । दे वर्षेत्र वेण सम्बन्धमः स्व इतः। । स्रम् म मक्त प्रास्त्र केर् मुब्ब । विश्वास्त्र महुव मार्च प्रम् **स हर के बर्टर केर केर के बर्कर केर के केरर (के 125 व) वर्ष व है ग' वर्ष प** न्ध्रन्य**रुयात्रा हैन बेर**ान्ध्रन बेराणी य हे न्युबाहेन में वहना छुला सश्चामर म्बन् समाबना न्दा सेयस प्रेंद के मु न के में न वि अन्यास्त्र । ज्ञित् परि द्वार प्राप्त प्राप्त व्याप्त ज्ञित ग्रीय ग्रीय ग्रीय म् । प्रतिस मि.प.प्रवस्त्रस्थाय.प्री.प्रतेस.मि.१४४ ४८ मेट स्यासिय।

अधरावियान्। प्रतियाचे विदाया हैना पर या हैना शेन रही। हि रिना में रिने या प्रतिया

हे.वि.चेंर्य.ज.रचन.म.चह.ना हर है चेंबेंर.ट्रे रेच.ह हूर.चेंबेंघ टें हर

क्ष पहेर त दे. जेंद्रे. पहेंद्रे हिंदे क्षेट चे देश बेट स पहेरे. तथश गुद दल हैं व अंदल दूर देस चुद में देस ग्रद्ध है । सम् नु र कर् दा दस """ चरसंपष्ट्र म। रे'र्ना'रळर्'र्बल क्षेत्रयसंद्रम्यर मन् सह क्षेंप्रस् हे। ने 'हर'ना बुद रव गुै'र्देव 'न्द'ना बुद'न्द व नि हल गुै'न्वद मेल हे क्ष हर पहेर त. भर ब्रा । रहेना नहेर ख्रां में अंग पहेर त. हे पा । देश्य त्राया है विष्या है विष्य स्थापन मानिया है। विष्य लहर होता । सक्र हेर गुर नमाल र मन्या । हेर यह महामाल मक्रुव भिन् लें में विश्व के मार्थिय स्वर्म प्रमा विश्व कर गुं दे कुद र् निया । बुबालिट मझेर तानिबेट श्रमान्त्र केर मानिब नाहेर है हैरामा सुः त्व शय त्र सहे दिन्दु रहे हे पुहे अदः रु देव या अपुट वर जन्य । निदा विनायके हृदाने द्वी त्वी त्वी व ग्री व श्री द व ग्रा व व व व व व व बु. पर्वेष पर्वत सं. पर्वे. १ था. ८८ ४८ रे. सं. यो. ८ ४५ व पश्चे पर्वे वा क्रयानेषु देनानमें साम हे साम हिन्दी मा हिना हो है है । विरा प्रत्याताल्यायात्रवातात्रिता मैं क्षेत्रातात्रहर् हरा मूर में अर अय संमिकुर्यमेरे त्यम् स्परंकुरम् दिन्ति । देवे क्रियं संस्टा स्य अपिश्रायाची व प्रवितामा (क्र. 126 व) श्री पर्याप्ता हिंगी रे भूव अप्रया प्तान्त्र। देशतप्र हो दहें में श्री श्रेम देत्र क्या श्रेम्ट ता स्वीय पा स्वीयः नैटार्ट्यायुवायक्रेयायार्च्या वस सक्तायारार्चेत हे त्याद्या कुतायी पहेत या कु. कुर श्रील. ला श्रुचार्यव हेर् कुर कुर स्टाम्टर् अहर् तहर तहर तहर तमि दे। प्रवासकार दे त्रेयकार मार्टे हूं दे त से अ. है. ता है , हर्या तस विता माक्षे निया देव बाबी खट माल प्रवास पर हूर या खट माल दे बार दे दे र मन्द्रभ्रद्रात्रदर्भृद्रायाह्म्यामन्द्रियाय। इत्युवानुरायदाद्रा

यर हैं व य यस चुन यह राम हु चेंद य है रह कुंद रु पहलस य छ। धेंद 5ुण र्मिष हुँद् ए कु केद द्रा। हेद रमेल पहु प्रेस द्रा। अळद हेद पब्स तबर पर हेंद प सर्दे है किया। हेद पत्रीय की सर्दा रावस सम रिनेंद्र नासुक की रिनेश म हे। नाब्द रिनेश नु मासुक्य म नासुक महल मकुद मूं बेश निबट्ध था। विश्व श्वान नेत्र धर्ध अन्य निव्योग न पा स्थ म बद तु सहत् मन हे चकुत् देन म बेत् हेद। कुनन म त्र त्र्रेल मह क्षि है निह मार्य हेय मुर् बेर् बेर। मार्य हेय बहर य क्षय है य हे ଜା ରୂଷ ଘାଥିୟା ପିଷଷ ହ୍ୟ ଜା ୪୦ ଥି ପିଥ ମ.କୁ ଅକୃଟ ଟୁ ଅଘାର ହ୍ୟ ଥି. न्र'वर्द् दें। दिन यदे द्वर धुन धुन्य ह्वर क्य मन्य ग्रैय। किंद् बदे लमान्यल मेल दव हिन यस पर्मा ।हन यह द्वा द्वा दमा नहें स दी। निस तिमर कुन लया विषय मित्र मित्र विषय मित्र प्रति प्रत्य पार विषय पार विषय पार विषय पार विषय पार विषय पार विषय ह्य पार्चित हु मु लेखा लेख न्दा। तहस न्याय ह कुन लखा थाने हु बुक रूक पड़्द हुटा । हिं. छ होताव थे. इक तर तस्त्राचा । ल. रूप सून प. मर्जीग दस दे। ।दे'मबीद व्याग महिद स्वास मुद्द समुद्रा । देस सुद्द मध्य द्राप्त मुद्र तर व्याप नेत्रेय पेरेष की श्रियाम प्रति मान्य प्रति मान्य प्रति मान्य प्रति मान्य प्रति मान्य प्रति मान्य प्रति 전·육·유토의 는대에 대의 꽃의·스토리 김·미리리 의夫·출 근 의 복의·대소 다시는. हित क्रेंस सहेत् पतर (क्रें। 126 प) कुर पर सहित। सुत् सिर सेत्। परि नरः हैं पत्र वि द्व हैं न ने दे पहें द परें य दें र प्रस्त र प्रमान है पर से प्रमान न्वन रु'नहान्य नब्दि दस अक्ट नहिंद विस्पादि हुस ग्रीस वस वे दन्न में क्र अ.अर्. ब्रेजिश क तुर पक्षे यक्ष मेर वियो प्रत्य तर अहरी क्रेर. बरु लग्र जून हून वर नेयन। क्रुय नेबु क्षेत्रय त बर द्रान्य या प्र नेद नेबर नार्ने अ चर्षेत्। इर नदुः वि अक्रमं कुरं तरं मी मधानु । स्मानि हैं नहुं

मूल दर राज भू. छु हूर तथ एर पन्टी भूत अप कूर्यं ग्रेथ होत्यं ग्रें में जी. चर्याट. है. पर्देर त बंबार घर शहरी क्रुस में जे बंबाय ता है हव अर द्वेबाय श्चर में हैं प अ र्पर धुन है 'लस कर अ नसदा राम हे संनम हुनस लय देव मिल में नेह्य में च चड़िला से है नय है न पह मि क्षा मारे. म्वाय प देशक रेट तेथा है त्यक मुकाश विच प देशका हूरे पथ वकारार पुन हे खन्न रू प्रमुद मानदे त्य पहुन स्था खन रू प्रकेश मही प्रम र्ने १८ व में हेल प्रिय यर अहर। कर् अहि यर्व स्वाय यह व गुर अर नु पड्डम है। अर् र व केंच गु मान मा हैन गुना नाय है केंच गु.चे चे था. पा है। तप है। अ वेच त वी । क्रिय देश य चे है र ज्ञा जा दर वी । क्रिय स प्रवे द समय न पार्ने न लान । विष्य प्रवेद स त हैन त प्रवेद हैं नि येश परु पर्वेष परु हे अ नहम ते पर्। । अर्र र व पहल श्रेट में व देन क्रें प्र पढ़ी। भिर् तिर प्रेश स्वीय मेल पश. जिर पहेंद पढ़ेदी। । पहेंद प पश्चित्य'परे देश वर,र्पाची,तर,र्चापा । अर्ट्र वे.एलचंय पर क्षेप्र.रे. ह्मियापर, यत्य मैयारहमे हेर टे. ट्रेर रा.रंथा पंडरा हिय चा.मा अ मै. लह नहीन लन निर् श्वाञ्चलायहरू में पर दि स्वाचन सह है। द्वाप सह है। द्वाप सह है। द्वाप सह है। द्वाप सह है। विर् तर धलवाय त तर अ कर टे.ब्रेड त.जब.हे.ब्र.जेर.ज्रव्य खे.बेबंब कुट. न्हें चर नुरुष्के 127 क्) क्षेप द्र्यक् सुर्या क्षेत्रकेता कुन्य सर नशुक्र वे न्वित छेत् या प्राप्त प्राप्त होता प्रक्रिन निवास के विश्व के विष म नाबुक दे तम्ल म ने द मार्थ है। तद्य हिम सहस्यामर मे दारि कुन इनार् ज्नाम स नदा नदार हा साविदारहें वाराया विदान्त हर्। इन हिर हे स्व रहन हम हम हो है ता है रहा ह है है कर रे वैद्यानमुख्य राष्ट्र चे के बार विकास से की पूर्य रहा जुद्य की पवर स्मान्य मुं स हेंद र दें रग या केर कुल पन सर् कुर कुल पन सर्

क्षर नम् हुन जब कुन नम्भ न मुन्य नि क्ष न मुन्य न स्था न

महिन दिल। स्वास म् न्र हिल ला।। वित से स्वास में न्र हिल ला।।

रिग तिहत हिंद स्वा पन्न र मुंदा । जुंद हे केद म पढ़ी लग मु मार्ट मुंद मित कु द दे हिर महस्य स्व तर्य मेल तहम प्रेरे हिर दि हेर् 5' के इसम त चक्रेव च रट । चल्व रे.ले बाबूर हीव स्वायाल चक्रेव च.रेब लबा हार्याय तर रें हे हे रे वं व वर्वे हे रिल्वेय तर लिए प्र स्वेय तर सें कर देवया गुल प्यत बुंद हीर तल इंग्ल गु रह्ल ग्रीत. छ्रे त्र. र ग्रीत तर. ग्रीर त अट र् मुदः बिद प्रदान प्राप्त प्रमुख यादि के देव मर देन के व में अदें। है क्सस हैन दर वेतरा है दराम दल पहलस सदि है हैंदि हैट कुर पर" युर ला दे द्वा ने देन हनल गुर राहे देन तहत हैं द्वा पकुं हैं स्वा पुँच तर प्येयेट अ हा । अ र २ प्रथ अटश चे अ हूट म. **श्वाया ।** मिट ही में. अप्र. ख्र. मीव लेल वंस ट्रंस । क्रिंत त के ट्रंसिय प्रंस वंस ज़्र खंश चयी. द्ध प्रमान वा विश्व पर प्रमानित श्व चित श्व नय हैव प्रमानित वा प्रमान 127म) दे वस की दुस सुराय निते खप दु स्वा ने कि में मुराय द्वा रहे व सुदा। श्चित दूसव इस धर के हैं ना ध नदा अं है 'चे' नदे मुल' में 'चे' खु नास देश मु त. क्ष. देव टे. त्रेंद वस शे. पश केर तह ईल पत्रेर अस वीशट त. पटेश तह .. र्वट वर्षेट हे विवास द्वास रे स्वाय वर्षा थर च्रारेट । विवास वर्षा पह रम्म म स्वाय हैन पह है देशक पर रूप से मैर बर म में बर् बैंडेन ने नहर मुन नहें ये हैं हैंन म हैंद नहें के य र हर मन्या

मेथ ह्र । स्वय मेर ह.मे.अक्र.ध्रावय पत्र घट प्रट ह्य देव मे.लेश वय . हुन इत्य हे सद्य कुष वेंद्र धरे प्रण्य त्र्येय स्वत्य सहर है। देवद श्चिम न्यं तर्राय्य कराय इत र्वें राह्म वर्षे राह्म वर्षे राह्म वर्षे राह्म वर्षे राह्म वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे भक्र व वी. श्रंत त रवं. ज. हूर. या ज. देर त द अ. जब वै क व व तर वे व त दिन दे केर पर सहर परा विस हिन दिन के व म रहे है पुरा वस कुस निं कुर कनाय स नार्य स्य कुर रां बुद्द स सिंद्य के रा मूर्। दि.लट. अर्डे. रिक्र परन चीन तर मैंना लिल दे. मूं है बेच तर 어크는, Licux, 刻 Ⅰ級 회소 회 없어 소설 됩니요 회신 집 로 드성 다소 다시는 다시 लिल हेर. हिनास केर वनस कर चलिया नह हूर हुए ह है. स. हु, थे। जूट निः श्रीस म क्षेत्र महास विव तर्य हेन् मालुन्य महि न्य अहव स्पर्व व्य नुम न्यन कर स्पन्त पन्ता वा वित स्नाम कर है वि खल र कुल में लेहू हु है लेल पु न सर्प ने स नहें स स्व तर्म के अवव हें य मय रूर रे पुन एक्ष बुट.क्षर् कुंब.बंब्स प परेप.तब.पक्ष हंव ४८व ट्वेर हे। चंबर प तर्म या के वर्भेंद्रायह द्येतात्रिया ह्या यह कुलाया तिहर यह व द्यार """ मझ्र बेद। तर्दि व्यव के हिंद पर तम नु हेर पर विवय हिर धर वव हुन मते कु मह्न नम हेन सामान मना मार महिन है। ।(जै 128 न)कुल द्य गुट र्व दे वस्य उर हिट 5.85 वस श्रेय घडम गुे हुँद ध के व र व मा अभ मान प्रिंद महत्र में जिन हेन माह द महिन हे लिल दे लाव हैन क्रेंट्स झ. खेल ' जेर्नाका मेटा। टे. भारता है. त्रें ते क क्री अह खेन क्रटा प प्रता हे श्वासदान्द्राच्यावराष्ट्रायादायात्राच्यादान्य व्याप्ताच्यात्रा र् देश कुर गुे होन्यायामान्द हटायु द्वायाचेत गुटाकेर पश्चराद्वा अळे" हुष्ट, त्याव, नि. हिर विकाहे , पहिन हुरा। वाव, वेबब बी बिर्य, त्य वाव 용소. 중 차. 집다 다. 젖다 다고 중구. 옷 | 1 집다.다. 와. 젖다 다 얼ㅋ차. 죠ㄷ. 뭐 도. 중국. वल ने श्रूट पर कुल में इसल गुट हैं स न्ट एवं मान स्ना में गुर म न्ट। 형이 워퓸. 디뷔워의 디닝. ᆌ어 구. 블위 네튬 형. 夹서 위 워틋스 용비 됩니다 회스... ·· वसस क् पत्वामायह संमाद स रेम प तहित पहे पार पार में पर क्ष कर्षेर भ रें भावरंश तार म्रेंट ब्रिंग ब्रियासूर व इसाब्रिय क्रवाय वार के जया क्षा क्रव स्र विके पर, हेर वहाल है। हैं। अक्रव है वहान तर केर है। विवयन च लच ब्रुव प्रत्य च क्रेय न्याय सहर्। । श्रिन न्य्व रखन्य च लच ब्रुव इसम गुरु द्वार प्र प्रदेश महित्य महित्य महित्य मिन केन प्रति मह सह रही। नेतर मुख ने केद में से क्षेच नम्द तथनाय म ल नमर मुन कुन मन् अद " टन पड़ला हे नमर हनम के पहेर प नहरा हिन र्मेर हेर केर केर जिला नह के. स्वेष प्रयान्य हे. क्वेप्य है. रेट. विटे तर ७ देश न प्राचमेर इस है. द्वेन्यासुरञ्जूनास्ययास्य पुर्य प्रवास स्वासी स्वासार्थायाः स्वासी स्वासी नाबुद केद मामहर्। शुनामास्य कर् दे तिय तथनामानाबुद दे द्वा मी देव मंथल. बुट. में अ प अ. ४ हट अ. मा वि. श्रूट. में बर्व ल. र में अ. पश्च मार्थ पर अ. हुन् वर ब्रिन पर्वेश सेंब का क्रै. अंतरान्यां हुब शनयान हुन में ये वे वेबेट करा सन्तर्द तथन्तरपरे दहन श्चनः युरे चुन (कै. 158 च) क्च. ग्रीयः ट्यीपः क्रिया है भुष्या मञ्जीद रेस इसामाद्यम रेसामा हिमाल रेस समास्रस्य द्रा रहेरा इ.त.सेन्य तय कैर.मे.एज्य त ह्रव.अ.न्यता व बर्रा हैय व. र् रे.तस्रप्र क.चर्चय त वंबल त शहरे.त.श्वंब हीर.पटेंच तप्र.हें वंब. . 'भ.चे. तंबिट. टे. येत्र व. ज. पर व. येट अ सूर : येटा अस्त्र अ स्ट अ पर : मबिट प्रमान्द्र श्रूमान्द्रियान्द्र तार्ट्याचे पष्ट्र क्षेत्र के के के साम ट्रेस्ट क्रुनेय पंत्रियात सूर्ययातामध्ये. ट्रेस्य वर्षेत्र महे नुवाद खुद अंद नु न्य व अ केद की। तथन्य परि न्देव हिन हिंद

विट.क्व पहरातिय हे.हु से.प्रेश हे.र्वाण की इ घर पर्वेचेश च अस प्रा. मिन में प्रत्य व्यास महिव मकु द बार्द्य माद पर्ति महि स हि म हि म मिल खेल यारहेश च पश्चिम में प्राचीट वसारवाय भूर देशन पोरंट । मूम् वि श्रुप्तः पूर्व श्रुप्त पहुः बेर्या ग्रीयः श्रुप्ते विषयः श्रुप्त विषयः श्रुप्ते विषयः हो ... ह्येन्य प्रम हेन ने स्नाय के चिन प्र महित कर नु र्ह्युन प्राये मान्य सु न्र विद कुषाका । वि देल दम महत्र मदे करून खल वहेर है। । श्रम दूसद वि हैल. वनानमुख्यानुष द्वाय विदर्भे मदे अकेन ने मेट हरे अंथ र्म बर वर्ने । माहे। देवराश्चिम् व्याप्ता व्याप्ता विष्या देव में कुलाय विषय मर्व 'न्द'र न्य पर'न्य वर्द्धद्य पर रव व हिंदा न्यंव खू किरा पुँव। रदे किं मुद मु मुल पॅदे भेग अग्द भेद हैं ए सकद गृद न द्वे पर मुन्य। न्द्रायति व्रामानुनार्षेत न्या राम केन्येता। कु न्यान्यन्य व्रामान्य कृत कु मुं हैं न्यूर्य दे हैं न स सहर यम के सर रे दे हैं हैं के मा मेर सर रे हैं है. तर विषय विषय पर्देश देश देश हैं , यू , पेट , विष स् , रेट हूर स् हैं . त्रवित क्रेश चरेल। हेश-केल-प्याचिनाम ह्रम मार्चे द्र मान हे त्रिम्राहा हिनाः रहेशक्षात्रवेरात्र गुव हींन गुं कुंन र्वाया हुन इत्या मेर हिंदर हिंद हिंद बर्दर हैं ग्र गुै ग्रुंदर बर्दा दे लाल मान र मेल मान बर्दा वयश वर्ति में दे दे राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र में में मान है क्या कि मी के राष्ट्र है में 의미씨·저 | 1월다 첫다·돗·각·끼·다리 젊다·저·美·론·음씨·日·다 러 저희 주 두 다시 म्ने में से हैट प्रि द्वा देश है। अ है नव परि में मान रहें सका वृत्रापरि व्यान्तर्यात्मे वर्षे ता स्रहे हे यन् इत्रान्द्र वर्षे खेटा प्रदेश क्रिके ने ने ने ने ते प्रतास्त

बिंदे चेड्रच.रट । सं. स चेड्रच श्रेष ब्रेट पद ड्रच ग्रंट ब्रिट टे.टे.रच रट चक्य हे. मुँद त्य क्रे.मू.क्ष्य गुँया श्चर त्रा दि प्रति प्रति या व चर्चयाः त्य अ रूप देश कि.वैर । विथि.हे.हर वेश। वे.श्र.हण वेर श्र घरे मिर्देश होता.में. पर्तेषधा श्चिम रेत्र काम लेख पट्टे. अष्ट्र में हैं में की ईस. तर चैर वयावयात्रामात्रा वामेवायात्र ही प्रदेशानदेव तय अक्व कर हे हि हैल सु'यर गुन्या दे'वय प्रस्कात है' ह्याय है हेना परि र में 'हें व सहरा भूषः निष्यं प्रमुख पर्ते सक्ष्या तस्य निश्चित श्रुपः श्रुपः । निष्यः भ्रुपः रेब ६ है हिल से भूर पंखेंबर रे सेपंब प घहरी श्विपंब सीत हुत रे बर हैंबर गुट न्र रें देर दे स्वर देव हैं ति हैं रें दो देश देन में र स्वर्ग से रें मदीव मुनामरे नवस सुप्तर्मित्। देख श्रम दर्मव वनाम श्रीत म दे। दुस है। रुव् द्वापर मुँरार मुद्द परार मुरा देवारा । वना मा केवाम केवाम ब्रह्मारचिराना क्रिया छलाखाउ मान्या क्रियाचा मान्या क्रियाचा व ब्रेटार्झुर'म'शप्रहेंब'म। द्वांबाहरी'मण्दे तहनाया दानाव विद्वार स न्दः मेरे न्दः मं पनु व मरे पादी म (का 129 प) हुद बन् वाल विव पा ही का सुरे बक्रमारदेव राव वी त सम्मायते प्रस्यावीय प्रकृत स्वाप्तर राष्ट्र तहबानु श्रीट पु का मुद्द बिट तिहार पर के त्युर है। दिशे श्रीय वा कुना वी व लिलाग्री'न्स्याम्'झस्यामध्रस्यान्तु'केव संहे न्स्यानुनार्यमायार तगुरार्थ। । बुब पिट. चुब पहेब. कुट.। वीच. बूच. हूट. टेट. पढ़े। पचेट प्रिर. चैस. पहेंर. त्रिला में . क्षरे . त् तर्दे . चर्दे अधि में है . व वर्ष . वर्ष

मझूल म महीद रु तिहर से हूं अ महि नुम खमल र्मम कें न है । " पन्ने र रेम माबुर मासुम ५८'। ५ मुँ रे मी विन थे' ५८ रेम य पहें य ५६' मुलद पर दे कि व केंद्र दे विषय देश मुंबुद मुख्य है दम ध मुंबुद हुन हु " म्माय प सहर हिट परे सक्ष्य में क्षेत्र भूर पिट्य स देशय में वट वस तिमय तर्ने में से क्षेत्र विश्व हें में में में मा ला लेगा पर्ने में में में बर्दर् र्दा वि'दु'प्राम अह मुल ल मे निया । मने र नमर र ने य रूर हैं म ध मनुक् र्सन्य ह्यत्य। ।ह्यम न्यं वृत्ये महि हन दय नुः व शेड्हे सम्ब म मुल महे हुहे श्रमान में हुं पा मुद्द है श्रम न्यं मुहे मुद्द हर लग नमेन हें मनित् गुःर्वतः र्व म्रवय म्म बुल हे वर्ष्म वस सम मुवा वर्ग वर्ष केर है के 디롱,터낭 스웨터 어ᄂ로 스릇의 깊 깊이 보세 신디는 디딜과 디쓰,동의 튀어 뭐 같네. म महेल। सार हु खेर स हेनल में मुल में संगय स हेनल में तर में हु त्युल कुष परुला कें दुव वय मनेव हे मनेन नगर मेरे कुन कुद इत्या महर्। श्रूपान्यवाय राज्यक्षेत्रवा मुल्यक्षेत्रवा मुल्यक्षेत्र वि र इस मा ठव पी निमल में इस वर्षेर सम्म में निम्ले हैं के के मान में त्रम्र (सं 130 व) म्र स्वाय द्या केना ने हुँद्र दा सहद्र हैट हैं न्या यह हैन "" लिहे कुर ले पहें द वय मुनाय रें माय देश हैं द व पनुष्य प हैं है है कुर " क्षात्रुंर कु किर पन्। विष्ट्यं स मे ह पह के हे हे र सार समाब्य सम्ब सुमानु महुव वस मनेव है मनेन गु निग्ने माने हैं नि माने मर्भूर। अव रम्यामञ्ज्ञामय ह्रिं र्षेत्। द्रम् मामहुल बुग्य गुं हुँ र बह्रा लें दुव वया मु न्युर्य युग्य गरीव हे न्यून व्याप्ति कुर्। व्याप्त म्बिभामा में मान्ति वं सम्बन्धान्य मान्य मान्य प्रमान मान्य

खल स्वाय से.ट्रे.ट्रमं.मंथल.चर.श्रह्मं अह्रदे.श्रुट्.क्रे.ह्रंट्रमं क्रुथ पर्वर ल स्ट मते सु हेन्या प्टा हैन सन्य सर में कर मा कर व व मह्द म प्र पञ्चिट्य श् । अश्वार्श्वेर.ज.श्वाय वा.ट्रेर.जज टे.ट्रेवी । अट्य.चेथ अश्वार 출도 더 없네서 다양 출신 퇴,다옷,다튀신,옷에게, 그, 그 집, 떠나, 근, 그 다 없어, 난양 कुलायां के हु 'हु 'है 'ला क्षेप द्वंद गु 'गु 'दु 'हं सामग्रेल हे 'पन् हे हा कुला या ''' रिपूर्तायक्य ग्रीयार् हे रिग्नेट्य ग्रीप्रीतारिपूर केर नेय दया पश्चिष्य प्य .. वस्य वर ग्रैयासक्रम मुन मार्टा देव स्यापुणामाम् दे विरामक्र ग्रैया गुद दे'चबैद दु'चक्केंबल मल गुम। देते खल अ'में'अ'दे'चे'तिक महत्व मैट बैयात ब्रूच त ब्रूचकाचेर हुब क्ष्य चमै कि चर्थातप्रार जुलायाकाचिर दे। इ.५ वै.२,२ ई.इ.५ वि.चे. विवेद विवयः अवेद के विवेद व्यविष् हे.स्.मा | बु.स्र विषयास्वित हर तरु व अरु घर। । जैन तरु रेचर हैं वे. चर्य केर्' मुंद देशय गुवा । हैं. है. खेचे. तार तर्बेद ता. है. लेर चेशला । लबन्त खुल-नु खुन जुनाम हिन म हुँद मह इस चन्त्र नम ने ने ने ने ने ने ने इ.ह्रन्रानप्र.कूथ क्ष श्रुण,पष्ट्रस्थानियाद्वे,पथथ क्रेथाध विपानिया। (ध्रा 130 म) नहीं में र खूर सम्मन् सार्वनाय दे द्वार दा वालवा सर कु द्वार नु 'बहुद्य नेद्र' संचेद' द्रामीद हे 'म्बेद' कु 'चुव ईव' श्रवः द्र्यद है ' 러ố미, 역다석, 회석, 및 소, 소석 성문석, 스디네. 옥, 다양, 최근, 취급, 선택이, 건, 다. 낡, 견네. 흙다다.튀속 근도의 뭐.즐.다는 됬다.저.빛.저너소.너서.쥬다.다 다흣데다 나늦다. त्य.ब्रेट चंर.ब्रेचय.ब्रे केल प्र.इ.र.र पर्वेल। लेल.विश्वय.ट्रेट्र.श्र वैवयः वसमारुद् में व वस अपित हैं दि गुपा कि दुव दय गु र गुहिरे हैं ग य दर। खार हिर्दे हुन प्रतिस्हित उत्ता अस्य नेय ग्रेय हुन र्य प्रहित परि हिर म. चंत्र में भोवर एत्. व देशव. ८८ तर्यार. पत्यां थ. दंब. ८ में अ. ८ में विकास है. हुंडू. में

हैट. म. घटन हे. पट्न ब्रेट. अह ब्रिय. यतय. रटा क्षेत्र हम क्षेत्र वीत स्थाय यहेंबे.तह्र की थर थर टे.अहरी रुष्ठे.हे टे.यब छ्र.केब के लेप टे.कट. ५% मार्चाच निष्य वया देव भागा मार्थ निष्य में के किये अधित न्नान्त्र। संपद्ध नहेव सद्य दें न्याय पुरस्न सर सक्र न्युमा ही। इव वयर्रोजेशनार्ट्र हुए किर हीव राजा अ.यू.म.र स.यू.मे.लेय मे.त. ह्निय रुषान्त्र, पूर्व त स्वीय पर्व पर्व थर ने तक्ष्या ह्या है वि मुलामा किहु चु है पर य दर्या द्वार प्रवाह सकता में मुन य व वर्णेदा वर व्विप्ता हुन त्यते गुम केव गु गु मु दे मन कि दुव वता या पू यू यू हे कु न ह्वव """ हत्या सित यत्याप स्वाय तह पहेंच. तर्य विवायहरी वि. कुट पहेंचे. वयायते में हिस में हे महुद हिते कुद हुद इदस नेदा हिम दूसद महुद हैं। विश्वत प्रता देव यह श्रीपार्यवाद्वान्ते हैव छापवित वस दरा भरा छैत. इ.स्रुट लिल की योप.कुर्व हेडी.नश्च ६३.त स्वाय.न्याप.न्या.नखुट थि.थ पहेंगा स्वाय कुर है नद हिन धर स से ने मेर जन में हैं न ने नपद कुन वर दिना प्रवास कर मूर्य से हिंच पर हैं मिर पर में निर्देश में है भार है में वर्त हुन् (कें 131 व) व हुन् वर्ष अर्हेण मे न्रें र मुव अर्दे नु अर्दे न मह मर हम परि हे में हे. २ म. १८ जब ८६४ श. ६. ५ म. वर्ष प्राप्त वर्ष रचे नाबर हुट नाबर ज नर्सर तस. हैं है. जपु कील निषय मू.र जर नर्स नर्सिश. टे हूंटस. तर त्याया अर्दर व क्वेट त्रु इस वायर वा वक्षेत्र त हेत् अ. हेर वायम. यर कहरी देश हैय रव मुट वर्ड परे दिन स्वाप्त प्रत है दुवास पि नेहर. बीच कुर हु च सन त हिर हे बीच. द्वांच कुर म्.ज. मुन चर्न ब बेहर ट्यांट. बीट प्यथ क्रीश विपासस परेंद पत अक्रम में रहता विषय में रे प्राचित अहत रे किरा कु.श्रेम रंत्रवे कुवे.म्.जै.ल.म स्वायार्ट्य स्वार प्रव प्रव थि अध्यासर ह्य स. स्वाय ह अष्टर विर टे. एलवाय मार्न्य है. हेवाय कु. बैंट रेट । मृत्येष लेल.

स्त्र थं.वंबर क्रवंब की पर्वंब त मि.कर श्वा.बुटा। देव श्वा अ र्वं प्रक्र सम्स मुल स्त म स्वाय हिन पर नुत में व स स बुना ने पर मुना पर निम 열리, 리드서 멋스, 다 줬고 다 보어서 집사 나십는 동네서 늦, 통, 정리, 다양 다양보 다.... त्यन्य स्त नु'हेव सं'हर न्यत पर'सहर है। । तर्रेर हे वह हे'पहुव क्रें मंद्र बिल बेबा हिर कुं नर नु नबर हमाब ल रेम मारहे व म त्युका स्न इत अर व्रा टे.वय राज य र. थे. व्रेव.वय. प्रवेट केल च्.टंश्व.तं.ज त्र परि पर रु. मुप र्य कुर् स कर् पर स न मुप र्या सर में रुस मार न्द्रम दु पद्भाव रूप पुर प वेदा दे द व व व हु खू न र दिन है पर सरद मुन र्ये न कुद स कद सर हुद सा दे अव कद दु रेस तमार सद रे र लय व हिर । विर तर रेंब हैब मैंच ह्रा नेब व कर तर लेंब हर रच बिन व को नेस मनेस महिद नहा अंगा र दू थ मैं व गुह सहस मुस गैं। पहेंचे त ज वर् के.प दश अ चैंट। क्रिया र श्री अर्थ वर्ष जू त्वी र दे स्व द्याव मैंत कुर है। नियासिय तथासीयात प्रकेश है। नियामी निया प्रथा सदस कु स मा अद शुर मेश माबद खद के छ्रा मा मा मा स हैं में दू रें पा केद मॅं 'न्द न्व्व वव के 'क्द रद'म ल। (ले 131 म) में 'रयद' श्रें न'न्यव' ८८ त्यर्या प्रदेश | ब्रिय पश्चित स्। विशाद्यायान्यान्यात्वात्रात्यात्वातः ५व्रेंट्र केंट्रा ।तथट क्षटाइसारतेट श्राम्यातानीश्वराज्यां विष्यानेता कैंटे ही इट ब्रांप के छर होवा । ल्र.पांड धूर.दु.व्रत घर.के.पांट.चंट. तेंचं कु.लेल हे चे जर ६ इंड इचक कु कैल सर् स्त्राचे में कई इ.चेचकारा ई.जचके 美.통성 스夫성 줘.음소 鳿성,더밀다성,대상 립다.다.叒다 다고.효소 날 복네.ㅂ♬ㅜ.... कृर् कु कर मन् हरा देशह्यात्रम् सामानामायायहा मासुसर् चन्त्र यात्र श्रूप र्यंद मृणु पत्र नहिंद खेराक्षान् रे हिराम् स्वापित रज्ञात च में स्व में व स्वाय बहरे नय देल रहेर केंटे कि ले हैं अपि हैं अपि

श्चित र्म्य जिस्स मुक्ष नायर प्रत में अंग है न्युंत मु प्रदे प मुक्ष धर भहरे. १८ । देश और अह्र विट में सर्थ एगुण। स्थल में १४ है. अधु में त्त्रेम। में हे प्रेटिय ग्रे श्रुप यनय संगय सहर। स न हुते श्रुप प्राप्त : गुन न्निल हैन यंत्र है न ल न रच ननल है नि स रच ल में स्वार हैं न सर्च र हैं न स्वाया अट. मूर्वाय वय देव उद्देर क्रिय अवत रेवा व अवस तर अहरा रे पश्चिषय तथ हे. ई टिन्नेट्य की ट्रील र्ह्नर. पेत्रचेय भूट. पश्चेय पश्च पश्चय सर पिट महेव ह्रमा निमय अक्रमान्य म निरा ने हैन महेब साह्य वस महि मुन सर में ति तमेलाया पह सम मेरायन्। माबन पर मामर मात्र त श्रमंथ किंट अर तूप ठनेज त.अहर टे.इन्यंथ है। रेट विटे.तर क्र चेष्ट ईज. मेथल चर.भहरी मेंबर लट अटस मेल बु.च टंट.। नहीं ते. ए हे. स्वेश गुन्न गुन्न मन् मुन रुष रु पन्देव है कि नाहे कुर गुर्म मान मन मन में हिन मान हिन्तान्द नुस ब्यस के कृत मेना । नुस स्पित कुन हिन से ससस स्वीत र्राचर अहरी विराखें वेश क्षाना मार हा ल प्रथ हा है । खें . क्रे. क्रे. हा मार मुंद है। अन्तराया केद यं रा चुराय देख दा मेडू 'दराये 'गा' स मे 'भा दर। देद' हेर् रेटिश न्द्रन सन् (कें 132 र्) PE 5 हे र्ड्रेटिश कुर कु होनल सनः "" अवर र्ना नहिन्य पति हे स्निय गुं सम र्न अवर युन रहेर पाय पुर रा क्ष बेबबार चेत द्वंब पय दे निब्धं त द ब्रुवाय दे किया में बर्धं दे त स्टा देव 오드미 다'미크미지 다'두다! 렇미'다리'렇지 끄다'릴이'적지 서를 이고 오늘이 다지 न्व्यात्रात्रे वार सम्पार रेगम स्व गुम ब्रुल पति न्ने हिर ने हिर नु व्वत वयाचेव चेयापद्यया मेटा। द्वा चेपद्यरावित रावित द्वार चुरावद हर्गार्ट परम प्रदा प सप्त र्मा श्रुमेस सर्ट वेद दय श्रुमेस केवत है अर र्मिन स र्हराम्ब्रामक्रामहेत्रास्त्रामहर्षात्रामहरू वयार्गार केर्रास्त्राम वयतार्गामवरा। रिन्य न्यम में मार्ने न्राम्युद्र परि के खुन् रत्ये त इसका स्य वा त्यका खुका हा गर

कुं र र लेंग्रेस मार्कदायाध्येदार्दे। । वित् सर सारेह्र तुनालयना केदा म्र में वेब मान्त्र हे. देव ह. ले. त. किट च ल बेवे हें ब. में ट बेवेब घ हु अब 다고, 식률. 너도 결소 다양 너의 나고, 중네의 등소 및 복의, 소련이 영네 근도 외문서 올. ट्य.र्पट. पर्युर। अव टर्ग. पर्वेव। पर्वेवव पत्र चीप हे. पर्वे पा हेर ट् महैं भा रेन्स हर हिर सस नियः कुर त्यो सब दन निय पठनाय न्रेस बु'र्या। हरानुंद दस तथनात खातानु'शेसस तनात क्रार कर पर भहर। देह,श्रम अ क्ष्य प्य देश बेमया प कर म मुं है रेश रेमा व मिहूर प्रृष्टे १ ६ पकुं ५८ लघेल नाइक पुत्र पत्र दे प्रमण ४८ ह्य पत्र हेल ... गुैका अववा प्रवाद प्रवाद प्रवाद । वेका र पार पुर पादक अपाई पाक अभय वर् मुस बितयाल परिवाया क्रिय परिवाय से हेर अभय वर विच सर सहरादे। कुल मार्टा मुंद मार्टा में द द्वित केद मार्चन के के मार्चन भ्राम्य प्रकास बेट्य पार्टरा। यम कन्य रह्म प्र प्रुरा। कु मर रु रुव ७ मूर अ छ्वयः मूट लर चल्व दे हिव देव ७ मूर ही चैव ह्व ह्वेचया वेड्व मृ पद्म के माद्य भी मूर्य द्वा श्रम कर् दि माद्य प्रमा मित्र प्रमा मुद्र माद्य माद्र माद्र माद्र माद्र माद्र म (कें 132 म) नुब विषय में मु मुन विन बर दें। नुब ब्नवाम कर म ने हिन कु.संब.व पृष्टे.तप्त्राच्.हे.डे.रंथ वि.ष्ठुंद्र पहे.२.घ.त बचूर्व च्र.ज चेट्थयः. यास्त्रप्रायम स्वाप्ताम् क्रिया हिता । प्रायान् र्याय गुर प्रायान्य तिहर सहि हुन देन देन देन स्था है। ।

भूट.त.वैट.लट.कृतक कु.कृक.बे.लूटक.बे.स्टर्भ ब्रे.स्वायः पृ.कृष्ट, द्रायः कु.बेल... पक्षेत्र.त.पञ्चेट्या । पत्त्रत्यस तष्ठ क्षेत्र.टे.हुचारा कु क्ष्ट्र.मु.क्ष्यः ची.टाचा.दे. ट्रेट्रा । श्रायय त म्र्रे टीय ह्र.प्ट पह्नत्य भूट.प्टीट । । प्रि.कृ.मुं.स्वायःकुत्र. पश्चित्र तष्ट्रत्य प्रचार वित्र क्षे.टेश्च.ते.लय.पष्टेट्य.ता.ला । ध्य पेड्र क्षेत्र कुथः प्र. देशम ह्मेथ पष्ट. होय थे. तं. पष्ट ह्मेथ थ्य पर्टे. पष्टे. तें पष्टे. त खें। त्याम नु रे देल विण में हराय बिटलाय में गु म में त में द हर हल हुंस तरु अक्ष मुर्च महिनाय तरु महिना भन निट केंद स्र महेंद स माया . . निर कुर्म है रहरदा वि नेया ब्रम्य स्वाय स्वाय के स्व देव केय केर म 워드 지! 워디의 디 및 '크리 트' 피리의'디 복의적 스트 시 돈 ' 그 토 ' 드디어 연호 제 ' 를. न। इर टें अ में अटल में अ चे हें अ ताल में तें जें जें अटल में अ यर्व य यह केव पूर्ण के प्राप्त समान य देन यर में व य क्षत्र गील सर् स्मान मु प्रमुद् म वृद्द रहोल रु प्रमुद्द मा | दि लम र्स्च रहाद में तावद हारे. श्चित अ. अटल में व जि. मुंब बेचवा ग्रीया खा. देव दे ते ने व व वा पहिं कृत श्राम हता. पर मुन। मुन्द पर बुद परे ब्वन रद तह अ द्याय प्रमेश माहेद समान लब्र न्या मार्ट्य पहे द्वार कुर अब ह्य प्रवाध देव द्वा प्रश्ने व्य ŋ드 및다'뤗! 라'펫'저'뤗' A도' 콘미터 한 본'産'濱다'독지국 교육 전'저본도'국'한' ल्या है न्युकार्टा व्राक्ति 133 व्) कुर है ए है। ८५व मा है रिधुल [-디 저도자· 회자 최용자· 철도 | 점· 미지도 현미· 리 모드자· 드디어 [전자·다. ₹저저' 두다' 명도 다고 '미저도 다'요등지 다리 필도' 미생 ' 전도 다시도 다저 토'産' विन्पाति पहेत् प कु किर कुल पर सहि। हुन विवस नु प पवट । हिन्स रुअः मूँ ता परि वेवा वे रू वाया अहर हिटा तर्व च के में य ब्राया ताया वेया. म्रायाक्ष मार्थन मृ प्रायाचा विस्तान्यत की मार्थित विस्तान्यत विस्तान्यत ८६अ'र्चाय'द्य'सुट'स्वय'म्दुट चठु'मद्दे'र्ट'म्द्द'स्ट म्दुट स्ट'र्घ'''' रत है पनिश्वहिंदी श्रुप्तद्वारहिंद् पन्नद्या ई हे पदि पा केद या है सक्रवानि में बेर है। दिह हम बेर देश तर हैं व तह हमा है। लेर केय बनका र्ट अर के कहर पान में | लिट म कुल पान रियल रहेत हैं पा है | अलास्य ज्वाय म थें।ल महार्टा । शे ब्रुमात्ताम द्रार्थ में हे र्टा। दे.चढुर वर्षवेबाय बिट केंच चंबर च्.रंटा । तर्थे.बेंट च बुय वे.चर्थे. मिष्टेश मा । इस मिष्ट दिल में य महमाय मह मिन नम्ब लेवा । ने वस समस बेश हैं न दुव केव सेंस में बेंट स न हैर है। सिम्स न हैं हैन वे न देन लग निट दे.ज के. है जंब ज स्वेज घष स्व घ र जेब.त रेट वेब घब बेट घ. त. है। देश्टः म्र क्षें शुटः म ईं ५ ' ५ व के वस्त्र ठ ५ ' मिने मार दू ' मार पृद्धे ' मा हें भू खुट म नेब रम रम्ह मानवा व्य भू खुट म दना में दमद सुना ग्रामव मुद्रार्झ शुद्राचा दुन् में मा केव दिन में मा केव दे में 産'도다! 제용적 다'廣'국 월'최'5'록 최저 최! I국'등 제'조'최'최주 등' 최주'다 요 बानसाया के व सरा चुरा है। खा है नव की कैंव या अधल दान हैंन य दर। मर्-इंग्ल गु-नद्द्रन्पर्रम् सद स्-इंस (स. 133 व) त रेटा कुन ह्र सक्रर मिरे सहिन्या सरार्थे ने मिन्या की में मिन्या की में मिन्या किया मिन्या म न्नेनकारित्वहर्म है। प्रा वित् पर येन मालेव मेरे महेव म है। अपहरा नम्भ वर महिन्य में विष्य है दे दे ते मार में के विषय मार में न्द। अ.१५ ती.४४ वी.१५८ वी.१८८ वी.४८८ वी.४८८ श्चिर.त.ज तप्टेच वस तिर क्व में अन्यत्रियो तर.पश्चमन त बुंचे.लब.ज बाग्य मुन के प्र प्र प्र प्र प्र प्र में विषय है। स्ट पर विषय प्र विषय प्र विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय इसका तय के दलव पर प्याया। मालट हमाल ग्रे कुंद है अवल दिन ल अपल भूट अर्बेट.पांच के पूर्व रेच पडेंचा श्रीतांचारंट, हा दे व हा स्वाया हा है। लहेब्राम सर रु प्रेंबा । एट धर म्रास्य ठव के हिर्मा सुप्तानित हेव पर खेवर

लय लेच तर कुट्रा व्य.वे.लय हू हु.वट्व मु.चे.अ व पुर्वे.विश्व में भीवर मं महर् हैं दुषादे र मान र प्रात दु केर् मिरे महत मह मही महिन में केर मुर हे खेन म के छर मे मझद म वसल ठर रह । मुर्'यर नेर मे मे में द्वि नेव नु कुषायर अहर दे कुव दुना ने नु व जिल दब बावन स झें दुन ने "" ष मुल देव तमुद बे म'न्द। श्रेम न्यव तदे महिन सन मह्द तम् दे द्व मै.कु.तर.भतिट तर संबंधा हूं है ईप्राक्तिर भव होर होय पश्चय पुर मवित य यक्षित वेत्र। सञ्चारिह त्योल यासव है। प्र खेर या क्षेर मासुस समाव पमृत् पर्वत द्वार वे थे 'रपस'प'र्ण ल र्षेण कर् ण' सरे पर्र् हे 'हे'सुर " चुराम भवाने। तर्नायस देश तर्नात्त सहस्य महित महास्यानेता अपिश त क्रवे प्रायट अप्तुद यर प्रायवाय प्रदा दे दे दे र मे र मे प्राय न्दा। त्रमुन्य स में 'देश न् प्रदेपयास सन्य गुरुरमेन्य सरामन् परे' पद्मव (ल. 134 व) पद्भव प्रथा है। रचया तर्मा त्या जार्षे हैं। वर्मा त लव पार हैर दी । ला झ पार हैं पार का मु ड़ा ना रा नु है के निकर हैं है पहेंद पा न्दः क्षां पाइव पार्वतः रवा कु' सक्ष्रिः या द्राय पृ अव व प् प्राय व व्यव वा पायायः ㅁㅈ'레른气'다 여자 명气'다고'겠다'다'다중자'다'조물'조원'등자'원리' 여명도'리 रखेंच पास्वकापक्षका द्वायाकान्य के कार्य के कार्य वार्य के वार के वार्य के वार के वार्य के वार्य के वार्य के वार्य के वा अ. ये हे . हे . ये . इ. ताबुर . या नाय ताय हो व ता इसमा ग्रीया है . हे . हो ना पार ता हो व ... 다 중국 회씨' 따로 최본 5 ' 즉 1 |

प्यारा विष्णानद्वेद देव होश तर दे त्वेद्यान छ्या विष्णार पर हे हे दे प्राप्त स्व भू हो विष्णानद्वेद दिव होश तर दे त्वेद्यान छ्या विष्णार पर हे हे हे ये प्राप्त स्व विष्णार देवे विष्णार हो प्राप्त हो पर हो विष्णार हो विष 5 अ.चं. वार्षेत्र जात प्रे. प्रेष्ट क्षेत्र की. के. वि च्रे. वि च्रे. वि च्रे. वि च्रे. वि च्रे. वि च्रे. वि च्रे मन्द्र हैं दिने तिर्दे में है मुद्र ल हैल हे तथेल हैं स्ट्रें ने हैं सद म ल्रें म स्या निम्म महिन स मैंन में म न न में म मिन महिन महिन महिन म भूत भारतार होना नेय होना केव दर मर मिय वय हैंट. वर व्य मेव स कर . यर विद्राय सवा कुल वें 'इंक्ष'म्'ल वद कर टु'लुल द्वुब खु'दे'द्व के श्चेय माहिर म मेन मृ अर बिरा। इमाँ मर से न मबिरे नुस सा। स मा हूर कें पस सरे द्वे १८ त की छेद रंस में निरे खुल दस युद्द म केद है। देरे छेद हेन केद नेद मु द्र मर मुर दस में पू मुलामसस मदी नु खेन म के हर मे " ५वें म नेंद्र सद। अप्तुष्णुण्य वेंद्र यह तुल देन दल स्वल कुंचेव य मर हे.रेर.प ब्रंट । अ.च.हे.रे.उपेश तर्ष्यतपृष्ठा के। तिथ यी अपन प वल हर खुल देर वृंद पल पहुंद प छून पर दर। धुन वर 5 त्रें देर हिनांच गु.र्धल ल.चर्चांठ.हेर्व क्र.च ट्राल चे.च इ.चल हेब बे.चबंट . मह श्रम न्यव मृ व रहू त अन्य महर खल दे व म हैव। दुव हैव हिल में मृ'सुङ्क'र'देश मु'म मुट(सै' 134 म) है। खल ने गुन द'लनुल'म नहा मह्यान्ता विवा क्रवा क्रिया क्ष्या विवाद क्ष्या विवाद क्षय विवाद क्षय विवाद क्षय विवाद क्षय विवाद क्षय विवाद क र्य ग्रेप्ट्र में प्ट हेट म क्रेंस महुअाल अन्य यात्नार हिन अन्तर्मा पासर स्मान की किस इसन मेव नु प्रमान पर सर मा सा खल देश पड़े न केथ च मैं . १ अ ७ में . हिंट रेट । हैं . हैं वैवय वि. जे हैं हैं . सेल टें . मैं च. १ थे . वे वे वे ता स्था 다 내셨네지.다양 같다. 2.다토다시 역의 네지도 됩니서 집 맞서.네. !! 다 그 그 요리 황. श्चर.लट श्वर की तर वेशा अन्यव लेल हैं.ह्रेचेश श्वरट. चडेच रा.में कु.ल. बैंद, ब. करे. त बैंट बुंट, विटे. तर, ब्रैंच बे. बैंच. तपु. रेचट बेंच बु. च. स्वय परु... वुद् इत्यात्र के इत्य कुल कि जो इत्त । रव्याय वेद के देश हर हैं ज्या है ह्मायान्ड मेर चुर परि पन् मुपानी पहन । पाइवा अवा अप पर प्र बिद । । ।

पांतु, त्रिल टे.ह. केर ट्र पांतु क्षेत्र संद प्रांतु ए छोल पांतु । ।

पार्त्रेव त्रिव हुर टे पार्व्या पार्ट्र आव्या प्र क्षेत्र पार्ट्र ए छोल पार्ट्र ।

पार्त्रेव त्रिव हुर टे पार्व्या पार्ट्र आव्या प्र क्षेत्र पार्ट्र पा

रूट म्, ज्या व्यक्षां चर्चे व.तप्त देव चर्डे व द्या चर्चे व तप्त स्था व वे व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त व

न्य क्रवान्ति प्रदेश सूटा। विह्रास्त्रीट सिपाक्ष दे विष्णे द्वाया। वि. दे दे त्याया

विवाय है कि व व्यय पर्वा वीर प्रविद्यापर वार्ट्य प्रवर विराय कर प्रवास बटया के बाकी वर्ष वर्ष के कर है वर्ष वर्ष के कर है वर्ष प्रह्मार्वात कर केंट्र प्राया वर च क्दं.रे.अळू.ही.वंथा सिं.पष्ट वंचेश द्वे.पर्वेट चर,पर्वेटा बुंध पिट चर्नेचे. ता. हेर. रेट. चूर. अष्ट. लूरे. ता. इश बुंध. वृंद्ध या. वेबब क्ष हें वे चू. बेब. तर चैरायह स्रेयका भेग द। लिल ची तह दे वका विवस है कि चूका चैव चैका इययायर ब्रेटि द्वार्ष्ट्याय दे दे च्या ह्य स्राप्ट्याय स्था ह्य देशया हे 'पर'मळे र'प'प्रेर' लेश चॅर में में मुंच हैर'प इसरासु रकर मा न्त्रं नेबर्याम् क्षायहर्तात्रं के तथ विता मुद्र में पहूर त्रोशास्त्रा र्ह् ८.२ ब.मु रूप अर.चेर.पध्येष्टिं स्थान । विष्यं ४ वर्षा मा. रविष्यं प्रमान हिल्ला चकुर्षमायर वृत्र यह रूत्र सा दुःया है वित्र वृत्र वित्र के वित्र के हे मुंबर्व र रावरवर्षे मुंदि रु खुन्बरहे न्ववर्य रेन्वरायसम्बर्धर्ये गुरु इस्त अकेन म अवाय मनन हिमायटा नु देरा हिमा नार हेर स्था रही नि च.भु.थ.क्षरं.ज्ञेयानर्वार् तच्या इयाज्ञियाश्रुष्टार्यानाकव्याप्टे क्येलालय परु'प्रेष प्र शेश अ'परु'पदिव प्पट'पुषा दे'व्य'मॅन् श्वे'श'न्पट श्वेर' परि मेरे कुल परि वेंना मान्द्र ही पर व पर मुद्द है। देतर केंन कुल क्यम भ्र.वृत्देव रवायालया प्रेवायमा सामाना विद्याना विद्याना विद्याना विद्याना विद्याना विद्याना विद्याना विद्याना लल(का. 132 च) चैळहु, केल चक्रेट, ट्रा केल, त्रा, चक्रेत, चक्रेत, व्यक्त, व्यक्त, व्यक्त, व्यक्त, व्यक्त, व्यक्त त्र्रापार्व । में प्राप्त सारे मुलामा प्राप्त साम मुख्य साम स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स न्ता क्षार्मान्त्रन्त्रवाक्षर्यः क्षेत्रः स्ति ख्रवाक्षरः ता क्षेत्रवाक्षरः वी ख्रवालः क्षायाः स्रवाचरायान्या पद्भवेताम् १००८ वेतानु स्रवाधित क्षेत्र स्रवास चड्ना है न्वृं ताचतुराम देटाया हेरादे निस्ता कर है साम देखा विराम

मानम प्रमान भेर हैं। मान्य रेरे र्यम मु में या व रेस प्रमा अभागतर मिर मुद्दे । पदव यह में पहिर वृद् य त त वृद या देशल गुन ही ववालया में व प्राप्त हैं कि व जुर । हिंद खे कि व प्राप्त प्र व मा जेर । मूद दया में द र देया प्रायय व्यायापर त्य सहित अ हिता देर मेदानी विषय प्रवासी क्षे चित्रं मा त्राम्याम् वात्रं विष्यं व्याप्तं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं न्नियं कवा श्रेन् न्युट रिट हेलु 'वंद मुन्य प्रमुट्य। दे द्व व व से है का शेन्य । पिट चर्चे व पाथा ट स्ट्रा-ब्रा-ब्रा-वि.प्य-४-४व.प्रा-ध्रेय-क्र्रेट के.चचै. व गर्दर्द्रियर ठव् मु खुल दु द्राप्त के व दर्द्राप्त त्युर रे विकासर 다렇有'다'은도 됐어'도다자 용도'다들す'다'면도 청저저'펫리'듯'다크드'집은'됐어'다'' भु दें दें दें दे दे दे त दे व दें प्रत्य सु स स दें मिं की मार के दें प्रत्य में प्रत्य में डुर ब.स.बूब.श्रवं तत तावा चेयावय सटा सूटा खेबा पचे ता हर्षा था हुर हेद'देशल गुरा। नाराधिद'शे'नेल गुरामबराधरान् हे'शरान्ध्रदां नालरा यर'य5न्त्र'व्यक्तंत्र'वेट'यगुर'यरे'वेद'ह्यवश्चेत्र'कुश'यं'से'रे'न्दिन् '' माञ्चरायदानदुर्वनामहेरमरानु स्नाद्व (का 136 व)न्द्व न रवन्तु गुर हे^ॱसॅं'5ुन्'र्डु'तबर'पत्र'सॅं'य**कु**'र्ट्ट'र्डे'र्नु'युम् निर्ट्ट'र्पत्र'स्'र्त्रारदेते' द्र-वियामरार्वेयात्रात्वेयात्रेयाक्षेत्र्याक्षेत्र्यात्रात्यात्रीत्त्वात्रेया ववाद्धाः १८ तावम् नुष्युक्षः द्वानामिन् १ वाजाः वेताया विद्याना व्यापर भागा नाम हो र पार्व द्वा काय १ भारतील प्रमाय विष्य मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित् हर्यायायाम्याच्यायायाचे प्यत्यक्षे नेया देव गुट्ये ने प्रवास प्रवे १ पह क्रेट बुंब प्तर पालेट हुंब जिल्ह बोबंब प बोबंब प बाल क्रूट पालेट हुं।।

चित्र क्रें प्रत्य क्षें प्रत्य क्षें व्यक्ष प्रत्य क्षें व्यक्ष प्रत्य क्षें व्यक्ष प्रत्य क्षें व्यक्ष क्षें विवक्ष क्षें

में है अन्य दी। हैं द रख मो चे माल रात् में द पर व से से में में लिया । मुद्रम् तम मद प्रेट्स न्या केंस क्रिय केंद्र पर्हेत्। । नेतर तहस न्यास हर चह किर पक्ष है. बंद लेज. बुब चे.च हा। विषय कर. इ.ह. हा. वेट वेद यहा। मुल'र्च'के के'से'बेस'य। ।थे'ई'प्रै'क्षक रेणक शु'त्युत् । ।बेस सम्बर्धक तिर पर्वेष त केर व्र.इ वयायीटर रतयाकिता। विष रस विवायार्या श हुंदु, ब्रिल टे. चर्चे व प्रथ्न ग्री मील स्.ज़ूट चर्च क्षेत्र सूच टेर्नेट जू चर्चे. न्युक्ष'य'ल'कुल'कुर पहुट। पर्डे हि.त.ल व्यूल,तपुर्दे,र्जे,श्रूट,ळी.य्रं थ हे. मुं पत्र रट. तूर, एलवाय च श्रेर टटका विवा हूर श्रेष. च क्रव ध्रेर वाचर. पा. चन्ति प्रमुखाने। दे मेला में में वार्निट ले प्रमुद्र पार्टि पर्मे निर्मा র্মার্কের বাহমার্ক্র বৃহম (জ। 136 ন) শু'র্মার্ক্রির নাব্র নেইর নাই কর্মান ल्हेमान्द्रेव व्यवरातह्नामी द्वार दुर्मि महिराह्य मी ह्यारा माराक्षामाना हिरार पर्द् व'र्टा श्रील'सरे दस श्रील'के'स्राचन 'दिव'मेट मॅट'हे 'देन'सर्हे 'दट' म् नद्देर येचेश त.चेरेश्वतित है. पश्चा पर्तेश केंद्र मृ.चेश्च जेला निर्म पर्देश. इर.चन्त्राचर चुल'र्घ'लय स्वरान्स्त्राञ्च'अव्यय बह्द'व्यक्षे'्रक'चुे'हे''' मञ्चनल'मल'गुन है। तिर महत् हर मन् केन के मन् केल 5'महील'महे स

नवर् द्रम्म सु महर रहीत दे नार्दे व में नार्द्र न पन विद इसस परिवास मेद य.ट्यं.टरं त क्षय पर्या पर्वेश. वैंट र भ्र प्रध हेरं पहेर तर पर्यात इस्थल पर्वेष्य। कु'म्र वस्य श्रेष प्रांच गु'स'र प्र प्रस ते में गार। मास प्रकृतिन्द्रित भी ल सहै। के बेत्री मुच रेत्र वे दे पर सर्वे के वे ल स्वीय श्रीय हिंदायट माल भूमा क्रिय साधिमा हर कर माडि मिर मर्थय न सम है। १ वस खु ब्राह्म स्पर्ध । सर्व भे भे मर्च र म पृ क्या मुहार व कर १८ स्वा था प्राचर बिनाया है , कुर , सूध केल ४ हिर , हैंदि सह , रल स दव समे सेन दम .. केंद रे.वेंट घर घर्या रेख रेर.चंबिटयता देवल ब्रेचल चेंद्रच.चंहेंचल पर्दः चुल यदः प्राप्तः केनम गुः क्ष्रं रः इनमः पृते र विः प्रायुक्षः रुः स्वरः य। युपः विन'त्रस्य मुन। सरत प्रत्य १८०। वित्य प्रत्य महाराष्ट्र महाराष्ट्र स्था न्त्र इत्यामते देत यदाम है न्यात त्वम देया न्या व्याप्य त्री है न में दार्क्य कु. ह्रचे. अ. लुबे. ह्रें। । ह्रवं. लुबं. लु. चुडं. चुचं. चंट ह्रेंचे. चंड लुबं । चंट सं. 툿다의 젊,다당 및, 모소, 된山, 워소, 클레 | 나는의 스리는의, 틸데,다, 其소, 위,생, 분, 스, कु'न्र'र्'अटन्यंद्रश्चर्यः चु'र्ट (क्रैं' 137 व्) थे'ने' पश्चरा कु'थेन ल'र्चेर' नियान्त्री, कु. जुडु, जुडु जब ८८, चर् हूरि, तुरु पहेब, तुरू या निवेर, तुरु वर्ष नियं कर के हिंद्यं अ हिंद कर् हिंद दें रे हें ये विदे हैं हैं पा केर लो क्षेत्रकर्'न्स्यपिर हेंस्रन्ट हेंस् पर्वेत् नु श्चि परि श्चे केत् वेतासर क्षेत्रायायेत् 411

न्युत्य गुः इस त्युत्य सदत मन्य विः श्रूतः वेतुः मठव मुँव है। नित्त सेस ब्रूट घर्ष क्रिया ट हे. प्टेट रघय कि. बे. ट्रूप वेय केल च्र. हे. हेय वे. नपु इटाल देशानपु.कूब पर्वेटा बुंब नपु जिट मझेबे बटब ग्री.चेट में.ल मुंब . दसरहेरे'डुन्'सूब रु'पड्न'परे'र्दे र्वेन रु'पपसरे हे'र्सपरे केंस रूरापा इत्या तन्तर हैन साम द सन वक्त पर विस्त स्वा नने प्र द विश्वय मार् मिनी र प्रवेश मार् क्ष वीक्षित्य मालामूर की छे. शुर वीर्वास . रुव क्ष्य वित्र हे प्यर कर झाळेपाय ग्रीस हा अक्षयता व पहेव हिव ग्री ।।।।। विवाय पश्चित रेट श्चेव लग्न ट्रिय खे.श्चव.कुट.भावव.प्रयापिट.पर्छेव ता.हेट ख्रा... न्हेश्रास्त्राम व्यन्माराष्ट्रीम्यस प्रम ग्रीरिम्स महिटाहे। याळेन्या र्याष्ट्र ल.रटा अर्टतर्म् हे.स रेंबाशहरा ब्राध्ये ते.हरू पेंद्रेय पर्यापटाल. र्ने वित्य हे र रन् वित्य हुना हि वि वित्य र र्रा प्रवास परि'पर्निन्'प'कहन्। सं'र्भेर'म्डिन्'मेर्क्ष्म्यस्पर्'प्र्वारद्वार्यान्याम् न्द्रेय गुरुष्ट्र न्द्र्य सहित्। अन्द्र श्रिम दे प्तार्ट श्रिम प्रमान 5। युष्ट्र नहा इक गुहे र्यायाम के विष्य पक्ष र पक् र (स 137 म) चन्य याद्मस्य ८८। वर्षां वर्षात्रं द्राया वर्षात्रं द्राया स्मार् नामा सम् इवन गुनार्त्राचा वेन मके हर में गर्ने हे अवत ना ना निम्म छद, त्राचर्याया वायर ज्याया है, क्र्य पर्वेर. तथर है, स्था. क्रिय शु अहर हिरा। क्रया मु केवाया रायह पाहिया। सराय नह हि में दिरा बीच. ह्रा च के. रेट. च केरे हो। अष्ठश्य विर. बीच. छ्रवे. हेर. वे. ह्रा स्वाया चैट चर 리니씨 [6년 디고, 월다.스턴석, 광호, 단, 다음성, 통, 너디디서, 왕고, 등, 낮네서, 봤어.

हर रामा है , भरात हमाय घाषर में हमा सका है स से मानि है , माना ए हर . महेर मिर्मम हु केर म स्या हु सेर महुम मार्म मारह प्रस्त हर महुला मस्व मामहाम्कित निम्म । मामित मस्य हे स्थ हे नाया में तिसुद मर सहित। रे चेन, ज्याय तल कुर, सैंच. वर्ष थे, तुर, कुंश, प्रधायां केल. १ व ग्रे. सेंब वे. चकु ५ वर ब्रुवायार्मन्यान्यार्व कुरुच्राव चन्तर हेव के म्मूचवाद्या " ब्रामित मिन्न श्रीतः मेर मुंदः पर चुर है। । वि. श्रीयः ब्राप्ट पर वि. रल गुला । महेद प हर हील नलर पठर बुल केद सहरा । हेल कुल दे. ल द्धाराय अकेन मासुमार्चेदायह के मासुरि पर्वन में। त्रीत म सुर्ज्ञ यर मा कराम अपिन पर मितसासन्य विनाय सहित स्व नुःम्नाय स क्षय गुषाणुदामध्य माञ्चावय त्रराष्ट्रीय वेद । विदायरासुर्वय कमार्थेद बह्द'यरि'के'मबब'णव बु'बर्केद्'य'केव् ये'मब्वै'मर्जुग्वा येद् तमदसः हेन्य धुनाय दुनाय व क्षेत्र क्षेत्र या अ केन नेय क्षेत्र कर हे हे प्रीट्य के जाईना लच किट चबुट्या ट्रे.ज.स्य.क. १ अ. व्रेंद्राय दट.वयावि चर.टे.जलवाय. पांधनाः हेर द्वाराष्ट्रवा वि'रामां प्रवादाना वि'रे नार्वनापह्दा ग्रेयारमा नु 'चुर'न'रे 'रे'ल'तमस्य'भे 'विम'नतु व'नतु व'खल (के ' 138 व) न न र । ने द्वांभन वित् हूं द दे 'व दे द व दर चन व न द च न द है । ल द र जिन न ह है प्रमुख्यायहै केर व्रायक प्रमुख्य विश्व विषय प्रमुख्य विश्व विषय विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व स्वायान्यान्यान्य द्वात्राक्ष्याः क्ष्याः व्याप्तान्यान्यान्याः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स श्चिन श्चन हिन्दा केन्या केन निगरिय की महिन सन् विरागरा चब्रेट्या के.वेर.वेय.वि.इहे.व्.हे। वै.जहे.व्.हे। टै.व वै.ज.व्येवत 전·호·디 특·석·최·석·사·전디자·진적·원석·씨디 최적 회·근저·전·디추·축회적·회적······

पर्ने । वि.क. जियाचा कूरे प्रिंग प्रांता । (योष्ट्रेश, ता. तमें वे.क. प्रस्तापर्ने पाता है, जैर. वेट. त प्रपट योशेश अरे.

प्रमाण प्रम प्रमाण प्र

पर कुल में व न्यार पार पर में दे कि दूब अपव में अहर दे। पु व की लाद र ह. र. थु. २ . पोष्टे य ग्रीय पाय श्रीय . र ट वाया हूर। वाष्ट्र . थे वाष्ट्र . वाष्ट्र . वाया श्रीया श्रेर अहर् देश रव रे वेट वेट विहे वे पर ह्वाया अकव र्वाय न्वाया पद्र मृत्य प्रस्ताय स स रहूर पर पानाय। पश्चिमय प्रस्त मेंय छ. न्त हर्ना मुन है। निवित्र देश महीत सामाना सूर न्ता म मेर में इ. १.वं ८व पत्र मेणत अकूच टीटशं इत्रं कुव अकूचं र्धूच प्रिं निया में श्रुम या लान्युअ कुला में कुण में असे राव मुं पुर केरिके नियान्यार मार्यम्यास्य श्रीहर पाने वाधार हिम्बा दे पानुवास सराजी की पानुवा रवानुदायनुवायर द्वित्यान्यावराष्ट्राञ्चन द्वायान्दा। तयदयाञ्चान्याया खुमामकु र यारमार् पुर । क्रु मि प्रमण वर गुमाहेरे माना १३ व वर । हे रियाम्याच्याय रुद्राणुवास्य पृ मुद्द याद्यिते यक्षेत् याद्य सु खुद्द याद्य धुनाः सर्हे र प्राप्त है 'चु'पदि हैं व ची'पार 'विस्ता हे द से प्राप्त व व प्राप्त व व व गुै.म्. १६८. पर्श्वेषा यट. थ्र. थ्र. प्रचित्र प्रच (थ्र. 139 वे) थ्र. व्रह्म त. सं. त. न्यलायकेन्यास्त्रन्य संदूरमायकुका नेर्नालयाहा हुन्य मार्सन संसुदेर मिला व्यव्यं स्वाया व्यव्यं ती हिंदा इ.ही। श्रीया व्यव्या श्रीत तत्र से मार्थ ता रेटा पद्दं मानविदानामय प्रत्य मानुवाद्दी । । दरायय पर्वेचया ह्या श्ररामेल. मद्राम्बुंग्राम्बुर्। विक्रित्रकावि पुर्मित्राम्बर् के पद्राध्या । महेवः ता.चोश्रथ.भुट वेर्था.चोब्र.चे.छूर.चार्ट्रेटा। ।घटठ.चर्चा.च्रि.रल च्रे वेड्ट. व्यत्र्राम् अरु पुरायत्रव्याम् वार्षे क्षेत्राया के विषय विषय विषय विषय विषय

माञ्चल हे पहुंद प पहुंपल पति हो। सार्द्र सम्ब स झर पृण संवी नाक्षान्ने प्रमुद्धा नार्य द्यानायस्य नासुक मुक्त रहुत्य प्रस् नार्य नार्वन चन्ति वसा न्य सन्दर्भ हर हर एला रु खेव गुर पहुंच म हील स परुप हें। [मनन खु वि क खु र दे वि वि वि क कि मन कर मन कर मन कर हि दे का दे हैं म निलागु स्मार्जन रुपार्श्वम दिन पत्नुग्यायि है। प्राप्तानुग्य स स्मार 원자·다랑도 혈속 다저 두드 루·ㅈㅁ 퉁·튑드 다도·영제·다·씨! 젊도 원저 제미속 II· ५८ न्यं र्रीय ५वद वुल हे रय हु वुर । अह पूण ५ने य रय न्यल हु मन्ना महेन ह्नाय बेंब नयारे में हिंद के अ क्ट म रेटा परे रे. है. जिट रेताण. हर चर्चे वंश त तर्ण केट कि. मृत्य केण. मृत्ये के वं वयर तथ प भूट भू पूट में पूर्व मेट मेंबर पश्त रंथ प्रेट. हूं. बुंब. मेंधू है. येट में. लंट . प्ता ची सव मार्थेय सत्पाय हे स्टेरि के प्राया चीया प्राया है वाया सामव श्चिम् इसस् सम तर्ता म स्याप्त रहेर हिर १३वा विस में र्मेट सेट में मिय सम ८५०'च। मृ'म'रूर'अळ्य मन्य सवायर'वेद। म्रु'क्षेर में'सव ह्मिंब कुर अंक्षत्र त्रियंत्र भूर योबर श्रुट ग्रेंब, क्येंप, स्टूड, क्यें स्पर टेंब ... 중심,다고 Â다 다ピ다.|보다.어색.다회스,다리.박꽃네 정보 어래. 라스,다고 안전네서 क्रेट अप्रिव रच के प्यत्र श्वा केव प्रमृत्याया रचा प्रवाश मित नीय पहेंद्रायर हेंन्य द्य संस्थाप देय संस्थाप देया है। (सं 139 प) अरुर प्रत्नाप स नेय मुल अठव र्याय पुरार्य एल ५ तुरा सुरायहर १ वर्ष १ वर्ष न्नेर। ८त्यावयाया व्यवस्था विस्तर नेया र पार्यमय हो। प्रदार वसाय हिंद हॅ 'हे'न्यन धुना'सँनास'स'नियस सु'यहनस'य'सूद'ईना'निहना'नृ'क्षेनास ''''' 니집되, 눈먹, 支 스, 교육, 모네, 돛 네서 집, 다칠 수, 다고, 돛 네서, 얼, 나 근 너, 더 너, 먹니다. 다고 पठु'अ'ळट'प'र्श्रम्य'दै'ह्य'ळेद ८६ै'दुट'शेशय'ॲय'र्ह्युँ ५'पर'शुम्य'मेट'।

दे सिप्त श्चर ने लें ने दर प्रति में के नी का निर्मा पर दव ले वे निर्मा मझ्द मह रखेल रज्ञा सक्सम सु युग मह न्म्स मल के म ल दे ने हेर.. . उद ह बेब नवद म मुव मान मुंद केद रें 'बेब दम म क्षय मबेद। दे अंचय.शॅर.पालू.पाव्ट पार्वेश पार्वेषय ग्रैट ध्री.पाग्रेश पास भाष्य पी.पाश्चीरश पा श्र तिविद्य प्युत्य द्य शया श्रीय सहित्। श्रा केव ग्रीय श्रा सेव स्व देर पश्चा दिवस्ताद्र भ्राव लग्ने लग्ने प्रस्ति प्रस्ति में इस्स में मि अकूर टे. मुरा भ्राप्त्रेय भ्राप्त प्राप्त पार्वी परिष्य प्रमुखा स्था स्था भ रूट के. सूर्यं व वेंट दया पश्चे त वे भया त भट वं व योश्य भूट । धू.र ... तिगुला येर या परेद'केंद तिनुस सँग्य ग्वस ग्वे सदार यस य पर्नेद। षका नृत् गुै कि विद्यु द्वा प्रते व मु पा विषय विद्यु स्व विद्यु स्व विद्यु स्व विद्यु स्व विद्यु स्व विद्यु स म हरार्वा वसाहित सम्मान मान मु मुम्म मि नि नि नि नि में है अर मा षञ्चलान ल श्चर पर्नेल ब्री.बेर.बुद्ध बोर्चान्त्रानुष्ट क्र पर्वेर नष्ट्र रस रें.वेंट स .. इसमान्ता विवासान्ति होते इस तस्य में ते हे से में य पन्त पन्त मन जब मुन में अपन होता है। चे न मान्या कर की कि न महिन हिन होता की क्ष्य में। मायर हैट मी निगे परि परि मारे परि कर देवर प्रत में म के र ति । में मह्नं यर सहरा कु'रुन्य तहना क'के' मुद्दर् मु मु'रुन्य रहेना 4 8.34.44.£.5.444.624.62.62.62.42 24.42 1.221 4.94. इव् क्रव प्यवतायां बि हे ना खे करामा नरामा ह्या ल दे ना हा हिव विस म्या स्त्री वेस म्यारम्या दुव्य में दे हा स्मा अवी निया मा प्रवाहिब्द्रियारण स्वांश्रीयामक्यां ल्या द्वां ये व्यायात दि स परा माकद्रा

महिल मान के लियांक है। मह के व श्रीम अर्थ निम अर्थ देश महिल मी। ह्रियामि केंद्रिय दे हिंदे यर टे.रेरो । घ पूर्य मह सरस.केंस विश्व विश्व त्तरचावायल में द्वारखंल ट्राचवाय च वि.ष्ठात्वा व वि.ष्ठा वि वि.मी.भी.भट्रामेट्रा नवर रचा त बरर पार्ट्र मेर क्षार्य है है बर मार्च वी वी वी कर् मु पार्ड म्हरा तर्ा मार्थर हुं अया हिन्य रे प्राप व प्या खुअ दु हैं निस्तर दे मुद्दा होता है व व व विया दे के निर्मा दे पित्र विवास महि देस है द नु र्व द्व द्व प्राय क्ष के प्राय क्ष के प्राय क्ष प्राय क्ष प्राय क्ष प्राय क्ष्रान्दे हुट नु'मक्केद'मर ह्माबा मह केद ने हेन मिं ख'र्थ र्ष पा मुमल म ृ प्राया क्रीया में प्राप्त द्राया है। भी वालया प्राया से प्राप्त । हा भी ल स्वा स न्न्व तर. हेव पेट्ट मान्न पान पटि निहासी प्रमान मान विर म् न प्रति द्रा न मार्थ पर मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्य मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य वरायुरा यह कव न्याय केयान्ये १८५३ अन् न्दा रे हे न्याय केया है मं क्ष भ्रेन्पर्वन्य देप्त्रेयाया श्रेन्यायान्तु सह प्रमान्त्रम्य र्मीव अक्रम कुलाअकवामहिनाचुटाके क्रम सरार्ट के हिरामहिनार घठना ळ्याया पर्वे पर्वे प्रवास प्रवास (१३० प्र) क्र्याय क्रि. पर्वे प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास र्टा १८ हूर् के बूट् मृत्या द्वालना निट र् तहका र प्रत्या साक्षा स्व मञ्जेब्राम् ह्वांब मालव मुक्तारवेष ब्रिम् विन्यम्नमा सक्वा द्वा นใช้ ส.เพส.นิย. ชิน.ไต่น.ต่น.รัฐส.ผืน.สมส.ชะไ.พ่ติน.ตามพ.ต.น.ส.รม... कुंबाचबेब प रटा। इ.इ.रचलाचधार्ष्याकेबाइराष्ट्रवाइराह्राधारकटाचेबा 다소.근, 근소.영단 회생,다.생,다 노, 등의 결심, 결심 점, 회내, 근디도, 타, 다, 열심, 되당 ...

य कुरं-ग्रुं, वृत्य श्रे. विचानार अहर् च तृष्टे स् ।।

श्रेय कुरं-ग्रुं, वृत्य स् विचानार अहर् च तृष्टे स् ।।

श्रेय कुरं-छुरं-विचान प्रत्य च विच्न कुरः। विच्न चर्न कुरं विच्न चर्न विच्न विच्न चर्न कुरं विच्न विच्न कुरं विच्न व

चंब्रभ.त.र्ह्नेर.४टेंभ.ट्री तं.षष्ट चर्केट.त हूंरे ४टेष वार्थशतथट नैंट । अट टेर.अस.पर्वेच ता.पर्वेचस.तपु. ह्य.पूर्व अण वेर.पत्र लटा। हूर्या अप्तर हुन श्री क्रून चील ग्रीमिट्ट लक्षाक्रमा हुन बी. द्रम बीच कर्णन घड़ .. भ्रम्याम्बर्ग म वि रन्रारम् इसामहार्था वा भ्राम्याम हिन्योग तवन्तराष्ट्राया विष्या विषया विषय रच. १ विद्युद्धान हे न्यर ह्वाया सुप्ता है प्रायत है प्रायत है प्रायत है बट् बेट केपायह नेयार्या देव यह है हे अट स्थाप निया मेटा हिंदे चरःचलःवृष्टुलःलह्रदःम्। ५ मान्यत् (त्रः 141 द्)ल्डुलःचरे लगः लेवः ःः वश्य १८.७ श्रीम्य.तर.ब्रैट्या नि.ष्ट्र.हेंचे.हे.ज.प्य.स्.वर.बर्ट्र.उचेज.त. ८५०.च.चर्च्याच.रटा वि.कु.मुं.ख.दे.हे.पेंडे.पथ.वंधातके.त.६.एग्रंजा यः बर्डे स्त्रे : वें .वं .जंया में .इ. में .ह. ता दे .ह. ता में हे .च .च हे या व्याया प्रचाया प्रचाया प्रचाया ब8व,र्थाटक्रीर.पर्श्वाराच्चीर.gc.तर्थरताञ्चावाक्रीय.प्राचनात्राचेथा מישםן פְּריפָּריִםגּיאַבּיאיִמּיקּיקִיםירִםמיִפּ<u>ק</u>ֿלּיםמילוּבּישׁיחיִבי लयंद्ने हिंदाने गुर्रे गुर्दा विकंपर है हिंदि व व दूरी बिस तास, अष्ट्र थूं। क्रिंग तास कुर कुं ता लुर, तास कूंश कें र जुन तार भ ताम तार्ट ताष्ट्र कुंट हूं हुं, तास कुर कुं ता लुर, तास कूंश कें र जुन तार भ ताबु वशस रुट लूट, तार श्रें, ताप प्रेंच पास लुन लुन, हें, तूट लिस एट्ट हैं, ता टिन अ . हूं अ. कैंद एट्ट, तास ताबेंद तार हूं तास तालुर, तूं। । कूंश केंद ट्ट, तायेश ताथ त ता. ट्टा एसूंस जू. ताबूद वें. टिताना श्रेंद किं, प्रतास तीत विट ध्रातास तास्तास तीत जुट इ. ता. तिट बुटा पट्ट, तास तीट श्रातस तीत विट ध्रातास ध्रातस तीट अट्ट वें तापड़ केंद पास. हूं ट ध्टें त तें तातास ता २ २ ८ ट ट केंद्र कुं स कु वाइ.

मुखा मन् स्नि: हुत हार महर मा मन् कुर हे. सम् हुत महर महा। मुख्य मन्द्रित हुर हहर महि मन्द्रित हैं है. हैर हैंट म महूर महा।

म्बाय क्षेत्र प्रत्या विष्या विषय प्रत्या क्षेत्र प्रस्य म्या विष्य क्षेत्र प्रत्य म्या विषय क्षेत्र म्या विषय क्षेत्र प्रत्य म्या विषय क्षेत्र म्या विषय क्षेत्र म्या विषय क्षेत्र म्या विषय क्षेत्र म्या विष्य क्षेत्र म्या विषय क्ष

वैद.वैट.क्षाधा। रह्माल पढ़ी प्रतिन्ता सहस्या सर हैदा रवि.सह प्तरी

न्द मानी तर्लामहे मन् कुन हैं बिन्यारवन्या खलारी। विन्

हिंदि निर्मात्य रियोश प्रव भीयां इस रा योहें था। विमेश योहें व टीयों श ह्यां स्वीय रास मु केर होल। ।दे ल द द द क केंस तरुल चरे च न कु द में पुर च हूं स ता था व्या अर ही ह्यां व वी यर एखनाय हार लिल रे. ३४ व्या के वह है त वर मा मन् मह सह सिन हिता म है मही के रह'म'रे'रे। मही मंदि से मुन म मर् 'ममुन सर ह म न्द मन्द सर सुद शर्द मार्'' वाबाब स प्रका तर्र माले बसब रुट फ्रेंट्रासर श्रामह सिवाब कुर समेर सिह मागर अर हैं महिर में रेस नर महें मुद्र माद्र हैं से मारे सही माद्र सही माद्र हैं मले द स सूर वा सुद इस रहे द स घर में सद्दे के न रहे ते स्वार हो। सुद लेंदे, कु तथ पश्चित में. लें. जू. राज्य १८ में थ तर पर्ने व तथ झू. वंथ जू वर में ... है। रूप से.वी जिराचाबु, अष्टाचा व भूर चासे.वी जिर धा.अर्चाराचर नव्य नह्व त रमेमय प त नेव मृ नहेय म इवय में। रिकट में न मु पहेद पर्स दी हव र्स्य ख्वा केव की तर्ल मानी मन महर केव संवादकर सर च न्या था। वेना के द द बुद क्षर मह पर्ने पार्व। द्वेन ना हे द ब्रूंच अन्मदायायायायायविदे षाणुरारितायान्यायायायायायायायायायाय क्षच-८्वर अन्त्रुबन्ध-६८ हो-१८ जानबन्ध-६५ क्रिन्चेबन्ध- हे-पद्धि-प्रमुखायाक्षर् रहा । तथा कु कि ना ख्रियाच प्रिया हु ग्रह्म रा महार मा है स्वाया बहर मर्मा प्यापर्वात समारि देश के हिन हिन कि । वि.क.रेने **८5्द**'चवट'र्घस'गु'रे'गू'८्'चठु। श्चिप'न्घद'नृगु'रेंन्'गुैस'रु5्य'प'सुस' चये.ता.इ.एग्रेज.थहर्ट.ता.स्योश पथा.वेट.वोड्र.चूर.सूर्व.सीवा.वोहेस्.सूट्याश. चन्याना व्याप्ता व्याप्ताताला विष्यामाल विष्य हे व्यापता श्रीमा वा विषया कि.चम्, ११ भ.विट. चर. सेवाय. त.पवा क्रूब.ग्रे. तप्य. वाहे व मेंब. ५८ जि. त.

सर्दे के केर वर्षे शक् में प्राप्त मुद्रान् कर सर केर धर मार्दे सहर। प्राप्त मार् इ. ब्रेर. च के ब. बेहेरी किर. तर च च क. बेहेरी टेबी. जुबा क ब. बेहरी न्ने प्रदे मनेकान्द्रेश द्वा विस्वापनिक महिन है मनेक महिन हुन लाक्ष्रेत यत कु' केर तकत् हेट होत में। हिटल तदेर'तू'व'हे'व हें न रहे' पकुना। म्बुब त क्र्रि त्रुत्यकुद्दियायु मही त्या । १२व वक्रे वक्षे स्नु कु प्रः वि. ८ टेल ब्रुचेश विटे. एलचेश अट व्रेच गेंदे. अविदे. वे. हें व जा विन्यंत मम बिम रेमर बेडेश तर होरे लिय अहरी विरंत दे के क्रियार हर. लबन्त खुल कुःश्चन न्यवानु वाने निता है वा के का कि का कि का कि का कि युदि कुलामकद णुकानामदा देखकाञ्चराम्प्राम्डराम्ब्रमः मुक्रा भुका कुका देवा ह्य के वे त्र्या स्यामा स्थापित है । यह विश्व मिल है । से विश्व मि बक्दालामन्। यद हादानावा महिलाल पृष्ठा है का प्रामा है। मार्का र्द्र'नद्रा अन्य प्रतिष्टित महिया दे महिय स मा विष्यु मा है। दे वस क्षेत्र श्रुत ग्रैं प्रमृत मुहैस महिम हु 'रहेस'य' दे 'हैं द महिस'ग्रैं खारा विदर्भ वि. वेहेश इ. कट. क्ष हिवस वि. व. ट्र इद क्ष वि. वेट. हैं दिवस है. B.चं8्रेस्राप्तसः के. कुर्यः अकुरे. श्रुरः ४ तुष्तः प्रदेशः भारतः केर्यः अकुरः अव्याप्त विद्याप्त विद्याप्त वि 142 म) में पुर हे बहलालक पुष्प पर किया कर् हर्में ट. ग्रुब. तम्रेष. बंब. ४ टेष. चष्ट. क्ब. वर्बट. हे. बह. हर्ट इन. स्वीय.... मङ्गर्यः हे । त्रुषः पर्वः पङ्गरः पाद्वै । पद्गरः सुः पहः । विष्यः प्रदः सुः प्रदः वृर्भुः ५२ चार्षा वृत्राच्या व्यापाया वृत्राच्या वृत्राच्या वृत्राच्या वृत्राच्या वृत्राच्या वृत्राच्या वृत्राच G.と2は、ロ.とロビ、着山、ヒロイ、梨、梨か、お犬、辛安、ダ、山、おモビ、名ど、当か、荷、梨山か、 तकर १३ में क्षेत्र मृर्द्ध नवा स्वरंदिल संस्तु । संस्तु मा चेर सम्म इयार्टियानारह्य पास्वयाविदानर एवच्यानामान्यताचे वेतायान्येटा क्रिया प्राप्तः ख्रित में हुं प्रम् की वें म्यान्त क्ष्मां । ।

प्राप्तः ख्रित में हुं प्रम् की वें क्ष्मां प्राप्त क्ष्मां ।

प्राप्त प्राप्त प्रमुव प्राप्त क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां विकास क्ष्मां ।

प्राप्त प्राप्त प्रमुव प्राप्त क्ष्मां क्षमां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां क्ष्मां विकास क्ष्मां क

पाश्चर्यात्म् ह्यां द्वायाय्याय्याय प्रायय्याय प्रायय्यायः सहर्। सहर् ता. प्रायय्याय प्रायय्यायः सहर् स्वायः स्वायः प्रायय्यः स्वायः प्रायय्यः स्वायः प्रायय्यः स्वायः प्रायय्यः स्वायः प्रायय्यः स्वायः प्रायय्यः स्वायः प्राययः स्वायः स्वयः स्वयः

रत्ने श्रेयाप्त्र विकेतित्वाय मनत्त्र श्रियाम केर् तार प्रथ श्रीय त हैं। मूं या पह हो । ची में हो या महिना वी मनेल पश्चि संवास ग्रैस रखेश म रम रखेश मन्द सहर हर हीत है। हार अ. रूपार्या मुंबा पञ्ची राष्ट्र प्रम्या । र्यायार्ट मुंबाल पहेर वय लया खुर्नरा ।वन्रत्रत्मम्बद्धर्यास्य न्याके कर्याहे निक्षत् के निन्दर्य। सिर्द्राम श्ले. त. र तथा तड़ न व स्वाय क्षेत्र न र न व तह व में वे तह व लया रहन हे व निर्नियामा कुंनिर्नियामा अस निर्नियामानुसर्दा सद्द नार्नेद ह्रच रत्त थन्नेल.र्ट ४ जील तं कैल.श्रंब अ.श्रंच य. व श्रंच पर । ट्रे.र्च. में श्रिय राश्चरवंग श्वरपट्ट हैं हैं 'निया है 'हैं प्याय हैं हैं। निया हो में स मिल च पार्वेश जया है,शय विशय वि. ट्रेंद वया वेश मिला पट का नेया जानीर. हर दे तथ प्रत्य नव मर्गा हिंद्य शुष्पय दर मा भेद हैं। । गुव अहिद हु अ ग रमा व्यायास्वायाभुवाचकु वावदे वया दराव के सहवाया में दास व क्षेत्राता अह्र राष्ट्री पर्यर ख्रियाला पर्वेट पान हेर क्याया वहेर की अहर पर श्चराण्या पन्यार्थेयार्दायाण्याण्याप्राचर्त्राच्यार्थाच्या (क. 143 च) है। अहर ठ होल. च.रट च क्य. चंपट ४८, जय. हया नर उ हैं. न्न्याना ग्रेव अनिव अन्यायान्यान्य अवत्र र ग्रेयान मुन्तिया वर्षेत्र चंसःगुर्वः पतुषाय २०६ ११ इता पुः पहेरा प्यारः विवास विवास वाम् न्त्र मुक्त बेद र्मन्या महत केद तक द १३व शिव यद वर मिवस व न महत जी तक द १३व र्रा बेटागुव पर्वताग्री तकर १६व पर्मेश पत्र देट सट मुव के पर्व पत्र सा। व त्रमान्त्रा । दिन मन्त्रमहर्गी त्रम्ति मुद्दान्त्रात्रात्रात वे त्राह्म

मिरे श्रिम वामि है 'है 'हैं 'हैं 'हैं 'वे 'मैं द 'हैं व 'वे वामिवव हैं 'हें द वे हैं ' अह्र ना अह्र में निष्ट त अह्र तहु का विषय पर्व अह रे कर्य तथ शह्य त प्रत अप्रत में व ता चालु त लेट स से ति है है मि स नाम करें म् नेयारमा मानवास्त्राया ग्रीय प्राय नाय प्राय मानुवा पु होता । प्राप्त है दर अर्डेट्राम् ल अर्द्रामान् रूप महित्र महि चर्न श्रुल मी प्रमार प्रमान देह. श्चित अर्मण क्षेत्र ग्री पाईद त्याल देट में में छे नेय त्युट न्द्रा र्श्विम अप्तम् मर्गिव अर्केन हैं है। देते श्चिम अर्थि न्य नव्य हेत्य र्थि गुव न्वार में है देवल गुरु मुं कर हीत। अक्षेत्रस महिंद शेट मेल देवा तहत हैं मानाय परि.री.पा.अहर हट.सूर दी.पा.मा ब्रूचा.अ.वीटा। ट्रायं अष्ट्रअल वंशः मानतः जानम नृद्रा प्रमानान्त पानदः मा पर्वमा स्वारमा रेन्स्म व वर्केर अहरे न्य वर्ष मां सूर्येश श्रीवर्षात दे अव एत्रेल दें यो अहरे हुट . ञ्चलाल् । निया, मुबा, या माना प्राची श्वर था है। प्राची निया प्राची या अपना विया प्राची वि पद्गः हिनायः हरः निष्यः परः यहर्। । प्रष्टः कृषः भृषः भृषः याञ्चः कृषः ताः यहरः गुःचन्द्रान्वद्रावेद्रा व (का 144 व) यह मुख्यास्वरायम पुरद्विना नहिवा ผลาสาคุธกานา.2.ปลายานรูเลียงสาคาสาการ पश्य विर तर.रे.४वर्धशनपु.पर्वर.ख्रांती.श्रुपाती.श्रु.पर.र्वेधय.रूट.रे.ध्रु.पर.. सद्रद्रा दि भूर पन्र पुरे के या सद्या परि ता ने या नि कर बुकानहें त् वु 'दें द बु कहर या स्वापाया मेकार या बु पाय विषया या ति या विषया । न्ता ह्रिनेत्रक्षण्याभारत्याने ह्रवायरे मुख्यारामहेव खाम्बरावन एकर्। मृट्नेत्य देशवा दे महूरालया क्र्यावहूर नेयार ताहा अराह्य त्यदः चरुवा ।दे द्वा च पुरान्तर प्राप्त । विकाम सुरान בופילקן לַקירָמיבופּיבּמימבקיבין בקביבקקמיבופּצוֹ וְקָבי मं दे। इसामा में रूप निर्मी हर मह ने हिर मह ने हिर मह ने हिर मह ने मह ने

अर. तथ क्ष रा सिट म किंद प्रिंट रेट तक्ष तथ्। । विशेष त प विशेष हे वन परम में नेयार पर पर्व पर्व पर्व मार्थ । | प्राप्त दे। व्य प्रमास पर्व म निश्चम.की. चुल रत हीर.वीट रेट हीय द्वा पुर रत बन पश्च क्षम हा। मिहेश या दी। पहुंद पर्देश अर्देद या है। पर्देव श स्वीय य द्वा में दिहे र्दे पकर त अहर भी चक्रें मंड्र भी महिर में जिल इस सर मेंबम स म वर्षात्वर वर्ष पान्नेत् क्रिय इस्ता । ब्रिय प्रस्पान्य हे व स्टय परि ह्ये त्द । इस्यायर प्रदायते विष्यं प्रकृत्यातु के रेग्यायर तर् विद । विरस् 뭐. 여럿이 떠는 크게 디오성 스는 크네 회스, 취상 다툼성 다양 꽃성, 수, 스네 피는 염은 .. विश्व में अप्रति के विश्व विश् न्वन पर्वे हर । निश्य पर्वे ता.चे छ.पष्ट. हिर निश्य.ग्री.शहर.ग्री.ने व बेश मञ्जापत्र हो। । निरम्बीद नुरगुद हेंदरन हत्य मन न्यायर मन्य हैर म्न.वयालह्या द्वर प्रयाय सह क्षेत्र प्यत्यम् प्रमुद्रायाम्ब्रेयामान्त्र । विसयः न्दः तर्षे 'च' क्रे नव व' वेनव ग्रैव' क्रे 'मध्य न्दः न्वदः यदि 'चन्न' क्रेन् हेन स्टब हर् बेबब हर् (कैं। 144 म) श्चिपित रेगाम हेर् ब्रियानहब ८८। र्वे न ज्ञुन र्ह्मा स्वायः र्वेट नद्धन् कुष्टिन हेद न्वेद्धन नद्यः नद्यः न्युकः यः न्दः। र्बेर्'पढ्र में विर्'पर अवश्यक्रं'म इयस गुर'वेर् में निवर मेर्'पाय केर्' तह. हिर. प्रय. ग्रेयः पश्चेर. तथ प्रय. पर्त्रेषे. त. वेष य पृष्टः । प्रय ग्रहः हें व अंत्याम नृत महत्रामकामञ्जेदावुक की दे अदायरामा भेवामका खा कुकारा चक्षेत् म नावस साम नदा । हेदास्य मान् क्षापर विदायतदा श्रेष्मामा 월화다 너 첫미지:다양,당화,다성 너희,톳미점,다 너, 현실 다양,용도 너희,스트, 너희... स्तित स प्रति निरः वन ग्रेस् पद्मेर् राम् निर्मा हिना राष्ट्रा । अस्र स विनाय प्रमा हें वे ब्रांट्य त पहूं बच तथर छ. प्रेय. ग्रीय. ग्रीट. तथ छ. प्रेय. दट. ट्रेट. छ्रव. हव... इवसायक्षेत्र प प्रसायन्त्रापान्ता । ये स्वार्ष्याण्यापान्त्रापान्त्रापान्त्रापान्त्रापान्त्रापान्त्रापान्त्राप महेद म समार देन भेद'मय द मयस नाइद दर। देते र म मदेद में भंदर हर पर अ श्रें अय एडिंग पहेर प'नार्य पर्केट प है। गर बग गहर प र्पन' मालेश म न्द्रान्नाम दे न्द्रामकु म सद्दे हिन् मे दर स्याद्र स्याप्त बेस मन् दें। । पार्व दें 'द्या केंस ह्या बीस एक दें। या स्य द सक्दर हिन महन म नहा। । ने मिलेन रम न्मे मिल्या नहा। । सुम मेन सहरू यर ख्व म है। । केंस वे दुन हैं र म हैं । महीन सा । बेस सा । दे । स मारस द्री बचा चरुल बचा त शरे. क्रूब देशवा | बुब रेट | ४रेब. चैब क्रूब देशव दे'दम गुरा ।माञ्जाय यस्याय यदि छ्र टां छा ।स्वाय सा ।सहद हेर दी। क्रेंन मुंद पर्वे त्रु नेष दे। । अळद सर तहेद परे पदम हेद हैं।। सन्यास् । रामार्ने दी मध्य अर्' १९ दे ने न्युनय महिन्स । विनय न्द चरुत्रामा मुत्रुन्त वर्षा । स्वाय स् । । प्रमु म दे। स्ट में र दि । भुै अके द्रदा । विस्त्र पृष्ठिय वृत्र दे प्रस्त उद् प्रमुखा । स्वाय स्व।। बर्ढरयः एव दे। चरे 'च'र्न' र्ट' रहेर्' कनव (जै' 145 द) स्निय स्। । ह्या द्वेद दी। दयद खुन स्वाय क्षेत्र देश सन्य क्षेत्र। विषय प्राय सन्य प्रया ।

1 विराधर प्रवेगाम् हे दा की श्वी । श्वास सर देव र र सम अपम सर मुन्य मारस्वायाम इसाम्या हैस हम्मा हैन सन्मा हिन सर्मा हैन न्दः अधुव पर कुव न्द है हि हुर पर देश माहि स्वर पर है । धैव'कद'सर्'कुव सुर पर शिल'र्द्र। देशे'र्देण'र्दु'म्लेल'स् सूर बहर पवट में र्वेन्य गुराणुट एस कि रेवेट र्यंट हुर पर रेवेश मे रे रा रिण्यायर'सहर्'हित । विर्'यर श्रेय'र्वित वेर'ले'यवर वंयानेर वेत खिन्यः ञ्राथः स्वरः र्नाः श्रुवास सं ख्रां हिर्। हे प्वर्षः प्रस्य सम न्रायः मः प्रस् चह. हुे व ध्रेच अ. में. कर्बे. जब त्र तर. त. रेट. हैं र. व मृ. च में. च के व हें व मकु मूह म नह हुर मामकु मूह र लेल हेता हु मान हुर मान हुर रजीय हैनव है। स्थानस्थान्तर हैं ने ने स्थान सन्तर बहर। दे हर रा हिर ने हल दु प्याल य दे द्वा पन् अल नेव हु पत पर्या दे खेव भी मेर खेव तक दाया मेरे श्रीया दूर्य व अवता द्वा दे हैं व खु त्यारायमः वेदानमः विदायराष्ट्रात्यनमः यद्। । (कै. 145 व.) विदारहरः इत्यान्तामा इत्याना विराधियान्या विराधियान्या विदः। । वृद्-गु-बृद्ध-स-८्द-र-६्द-र-स्राच-र-पा-नेद-कुद्-गु-क्र-र-स्यन्य-खल. 5्रण्य प्रबुण्याख्यय वर् मुँद्रायर ज्याया है। प्रमुद्राया स्राप्त मुँद्रिया खु इटलाम्बरायान् क्व रवन्त्रायुगारु में दि हो नेराविदास विवास खुन्त स "" च वितः वं यः च र . टे. ले वं यः च च चे यः च विषः च र वे च वं वे यः वे वा व केदा के के स्व ला नुव या केदा र्यस हिन् ग्री अवला मिना प्रार प्राप्त अदि र सामा बुर-वस-नेस-पर्नेन-वेन-प्रर-प्र-चनस-पर्ने। द्वेन्स-म्-चेन्स-पन-मक्र-१देव मुन्दर रे.पबेचबनाम् घरवीराक्र-१८। लट्टिनबामहिन्दी। ४८. केड्'ख'रॅ'ग्⁸र'गुर'कु'ग्र-'दश'द्ये'ह्यात्र'हे'गब्रुर'ग। पदद'यॅदे'र्ख' ञ्चरे'न|देवारकार्टाराद्गाराह्मिराह्मिरावासाञ्चर व्याप्तेवारीयामारेन विनाह्मद्गामा

प्रम प्रम में वे रियोय में प्रम करें के में याय में में में रे रे क्सारण ध्रम् या बु केद सहर दे र मेर कर मार्स्य वस्त्र किय सु प्रमेरस हे महें ने ने मही । पर्ने ने मिर्ड के में है ने मैस खन में हे. म बी वा अ हैं दे पान प्रतिक भी में . इव है. मिवाया त है हिट अक्ट अन से मबीबाय म मि.ए बीर प्री मि.र ल. बी. दे य थे. महे. १ . ये. इहे. स् नहे. स्वाय. ८८ प्र.वे.त सं.क्र्याचेश्व क्रिय बे.क्ष अहरात्तर टेंश सं.वर्शेची.त.ध.... त्युर के अप्राप्त त्युर के तर मात्वात दिना मुद्द वर समाव मेर। देवा लक्षामन्द्रामान्द १ अव लव् क्षु के पुर है। १६व केवामान सवासद्व कुव मन् ब्रुल महेर्। इ.स.इ.स जर्राति, ७ व्या है, ल. मन्रा । विराधर ह्या. त्रवन्त्र(कैं' 146 व) एल रु'र्चेद'हे'पड्टिंफ्'नु'ह'वे रु'लस'सद्द'हॅनस'कुद' ल्जेलायान्य पठमायान्य वस पन् अल मुः अं र्वेन कर पर्ने । हें पे हे 'न्यत'स्व'ल' है 'नव'णुट'ए' केव'ये 'झे हैटन'य' न्ट' त्र्यं संहेव कुल'यहे' विविद्यानिकालायमाञ्चेदानुगम्बन्दायात्रेन्याम्बन्धाः व्यक्षा व्यानिक्षाः विविद्या ह्रव,त्वचर.पोष्ठेख.ग्रुख.एग्रेख.तथर.पूर्येय.रेपोष्ठ,र्नेट.त.तन्नीरा तब्द.ह्रेट. तार्टा है बैटा चकुर हैंटार जीता के स्वाया हरार गुरामा सराया ता ब्र'न्न'सहर्। त्र्स् में वे ग्रैस'र्स् संहर'यर वं दस'सम् न संस्थानिन्या अविश् भीवात्वर्थन्त्र त्रात्ते के त्रात्वे विष्युष्य भीवात्वर्थन्त । स्टाह्र देव स्टू विष्य स्टार्थन्त । स्टाह पथ.लर.लुव विश्वथ.लेबथ.बे.चेबथ रारट.रेर.हा किर.तर.एडश.रेराज. इ.बैर्.पथा ४८.रथ.वट.ब्रेपंथ चेट्य.प्रांथ दी । म्र. देर चेट.हुचे.पवेट. षत्रैर.घ। क्रि.मु.श्च.रट.चर्यट.वे.सा ।ध्न.ज्ञय.ब्र्ययास.**अट.**स.क्वैट.।।

लेश जिंद पर्वेष तार ह्यां प्र कृष स् म्रं म्रं निव सुकारत ग्रीय ताहे २.पर्वेष भूद . टश र विश सेना ने बेंध त जब भूर हैं ने ब में बेंदि जिने व सह र ने ने बंधी चलिव लाट अविश्व चींच रें.अ लाब अर्.केंटे लूटब बें.क्र्चिय त बेंबा वाज लीज यम ब्रेट मे नार्चन अन निट द चलुन्य महि'रुपुम सम हेट टे'रुहे**द मु के**ट''' कर ता पथतथात स्वीय पर्वेर पर्द्र थरा। अस्व हे वीय केव के अविधा त्वात विव मुद्द तमुद्र मार्च व द्द वायर त्युर है रेवाय पर सहर ने ने प्रवा में पनर पतर रधेय धेव प महद ल यम है' रूर क्षेत्र खु अहर प मेद दें।। क् हुर मान मन नेर उत्र विद केर लका । देव मकुर नेयन क्र सम ब्य ईस ट्रिट ग्रुया । तथट तह कि.मैंव. तबर त्.भ.१ अथ तनया । तकेव त इ.रं ही पुर हीव वर्षर हैव विश्व संविध्य व प्यानित वह हैव रेट। ह प्रदर्भ पवर हिन प्रक्रिय प्रक्रिय प्रवाधित की पर्य केंद्र (क्र.146 व) ग्री.चर्चर वच्याता ह्र्यं.प्रप्त श्रुव बरबे.चर्चे.पर्व चेर हुवे चनार वि ते वे रव रवर बुब वर्तर कुंद दे देवा निश्व हैं व कुं खें ले के च निर्दे त बरावित क्व अटानेश्यवंद है। यहेश्य पट्रांश वीता के बटारें बह्रायालक रम क्रिय पक्रुत दे प्राम्हें व रेव में किते हिंपान प्रमास समाने हुंग हर् क्रियं देश के जाता वालची श्रु स्था क्रिया है अया चायर है र हो जा ता कर हो है . हरानुसुस सहराष्ट्रित एकत् १९ इस दुःमाईद मसायराष्ट्रिद नामनासासुनाः वेर'प'पुर्वे देव श्रम'सर हुँ व केव'ये'नेल'पुःगुव प्रवेणल'ग्रेल नेर होर. त्रीयः मेड्र्य भट्ट. ह्री नय प देश. च पेट चेलेंट. ए जेल चल्चे. च दे. वेलें व विश्व रहें भ 「 다 명 다 나 로 열 로 지 한 '제' ' 교 로 전 ' 제 기 제 ' 제 기 제 대 보 다 ' 중 다 ' R 표 다 ' 영 제 다 ' ' पड़ि हे। यम स्वारे प्रा में इस प्री प्रमुख्य पुर पुर परे प्राप्त प्राप्त का कैंद चबर तू.र केंद्र चर थ वेशव तर चचव.श्री । में.बिर.वर्षर श्रूज रंचल. हिंद है. तथ होग। । nr ह्ये. पृष्ठ श्रुप भ मूं. जैट प. श्रृ. मूथ प्रवेट. यो दश ग्रै

पन् अति पहेन नम देन पने पने म सु पम कु 'केर है। परि पन् अति ' ' वबर म्राभेट क्ष्मेबातपटा विट हा। निराण अहर हेर्येल के ब के विष हॅद दे। नेयरत य रॅस बेद स दे। । दूरेय स सकुद गुरु यद द्वा सन्दा। ठेय सर्र मह्द दया इस गुद सहिद हैर सम नेय हैरा । दे दस प्रमय इर मुल म. हेरा । द्वत इया यद्विता पाय मुला माली. मुल हे. ह्व मध्य मुल. ख्य अष्टित स नासुका इक गुव कर्दव हिनाय हैनाय स न्रा । हे अर धेव र्ट अयर मुल मा । भेर हन नहना अर्व ह्नाय मिर खना । हेल देश हुर. [출자.다] 홍, 회상 [출자 다] 회정자, 회정사 다양 [출자 다] 최도 경미 다양 [출자 다 हे १ अय सु हिट पि हैं र प पत्नी क्ष्य है। भी रट रे क्ष पक्री। । देस क्ष म् विद तक रूट चर्च म द्वा मह तम्ब मु हे रूमे जिल रूट व में मकुर है। ने लान्य में क्रायाययय उन् (कें 147 व) यह व यर समित य हेन वे है है हि क्रेन ग्री इस म स खुल म स्निन् हैना स नहिन ल सर्द सुझ नु स सिन । महिस प पस में स्पार हिन है। सम महिस रद च दिव केद पर हैं नस मेंद ह्रिन्य श्चेत स्नुत्य दयायत द्वा सद्यतामह्रेत पुंचेत यह श्चेत यस दता नासुसार नाही वसन ठ८ मेनाया है दे। नाही वसन ठ८ नार बना ने चरना नेश हिंद धर हिंगल पर है के पर अधिव प दर । पर्व पर इस गुव सहव ह्रत्यंत्र ह्रेत्यं राष्ट्र ह्रेर रा.व्रा अविव.यंश्वंत्र ते ह्रेत्यं रा.ज रट.र्यट. ह्रेर नर वे.चह.वेर वे.बु.अर.चंब्याचर्च हे.बुंच चह.ज्यंच रंचह क्षा.एव्र्र.. र्टा कि.म.डु.अर हैव नए हैर.न डी इस्ट्रेंब्य हैर न न नहेव वय. B. 9七, 네즘의·ㅁ튬의·얼.젖의·디·너·스ㅁㄷ 근.칍ㅗ.다당,정의의 스디당,보너 너맆ㅗ.. ८८। हिमामास्वरामुका हुराम है। अहित महारामु नेवाहरा हमा ठर है। ब्रे 'परे 'हें प्रायामहर्गें में राष्ट्र प्राया है में अधिर मासुक्ष ग्री हम माहका के सार पर्वाचुकाल'रेक'ग्रेक'श्वेच'श्वेद'परि'रोक्षक न्यते द्वारे क्वेर'न्टा प्रिव'य' अर हवा स वहिव सामदिव यर हवाय य प्रत हा यह क्षेत्र यह क्षेत्र यह हा अदिव त प्रतिय ते. क्र्य भी है। हैंर ततु तस्थत तारु देश हैं वेश। प्रत्य ती. अधर धुन वन केन के पण प्र मन न कर हिन पर है। परेन नहें न स्वा कें ल'द्रमा गृद में शुल भेद छिर। भिंद न्द पलन सल गृद हेद छिर। दिन तपु. मृत प्रतित्य ह प्र हीरा शिवात देवय में कूव से कावी । द्वारी। दे'द्व''गुद बद्''यस रव वर्षेर मुँ वेदुय इस सम्बा मी लेड्स लाम नेया। ह्यून माहन यर ठव की लेड्स माले नेया। ने मालेव हेन मु लेतुबाइस गुदा पश्चम म स्टब सु-द्यामित है। सुन। देस मुस तह्न परि तेतुव अवर चुन पा पञ्चप (के. 147 प) पा लूटच ये. ह्ने वेथ. तप् जुरिय और. हुने था पश्चिच.ता. एते स. तेषु जुरिय. कूस. भी. ⊈सस चर्छे र त. लुदे. र्दे। । निह्यासामक्षेत् नुष्टेय परिकृत्यक्ष प्रदा मानावन महिन एकतः में च ज नुबत्तर में चाला बहिदार चित्रवा के अध्य खे. जुदार जब हिर. मामले। दे बिट्य मह लिय से क्य में में है। देव मह्य देव किव में प्त्राचा अवर विवाह स्वाची मा । ब्रिस विवाह स्वाचा होरा मा । देर वा विवाह स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स् निवेश्य स्वराह्य लय लग पर्वा हुराज्यायाय लत । अध्यापश्चेरालाञ्चाया ताईकाअविर अकूर नेटं.ग्रे.कूस परी पर्यंतावी, ईबा अविर ह्या प में अला नेयान्य्रकान्त्रयाय माय ने स्वह्न येने मुं ह्वयान है महिन स्वाधिकारार नेया तालामीबुद्ध अवस्ति द्वेताल रटामधेर हाहारचारचे नेय रेस्याचन माबी नेया अळेव् चेद् र्न् । अष्टेव् वासुअ र्वस्यायस्य ग्रीसः वाह्न वार्यायः यदे व विक् त्तर्वाद्धः त्रः व्यक्तिः व्याप्तक्षितः प्रत्याच्याः व्याप्तत्वः व्याप्तवः व्याप्तवः व्याप्तवः व्याप्तवः व्याप 급스,다음,네용비 라는,성위성,Q니상,어와,근,돛네석,를고,숙성,성돛네,온,디腹위성, यस भ्रम तिर तिर्मातिर पहारेश्वय श्रीय प है डे. भ्रम खेरा प के हेर मा अळेद ळेरा पकुर। अष्टित मासुक कुं रेंद सं सं पा नदः क्य पर प्रमुखायतेः र्देव इवल ल में रिव पढ़िव 5. लिट पहेब बेल पड़िंस पासवर मुकापहि हिंदा... त है, टुंड, अष्ट्र मूथ तर्थ विश्वा अयर ब्रेथ तंड, सूथ दूथ टुं. है, ते. हैं र. लामा हिन की हिन ह्या दया विदासी । या प्रमाण विदासी माना हिनाया तर द्रमाय देवत्र. देव पेट्ट में है अह्दे. दे में रात प्राप्त व स्वार्था निय अप हिना वा नाहिन नील अप्ति नालुक में इस या मर्झिक्स यह। दे स इन ह्मिय पर वित् क्वायह्व रे.वेर इस में हिर प है सर हम अप अर हैंरा प है. देते अळें व ळेंच पढ़ी। देते अद्भूद ठेण पार्डे सामर सु पार्चेश हो व (का 148 व) लब्र-८८.पश्य.त.पञ्चेर.त.स्रीर.त.पष्ट्री.पञ्चेशवायपुर.क्षाञ्चेद शवर विवाता... क्रे.रे.ज भे.पंथवाबह्रातारेट पश्यापक्षाक्षेत्रक्षावयाप्येये छे। 1रे. नेवन प्रमुद्द में क्षेत्र के विष्ट के व ने'वलस वन्'गुन्'न्ने'न्विते क्षेत्रन् स्त्रेत्रदेश्यात् व नुते त्रम्यान्यवरः वुनायाक्तालिका देवे र्वेयाचे दार्ची कुं त्रस्य नेवा देवे हिट दें राचा परे लव लन् मुन्दे में के स्वापन में के प्राप्त में के स्वापन में के स्वापन में स्वापन में स्वापन में स्वापन में स्व नेबाइबबादे ह्या वद्याया महिताम महिताम महिता देवा वर्षा महिताम महिता लायपायरे द्वाद्वापायकु पर्वत् द्वारा प्रविकार् प्रमुखाद्वार्वारहिणा 다봤다다. 보다 돛네석. 튉고.다! 다듬석. 다 및 하. 날, 너석. 낮 네석 다 보다. 길, 결소.다. इ.अष्ट. व्रद्भारा दे ता परे व पर प्रता नियम नियम नियम नियम पश्चमायायवरानुमायते हुराय। यहदारा हेवाद्वारो नेवास्तर हैवास महन् नेत्रामहिद् न्युक्ष है देवाया पश्चेत्रय पता दे व वन् रहत है यदि प्र ख्य पड़ित में प्रमास्य हे. पास्य क्रिया क्षेत्र पाख्या प्राप्त मार्थित है. पास्य हे. पास्य क्षेत्र प्राप्त हैं पास्य प्राप्त पास्य हैं पास्य प्राप्त पास्य प्राप्त पास्य प्राप्त पास्य प्राप्त पास्य पा

चले प ल मा हे सा रहा हिंद या पहल । चल में हिंद यह दर हिल में।। न्द मारी न्द्रनाम्बर् (के. 148 म) हिंदा हैन हें व मार्न अमेर हिला। रलवंश तह रेव्ट्य त.ए जुल. तुर्. इय. वंहेय पत्र । वित रट ब्रूज. जुय. हा. मेनेय. है. प्रही। चिर नेबिश जा. सूनेय. जिनेश ने हे अ प्रति अट. । जिर. हुरे.जे.रेह्य परंव हूट त हेर.जे ६ल परंव.हट पर्यर त.रट हेबल सं.ज्य. माक्षराम प्राक्षराम विराज्यामा मेटापेटिप्त क्षेत् के सामाना स्वाप स्वाप न्धवारयम्य यदे म्बुटाइस्याणुं मार्डा में रहान वियानन गुं निर्मा सारारार त्रचेत चेत् श्रेम'न्यं र सम्य कुर्यामञ्जूनर्यः निम्यः स्वाचेत् क्रामा **महितः**। 어워, 보급, 왜, 집네, 모릛도 다, 본도 | 모든, 휄리 다양 됐더 비용성, 심, 링, 링 삭 성도. | 됨. बरु म्रा ४६व.त.ध.तेवाय ८८. बु.च.के.ज स्वय च। हु. अरु. स्वा.४६व च ल नेस हैट हा। बु.घ.५%। मास धारी था है। यह की पर मांबा का ने मां त प्रास्त्रमान द्वाय खनान नहेना है इस सार वट तार है ना द्वार केर है... बद्दा दिवदा अपन कुष्तेल वक्षत्र व्यत्यार ज्वाय विद्वार विद्वार 여름도,다 및 네.너와.너동네와,對신Ⅰ 됐다.신전호,저도의 취상 다뤘드의,취상, 역독신, नह वह नि.म.१) अन्य वानव नह क्रमानामा मन्य हर हिन् में नेया

रव क्वेंद बेरे बेट'म'मठस'ॲंट म'लस'न लस रहेनस'बेट दे हेंद में रणर कना देशस रेट हूं बेट ग्रेव अद्विव स्वाय रह ए जीत रे न खेरी विषय वीच न्ने लेन्य न्या पान मेया तथन्य पर हिन व इस्य गुर न्यु रुदे लिट इंटलाय मुर्वा गुट मायुट वह क्षेत्र इंट। रव वेद है भु ह वर्तु वहे वर् ग्री.पन्नेम.तर.पर्वे त पलचेश ता.सेपु बेल कि.वंश ग्रेट । बुंश पढ़ी.पम्. मह अर्था मार्थ के राम में विकास ल ह्युव रस न्यानियान हुल जुनस कुरा र हर यह रखेल यमर ह्युव रस न्वेन्य नह्त ब्न्य बेय प्राचा के रेल चति वर्ष नहित्तः। ३५ ईय है'य' पर्डे ' पर्कु र कु ' रु र्ने र पहें र (लें ' 149 व) कु य य य से ' पर्कु र ' हु य ' ' '' हिना'ल्र-'ने। है। रेस सह रहेन स सहेन स'ने'सब कुष सह सहुद सहब म्रेट में अरधीर म्रे कि. मुंब हैंद मूर निवेश चट्ट बेहेब रदाए ग्रेज रदा यहसामा **ब्रि**मातक्रि न्यु'साकुद् रद त्र्येल न्द यहस्य। म्यास्य स्रे लप्ट द्वा.भ.र्बट.प.पथ.तू.र्जी.प.धूथ.रुभ.धूवा भवर.पर वार्थभ.पश्या.वै. . थ पढ़ी, बु.रूट. चुँटे. तारु, बीखेट लवे. जा। अ.च. चेबाश पड़, टंचे. क. ज. पड़े वा। बु.न.देर ब्रूर.पट्न इ.चनस श्रुम भ.रम.नह वि.नैम.कु.कट.मु.हर त्यार हें में हैरे पदेव महित कर र खोल क्ष्म भी वित र मुर परि मालुर केव "" हैं। दिल्हा सम्बद्ध सम्मद्धार में प्रमुख्य होता मुख्य महिन् मुख्य महिन् स दश्रम्मामा पर्दिर्दे रद्राञ्चल म्यर्र् छिल। दे त्राच्याय ग्रेयर्पाम दल 서도성, 다시, 다시 다시, 나는 사이, 다리 다시, 다시, 나는 사이 나는 사이를 다시 나는 사이를 다시 나를 다시 되었다. य दे दं र तम में हे तम में हैं र ल में हैं र ल में में द न प्याप मार विष्य में **考す'与め'スに'句'だ'ざ'々考ら'後心'心'考'與与 ロモ'為ら'は'可裏モ'可する 愛'……** मप्रक्षेत्रः इ। विव्यवस्य बिट, इव इ. हव हा. रेव, व्यवस्य श्रीता । वि. म. श्रट.

केद चनु र तः र हेद स्वाय। ।रट कुर् स्वाय चनु र व व प्रायेष परमा |द्राप स्व मात्र मिल्ट.में Ma मूल हेना |प्रम ठव प्राप त्यूर श्चार्यकर दे भय मेला ।दे पा चंद पदेन मेंन बर महे हे हे व नहीं रेट हुन इ.प्रि चैल अश्य मुंब.६.पंब ८८। पुंब.४० हूर भ पश्चर। ब्रांत उद्धर णुर्व लामहेव र मुन् महे लगल गुंतिकर ११ न्या वि दे र मुन्निम् ह्य थ्र.र्रे.प ध्र.र्वेच पुंच राय ग्रीय पुंच राय बूँच अ.पार्ड.स्र.ग्रीर पार पार्वेट लातकर १व सहर मल मि कर हीय मह में दिन मिन हर मानद सह मिन कर ७इव ताक्ष्य रेट । विर तर बरिव रत्याल त वै त क्ष्य ग्री अट बी रेट । (कैं 149 म) देवे श्रम स नार्य दन्य या मईद व स्मुल से में द्द विमाय श्च परि शेर मे व्राप्त वस्त्र सेर मे क्य पु प हैं परि सेर मे इन्य न्तर धुन केर वे किर विष्क्रामी केर मा भित्र मा निष्क्र मा अर वे विश्व म लूब देव. अर वे. के. अर कुब मधिर ने. जेवाब म. रेट । ह. बस वर्षेश । मुल रत १४ वर्षेश वित्रह्त वर्षेश ह्वं वर्षेट्र त्राप्य विद्रा बना.त.८८ भ्र.वे.त.लप कुर.धि.चनेय कु. ईय श्र.४वट च लय.नेवर ईश्य . र्टा हैस से.श.पष्ट अट वे इट.हूर कर.हर बाका माना कर. कर्रवस रट मैंर तह है। त लाइस तामहित ख्नस पह हैं पत्र में सर न म नार्ने ८ हर । दे दना नी हेल तम् द म तन्तर विना दरा। इर तमुर पर क्रयाची प्रचीप पंत्र स्वाय क्रियाकेट ट.लेष्ट्र घर टे.रट.केट घष्टाञ्चल,घडीट.... चर.अहर जिट.तर्थर केंब प्रट.क्ष्तेश त ब हुस.खे.अ तेट हू.। ।बराउचेंट. वै। त क्य मृ.द्रंब वि.कर वेंब विश्व सह विद्रं से विश्व मिहे बार वि पहें व हे. ल्. हे. ते. इ. वर्षेत्र टे बैट्या ए यह्ट रंगा चूट रे. इ. ५ हवे. पर्वे वर्षे वर्ष गु.ए जुलात च. तथा गहर तह इत्यं मंगल पश्चर। एक र १४ गु. स्व.य. लेग्य पर गृह्य वायम। देवे श्रमां स क्रमां वास्त्राम्य पान्य पान्य पानि स्वा

ल भीवय त बाद ट.त एसं. सेरा विशेष बा.ज भीवय त. भ.वे.वेट घड्टवी मिश्रेश मांत के बावस ता बटा बट सम त के मेस वर्तित में स के पे ति कित ती.... प्रकृर मुन्न म श्रिम **र्क्षनाम प्रमाय मन प्रमाय स्व**र्श मुन्न मन मन लिताय. ७ १ २ १ १ भ तारीय मी. जाय ज्ञान, कृष. मुंदा हीय कृष्ट । वाद्य द्वर. हिंद में दिन अवाय प्रमुद्र हैं। य वस्त्र उद्दे त्राय गुरा हिंद सर ब्र वित्रना सर्वा नात्र मारहित म श्रापति देनार विन देशस रहा अ स. नर है. नर्व हैय प्रनिट रेट. नर्य ना अन्य अष्ट्र न ते हैंव देव में हो है २५'अ५२'वा देव श्रेंव स वस्त्र उंद सम्वेद य हे '२५ वॅ'के' हैं (ले 150 व) प्यार **मिन्यात प्रमेर पर्य पर मिल र्पट के पर्सेर वि**षय रहि गीव अब्रिब. तर्थे. टेबोर. प्र. हंस. एसंट टेट पश्च.त प स्वीय त प्रे लेल श्रीयस .. यते न्वदः मं खत्य अं केय वत् प्रति तदे हिन तहे वद वह न्दे। दिः १ वर्ष भेद भी भुद प्राप्त हैं मिया स्र संस्थान प्रमु प्राप्त मानु प्रमु स्थान रेद'र्च'के'ल'दर'र्र। ।दे'ल'द्वु'अ'ह'घ'नेब'रव ल'रव वेद द्व वॅ'क्रेद' पहनाना के.त.पहनातपुर्वर प्राचित्र है.व.इ.पर्वे स्ट्रिक देशे दें व तज़ेल द्यु कालातहना या दा हु पन कुवा का १ वर्ष या तदेशे सुवा 🗥 क्षान्तर मेवने तपट के वेट केन अभय रेनपुरयर रेटा । प्रत्य वे य मु अध्यत्रायान्वित्र। न्दार्यात्यस्य वहुदे दि व संस्थान्य व व द्वारा स्व मस्त्। विद्राह्म विदेश्यत् प्रत्युक्त सरायकत्। बहे विद्राह्म प्रति में वसःभ्रह्मां तर्वे ता. वर्षेशा ४ तयः वि. यत्यः क्रियः क्रियः प्रत्यः ता. पर्यः। वर्षः de.2.ac.@d.tbga.cl @u.g.dr.ac.@t.tl Be.@d.tg g.g. मुहि देशनिवर्ष विट छ्वाम्ब्रान्त्रिंट्याय इद ५ दि चन्द्राया रटानविष्यात्रात्रात्र्यायम्बर्मास्य मास्य मास्य मेट । दे द्वा नी दे द द स

गुद बेबब मन्नेत स द्वाप मेब रम ग्री घर्म मृ धेव मन द्वा बहे देव र र न्या कि कि मार नम्ब है। निशेष न दी रिम्र प्र य स ने स्य न में गुँका । क्रिक पत्नि, पहूँ ८ क्रुचिक गुँक पण्यात व्याप व्याप क्रिक छटा। । दह में क्षे नर रम्परय न मैल क्य नेयय न रट उन्नेय न मी. मैं व विषय में य अर् हे. कुदा वर्षेट महिला कुट् हा अ हे किय पत्ने 'र्टा पहें ट ळे प्र व पादि है भैतया से क्ष कर क्य हैंदी जाता ही भीनय से बतया रेट मेंय रवा उत्तर, तिह निस श्री में निसंस प स्रास्य पहुंच य न्ता है। य न न न में में दे हैं। देश (कें 150 प) पहेंद्र म इसस गुर लेगल मर प्राप महे दें दें हैं हैं वें ने ने मु अके द दर। श्रवः द्वं व रह् में श्री दे दण में हेय तयद दर पडन या हिर देश में बिश्य कर अमिर त पैंडूं त.स्वेष मुक्त एकर कुट में छुन मुंत ... ला । यह व जय. ह्य. रट घरव क्रिय बिया । तर्थ स्वित. प्रायत प्रायत रियः अञ्चल मेर्डिय सेपट चलेता । मेर्डट वेम रट चैंट ग्रेव अद्विव जन स्थासमा ब्रिम् के ब्रिना सर मेर में के विमाना । मेर टे. क.रम. ब्रिस्म में भ र्फ्रिंग् व व अधु अट्रिंट र्म्ट र्म्ट र चेत्र प्रेत के प्रवेष मध्य मध्य प्राप्त मिन् बुटा। विर् तर पहेर त है।रर.है,श्रेमकावि, कुए श्रूपार्म्य अहि,य ज ह्या जू. कुर्व तूल तेशस कूल है. अ चलु. जेलेट एग्रेश चर्चर त टेट चरुस. ता. जेसर वस के कर होतात रहा शिव र्वे दे तस वाता अहव में की भीवर वि. त्रव्राम, म्, कुन केंटे धे, ज्ञांचन खेना किंट र. त ज्ञांचन, जानचेंट तपु, ज्ञांचा कें बरु.पर टे.वैट बुट क अ.ज पर्यटे.त टेट.। है अ अ ब्रैंच.तर्छ.प्रांच्यंत. मेट। रेमापदीव न्यु स न्य सेससार सामी क्षापार हे दायरे युनाया महिसा खर पहेर देवे अर केन क इसम खु महिल हैं व मे नेयाम रा रा रेनारा मेंबर, तर्व वीत, ट्रेस्टस, केय. ग्रे.के मेंट. पूर, निय विष्य तथा था। विष्य ग्रेन

बहुद इंक्,मारब नश्रम्य सं। १५.८न में केंद पश्रधानय मानद्र वन मा प्ता कुल पाना है स प र प्युट ब्रामा हे ब्रामा के मिल के व य प्रामा गुद महोद ६'ये५'रू वेर। श्चिम होर महेर के मु मकेर। हे पम्न परे हैन हेर हेल लग्न रूट परल म समल कुर हेर हा हैन'म बेट मेर हा हेन" मं मञ्जूनिय मेट सेमस रम एक एट्स यह देस ह्य द्वा स केंद्र मेरे हैट "" लिन्य द्वार पर अहर प क्षेत्र हैं। ।र्याय हिंद क्षेत्र क्षेत्र ब्वाय ज़ैय हेन पर भूषां । रिव्र प्र. ध. शपुर्वा दशास्य स्योग देश सेबा वा । रिल्पाय छी। नुत्र श्रीय'न्यें केव में (ले 151 व) न्याय स्व केव श्रीट ब्यव'गुवि'न्यु'वा द्रेन महे क्रिन्य हुन नि विदायर हान नेय रम होनर साथ सह दर्न हसार मर प्रमाण पर प्रमुद पर्हें नार्र नार्मा है से सर एकर प देश सहर् पर ला चेवायाचा । दे.हेर.एलवाय चूर विशेष वराख्राच बी.वेवाय पह बीत सबर. प्ट्रिट पिट्या केरे. चि. या. प्या विया क्या क्या विया वियय प्राथता विद्या क्या वियय प्राथता विद्या क्या वियय वियय न्दा । सद्य कुषाभव १५व धेव । स्य व । स्व व पर्द मानु व कु । स्व दे अर्दर पस्ति। हिं हे कि दे ग्वस पर्वर एदे दिग में विस पर्हर छ र्व रमार्गः हे हे हे लेखा पर्वा हिन छेन हे हे हे लेव साम प्रवेश पर्वेष तर अहर पर में रेश में रेश में रेश में प्रत्य में राज कर स्था प्रत्य प्र एलचेश्वः पष्टः क्रुचेशः । क्रुचेश्वः तश्चः श्वेदः यो । यो विष्यः विश्वः विश्वः विश्वः । यो विष्यः विश्वः विश्व नेयादे हिन हिन अक्रम हिन सम्बा । येयस हव गुव देव हेद केया इसकार्ट रिवा विकामधिरकारा हेर हा विदेश वर्षा तम हैव या हा. सद्य क्या देह पह्नद्राधानुष्या देश श्रीय धार्मा तर्वा दे द्रा वीयानार्ति सर सि.सह इत्यायाक्षा हे.र्ना.ईकासर स्वा सह सेट कीमा हुई. ल्यं भेरं विष्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स खेल क्रांच्या त्रार्म्य वा दे.रेचे.बेट.पत्राधेशवया बे.पुरेश निष्यात्त्र क्षेत्र निष्यः स्वायः हैं है विष्य स्वेष्य क्ष्यः स्वायः हैं है विष्य स्वेष्य स्वेष्य स्वेष्य स्वेष निष्य हैं क्ष्यः स्वयं क्ष्यः स्वयं क्ष्यः स्वयं स्वयं स्वयं। निष्यं स्वयं स

पद्दे. त्ता लेला धून. भ क्ष्म. जिल्हा पद्दे. त्या लेला धून. भ क्ष्म. जिल्हा पद्दे. त्या लेला धून. भ क्ष्म. जिल्हा क्षम. ज

र्सित् चवत् रेत्। वायत्त्वा हित् कृत्रत्ता चयम् वान्त्र हि स्यास या क्रिन्त श्रेम न्यव मन्त्र क्र नम्बर प्रति महेल न्व क्र वे वि त्रोल मन्द्र। सरसः मुक्तम्बरःपरिवाशुर स्राष्ट्रं पक्षात्रेवाकायरःप्रमुद्ध क्षेप्रामेरःपुर प ८८। खन व हैं है 'द्वद'वन्नुर'विते कुद'ल'दबेल'य बिन'गुद वकुर बेदा। देखा ल्यायात जानमराताराह १३ वाह क्रिया वाह स्मेर वाह क्रिया वाह वाहि । वह वाह वाह र्रं में भ्रायान्य में र्वे देव के नामाया में या नामाया पःरंग्य क्षेत्र करूपार्'वात्र स्था कर्मात्र प्राप्त पार्श्वेषात्र (क्षे. 1254) ्राप्त प्राप्त (क्षे. 1254) ्राप्त प्राप्त विष्य द्धनाय यह यम् कुव कर स पुर देदा। हर केव हैं हे तक त नुव न्यार पर्याचित्र स हुति झें 'दुब'द्ये'विट'दु'सँ'वाखुब'झु'बढबब परुद्'दे'कुद् द्रः · 영화의· 중조지 의·미화미지· 통지 도립자· 영국· 디즈 최토니 명· 월드· 한 월 · 국제 चरुवन नेदःपञ्चन प्रश्चेतायते युगनामहें द केद प्राप्त विदःषदः। देदः सदः दे कुर्वस्थानी सिर्देश्या विक्तिर स्वामानिका है। हे केर् द्रामानिका निकर क्ष्यान्युस्यान्त्री ध्रदाश्च वे मानुद मा द्दालन्य द्वासा श्रास्त्राच्या न.है.ट्रेनी ने ने ने विषय विषयी होन.हर्र प्राचन समित्र स्वायाम् मान्या हिन्दान्या ह्या निवाय हिन्दा स्वाय हिन्दा हि न्द ब्रिन् श्रुन्द्रमञ्जूद्रामदेव प्रदाष्ट्रायकुर्न्द हेराम्हेन्यमववासम्बह्ता चक्यामा तह्मार्चिट्यालाराता. व. है. लिहार्चिटा में केंब द्रा प्याप्तिर. चुव वे के पालुग्य मा

मन्त्रसद्धि । इस्तरस्ट्रिं चीत् दे। क्ष्यालाश्चान्य त स्याप्त्रस्य प्रकृता । स्याप्त्रस्य प्रकृता । स्याप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्ति स्थाप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्त्रस्य स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्त्रस्य स्थाप्ति स्थाप्त्रस्य स्थाप्ति स्याप्ति स्थाप्ति स्थाप्

ल शिव त श्रम्य मुक्राम्यम वा मुक्रिमा त शिव प्राप्त मा गुर द्वार है हा निर्वेष की वर्षार द्वाप एत्रवीय लिए टे.चेवाय के.बुट सूर टे.सट्य क्रियाचीयट.. पष्ट, प्रमाप स्था इं. रें र वें प्रमा है स से मैं व अर जा है . रं ज में व. क्रित श्वनात कि व दर परि र्वेन अर में केव देव केव पनर में न केर मुंब हे .. भि.भ.भट प्र. तहेवा किर टट नेट्यत टन सट. म्. १४ वस नेयट इनिया है। नि विनियर क्राम व भवार् अवन्ता मिन निवार क्षेत्र के किर देवस सव कर कर विया मिन के प्राप्त में विषय मान्य में विषय कर मान्य में मानु मान कर पलट ने हैन पहुन परे लग्नेल प ने हैन हिट पार्शनान पहुँर नन तकन १८ न चुल (कें 152 म) मेनल पर मान्य स्था। धुन सेद देव नेन अहर दे। स किट जुनाब तारु मुखरता नीट मुट तारू व धनीय कील अक्षां नी स नी बूर वु नेव रा। क्रिक्र हूं व हे खिनाब श्रव पढ़ि नई दर चुर मरे श्रा व बार म्राल नेबट हैं एकर १व केंब पर्केरात इव त सुव में अर पर वेट । हेंबब म् तित है। प्रत कुरान है है जा ल के स्वाय है वे हिन्य है तहुर अह है.... . अहर देट विर तर रताय अक्रम में हर मूट प्रवाय। तथर केर द्र हे हे अं अन्य श्वन अन्यतः म् लाम्यन्। हे में हे केव मंत्र हुन कुन जी निम् निम अव : ध्या में अ श्री अ केव श्राया श्राया प्रवटा। दे श्राया ही व र हिं व र द मा प्रथा हे.चे.स्वर्थर्ज तर पर्वेट हट.के.कुर.हाल। वट्यर्थर्थर्थ्य.वेट ल निह सूराल नेबबाताकी कुबाहा अहर बंध सरार जुलारिया विस्ति का सा ह्मियायर पञ्चर। माश्रय पार्श्वे अस्यारम। अर महराख्या माश्रवाङ्गेव क्षारवर। श्रुट कटायाश्रेटानो कुषा मकदा है। बदया द्यारा खुर वानाय पार्श्वाय भारति वेट पन् पन् क्यार्टर रे। । पर प्र के में माश्य पर श्रामा मा मुन है । मार्द्र । विस्थाय है । के मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ १व.मी.मंट बार्. मूर पावट । बाबव लाट चाल च्रार् प्राचेह वंबा अलाक्ष र्रे का

लामकुर मार्टा में हु है उह वस नामन है जे रसर मा ल मकुर म सन्म इति ने अ.चेट । लट हैल खे.चैंब अ बैत २० पत्र ४० पुर में वेर कीर. म ल। पकुर्'ञ्चल दे'र्ना'नी छ'सद'पकु'ड' खे'अह घ'अर इल वहुर कु मैं पार्य क्याय हेना तर बर ता ते हैं व अविश्व तह में अडू छ व तर प्रतिष है। दे हैं पुंच इस वर्षे र कुर कुर के पहें यह रहे वह पहें पन प के व अ। माब्द क्षिय गुरिगुति केंग समाय विमा करमद रु तरहर हेट क्ष रहेर कु र गु र मह व पर मार्थ व सा । दिर वर पन र कु व वे के प ब पन वा (क. 123 र) ट्रांज अकू ते. हत्य पर्वेश इ.स. हत्य पर्वेश हे. ई. न्द्रीत्यास्त्राय न्यान प्राप्ता के क्ष्य पर्या मुक्त की स्वाप्ता क अध्य वसारख्य पर कुर हुँ र प्रीय पर जी र पर प्राप्त र साहित प्राप्त र मा । १८६ 'भ' में 'में हैं र अन्य ८८ में र अन्य हे य ज्ञाय व है। में 'के व ग्रै' अं कु हिं रे. चर्चर ता में ये. चर्च वहिंद प्रचा प्रचार होता है द लचा होता सहर म दे भु केरे हुराय चुरायरा मक झुर दु रूरायाय में मा झुर सुन्या ब्याचि है। ४८ हूर कु बिलाम क्या हा हर बिल्य कु अंश हेरा म र्टर मे बिरान तर्र हर इसम ग्रेम सेंगा पहेंद्र पा इसम मेव दें। , । में ना हेंद्र लियान दे. होना प्राप्त क्रम में नामन पालना तेन निष्या में नामन हेन लियन हेरा 회독신.대.설.월. 포당. 젊신.네.급은 떠다! 제.화.윷인 김.선소.다석.신.청신.용석 급 है। अप प्र.व. त.व. अ.अ.अ. त. कु च च स्वायाय पकुर ने हुन पकुर नु मबुनाकःमाहे 'मदुद्'केद'म् मानव मामुलाककद'ग्रीकाषु रमवलागु मानुलानु म्न. बर्ब क्षण पहिंदान प्रसंस्त पर्केर पर्केर पर्कित भूत विश्व पर विष क्षित हो । नविष वर् भूर नव्यम स्वाय अहर दा तय रेम नेय विष वर्षे हिर कुर नु हनानी विनापविश्रामुद्यात्रवरागुद लादाकृते परापु रद्वार विदास्त्री ।

न्युमायायायक्षा वाकुरान्ता माकुरान्।।

न्दः मः भः नासुका ०६५ क्वाया के ख्टः। नाहे स्वा ने स्वायः है कुर है। ।

र्टा दे। ८ दुवामाल्यवार्ज्ञ साहि मानवा । हा अराक्षा कुर्नावर मारु व माराकु न्यर प्रायद्वाचा केवाम। व्यवस्य केरायहे हैं। हा शुक्रा क्षेत्राचे स्टिंहा है है पल्ता स्त्रीय प्रतिस्ता **८**वटकः क्रेदः क्रेटः च। सदकः क्रिकः मेल। पृष्टे ग। गुवः ८पारः क्रेटः द्यः ब्रवायः प्रवायः ब्रावः हे.से.इ.पहे. १४ में हे. वर में वीया करा विकार है । वर प्रवा खिला के अधियानयान्यालामा छव् जिटा हि अदे प्रेचे छव् हेय मा खेन क्ला । ल्ड्रॅंड-कुं-कुं-रं-त्याल (क्र. 123 च) तथा श्रे ४४८ तर तथे दे त्रा । व्यं दं दं चर्चार.चूंच.चैर्च दश.वैंट.च.जबा विद्व.च.एलचंब.टंट.जु.चुंब.खंचब.पींर. म्हेबा विवयः स्थाने द्वा तयः में तु गुः ख्व दिनः दवन्य विवया से मुन्न.बेचन्न.खन्ना नेहे.तपु.खन्ना ह्र.इ.तब्र तपु.खन्ना तर्थे.तह. मु.सम्बा गुद्धेरान्।सम्बच्चरुन् चुराहे। इ.८८.मु.सम्बस्य सःहे नग्राभैकालेकाग्रामकामञ्चर लेटान्ह्राकेवायाक्षाम् । पर्वापकान्यम् व्यापकान्य ्म्यार मार्द्रम्मावेस मान्या विमायस्त्रम्न्राधर पुर मार्वे दे हे चबर्नामहे. खेने व. क्षेत्र मध्य क्षेत्र प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य कर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कर टमाद्रैट'रु'अ'र्र'देट'। नहीं चर्राद्रराध्यान श्रेर हे शुः श्रुप ख्रामात्रां । बरबाक्य का मुनाबियन के जियान यहित रायर प्रमेर अर्थ स्वा कर पर हेंदे. हुट.र केंधु.तर.रे.तबंब त.लबं.डूं। कि.अ.थर.४त्त्रंब हू.पू.कवी.तोष्टे. केवा विभारेव पत्रतामहर्व रामहेवाग्रीतिमया विभाग्यासम्बद्धा खनवारी छै रदा में विनामर मि केदारेदा केदा पान में वार में वार है दे । ८८.। रुष्ट, ए ज्ञेल, त. सूब, त्वला, अवाय, तबिट क्र.स. म. प्ट. त सूर। दे.र्ना. में नियम नियम नियम के प्रति में के प्रति विकास के प

ष्ट्रं प सट वित्रत्वत्वत्व स्थान म्हर् हे पञ्चर प्रमूट के रेजन धर नहिंग अर् गुै नहीं दिर अर त्वें व गुै तुन्य नहें व खु न्व के। देव व सर या व द्वाळ्य गुः भ्वाञ्च गुवाश्चितान्द्व द्वार्रायान्द के नेव हैट संख्याव स ... प्रदेव वयान्यतामात्र्यापर स्राप्त वया व्या व्याप्त व्यापत मक्षेत् म लय श्रम कर्षः कर्ष्य मृत्युराम गाकित् मही लय वित् मर नुष्करः । क्षेत् प्रात दे तारत क्षेत्र क्षेत्र सुर हिनास धर नावत । देश विसस ध र अरुका हे हे त नव्द है। र अरुका है हिल कु न् र पुरुष म रुद माल हुर तप छ.जय.टे.के.चेर ताचे हेश घर ताज ४ टेश त हेर टे पूर्य त रेट (कें 154 व) सर वया हर हैंव। अर य मनेगल बेव यस सहर हैंव ला प्टीयाताम्बरातास्वायावस है। यर प्रकृत दे। अर प्रवास सु ग्राम्य स्वा एक्षालिवायाद्वात्तार्थे, ता. कृष च्राप्त्यं विवा ता. केथा. तथ्य ग्रेथ ञ्चिता. ट्राचा कृष. सं'र्ने'मे'न'र'र्ना रे'ल्रु'न'र'४ह्'र्ना मेह्य हु:५'सँन्स म्ह्रे'रु'म्रुब् अपिर र में का ना है स देशसा प्रतान मार पार देश पर दे पार मुंद र में त वर् न्या प्रताप्त वर्षा या मुख्या वर्षा वर्षा प्रताप्त वर्षा वर्षा प्रतापत वर्षा प्रतापत वर्षा प्रतापत वर्षा प चरुकाता देवकाला त्युरामहें कार्त बुक र्वा श्वाक मेव हु तेवाकायर वहरा ध्रियाका इसवाला के किव पद्मव या लव ध्रिय स केट्र के नाम दिवानाय प्रवा अद्राद्मनानी मानुद्र अरचेना या चकुद्र। यश क्रें नाय नि धेव व्यव व अवस्थाय ट्रा धुवान् वितयाया हु। तु। न्या वे वे रागु। व्या व्या व्या व्या वे राग्ने। मुता सक्वा बन्या श्रमा स्रोता स्रोता हुना हुना। ने न्ना तय है यर मकुन ने प्रनुवासी भूर भूव टे.र्राच.वेर.च.लब.पे.एब्ब. अ.विवाय श्र.चवाय श्री ।लट इ.स.इ. ल.हे.चेथारचे प्राचा बेटका टेश इंट. टा बेचे सर ता प चर्चे ता स्वेश वसाहार्या तिवासा खे. यावासा अट. कवा क्रूयाहार वाया ग्रेया पड़े हे. रे. येहाया सूर्याय मुद्देय.वंबारिय.ता.यावर्वाता . छि.तया.यीटा.राम. छ. अ.राम सूर्यावाता. मन् म द्या है मर मक्षुर दे कम समय सम्मान्या पर मि के मह के व मुकाल श्रुप्त है 7 रदा दिया हव मुग्निय में स्वाय व नवर प व नवर म कुर. तिर्माय श्र. मेर्साया हेल्स्य स्टार्मिय सबी है. सम्बन्धिय स्टा क्या विवास बेसान्तेश्व सुः खे प्रसः ८५ सः प्रवासः मृतः हुन रु प्रचार धर सहरा मलव मट मन् अल केट बर पर केव सर पर में व के के के मान प देगा में प्तर्म में विषया मेन विषया समय दे प्र में के वे देव प्रवास तथा विकल श्वाल खु.चानल.घ(क्. 124 घ) विटा। घड्ट १५.ख.व छा.चै.८८ चारव. स्तियं विष्या विषयः नहै. २. सि है. मैं, स्वीय जया दे. पूर्व राम ग्रीया वाया वया रेट मा. २. सिवीय रेट । लट.चेर्रे थ प्रतिट म्ब च.प्रट.खे. ६३.घड्डे ४ ५.४२ ब.घ १४ घ.४ स चेर्रे स ... लिपेय थे.यंचयःतःस्वायःवैट हा। ।ट्रे.केर.लेग्यःइ.वे.वेश्य पेट्र.क्वेगयः लावित् खलालदेन हैं जार्दा व्याचनवान्गील केनार्द अवादनानी केनी स्वाय क्षेत्रकावित्रे नेव्रिक्ता हा होवा मुद्रामा । व्यक्त मुद्रा बरार्ध्या ब्रेंगावर्द वर्षार ववया मेटा । बरावर वर्षा वर्षा अहरास्य मुद्रामान्द्रा । तर्वे अप्यान गान्द्रा द्राया स्थान स्वान मुद्रा । गुद्र सिहेद चेष्ट्रेय पःद्रवे.कृषं वीचःजानम्या । जिल्लायः ज्ञूजान्, रेलान्, वेटः वयः अष्ट्रचाः पुः क्रि. त कर. तिर्वेष ८८ ४ जूब. पिर्वेष योहेब. हे। इ. घ. प. श्रीय. त. हे घर पृथे. र्ट. है. अ. ल पर्नर्वार प्राप्त प्राप्त मेर । अर पर पर पर केंद्र केंद्र र्वा में हैं है क्य विस्तार र सहस्र है है र र । विषय नर में है स्वाय चक्रैर-दे-विर च रटा। प्रत्याक्री चर्न क्रि क्रि. मी. मान चर्छ। भ स्वाय चर्छर नर्भन् ख्रिल, कु. कुर देवका कि. कु. नि. कुर कु. कु. न. ग्वे. अप्रिय, ख्रुप, में प्रता वर्ग बुकामधेर मार्च कारकक २८ मोजनाय मा २ व मुका बिनाया से छिनामा में हिना है। सारा

वर्षा देवातवन्य व्यन्द्रवान्युकाय क्षाय प्रदेशव्यन्याय देद वान्वद्र। दे.पब.ते.धूर, इर. पूर कुब.चेबर १८८.चेर.दे.श्वानय.तर.चेर हे.झूर घ बेबप. चहु-द्वी मा कुर् स्वाय क्षमा झे अट. ट्वें अह्या हुड श्रूच अ हिट हेश च में खूर बु 'पर्व ८ वसवायया पर्वा है ८ के व मा है । पत्र म्या व वस मा व व है । ८ ५ वर । परि'पस्व'पन नासेट'यमन उद विप'पर सहर्'दे। । पनिट'र्जन सुन रन माञ्चमाना दे . इ. इ. इ. इ. इ. द. जिम्बा है . पार्थ ने वेट क्षेत्र हैं . ज मार्थ पार्थ ने मार्थ ने मार्य ने मार्थ ने मार्थ ने मार्थ ने मार्थ ने मार्थ ने मार्थ ने मार् ब्रुल वुर पा लेब कि प्राप्त कुर्व का प्रमुख का प्राप्त के ता विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास व तालियंत्र प्रेष्ट ग्री-राम् म्यार रम् क्रि ग्री लिम द्रव ग्रीद लाप्ति हम। हव हिंदे.श्चर.विर.हेश्य पुरंटट पश्यात्य क्रिंद.वि.वि.टट । इ.किंटां प्रज्ञा मन् कुर्ने दुन्य सुका कर मर मबुन्य में । देवर हे अर माल **८** नुषायदे मन्द्रकृत्मतुत्र राज्यमञ्जूषायः मन्द्रमुष्यः भ्रे स्थानुत्रः वि ल्म्याम् द्रवालयात्र स्र-एटेर निबटायानहेव पर निबटायना ञ्चल.टे.अ.चेबर.त.वश्व.कट.कु.वट.वश हेचे.पह बोब्ब.त.अट्रे.चेब. म'र्नर'भु'कावरायादेग्यालाराहेग्यर्वरऑरठवा हैं हे लाद्वर्भुः व्यायायावनायान्त्राह्माह्माह्माह्माह्मानुस्यो स्वायायायान्त्राच्याया दे.रेचे.पथायोटावेचाचातप्रितिव क.तरावंबटाके.एकरे.तप्र जूपाले र बे... मुन्नी मुलारा केद्रार तर ता तथन्य पायप स्वामी निर्द्याय केया क्या न्द्रा न्द्रा । न्द्रा वितायर वितायर नियः नु । न्द्रा म् अर् भारत्येत्। विश्वास्त्रात्रेत् पद्वाप्तात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रा महेनान् मुक्तान् मुक्तान् निकारम् निकारम् मिकारम् मिकारम् निकारम् Bस-र्या पर्निप्छ। र्निप्छिता ने'न्यायी'रुम्याख्रिय'ख्रेर'म्याख्याख्रेर प्रमा प्रदेश त्री त्रीय विष्ठे प्रति प्रति हेते के विषया कुर ल पहिंच तर हिन तर हेर ही चार बच देश हिर नाहे. रट चहिर ही क्रेश श. .. अलामित द्रात तर हैं त बित हार पु नर में अग्रम मुं हुन ल हैं न पा मुखा मु ब व्य व्यट य दे श्रिट यह केंद्र पु प्रश्नेन्य खुल पुन य है हे परकर केंद्र या ल रेश्रेचेय देव प्रम श्रेव मूल चेश्रेय श्रेय श्रे श्रेट्य त्य प्रत्य ति रे बुच तः नित्र अधर विवा पह प्रचेश चै ह्या प है योशन प प्रचेश पह निह्न चै. लुब हैं। विश्वत्युत्व स्टर्मित प्रदेत प्रदेश हैं। कुर्ला रहिन सर छेर्प सह (का 155 म) हे व की नाम अना देश नेश नेम ना के माझुर मर छ । म झुम ना के रद महीद में किया हिद मि के अधिद म लग्न में हैं ज नद ल देशनेश सर में परि प्राथा है 'हेर रेशय ये पुर्व पर याया रेशय पुरं भवर हुवे पर. लच्याचु द्वाय क्षा । पट स्तायट बचाल चाहेका हिट चु पट्चा पृ 'क्षे पा खु क्रेनिश तह निराज्या रेट। धराने निर्मे अरे श्रिमा बेट तह मेट बन में बि अत्य द्वेण देशव १व ८८ मेर्डेश द्वेण क्षेत्र, कर्णसाचिता, देए, क्येश, तर्थ प्राथ खु'र्लन्'राहे ख्र'म'न्युम तनेहे ब्रेन्'न्य म'र्भन'णुन्। कुन'रनेन केन में वश्य १८ ८र् य. तथ हो चेय के. थर. हु ची. चीय. च चीट. च पूर्व विषय करा हिया है. च लत् मृहेश हें ब ब्रायान्यान्य महें मेरे तर्ना का नि माल हा न्नें न तहन हुन वि । वर्ष वि । वर्ष । वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । वर्ष म हैट हे न्द्र म ले नेन इसन गुनारेस मिन हैं म दूर्य के सम कर कर है। दूर कॅंबर हैन व कन्य व चले नदा ने 'यतद मेंबरमायान्यतार परिन्ता पहुल ५८ । व्यवस्थाद्यात्राचे प्रतार विकास के प्रतार के प वै'वे'अ'हेर'विव धर पहेव'हेर। दे'ल'न्राचनाने में दें। पहेरार्टा क्यात्र देवे.च। क्वी रत्न के.चन. हूर १८ मायका क्वी अवव १ हेरा ह्वा प्रह्मा. त्तरम् व त्रवर्षिया मेर्या मेर्या पर्ता । योष्ट्रवर्षा विष्यामा विष्यामा विष्यामा विष्यामा विष्यामा

गुद हिंच मनेद स प्रा तक म प्र प्रा मनेद सह हु म बिहा ह अ ल हेन ५८ पहेन म कुल नकेंग मुहेन ५८ घडनाया थे। स स म म से म से है चाबु, सू सूर बैंट टापू। । ना अंथ त जाय ही है, थ ज वर्षिश है, थ कूँ पथ कु प न्द्र मं प्रायत यह में म परत म या है अ स म म न हित है है है है हॅनाया भेन पुः स न नह्म माहर में हिन की हैन या ने रे रे रायल महिन म् र्मियं कित प्राचीत ति. हे न रचे ति । क्रियं हे व स्थ (क्र. 126 ब्रीट.वे.स.त पश्चित्रा । तथु.त रक्ष्यंय विष्ठ लेल है। भै.पंथंश. नुस न्युक रोग म न्युक न्युंध र्येष र्येन न्युक मनेव म न्युक मुन्न हेन् । लब जन पर्वे अर्थि के श्रुप तह, बेट उहेन हें, एकट कुबे तूर्। जि.स. अभव खे. जुन तह. बत्याल प्रेश किंट था है व पा है व पा है व हिन ती व क्ष न्युम त्युम परि र्षेत् उत् पु रचेत् माञ्चेत् तमा कुत् रहेना मान्युम सम मा मूल प. मूल पर मेर पह लक्ष भागित मूल प्रिया हिंद रे. पहुँद प मे श्चिम्प्राच्य तह्नम्या श्चिम्य मुद्दम्यात् । नित्रम्य तम स्माध्य मेंबर मेंब्र मा हिन कर्ष के हैंने मा याक महें व में मा हुक महि हैं। मार्थमा चिष्ठेयत्तालय ८८.सं.स्य.ह्या.कूर त्री.क्र्.ता वार्थमा ट्यील.एक्ट. वेद'वेश'ह्रेच'य'र्न्ट'झुच'र्ड्रट'अर्डर् या वर्ना हेर'ल्ह्ना'य'हे'सा प्य गर.वै.पष्ट.ब्रेर.पंगुण.रिष्ट पर्वेय.प। पश्चिर.रूपय प्रवेय.पञ्चय. क्षेत्रां तर्म वार्षेत्र वार्षेत्र व्याप्तर वि. तप्तुर विनामान्य विवासि वि मा विनामाक्रव, प्रत क्षाप्तय भुरश्यक्तान निम्म ब्रेस्टिम, क्रेन रेट र्ज्ञान दे.रेचे.स्याप्तराचेत्राचे प्रचित्राचे त्राचे प्रचार स्थाप 다'디털적'디'잎[मर्बयः पर्। । प्रियः पार्वास छेन् १३वल तेव छै । इत्या मेहता हेल छै हिं । या द्दः। अश्रमान्वनान् अस्यायरा । श्वीत्रायायाः वेन्या छ्टा उत्सव यारे श्वीत् म रहा ह्यां केव अक्रवां में हैं रामा में वा है। अरला में कि कवाब साव 저도, 명소, 근도, 크口 다. 모네서 디오서, 돌네서 집, ろ 다. 내용서 등 다시 됩니다. कुन् हे 'पदिरे हिम' नु 'है र'पन नि देय। विन में अन्य देव विन हिम मिष्ठे करें। दें देन देश च बेद में नियालय दश के ला निया (का 156 च) केल. म् विष्यं विषय रचाय हेव किया क्या मु हिंदा विषय में ब्रिया विष्यं में किया विषय ल्हनार्ट महेर श्रूपायुर संटानी श्रुपा रेन यामहुला बुनाया श्रुपाया । स्वायामहुला खुनाया श्रुपाया । स्वायामहुला मिष्ठेवा दे.इ.इ.ललट.ब्र्यं च चढव.ब्र्यं व.कट.भेव.मे.ब्रं व.कट.वंबे व वर्षेत्र. बु.६०.२. पक्षेत्रहर। द्रवात्तर्वेषःश्चित्राच्यालात्वेच बिद्राचरया रेवे.पा हा देव श्रुम अराम माईव प्रमुक्त क्वा के प्रदेश कर माना माना में माना में माना माना में माना माना माना माना माना मुद्रे हुं असारह्नारह्न कन्य गुः हुंद्रामा सामा कर्मा क्राप्तर ह्ना कर्मा क्राप्तर ह्ना क्राप्तर हिना क्राप्तर लाक्निहान्द्राचा त्राचित्राचा व्याक्ष्या क्षेत्राचित्राच्या त्रबट:कु'मःशःकुरे:न्रॅं'म्रिट:न्रःश्चे'मरे:श्चुंन्'म। अठवःहेन्'वेन'मनः लब के. ७ में . चंदा । विषयाके. विषयाका के. विषया है एता है . व्यवस्था ल नृग्'ख्यातकट कु'र्खल'कु'र्बेट्'या। र्बेट्'य म्ह्रान्यात्वरक्षेत्रक्षेत्रक्ष 다는데, 为는, 다당, 맞서, 는은 최상사 등에, 원, 은다. 다는 등고, 다음이 됐다. 다으셨다 ब्रुवाकिर गुर्के मान्त्रे मानवार्य र्के पुर् ब्रुवायि रहेल देववा गुवा प्रमुख मेटा ब्रुं ८.वे८.चट.चन.मृ.वि८.तर.बर.पथ.पद्रेष.तर्। ।ष्ठेश्य.चेबन.मृ.ब्रूंश.त. लामहिन। मैतातह, कूर दिन्दी, पान्न द्या के बार्य प्रतासन पान श्वीत नह. ६०.२८.। श्रीन न. ८६४.श्री व्रि. थ. प. प. प्रे. प. प्रे. प. प्रे.

ㅁㅈ·賁ད་བ་བయৣད་བឧ་རྡན་བ་དང་। 여·취제·དང་ན སུ་སྡྱེད བར་རྡེད་བ་ ह्यायामार देश पर। । १८ मा ला हिराम है पार देश म अकद है ५ मा 본·본·독급'다 젊'유통미 다양'豊'저조직'미정저 원자'다렇지! 월드 경독 다뤘독 तर्भः र म पर्वायाना प्रमेष मा स्रीत प प्रिय क्रिय प्रस्ता विश्व स्रीत प्रम्य है. अर्थे तर मेरितात है व ताल मेर्थेया है क्ष्म पट्टेंच तर रेह्य स्थारनाय. याता है (朝 157 व) मुडेन हु पश्चिमलाय हव य मुडेन य न्दा। नेव हु अ महे न्ह्यामाला बेद हिन में माम में मामहे मामहे देव हिन हो । हा अहे नि मा न्तुति स्वर स्वर सं न्दा न्यत में निष्य महिना रेरे तातर हेद न्द्रियः प्रमायः प्रदानहेन् य द्रापिष्ठे माष्ठे स सम न्यीय हिन्दः हिन्द हिन्दे । मुंभ.व. सं. बंभ. दे. इ. पहेला इताय. मुं झे. हें पा वाट ल ल्यां तह प्राप्त हें हें प्राप्त प्तर-देशे.सिंटल शे.प्रवीर-खेटा। टे.इ.इ.जिपट टेश.कूप अथल टेतर.टेट. छ.र्थं अथस रेचर,रुंह सेंस्थ.बें.रत्थ.बेंस्ट च रेनी.नर्थ.क.देनी.चूं। । न्यतः मं रेणः याः वारः वणः न्यरः मं र्यः म्यः स्वारः में रः प्रवेशः प्रक्षेत्रः त्वित्यम्बर्ग्वेद्राष्ट्रवाचत्रुद्रा वाकार्स्यहेपाविषामञ्जेद्रा सःरावतत्त्राच्छर हैसय.ये.जुर पह.स्वयं कूरं रहें रेट्स्य पेषु. पेहें ये ग्रेय पर्वें हों हों पह. क्षार मुन्याय है य। न्यट क्षेत्र मञ्जूष्य या ता न्यार पर क्षेत्र नुवर स या वितर त्ता महेरा रेवट वर्षेत्व महत्त्व प्रतिवाद हरे. विवाद त्या विहास त. म्बर् हैं। । नि मत्रात्विद्यान्ति हें व अस्याम नि वर्षिक में जी महेव चराबुरावता हेटा झें प्रतासना झें नहेना ने प्न गुर देश या छ एस् जें हैटा ट.४हर्थ.ज.चश्चच.तप्र। ।र्घ्चाश्व.ज.पांक्जात.पथट चार्रुशा चर्वेश.८८ केथ. न.७.रेचे७.च४.६४.२.परी.चिश्य.रेट.हिट. इंचेथ.चे१४.च्.चेटय.से.च्यू. 영仁, 홍소, 정리, 회석, 녀, 첫드, 디넛 | 토, 중상, 선급, 디, 디엉 | 궁, 국소, 떠는, 등, 와,

हैर छेल हैं इ.पिश्रेस से ५क्टर पश हैंर प पश्चे, से इ.पिश्चेर ट्रा रिट्र नह नह नी मिन न पन नि में नह में नह में नह नह ना हिन पर्न रन मिर निरंत मुन धेन सम मिल निरं । धुन अर मिरे निरंत मुन मुन म केन म्.पचि स्मित तर्। रेट म्.सैत तर बतल तमि र तर ह्रवेल तर रूथ 디적 디적의 미5적 두드 ((최 157 디) 명두 디즈 디플트 달리 월 디콜적 디존트 नि । ने म बैन नु हैन सेनानि । यह हमा सह सनमा नह ने म ने एहर की विर मर रेट जिंद गर प्रिया प्रिय प्रिय में हैं। र.र.परट मैंच ग प्रथ निष्ठे प्रश्न हु क निष्ठे न नि लर पर्मेत वेषु रेवे पयावट योग्य दे बर पर है। विव ब्रंट पर न्ह्य मिव प क. किंटे प्रवाहित वर्ष विष्या विष्य विष्या विष्या विष्या वर्ष रह म् रिय मी रिया मा है वि सि देवा महित यह नियं है है पिने सि हो। प्राप्त मारेल वि'ल मुंग्नुह श्रुन्य ग्रैं रिल वि'निम हैं मुन्द्रिय स् प्रिया विष्य सहय नेय य सि हम स्वयं नेयय प्रार प्र में विष्य न्नेन्य पर पूर्व म सेन प्रमी कि.त मेट अर्ग्नेन्य परहम हेर न नि पहल हेर पन पन मार, में, नाये त विनाय ही मान अही नाय। हैन म अन अथ। पर्वेत प्रवासारा पश्चित मामकुल देश स्वित पा पश्चिम ल रेप्ते पा अर.र्। निश्चेत्रा ह्वायातप्रदेशत प्र मिश्वा श्वित नि ह्वायार्भ भक्ष हिन वर्षे प्रति वर्ष क्ष्म न्युम कुम निष्य हिन विन हिन मान दे महिन मामालामहेदामार्थ मालार्टा विमान विमान विमान हो अक्षमा मी महेदा ब्रुप मद सम्। हुन ने रूट में पहेंदार रेंस म स् है। र्येद न्सुस हु । स्रे हूर मायल अध्य से चर्यर ताया रेट. ता प्राप्त प्राप्त हें व मी में व मा लय देवर के हू हो इस. इस देश में स. ही अट हैं है सा वेडी पत

न्दः यद विवे दिन देश में प्र हिट हे रहेव ही सुब द्वेद ही दुई व द्वेद मुद्धी-दिनेद म नेय प्रय महित्य मा १ अवय सु तेद मृदे वनया हिनाय करी १ वर्ष सु ह्यान पर तम्य पु हे 'न्णुर्रा । मा हैय प नम न्नेय त हेय नन हैं म अन्य द्नु म स्य द्वेद सर एक द है । द्वे व हेद क्र मे दे किंद हिना महेद म अदि ने मिं व हेना ने महिल की उप ने स मु अदि ने मिं व हिन् न्युवा न्द (अ) 158 व) ये ला संघा देव केन धे वद ने न्धे मा नुत्रका रनुत्र मद्या मुंग्यह मी। संस्त्रका । मिन्न म् रिया मान्य नेया श्रीम महि यमया है नय छन्। रम्य मु है महु महुया ସାରୁଷ ପ ର ଶ୍ରିୟ କୁ 'କୁମା ସମୟ କୁମା ରଗ୍ୟ କୁମ ଅଧିକ ପ୍ର ଅଧ୍ୟ ସମୟ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅ इ.स.इब क्रुच रेवे.च। ४ व्रिट ४८४ मु.वेर पथ चल्लेय ४०८। वे.चंग. वनसम्बुर् में विनय ला दे नहीं विनय में। शिल छुल। स्नाम द्वा स्नाम कु नदा स्नाम नही नहूर बनमा स्नाम मुत्रा मृत्र कर्। त्य्र यु है 'म हु 'म हु अ सम वि म है ' (본미점·미용적 국·두드 요즘데'다조'다렇지'芳! 「미정적 다 최저적 두리지 다 루지'편' मेट.वच इ.ए। इय.क्रम लेल अथय ग्रे.केंट.प.रेट.। लेल.क्रं.अथय. ल रेश्रचन पड़.ल.पुन गु. बैंट पड़ रेग्ने.च। ४ म्र.४रेव ब्रैंच पड़,ग्रेर.पथ। अभय विट. में देशा पहेंचे तह देश क्ष्मी अभय में अभय हैंदा अह में. इश्राचाटला हैन्याया हैन्याया है मुंद प्रदा अध्य द्वेद है नेया हा खरा लित क्व. मु. मुंचाया अवर हेव यह हेनाव क्रा दे कि तस्य पुरहे पह चलेल्ला हेदा नेलाचा श्रदाचा प्रचेत्रास्त्रास्त्रेत्सक्त्रहेत् प्रवा इयाक्ष्मी हे तथा मुन्त्रा पहेंदा है। पिखे पा मुन्ता हे द स्प्ता द्या क्ष्य द्यापाद्याच्यापाद्याच्या कुरव्या कुरव्या कुरव्या र्ष् प्राप्ता विषय देवा केंद्र केंद्र

वितामा श्रम् ना नेयाना श्रम् ने नियम वास्त ३वय स. लेद'यते'श्वता हुन्य'ळदा लग्नस सु'हे'यहु'यनुव वे। । ह्र'य'र्द न्या के रेक पाल हेरा हरा देव केन हिंद हेर पर प्वति देव है बद्धां सद्य विदाल स्वाय यह द्वेगा रूद् र पु प्रति यह रेसा नेया व ब्रद्भा महिद्भाया महिद्भाव द्भाव महिद्भाव विद्भाव विद् मै देव ग्रद्धा विवाहिला कुंदिन्या(कें 158 म) प्रवेगा वर्ष्य हैना लह्म ल्म अव द्यामा रामा हेन। अस्य दा हमाय करा तम्य छ । चर्ड म्वर्-र्। विदःलह्ना ब्रुच मित्र देश लड्डराशा हेन ब्रीमा वन दर मा देश क्ष्म श्रम् श्रेष्ट गुः न्तुः मा र्दा मा स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्थापत क्याप्टला वहन हेर्। ह्याप्टेर्कु केना मेल हा हमसासु भेन परि वनमा हैनामकर्। तनमानुरहे पहान्केमामना मदान्हेना मेमाना इट.वे। अष्ट्रव.वेट.ला ७ जूनाना केंट.चा ७ डुल.स.वट.७ वन्त्री. वक् व है न मुख्या अप क्ष्या विषय में वि इस्र गुरुष्ट १६ । १२ ५ ना । स्य ५ ने व मा सुक्ष दे १ व ना सर । से मा सुक्ष । स्य उट. टे. नेट. त बु. ववय. गु. वब्रे. पहेट. प. प्रव. ल। वि. म. वश्याद हे वा. महिट. न्द्रमाद्वर्भावमाल्यामा गुरु प्रमास्त्र पास्त्र। न्तर स्थापानी स्थर केर मिंद्र मुदि के पर ति परि कु। दिन प्रमा क्रम के क्रि हिंद के दिन मारि मदेव मा बुदालह्या स्थल बेबल मुहेबा के दे पुरे हिंद हे दा महेबा महेबा के दे हैं बेद्रत्म प्रति हुत्य पुःग्वस मेत्। ।

क्ष्र-द्वा मुक्ष्य रूट्-नेट्-स्वेत्-स्वा स्वाप्त-स्वप्त-स्व-स्वप्त-स्वप्त-स्वप्त-स्व-स्वप्त-स्वप्त-स्वप्त-स्व

R551

न्द्रमा । इट्रिंद्रेन्द्रमान्द्र महिनादि में मु सबताय महेद्रम है। क्षेन्'ग्रीग्'गैर्य'र्द्र'सळ्द परस'सळ्द बेर्'ग्रीय सु प्रदूर। न्निंद्याक्षेत्र प्रियाक्षेत्र केना में अध्या पहेता प्राप्त हैं केन इद देख महित्र मुक्ति द्वा दिसायामार्रिमा मुं है। मुंदी मुंदी मिंदी म महेद माही कनानहेय गुनार्देव महिन मुंहिदामार्दा केनानहेन सर्व माहिकासु मान का पारि किर! दे भारत होता में के पार होता है दे के दिन हैं के दिन हैं के दिन हैं के दिन हैं के दिन [편미·출·유西기] '본'다양학'라'(청학'다지'전시'경도'존미지 우리'활학'시 다뤘기 मश्में व पा है व 'वा है न पा वे 'देव पर पर 'इट 'देव 'देव 'देव है पा च ट । महिसामार पहें व. यदः रूपे ही। वद रमाना पह हमा महिमा चुदा व रमिद्या मन्द्रदर्दे तथ्य विवासद्वर्षाया ने महित्र देश मुद्रान् क्षार्ट्रायदिवास विवादार्द्रा अन्यासुवा गुव मुकार्मा पार्व सुर् विष्यायराव विष्या है तक नार्ता । हिला विषय तक नार्ष है तिवा विषय के विषय Rपुट्र हैं। |दिल्द अर्दर कूद की किन महिन मेश देव पर्वे हैंद वुस्य है। षानिहः देव प्रतः श्रेहिः देव पार्वे वा श्रेषाञ्चा त्या पाहेव प्रत्या मन्। स्वाप्तः व्यव प्राप्ता महिक्रान्त्रायन्त्रेत्रव्यायन्त्। देग्यञ्चात्रत्र्व्यव्यन्त्रत् श्रम्यन्तर म्हेबरबुरम्बरद्वरद्वरद्वर् । । म्बुकरमाम्हर् पुःहर् छैर छैर होल क्वर मः व। महर्ष्यि द्वान्य। हर्षेर्पर्वाष्ट्रभाष्ट् वन्यायाविष्दे द्रार्द्र प्राचित्र नेति हिला नुष्य नित्र विष्टि नित्र

वन दे देव देव दट अवर खुनानी द्वाय दुः चन्दा पक्षेत्र देव में बुद नादी देः सर्ह्य स्व अण पर ह्वा पा च मुर्द्य मुर्थ नियम खला च मार्ना पञ्चेत सह तथा तथ रचेव छेन जवा तहेन हेव सन् युव अन न न न स याम क्षेत्र द्र द्र द्र वि वे द्र हिते हित क्षेत्र क्षेत्र स्वा स् मन् हिन्य देश है। क्षित्र पावी। पावित्र १६ व वि वि त्री हिना या। हिनास १३ विस् प्रेशेनस खला न्या मित्र मालुका ह्माय परि देश प हुन अक्रम मे न्रेस मुप देशक देश देंव ८८ स्वर त अवर खुन ने हिल इस्र सु ८कद। प्रेंट्स द्वेंटस (का 159 म) बेद सन्य निल स दे निह्न मु हुन न ल सुर दस एक न हैं। । सर्र व महर् र्व की मायद म तर्य म वै। सु मायुद घुनाय वे इस म निश्वा नियम प बेब है पनि प क्षा । क्षित प र द पर रव महूर दे। । यद्य कुष प्रथम वर्ष मह्य मह्य विदा । विस मुस्य सार हिन् हिन । रत रत हेन पाकेद में पारत भेद हैं सीताता हद अक्षिदाता देना ता ने सद् तर च त हेर के हिरा सदय केस ईअय के. मूंद रखातह में. पंबंद बेंचे साम न्यान देव के विता देवह वह नह नह त मुला मु में निवह है विश्व तपु. बार्थ केथ के अल्व तर। बार्थ केथ. ब्रथ १००० १००० विश्व विष्य विश्व व त्तृत महे मित्र केर केर वित प्रति मित्र सम्य मुख श्रव ठ८'म देव मुह्। दि दे अधर श्वनामहे माद्य अदि माहे हिरा ह्र हेर झेर वायर च पर्यापर में दिस्सार क्रा हिरा हिरा है। बुब मर्थर कुटा। देव ग्रे र्ध्रटास्राज्यस प्रजेषार्टाच वयामत् पर्वेच महा र्ने व तक दे दे दे तुराया न । जे ते है दे ते बुद ल दुनाया महत् दु ब्रुवायः चार्नः वार्तः वार्षः वार 35'4RE'485 \$11

न्द्रियायाची न्निद्रहेर्द्राम्निन्तानुत्राकुंद्रियायाः

नित्। । त्रीपुर हे. त्रीपुर, स्पूर, क्ष्या श्रूर पा प्यत्याय त्रिय है. ट्रिय ग्री, रुश रा लंद. नैट. के। चर्नार. चर्ने. चंबेश चप्ट. ईस श इट. च. वस चमुर हे. चंनेट चूर कंट. क्षुभ में हिंद लेग टे.भ लेग में . प्रथ संधामध्य प्रमार होय गीता टेश मेहेश. त हैं र म दें क्र में भारता वीच व जूर बें प्रमें बुग्याम प्रमय वर्षेत्र माणुनाम दे न्हिन गुटा मेर् दे (के. 160 में) महूना... चीन, तथर भुव में अर। देश विश्वभारा बारूरे त वर्ष है प्र हि वर्च है व चै क्षेर प न्र प्रत्येर चेर पाचल वे रद मा सन्तर दि पुरा पुरा 로적 다'의 월드'다'로 월다'두편국'에'원'등'다른'국적 제'최'에 도한등은 다고'원국''' ता. क. प्रेमाल हीं ट. वं या प्रश्नम हे. ट. हेंह पर क्षर प्रमाय क्षर. वितामा बुर। दे वया नविदाहे नविदादमा दर विदार हिन्या सहद में किया न्वेन्यं सहन्युट् हैं वि कुलाल सह न्द्र हैं तहन्य स्ट्रित्र वारा सहन् छन् या घ'बर प्रमात प्राचय मेटा। निग्रील स्टिं के दे हे हैं हैं प्राच प्रमात है। । 트, 음소, 근데 및 공의,다. 등소, 스스, 이도, 점보, 의 스네구네구너, 리얼 청도, 도구 최근, 다. קמביםקקיקבאיפיקביםבימבקיביקיקבימבימםיקמקימיפיקיםבי 니 다. 년. 삼도요. 현세. 영나요. 년드. 1 최정도, 현위· 필당·됐다. 닌댔 호. नियातहर् निवसाय देश महेद निया । नराम। व अहे हिया नि निव है न्निन्दिरम्बर्यायायायायाया देन्युव वे द्विषायायायायायायाया ह्मन: न्यंद: देव: अळद न्यंत: हैं। । एट यर न्वेट क्रेंट गुद बरुव न्यतः एहर अंगला । इस चर्ने ट्रिंटल एट्रेंट क्र्यल केंट्र व्रंग अर चेंट । । विट. मर म्मेर क्रेंर'रबर'दम लहमान मुख्य'गुं' क्रुंर'रट' वर टम्'मे छ टें'गुर '' R दुव य व्यात्र प्रदेश के द्राया प्रदेश स्थाप प्रदेश प्रद [RE 용·동네의 다구 라드 영도. | [[도·의 너는 사람이 다양 회에 및 · 됐다. 다 중 리 अथ. स्थ. श्रेंच व्यय. अहर तर जीवाय. तय हवाय. वेट पह . र्म्य अवी रा हु चुर महे हैं 'दर रवा'व' मनेव' हैं 'मनेद' क्वा'मर कुल महे (कें 160 म) मैंर. ७ मैंटा रेनट. न भर अर. ट में. ज में प्रथा में या अर प्र में सर्याचीयाक्रान्य ग्रीमानीय हानीन् ग्री. क्या भूरावदरा लय ता हीत वया... 우리, 동네의 집다 다 구, 와 ⊋보, 다서 외꽃보 동네의, 勇근 보어서, 귀, 夫리 와, 븡, 다고, विट.हू.। । ब्रि.टं-.शूचे.बी.वंच.श्व.द्रट.च्रंच ट्रतेष। । टं.श्रें.खंट.चेश्व. ईथथ. लबारह्य न्यातान्द्रा । नातात्रात्यात्राकृत्यन्ति ह्या वात्रावाता । **नह**्रन'य'कु'न्र'ल'न्र'मॅ'ठॅग'गु'लॅ'ठू'य'नेस'रम'झ'बस'मनेद'हे'गनेन्'' बनाने कुरारा तहनाय छेर हैं नया प्रत्यान हैया रहना हैया छैर थे। **८.वी.भ**षुः^{ञ्च}यात्रवसः ज्ञायान्ञेर। ८वा.पोट्ट. ८इ.पथ.पश्थाकुः,ट्वट.८ट. םקקיםפריקזיםביאבןן קקימימיקקאישריביםיקיבי ॅबन्बायानान्ववरहे कुर्तार चेत्रा प्राप्त प्रमान विकास कर स्वाप्त विकास कर स्वाप्त विकास कर स्वाप्त कर स्वाप्त कर स स्वीयालयाम् विद्यास्तर्भे त्राप्तर्भे त्राप्तर्भे विद्यास्त्राप्तर्भे विद्यास्तर्भे विद्यास्तर्भे विद्यास्तर्भे लामकेव. हे.वचा ४६ चमा १४ में में दे निया मानेव. चं वा निया मानेव. चं वा निया भी र्ने। । गांबन प्राप्त गाँहें सन्दर्भ में निर्मा मुन्ते गो मि हूं स्वास सद क्षेत्र में स्वर •미나오토미리·미정의·취미리·현·필드·미영드·최주·드미·중·최·미치조·당;□월조·□···· न्ता त्युरापर्वे अभ्यत् याश्चायाने व पृत्या वितायर क्रेसे केवा

नहर्मान्द्रे द्वात मा सन्याचि द्वा इ.सुं ब्वान्युक द्वा महत्र हे प्यकु विव प्य लया हा अने प्रमेर रखर वर्ण में क्रेर दे प्रमेर हैं स न्यतः वन्यतः व भी तम् ता बुनावना व न्यतः व न्यतः व न्यतः व न्यतः व बाक्षेतिक.कृषं ल चोष्ट.च.रेटा। कर्मा.लूख ग्रैट द्वा.वै.चह चीखेटा.सूचीब पञ्चर.कृट पक्षेत्र पटा। भ्रा.म्.ज्ञार्ट्याकाक्षेत्र वार्थायायायायाया हिं ही ल'म' इबस है। दें द्वा में कुद लग मिन द्वार में क्रिंस इसम में न्यर हिन् अव र न्या र व व व व हिन् म कव है। । र खन्य है। । र सि हैं वस हैं हे रहे पह पस के रि. के राम राम प्राप्त कर निवास के स्वास मान न्यत्। विरायरायसम्बन्धः विषयः मान्यः विषयः स्वयागुः भूराह्मायापराम्यवा च्रि ट्रिक्रयात्रिराक्षेत्रचा सहि हर। निन् भूर निवट निर्धिताम मि ब्रह्म हैया हैंदा मुद्दा नर निवा विर्धेर र क्रयारमा स्वायाने। दे द्वाप्तया सकेदा पर हला दे हिंबा गुर के लहा हा। श्च. लेपय . य. तापय . ता है। शास श्चेत . व. शास . व. मा हे . इ ८ ६ ५. मुन्'गुःर्भूरः इस्रयः ज्यव्यव्यान्यः परः यहन् यः प्रवृष्टिः। वटः सुन्यः दे। ब्राम् म्या विश्व विष्य विश्व वयः है। पर प्रकृताया देवाया गुः अवाये वा विष्या । विष्ठे वा या विषया वा वा विषया वा विषया वा विषया वा विषया वा विषया वा ट्रे.ट्यां.क्षस्राध्यात्वार्ध्वात्यात्र्र् हि.एह्यायायह्टाय्येवायाकेव कु क्सःधरःन्द्रतःसुः वृद्गःधः दृष्ःकदः यदेः खन्नवः ब्रुवः हेन् वन्न् ब्रुवः वृतः वदेः मिर्ने क्रीत्रास्त्रीय त्रमानीय अवधाल्या भाषिय द्वराष्ट्री रे त्रमान्य हा । देर थट. दु.कैर. तर्भर. श्र. तखेबंब. ला कैर रट. र. तूर ग्रे. खट. खेबंब. हुल. श्र. लद्भानानुद्रानी'न्यद मञ्जूर'यदे कुद्रासद द्यापी'विद्रारेस्य परस'यतुव्या

मुँ भिष कराट सहरी हुंद्र राय भिष्य भिष्य पा महत्व स्था ।

नासुक म दे। नि है सुन रेन्स कु द सकद महिंद में केद र मुरा। मन्द्रमात सर्दन्य है है लियल हाँय नार्या ।य कुर्य की स्वार की कुर्रत्रम न्यल कुरत्रमुल द्वा मि हुन हिंद य हेट दे तहन द्वा यह सेतुः.... लक्ष. म कि दे व्याप कर की चर्च स् अष्ट का रच तर नहिर न पर. हुर.विट छ्व अञ्चर ८०८.ई अय ग्रैय ट्य रहिर लिवय स वर्षाता झेवा व ई ह्या श्रेन प्रकृत। तहस न्याय मुनम य न्य तहस न्याय प्रमेय प्रमेय चुँच कॅ न्र। वें ५ ५ हॅ न्य केंद ५८ चु न्य ५ ५५७ वर (कें 161 व) व्याप तथर स्ट.तर वर्षेट हरा । ह्या अर स् कुर हर वंबर मुख वर्षे हिं वसाम् व.न टे. अस पतिर पर्सा तिष्ठ प्र ही है, हैं व पल पर्केट है. इं हें स है है , अ लिट य प्यं व्यय या स्र विहे . लिवाय न्या । अर हें व क्रम है ই'র্মানী'এল র ব্র ঐ'ট্'নের'নেশাৎ'রূল প্র'র'নেরাম এন এব নাই'ন্ন मु.र्वट प्र केंब ८ हे.अ.बेच.तर.वेबब.ता वर्केट त ई अरु वर्षर केंब. गुद्रा अक्षेत्र म कुर् मी कुल मं रहरे ल देय च हैर दा हा बेर मी कुर अवल र्न ल हम प हैन पर त्युर ला कुन तिहेर में व स में व व ही केन ही जि लंब ही म्बर् के नेव पादी है केर् दि तथा वेगम उव इसम है कि केर् पर पु पह हैर स्वाय में होग प दवस उर अया मह्म वया अळव जिर रिन पर नहिन्य वह अ सब तन्य जैया धन व है है त अदान्नायर वह व है। । अक्ष मट निग्धर पहूर ताशु नेशायानेश हैं है तकट में छा नेश हैं। है है मुख श्री । यट. ट्र. ड्र. ८० १८ मी. जा. मुंच ही श्री श्री में न मा. देव है स्वाय ही होया. माश्च मेंय श्री विट इंग्या गु. होना हा मेंय मार्ट विहर मार्डे विषय करें दे.

म्बर्भ केंद्र पर्य हूं हु एकट में जन रेट चेंज मय. हां । ब्रिंग में बेंट अ केट। अळव प्राया प्रमासित मार्थि कुन लिने वे न्यान प्रथम कु मिर न्र मिन प्लिंद में दें र पु सूर रूप मल्द रोसल उद घरल उद मी मदल स्राय रूप सबर बुना में तर्ने न ने बबत न्ना हेर यह बेन बर नासुरस ने दा । व न मुंद तद्वे क्रेन द्रम प्रान्य प्य युद ह्नेन ह्मेप क्रप्य केंद्र स्रान्य प्रदा हे चडुंद लहाअ न्याय न्युन्य गुँ मुँद क्ष्मिय खुर नु'लहुना य बँनाय यद बॅद श्वर जिल्ला मा त्युंद मा रहेते वर क्रि की लेडिन मेश्वर मा हैन हो। विहेर जिय क्ष तर मंबन तथर द्वाय किंद तहीं देगर हाय प्रिंत मूहर अक्षर चरु'चित्र'अह्ट प हे। बुल ८८ सन्(ऑ 162 न्) प5प रेन्स स म्बेन्सा। ब्रै प्रस्ति दे न्या अस्य वेट कवा । ह्र हु रवेट य रेट क्य के रवेट या । अ.प्रः सर हेन अध्य त धेरा । वि बीत नामेनश संध प्रव २४ तहेरा । तव. स्य पर्वाय रट.क्ष.रट इ.। विय त है। ट्रट क्रै पर्वेष रे.पष्ट प्रदेश रे. तिहैंते हैं 'वा तितु धे 'अ देशस मन् कुन नस सद लग में ईल नु पहेंचस' हे.हिंद हूं बे देश्वेल अवित्र हैं वे.हीं.त टेट.हुल हूं वे होव ज़ हैं वे तथे ता है..... ने लब शर हेन पुढे मि देश हैं व सि में प्राय मि हिन्य पर हैं दे हिन्। दे तथ गुन तहेन हेद नश्च न न विद खब मन में मान हैन नेस 최근 문소 또는 다는 충소 다소 최근 회상 하는 수 美네서 한 쪽에. 근 다 하다자. 나 तकत् सर सहत् है। । सक्षव महेंद् त्युर तम सह सह हैंद तर दिन ल्या १ हैं दि के अद्भारत है। हिना ते हिंद म के ने मही। विकास हैन पार्वेश व्यट् दि। ।

म्बेर्यास स्वासि स्वासा हे हे अभय राष्ट्र स्वाय स् ।

रदः द्वा वर्षे अक्रमा सम्बद्धा मान्य मान्य द्वा वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर् בופישמיקב פלגישבישמיפביקבין ואישַן שביפלביפליביו יובלי अष्ट्रचा दे तिवाय ज्ञात मिटा द्ववायात हेर हैव वाया हे . वे. इ. वर्टे व. द्य प्रवाया चति सुत पु मुद्दानर मुन्न निदा। विद तिर तिर स्वर स्वर मि मु दिनद सुद्दा चर्चर चर्चार खला झा छ । चेटर के। चेटर के वीच इंचर क्या के वीच इंचर क्या होता. कुंद्'लदेवे जुन'इंच केब्'मबाडीर'लगब झॅल मेब्'नु'बद'बॅद। नार्ड मॅर'हे' 희, 음소, 교리생, 다, 명, 로마, 학교 비원학, 원, 양소, 교회의 기 교, 공 교, 다 같는 1 文. मैं मान्ता केहूं हु है कि मान्ता लहा कुलाम माना में निष् । के खुम त्रामान्ता न्राञ्चन्तालामास हिंद हेद हैदालहेदाद्दा छुन हेर हिंदा ल्बोल स्वाम नहा है ले हैं र नहार विष्य है र के के र हैं है (के 162 प) इसर गुराहर मुन्दर में दिन स्वाम मिल क्षिय मार स्वाम मार रे रे खेर मिल। विद लिल ५८ूर.लट.५व्रीर.प लुबे.द्रा विषत्तव तपू लेल.टे.वीच.व्रूच.वी.टिवेटय. **५८ः। न्द्राण्यःगाय ५ःसःगायः सः त्यामार्द्रा सः व्यापार्यः सः व्यापार्यः स्** भु त्रम् ना वना स्ट र व्याप हु का ता के खिनावा प्टा । द्रा के व्याप वसवा वन् न्द्राचक्रवाक्ष्राक्ष्रात्राचा मान्या अर्द्धन्य नेटाक्षेत्रविव प्रथम वटा मु अर्गाय ना मान्याय राहरू पा मुह रेपारि । खन्य-१८-। न्वर मटार दें पार्टा दूरे गर्टा व के के ए पार्टिया व खन्यान्ता व्याक्षेत्रयात्र व्यापार्वे वार्षात्र व्यापार्वे वार्षात्र व्यापार्वे वार्षात्र व्यापार्वे वार्षात्र Gda.2c.1 dda.mc.28.t.2c.1 8.g.t.mg.Gda.2c.1 2.5.d.t. न्ता भागाल पर्वाखनवान्ता के क्रम्यावस्य व्यक्त में अन्याकर सर भ्रे.विर्मेश ब्रुप्तरम्दार्श्वनंबरमार्थः वेद्रामार्थर् प्रदेश मान्वदालदार् वार्मे

त्रम् प्रति कुन् भे अवस्य स्तर प्रति प्रति । स्ति । स् वि'कु'न् न र देहार व दर बदार व कि हिर ने खल न द ह से वर न कर कर कर वन्द्रवित कुन्द्रवाराया न्युव वित्र न्या देव वास्त्र हराने न्या के क्षेत्र मुन् मन् मन्तर्माक स्वाय गुन्तर्मन्य सुत्र मुन्तर्मा सुत्र मुन्तर्मा लका म्र.दे.दे.चनर.केर कु.रकुल र्ह्मर.टेब.र्श हेंब.र्श । ब्रिंच में भाषा प्र. ट्र. ता. ती. क्ट. ता । इट. तालन देश. ने है अ विश वेष. ने ने वा वा वा । अर'र्'हिर राष्ट्रचे त्यां श्वां श्वां श्वां वा श्वं वा श्वां वा श्वां वा श्वां वा श्वां वा श्वां वा श्वां वा श्व बर'ल्'केब'रेब'पवद'र्दारलेंब'ल्'ल्'क्षंग्र गुराकुर् रूट ब्रुप वपवारक्रेशामा ब्राचित्रमञ्जू में में र.के. पंखेट. घट. टे. पश्चर। ब्राचा श्वे. पुत्र र घा पडे परा गुरु। प्रभामा विष्या विष्या भी स्था में १ विष्या में १ वि इसस मासद देश। अल. ज. में . में स. मो में या समस का निवास निवास है। अल. ज. हैं द्रे गुरु विस्तर में दर्भ के के दे स्वाय सद में प्रमेद द्र व बुर प्रया भक्ट में भूर का भीवश्वरार विर तारी का अव की श्वाप्त विषय विश्वर से स्वाप्त विश्वर से से साम्मना ख्रुवा प्रकृता पर्या पा द्वारा पा देवा पा देवा वि देवा वु र र मातामदे अळ्यां में भूर देशया गुरिया वायता श्वा वायता वायव वया भेया चर 5'श्रेव'म्र'क्रम् भाषाचित्रम् प्रमान्य विद्वाति विद्याति च. धर. भुध. त्योष. त्यीर देशका तर. तर विट हिटा विट तर. अर.त. रू. नाक्ष्यामी निम्मा वे द्रात्र श्चित का व व व मे मे स्वाय श्वाय करा मः महेव व व व व रहेर खनाव के पदे व के माने द्राह्म के राम ने प्राप्त कर र मा न्दः पठवाया नवदाने पदि वहन ने क्या में राव तमुराप्या वदार्था वहन्। च्र-दि.व.व्यवस्त्रक्ष्यः व्यवस्त्रक्ष्यः व्यवस्त्रक्ष्यः व्यवस्त्रक्ष्यः व्यवस्त्रक्ष मर विरुद्धाः दे त्रायाष्ट्रप्यर सम्बद्धाः विष्ट विषय चतुर्यः द्वाया विषय

₹ מ ח ח ח היא של יצר יחד. פרין בים בים השיש של יצל יח ח בריל ביצרים. वर्षार देवी स्वाय भाषावट विटा विषय प्रायम है वे देवर पर पर पर विद् यन् र्राय स्वाय विद्याप रहा व्यत्र ह्रा ह्र सारवा क्राप्त हैं या व वावहा हेर केंद्रालय सेल सटाक्षेत्रपट केंद्रा खेदा केंद्रा विद्रा विद्रा स्वाय वित्य वय देर व्यावत् सुव्याम विष्ठुं हुक्षं विवाहत चुवामी वाहि है है सामा विवाह चहेब्रहे प्रे प्रदेश्वर्षण सम्पर रखें कि अधूर प्रकृत स्वेत स्वर्भना प्रवर्भना प्रवर्भना यम् अति अविश् केमान्त। यम् कुन् नावदः देशस वे न्यतः यम् वम् चनार लाट ह हनाय हिटान पया। अर त ट्रानड प्रेनक झूल हेर हिट ट्र प्यन्त भेटा। देते श्रेंच अ(काँ 163 म) न्दरानी अन्याम कु वस दें नावे र त प्र. र्वं क्ष्यं में भी स. क्ष्यं में वें प्रमाय तर पश्चित्य हे. प्रमंत हीत ही हो बंद सीता. बद्यत गुर्व ल तबेला कुराय दे र्मालय सु हुँद् रेद या के साह कुरार्ट ग्रें हैं र ल हैं ये अहर तह वर्षर कैंव रेगे हैं येन ल र हेड़ वर रे. व बेंग्स. भूटा रेनटानधिर बेर ने ये हे भे हे ये देश रेटा जि.हे प वया पश्चिम की विदि। अञ्च पण्य पञ्चेत ह्राय कु देणय अर घ.ष कर घर पर्याय था।।दे. ल इव रहेर केद मह कीर की मिल म नश्चाय नया निम न नह्या निम्म की है... मानित मु अद 5 मुद्दान निर्दे देव मुन महे मुद्द केद में तकद माना वर्ष कु न गुै निवस वन बर निवर हैट के लहन नह कि कि कि दिन में न हैं न कर खुला 5·월드·ㅁ 産·유토리 독대자·월드·전리 디서도 됐다 뜀제·독제·미리대 용도·리 हिंद' पु नशुर रम श्वे परा वे प्रमारु परे कळमाने कुर के बक प्रमा लस. हैट. देव के चैंट तर्यट तर्द्रकाल प्रह्में तथी अर टमानट. चीसा तकर्। द्वेश है 'हेर तकर्। पन्र पते द्वार् द्वार् द्वार हेन पा गुला प्रेम महुना नि में भी बुर् क्रिय बुर् प्वत वुष्य मन् पर पर नि विद्या

अवस न्यारे त्योल यस तकन्य न्या । व सरे सद द्रामी हेस सुर्यात य मासुबालय तदीर दत् मार्चय या या यहेव या है। देतत हैं गुह ला नन् पर किर बेर बर्मा अप त अहर नहिर हे. डा अध्य प्र हें प्र हें विष् विव स्टान सम् रे क्या १८। सि हित वन ने वि स ने ने इसक ल महेद हे र मन् लेगन धर हुर हे रमल दूर हु मह सद माल महेद द स तक द । मारे स मारे । प्याप्त मारा है। प्याप्त मारा है। प्याप्त मारा है। हिन नहा हित ने कि न है न न हिन न हिन न है प्रमा ने समा हिन के न के न के न मह्य कु न लेड हा मड दिया है न महित मह्य म हु में है व महित মন পুদ দুবি কুব শী অকসম স্ত্রী সংথাৰ দাৰ্ব (জা 164 ব) দা দুব। নিট্রু न्द में अर्रेर प्रमुद्र। प्रदेश पाद्यापेतु ए पठु पर पर गुँग गुर पर नन्ता यात्रहे लेख्य दे प्रमाणे प्र मह्याने एकर है। । मन्द मुहे मह्या र्व इस्रायर मुब्नायाय हुन न्वर मसुर ५८ दे १० दे १८ महुन या बीच ना अत्र की स्वायान्य क्रमान्द्र नियान त्या क्षमान हिना क्षमान म् । भा सूर्यायान स्वर्या में ना ह्या निया स्वर्या में निया में नि तप्र नहिंस देव स्वयं स्वास मार्था हिंदा में रेस ही बर पन पन ही रुअन्तर्रार होत यदार् प्रमानार्ता ।

त्राम्त्रीत्राम्यत्र स्वात्र स्वात्र प्रति । मिश्रेय स्वाद्र स्वाप्त स्वाद्र स्वाद्र

वही पहुं ह दिन्य तर है। वस्त पर विश्व मार्च विदे र विदे पर न्मामकल म र्वि, रे स्वामित मित्र न्माभवारु हेर रामार पर पहना हेर हा पर पर पर पहना मन्दा दे'लार्श्वेत महे बद खंद प्र अप्तर महे विश्वास महेदा दे हुट पढ़ पढ़ीर पहेंथात सूच पांद क्षा पहूरी अटब केया, यी पंजीट राया. न्दालदाक्षे व्याप्त विषया पहुन् पर्ते। दि त दे हि पकु पहि दे। मैंसा समान्त्रान्द्रियाः कु'स्'त्र सन्द्रियाः विद्राप्ति स्त्राप्ति स्त्राप्ति स्त्राप्ति स्त्राप्ति स्त्राप्ति स्त्र स्थाय हैट.त.ह्व.टे.७च्.घ४ टे.१८। पहेंचेत झे.प.स्थाय घ८ टे(अ. 164 म) हिन्। महुनायते हुँर मन्द स्दायते ने हिन्। मनुन हैना क्रम मर वेर महे रे हैर। बु म्दरायन बर्मामहे रे हैरा समा महेर केर हेरा रमदामुरामहे रे हेरा मॅं क के द मंत्रायदारमा मरा सुदामहे दे हैन। ह्यायाक्रययापुराष्ट्रियासकेंन यह ने हैन क्यय हा। नियमारिय स्था ह्म ना हैन पर्वसम्बद्धाः स्टब्स्य मित्र सुर वार्व में ना है । पर्व में स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित सर्वर प्रतापार श्रीतारक दानेद मासुसार । तथनाय प्रतापार माने करा दास गु.लंप.पिटा चंबर.पंद्र.चंब्य.ईंब्य.पंट्रेट.पंद्र.अविदे ह्रं चंबर गु.इपा. लक्षा वार्षेत्र तेनका तम् कुंग्निर्मा ह्रा वार्षेत्र पर्वे वारा वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र व। पर्हेर छ'कुर'र्देव'लर्द्द्व'पर'हेंगल पर्द'र्श्वेल'छ'पहेद। हेर्'छेर्'कुर' **ग्रै-ळेन-**रॅव-इस-पेरेक-ग्रै-ऑश्वे-ऑन्य-पॉल-प-पिरेक-सुन-ला इस-स-ल.चंबेश चंबुपु.चंबट.च.चै.चैरी लब.चै.चंबट.च.वच्ब.चैरी टवस. छहे. चेबर. च. ५ वे वे दे. च पर तार्था विराम्त कार विष्य के विराम के विष्य के विराम के विराम के विराम के विराम मु. नबेरु. नन्ना हेरा व्यापान्य समानदान्य समानवस्य उन् तर.र्बंब.त। वित.८८.६ वाब.८यार.त। वाब्र.क्रथ.वंबस.र्वस.वर्बस.तप्र.

द्विताला पहिताताताताताता सम्मानी का देवा सम्मान मिहेन। में पन त्रीव व्युन्त में निते दिन में भाग मुखा दश के मा अ व्या म व्या मार हिर मार्मार मिन्रामा व्यामा क्षेत्र मार हिर मा रका क्रमानी क्रमम श्रुटापर्। । माहिकायाय पश्चित रेकात्र हमाव रेकामहिका र्ट.मू.ज.रनु.च क्रिय.पर्वेय. ह.रच्य.श्रृय.त.रट । चेश्र्य.त.जा चटाज. म्नायात माले संस्था मुद्दानासुक मुःह्मामालम् पर्मा मानु पर्वा प्रवास हिन्य रेस में हर्ष ह्याचन्ना र्चे न्द में मिन घर। यस में रेस नाहाकेर वजूरानधाकुषार हो। विश्वभाताश्चिर वाल ही र्यः वे विवाविश्वभा म् । निश्चभः म (क्षः 165 व) र मुखः मुद्रे कु द लः निश्चमः वे स्निकः कुः लवा विव स्ट में नहत्त्र माना खना के किव में अहना में नहत्त्र मान के नहते. है। । पश्चिमायाई दानुद केनानी कुदान नदायायान खुन्न। येतु दद यंत्र नद्रः नमून। वेतु नार्रे कारा न का श्राचे हु प्रका के का के का सम्मा दे वसाम्बदायदाम्दान्या वेसामासदाकदावेदान्द्रेतान्त्रमानुसानुसान् मर्ने नर्। ।८८.स.ज.पचेटा अट.श्रूट.पष्ट.ख्ज.ग्रेब.८च्यालचेल ग्रे.टन् मर्गेन्। होत्यविष्युव्यक्ष्यक्ष्यात्र्यायरे झें द्वारत्व्यापुरे म्बर्यायार्थे मेंर तकर्। १द'यर'न्त्रस्य यस्यावि र्ट लम्मी न्याराच महर्मा देत हिब् स स स दिन मा निवासी मा निवासी मा निवासी मान लगानी नमा क्रमानी क्रमाना हिमानी प्रवेद द्वा मवया में प्रवेद पार प्रवेद पार क्सलाका । माहिकामा दे। श्रेमान्यदानुष्यकदाहित महदायाद्या नमताना हिवालेगान पर नेवालेव दि क्या पर प्यत्रा प्यत्याप विद्याप विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्य तपुःचुद्दे व्यवस्यायायाः यापस्य। विद्यान्त्रवीराप्ताप्तराप्तराद्या यक्र मः व्यक्त प्राप्ता विका ची प्राप्ता प्रति । प्राप्ता दे ता ८६मा परि में पर्व पाम्य मार्थिम के साम्य । निर्मा ता निर्मा प्रमान मार्थिम निर्मा

हैन मह प्रदेश देश स्वरंभवा महेन रेश में मार्जिस हैं स्वर्म पर म्द्रस्य प्रवेश्य द्राम्येस मे द्वे प्र प्र प्रव प्राम्य देर हिए। द्र में ल मुक्केन रेस मिं बरे ने केन नर हमाल रेस मिं बरे ने केन। कुन ने व जिल्ल सुं हिंग्य परे दे हेर के रिमद रें विश्व त चीयुव लय तर्र है अ देर एकरें .. यर सहर है। दिवेश हर अह. श्रेय देव त. श्रेय खेत खे। दिव प्रतित वे. ह. थु. है. देव. सेवाय पन्न । । ज्राय ह्राय प्राय प्राय प्राय होत प्रीय हेर पर् . वाहेय म्नाया । अमुन अधर धुम न्योकाराई हे ल लवन्य खुल नु लुन्य ऋँल की R 5 '口 러드 5 '- 월드 디온 미종 '프(하 165 디) 최고 두드리 대표 원리 美 토ㅣ 네피. म् रचा क्रमा म् हो। अधिम भागा रहु गारा वृरम् या अरहे या वि कु. हैंद. चीवाश चवट चू. हैं. रेचट चर्चर भर्च टचे. लूट्य श्रे. हू वाश चह जीवाश .. अवि महुन्। हैं हैं हैं द त्येल हर। हिंगत त्येल महुर ठन अंगल त्येल नुन पद्भाविकानियान स्वायान्त्रा । नु.ज.सक् मुक्त रवा त्.भ वित यान्त्र ही. खुन्य दे सम अंतान्द ह्वाय परे रे फिद ला म्वद द्याय दे दे द्या मे ज्ञान क. पर्वेश.त. है. ते. ल्रुच. हुट । वि. क्रे. वेथ ती वेथ प्रवट च्र. वे. रू. पर्व. अक्षर् भु देश स्टार हैं पर देश हैं । वि देश पर वि देश पर वि वि ल्म्य के.इ.जियबा वि.इ.ए.चकि र्चा कर ह्व.रितेल रेट रका 182 रवन्य सर र स्ना स्मा स्मा स से राजा । प्रमुद् परि कुल सकद शें न सपि चर नु'चड्डेटमा । खन्य अँस'ने'न्न'ईमस सम चन्-नु'र्ह्हन'न्मेन चे'हु'धरे लियं ब्रांत्रम्ब्रे ताब्रयं कुरावर्षेर्यातहर्यातहर्यात्रम्या वेकालाव्यक्तात्रे ५.च.ल.हे.र प.ध्वथ त पहेंदे.दंब.टेचंट पर्सट.भरं.रचे.तंब्स.वंबर्.ता... लबाहि नम पर्वेट ट्राइ.पर्वे.बा.सी.पि.ट्रूव श्रवीय पत में.कुर अकृट या. न्ता। अक्ष.श्रेय.रेट मैड्रे.तपु.लेब्य.एब्य.लेय.तय्य.श्रेय.तथ इ.रेब्य. ग्रंपु

पन्द्रसद्द्रपटि अन्य देवस ट्टा प्रकृष्ठ कुर्मात्र पकुर्में प्रति क्रि.सन् बर हैं व केंब की हैं 'ज़ैंब प्यं पर्कु र दे 'बेब 'हें व हिंगल सव रूर प रूर। रितिष प्र.मजूर बेशन कील अक्षर क्रीय तथ द्वर त पन्न.वें. रूप जीवन वीनवे .. बस'न्र म न्रा। स्ना'नी श्रीम म्बून् रख'ल्यान बेल म्यान म न्रा हिन ख. केबा. अट. त प प्रवास प्रवास प्रवास में इंड अवस र्टा हि. पर्वे वस्य उर् सिष्ठेव प रू र वृ वाय पानार पानाय परि प्रमुख हैं र वि स्रम स्नाय इसस मार् मूर मुर पर पान मान मान साम साम मान मान मान साम मान मान मान मान साम मान मान मान मान मान मान मान मान मान ह्मा, १ अथ पुत्र की . की वे. अ (का. 199 वे) वेत तथ कि र. तर वे प्रताय त वे प्र. र्रे.प.अर ८त्नेने.नेहेब्र.लब.पर्केंट त ब्रब ह्ना.अर्थर नेबंबा अ.सें.त पर्केट ८हवं,रट.परश्रतश्रर्वात रंजेशत रू हुंह चर्सर झैंच के चहेंबे,ताह केला. भक्ष मूर् सर्थातर.रे.पर्मेट.प लुबे.द्रा रि.ज.४र्चेच भूध ईयापचेट या अ.त.लव अंश इंशक ज ट्वेंबर्ट्र जिनेश ब्रूजर्विन वें नेने नेनेबर्धे। वर्षेरवंदर भव.त्य जिया रूचि ए जियस सम ४ जीत तालियं या अक्ष. श्रीयावा वर्या. म् लिया वे रू अ हुए लिया ज्ञा स्था प्रियं पा पा पा है अ प्रियं है बराचगराक्राच्यावाक्षय प क्षेत्रम्याच क्षत्र वापगराचनावित ग्रहार वा । ह' पन्द'चे कुर'प्रव'त्पप्प प्यान व्यव हे देव द्राप्त व्यव है व ही देव ल क्रुन हो हिर क्यायर नवना विन्ती यक द देव पहेव या क्र नन् प्रायाणे सर् प्य कृताणे सद्य पर है नरा में रहे । हिर्मा पहिर में दर्म मन्। ह्येत इस: धर प्रविषायाता ह्रमा च । तहा होत समा कु दश्याम् नव्यामा केया कि कु कु क्ष्य दे र ता न हर नि दे र हर हेर. मेंह. कैर. पहेब. त चहेबा चनर बचब की अब र व्याप चरवब र वार व वियामत् मा कुरामस्याभियाम् वर्षाम् पर्वा कुरामस्या निवस्तानवुषानत्ता निवासान्त्रम् भीव पन्ना निवस्ता निवस्तान

मनुब् मुक्ष मन्द्र संदर्द्व अद्व में न्वा कर्ष मुक्त मुद्द मुद्द स्व प्र ति हेव ही.बट.वच देश.श्वय से.धट.वर वे.च ववश.में मैंटा ट्रे पथ वेंट.व. प्त्यापुरे कुर प्रका रूट में कु देन्य हिट में के ति है से प्राप्त है कि प्राप्त है । मिश्रेयातामा ह्येतात इका ता क्यामा क्या पार्थी के ता इका ता क्या पार्खी विय. म्रदाम क्षेत्रपरि देशाम क्ष्रांभारामेढी। रमाभाक्ष्रामेर्वा भामान्द्रा मोद्धी, जान के व्याप्त क्षेत्र अपन्य मुप्त स्थान मी.पर्वासाची.प लबे.पामी. सं. के अट्बे.तर. हे बेब त सं. परे के स. परे बे. में के. 166न) व्यातकत् यर बहर हैं। वृष्टें के हिंदे हेयातस्य सरताम्याः सर'यदे'विगत'कु व द्वायात'ह'वन् क' स्युद्'द्र'वर्षायदे द्वहः'''' मण्यान्यति। गुरम्रम्थान्यस्युत्रामुर्गान्यस्यान्यस्य चर्षेव्ययः तः तथ हेटः यटः वीरः इ.की. चर्यरः ता श्रदा ८६ । ल. ह्र्यां खर्याया अस्तिवाया अर्थर. विवाय वांस्था ह्वा. विवाय व रशः पद्व. व्य. क्री. क्रीया रमालन्य देव वर: र्ने प्राचि प्राचि द्वा कर के राज्य राज्य राज्य वर्ष हैं। ५८: वे 'वन'र् वहद'वेश कुं प्राप्तान में प्राप्त स्याप वेता। के 'खल' प्राप्ता नेत्रभूतःबैदःहे दूरः पकुं ५ हलः पन्। कुं ५ गुः पहें ५ व । पवि । लकः र प्रम निविषान् देश्यानरान्वता हरा हूर नेरान्तर यनवा मे क्राया हूर। खरा विषा क्रवायानप्राञ्चरामवे इवर् १ तम् नार् क्रिंग्णे त्वी द्वायवर कर्वायास नायर नहार्तित्तात्रभ्यः विरामाल भारत्र कि. १ वा. १८ में प्रति में प्रति विषयः विषयः विषयः अ. १ अथ. तर. पर्वे नेथ. खें ।

मत्र भेत्र न्तर है। त्र प्याप्त मत्र प्याप्त मत्र मत्र म्याप्त मत्र मित्र प्याप्त मत्र मित्र प्याप्त मित्र प्राप्त मित्र प्राप्त मित्र प्राप्त मित्र प्याप्त मित्र प्राप्त मित्र मित्र मित्र प्राप्त मित्र मित्र

खेनामबुन्यायातिः कुनारम्यायात्। प्राप्तायात् । प्राप्तायात् । यात् विष्यायात् । यात्रायात् । यात्रायात् । यात् विष्यामबुन्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विषयाः विषयाः विषयाः व चर'सहर्'णुर'र्'हे'कुव'शे'बूट'ल। हे'सर'यस'हे'न पवट'र्च'ल'न्यन्। न्मरामन् वर्षाम्बर्षामुदामहे न्मरावित् न्रामुन्रत्वेश हे द्र हे पदुव केव प्रस्य अहर पायन वित् स्व द्याप बुनाया हुना पर देना स्हि हे . न्द्रापक्षे ने मूर्र हैं मुर् य पहेर्या खूर दे पहे लेवल दूर पहेरा । कुर ल महेव मा स्मार्मिय द्वार ए मा हा दि लग्न महेल मुद्दा मेर दि महे हा ही हित रदः त्युर कुः क्षेर त्यायात्वा चाते त्याया वाषा द्वार नद त्वाया था न्यव क्रिंग गुर त्युर प्यत् बह्द य सवा वह रूप्तर (क्रं 167 व) हें बरायसर्गात्रामा अन्तर के किया है निया के कर किया में कर मान न्नाक कर पर पुराम स्थान हिल्दान्य हित क्षुव स कर पर पत्र पत्र बदबः कुबः ईद्'यः शुवः केवः बारः पृते अवः दमा खनवः प्टः। हिंतः प्यं वा हे.लधु.लियंब.योधेब.या.चूरं.टी.कु.इ.जू.वं.च ४८ इट.बू.यंबल.व.चेर्यंब. 로라서 퀸러·디륄스·디셔스·라트스·캡드·스·링·저지·디·미리 디힐스·디션·스디드·릴리··· इश्राचबिताया ट्रांटितां मी.कैट्रानायर श.कैट्र ४ तथर कि.किट्र ४ त्वार न बिनाया **ढ़ॺॺॱॻॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॡॱॼॕॣॸॱॸॕॱॸॸॕॣॸॱढ़ॱॺॎॱढ़ॗॱॻॱॸॆॱॸज़ॱ**ऒॗॱॻज़ढ़ॱॾऀॿॱॺॺॱॿॗॗॸॱॱॱ दे अया मुनाया द्वारा स्टारा स स्टारा 8 ब. भुषे . में . सं. तथा तक्षेषे . ता जा र मूं तथा ता क्षेत्र . सथा क्षेत्र . सथा क्षेत्र . 회사되었고리시시! न्दे लिन्य निष्युता न्तर कुर निम् स्वर मन् नव्य मुन के व ले स्वर व्यव त्रमा प्रमानकुर् दे महिंद् व द्वा द्वा प्रमानकुर प्रमानकुर प्रमानकित प्रमाने द्वा प्रमाने प्रमान न्या न्या मार्मित्र वित्र में कुन देश मार्ग मार्मित्र मार्मित्र मार्मित्र

देवास मिन्द्र पढ़ि किंद्र केद्र गुट केवास घठन गु न्वट नेस खुस धस क्र्रिं । सहि

विश्वभारत दी। नियारियर की इ. २. श रे. ८ में . वहेश । । ति हे प्रवेश निया **८तिल.** इट. लिबेब बट. त्रेब तहा । ब्रिंच ८८ चंबर चंबर, ह्रंबल. चेश्रेस.ज मनला । कुन मनन अन इ.स. हैं व छव स्थाल बेरा । नियाल हर के जार स्व रे.मुब्र.वे.र्टर लट केंट रट उत्तेष च बोहेश्या बिषानुद्र वे. बंद्र प्रवास चर्याः लिवंश च्रंत भ्र ४२ त भूरी ज्ञंच रेत्र देश बेत्य ता कुरं त्र प्र ध्याप हुन हे दिन । श्रीय निवंद है प्रिय प्रति । ये रहे प्रति व व व व व व व व रहे रहे हैं निव्वाल दया श्रुव इत्य चल में ति नारे रे रे निहेश नहित सर हुट सिर् (का 167 口) 크지 전도 등 '철미' 저지 다를 '등 '첫' 등 '도' 표' 등 '도' ! 회 본 '전' 정치 जब नेयर है. ए ने व कर । मुख्य के स्वित अप । से व स्वित अप व मन्द्रात द. ब्र. ज़ैन्य रंटा। रे. क्रयारम ग्रीयामण म्रामहि रेथ बहें स्त्री जय बैंट ठ ग्रीम न्यव वर्षा मुद्रा वर्षा ५ मे वर्षे वराने में न्या वर्षे वराने में न्या वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे लेड : अ प्रें प्रश्न कुर रखेल **ह्रपन्न धरः प**ञ्चर। रघटः प्रश्न अवः रण रटः परव पाना देवा विव पहें निव वर्षण के त्युर सरद त्युर सहता पह कुरं जि. एतार तिथ चेता झुका कुर बेता है। रेश र्ह्म र जिस् वात्र में च विशेश हरे. 2.वैर। दंश.बूं.हेंब.ज.चनर.त.स्वय वय.र्राच पत्र.पवीर वी हेट.वय. मर्नि म मेरे मह जूल कर मान कर हैं लिन मान । मेल व पर नि के मान 호수·심희·경제 호비 스리·디존 저·스드·스럽어 홋세·웹·디크드·더·세·웹·디卢·호수······ गखुकाल प्रवृत्यते लुग्न कृताम्बुवाप्ता र्दा होतामा दूर्या दें हे प्रार

हिंच केट. पू. केप हिंचन प्रतिट. निर्मा मिंडे. ए. रें ट्टा अ. फ्र. निर्मे वे. हिल विस्रस संस्थ गुटार से न्ट ला है कि स्वायाल बेस हे हीत बेट मासा र्रः हिर र्यंग म देव परि दर्भेव पहरा। कन सं क्षेत्र हे द्वाय ग्रेय रू. रू.य मुैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं दे रही हैं अपन पन्न रेचर में व अव र में के कर में व बेंगा लक्ष कना लिनाक रहा विहासे विहास विहा न्हेद'रु'अ'य न्यर क्रुन् यन्न विन् यरस न्दर। १५ यर में वन्य लिया रूप बट.रे. वूर हट.कैट की ठकेर ४ व्राप्त भी बाहुन तर्रा कर हेर चले. रकाः विराधिता स्था राज्या स्था राज्या (का. 168 र) क्या वर्षकार्यकार्य स्था केद'मै'ड्रु' है'उड्डेदे'खन्य'मरुषाय द्यट'यन्द'अद'टन ने यन्द'कट'यर'' चलुनाय। तुन्यारे न्नाया केर नुव अधिव र द पुर क्षाया गुरा है जर् तिहै देव हैं संगुव पहुंचा वृद्धा देव देव व में वृद्धा देव देव देव ब्रुय'सिरे'र्दे र्पट'र्ट'ब्रुप रपम। ये'सेरे र्व इस र्पेर'ग्रुक'ग्रेड' म् विश्वास्य प्रमानित्र विष्य के विश्व में कुरामरावाकॅरामवार्व कीमनन् कुराण्टार हेरेगमर र पातुन्याम विदा विद्रा प्रिंचर त्र्र स्वाय श्रुव य १ वय वेद रदा र स्वाय श्रुव वै चनवामान्द्राक्ष्राक्ष्रा देशवामान्युत् चन्द्रवेष्ट्रामुद्र महिद् केद्र येष गुट पई द्र प्रतर तक द हित अहं द हिट रह रहते हिन सप्रह संबु स्था मा के व मा क मिष्ठेसारमाम्बर्गा कुर्'लाख्याम्बर् मह्मामाम्बर्गामामा

पक्ष अकर त श्रुर अहर पर्टा यनि विषय देव केव जिल्ला हिं हैं। क्षेत्रान्दा देकार्देव क्रेप्ता चन्द्रा सुरः वतार्देव क्रेटार्घ सूटः वह हेद वेरा स्याचर है सेन् रेन् कुरा हैसागी प्रमुद् पर्देश सम्साध न्यात हिन प्रदा रदः खिन्द द क्षेरे पर सक्त पर पब्निया सुः क्षेत् क्षेप मानदः न्युमः प मदे के व में दिया माल हे देव में के अन्यवा मन् कुदाल व किन्ने दर हैल पर स्मान हे इंद तह्दाया महत प्रमान तर्मा मेट त्योल के दाये द म्निमाब्दाबुदाय केंबान्यद (कें। 168 म) मुन्न समामशुन् य समामशुन् य समामश्री 8द.मु.मैं र केंपट.चबेंगेय जो ह्र.बंज मु.टंगट.चर्याप्त.सरं.ट्या.चय कुट. मुन्नायदे भूर देवन यदः मुद्रामा वर्षा स्त्रामा । दे ल मु मु मु मा मा रदे प्रकर्म दा मन् प्रते द्वा रकत् प्रेट् के के के हिन्द रकत् परे र्द्धलान्युव्राश्चेत्राच्युव् व्रिवालायत् व्यवाश्चीप्यवालन्द्र तक्र तर वि.च.चीहेवा ८८.च्र.ज.हेव.त बटब.बेब.वेव.वेजा टेब.वेजांता है. न्द्र में मन्द्र के विद्राय निव्दाय हता दे निर्मात मनुन्य मिन्न मि र्म्या १व.त.म्.ध्रम था ७७२ १व ह.हेर.वे.तपु थल.वेश्वय.हूव.वे. ल्म् न्यात्रक्त पुेत् सुत् त्योल केव् सं त्र्याल स् क्रेंस द्वस त्यापि लेलुः न्यरं नु स्वाप्त विष्यु हेव मिसस तेर देव पह र्पट स्वाप्त रेपट मक्षेत्र महुबाम्डाकेर्न वाहुनानीय कुराक्वेश्वाकुर के प्रमान महिन्यत्व वद्भाय त्रुद्धान्य हे हैं है है नावद जे विमन पर्व प्राप्त कर्

पर्नेय पर्टेट, ग्रेय. वट. टेथ ग्रे ४ हिर ज्ञान है। विश्वभात रेपट. छ। प्राथम हुन् कुल च रेन्य हुन् हुन् द्वा धरे हैं व अर्र मार् व व व व व व व व ब्रुप ते'ल'कुल'प देन्त्र' है'र्म्य' है दिया है कर्र र पहुंचा है वा के में का में तु' ल' हैं 'हे ' पढ़ि हम्' पहे अहँ र पहुत्र के द' में ' पढ़ि' इसर स्था अहँ र' चर्षान्युकाराय्व ग्रेकान्बद्रानुकाग्रे तिन्दालाने कि व के हि ग्रेक्षान्द *** पठवार पहेर, हरा। अट्राप्तियात अथ वरवा क्या है। हिरापा अयथ वर् की. रूप अहर ता अहमा रूप मई खूर परय केशार महेगा म्बर्स महे दिन दी विद्यान महि दिन में सि है दे (कें 169 दे) हि से सि महि मृष्ठिसः सुनास त्युद्धः स्नार्ना परिः न्व सः यः क्रेरः पद्धे। मृष्ठेसः यः द्वारः यः दुनाः लिल.र्चेन.रट.पक्षेत्र.र्वेन.रच.तपुर.चेष्याता.पक्र.पच्चेरा वर्वेशत ल.च्चेश तहना-न्यतः पहुः निहेशः न्याः पहेश्याः पहुः निहेशः पहिः यदिः याः भीः नव्याम् व्याप्ति व्याप्ति व्यापान्ति । स्यापान्त्रवापाः हे नुन्यान्य स्वापाः बर्ळद्रायदे नद्रवाय है पु क्रिंद्रि देशमा देशमा विकास देशमा विकास मे केव भारत्याम क्राप्त केवा देव क्षाप्त करें सदा दुः च स्वापि देव दिया नेवंबाता बुंबाता वृष्ट्री केवाला होते किटा सटा नु जावंबाता होते हो होना की केना रॅंब-तु-अ-नव्यःमहे-रॅंब-हे। वर्देर-म्<mark>ष्टु-व-विश्व-मुख्य-गुःमन्</mark> वर्ष्यम् वर्षात्वर्षात्वर्षात्रः सहर्दि ।

라는.다 남군.열명 다듐山의 다석 외및보.버夫. 돌네서 ฏ.난다다.다성난 외보.다비 अवर. लय. त वैट लटा। ययट. रूपेश हु टे. सैचय. पेयट. त हैर पुरे तथ वन्त मु ल बढ्द हिन् रेनाय हर हैं अम् व स्वाब हिन् इल नु रहेंद वस निश्च कि कि प्रमार हिना मान्य वर्ष कि मिन कि मिन के भ मुद्द पर अर्दे ला पुरादे वस पर सम पृष्टि पर प्राट प्राप्त में प्राप्त म कर तर वादेश त है। हे. हैं. अभव रेतर में . परित रें त वायर तप हैं रें यं दे कि दे हैं दे से सब कुर कु कु के से हैं दे ह हैं के द में है पर प्रकृत के Bens. 4. 다 하. 다고, 교로 용도 | 표근 교육 교육 및 및 보고 회에 제외로 나라 다고 다고 मर ट्रांसल रायण्य म हार है। ।(हार 169 म) मेना हूर है । श्रेट सम्बन्ध मेन व्ययदानयाता । वि.वाक्षाविश्वाय देवल ग्रेय पश्चिर द्वरानन्। । इटा मुथ्य.प्रिट. प्रुपं राष स्वाय ग्रेय श्रुषा । विट प्रत्येय बेर तप्रत्येय स्व क्ष्मांस्या । श्रेवःश्रेटःकेवेद ग्रैयः पद्धवः परिःके र प्रवा । ग्रुद् ग्रुल दे बत्य मेव वंबर्त्या बेबा इ.धम ठ में जात, दूर, कुछ, हिर किए रेटा है असः इस न्त्रे त्रोभ सहिन दे न्त्रे संग्रेत हो संस्था है र त्रोस मामिनानुद्र सहिन। नद्दर सद्दर्भे खेरे कु सर्द र सेस। है हिना केट मेंद्रिके. कुर प्रज्ञेला पर्रं ह देश प्रस्त हे व स्थान है व स्थान है व से स्थान है व से स्थान है कि से स्थान है नित्र क्रिया वा अपन अपन अपन अपन अपन में विश्व प्रमाण क्रिया में विश्व प्रमाण विश्व प्रमाण विश्व प्रमाण विश्व प क्ष्याकृत् वर् मृत्रु पञ्चर। प्रदाश्च र्यव् केव् यस्याणुरः मृश्मित ल'मादर'। देव सम् मार्थ द्राय थ। देव माद्र प्रवास निवा अस सर् । प्रस्य सु प्रद्र प्रदे प्रदे के द प्रदे द मु द में द से मार् से प्रदे प्रस् चन्दा दे.पहेन.पंत्र.दर हे.रचल.सेर्चन टट.बट.सेप चह.सूर्व.धर.ल. मन्। ब्रानेशन्तुपराकेत्रांशमन्। मराश्चेम द्विनमे रंउ त्रा

विश्वस ट्रंट्र चेशस कुर्य, ची चेश्य, जन्मी विद्या, जन्मी हिंद कुर हिंद्र कुर, चीह उच्चेल हा ... मञ्चर'मन् सहर। मृत्यक केव वस रेस यर मृत्र दे वर य सेस न्यव ल पण्ट पपराने हैं हैर लिप्य सु ज्याव प रूर। है है हैं स्प पट हैं पर स ८ इंस. ७ में . पप क्षेत्र मा किया मा किया मार् की की किया मारे की की किया मारे की की किया मारे की की किया मारे मायव। देव तक्वित त पत त्रेव तह में उत्र प म मुंब के प्राम्थ अक्व में के अवित हुँग बहर प र्वाय प्रमुद्र झुप की कुँव दिवस से पर एवंस प स बैस झु रसिंग विश्व विवाय से बोवंब त रेट । रूट ब्रिंग प्रूथ की पंबद से ल पंथे. हा. र वे अ'ल र्याय गुै'वर्गु विदे वर्गत वसस उद ववस। वासद हैद'ल द्र्मेंद्र' सर्हेना र चेल पु (का 170 व) चन्य स सहर स र लिन्य पर। गुव सिव् म्न हुन भारत प्रतिश्व पाचर सूक्ष एजेल प हैं बेल पर की था था, है स्राचीर अन्य सु मण्य म प्रा । स्मा-नेस-रम ६८ ० स अर सु अन्य स्मान करः ट्र त्र मेट दे 'यस रें न तुन्य सु म्नाय व पुटा विशानयर सद अपस ता. ईश्रथ ग्रीय. देवाची. ता. ते व व क्षा. लंब , द्रचा. तपु राव में अ. श्रेच देववा. . . . 디듬은 중네,스다.후,스다,도,하,라이라는 황스,디색,요소,였,이 다륌고 다고,다시아 ... 열드'미지드'용드'ろ다 다'화작'회 화'통미'저트스'다 첫미지 현재'원이 다자! 혈재' कु में में जो ता में अस पार हिंदे अरे दि में दिया है जा पीर ही पार है प विर तर रे. एल वेश त बर तपु चर्चार ख्रुच हैस खें हेव से पर वैर त री 전·효국·리·ギ·정·국·두다·필리 최·미명 휠·월드·티·환·유밀도 디럭국·디리 최·ギ·뛾도 म साम्यवान बिवार् हु माम विवास हो वाही माहिता महिता महिता क्षेत्रदेवाद्याक्ष्याक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष्याक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्ष्यः त्यन् हैं । नु अस्पावत् दे र् र् रिं श्रुप्य प्रतर द्वीत हैं माने क्षेत्र का वित् पर क्व 2.व.महर्ट.हुटा। श्री.पदील.बु.च्रि.परट.श्रीप.रीपा.हैट.पा.मेश्रप. पर अहर व्यादे प्राप्त में मुद्र वळ द अना खेद की कुद पर हन्य पर पर हा . ले

केद इंस मुन्न कुर कुष नन्न मा हैट यह है। देव नन्द मान बला सा त्तु त्रेष न्या प्रतापन्य केष। दे न्या ने दल ह्वा स्वारम्बस्य स हेर बेड्रब वेंट घर बेबेब घष्ट,बंट.क्यं.रच एवेशब च.ख्र.केयं.क्य बेबेब क्रू इब्राचेश हरे क्ष्यां होता वा स्वीय पा पहुंचा है मिना होता है है है नियं में म न हिरे मर न मुद्दानका मह्दामिर के में कि का न न न न न कि मा दे ता के चह अब हव प्रकृत कुष हथन्य यह कुत कुष न्यत यह में दि ये दे ... तकर में लुब्रामा तकरामेर चनर मेर में अध्या समा लामेया हैराया। **₹ 'हे' के'й⊏' पढ़ि' र्⊏ कर अ'ग्लुअ ग्रेज'९कर्। हे'हुर'९कर्'व्ही' 170** प) ह्येर अप्तु प्र म् मुक्र प्य तुर की सि द्र पकरा हो समा कुर केर पर है है र स् रपवाय इवव गुवाबद्दा हुर हे वादव पत्तर है रह है रह पा देवावद पी "" वटार् क्रियायम्ब ४८ पद्धिः समारत्यानस्य र् । पञ्च यावस्य १४८८ । । बर्ट्टा हेरा मेर वाद्या पत्रा हे तकराया लेखे हा परा मेरा रहना करता हेर्रत्र्द्वरायते मृत्रवा ।त्य्याय हेर्यु कु प्राप्त कु । वृत्य स्त्रवा । वृत्य स्त्रवा र्वे.चंट.चैर.ता ।र्रच.४६४.चैल.घष्ठ.बुट.२ै.चेचेश ।खेय.चश्चरत्राचश कु नेनायरे वर्ष हिन्द्राचा केनारहमायरे वर्ष हिन हेन दे तहता लक'चुर'चेु'त्वक'तु'रेन्'त्हेद'पदि'हे 'कढद'हेद'न्शुक'रु'देल'द्दव'त्कद्। रल में हर लाम व्याप्त महिट है तिकराम देश में ति मान महिता है ट्री बहु,रट,पहुर, कु बैट,चा जूब, हूं बे, धर्षे अ. पष्ट, बैट,चा बेटे अ.वे. भवानु बैटाच। ४ संबाधान्यन् विभवतानु बैटाना वर्षे राम्बेशवया ४ ४ ४ ८ । मण्या हे हुर परि मन् र अव दे। रद महेद प्रस्य मि ज्व या हुत। वर हैत प्रतित तपु. क्षेट.पा वशव. क्ष्ट्र. अप्तिव. तथः तीच्यः क्षेत्रा पह . तथः सैवायः इ.शुक्राक्षा प्रज्ञान्य हे.केर.शहर.व्यातिष्ठ.श्रु.वयारकरी तकर् रहता दी मे अपिर विवान बुदायका रयाया अवद प्रमुद्दार विदाय

प्रविता (क्ष. 121 व) अपूर ज प्रायक्ष भूर प्रवास क्ष्य. त्री प्रायक्ष क्ष्य. त्री प्रायक क्ष्य क्ष्य. त्री प्रायक क्ष्य. त्री व्री प्रायक क्ष्य. त्री प्रायक क्षय क्ष्य. त्री प्रायक क्ष्य. त्री प्रायक क्ष्य. त्री प्रायक क्षय क्षय क्ष्य. त्री प्रायक क्ष्य. त्री प्रायक क्ष्य. त्री प्रायक क्

प्रचेत्रस्यात्तक्ष्रभ्रत् । निस्त् क्रि. ट्यूट्यत्तर्भात्तक्ष्रभ्रत् स्थ्रः व्यक्तः स्थ्रः प्रचेत् व्यक्तः स्थ्रः स्थ्रः व्यक्तः स्थ्रः स्य्रः स्थ्रः स्य्रः स्थ्रः स्थ्यः स्थ्रः स्थ्रः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थः स्थः स्यः स्यः स्थ्यः स्थ्यः स्थ्यः स्यः स्यः

र जें ल मा खुद्रामित कें कार्स्याय ग्रीयातक द म दमा विषय मुख पायर मित सकार्क मण्दा क्षेणार्दर **मुँ** ८० क्षेणारणस्था मण्य स्थित स्थि क्षेत्र मर नु प्रमित् मिर् कुर मुद्र बेद वर्षे स स वर्षे र तु द्राय वस कुर वाबुद वाबे '' मञ्ज स्वापितियाने मन् स्टार स्वाय स् मल्या मर गस्ट्र धर सर अळेत। म दिव के नाय है श्रेय गुँच श्र भरव श्रा | दि लय दुवा कु केद र्रेट मिन् श्रीय वै। विपायर हे वे हेल (लें 171 म) कुंद हा वा मञ्जूर मन्द दर अळेवल सर रॅ'७'८८ सु ० सुल मु क्रेंर ग्लुटल। दे बल हे अर यस ग्रम्बर टा मी पन् मुद्र मद्द प द हिरे पर दुल्द अ कर धर प्रवासी है देख में स लित प्रकृ निक्त में में में है है निक्त में निक्त में निक्त में निक्त में निक्त मञ्चर केट मन्दा देवस स्र वे दु मस हैट मिंदे देव के केर मन्दा दे वस की मोर लेमांच है शिवार्मिद वह से देश मुन व से विद्र निर्व निर्व हैता म देव नासुक लेक दे ५ इस नासुक हे जुन हैंद झ'कें दद चरुकायर नालुद न्दा म्निस्स दम सक्त हैन है है स स त्वद महे मुल कें न्या । य कुन है हुस'बु तम्बद्ध पर चुल क्ष ५णु । स'कु ५ गु हेस'बु'तम्बद्ध परे चुल'क्षे न्ना हे है 'तु ह' मन्दर मं दबस यस ग्री धन का किस ग्री धन का धन क केव मा रिस के नामि हुना के है हिन के पहुंच महत्य मेर। है प जित द्रचल र्टार चेल पा क्षेत्राच १ अल क्षेटार्टार चेल पा चें राग्ये कर् द्र त्र्रेश मा त्रुम पु न्द्र द्र द्र त्र्रेश मा समाई द हन्य द्र लचेल न। निन्नान्त्रसारमान्त लचेल माह्ने लचेल म हुना एव नु नासुरस ताल हूर लिनश्र श्रे. चनशा देवय पण माला श्रेश रे. देवय पनर पन क्रि. ८ ह्ये. त व्रि. सेच अट. स्. चैट त. प. श्चर. पीचेश श्व. चीचेश हे यथ हे रथ क्र-प्रस्तिस्त्रेन् वावत त्यूत्रेक्ष्य्भून न्द खार्ष्ये,वान्वयायार्यवायाञ्चला

देवल बद्ध देवता विवास किर देर गुल के बार सेवा बंध खल के वस में न्युट खुन्य मु सहर सन्य छित् स के छेत् महे केल मह न्यु न्य हैट महुर मन् महर् म हे र है दे र्नामी अर कुंद रस मल्यांस म लंद मा मन्तर दे.रच.रबश्च १८ मिट.तव्य.च लच स्थ रेट घटड चरव मेंल व के है.त हि. व पन पक्षित गर्। । हैं व में स्वाय ति सर रा याव मेर। । मर्टे. दिन रल निर्देश हिल हानाय ग्राम्स । निर्देश ता पर्देश प्रिम क्षेत्र में रस क्रिय निर्देश म्बि कुल महे प्रमात (जै 172 व) त्युर र हैं म प्र। देवे प्रमास त्येल न्यार, हुब. कु. नरट, रलवाय केल रें. रें य. है य रूं हे बरिब न बारीश ही रहें था. ब्र.इ.प्.हैं.ब.मैं। तहे.मैं.ज्याय पिट घट ८हव.तर रा रे बावेश था। म्ति.विसेबेत हु.रेर.ज बूच अर बैर बटात चश्च रिवे रूचे तथ रज .. ग्रीयापार प्रमुदार गुर रेज दुवाय सु हैय है द दवर कार का महरा देहे भूषाकार्विकारा भूषिका सर्व स्वापातिक स्वाप गुव पश्व प केव राज ... ह्मेनब प्रमाप्तदेत्य प्रार्थन्य एयाबरानु अकेन् केरापुर्द्द्र मुख गुरान्धे "" न्याय मेन मु द्वित अ'न्द न्यार कमा अहर। सुद दे हेद स में दू प द्वार विश्व पर्वेट. वर्षा च इ.जू. है। दिवस म व्राव्य व्राव्य व्राव्य हैं लक्ष मुद्दा वित यर क्ष की पहेर केंद्र पन हेंद्र पहिंद मुख्य न्या दें हे न्यन्त य गुत्र न्यार हम कुला न्यल स्व न्यार में यह म प्रमा खेटाचा अमूब पूर्व पश्च वश्च वश्च विव र्श्नव सिट अट पर स्टब सु'मान्य म'इसस'ग्रेस तहव'हेट होल'पर सहर री।

्यह्र्राप्त्। । क्रीराम्बर्गाः स्टालियस्रिक्षेत्रस्य स्राम्बल्याः म्ब्द्रालयस्य सःमञ्जास्यः म्ब्रुस्याम्बर्गाम्बर्गाम्

न्द्राची क्रमाञ्चन व्यव के मार्स मार्सेन बटा । नवुमय केन देव पत्र ह्यांश् थाओं.ता ।ति.धूंदाम्पर बैंदारुंग्यशानु.या.कुदान्छ। । चिर मुन्य हिर्य तर्र श्रुच महे क्षेत्र तय हत्। । ने न्ना मन्तर हैत द्वा व्यापसामाब्त रु मेरा । इत मर एडमारिवेटस देश पर्तित ह्रवे भू मूहे पन 의·키 드드 디트 휠도 출·점이 다통다 | 국·국제 립이 다유·전 설·다 교육·전·끄·포· दाना श्रीमान्याय पहेनाय। हमार मुद्रिक्य वर्षा वर्षा वर्षा चर्डद'राजे.पंबाई दशय ग्रेश अर्ट क्रम्य ग्रे क्रम अर्थर रेमा चर्चेर. श्रटा औटे. न्यर पठन ग्रैस न्तर्व भाष्या । (स. 172 न) न्वे नय के व सत्य के साम नेस-इर. मु कुथ भट्र. रेट ब्रै. ए ब्रैं प प स्वीय तप्र. तथर ब्रैर के. कुर हीता **बुै**'न्र'कु र्वन् सर'स्'केव्'रेव्'केव्'पबद'र्घ'न्त्। ने'व्य'र्ह्म'स्'र्ह्ने'ख्व' नेव रयःग्रे'त्रः चुर्रर्रार्ग्रस्य रयोश ग्रे'यद्वर्गय वाग्रम्य प्राप्ता मु वस मन् कुवायव अष्टेरे ख्राम् म् । देर्मा प्रमालका यस दिस्यायहे चन्द्रकृत्रवर्षर्द्रप्रहे चर्डन्या कुष्या मुर्द्रवर्द्रा प्रहेन्द्रवर्द्रा के इसम ग्रैसःपञ्चरःपसःदे 'द्यांश पन्द ग्रुदः स्देगसःपदे गाः केदःपहु देसः 미구저- 5. 피미저・다 황 '크드 '볼미저 ' 터드 '명시' 정착 ' 다리 된 드 저 정 ' 저도저' 펼쳐' ' 현 ' पर्वद्गारि वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे विष्या वार्षे विषय वार्षे विषय वार्षे वार्षे विषय वार्षे वार्षे वार्षे ने न्यानी मामान देव व्यायामि अवस्या मामान व्याप्त स्थाप नमर्मनाम् नम् स्राप्ति मार्थे । ज्ञिन चकुर्मनामः कर्मास ननसः हरार्रा । पहेरामधे पर क्रमासमय वार्टा ने जीयाम वार्याय उर लामन् ज्ञुन निष्यामा विराधित अरागुरा मन् मन् मन् निष्या निर्मा सा न्ने'म्हेस'स'पपस'प'र्द । स्वा'पच्चुर्'ग्रे'पग्र'दे'म्रेर'प्रा'त्रात्र'प् न्त हैत्यस्त्रात्वात्यायस्यात्वर्याद्वर्यः हे 'देन' सन्त' मा सद् 'कन्'नु 'यान्य के 'वेन्'। कुल' कंग 'न्र सा देद 'केद 'कु'

ख्राम्या म्यार्थित् स्तार्थित् स्तार्थित स्त्रा म्यार्थित स्त्रा स

मिष्टे साम दे। रदा लियां सामुदा सिहेदार हि हा कुला मा देसा । वदा पहणा कुर हिरे (कें 173 क) पन् पात परिंचर सहर। । सहर पर्णः बरामरि'मणर'मकु पाक्ष्याणु रताल्याव सु'मन् पणार'वेश हेंग्'वहर' म्बुबाभाववयानिदादेवदाकुर गुप्तन् अलामात हे दे दिन्तादे हैका खुलारा रेचे.इ.लेज.रेचे.चुंश.इ.इचंश.तर पंबेट.जा ग्रेच.अछेच.रट.तैट.केज प. त्रहेन्'हेर्'हु' पुँद्'म'द्रव द्रामहन्'कुर् न्युम'द्रेम'युन्य महे'मन्राम्यर' ग्रॅं'चॅर'बर्दर'दे'देशेकु'बळद्'गुद'दृग्ब मॅ'नग्रि'चकुर्'ढे' नदी'ढ्द''''' चकुर्'रु' जन्त्र प्रक्रिया देशका हैना अर्थर प्रविकालका चकुर्'परे कुर्'हेरे " न्यत्रयात्रकेर्मेष्यक्षियाः द्वालयः हिः यह्ने सह सुयायकून् गु म्निताना मि व ता पाइव ता क्षेरा पाढ़े कर मा भी व म्निता प्रति है र ह कर मिव र से कर चसअ'गुैअ'गृ5द'श'९चेचय'म'श'र्वेट'मैं'गृबुट'द्दअ'म'मबुअ' मॅ'देस'कॅग्'''' केट दे दिया सामित्र से दे दे ता मित्र हो। दे ता मन संविद्य प्रमुख पार् म्हन्यात्रित्रे व्रात्रे त्रात्रे त्यु दृष्ट्रे अवतः द्रम्भ ह्यु त्रवाता ह्यु वदः म्बद्रम् ५८। विर्पर हे हिंद वेषा विदे देश प्रत्य विष्य क्षा पर हिंद पर कें या द्वा है ला माद्रवसःग्रेव अत्वेत् सु के दुराम के द। महना माने वरमा वे स के द स मुद्

घलत कर में मिल स् अरल पर्न अर मन इल रे. पर्वे ना क्र विर . कुंद'पर म कर हिट कुंद है इसन है पहुंद हिंग्य हैंन पा में पा मर रहे १९ में सम्मान के महम। कुर हा अ दे हें ह्वा सं मिर बाग वना भूष मु सिम में . कुर पूर में स्थान अकात प्रमुख में बिह्न है मा सुभ के कि में सिक्त में सिक्त में सिक्त में सिक् यका अहर यह विगाय केद में कुर हा अहे पहन पर्वता भेद **दें।** विश्वादय स क्षेत्र सन् विभिन्न खना भ सा सा भी स स पहना हेव. वार्थ अ अनूव. क्षांचय गुरिय गुरि स्वाय अवस्थ स्वयः विष्यः। स्य गुरः मुल्या स्वायः श्करा उद् अद्वेदि यद रेक गुँच गुद देवे दिन्दिस यह परे देव रू (की 173 च) ब्रह्म च रचर ख़ैन लेब चया ख़न के केंद्र में झेंब च सरमार में हैन नेवा" म नाय के म जेवा देश व नाबुद लदी नासुस दे ए मनी प्रमा रूप हैं पार केंस क लेब. में है अप लंब रेट हैं कीर यह क्षालब तक मिन ममेर पहुंच ता इसर गुरा पन् पर कुर व १ वस पर पन् प के र न गुराना वर्षे कर स ष्ट्'र्। ।पाबुद केद पणार पाबे थे पर्शुंद कुल स पपया ।या**यःपठयः** लेन्य मन् है हें निस्य महे कुदा । देर यह प्राप्त हें व कु व व कर मबुना । अळव हेर धुनाय गु मन् मु र्व रुष सुन मकुर परिर केर स ब्रेंब,ताल ह रेब.त अहर त रूब जब,ब्रेब बेंब अब्रेंब इर ह्रेंब,कुब, सू.लब.. मब्द सम्बन्ध नुःस मुख्य। देस गुद्र दःश सद्य सुस्र श्चिपःस प्रदःस धिदः हेसः ल्रामित से पर्मिता है पर्वेत्त्र क्रिक्त म्ब्रीमा विद्यामित स्थान चंबिंद लीचेश रच उत्तेशस श्री.च७ श्रीच अ.टे.अ.वेंदा। विटे.चर ब चेर चेहेश. कु के क्रून पहुर त कुर सू टेनेश सूरा प्रतिश्व साम्बंध सामक लेंगाना. त रेट तु. हु वेश वश्च १रं. जब कैज. पह है. जो है. पकेरे. त वश्च १रं. अप्रेद'य केद'मॅ' के पश्चेंत त्यार'यय'याबुट' शुग्य सरार'प्रयं'यायय रहेटा। विवर्षाय हेंस्यान्यम्बराउन् अद्वितायते ले मेवागुवानेताहते हैं। विव विवर्णा

न हो अपने। बन्त पर देश रहीय है अह नहीय होता अहन हहीय होता मन्दे न्धेन तह लेगल मन् लंदल की कुल मां सहद कद त्येल महें वर्ष्य नित्य नित्रा तहन हैगा दिनाय वर्षी विवास प्रमुख्य प महि नुव सवा क्र म रेग नबुद में रेग्नेय म संग्र सहर हेटा। नबुद कुद्राचनाथ्या त्रि पत्र नाया पर यहरे त येथ श वर्षेट मेल व पूर्वात . .. मन् महे मार मार मार हरा मुरा मुरा है दिन्य में लेग्य मन् ही स्वन्य " मन् मु'द्रवर रेव पर पुर'देर। श्रवाणी यु'म सुत मार्ग्व वर्षाणवा त्यन (कै. 14 र) ट्रांट नाई ने जन जे हैं र जन ने हैं स प टेंट यक्ष स इवन गुन लेगन पन्द्रहे अदे दिंद सूद रव मू वद्य वर अहद ' ला विर् तर हे.रे में तथ अर्थ अर्थ अर्र रे.ट प्रहें में चर रेन ह तथ. मह्य मेव। टीमात क्षामी नेयद हैम मुख प्रीय देवा यहता यर दूरी 융국·희·靑최적 여자 월드·芷 디컬저·디유·전대 등'러트드 용드'크 드러'용국'글드 휣드" ब्रवास सी अपकर हरे ही ब्राप्त में कि प्र वें हैं पर दें पर हैं ए पर हैं हैं पर हैं हैं हैं नै पन्त लुटःनै'कुंद'पबुन्य'पय'देट'यट'नै'अपय'देशट'पन्द'न् द्वेनस' सुरमकार मानेद्राप्तामन् कुवादेर्नार्द्व कुव वाकद् मर विद्राम वेवादा। देश'द'ग्रेर खुन्व'गुं'चन्द्र श्रेष ६६'द्रम्'ने ह्टिय स्व हेर य खुन्य'द्र'दे'' लम रूट हूँ व के व वरि वन्द र्शेष लव ला है व वय वय रट लियव तर रूट मु चन्द्र ब्रांस चर्नेद्र च लेव् चत्र नेव चर चुरे।।

पश्चामित्तकर् द्वान्ते, श्वान्त निर्मातम् विष्या प्रमान्त्रम् विषया विषया प्रमान्त्रम् विषया विषया प्रमान्त्रम् विषया प्रमान्त्रम् विषया विषया प्रमान्त्रम् विषया विषया प्रमान्त्रम् विषया प्रमान्त्रम्

पहरानि भिन्यानि स्वास्त्र स्वास्त्र

स्वयः म्लुस य वॅद् एस्य सुव पकु निरः हः केदः यः पकु दः पः पः पर्दे पः तः मृत्यः सद्द पद्वा पकु निरः हः केदः यः पकु दः पः प

म् देश व्यक्त स्वाद्य स्वाद्य

माहेक्यामात्मानुन मह्या मेर्सा मानुमक्षा अपाहनका समाम प्राप्त माहिका महिका मानुमका

अत्मर्नात्रः श्रीभारा स्टाल्चर साह्रा स्टाट्स साल्या साल्

चरुकात चक्र कुर श विच च देशक रेट। पूर् बेशल ह्वेब स कुर स्.रंश. ळॅंच गुव्'चे षट'हेंद'प्पदुर् रु'देश'प'ह्य व'वे'दन्'ने न्रव्यत'झॅंर'श संन्व र ना हुन में ल में बर्म कराया प्रकार में का के मिय या पहला वित्रकार वा प्रकार कर के 'नुस्रक्षम्यस्ति हीय परि न्वसः न्यः निष्यः वेन्यः महिन्यः व वाः ः ह्रा पार्ष प्रमुख्य व अवर अय पाय प्रमुख्य हे मुज्य पढ़े प्रमुख्य पर केद्र'याः भ्रायाः वर्षेद्र'केटः ठद्र'ये। केटः केट्र'म्ट्र स्वरंदर्यः याः स्वरं मिटा कु 'रेब' प पर्व में कु संपन्न पा कि स्व में प्र में में से स में.कुरं.त्.चेश्वं पर्देवंवां वेखरं लट. हें.४ तैंव है रूप (क्. 122 प) पंतर **८ तुल पार्ट प्रमाय पासुल मुल सकें द**ें प्रें विकाय दे के किया के स्राप्त क खिसामर बेचल ग्रेशाचरचेल मेटार चेचावश्वारुट श्रेम चेवसासुरधेदां ग्रेसाम प्रचित्रा श्रीत हिंद. ईवर्य प चिरंभय त चक्रिय चय भक्रयम. विध चींच क्रय. क्षेर की लट. इट. में हे ने पर के ट.की लर. त. टेट के. मूर्ड पूर जिस मिन त पक्षे पक्षेर हा भेल समान् इमायात श्रमा श्रमा हा हरा मेर माने नाया पर भ्रोप्त प्रज्ञा हेर स् स्वाय वीच त द्वा साववादाव प्रयापद्यात वीद हा। ।

त्रहर् हैंट्य, ट्रे. हूं तथ ता. कुरं. तूं. अंश्रथ कुं. तक्र्रा विशेत विशेत विशेत हैं. हैं तें हैं हैं तें हैं, हैं तें विशेत कुं कुंट कें हैं तित्र कुं कुंट कें विशेष कुं विशे

देशम भेद'नु'स प्रयम्'द'मुल मेरे कर म हम्स'मु हैवन मस'हेद स सहद' हिन् मुँ केंसाय हुन्या अकद संख्यय नि हेद र होस स महेद दय बुसा पश घर,रें थट जूबे ल बेबे.तपु रेबेंध घ कि.वर्बे. बेंदे त जूबेंब रेबेंध पे कुरे. मा प्राप्त मुख्या प्रविष्य प्राप्त मानवार है मु क प्राप्त मानवार मु पुर विंद केव येर द्वार रा दें है दि लद सहस हे हिन्स म केव यें " Rपुअ'धन हुन हु है'पद्विदे'र्देव पकुंद र्वेप सक'दे हेद तु हैंनल केंस तुल''' महम मु न्रें म मुन महें म मन अर्थेन में मुन म महें में न नु मुंद वय पर्त माल स्वाक्तास नास्त्र मेरासेमय है हि त्युर हा प्युहा स स त पहेंद मुल स क'प रॅटर्नु बेपराव्य मुल(ले 176 व्)रॅटर्म्नाल "" वर्षद चेर द्रिद्यार वाषु अ हैट दी। क र्राट वृत्र हे वापर दुव छ नेश मा र्रेट हिट रेट ने वन देवर ने वर हेट रे बट कर ने कुल अर्जे व मा प्राय प्राय प्राय है द द । वि प्रवर मेल र मा स्वर क लार्ह्मवारा क्रव्राव्यि क्रवाम्बर्धा व द्वाय लार्ड्याया सरामा नेता दे र्न र्ट विराधर ब्राम्बर व सवाकर्षर मान्य पकुर हट रेम धर बळेर. दे अभयाप्राटाची प्रसम्पायमाणुद्रात्राचारायदे कुल श्रेद्राम्बदाणस्यापस्त्रुद्र धर'सहर्'है। दि'लब'र'हे 'बेसब'हे हट'खेनब दटा क'रें'खेनब खु' चन्त्राम न्रेत्रेत्रे कृत्राम वृत्ता परे इत्माने में में में मान्या यर प्रमृत दे १९८ मे १९ मुद्द द्वर प्राचित वित्र वित्र वित्र मान्य प्रमान । प्रयाप्तराता है स दे सर् नियम में ही ही तारह में ले में या रही टामदय. बिकानु पान के पान निवास के विवास में किया निवास के निवास दे हैन गुरा होया पर मान्यसाय केवा दें। । श्रदा हेंद त्यस प्रकृत प्राप्त कर मेरे चर.दे.पूर्तिवाचिनासः मे देवादिरानदान्विचनामा वे पूर्णा हे दू है विकार र

ग्लुबाम दे। में अ १८ में अद रण दें अति महत्या ।दे मह्द क्षरः कुदं निविधः रच ब्रिश्च तथ घर्षा। । तथः कुदं ल चकुछ बर्दे व किदं किदं किदं किदं लिया है हित मा पाईस पा श्रिम नियं में अ ता श इ प्यन नु है है पन निरं ह्य क्षेत्र हित प्रवास में ल ह्रेन्य म केव में अव मण हेरे मुन्यस म चक्रेल चस्र हेट चर केट पूर्ट टें.ट्रेटबा विले. श्रेंस जू. वें. वेंस सुभय कें. है. रबैर पर्ने प्रविध पहिंदा १८ मुख प्रतिर पिय हैं। सब हैं। सूब र्यट हैंगे ल मलन न्ये मकुन नहेर नु निरम्य म एट य हुन कुल कुष महें व हिर मग्रि मकु पुर ग्रायक विषय है मार्डिक लि ने मार्ग में अव मार्ग ग्रावम मार्थ है मह्रव गुम हिन में में विता दे विताक तार पर्वेट ता भागिका है द हैन हैं सन्यन पर रेट । यह अस असे मी मी की (का 176य) यह है. निरंभयात्ना भागर त्या हैट हेन निरंद वस चल्ल हे. श्रील से रट हैट हैं है र्ट. मूट्र मिल अंबर प्रचंद ताल चंदरा इत्य दी यल प्रचेट लखा अल. मंद्रसः चरिः चुद्रः सेश्रम ग्रुस। विष्युः सक्रिते चरः पुरा चरः चुद्र। । द्रेस स्टः पर्वर्याक्रमा तहकाश्चराष्ट्रियाचराश्चेताचतार्वेदालयामह्त् हर मृक्षाश्चेरा अमेद्र दे अर रूर जेर ल जरमा दे हैर ग्रैय गुव पत्र दर्ज दय परि ग्रूट वयान्तर्भापते महेवामह्य धामात्रे माना वात्रामा वातर द्यां मदः हेन् सह्रेंद्रित् मर्द्र्या ह्रा स्थान्य क्रिंद्र म्युवा हार से परवारास्त्रवारा स्वापा सहर् हर प्रकृता सहरा हि । स्वापा स् हे सर्राव्याम्यापरयाचे खटायार्या स्राप्ता सुव्यापर वर्षाम्यापा हेटारा हैनाना चर्चन या दे श्राट केंद्र रया र गुन्न रायवता में देश प्रम् र या है है मोहेस्यानर ब्रेंब्र मार्ट्स विमाहर महस्य महस्य है। ।

पिक पार्वे। तर्मायानित झर स सन्य नव्यय केव प्रमा चल में. यह श्रूच ट्रूच चले. जब श्रद्धा । अर्. ट्र्यूट य च र व व व व ण वु खुद ने अर्र पाले पद देवे एव रेस क्रुय य अर्देवे प्रार मन्द्र अद " ह्मान्द्र घरल या जानेत हे जानेन खेन की अल जील नार्व माना मूर कर मह निर्मेट भूराण स्वाय विदेशक हता अवहात्रक मार् हेर हिर हि स व मवल म मुम मिरे क्रिम द्वित महुमल सदल मुन से मेल देव में केल मु जर सिच पर्वेट बचा स्.रट प्रश्च कील भ्रेटा नाज स्.न से हें रा वि.चंद्र श्रूच. न्यं के जिंद के निव्यं के वार्य प्रवास प्रवास के किया मा प्रवास के किया में वार के वीरा तिया है स्वीय विवास वृष की सम पढ़ी किट तर मुंद अंग स्व 24 की अब्द पम क.त. है। श्रुप्त अट सेर. वर्ड. च्र चीर तह चर्याता । झ. विश्वांत्र. मन्तराम्बुअ (के. 122 वे) वेश हैट स् रेट हेट । रिपूर्व हें वे हैं यो होनंस. 일도성,신는 덫,권석,회실시 |大는 결소,회식 신리너 역명학생 및 내업다.너 없네석!! ㅁㅋㄷ'여 ㅁㅜ'줘 죠ㅜ'ㅁ유'뀝ㅁ ㅁ저 ㅁ뤘ㄷ저 | 를 여덟여 두드'떠드'두미 덥ㅜ. म मार्रि में र मुर्द मित्र कुर्द हैं र हि ह्यू मार्थित मानि यता में के दे र्वेण सर कर विनारिव केव केवानायर हैट कुर पहुरायम् अहर यस अहव सामस मेट" 필다'다음'젊다'독리 등'저저'용국 다시독 취라'월다'현재'미등국 여'석다'용도'다봉국'' प पश्चिम्याम्भव है। दे से हे हे जेन पर पहुन म र्मन अर मुक्रन भ ननश् नर रे.परिनय,ल ननश ध.भ.वर.ल ननस. देश नेरेश रे.चेर्थ माने निश्वाम हैन गु न्यूर साम हिन दिन के व मानही में का मा मेरा मिले. में हैं हैं हा है, चर्माह के प्रमाले पर्येश हें हर रे में वार्थर में बेंट में के, स्-एज्रेस-र्येष-ह्रेट-विद-रट-परव पा विद-प्ववैट यर्थन्य-प्य-ब्र-व्र-मन्द्र'मिन्'न्वर'विद् द्रायहत्र सा धुद क्ष्यत्र'द्यर'में कु.स.समुर'व्यत्र' हं ह्य र र परवा। दिन पढ़ेश हेर ह्यूप के छ पं पहर शुर इन हमा प्र मरुष सह । |दे'ल'श्चिम सह गर्ड'में'प्राय सक्र मकु पु गुग्य स लब्र खूर्य म्र दिनता में क्र मुंख गुंब नाव प्राय हिंद सर ब मुंब क्रे में व व नार अव ताअधर,र्या चर्नेला लट वर्षे चन्न वन भविष् हैर मू.मै चेर रे.मूरी चीत. यते श्रिय प्यंत कुं 'म र लख मद प्या में किय श्रीर ह्याय यर बुया। माहिस सु अर्पाह क्र. में स की भी बीच। ट्र. पस चकी ट्र. लट ट्रेम श्र. लियस की में ट्रस य इवन गुर द हुते पर नु'युर प न्रा । अ'ले तमुर ने श्रीय व हर नेन रत अक्रवा देव श्रम अ अट से नेय तमुद्र नवमा दे तम से हे हुर म के मुँद स दर। मुदद सर विद सुवि दसर में व हिन रम हिन दम के व मन मुक्ष परि म्निक्स प देशस पर लाम सिर मिहेस नियम हिन स ही प पर न " हेर पर.रे.पर्केर,तर ईर परेट। चेष्य लट हे.चेन्नव श्राम् म्र्र (के 177म) रेवाब लब मुँद प विसय य में क रूट र्याय में बेट वे हु। अ। ह स्व रमल ही रमम हुन अल्य के रमल ही रमम हुन वर्षन के द्वा में के में मा मा मा द्वार मा में दे में है म द्वार विषय स्वायान्य अञ्चय न्यं व केव यं ने न्या वीया हेय खु य चु ह वित । हिन अरि बीत. ह्राय. हुव पर्केट तर ह्रेब तपु विटिट रवय पत्र विश्वर भपु जू. द्रं हुन सक्च वल इ.इ.च्च च रटा विषय लट दे.रेव च हिस से केंग. र्ताल की निष्यं वं। इट इंश क्ष्य की पंजद मां है, ई, बैर में कु मैं की उनेंद निवं विर किट. पुर राम निवं । निवंद पर्न में लिया प हैं विर पा श्रेश न्म्य मासुस देश रहेना हेर व क्षेत्र यर मानाल यह नानुम यक्त हिन मासुन । स्वतः पन पा अन्य देन क की महित स्व देन सुरत महित के व पहुं हीत या वसाक्रम कुल महिर पर्ना हीर यह महिरारेगम है स केराय र हिते पराहु। मुन् म रहा रहेल स्वत्र संरचल रहा गुन् अदिन केन सं अन खर

स्वाय प्रव हव चन्न प्रतित ट्रिट चया श्री में प्रचाय स्वाय प्रव हव चन्न प्रतित ट्रिट चया श्री में प्रचाय प्रव हव चन्न प्रतित प्रचाय प्रव हव चन्न प्रतित हिंद चया श्री में प्रचाय प्रव चित्र चित्

हिना प दी। अक्रम महिन हीर म किन दुल ह्व देशका स समाय। । नुस अधुद रेम पुँद श्चिम सर पठल म लेका । निस अधर स्वास मसूद से वुच कुष यर सहर। ।रेतर तथनाय य वर्षे द्वय व्यय वर्ष वर्ष हिन दे तहत की अर्' (भरा दे अ' अर्' पारे माने पारे केंस तर्द् पारे मुन ह्म केवल न्यत केवल न्यत केव में इवल ग्रे महिर दे न्य। दे खुल न्य। निद्रम मे बद्द प्रस्म सद्मार्थित् दे। मा बुद्य द्दा हिल में झें अधिकः षय त मुन्य पत्र ने ने विश्व र्म विष् (क्ष. 148 वे) पन में रूट्य तर ध्वेर.. रा विवर्ता कृ तिर रूपायह सर् रायम जेरा र स्र यह व सह हया मुन्दरा दिवय वय स्वाय मुन्दर रे. स्वा । लाट व या का है ट सर. है। है छिर खु हो नव ठव वर्षे किंदा दिव देव द्युनवायर व्युराह रे। दि हिर छ.प्रिंट मैंव भ्र पेट्री । दुल ताल ज्ञांबान में. कुर. पंबेंट व ता हेर ि थ्र. मेर कर मूल से.क्टालब.श्रव मे. सेश वी.परिंट घर पिट चरेरी विधट.क्टा म्रामिनेर बिर्माय मेरेर ग्रेस सक्षेत्राह मेरेर निह रेन्स मह प्तकुर स्त्रा विषया में निवास में किया में बाद के में बाद कर की में के बाद में विषय में विषय में विषय में विषय में विषय में র্ষ্ট্রব মেম'ল্চ্ড'ল্ডার্ড মেম'ব্রি'ব্রামান্ত্রান্তন্তন্তন্ত্রান্তন্তন্ত্রান্তন্তন্তলনালৈ বিশ্বনান্তন্তনালিল বিশ্বনান্তন্তন্তনালিল বিশ্বনান্তনালিল বিশ্বনান্তনালিল বিশ্বনান্তনালিল বিশ্বনালিল त्युल पारेन तहन बुलायते हैं व कर्षन हर राय है वार्दि बेर। गुरु इयागुःन्वराष्ट्रणाहे महेराह्रदास्त्रमाम् १व समामहेराव मेरा स्वानु ... 네네시다. 그다. 이 시스시 다시 늦나를 눈살, 말살, 다일, 노울, 교육 월다 어로, 당네인

यमृद प्रिन हीर य यमु दापार प्राम्य प्राम प्राम्य प्राम प्राम प्राम्य प्राम प क्यस न्दा भी तहत में में हिमार सु ठव में नव प्रा महिन स मिन्स हुँ ५'य द्वत ५८। पर्न ८५ त्व ह्व ह्व हैं हे पहन हुर हुन हव हिर मेड्रेन में. मेमन त इसन ८८। हैनेय अध अधर खेन तह सैचन एट्रेर खे. 5萬·エ·영工·芒·双西工 和「 5·夏 · 四 「四四·영南 到四·红·「四·四南 西西 · 夏 · 五· मूंब में क्यातर, धर्वेल च श्वेल तह बोधर, धर्में विक्रा अप्रूह धर्मर ज्या श्वेर तः... अ.मैर.अष्ट्रता.मैर पर्. प्रया माना रामान रामान में ये. प्रे. माना श्रुष्ट प्रयाता माना माना माना माना माना माना बहूर कुब्राच्राया विद्याच्या रवाह्याल अवाबातपुर ह्री प्रवास प्रति है ब्राय च चढ़ी हिंद ज़ी. होद प्यत कर टे. हिंदान होता है. रेज ने क्रयानरेज होता बरम्बुन् बहेद्रन्द मरुषायसर्तुसर्द्रम् ग्रीखासर न्स्रायदे केंत्रावहेद्र हेदरर Rट्र श व्यक्ष प्राची प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति व स्ति । प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति वेग्(कैं: 178म) पर मह्रद म मिल छ मिल छर के तुम नर बिट कुल हे रहर्जे : मानुषान्ग्रायायवरान्न् ह्वा महास्वायाया है विष्युवायाया हिना र्दे! ।र्रटः इत प्रदे. २४ वयटः क्रवयः ग्री. प्रवयः प्रप्यः परिवः हैं . पर्यः रे ब्रियः बह्द्रायर मन्य मेट मनि क्रिया वा विषय कर प्रदेश वा विषय विषय विषय विषय ्री'अ'ल'सद्'म्हिस। मृदुपत्र'ळेद्'य्'द्रस्यर'रेस'पर'पुट्'म्बुह्रर्यार्था ।

न्हेश्राया प्रमुद् यहे देश मृद्धाय सम्द्राय । स्थाप स्थाप

त्रें त्र प्र प्रेंद्र, प्र अहर् व्यान्य के जिल्ला के प्र क्षात्र के प्र व्याप्त के प्र व्याप्त के प्र व्याप्त प्रदेश प्र क्ष कुर्य, प्र अहर् व्याप्त क्षात्र क्ष्य, क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र प्र प्र विश्व क्षेत्र, प्र अहर्य विश्व क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष

प्रेशःस स म्बुबा देशे प्राप्तः प्रमुद्धी मे प्राप्तः प्रम्यः क्रिंस प्रम्य विश्वा स्थानिक स

प्रस्तात क्षेत्र तथा के स्वार प्रथ वा । ग्रीट विश्व त क्ष्म क्षेत्र तथा क्षेत्र विश्व विश

च्यारावस स्ट्रांचे प्रक्षेत्र स्वाप्त वित्ता वित्ता क्षेत्र प्राप्त वित्र प्रक्षेत्र प्राप्त वित्र प्रक्षेत्र वित्ता वित्र वित्र प्रक्षेत्र वित्र प्रक्षेत्र वित्र प्रक्षेत्र वित्र प्रक्षेत्र वित्र प्रक्षेत्र वित्र वित्र प्रक्षेत्र वित्र वि

यमृद म्हिन मि कि प पकु द मि मि के मिर मुर मिरे ही मिरे अकद उद पु अ " इसस १८। रेन तहेव केंद्र की हिस तहु उद सन्तर पुर महेर स सिंदस बुँ । इसस र । पर्न तर्ल बुक एव हैं हे पर्टर चुक एव हैर मेड्रम रे.चमाथ त इवस ८८। हैमाथ अध् अधर विमानहासी नया पर्टर छे. 5절' 자'용지 본 저조지 최도 5' 및다 다'도디씨' 명리 정저'친' 도저' 유분적 표저 집 됨' चूं थ भी क्ष तर ४ वेंल प बील तह बोटेर.४ तेव बे. अष्ट्र ४ ४ वर्र अ. बीट त .. लाकु महिन महिन है के वा के ता कि वा कि बहूर कुरं म्राटित । ब्रिटार्सेल रेशाह्यालासूचेयात झूं एलर एनेरे हुटा मुँल च चढ़ी हेर गुै खेर लग कर टे चिंदान होता है रे च में क्र चरना हैंचा व्याम् कुन् तह्रद्रान्य पठवायवानुवायत् ग्रीप्रावरान्वायते क्रेवातहर्दे विद्राप त्रुवः सर्वे पद्मवः ये पर्वेचयः त्रुवः ये यः येष्टः यो यटः स्वायः हे हे · · · · · · वेग(क. 148 न) तप पर्वेश माल वि. विमाश विमाश विमाश विमाश क्षा है. एस्. म मुनुष न्यार म अवर न्या ब्रीय महे थेव प्यान के विट कुव क्याय म हेन्य र्दे। रितः इवः पट्टे रेथः चेवतः इचिवः ग्रेरचारः चचवः पर्टेशः विस्टः दुः श्रवः वाकाल भराम्केषा मनुषयाकेराया द्वाराम्य प्राप्त मानुष्या है।

न्दर्भेषा चाबिट्रास्याके ब्रीट्राच्यर्भ्याचिट्राचे प्रत्याचिट्राष्ट्रियाम्बर्धाः विद्यान्त्रः विद्यान्तः विद्यानः विद्यान्तः विद्यानः विद्यान्तः विद्यानः विद्यानः

मु ब्रिंद'स'लेस'ने माश्चेसान्याम्ब्रिस मु स्थान प्रतास स्थान्य नार्ष गणान्य मित्राम्य क्ष्यान्य माहि प्रतास स्थान्य मित्राम्य स्थान्य मित्राम्य स्थान्य स्थान

निष्ठेशःस स मासुका देवे माग्वः मानु ही। ही माग्वः मानुक्रः कुँ मान्यः स विषयः स विषयः स्वाप्तः मानुक्रः

प्याप्त पह ब्रिन्स्य दे स्वर स्वर स्वर स्वर । जिंद ब्रिन्स मा के के के नि मह ब्रिन्स मा मिन्न क्षा मा मिन्न क्षा मा मिन्न क्षा में के के मिन्न मिन्न

ट्यार.पाय.ट्यां. पाडेचे र क्ष्य.पाडांचा व्यव्य. यो स्ट प्राप्त पाडेचे र स्यापाडांचा व्यव्य अर्थ. स्ट पाच या क्ष्य. स्ट प्राप्त या स्थापाडांचा व्यव्य अर्थ. स्य पा । पिष्टाचा क्ष्यं प्राप्त प्राप्त प्राप्त पाडेंचा प्राप्त या । प्राप्त या क्ष्यं प्राप्त प्

पत्रवास पह है. तहु. रटा क्रूबर है. हैं र वार्व है है. क्रूब परिव. हैं . मध्रद्रायदे मन्त्रायात मान्यसम्बद्धा मान्यसम्बद्धाः विष्यम् विष्यम् विष्यम् प क्ष्रिंग के भि क भी कहरे. पश्चित हैं . यो पल प प विदः। प्रवस्तरम् वदः त्या मे प्यार द्वार केदः मं यासुक्ष मु प्यार प्याय दया दे या सुका मु प्यान् र रह्रदे र प्रयोग क्रुये में हिन र क्रिया श्रेश प्रयोग में स्वाप में स्वाप में स्वाप में स्वाप में स्वाप में स्व का पूर्वाद व प्रवित या श्रेन्यार प्रित क्ष्य ग्री भन्न यवता हीता हीता नवता मनाय ।।। सहर है। दिल मुबुद दे। क्रेस के पर महिमाबुद । याकुद है दारे ०६द'ग्रै'ग्रुट'। पञ्चप'र्श्वेद ध्रित परि'ग्रुट'र्श्ने'ग्रुट'र्नुग'गे'पन्द्र'र्ञ्नेथ ८हर्गार्थाः हें 'मारेर'केर'नेयायायाय श्वापाता श्वापाताताता के श्वाप्ताता श्वाप्ताता श्वाप्ताता श्वाप्ताता श्वाप वृद्रक्षरः। नरामते व्रमायते वरावितायते वराविताये वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ष ब्रूर-श्रद-मी नुम्ब-प-प्रना रुन्-न्म-मी-पन्न-ख्रिय मुद्र-प्रमुह्न्स। न्त्वतः न्त्रं पदेव परेव परवि न्त्रं न्त्रं न्त्रं न्त्रं प्तरे पत्रं पत्रं पत्रं न्त्रं व परेव व व 현대·현리적·오디노·립·濱디 적·급·연대 디(화· 179 디)·첫미적· 대적·륍릭·된·디미요· देटाबटादेवे पान्तादानावाया पान्तावाया वार्षा म्म देखेन भे महुर्ना में नम्म हिन् कुम महेद होन्य प्राप्त प्राप्त के महस् स.कट्ट.प.चाबूब.वे.चील.अष्टवं.ल.प्यांचर.प्यथा ट्रेश्च.केंप्यः.यो.प.इवं.क्रवं. कुल मळद 'ल नवटा वेय इर घट धान विंद दु हैं 'मूंय गु पर किना पकुर 2.बहरी ट्रंबबाक्ने.त्र्ल हे.इस तर.पक्टे.त.ज.हींबी.त.त १.छवे.जस. <u>र्नाभ'न्द्रन'भन'वेर'पय'न्यद'हे ब्रुप'पकुर्'ने कर'ने युन्य सुर्वेद'प'''</u> **८८.। ज्रु.क्व.वि.च.इ.८तल च जब.केज.च.८चे.७२व.वीच.कुथ.चेथ्यं.वश.** न्ने विनवास कुव मुद्दर ।

नविभात है। तिनान दे नीन अवत स्ट्रा म विन इर ग्रीटा विश न्यातह्यान्य द्यारस्य द्राप्ता द्राप्ता । वार्ष्ट प्र वार्ष्ट पहेंद्राव्यादर मिट्रें मार्थिया मार्थिया मिन्रिया में प्रति मार्थिया मिन्रिया मिन बुक्र-द्यादे द्याद म्यं विश्व स्टब प विच बुट ट्यूबे मेबब गैट विश्व न्त्राणुद्रानु के करारवेषान्य। ह्राष्ट्रिना इवायदे स्वायाय रव मे न्याया त चेंबर हैट हिंद इल वंबर वद्यी ह्व बर लवेंदाव बष्ट्र वादव वद्ये नुपामवत् गुर्गा विपामित् गुरा। वि दुर्गार्म म्दारहेर् परे हे हुरावत् पत्रेच,ता. हेर. बैट.च.वे। ह पर्वेच,पहस्र,रेचफ,रेवेट थ में ईस्रतर प्रवेष. प. श ४ द्वेर्येश तपु. श्रिवे. रप.रेट. वित्रंश ई श्रट ४. प ६८. प. स्. पा. सं. पाचर..... न्नानं प्रति द्वार देव वर्षा के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष न्त्रय न्द्रायरे स्निया गुरम् र व्राप्त न्द्राय में द्रा स्निया न्त्रय में वर्ष रॅंद'सद'र्मा'तृ देल'म पुर'कुम'लस'रैस केद'में'ल'म्दस्समि व्रम्'तृ''''' मनुद्राम वे मान्ति न्यात्र न्यार का हे प्रमे प्रमे प्रमाण स्थान न्या मान त्री क्षेत्रात। न्याय त्रीते मुक्तायर क्षेत्र हत्ते प्रयम गुमाने विपाने हामान ५वु'स्य ५८'हूं'म्याख्याकेष्रावयाधी(का 180 क्) ई'हेबालहमार्मायार्टा न्यान्यते पर्नायते व्यापेव देवस स्यान्यति विता वारेना सम् **ฏิสาทูตายูตานด้านสุสามายิา**ฮิราทุสุลาทู้านราฐาสูดา**รุนตา**สามารถาว नुकाय क्षेत्रप्रकृताक्षरम् वात्रप्रकृताक्षरम् विद्यान्य स्तुत्रप्रकृताम्य पर्वं तर करा। अहर्ता त्रेवं लय ग्रीट है हिवं कू रखें श्रीव अव कवं में न्हें म्दर नुर परि बहर् के विवासिक में मुद्दे में मुद्दे में मान श्चरामान्ने द्वराप्तान्ने दे वेपमापतामाने प्राप्ताने प्र भ्रम् र व पुँद्र परि भेद्र भरा है कुद्र द ह वेम मेद कर्र द द मेद्र पर विवास बर्टर्द् यत्य कुषागुः पष्ट्रद् पतिः गृतुग् १६८ में पष्ट्रद पाया १६८ मि द चिन्त स् ।

चिन्त स्वाप्त स्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

खेबंब सं प्रमुख मा मकुर महेब मार्थ मन् मन् महे। । विषय ब्रिंग स्थ रहेब मा मकुर महेब महिब मन् मन् महे। ।

न्द मं दे। चे दु सक हुन ब विष मान सन्द त्या । हि केदा त्र्में केर मण्र ममल निम्म मरे महुन्। । व्रीं र्नुण केंस रिमेश हैं म केंद् म नहा । १३ मकुन लास स्वापन रहें न नामल इसम है। । नाई मिर नासुह टन तम निर्मातिया । इस उत्तिर दिन हिन पहिनम सेत रेतात ह्य के क क्रिंट टक शुघ केद वे क्रु'य देव श्वाप्य य दे हैं दे दे चर्ण बेर … वस बुल परे न्त्रेल रहिर नु'न्यद पन्नुर। स हुन परे हैं नव प र्वेच दव गुः हैं है है चुन नसुस्र ल'नहेंद दस्र नम खुनस दन में नि हैं दे हैं है '''' क्ष्य मृद्यक्षि बुद्रायस रच्य सुर्द् घठयायर मृद्यय भूर सहर्। युव केद सक क्रुव ब्राय गुँव ह पक्रु पह्ना ग्रैय'य पहेद दय पक्रु 'रेस वय ' चह दिर न्मु। हॅम्ल रेस सर चंद हे के हे पृहे तस क्रेंर सहर्। व्यापा (अ 180 म) वित्य देश तथन्त्र म शुः कुम कुस तर्याम भामहेद देश प्रम कुप केशन रचेल चै लग क्रूंर अहर। रिक्षेप्यन पहुन पहुन पहुन व हिंद हुत मुक्त तीत हु प्रमाधित अहर। अहर हूर में दे अधित हुत हिंद में महेद'द्र छन किरे भग लेट म सु हैं नव पर भग मेर महिन हैं प है ' पन सकें न व महेद दस रिय म हैदे सम र्से र महिद्दा मा नी द्वार पुन किया न्या तर्व से पहेंद वस धुन केद के ने केर भिरेश सका क्रिया सहि। वन में

तके प केर्' पत्र' व कुर् वशर'र्ग' व पहेर' देश विद में सूट पष्ट पत्र संस सूर ' बहर। दे हिर लब क्रिंर द्या में कि केद वर्षेण के लें द्राय मुणु के नेवाल मण्य प्रमा है। त्र्रीण नैस र्षेण अर शिप न्यंद नेहें प सम दर्स मा लर हुंव। न्या र्वाच कुं क्य रामस वर्ष भाष्य तर प्रधायमा । पत्र सूर स्वाय निरंभय द्या देशय न पर्टें र ट्ट ट्रांट में हे हे पर बें हैं है मु.है तब कैर ग्री तबर त बुब.है. तर्बंबता रहा अब हब के बेर तकिर अवल पुर भूद में विकास पर हैं बाल देव मान प्रवार । देव में अ ? या नेकालाल हु है। या नेकाना माइन समान्यका ने हिन वें न नुसक पूँद'रापु रेट सूपु क्षेत्र पत्निये भू जा योर्थन ह्या क्रूट्य स् हूर्याच सूच्ये . हिन तर्ने हे निग्रेस हर अव न्या शिवास सामावास हा। । यह ल हेन सन लस रचंब, खेथ लूट ब बे. चेबंब, भेट। मूंट श्रुष है अ चकेंद्रेश लश, रचंब है अ बुक्र'वागल हा । बुर'कर व्याय व्हान निव्यत् बुक्र'बुर'दर निवट हनकार हे हे विनायि तमुदानुद्व वेदारेदाष्ट्र यर अरात्म्य न्हेशागुर गुद र्म अर प्रच्यांश प्रश्न विषय स सहरं स रहा। यर ट्रंस हिनां के हरे सूह अष्ट्रमें. महेश तर मेवशत स्वर विर तर उत्तव त हे.ज बेटेशक टबे.के.अष्ट्र.हे. मु'मबुग्रामिरे वय यहुन् लस्र र्सर न्गु में 'दे दस्य न्दा कु'म्र दस्र 181 व) में न न में व पार अपकार में हुनाल केंब लहेल ने बुबायर निन्मन च्या अर्रे कुर मधे मा के रूल मर्देश समुद्र म सुर म सुपाया है ८हर अञ्चल में पर कर अलापान्य येथा। तेम कुर हिम पर्चल में बेंच अला मारुमान्त्र प्रवास्त्र द्वात द्वात द्वा प्राप्त अयु द्वात द्वार धुना में है सम्द्रि मालाकृत मे प्रमृत मामेदानु क्षाय प्रा । अदार्मा भेदानु पहुकायाम्बर । देशकालालामहा देशवानमहिंदाा देशमहे देशम देशहा देशहाला में। देशक श्चाक्षाया देशदेयत व दे हैं। दे सार्वेन केश कु नर न्र इंत

महिन्या पर्वेट ब्रुल मब्दि ब्रुट देत्ये हिर्मा स्टिमेन है.सन्देश प्रभिन्य मिन्देश प्रवेट ब्रुल हिर्मेन स्ट्रा

भर सूच त. तथु, बूंब, तीट कुंब, अथुटी अंद्रीट, त. प्रांचा अंद्रीट टे. सूच, ता. खे. भ प्रांचा टे. सूच त व लंद कुंब, अथुटी अंद्रीट, त. प्रांचा अंद्रीट त व लंद कुंब, अथुटी अंद्रीट, यूच, ता. खे अ लेब, टेजा कि जंद्रीय प्रांचा के लंद्रीय प्रांचा कुंचा व लंद्रीय प्रांचा कुंचा कि लंद्रीय प्रांचा कुंचा कु

क्षेत्र रेल बंबार हाल व ल स्र चक्रैं स्र चक्रैं व वहुं व वहुं व वक्रें व व वंशे स्र पकुर ललर श्रेष खल गहेल हे। ब अ स् ह ई रहिद स प क्या गु कुल स है। देह श्रीय अ अ. श्रेश चीवाय कील श्रवाय ल तकिंट तर्टा अय. खे. अ श्र. पहि हर बेर'वया बिर हे 'हे 'स गुगल स तथेस प गृहेस। सं प्रकृत दे 'स' हिन ब अर्म त वर्षेत्र सते हिन सहिद स्था हिन निमः म हेंद निम्हा न्यं व क्रामेर क्रिय पश्चिम स्थित परि सिन्य पश्चिम। पश्चिम पश्चिम सि ब. ह. भूषु जियं व वहुंब.त रेंच ते. मूं. त्यां.तषु जियंथा व. घ. ह. मूं. यहें ब. ब. अवायान्य पञ्च पञ्च पञ्च साम्य का वाव प्राची अवाया त्राच्या के र ता के स्व मेर्डेशनम्बर्गत इ.वट मेर्डिह्म पष्ट.पिया । अध धनंत्रक्रीर टीम हमन कुरं विश्वभ पञ्च स.त.प हूर्य स्पाट कील की जिवास हे. पड़ेश्। रिय ह्रा सा बराम्बुर विर तयम्यास बुदे स्प्तु दे। ।यम् बु हे में से वे पु है रेटा मेर्रेशा । भट पत्र बुट सिमा सिमा से मेर्र प्रमा । मा मेर बि व अप मेर्र र्मा ब्रेसाम है। रच पुंचित वाबित हूर्य क्रारचर की चर्केट च रह्र्य था विन्यम् नु त्रवन्त्र मान्याय मानु त्यानु न्यात है दाये हा सु नु न्याय ह्या ८च्चाह् अयाप्रेयार्टा वट हुंद अक्ट प्रेयारे जिपया पहेंदा प्रिट में में कुथा शहूरे, प्रहें बता अराज होयो तुह जियेया वा अराज्य ता गिरा किय (कैं 182 द) ले ने सण्डे संबेद सिन्। च न न न न स्थान सिन् में नि हैं हैं ने ब्रबायियं ब्रथाचे हेया अप्राचकिराता ब्राया व्याप्त अप्राचिया व्यापा वार्षेत्र। मझेश्रमकुर्मपद्धी स्राप्तिय मही। अत्यत्र हिन्तान्त्रेत्रा तकर्रत्युर में के तिवास चरुष प्रक्षेत्रस्य पर तिवास तिवास स्वास स चकुर डेकान्यत स्। दि.र्यालक स.में र्टा व, अरु म्यार स्त वे केंद्र रहा र् दर्दर बेटा दे तस यह माञ्च प्रापत प्रापत के के दे दि हैं पर दे ने के हैं प्र ब्रि: कुस सा ।

मुक्रेस प दे। वित् धर तु। ।स खन्त हम् मन् हर्ष्टाम्हर न्यर या ।श्चिम मन्द कर केद जाम स्वत्र तहेद श्चिम। । न्युकार्दर पञ्चेत ह्वाय प्युर के अर्ड हिर कुया । वित्यार पुरा सारीयाय देशायाया म दे हिं में हे साम नगर मंदे संनाम म हैं । पर्वा र्रें पिरेना नाम पर म्बिन्य समारहम प्राप्त पर्व प्राप्त खुम र्रेर ह्युल य महिन रहें व पर """ खिट कीस मञ्जूद'म क्षेर चुँद'महे क्षेत्र सर रमाय महें 'म केद'म गुंद रमार ''' कुँद सं २ २ व्याप्ति वस पकुँद धरे गुँ ईर कुँद ग्लुका। अय सँ दस पकुँद यदि मने सकें न मिं केंद्र देव मनम देव मकु मिं में न मम सर्वेद मी न र न व व मकुर मिले ह्यान वनका नकु है लिनाब लि दूं केव में मिले विवास गण चकुर्यते म्र्वस म्यानी प्रमार प्रवस हित्यर र्युट से खे प्रतु न स ड्रे.पर्यं ब.चु.र्टे.त चार्क्.र्जून कि कूथ सू श्रेष टे ल्या था। ध्राप चारुच में. पब्नाय ने खुनाय देश विषय तथ से तर्र यह वय क्य पढ़ी। कुर से पर्दा इ.इ.मिध्यामी रेचर चर्च अब रच अव ४वे १ चर्केर स्थानपर चर्या नक्ष्मा श्रामह सिर नक्षेत्रमिष्ठ स्थान मुन्न प्रमान मुन्न प्रमा मनुदा हैं प्रसम्बद्ध स्थाप मनुत्र पुर्वा मदे म ठदा में हाला अर कुवा चिर वाकेर अर्वा रुव रत्र चलेर सुरि वार्गे र म चले व साम हव की र्व अहर हुट र केंधर रह्म ब्रानबिवेश तराचेनेश। रुबाई मर्थे नेस्रे 182 म) दबस है अं रूट मुन्य म कुल बढ्द अढेद ल म्द्रमा स्थान लियाना स्टियापर अपित हीं प्राप्ति। धे अ दे में प्राया राज्य ता के परे ह् इ. ८ हवे. त. कुवे. गुप्त, के बार अंटा कुटा देवे. प्राप्त व्याप्त वा कुवे ही .. क्रा मेंबासूरे ब्रूट मनायायमार सना मेंबारु 'हे'हे मकूर मर देव नायाय मानावरा। दे.बंब,पंड्य देवेटल बाक्षेतिक कुबं,रेटा ७ अं,पंड, अधूबं, मूं कुथा में प्रयाज पार्म्याया रेमा ग्रेस पर्युत्। प्रयास स्वाप्त स्वाप स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त रेमा ग्रेस प्रयाज्ञ स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् ब्रे बिल श्लिम लर मिटकात श्रम के किया अपन के निष्ये में प्राप्त विश्व केल . अष्ट्रमा, में श्रेम अ मंबीर रमा, ४ हुन, राष्ट्र विमय, संय, यमिर प्रथ हर हिए ए... रूट र्ने खनेब सूर्य परट एवज ब्रिट चक्कि तप क्ष चेटस रे बर केर केर लस वार् में क्रवास वसर दे वीव क्रव वह में लस हर क्रव है हि लक्ष्ट गीव. न्वतः पत्रः व्यव । पत्रवः र्वेते द्व क्ष्मायः वे सहन् पतः भेवः । गु.चुंद.८.हेर तर.२.मु.७.७.५.मेंद.कतंत्र त.लूटस.सं ग्रेचंत तरा हिंगस तकट नाविटस ग्रे'न्यशःचायत चकुन्याशायसःतयसःहूटः अन्त देव ग्नास न्ता देह.केंबे.पस.समय १२.भिवंदाताबेब.ट्वाप.क्ष.केंपात हेंबे.हे बेटस. न्यारामा विवाह वा बुदा बुदा पुराय विवाद त्या विवाद केद् 'क्लं 'म्बा 'मुल' वर्षद 'मु 'श्लेप वर्ष रे 'रेट' गुद 'श्लेट' पा केद 'र्य 'लव' कर केद' म्नामान के अप्रमानिता के प्रमानिता है के त्रामान के प्रमानित के प् तरु जूल बर रे ने विया विया अया है जा सह मार् के ना स्वार मार के म न्तर बुन क्षाप हे तु अर व्याया बुन का अके अन्य वेद है। अर्र र द अविश्वाचा केव्या दे द्वा वीश्वर्य खन्य है च हेव्य या तहेव्य हैं द है वा चर । । । । 러른 디저 '트립저'다' 본 ' 문전' ' 다 월 두 본 미리 집 ' 본국 ' 이저 ' 즉 ' 드립 도' 집 ' 어쩐 ' 우도'''' नुकानी वाकारि दे प्राप्त निकानी वाकारिक विकास मान

प्रम्यात् वि. त्याक्षणा अक्षयं त्याक्षणा वि. त्याकष्णा वि

केद'मं'ल'त्म् न'केद सुनाब न्द हु'मं नहिन रहेब खु'गुर हैं। ।

तर्। । मुद्रेशा जीवाल ब्रांज इस पचीट पा। पक्रीट तपु ईल चीटल श्रू शूर पचीट. पञ्जा सहर.पट्वा.शर पद प्यार पक्रीट ग्री.इट जीवल रक्ट प सः.

८६ संदी मण्य मही मकु ६ ८५ संदूर से है थे। । कुल छमः बहर प्रम्या में दूर पन् हुप पणरा निरम् मुप परे प्रम हुन हे में तथ बैंच ब्रैबंध सू.च ति.हुडु.बंद्रिब जबीतित 2 बेंचयाल हैवंब सूची.बंस्व .. वक रू पर्छ मार्डे अ.सं. चैंच त अहर तपु अधर घे.अ केपु जिर पहेंच केर झर रकेट अदे निल्न कहर देय एक ही हैं निया प **बुटय तय गी** प केद स्ट्रिय . महेबार व रू. २. रू हुए धि. र तिरक्ष चेबर थ त रब. तीय सूर हिर एतिय स्वी. चडु प⁸़िकागुँ। श्रे चंपा श्रिम स गुम म र्षिम म चकुर गुँकागुम रस्ं। महे र्देव रे प्रदेव सहर धर अनुस भैर। हे संध्य स्ट्रेट प्रकृत है प्रकृत है मण्यान्त्री के स्थानम मामना स्था है। है। है पुल्य द्या सुम् र्वे दे . जे. त ता । श्रेज, त त व द स्र. ट क्ष. हो । त जे ८, त त व व क्ष. श्रे . अ. क्ष व । बेस पर्शन माहिर। दुउ मा यस प्रिवासी। या स्वाप्तिस स्वाप्तिस स्वाप्तिस स्वाप्तिस स्वाप्तिस स्वाप्तिस स्वाप्तिस स वाश्वता भे.च त पश्र श्र.जभा बी.व.श्र है.जय.चर.ट्र.टट.ठस्र.चह चर्चार. मनव म निर्वा निवर कि हैं हैं है मरामायस निवर तिसाने सार निर्वा म निः त्य वात प्रमानी मान्ययाया मयव हिता नि में पुरे देता मकुनाया मलें तियंत्र अर. मर। निर्मानर में है दें है त्र। सर निर्मायर है प्राय राहे बट्य.क्रिब.ट्र. हि.एकट क्रुवे. त्याचाबट परु पर्यान्तात् था स्वाय परु पिट क्रिय. वेबव (कें 183 प) र्यतः इवव स प्युप्य। रे इवक पण्त पर्वे पण्टि । परि'म्' स्वयं ल'प्पर्वु र'दे। युः श्रुप। ष्यु 'ठ'दे'य। व्याप्याप्य प। स्र 5हैं इबल हैरे चर्च र्यंति । देवें या वे द्या ले पाया है है है

इसल बेत की तक्री राष्ट्रा निक्ष ता प्रेझे ता टेंड मे.ता सिं व हे.इ. इसक पुर में पर्वु र पर्रा । सु म स तू शेड्डी वर संसा निर संसा निक्रिया क्ष्य निर्मे निर्मे ति हो। बुद्य निविद्य त हेर प। हिन्य पड़ी दे तियम्ब खुल गुँब खुँम्बर्नेर्म्प्रु ईंद्रिय न्ब के मिल न्क्रिब ही। ।हे ជាញូក្រុក वុ កិ ជ័ ជល់ សិ លិ ភ្លង់ក្ ្រល់ គួ សខុសស ៩ក្រុម្មិត្ त लुद्री विश्व वार्श्वत्य स हिर सदय मुब हूं है एकर रहूमालय वायर ल्याय मुंद हे. मंबुंद मंदेश त मंबर्। हूं हे. ईल ५ वेर अथ बेर् म मेर वेंस सु क्रेंस नासुल में अहेंद नाहद धरा नाद्वर धर्म पह वह वह स्वार कर वह स य भेदा है' पर्द्व'ने भे' शुद हर यह केंद्र दूर यस न्यार केंद्र पर्द् या हैन हुन पाल अधर क्षेत्रान्य मन्य महेव वस न्या हिन्य के नेव ध्रम उन मिंट 5. किंट, हिट मेंच ता पड़ेश। रिमे हे हे यह इस प्रस्थ है ने सर त क्ष्याणी म्नाम्बर्ध्यवात स्थार्ना स्वरं वास्त्र में हैं । व रूप हैन है है स पहूंबल पास्ताम् पुन्ति। पानि पानि प्राप्त प्राप्ति प्राप् मुन्देर्ना अदि निम्न मन्निन मन्नि मन्नि मन्नि मन्नि मन्नि स्वाप्त है। देवे स्वाप्त स्वा मु नरमु नु दूरमा के दर्दा । विद एल मु अर स स हूर महिना । ह्व वित्याञ्चरात्रम् परिण परमा । सं पर हिन्त वित्र में में पर पर है ने । बिस'त्रा हे कू रें पूर्यसाम्बर्धर सहत् यह। । मुन र्वेम की समस रेट शहणा । श्रीर कैर ई पढ़ी का अव र मा बेबा । बेब ए प्रैट विर धर त्रुवं खेनका हेका अते अनक वृष्टें पा अमित हुन् पु मिलेका हेव युट महिला । वापह्य वस्पुत सु द्वा है है है देव वर सहब (के 184 व) अस है हैवा 보,다.린네.본.다립니如.소석.다른,如果네 어디 없어.집 최소,口취스 독네서 다고 निवर्। निवर अट,रेना रेब. में च द्या ह्य बे चबेट च कैंग च के है. ल. न्ता व्यान्तामक्षान्त्र व्याप्तायायायान्त्र वेदाया। क्षान्तायक्ष्य विद्

मान्यम् । देन्य वित्यस्य । स्य कृत्यम्य मानुत्र । द्यायः सः

न्द म दे। ग केद पढ़िर प्यम्य प्रिन् पर से ल हेरे। ८६४.त हे. थ. हे ते चहेया । इ.हे. यंचे तथा चंचर च चयभा ग्रेय हा विच मह मर्भेट म प महेद्र देव बेटक व्ये ब्रे.बर्ध वे.बर्ध के.बर्ध स्थान पर्वेष मा.... प्रथः विवास ग्री अस पढ़ी निष्यं केंद्र प्रमेश पाठे व प्रवेश प्रमास प्रम प्रमास प्र पहुरात घट टे. व्रेथ. तपु चे १. व्राचा पावित येवाबाता प्राप्त में व की पाविता ममल है। नेतर मुबुद में हमा हैं द कर हर। दें ले मु अहर हैं द दमर है। न्डिट र्रेट ने अस्तर्हें दे छिदार्घ निश्च थ न्डिंग्ड्रिंग्निर मन्दि पन्दि पन्दि। हे पर्द्ध व के ल पर्व र पर्टे हे ल हुन पर्के र के प्राप्त प्राप्त हो है व के स्वार्थ व के स्वार्थ व के स्वार्थ व के स खकाकाश्चरकायराब्यामराश्चित्रपुंगमेनाय नेर हेनायपुत्रपाकुत हेराहै।।····· हिंद् नेयामयाक्रवापि अद्विपारहे पुत्रा अष्ठु र ठ्रा पुर्व है दे र ने प्राप्त स् मुत्र म्राम्य उद द म्राम्य के मायत के मायत केर त्रुव मत अर्के द मेंद्र भवा मेद हु कु के पर मुर मुदा विदायर मृदस ठद मु कि पि के दामहिन है । पह द बु.फ रब त है एवर्षयाळील कु.बैंच.तपु.रेचट.तैंब ईशब रेट रेवे.त बुरे.... यर मुं के निवेन ल बुद रहनाने में रायद अवर प्रुन (से 184 प) प अद्दर हु 'सहर वस के'न्द्रके'सप्ति प्री वर्षा पार्कर् सेर्पाय मृत्यापार सरक्र गणा लूटशास योचनानपु श्रेम बारम्यामारप्रियामपुरम् व्यक्ता विमरा हिन्द् अब मनुन तहें म हैं म हैं प नहें पहें चित्र में तहें स्वाह में विषय में विषय में विषय में विषय में विषय में विषय

महिना दी मुम कुल हे सुदे श्रुम्य स्व रख हर यह। ।म्ना वत पद्ध रुव यात अधर प्रत्य में प्रत्य । दि ल धुन्य ख्य ह त से ते थ हिना मिन तर मिल स्.रेटा । हे से त है. श्रेर मध्य में हे ब बेट मुख हिस स पत्र दश श्रुण्य अहें प्रवास यते पहुन पहुल यते स्व अकेंग श्रुत केंद्र" अधिर प्रमूद कूथ श्रेर है अ देशय श्रेव पट्टे तर अहरे त ह रश केट हूं है. ग्निय प वे मु शुक्र म हारक पर छुट में ठव नु पहुरा छित खुरद द्यम लेंब परीय त स्बाय क्षेत्र जिंद अट क्र हुत के पबेट। ट्रा खे योरंबय प पहेल पड़ बेंचाब चाल पड़े बाहुआ ह्यांच चिंट म लबाबाइ चूर मैल म विंट . क्ट य त दुव चकुर में अहर निहरा देव व हैन बार है ल'नावट य सनाव रिअन्तर प्रकृति दे रुष् अर्थेव प्रदर्ग कु रुष कुंब प्रमृत अँथ कु केर *** पहेंचा श्र अवस्य र रय पा स तहेन हेन नपर धुन कुल प कु महेते वप क्रम श्रमश मेवत । देशत्म अर्मेद रखाक्षेद का निर्म केर चनार चक्रेर अ.चर्चार चचल पश्रःबैच.सह रचटःवैच बाक्षःचक्रीरट बाक्षःच्र क्रयः.. दे. हैर अब वीवात वर्डेशतारेटा बरियस ट्यां नेम वे. वर्ष वर्ष , वर्षे वर्षे व्य क्ष के न्यान केन् त्र्जी 'न्व मी नवायु रव वे कान्य न्नी नासुस नार्वेका" वश्य १८ प विच तथाश्रद्धन भेष अक्र्य ८८५ वर्षा स्वा उत्र क्रया देवता... वे नादश स्व नुपासहर प्रांत्य में नास्य सु गुर द विव दें। ।

खिटा च सूर्य परि दिनो श्रिट तर्ळ चेत द्रा का का का केत दिना में प्रेस है या श्रिय वा बुद किंद म इसस स मानार मान्यस समारेश न्द सर् 'खाना नेद हे रहेद स विम क्रव.मी.श्रद मुक्ष.प्रमेव.ता विव.भ्रव.देशका.प वि.भ.भ्र प्रथ यतथ.प्रभ र्ट प्रमेल यह इन्त्र में द्वान हें देव स्टाम क्षेत्र यह क्षेत्र के के प्रमुख *** कुर्, त्याक्षाक्री, प्रिराष्ट्रायाच्या प्रयास्य प्रवास विष्टा स्था । विष्टा प्रवास विष्टा । क्ष्येय वर्ष वे क्षेत्र क्ष्यं ता क्ष्येय विष्यं क्ष्येय विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं म् १८६ दे अट्य क्यारह्मा हेद र पुरे पा पट क्रया सक्ट व पर अर्घेट व्या इक्रेन्विस्त कर द हिरेष्टर दुर्द क्रिक्न क्रिक क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क् म्म तर्वर च चक्रमानुक के विवाहरा। श्विवाक्षर नहार्षात्राय न्र अन्तर दुनालय त्यर र्म यात प्रकृत। यन यु है हे कुल या लय लबा.ची.चबंदा विश्वसात देवी.बुरुश है.ट्रेस.वर्शिय अम्बेद त पत्य भी. क्षत् चर्यार प्रमृत् में में हिंग है वि में हैं दि हैं हैं व बि क्ष या. मार्द्धवारम् मार्था वार्षा मार्था वार्षा मार्था मार इंबाया द्वापित वर्षा हुस अवस्त्र मित कृषे न्त्र मा भूस देश में अप अधाय अधाय कर तर हुष तस ... र्नायायान्यतानकुर पठकाहे लिहा । विषा गुरी श्रेष अरती श्रेषा विषा मुद्रेश । श्चर प्रेश वायर नेना बेट चढ़े प्यायक्चेर पत्रा । श्चर स्थार वेन तर हूर श्रेर घर र पंख्या ।र्याल हैव लया हा ये व दे बर व हैस र्षात्राचारहिनानामा नृष्युते कुलाया स्ट हेन नवे पाने पाने माहेन के मुद्र गण हूरे त.लरं.तथ. ईश वर. रेट हुरे. जब कर तबेट टे. अ अष्ट्रस मेट सूर्य (क्र. 182 त) सेत्र श्रुप अ चरित्र ह्रत्य क्र. पश्चर त्याप पह चंद्र. र..... इवबाराबान्यत पर्वेट. वट पर्वेट टे. येचेव प देवव वैटाई। श्रेप पापहण. हेद्र वास्त्र मु स्वत्र द्रा तयारमे पुर पार प्यकृत्र प्रतास मा मेस प्राय न लब झेना.लिट चनार.चकुरा द्या.अन्य किल क नि ट्यूर पारा हि.स नियार निवेद। ब्रीट रस मई है लस ब्रीट रस मियर मकुदा क्रिय श्चर त बीच रूप पन श्चर कर पणिर पक्षिति। छल त छ मुंच पहेण्य त पन लाय प्रमाप्त प्रमुख के में भिष्य मुख्य माम प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमाप्त प्रमापत प्रम हैं 'अ' गुर क्षेत्र केद'में 'अय भुग मानेय यगार मकुर रे बुद यही 'अ' मकुर रु मानाय म इसम मुद्द बिद । दे दे ललद क्रिय मामुद्द मादि स क्षेत्र लख करातः लकात्र अपन्याचीत ही कट कुर्वात्मिह्त बुटा। विर सर हीट रक ही विवाय सम त्यूं अवूर विवर त में राय ही ने हिंच हीय हीय ने सूर हुई हैर जान पड़ निक् देव कर विवास लका वाई में क्र स सक्ष में हैं है लक्ष हुर प्रविष्याचिष की श्रीर अर यावल मा है। प्रति श्रीय पक्षिर ल कील प लर न्निंद्राय न्दा देव श्राय वकुत् स स हुत् नेत्रार्य अर्थेद्राय न्द स्यत र च कैल, अक्ष्य, तजर त्र. सूर्यं थ. हेवी स्र. रथ. त रंट. स. रंचर हेवी. लज अर पर्विमासह, द्रमेसता नेर्य अहर्य तह श्रेट में रेचे कर पथ पर पर्वेम. र्भे. मेर्चेश त स्वायः श्रेयः क्रीयः भ्रापट्यः भेटः। विषयः प्रत्य स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व बी.तपु.लज.मूच.मुब.रत.श्वर.विज.वर ति तो अ.४ज.सूच रूटा। चीत. इत्। हमा रे अपूर विद्यार हमा अपन होता प्रमान के केर श्रीत न मारी सद्यायस्य म्या

बाद केंबा बेहे बंद हैं केंबा बाद केंद्र में दें पार केंद्र में केंद्र में केंद्र में केंद्र में केंद्र में केंद बाद केंद्र कें

रे रेते इस वर धेव लय पु श्वंप कु जारय कुर कर पत्रें, तर के बंस कुर। महिंदिर हें मेल हिंद विमय प लेट में है हैं य प रवल है होट व हें दिवना अर न्रस मुल व नर कु न्वर धुन व न्यर हर एव तहेव च वहा में मु न्यल रमुँर न्व मुव भी भी रमें न्या यह वह विम्या व कुल कव द रेअ हा रम्ं अम्ब रस त कुर सह देश प्रत मेल क्ष विशय अस्व रह्स बैट, शु. हु द रेस यह मुख्या महिर ईव रेव केव ही ट पिर ही हु। प्राप्त में व रेस प्ता हे के व कर की का अरहि यूल म हे दें न रम दमय गुरा तहन मुंद बोल मालुस सहर म में कट मण्ड मकुर ह म न्दा गुप केंद्र हे से मस पक्रिं त परु वार्षक टे कृष पर्वेट ट्र. हुत क्षेत्र प्रेत देश। परु वार्षक छट वस रत हैन क्र मन्न चेंदे हिल कुल सिंदल हुन धर लुट मझेव ध मलेवा ह हा. प टे. पहुंच पानुपान पह येवान जन का नु ह्वान हव में सूस हव कुव. ल परे अक्रव भाष्ट एसं देव पक्रि के पापर प्राप्त हिंग अ है नव हव ला मकुन्। तहत अ.श.चासुस.स्वास दुव हेट। ने न्या में श्वास मकुन् इसस गुँक केंब पक्ष पार्व व रेंब पर तहेव पा बुर बर पानित पकुर। हे पहुं म क्षय र्वेटश र्रे हे 'र्ट पर र्पट र्प म क्षय के 'र्पट ध्रुण में 'बल श्रेंप '' बिनाय हे क्रुब प्राप्त इस रखिल चींच चार्डेश नश्च कनाय भूट, बचन ग्री, चार्यार.... अलि ० हिंद् प्य पाद स अर्दे पाग्त पकुंद दे पासुल पुः पुंद बैदा 🖁 अ पाद स सर्'क्रवास केंद्र ब्राय स्वास मञ्जेद दे'हेद'लचेल ग्रे'वृद् धर लस'वार सवास नहर हेर म नवस सर् ह पारे क्रांच हुर रहा। हैर सन्य नहर हेर म निम्म प्रता देवा पहुंच गुर्व प्यान में मान में मान में मान मान ह्रिन्य केत ध संह (क्ष. 186 घ) ह्रेन पहुर, श्रुनेय ग्रे क्र्य. चर्चेट पहुर, तथा.... 회로, 나의의 회로, 귀, 듯 드러 되어 용고, 라다 다고, ñ 고 보니 다음로, वैत हर श्रव तर हा। रिकुल अहरे.जू.वे.पसम प्रवृद्ध श्रील तर सी।

पहन पर हिन सर छेर पर सूद च पर्य। । इन नुल हबूदे हिन ने हिन न्ह और खाद खात केर रुष्ट्रमाण्य मकुर मुम घादे किंग्य गुँच प्रिय हेट रुष 월저 저도저 펼쳐 한 다령有 다 췰국'미클미지 다중주'듯 밀지! 경도 다도 풬다 다퀄드 रेद' में केरे पक्षेत् परे हैं जनमातुप रेर श्रंद प है पुर गुर परे हैं। र्गुल बहर बर प में रू प्रवब पहिंद हु। परि झुर पहिंद्य प। वि पहुंद परि नृ खिल्ल वर अब्रिव य केलि गुँ तिसुद प्वत गुँ अब्रिव पि हैं बुल सि ब्रूद म केव'र्म पर्व पर् हुप पकुर पहेव यहै ईव ह अबुर पर सहर य केव … व्। । र्वाय म् प्यार प्यार या या व्याप क्षा । विश प्रदेश है ही है तकर गुव 'एक तवन्त्र। । दे 'झेर अश्रेस सेर देनायाम प्रमुद्द स या हिद मेरे हुल मु मुस्य ५८ व्युव मिरे मुन में द में द माया महेद रमेरे हेंद बर्दन् यते कें स' मकुन् संनाय विषय मार्थे वृत्य संभिव केंद्र । वृत्र स तथा क्र्यानकिंट के. पूरु मेबिट जियाहरा हियाहरा। क्रियामह महेबे. मा लुद्राच ब्रुव प्याप बिव के निवास है। पञ्चव प ब्रुप सवार हैव पान पकुर पार दें। चीत अधरानिय पत्र विर्ततर, रे. एवचेश श्री

चि.धत्तर्थे विश्वा कर्ता चि.धार्थे विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त्य विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास

चर्डेड र्बेचेश चर्डेट क्रूका, में अहूर अ.जिश त शर्वर श्वेचा.जि.जेचे जिंदा, मू. ¥ल . . रहेर ग्रेब धरम। देवर मिन्यायींच विराह्म देश पहेर ट्रेडिट हूर रटि केट म ज दम ब्रैय मिया में चर्चा पार्चेच ब्रेट वेट क्षेत्र ह्यें पार ह्यें पाय देश खु सर् प्रसारयन्त्र स्त वस वर् मुंद में वत क्र पर्मा निर्वास हैंद त्र अवर ब्रम्'र्गुक अहर। लक्ष मु अवर ब्रम्'यरे' अक्रम ह्यू 'लेक हर नामा अवर विमानियार १ विष्या क्षेत्र विमान विषय विषय 워크고 됩니.夫.토.너동네와 워턴스 수 튀스 충 등.扎장 네소의 등고 스닷의 집 됐다. त्या अष्ट्रद म्यूद विषय विषय विषय में भी भी निर्देश त क्षेत्र रेट भी ... निष्ठेशमार मुन्नमार काल महुन्य म देव निर्माणक र निर्म में बिट ब्रिट नु जिन्द सामह न देश हैं । अर्थ पर । पकुर तह देश के वर्ष पर मेर्य पर 급성 및 타디 디닝, 및, 너렇네, 모호, 덮석, 몇석 집, 너누는 넌, 억점이, 여석, 다. 다칠 그 다양, लक्ष ब्रुल दे द्वा प्रमुद्धा वर्षद्धा इतिया श्रुव प्रदेश मालुक दुः लर्'नः है। वन्द् परि लग्न रेमला मर्'न्द देर वह्रद पर्दे म कुर कुर त्रचेलान्य परवामा करवाकिताचेताचा मुवामवताचेवाचावि। हेरहेर वेमाधाल कुर् हे केद में मबे दुल मबेद , मन् म न्दा हित यह लग रैस ल हर सन्हें पर्व स्वाय हैं व वे छैं र पय परि खन्य गुर व्यव स्त्। वार्ड में क्रिन मान्न राय या वा वावाय प हिरावित क्रिन क्रिन क्रिन विवार राज केल मुसुस में प्रवा पर्याय ताव विश्व सार देश प में दिया प्रवा (का 187 प) ब्रुप महासमार्थकाल कुष्यराधेदाविषायात्रा । त्य्रायाप्ताहे हे विषाय पृष्टिका ग्रै ३ वस सेव् सबल 'न्म चुन धुन स्थान चुन धुन स्थल । वित् सम्भी प्वन् गुलाह्रवास्य स्वान्त्र वित वर्षास्त्र वर्षास्त्र प्रवा मान्य वर्षान्

पहेसाम सम्बाध हैं। हैं प्रकृता हैं। हैं प्रकृता मैदारुं हैं प्रकृता हिंद परारविष्य हैंस प्रस्त प्रस्ता

न्द मानी इ.तेष व.रेबानध्यानध्यानध्यानक्षानक्षानक्षानिकान मूल बहर. कुन. पक्र हूं , हुह, की। इन , कुन , पर्य , पर्य , ह हूंन , पन नर्ज्ञा । मानवा गुन देवा नवुव नव्या है दानिव हिन नकुदा । गुन केदा हिट.तूर इ.ध.सं है.व.चेरूच ८ट.वेंचेच चेरूयाचेयाचेरचेरचेरचेर मकु र स्वाय साम्य महि द्वा द्व सहसायह न्युस्य मुक्त हैं हैं हि हा स्व बह्दा है। दे ल इ.व. स. ही है बद ने सर प के हिट में बहु हैं दे मा वद सेवस यस म्याप्र दें मु के हो। के दाहेरे में स्पार्ट में केंद्र दें प्तदः। मुक्रमः पति के मृनाशः कृतः प्रांचः कर्षना कान्र। दे प्रमा कृतः यः बट् म्रेंग क्र्या अट इसवा रटा वे.चे.चे.चे वे.चे.विस म्राज्य चे प्राया चे. ह्य ता ह्या हियमा द्रव क्रव पाह्रव त्यां या हे। ह्र इ प्रकट यो पायट ह्या क्षना प्रकृत गुरमातर दे सना स्नित्य मार्मि दाया मार्मि दे तया देव महिदा न्मन हेन हेन सिराया सम्या कुरायहन हेना वर्षे स्वान हेन परि पर 5 'मकुर'रे' हैं 'हे 'एकट'र्र 'ये पत्र'ये पत्र' ये पत्र पत्र' ये पत प्रभाम्यात्रात्रित् व्रीट प्रमानित वर्ष्य कर् मुन व्राम्य विम प

स्थित पढ़ क्यूचे पूढ़, त्यां डं खं किटे तर दुरं पट है हु क्षेत्य, ब्रिट क्षेत्र, विचाय त कुदं हूं। ।

मि पढ़ क्यूचे पूढ़, त्यां डं खं किटे तर दुरं पट हु टे हैं हु क्षेत्य, ब्रिट क्षेत्र, विचेट क्षेत्र कषेत्र क्षेत्र कषेत्र कषेत्र कषेत्र क्षेत्र कषेत्र कषेत

विन प दशक्रवासून प्रस्ता । इन प दशक्रवासून प्रस्ता ।

र्टाम् प्रेश प्राप्त विश्वा प्राप्त अविष्ट्र विष्ट्राच विष्ट्र प्राप्त अविष्ठ विष्ट्र विष्ट्र

स्वांत्र, अटच क्रीय, वांच्या, वींच्य, अटच, यांच्य, वांच्य, अटच क्रीय, वांच्य, वांच, वांच, वांच, वांच, वांच्य, वांच्य, वांच, वांच, वांच, वांच्य, वांच्

इ.६.१में लेल चेत्र हे.हेबं श्रम् रेटा मेर्थस्तर पर्ट पर्टेस रे अर्क्षनानी नृहस्य श्रुवा र्वत्। विन्द्रना स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप मळद्राभेंद्र सुरज्ञाताय देरहेद्रावेंद्र द्रायत सर वेतन हेर्द्र वेत्र सुरा लय झें दब हें रेर हेंद। अर् 'मियस गुव 'ब्रिय गुव महम्ब म' र्र पर प्राप्त पश्चा पहिलायर मि के वर्ष र्व है । सदत रेक सु व व बिट श्रीरामान निराम्बामा मि करार मुना है। हेरा खान है। वा खेर पर पर ब्रांसायान्त्रसायान्दरा। चलै धर न दमा हमा में दस महत रु मेंदरे लिश में ही म म हिन्य। दिवय सं के का में विश्व में की में व वहिन। हि म मि वणा हु ' चुँदा सं महु ' गृष्ठेस' म खुन्य हे ' क्षर दैस देस से म्या है ' द्रा में श्रेयसम्बुरम्दर अन्यसम्बद्धाः विवयः दृदर द्वादर द्वार दे । विवयः वृत्र विवयः विवयः विवयः विवयः विवयः विवयः विवय **८मा**-८--व्यव्यापिः निर्म्भारमा स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते **ब्र**ाथक्षराचेष्ठचार्नु :क्वायराचेष्वनायाः वेदाणुटाचि हार्यरा चेषुटाख्रावेरणु :वेर क् स्थादाक्षेत्र विताना विताना क्षेत्र वितान क्षेत्र वितान क्षेत्र वितान क्षेत्र वितान क्षेत्र वितान क्षेत्र व वनसंहित् गुः इसंसर वर मा ्हेद स्थान मुख्य स्वा सम्बन्ध स्वा ब्रम् । त्युषानु पृष्ठ देव हुँद्याम् कुमाद्र हुवा महुद्यामा त्या उद्याप्त व · 하고 회장·피드지·복·현장·여희·다·저도·전·저도지·펼찌·현·저·아·디ろ아·디스 बद्दायते कॅबादे त्या श्रुप्ते केदा श्रेरातु कन्या है 'दमा कॅबार्यना यह त्या बी हिदारा । देवानु पर संदर्भ सु जुन्य रहे | दिल्द क्रियान बद दे कु हिंद संदर्भ मार्थिद २.ब्रैटा ब्रेमानरूल.सेमयालय.ब्र्मानालय.पा ८८८.द्राप्तवस्य.स्मा महल-प्रकातुःह्वरा। नेपायालयाः ह्रवाब्यत्यादाः इत्याति इत्यानेवा है. चताता है। विमानविभाषव्यता करा निमान है (क्. 190 वे) मर हिरानह. स्नुवा देवामते स्ट्रामा महेव व्यामहन्य मान

प्रियास मही। महुन्य न्या प्रसा व्यव न्य मन्द्रमहो।

प्राचक, श्रा ।

प्राचक, श्रा ।

प्राचक, श्रा ।

प्राचक, श्रा ।

प्राचक, श्रा विष्ठ व्याप्त विष्ठ विष्

पर्केश, संस्थ्र द्वा ताल्य से.क. वाक्री प्रविद्ध प्रकेश। अ क्षर से प्रकेश, संस्थ्र द्वा पर्केश, संस्थ्र द्वा पर्केश, से.क. वाक्री पर्विद्ध प्रकेश, वाक्री प्रविद्ध प्रकेश, वाक्री प्रविद्ध प्रकेश, वाक्री प्रविद्ध प्यविद्ध प्रविद्ध प्रविद्

म् । भू जि नेय मित अक्द त नेर हुद में विषया न्या विष्य ने विषया पकुर्'अस'मकुर् प्रेस'सु'चुट'परे स्'स स प्राकुट'स्पन र'र्ट म्। **ग्रस्त** म्याप्तिवास प्रकृष्टि स्वाप्तिवाष्ट्रस्य प्रकृष्टि प्रकृष्ट्रस्य प्रकृष्टि । स्वाप्तिवास स्वाप्तिव न्दान्ति देव प्ट वह्या उर की रेवे प्या हैट मेरे हेव प्ट वह्या पर हैनवः य मृष्टेस'सु'र्स'सूर्'द्रस'स्र्र्स्'स्र्य्स्'या हेद्'र्द्येय मुै'र्द्य्स'याद्वेस'र्कर् रे" असःमकुर क्षेत्र'र्वेण हु क्षेर'मदेःग्द्रस्यःयःदेवःग्न्यः। पर'रु'युद्दःमहे मकु द ख्र ख्राय मसुब दे। द्वी मनेय मु म व दे हे द ख्र य द्या करा 월· 조존 계통·따· 저는 경도 다'도 · 최조 · 교본도 월도 다음· 저는 ' 遵도' 역사 철도' 별 न्त्रया न्त युव विवाश वर्ष मनुन कु अद मन्य हिम वर्गर न्त्रया थ र निराधिदायाने अरायदे निरम्भाय निरम्भाय दे निरम्भाय वर्षे वर्षे वर्षे स्त्री स्त्री रम ह्रिल ममन हा ।मनुर्मा हर्मे हिन्दी हिन मनेर मु बुर स। रस स्मारायम मुहे म्रम्म हमा न्या स्त्र ला मुँद ला मुर्द मु न्त्रयाये मर न्त्ययाय्व क्षा क्षेत्र म म वह ल द्यान्द पर पन् दे 그렇는 역학 전도 다 나는 다 아이 나는 학생 이 나는 다 다 하는 것 수 있다.

महिन्द्र में क्षेत्र प्राची के क्षेत्र के क

गुद्द'न्याय प्याप्त'क खेरे झेंद'इयय प्याप्त' सह अद् हें हि से यो स'प्याप्त । क्षेत्र' माद्दद'न्य'य प्यद्द पते द्याय प्याप्त स्थापत स्थापत प्राप्त स्थापत प्राप्त स्थापत प्राप्त स्थापत प्राप्त स्थापत स्थापत प्राप्त प्राप्त स्थापत स्थापत

मबी म दी। मन माने साने व व वास्तावान मधुवा । ने भ मकुन मा यर स दे पार्डे विर देसार्देव सर्दे हैं 'इसस द्र सपुव ल। व'स दे 'पार्डे 'वेंर' ष्ट्रम्य ग्रे त्यस ८८ सपुत न्याके प भेत हैं। । १९८ तथन्य हैर ८८ द्र्मेट्य अध्य गुद र निते सिनाया सि केद क्रम र मान हेद मिन से म र स निदस्ता । दे ५न्। वश्रवः ४८ तथ श्रेवः व्राथ क तथां ८८ तथ प्रत्य वार्ष्ट्रेन्य स्वः विर्मार त्यन्त्राच दे। टार्ट अध्याम गुव र्चा विश्व पश्चित्र म ब्रे'च सर हेलासु चतुर विराद्याय हेर्प्ट र्जेटल या अहमाय प्रत्राह्म ग असवाद्यतानुवादावि सुन्य अँव हेटायेवाही। स्वाम्न वदीवासुवास्ट मेद'न्द वरुष'य। वल्र'ववष'द्रुद'वकुन्न न्द वरुष'य। है'नेन् स'हैन्। न्दावहत्रामा न्द हन्य मन्दारमुकान्दावहत्रामा नेदे न्द माल है। बर्- क् मुन्यम्बर्गायर रामाया वर्षा अवाक्तर् नेवारया हैनाया। है जुन इ.इ.र नेबल.नेरा झ्य.केर.क.प्रीट.क्रये.चा तेने.जर हा राय राहर. कु. ५ मुद्दान्दालस इस. कु. कुटा नायुसा चागरा चाया क्षेत्राच मुद्दा चागरा ननकामबी देव समाश्चर क्षेत्र मबुद मबी हे बेदास हैनादी है बेदास क्रमा हुन्य ह पारे मूर श स्वाय प हुन स हिना दे पा क्रमा गुरा नात लमाम्ते पर नेप्याद्वम्य देवायरे प्राप्त प्रमाय । । । प्राप्त प्रमाय प्रमाय प्रमाय । दै'न्र'कव्य ब्रा'व्यव्ययान्द्र'हेरे क्रेर'श'बव्य य'वकुर'व्र्र'दे'य कवः' चै ल्डाल नुमाने (कैं 191 म) देश भे ने र मन्म वार्ता । मन्द त्तुस दे हे ।

म्बेट स्थान स्थान विक्रम् स्थान विक्रम् स्थान विक्रम् स्थान विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम्

महिलामालामहिला विष्मुहर्साम्हर् दै।।

महिनाय दे। नेर देव दर्जात्य देव अमिरेण हेंग्य पर केंगा वार्डे द है दे. दे. त्या अ वाहे अपने दे. दे । । अधिक क्यूं. हे अस ग्री चर्चार चाय प्राप्त मर्ड दें ये । रिश्र म चूरे.रे. व्रैय.तपु ह्याये.श्वाप. ४ सूपु क्र.पर्तेष. वे.य्यो. मुद्दे, प्रसुद्द हिंद हिंद मा मुनेप्या प्रका मिलेहें भाग हैंदी में के मूर्त में हिंद में अ इ.वेट.केचा वर्ट.च बेट भू मेल भहटा है.सह.श्रूव.भ है.श्रांचर.ए जू थ चलुर चिर चालका लाच हूर्य हु पुर हुद्र चामानक महिटा हुर कु हि या ब्रुवा नमायव हुट गुरुव केंग गुरुग गुरुट्यायय कुर ग्रीय है। रटा पढ़िव चैत्र द्वार वर्षे र त्र र चुरा वेर चेदाचे प्रांट स प्रांच र वा विवाध है प्रांचे प्रांच प्रांच र व १ असः तत्र विद्या पर में न्यं क्रिय न्य न्य न्य प्रता हो संस्वर साम्य साम्य साम्य साम्य साम्य साम्य साम्य साम् ञ्चल के कुर, त्रा हे अ. हे. जंबर जर्भय.र.चे.पथम. जैस में पिया त. महर त पथा प्रमात क्रमा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हिन या विवास मान्य क्षेत्र हिन यर कु. जुडे. लबे. जबे. चबेंट चबेंबर हेर चबेंग्त स्वेबर है हट: केंब चबेंबब प ल्दै के माईद डेस छ न लेद है। दे लल्द व कु द वन्ता व कु देस रत। मेर्रेस्रेश्रेट्र्रा अधिरारम् १३ मर्जु पर्वे परि पार पार्यापदी मब्दैर'द्मुे'नलका अट'व द्वेंद खक'कुल न देंद नुन। मकुद'लहेंद'हूंद' क्रिंद्र स्था, धूरियर खेंबा विधाय स्था है सिल पह प्रति स्था ि. स्था इस्रान्ने हैं। ब्रेने वाला वाला विष्णे के वा (का 192 व) नियस हें दे के वाल

पर्सें ५ देशक कुदा देव के व कुद है । इस में प्यति। क्षे के दे दे प्यति। हुँद केट में हुँद पर हरा। देंस प बट रवस हिना में रहर हैंद। झस स्व सेट ने मु झेंब हुर हेंवा है पहुंव बेल नवेंव हे रूट रूट सह मा मकुर। रे.रचा.पर्चथय तप्त.लेल श्चिम मे. कुर पर्व रेच विक्रू प्रमाणिक प्रमाण चैत द्वा हा.स.चमे. ६ पमेटाल स्वाय त श्रिया ध्वाय वटा त्याच्य प्रवय ... न्द्रम् युर पत्र वर्षे पकुर रहेद्र व्रव ह्या स्टास्ट्रम् कुल पर्देव युप्ते गु स्याके प्र के प्राचार स्वरान्युव पुरापि रहीराम् स्वाय **गुः पशु**र्र रहेदः । ह्मर् श्चिष प्रथम रसीत में जिया पर प्रविष्ध प्रमान में भीत हिता है ता हिता है ता हिता है ता है ता है ता है ता है म् भ हे ते के बहुत संस्थानीय व्याप्त प्रमिन् हें वे हरा। ४५ वं ब प्रम्थ हे 'न्राह्म बेस'यह न्रह्म प्रमुत् एत उद्देश प्राह्म व्याप्त विद्या विद्या प्रदेगान् पर्केट पहुर ति.सूथ.प्र्याकी अट.च जना पत्नी प्रसूर अपूर सटया केया **इंद**'स'र्द न्ब्दि बु'युम ये पर'युम र्वम'्म'दर'मकुर्। दे'दब मकुर्'्ञस' #다.구·스g어 링크로·노드 밀다·복그론자·피다·미리의 #표·다·의 다곘드·독·론·여자··· नाबब केट क्रिनाक अहर। देश कुब अव उ परे नाकेंद्र पकु द कार पर वियातु विरायता दे त्या गुमान्य वर्ष प्रम है पर्व व क्षे के हैं न्या है व लब्र श्रुपत्र केरे विष्य स्त्र मुन्द्र निष्य प्रति । विष्य प्रति । विष्य विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । लक्षाचारख्याचा । व्यक्षाच्चा इत मनु कुषावतः हे । पर्वु र खन्ना । गुद् ब्राम्य मान्य श्रीया मान्य मान्य मान्य । विवाय मान्य मान्य के क्रैंब.कर्चथ श्रा विषये.लट.भ.श्र्या.संस.भ्र.ल.संभाषस.रूभ तर.पक्रैंटे.स. इट चर्केट.रटा किल वटारा प्रथम मेरेब छूट चर कुंब बु बाहू र स्वानिहर. बि दिना पट्टें संख्ये हेट पकुँ देशका में सब हिंदा में हैं पक कि प्रमान हैं तथामेश्याक्षर हूं दूं हूं है दें अप का प्राप्त में के प्राप्त में मुकान्यव्ययान्यावन र्वायुन्य गुर्द्वेरायाधानीरानर्ग्र साहेरामुन् मुक्या

वट्रियायास्याम्याया य प्टा क्रिय स द्वार त्राक्षेत्र पर वया क्रियापुर स निहेर नु:ख्रुबराय ध्रुब खु क्षेत्र क्षेत्र में व गुद:ध्रुद्ध यहिंदार पुत्र केर ने निर्द्ध व । ।। हुव हुट ग्रु. क्याप्तर्वेष ष पटेश. र्ट इ ह्यूदे. अ टवा. जुब बोट्ट. देश हैंट. तपु. .. नार्हें न क्रेंग् बन हैर'कु'के'न सक्। हि'बर कुव'कु हूँव नार्हें न नुन् न हैरट. चंत्र भ.कर त सूर्येश वीड्र रे लेल की हुंद लंब. वीट. बंच थं. चंच तथ. हारा. मकर भा मारवारवार व व विचायर यह साववा के व दरा द है है मर दुःरेखा केदा गुःमित्र माहिद गुवा गुवा शुवाब हवत सु मादिस मेटा। 🖁 दर्भ मंदिलार्मार परेल म ल ब्रेर.रे.ब्र ३८.मब.मैंद.कर्मां महा । ह्येर मण्यास्य तर्देश्यत स्नित् हु। बुद्राम्बीप्यामकुद् ग्रीस मिनाखना सकेंद्राम द्ये हुन्'नेष के'म महॅ्दा हेस'न्सुटल हे। द्द'में है। खु'म'मेरे न्द' न्दामार्द्यन महिला व्यन्य व जन्य हव ग्रेयान्ते व स्टान्र है न्र महिला व्याद्या के व प्राप्त प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प हा वि. हुन नुका बेहा तकी ए का नहीं हैं की वें छहा ने की ने हुने हैं। बॅ'न्हेर्। चन्तरत्रर्भात्ररामहेरात्रा कु'न्हेर्'र्राय्येर्'न्हेर्। कर्रे'खन्त्रः न्दः ह्यायः श्वाया अयः मकुन्दः न्द मकुन्। मद्यः क्रयः न्दः यः क्रयः। विन्य उद् प्राविन्य केत्। मि वर्ष र प्राये भाषा विषय प्राये। रकातारक चक्रेराता सेल.कु. ट्रेबामा फानधा भूराविषाञ्चाया विश्वास अ हम वंब चर्केर.त लबंब्यु बेहूर सूरा है.ये छ.कट स्वेश वंबेश त रक मक मु क्रिं, खर में है रे देव श्वेष र र र कर छ र निया में र क किंदि हेद्'द्र विश्व द'द्र वि संपुर्व क (कें 193 व) के प्व दें वि वि वि वि वि वि स्थि। अध्य स्थाप अध्य मेथ पर्व पर्टा अध्य मेथ स्थाप प्रकृत

यह र क्रिक्य माचेर ए। कु रहे नाबद हीं दाव क्राय या। हुना यदि हु निंदापु मेडूर भूर। परेबात क्याक्ष क्षेत्र थे. ज स्वाय पा पसीर प स्थि बरु किर पर्वे ज पहेर निर्देश राम्य र प्रमित्र प्रमित्र ज स्वीय ना र म कुल म र्द्र गुमा र्द्र श्रुदा मिलासाथाला कुदादे महीला मकुर मा पड़'प ए' हैं अ.पल पर्केट ता पर्वे बेडुबे त ठूबे अट.बेबंड के द्रवेश। चडुःन्}ेव स स'न्धुन्'श्व'न्द्रव सन्न ने न्हेन। चडुःन्युस स वस न्द विवास हैट हे दी। चर्ड.चर्खे.त के.अर्टेट अर्ट क्र्या.चंत्रल क्रेय अक्रूर हिंचेय खे. थ तर्नित्य. पा। तर्ने कि. त पेश्रविश्व हर तेषु द्वाया। यर्वे पैया प वै र पानिवा स्वापना ने स्वर्ध व स्वर्ध व स्वर्धित स्वर्धित स्वर्ध की स्वर्ध में यकुर्य द्वा है। दे'द्वा'द्द'ळद'र्स'र्सेहे'र्ट्संपात्र'द्द सद्दांदी'सहर प्यस्य दीनाम् । अळे द पार्चे र्वादी न के र तरे निस्सर्गर र तर है न्दर्व व विषय मान्य मुद्दर्ग्य व स मान्य मुद्द द्र्य मान व मान ब्रापदाद्वय वर्षेरायाय देवायरे नेवार पर्या अद्याप्त वर्षेत्र मुद्रा हिन्य तर्। अट.चे.टट.४ट.के.ट्स घट.त्.इल.चेब.वर्ष.ल चंद्रच तर वेघ ट. बेद्रपायदेव्यान्हर् मेद्र पासदायाद्रप्राच्यान्यामुह क्रमाय महेन सुरा रनेवय गुट केन पर् । ह में केरे अन् न्द रह है ह केद र र स्थार्थ म्बद मु क्षु : स्ट्रियाल अट्रियाल क्ष्यात चल्चे रहे ता द्वे व्याप रा न्वदार्थरावेत ग्रम्प्रित्वेदायहा । निस्त्रानुव कु कार्यन दि तदा है जुन क्रांभाक्षां अदार्श्वराची क्रेंद्राद्रद तक्षवसायर त्युद य विदेव त्युवासादिर वादा वर्षानी में कित रेटा एक अस सर पश्चिम है ल्री सह । विश्वर पर्छे कर्ण सह । नुवानु नित्त तर है (के 194 क्) के क्रिया कर वितर के नितार एक बन परि देव घट मेंद्र प्राम्बेव मुह्द मेंद्र के वे ने ब के वे के व मु: केर्'ल हुट बर् केस्याल ग्रीट प्रत्याल्य क्षा । सित हु 'र्प तर हे 'ह कर्षण नश्चित्र तर्मे केम्ब प्राप्त हु कर्षण प्रत्य प्राप्त हु क्षा प्रत्य प

चर्षाच हैं। चकुँ देश संस्था हैंसायहां। इस्याच हैं। चकुँ देश संस्था हैंसायहां।

सिवंबर्ट्सन्वेट मध्। । मुरेश्वराज्ञ रूप मञ्जामुन्। सिवंब रूप्याविद्। मिट्रम् ठद मुद्रटः महेश्वराज्ञ स्था तथाव्यक्षा स्थापन स्था

बेज,रेटा विषय वस वितीर्थे से भनाय तर प्रत्य (क्. 184 न) त ४८, १८. ८८। ४६ घ टाप तीवाय त ख्वाय ६, इंड्र, इवाय त्रंद क्ष्म भी बेज क्य. बें. इ. कें. खें स्थ जीवाय ख्वाय जाया । चिं ग्रांता नवटा तृ ख्वाय क्ष्य चेंज पर्टेड. बेंच्य. क्रं. कें. हें. हं स्थ विवाय ख्वाय जाया । चिं ग्रांता नवटा तृ ख्वाय क्ष्य चेंज पर्टेड.

न्यद यह हिर दुन्दर। उ.श प्रदे च अटल क्रि.चेने क अहर यह हिंद लेट में पिनाब अ ल.रट नार्षे अ हूं व हर ता बब नकीर ता पट्टाल २.४ ... लियल रट रे. खेबल तर्टा रल क्ट ट्र. ड्र. खेबल तथ. ल श्रु झे घडे. ज नासन् यते हुँ र दुन प्टा ठ से नस मकु प य से न प्या हुँ र छेट शुन्स नि भी महिना म निमाल केद के मिं दश मकुन म खन्य नशुस है। के मिल नुसारिकर रत लियान में हैं र टिंग बेट क्षत त झ्यान ल योबट च टेट । अ नियान तर्व पर हैं र हैन रेने तने स में र ल मैं पश्चा निवास न ने बें अ क्षा । में प्रयाद के ल ने बर्दा ता के व लटा। हैं र हिट ने जिने व टट म् स्तिविव विश्वाचित्रकार्या हूर दिल श्रे ८८ व छर स्त वस सिविय स्ता अर पर्वाट.ह्र.। ांध.कु.तांध.कुर पंकि मुँथ टितेल जू कुथ सबट ज वोबंट.ता. न्जेस्ट्र क्र स्वांत केव्यो अव्राचन मुल्ला न्यात व्राचित व्याप्त क्रांचित व्याप्त व्राचित व्याप्त व्राचित व्याप्त व्राचित व्याप्त व्राचित व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत व् স্থাস জন আনধাৰ পুৰু প্ৰদেশেন নিদ্যান নিদ্যাধ প্ৰসংশ সংস্থা h.कु.पि कुरं रंबताचर्केट तालियंथ प्रिक्स । विवाहित हार टा छट एक्सरू. लिनन गैं हुँ र हुन सिंप न्यं द रहू रहे 'न ल पड़े 'न में हु ' ने रहू र न न द र र वि.वं.दे१ ४८.पर्केर.रे.बंबाय तर्टा हिय वाप बिल के ही व २ रेट बैव वियानामान्यालय मह्यास्य रे. तक्षेत्र स्थाप्त तत्र हिर रे में रे पर्केट हे मु.वै. हेप जिवस मेरेस हो। किये सू.वें त क्रम हं . टेतल हिस वि स पता चूर ट.ज.चंबर.तपुत्ररं टचं.केट लूट.जा अर्थ जिट.चे. २४ चेवंश राज चेंच. केद्रस्र हु भूतमा कु पर कु एल ५ मुत्त केद्र भू प्राप्त रह (का 195 व)

क्षेत्र व जीवश्व ज्ञूल है चेट चर्चाट हा । बीवश्व ह, पश्च प्रचीश क्षेत्र वील पाप भी क्ष्य ह विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्य विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क

मले त है। मलद लट में सम रूट म म रूट मा । ल हूट हूद खनाय. छ.त.र. अ विर । । विषय लर में सेच त यहर वेशन कैल भएर कीन वाप खुल दक्ष ने पु के र हे कि ५ 5 ह्यु ६८० दल हुँ र 5 व हे पकु **र खुल हे यु**त र केदः में 'स्टाय निष्दं वु न्याय दस मकुन् यहे में 'स्न स्वास न्दा । रूट' लवा प्रध स्व रूटा में अर य श्र में रिट । हें हे कि सक्य स्वर्ध पत्र इस्. अर्थ के प्रति हाल बिर टे. वैस्. प इस्. अर्थ थरा विशेष बुना से. न्नुदे भानुत में में दाय देव के वे हैं कि स्मुत् वित के के के स तस मनु - *** न्नम्भराम्ना देन्द्रम्भान्या हेन्न अस्ने कुला अकवा मूराह्र हे कुला वर्ष । न्यन्त्र हैं पहुंच। लें केंद्र पुन्हें। लें द्रं प्यामन्य या कुल सक्दा गुब्किष्टिव्रत्रिव्य स्व केव्यंदि मरानु मकुद् मार्च दिर खुन्बिहा देदैः ञ्चनः अन्य हे वे वे वर्षः य श्चेतः य। वित्यत्वा क्षा कुष यावावः व वरः अविवर लका ग्रीटा तमित ही त की कि की कि विष्टा प्राप्त माने विष्टा प्राप्त हैं हिए। प्राप्त माने विष्टा कि विष्टा र्टा अव.त ग्रेब.केल.त.चेहेब.लब.ग्रेट.लिजंब.जूल बेर टे.केंट्य.रटा हर्मसन्त्रम् स्वाया स्वास्त्रम् स्वासके सन्तर्भाति । सन्तर्भाति । सन्तर्भाति ।

श्रीतानक्षेट्रां प्रिक्त वाहेश्वास्त्र प्राप्त प्राप्

ल्याक्राह्याम् विद्यान्त्रेदाञ्चेत क्षेत्राच्या क्षेत्रा । विष्यक्षाह्याम् विद्यान्त्रेदाञ्चेत क्षेत्राच्या ।

ਰੁ'ਉਕ'ਵਸ੍'ਲੈਂਟ ਸ੍ਰੀਕ ਸ਼ੁੱ'ਜੁੱਧ ਕਬੂਕਿ(ਲੈਂ 196 ਸ)ਨਵੱਕ ਸ਼੍ਰਕ ਐਸਕਾਸਫ਼ੈਨਿੰ 디메 파미저 드드 디즈저 디저 디퀄디저 '디 루'용도! 월드' 월드' 경도 디저러 다형 다. त्र व्यापन मान्य में प्रति में पर प्रति विष्य त्राम निव हेट में पर प्रति विषय । लना न बुक चुक चुक्त र प्रक्ष द्वार हैं व पहुंच र बुक्र र के के महेना ल मु न्युय सर्व र ने चे दि सर्व मन मन्युय खुस है हे इस दिन्द सर्दिय गुरु र तीय कुर, स्र मिर, त हुन कुर रताल ल बिर्यंथ मु बिट तर्थेर तर्थेल य है। नेतर मुत केव ने हैन अने खन्य में बुरय त अवर खेवा रत खन्य में पक्र तहर देश अपूर प अपश केथ. हे हे अस देश के अपूर प्रेट केर रजेल अव. त्वार्ट परसाय नस्य हे बावस पर खेल ट जेरा केल प स्ट कटायालय हें प्रया सथर युग पहेंगा हैं लड्डू र संगय मदय खल बट रु त्रें । विर तर बेंच ह्रेचय थ्र. केंब के लेल रें. छचय। तर कर रेट एह चेंय याक्राप्त व्यवतान्ताल याद्य यहत बुन्य में हुन्यय नेय में व व्यवा लिल.र्निथ.हैं.त्र श्व.पष्ट ह्रियेश चर्षेर द्वयंश चर्षे.श्रीय र स्व्यः विष ह्रियः . . . पश्चमा श्रील पर्यः अहस्याम्य सिरायम् व प प्रति मार्माण देसायरे मेंदा निंद्रे हे देल वर्षेराय हैन नट में इन वर्ष्ट्रायह नी नी में से प्रवेद देया... मबर महिदार देना पुरे परे मा पहल पर है बार कर वर्ष में ला है. र्मा माण्या माण्या हेया छवा या र्मा माण्या हे स्वाप्त विष्य स्वाप्त ब्रुद्राचयान्त्रम् सारदे हिन्यायास न्यूद्रा। व्रूर मे व्रावार स्त्रा पर्वे प्र बेट वेहि व्यक्ट र व व प्रवित्र गुट व्यक्त य सुर दे व्यव्य प्रव तुम म के द महि अल मवयाय मूराहै। विद्यु मुंब क्या अविर र में दे महेव में वर मेलर प्रवटाता विवयारियामारहर्यात्रार्म्यात्र्याक्षात्राक्षा באיקאוים בקביםוציבביקפבישיקבים אבקיקן ו महिनाम दे। अपर हिमान्द हा नेद ही केट ही । विर समाहे नेदें

줬'짜효도 ূ 따'뭐ㄷ'씨씨 | 비 (하' 197 q) ㅁ 미 위시'디 ㅈㄷ 딜ㄷ'죠씨'란' क्षत्र। | हें हेते क्षना प्रांत मानस्य पर तस्य प्राचित्र मानस्य । देव प्रांति कर अपर कि. चन रेशुर में ट. रंज विश्वर ब्रें. रंड भडें ल. लेल वेश बें ब्रेंस वेहरें . र्षे पहुलाधतर अहर। हिन् गृष्ठेराय हैंगल स्वाज ये वे नेला सवार मा इस्त श्रीमानापन पुरपर्वसमा ध्रिनाग्यम वित् समान तर्रातामार्डर प्रेता है। हैंद ल में 'लेट'च नेब्रेंद वे देनल क्रेंब हैं में बेंब्यनबालद प्रदेनबानदटाना निंद'नीय'भै'नोद पहन पद्द। सु ह'प अपय पर्दुव'पर्येद वसय देंद् बेर पाला छेन का न्याया पर स र्वेस निया। बुर सुनाय देव केवादास पसा बर्द परि है ना के व रहा अवसाय नहसाई व रहा। है बर्द गुवादनातः र्ने चुनः नयः हैं हि है केन मिटः ने इस नम् सहि यान है। या स्वेय केदान है। इर.बुटा। नश्र पूर्रापव क्र्या है जिट्य च चकुर रेचल हैव है अपन्यूर. 주러자·평이 저희주·형 다자·듯·물도·다·두드 ! 홍·러트 핅 저희두·여자·갤다·다遺두· त प्रमुख व स्वीय स्व बटारी विदायालया केलाव मेर्डेसामा मेरे स्वीव रया विदः द्वतः हेत्रः चारा केवारा भवा ना नव द्वा हे नवारा नव न हे हि हे दे दे दे दे के ना में अर् ५ र म् निष्य मा में मादर म् बद्द स्वर्ष हिन् सर र विवास सिर । NY 다크드, 다. 네성너, 다고 와독신, 용도. | 통, 돛너 다양, 돛, 통 빛네다. 월양, 월, 다. 4. रैअ'र्सेन'पर्कुर'र्द पठल पल'कु'ठेर'र्सेल पर'यहर हैं।।

नाब्द म विं सु म (किं र 197 म) शब रेश मर मकुर म दर। बर द्वाप्दर पर धुन केद रिमर प कुंद निर्दे हैं निर्वय हना रेंद में रेर सकद स्द " लिविल द्विम के व मारा मावटा। देश हैं नाम ह्व मानाम केटाल मावट मारा लट.तल रस. हुंच वि पधु ईल ४ व्रेट तर पहुंच. वंच वंचेच व क्रंट में ल 레마오 [월드] 다형 즉] 레마 미속도 다 열 저 미용지 의 투 기지 본국 레마오 [월드 드디드… म्ब क्षेत्र करत सहर न रता लत के इ मिर इन हु चन्य न नहें रह मुं रे सु हे ते व के हम के हम जान के देव प्र मु के दे हैं प्र हे प्र हे प्र हे प्र हे प्र हे प्र हे प्र 훈 '씨저 디쾰 드 디 처 미저 밀드'! 써도 뭘 이 뭐 '씨 붉 드 드러도 다 '씨 녹 훈 메드로' त क तथानिद्रति विनय है कि दे में है कि मूर द्र पक्षित व कल र बावर क्ट म्रें ज्यान्तर धुनात लार्च दयानकृत यह शेयस खुन्यान्ता हात वसायकुर्परिहाँ व्याप्तायमा निम्मन य रेमिक्सायक्रिस य स चिर्-क्व-अंअल ब्रुंट-बेस-चे-चह-मब्रुट-कह्ट। व्रेस-व-रम् क्रूर-म्बुक टु म्प्य हे.हे.त.र्वेश श्रेतया नेट.ध्रुश अष्ट्र पंदेश स्वेश व के.कुर प्रवृता स्वायाव्याच्याया श्रीवारमाना नेवाय में रामरावित हत्याय वर्षा विष्यावित्या हे में . कुरं . प्रां कुर्यं , प्रां कुरं । अर जिट . चधु सूध इथ चेड्रेच नेया जीव . जून . जून . जून . न्त्रव त्न ने देनकार्ता व्य हे त्यह हे हि हित्त तर्ट है ने उपन रे ने क्षा रदाकाल देवह नाम पर्याप स्वाय र्मारान्य स्वाय समया है र्माया क्र-र-र-स्व रहेट ज्ञुन मकुर गु नगर र्स्य वुर य बेर्पमहे खुर क्रिया गु "" 클디다'축 레모오'씨저'최| I플디'디플트 취드 투'축에서 ① 필드'디 디존트'디오' भ्रम्य (क्षं 198 व्) मुख्य प्रति रही ।

मह क्षित्रा | महिना में प्रति प्रवास्त्रा विम् पुष्य क्षेत्र प्रवास्त्रा प्रदेश विम् प्रवास्त्र प्रवास्त

प्रस्था मुं कित् का यहा व्या रहेका है व हिल पन् प्रस्था है। कित्रा यहा व्या रहेका प्रस्था मुंदि हैं प्रस्था है।

न्द माल नहिना स लाय नु मुद्द हिल न्द । के लाय नु न्दर हिल मा। प्र मं दे। 'रेना परे नद्य ग्रे रेन स स रेना ने । पह्रद पर्र स प्परः <u> स्थ.वेश त.सेर.वेश पश्चाया । शोवश तपु ८.वेष वेश्वा, तेर.रेश वेश्व.</u> ब्रुम् । े । ब्रुप्तम् बुव स्रवर्षियं स्रम् निया विष्यं हम् क्रियं विष्यं विष्यं द्रवाताच विषय श्व. वीवाश ता प के. किट. विशेषा श्वे. लूट. हुटा के. आप वटा ताप्ट. न्यतः न्युवाद्य रेषायि वृद्यक्षित्यं । स्र म्युवाद्यायायायि वृष्य सर स्र रेषाया दे खुकाडु क् 'न्युअ'नु'वक 'हूं'ने'म देवाचु'म'देन घुट'मवा'मह 'हूँन्'मदे'''' पस्त'पर्साहेत्रहेत् सर पुत्र। दे'ल'द्यद'यसपश्चवत्राहे देवागुद पक्षेत्रपर्द्वता भीत्र प्रमुख्य पर मुन्ता दे लाइटा स्ट्राप्तर पुर पश्चम्य,प्रथान्य,पर्वेर्द्रयन्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्र्ये,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्र्ये,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रयान्त्रे,श्रेष्ट्रप्रप्रयान्त्रप्रयान्त्रे, बुबानगुरायबादे हा कुल कर हुनाय व। द्वह स्वा झु.क्र. द्वा सा लक. हे। सिंद अ के ह्यांबर म में अष्ट्र, श्वां दि लक क्या ने या निम मा या न हिंदि, ग्रीस, नेस, त. के ब्रेच, दशा । ब्रिस, ट. क्या च क्य, तस, ट्रे. लूद ब्रेस हैं है दे कर् से में भ्रापर द्रम परमाया प्यार में मारे में प्राप्त में में में

च्छित्। विक्या स्वाही । विक्या विक्य

प्रथम, बेंश्व, त्रांशी व्यक्ष, क्षें, श्रूचेश क्षांचांध्र पर्शे ते व्यक्षेंद्र शत, द्र श्रूचेश्व, रखद, विश्व त्रांचां व्यक्ष, व्यक्ष,

महि विदायन मुन्न रहिन हेद न्यायुव मु सिर पाद न वस्त उर भेन दस। मूर हैं पुगारह के ला केंद्र प्द। चे प्राप्त विद्या विद्या के ला केंद्र विद्या वहरा देलक रूर देते हैं हम म इवन स मु रे हे सुकार नार में नर हैं मिं पहुं महिकासु प्राचनक पर प्रमुद्द य है पुरे पाबुद (कें 199 व) है रेपाक " म लका वदामा इसकाल में हे हैं रामा स्वर रिपा है पार परिपा है ' पुका महिर ब्रेन्'ग्रेस'युरे कुल'में 'झेन्' व उद रेन' हमाय ग्रे व्युक्र' मगुना दल में है ' मरे " रब्रेशाम क्वें मांप्रवित्र ब्रेकारकर यर व्रेक् हे क्विंय र्म्य न्य व्राप्त यरार् स्राप्त मयाम कर् मुख्यम् न दे हिं। वर्षे मा खेर की यो मा मा सम्बर मिन्दारि स्वार्धार्या हिन्दा के वाद्य विवास मिन्दार मिन्दा हिन के दार्या । । । चब्रैटयाताबब्दा प्रिट्टाइ.क.वंच त्र्या ट्रेटाएग्रेल त.म्र.या.ह्रेटालचा हिरासायका विदायका स्वाप्त वर्षेता होता क्षेत्र स्वाप्त हाता है का की कि म्इअन्यम्देश्य न्यूर्वे म्यूर्वे स्याम्यत्रे। देर्म्यम्बुद्रार्वेश सर्द मक्सामान् हेरे मर नु त्रवन्त स्तार त्रव ह्र हर सन् मान्य मान क्रुबरनु कर्ष्यानीय मित्र महे हूं १० दिस म इ.म.स् मार्ची मिक्रीहर कर र द्रास रदार जेलान्दा वर्षाया दाव वर्षेत्राचेत्रायह रया नेदा होता देवा क्ष्य.ग्रे.चेचंब.पथ.घरंटं.तपु.तं.वे.तपु.र्च.पग्रेज.वंबेचंब.ग्रे.उहकोन्वा तं. है प्दरे कर महें नम पद प्विटार्य मार् कार्य दे रहा मारे हे प्रेम खेला हा समान भूत.र्प्रदे, रुप्त ह्यायु त्रांत्र स्वारम हिरायु हे हे है ते विदार पार्य से स्वार यु रूप मास्रद्धामञ्जूरायर मञ्जानास्त्रा है मञ्जिदासारगुरार। ।

्रम् प्रवास्त्र त्वा विष्या विषय । विषय विषय विषय विषय । विषय विषय विषय । विषय विषय विषय । विषय विषय विषय विषय

हे. ८करा । र्वाणी प्रकृत विरे कुर विष्यान्य सारा प्रवासन कर कि वीर पर 다니 다 가는 '얼마 다고 뭐 어렵다지 다양 됐다.스팃리.오토 뭐.청.영어. 급 다 뭐. ८८. हे चे. चे. प स्वेश ता वेंदे सूट. चे. ह चे. चेंचे व वश्व १८ स चर्षित्व तर.. भविषान्यायायान्त्राची हेटावय सम्हेन्य ग्री क्षा नाकर नाहर व्याम देया (के. 188 व) ब्रुट ट्रूपंट के. त्यं प्राप्त प्राप्त प्राप्त के है। ब्रिट रच वीच्य. ८८. ब्रुज. अपु द्रच. ब्रचय पश्चित्य. तथा ब्रेट श्रव्य. त क्रव. त्र वीरा तथनाम या बुद्र रमा नी नम गुना मनुष्य म में अदि दने पहेन जी पहुत बुग्य मह्रा हामकरापर म्याम क्षेत्र मिया प्राप्त स्वापन हित्राम् देन्ता मुन्द्र सुन्द्र सुन्द्र सा मकु 'ह' पकु ८' रे 'पक्ष व 'पहें र 'पें र 'पें 'प' क्षे 'हें न के पढ़े 'पक् '८' र खु अ रहें 'ह' न्हेस्यहर्। ङ्रिंषुन्य गुःकुर्र् अन्य ठदागुन्यम्यरादरे रस्रोत्यायास दूर ता कट.प.हुना.ट्नूब.त.मा धी.वु.बूटब त.नंब.कु.चथा कुना.सट.चा रूव.हिट.वा ब्रुमाचा क.कट.वधा विक.श्चर.वयाची ह.वध.रूव.धजेल. विवायाम् विवायी क्षा पु १ हुन हुन्द्र वा वावशायदाद्वा राम गुद्र ह्वा व दारे वकद हुर. ब्द. दूँ हैं .चैं. यो. र. ५ . बुदारा मूर्या यो. यो. १५ . इ. १५ .च बुद प्रमाष्ट्रितः ठव् प्रदा देवे प्रवासन् मृत्ये ने व वर्षे न्या वा वहत् म लका व लेडू र हा जानव जीवा वहरा परि गुव पवट ही करें जो जीव पवर हैं। दे क्रमानि ह्वराया मेदानु क्षेत्रका मेदा रद मे दे दे उठ अपु क्षेत्रका स्र अष्टिक् हे 'त्र्ज् 'हेंक् अ 'त्रुट पर 'ह्र्नेट ल 'क्रुट के ज्ञेणल पत्र विव धर ''''' पश्चर पादा हे'पर्व अर्ञ्चल'अया विंद्'ग्रैय'म्बद'स्व'ग्रैपम्यय'प'पवट' च्याचिकात्रकाष्ट्र प्रत्यात्वा ब्रम्ब १०व । पा भूव । वे । वे पर प्रचीर । पा

ब्यानुः हुट्, गुन्ना, यो, ता ते, यो, र. १. त्य क्षत्रा। ट्रे. दू छुट्ट, ते, यो, र ६५ प्रियशः स्थाने क्षत्रा कष्णत्रा कष्णत्र कष्णत्रा कष्णत्रा कष्णत्रा कष्णत्रा कष्णत्र कष्णत

पदी त है। रिमेट्य रुव रवनाय अथ का वे म्हें है जो । निक्षेत पह. तर् ह्यें हूं वंट. हुं . पढ्यें . रंटा । १४४. में ईंट. पथ ३ ८ में व पहुंचें हुंट. पन्ता । प्यत्याय में दुन ठम में दुम सं हैं खेन म म दू दू हिर मुद पति न्त्र बेर रेग्य गुे श्चिम न्यं व ला बु हु है । स स्यम्य व न्युम्य उद अस """ न्द्रं सं सं त वि वि स न वि है है । मान वि वि वातर तथना स सार दे के बिट । सन् खला है जिट हे पाई व हैं ल पर अमें व में या पाई 'न पी है नि मा ल है. टे. ज. पहुंब व च चेंबेट र जील हू ची अर पहुंदा व जील पतर अहरी प्रम स्थाणुटायाबुटाय तणुर वर्षे सर्वा । त्योल व वाबे तणुराणे हैस सूर विश्व.ग्रेट.चीबिट.ची पर्वेट.ज.श्रेचयनांव.हवा में जिवसत्तर श्रूट होता पर्वेष तर. दे. में . टेन. रेट. स्टे. रेन. पेरे स. पहें र पड़. क. श्र प्रमान प्र क. प्रमान पश्चम प लम्ब पश्चर व मेर रह मेर रह ने रह ने रह ने रह तकर्'१व'मु मुव'र्म मामुदाबेदा। गुवासमित केंब गुः ह्राद्यामा स्व नु प्रमान में हु प है ते तह में लाबहर हिट नुमान परि मृद्य लेपाय पर " अब्रिक् प्यता श्रियः न्यूवः के रह अब्रिश्य मा ब्रिन् वाक्षा स्व वाक्षा अव्य हिटारवर्षायातितारी प्रमुख हिन्दी हैं कि स्थाप है। वट में टाई रि ईशय हैंस प्रकल परे त्रोल पाकटार् क्रिंपार ब्रूटार्टा | RE क र्याल पर् र्ह्यू वृ 여'첫'성생'다월지! IRE의 디디어 미역하'대장'라트디'라도 면에서 다른 다른 별다 तप्रतिबिद्धार्याः श्रेतंश्रक्षात्र मेटात विशेशान्त र्वाणाना द्रश्रक्षिति हार् 다. 몇시. 월드 다크다 전시. 다 월 . '떠다. 나 화는, 왕석, 집 출석, 살 의 급다, 다 ! 마 다 그는 मु त्र्यात प्रवाद प्रस्त प्रस

निष्याम् वर्षः स्वास्ति मुद्दायात्वर्षः सात्व निष्याः विष्याः प्र

म्यान्त्रक्षात्रक्ष्यात्रक्षयात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्षयात्रक्ष्यात्रक्षयात्रवित्रक्षयात्रक्षयात्रक्षयात्रक्षयात्रवित्रवित्यवित्रवित्रक्षयात्रवित्रवित्यवित्रवित्रवित्रवित्

प्रेश्वराक्षण्या स्वन्त्रस्य । व्यन्त्रस्य । व्यन्त्रस्य ।

ल्देर पम्नद प ल दर परि कंद मुब्द क्ष मु वे न व दे हैंद य मुन प है। दे अहर या मान हेन नेव हिन द्वेन नहेन नहेन अहर वेर पटा क्रिंश गुर्व प्रमुख कुं रत्र एकेल ट्र द्वावाय कुं केर सहर प्रस्त प्रस्त द्वीवा निहेद मुक्ष अ'सहर्'तर तथल'हिरा। वहुद'व(क्ष. 501 व) रेनुनावनेश र्वेण्य र्चुण्याहित्र्र सळव् प्रियाम देवामीयासहर् यर वें इस स इसस पवेत र्। (चिन्न के श्राम प्रशासन्य स्था हेलार्मान्तिका । निवद सेव न्ये नि हुन हेन हुन हेन अर्। । गुन भन्न महून अहिन । विन निन केद्र'में 'खुँ न्व गुँ' ह्यट' में व' द्वेन्व य यहन्। ये व य यहन् य सेन्व क्र अप चर्ष्य पर्य स्र तः पन् । अ पन् । अ पन प्रत्यान विष्य प्रत्य स्र । ब ह्रियां पराची वेपाय देश हिसा हिंग्य चित्रा हु माहिसा है। स्ट्रिया हेसा । न्यन्तिकेश न्वत्रेश न्दा न्ये न्दा ह्नाकेन् के देना या है दारा **५**मॅद'६नम् धुन्'क्रे'क्रन्य ग्रैयप्तन्द्रां (दि'क्षे'६व्ह्राह्यस्त्रेथर्। ।ॐस कु.चंचेय पय.इ.प.क्रिय.एत्रेट.पर्तेया किय.पर्य.पर्व.परय.र्घ.पर्य.पथ. ञ्चल हेवा) । मेबिट. देह रम्नात्य एजेल. टे.श्च. पह हे. य. क्व. मे ने ने नय प्र तालियाने विधानमेर तर्था मेथात देश उन्ता प्रतिष्य देश देश प्रतिष्य त्रद्रवायातप्रकृतिय व वास्त्रा र्त्रेयाच्या रहेयाचालद्राभवाक्षितिप्रविद्राच्येया त्वेशायाम्बामा वान्त्रकेषाधिवायामा ईत्यत्रिमामा कुत्वाद्वरा मुपायापदि हे कर वरहे पार्त्र मुन्यायापदि भवार्ष्य कर्मा विवर्ष । न्नार्ना कुद्रमद्रे चेद्रस्याय गुमानग्या) ।कुलाठद्रायामा हेरस्य कुद्रह्या पण्याम्बद्धाः पार्वा ते विद्यान्या प्रमानिक विद्यान्या त अ कर बैटका अव निश्च वा प ट्रंब पहेर. १ अ वैट उर्च निर्मा निश्च मा वस प्रविषा पर प्रमृत्। रह रे पेशेश प्रमुख्य प्राय कर् स हिंह. <u> स्वा पठ 'पर्व संपार गुपाल।</u> देते (लें' 202 व) श्रिप स <u>प्या हिला है</u> र स्वा वरु वहिषाय स र वेस व सहर। श्रेम न्ये देस पह हिषा है । व द करा यर त्रेश य अहर पर मान्या किव् आ<u>ति में सेस रच त्र</u>ुट माद्य की क्ष रचेल ल कर्न के क्रूंट ख्ना छेर रह छही 'यह हस् क्षुर बन कर चुन ' मितु न्युक्त म र वेस प्रमा विक यर कर्र दे 'द्वेर्य देव द्वु वर प्रमाया क्र- स हूर स्वा नहें नकेर तर संबंधा न बर लट संस व निरं होर रंगेर. च ल झबल कु. ७ जुल च बट. रे. वैंट.। श्रुच रचूब. बेल च कब. रटा वि. छ. ह ले उरे व हे माने पा मान के उर मान पा पा । है न स्राप ह नम दे मुन अधिक मूर्य हे अ शे तिस्था वय की कुर प्रथि ता लुवे हो। (विकास्य रेण. हुन्याचीलास्त्रम्यायाता वित्रह्यार् वह्यान्याया । ञ्चयः न्यवः क्रें सम्बद्धमः मेशः द्वारे साथ त्ये सायः त्यन् स्वः क्रेवः सं वे सः क्रें सः । स्वान्य विष्युः मान्दः। देवा व्रेवस्या स्वाया स B' 关대 디오·똥드'디'디∑네'주저 콰이'는'N주'피정저 디트드자'디자'콰이'는'미정저'' पर'न्निकास देकाळ्दाकरे'निब्दाख्दाचित्रकटानु कहरादे क क्रमाची मानका मते द्र्ये द्रश्य मान्यामा कुर् अम्ब में दिर तर दे प्रकेष कर व व द्र्ये द कु.इल.भुद.रे.कु.तर बेबेबा श्रुत रेत्रद.बु.प ४०४४.वेबेट.र्ज.च ४४४ कु. द्र पर्यक्राता<u>रे हेर चन्नेयाम बेयाम न</u>हत्त्विट अहरी यो सारा में प्राय देते देव नम्मान निर्दे में कर केंद्र नमान निर्मान निर्मा (विहु नि केंद्र महर् स्निन्निविद्यास्य स्ति।) । निविद्यापर देन मुन्ति स्ति स्ति स्ति। स्ति स्ति स्ति। ब्रेमामहर्प्यान्ता, विवयं ठर् महिद्युप्य दिने वि देश देव युप्ये स्वयं द्वी बुद् वेस सहर्य रहा मान्य क्रिया में दे हे दे वह व व व व हे दू दे व

सिंदि स्पर्त । देव त्य केव नेव कि स्पर्त स्था है व के हि स्था स्थाय स्याय स्थाय स्य

पहें स म दें। (हैं प्यनुद्धिः स तमार देना ह ततुर ला) । वें प्रसः ह्यास तक इसस ग्रीय पश्चिरो । पूर लेल 2.ई परेबे.है स पीरवे क्षये ह्या ह्यांस च तमेल च चहुना च इ तमेल सन्तर तन्तर दिन झु च न्यल चहुनाव न्टः…. हर्व स वस समित नियानीय सम्भवास मान्य की नुवाला किराना की निय की 청디성, 육, 역 보 회 교육, 교육 및 실석 역, 학 성도, 환성 회석 다뤄보니 회사, 다당. च इव. प कू स. ईव प ज़ेश र र । क्र व क्रूं र. स्वा. प कु स. प्राचित क्रा. स्वाय क्रा. बर कि ट्ने'पर हैं 'स्व के बार पहुँर'हेट हिंद त्राचिष बुख्यंब के बार पर रा दे कि म हैट च बेक वार्य मार हट बद दर। हना में हैं स्वर नेकर मा गुका रि.र्मेन्द्रमेर.पर्श वृद्र) देश द्रथा हमे.ह्रेमेश श्रमेश हमेश तर प्रश्नेरा कुद्र'न्द क्रम'मक्रम'लियम पर्दर महेद्र'द्रम क्रन म मुमर'म न्द्रा मकुद्र' पहर्वा के.ता.क्र्याकी.श्रटाचेयारिवायात्राचायात्राचाच्यात्राका.क्ष्ट चेश्वयारा बहर।) (विराधर कराबद पहुंचाय विरागुः खुदाबेला बहर हेटातकर हदा मु मु पार्ड न्या देया पहुंचा पारे क्रिया पहुंचा पहुंचा परे देव गुटा है। भूर:5। किलावह वर्षार,रटार्डापजीलाच केषात्र भू । ।र्जूटयार्ड्ष भा तिक्र. भ्रम् वर प्रदेश. तक्ष. वी विक्रम. त. बुक श्रम् वाया वर्ष विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् चन्त्रम् । द्विमः स्वा (विकास्वामः के स्वापः के स् गुव द्वार मुल सहव जिस इस र में लग्न समुद्र दुस जैस महव त समा मदद स्यानिष्ठेषात्रकृतानु । (वि.सस देवानिदेर देवातिस्तरसम्पः स्यानिष्ठेषात्रकृतानु । (वि.सस देवानिदेर देवातिस्तरसम्पः बहर्। ।वन्द्रवि वर्कुद्रदेद्रन्द्रवेदानुद्रवास्त्रकारेवा । शिवासम्भावतः

비용로. ८ = 열소 나는, 출시 | 1원근 상태시작 없는, 즉시) | 열색, 단 성 디스 프로 쾰 다 용. 원. 육. 등소 다늘 구. 그럴스 외소 다양적. 다양 출다석. 회석 다석되... त्रिय भ्र विच तपु अविब रचा रेट र्ज कुट भ्र पहुर्याय ब्रूचय पर्व, योधेर कुब. . इ.लट. सूल। हैचे.तर क्टे अ ज अष्ट्रचे में अधिकात कुबे. तूर बेचेश त हें था हैं पर्वे अपूर्व दे प्राप्त के पार है पार्व कर्या पार्व प्रदेश कर कर्या पर विज्ञाल न्द परकाय सहर्। श्रुप केन्य कु में नु गुद मु अवत अव यर मुद परि मुर्ड दि है नव पर प्रकृत रहेद के नव युव द्वंद 'न्युका वद दन में प्रकृत लहर्षां न्यर इस प्रेष स्पन चुट प्राप्त तर्र पन् पर पकुर तहरू... नर म नेयारमारमुद्द मानय पद हैं है हिंद वेर भी सकेद। वुम म ह खन म देनामि केट में गुट म क्रुं हुंद दे केर मासुस मित क्रुं केर ही लाम लका रेन्'यरे'न्वराष्ट्रन्'वृत् यर'नु तथन्याय बरायाचुन ने'सु'खन्'यरे'न्वन म्. हे ह्यांन बटबा बैबा गेर हूर्य ल या कुरी वटा योधेर बटा योदेश बेर विटास. र्ट पर्वेर सन्तराहे। पट हें द र्रि बर कुल अळवा महद रूर अल् ना बर्हेन्'नृ 'गुर। यह झूं'य गुद बहुद रेद केद द्याय गुर यह सेन्'क है' रैन्य महर्। रे'र्न्'र्ट ८'एन्'यय'८कर् १४'ए४'रेट महर्पयि'न्युट नी चुन भा तहस्य न्युट्य सुन्ता १ विष्टे हो। के बाहे सामान्य मा १ न्वें क्'गुक्'न्ज्र'न्य्य'क्स्य गुट्'ह्य क्षे'रे प्रेय सुद्र'वेट' क्षे' स के'रेज्'य '' त्दै'ल'ष्ट्रित् यर'तु'स्मानस'म्ब'कद'स'३'ल बुन्'डेस'न्तृस तु'यान्त्र। न्द्रद्रश्चरास नायना से यस ह्रसानी शासा ने द्रारा से पालेव स्टार्स् व नेसा ति.गीर्.ताचुनाया तेशस.प्ररं.रत.एतेशस.त.सटस.विस.एएस.ता मू.रश. य पर्वे (वेबन वेदाने वेनक क्षाप्त क्ष क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त

श्चिमां अरहे 'देव स्रेट, देवाल व जब निष्कुब, नेवी. अपूर्य किंद्र (ध्रु. 203 म) व श्चापित केट मे ख हैन बेट म मझर स मकुल म ह पु पुर दें। लट र्याय स्वान्त रहा पर मिर हिंद के लि के विकास में के व मान दे'लब में 'देंद'गुब्'बिंदे'लहे प्रब स्व केंद्र में 'चुंद्र हेंद्र केंद्र स देव ब्रूट'चु'परे'लुप्य ब्रॅल'चुर'र्-'र्चु। यद ब्रद् सर्-हे'र्घल। अपन्याप देर पबत न्यला प्रमान्यना रेन सन्तरम प्रमुख्य हु हैं ज्ञा है हैं विता हे. पत केल क्य रंद अर्थ कुर्दार अविश्व वेत रेवी. भवेश रंता व अविश्व पकुर प्रमेरे पर तकर अविश्वास अवि रेषात्म अवि विरे ह रे मुनामबेद महा (विनाम रहनाहेद न्यता वितासक्त यन्त प्राप्ति निब्दः कु 'अर्ड म्र्रीया । केंसाम् निवास प्रमेटस प्रते कु में गुद स्ट्रस्स्।) ।देः क्षर अविषाय नु अस रेना परि तम म तहिल यर नमल यर अहर मिट क्षेत्र. बंब इथ क्रिय पंत्र वंशय रेट भ्र. ज्या रंधवे तथ ईथ. तथ रेत्र टींटे. त हेर वैट मन देना पर देन मुनानी नाबुद सुनान हुद नायन पर देन देव हुल व देर तर वेबो.तर.बोबल.तर.बह्ट.त.७हबो.देव.टेवट.वेबो.बेव.रय.बोड्येथ मैला अक्रमा वयस उर् अनिरामा मर्वे पा क्रमा मिला है । अक्रमा है व क्रमा मिला मिला क्रमा म मानवापराञ्चे पा प्रवेशापरापनाकन्य यह दे मुन्य दयान्य ध्रान्य स्टाप्त हुदःक्षान्। तकारची पानि दायक हकान् है पान पुनार पाने ने कार्य है ना ने हिल पान्तामदाम्याम् प्राप्ताम् विदारम्यान्याम् द्राप्ताम् विदारम्य विदारम्य विदारम्य विदारम्य विदारम्य विदारम्य विदारम्य मारेम्'म्ब्राम्क्रांक्रं'बेस'म्बर्धा में 'स्वर्'क्रस्णे'हेर एक्रेर'पञ्चेष पर'''' क्रबाम्ब न्म्रियायहार् दां अ लेबार्चरालेश व बर्गाया ₩< 5'5! त्रुवार ,'तह्नार्ट्याव केव्र'यर'मुर'हा ।

मुख्याय दे। (ह्मांस्याह्म हे वेट् बेट् स्याख्याह्म हिमांस्याह्म हिमांस्याहम हिमांस्य

पश्या) । बद अहे प्रदूरिहें हैं हैं (कें. 204 वें) पि स स्वयं ग्रेस हैं पा. = व ध खुद छुट हें 'घदेव घढ़िते इस महमा' स तिष्ठा धर हुँव घरि 'घहेव'' ' ' मर्डे स सु'मब्दि। अपस'सर्हेन मन् दमम केंस मुन्त कुर रदे त दम दें द ह्या त ष्ट तह पहेंद.पहूब हेब.चे ट्यूब ग्री। पहेंद पहूब.इ.चू है है. ह्या तर पह्या है.क्ट. ब.ह्या तपु पहेंदे पश्चा लंदे तपुर हीर पश्चिरा महें पु नान्द स यम महे देंद स द्वारस दस हेना सं केद में स है दें हैंद " अंत् सम् हु पि द्वु व्या व्याप्तव स द्वाव कुव देव वहेर हुँ पि देव म। ज्बद द्व ध्य में के तहेन हेद ज्व में हैं द धरे द्व अर प्राय हे म्र मी ए जीत क्षेत्र चार्य अर्था। लाट ग्रंव अष्टि र चर्चर वस्तर नेया देत पर पर्व मृद प्रेस में ग्राह्म स्पाय ला । है प्रमुद में म रेपा पहें पर दस तकर्म प्रदः। कि प्रमेश शेन्य क'मपृत्र'द्य एकप्'म प्राप्त । । राम नी द्रव हैं न' हैं द गुंब तक द स है। । नद्य देते हिंद तदेद तक द हल इस पासुसा लया अति प्र देनालय में बस प्र देशा अति करें प्र विद्र कर त्यान्त ह्याहरा तहर न्युरसायुग्य गुरस्त्रित स्टरायायी ।सास्राय वै तकद्राह्म त्राप्त विष्या । देश पासुन्य स सुन्। यास हर्षे कद्रा साम दे न्दा क्रम्मानम् में सेपन्ता लेखन्द्रायेक्षर त्योशक्षम में पहेंद्रापुर गबिटान्नटार्सनान्त्राष्ट्रताय स्तान्नारान्द्राच्या द्रमान वर्षेत्राच्या वर्षेत्र नृ प्यक्षेपक द्वारक द्वा यूर् क्षेद्र योबद्र स्वय व्याक्ष अस्त्र स्वय विवास विवास कु. उत्तामान प्रमाय का पर्वे अन्य प्रप्ता विष क्षा इं. रेट भीवया वीया ई. न् के अन्तर्भात्र के स्वापित स

में ब्रेश त पड़ें द्रें। । क्षेत्र त पड़ें द्रेग पढ़ें चैंट. य. पर्वेट. त. प में ब्रेश विनय हें वा सी.

त्र य दे। (मञ्ज्यास्त्रम् सक्रम् गुर प्रमृदः सक्रमः पश्चमः में प्रमृदः । गुदः

मु र्यं अर्था अर्था हें प्रश्न प्रम् निर्म स्था निर्म

प्रेयत्म बेर वैट.चबेट.च टिट्य श्रेयत्म । विश्वास बेर वैट.चबेट.च टिट्य श्रेयत्म ।

त्यान्त्राच्याः विवाक्षेत्रां त्या क्ष्यां त्या क्ष्यां त्या विवाक्ष्यां त्या विवाक्षयां त्या विवाक्षयां त्या विवाक्षयां त्या विवाक्षयां विवाक्ययं विवाक्षयां विवाक्षयां विवाक्षयां विवाक्षयां विवाक्षयां विवाक्

क्रम् उर नेमाप ना धूरे द्रमण्दा मह्न क्रम् जार मे सुर द्रम् 205 द) विपय परि सर्हेन हुद है। |देर के दस देन प्र वर्व है सु नार्देद द में देशता होने में में रे टे. में ता लो में अ ब्रेस में ल में रे में में में में प्रेस महोद्राया महोत्य प्राप्त प्राप्त व वेद रहे म मुद्रा है मन्न में मु मेर्दा। नाल है पु ह्या व प्रमुख द प्रम्मा रहिर हो प्रमा । वेर प ल कुल प्रमा प्रमा वेर वित् बब म्बिव हिरे मुल य है ज सूर मुझे महित तमर महे हुए तु धुव है "" विमारक्ष वंश वंश बुद्ध सि.कैल रे. नेश्र विश तथ। पर्ना नेश अ पर्व रह रत में लब सु बद दें। विल सब विद हिन दिन। मनेद हेन के उत्र हैं लट.लट.श्रेंब हे.बबर चेलेल पर्नेशब हे.लर.ब्रेंब.ब्रब्र.ब्रुं कर करा। चेल च्यानेषु अष्ट्रवे कर्ष कर क्रिय वीमेवे. ईषु प्रमूर ब्रम्स २८ लभातर विश तथा. विभेद हेल गुर द्विषा र्याचा विल येंन गुर द्विषाय करन सर्वे उद व्यान हे तहेन हेद'वसन उर र्ट्ट्स य द छ कटन य चुँद'हे'स्र'स्ट समा खु वर् गुरु मनेव हेल व हेश हा। विद गुट प्रस वेरे सु रे हर मेर वेर नेन इय त. केर ग्रेण त्या त्रा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त है। त्या ज्ञा जा प्राप्त न्द म्र रे स् रवे चामा विवास निवास निवास क्रम्याम्बरम्बर्भेत्राने केल प्रम ग्राम्य हे त स्वाप्त सक्र प स्व ने ग्राव न्वात प्रन् वारा वार किल विकास कर्या परि तहे वार हे वार हे दे के रे के रे के द्वा बुक पन दे के कर्म दे दे र र म कर्म कि र म क के कि के न्हें में देश अपित हिंद के व दी। कि के नहीं से स्व महना है। नि महिंद है भ्र. ब्रे इल न्द्र। । स्नियंद्रा केल प्र. ट्रं प्रवेद ब्रे इल ग्रीदा । द्र. भ्रष्टा प्रयः ल'लट'र्न'पहेदा विव र्मन्य'ग्रेस पहन्य द्याचे मु'न्स्य वृद्यार खटा मझ्द य पदिद देस तिम समाञ्चर मार्वे कर् मुर्वे चर पुत्र हे कर् दर स

ल्द्र'परे'हेस'म। ल्द्र'परे वद्(कें' 205 में) जद्र स्वस प्र। श्रम ता सहसायास करावा । कर्रिन्या मेस दे हे देन छ। दिसासहस द्वासायतरा ने वियाम समय केरे मई में एक ग्री तसुल नम स्वाम नमा जैक मर्दे निवस सं सर्वराम है द्रा हम हुं हुंद देद । शुम दमद मिने निव हैं पर लट वाबिवाय है अर विकासकार्द्रकारी ध्वित त कुर बेंका में वैटान . .. पर्वेत च पिट.जय.चेया। हूर्य त की ट्ये.जय पर्वा वंस मिनी. १ थ मुनर दे तर नेद र जन्म हो। । छ द ज व स हैन तह मेह ता । न मूर पह नेय में कि प्रव रूट वर मा । पहेंद रहेर में कि हेद ल ह पर ग्राया खु द लाव दि छ हेना प्रिच भेट ठव नाहे या या मार्च नह से से या मु र ह से वा स प्राप्ति विरायर प्राप्त पार्व पहनाय रि.ल सिंह हेर स्थय है वरावय है पर प्राप्त की । नेतर वापा के किए में पार्त पार्त पार्त के के दि में प्राप्त विश्व म् . बे. टे. ल. वे चे वे ब. अव्याय व्यह्त व्यह्त म् च है हे है के विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय म्नीनार्यास्य प्रदार्थान्य विष्य मियाय मुन्य मित्र क्रैट-प्यार्स्रवायते सी.रसामान्याने प्रमीर पर पश्चमाना सेव पर पन Bd.의 디হ之·디의 디হ, 덫의, 甘, 디노, 위, 역사, 다, 네, 티스, 등 도, 네, 너희와, 근, 촛호, 다., मल्गकाने कि वटा प्रताम मलिकारकार में सा है हा देवा है तर है वर है जिवाय पर्वेट. र्जूच श्रिवयारज्य. पश्चायात्र वाह्य हात्यर जूबायक्य वृत्य हे पश्चर. चसालु : इंग्ला द्रसायदेदाया सर्वेदाय तदी तस श्वाय है । सद् स्वर्थ स्वरं वा व त्यह्रका संस्के प्राप्त निवार निवार प्राप्त निवार में ने बदश मुलाम द्रायते मुलादे का श्रम के लाम मुलाम द्रिय है व्राव्य का स्त पद्यातार्वाश्वानी करामप्यात्राश्वान श्वान्वार्वाश्वा 5'ड्रमबा हेनारहि मेटानु प्रज्ञावा (क. 506 वे) हेब लिय संवेख कु. कूट तालक कटक मिहेश्य दे। (मुन्य हर मूल में स् सर्वेद सेर् स्तर है दर्दर। । मण्य म्वर देव केव वस्त मुख्य प्रमाप्त । । अर मनिष्य के वामया ह्रव.केल.च् ल्रा । १ इर्व में चल्ट्य र.हे.के बचान बेचा) विश्व नर्चा न्न हैं व है व न्न न्य केंद्र स द्ने त्र्द्र हिंद्र स सर हैं देश व न्ने न्य र तपृ क्र चेल के स्न व श पहरितर अस्टावया हैवातयानवटावासीति दें प्रविच्य पर प्रश्रम देव अमेद अर् नाम मान के विकास है हैं प्राप्त हैं र प्राप्त हैं र प्राप्त हैं र प्राप्त निवट है रेव में के त्व विस मह में निविध्या सर है हिरान नर । नरू स हर्न त्र के लिया ने प्रेमिय में प्राचित के के किया में स्वावहर हिया ने प्राचित के किया में स्वावहर हिया ने प्राचित के किया में स्वावहर हिया में स्वावहर हिया में स्वावहर है किया में स्वाव र्ष्ट्र-ब्री-सं. ४५ चढ़ित्या श्र- हूर्यात ही. लय चचया च दासे. ट्रेया च्यापा हुन दु प्यस्य। कु वन्ने खल दने छैर पहुद हेरा पहुँ सार्व सर्व स्त्रा गुर्स मधेल चयायातरालयाचीनेवाय हे.र हेलदामि दची देवा है.मखेवाय त दहें रहा हा. ब्रेंबार्ट्यान्युंबागुः वेष्यः यदायद पुरस्युद्धान हेरस्युराञ्चरे व्या व देरस्ट्याः न्यान । ने हे बातु के दें र एर र दूर प्राप्त । नार के द र वर्ष र वर्ष द वर्ष है र क्ष.ची.अष्ट्र-.तबीता र्रिप इस्त.वी.हूंब.त की.एव.जय.परें किर तहेब.त चर्च में न से है नेव रिष. हैर हर हैं , क्या पढ़िर स में नार पार पार पार प 무지권리 복지면 등 '저도 를 '두다' 등 '전 대학 대학 '명자 등 '저도자' 취 '축자' 렇다' 네다' केव्'अके'क्'वेट द्वापाक्र प्रमुत्र हु सामबेट व व बेरे मु अकेर व्राप्त म्बुन्य मा । न्या म्या द्रापु अरामकु न्यकु नहीं । हिर हिर्दे के

206 म) मुं कंग लब हू केंग्य प्रतार्धिता वि.स.से रेट मेंबर नेहें अ.प्रे व'पबुन्या । न्द्र ग्रैय प्रैव'पक्षपय' दूव म हेन न्द सह्द्या । न्यदः मः चकु'चेद गुरु'से रूट केरे देर सुरेनाय संरुट। तकट.सु स चकु'ड नहेन हे दूर.व.रे.व पश हूर तह.से.विटस तर चड्डस है। च.ते.पेश्वश हूर पदि ब्रामाणी अवेदि छट व वेना मुन् पान्न वस कर नाब्य पर प्रसम् यस'स'मॅद'हे'रॅं सर्टस'न्नल'महे तहेना'हेद'नु सटस मुक्र'न्नल'महे "" न्याया की मुद्दा है निया निया मुद्दि कर् स में माय दिमायार मे मूंदाया किन् ल व्रें म मेना न सुद्य प्राया दे व स्वा क्षेत्र प्राया हुत स्व क्षेत्र क्षेत्र मान प्राया हुत स्व न्द परु पार्रे अपि के स्वर्षेत्र के स्वर्षेत्र के स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्ष 디ુ러 | 불러'다자'여시'회'전는 글고'될'다면자'회학'회학'다음다자'를'회학'용도 본 तर में क्र- तम नेर जिय है जिय दे हिंद रहता निवर नहें माने लिय के मेर शु'ख्य हें 'हे'न्द्र'ह्रस्य सु'में 'च्द्रसंस्ट में 'द्रा ने द्रसं कुल में 'दें मानू लहे प्तान्दु निष्ठे सामा कु विनाप्त । पकु प्राप्त सम्माप्त प्ता देश चैकार्चन्'नु चुँकाने रस्युका सूर्यान्यास्य संकित्याय बुग्काया करिन्या केवाने '''' न्या के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के के कार्य के के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य अर्थट्यताल्ये द्रा वि. त्रं प्रत्यार्मा हे त्र अर है या त्रा । त्रा हे हिंद न्युवान्नु । दिःवकर ठव पकुर तर्मेन्यवर दु पिक्रे कृष्यासु १८व । त्रायास १८व मा त्रायास १८व । बेद्'याक्'द्रेवे पर्वे दें स्तर में बेर हुंवाक् का हेव हुद्'यर रखन्य याह्रस्य " मब्दिन्य महिर्में वाय वियाहे। देशत हैं वाय वामेवाय वय स्थान हैन हैन है पर प्रयाबारा है। स्वराग्नेबा खलाकाम्। ह्रियायुव चे सुव गासुका चुटा परे के प्रकासः। र हु 'केर देव 'केव 'देवाय'गुं 'दें 'अय 'छेय' मादे (कें ' 207 व) भु 'वा बेवाय' ५८ 'ड़े '

विटा। ४ झेट. त्य. केण त्रु विच हैं. झे. विटा पड़ी ने वाय वाय कर च के दे की खा लयामु न्वावाय प्रवा क्रायम हे दे नित्र दे प्रे प्रवेषय अक्र हे व ल वर माई भारे द्वापर विद्याय है इर्व में निहार देव में केरे छे स पहेंचा नाम हैवान निवाद सांस् स नाप्त कर हुवान कु अमा हुत हीव परीया हव अक्षरं द्वेस मक्षरं म मब्दिस । ध्वाय ग्रेस न्द्रि विवस मा व मनर सु भाक्षर मही करेनामा वित तर्वाना हुँ त् तका द्वा नशुक्र द्वार तरि तर बेद् हिं। द्यु भु र्षे माद्र । बर्षेद् शु वे व्यव मार्यव्य व्र मनुद अविश्वत हैंवाम न्द्रत्रन्तामहत्य पराम्यत्य पर म नु म नु हिन्। दे दस्ति व नित्ति है नित्र प्रमानित के में के प्रमानित है है ने इ. अष्टर. १६४ त्वीर प स्वेश्या अटारी त्वेट्या स्वा वि एवं सुर रेथा वेथा पकुर्कर्रित्रेव्यकुर्। हिर न्द्रवर्ग्नर मूर्वित क्रिव पर्वे पर्वे पर्वे श्चित्रानुबन्धुन्थुन्युन्द्वन्य वदः। । कुल्या सुन्द्वन्त्रेन् गुःनुबन्तव क्रवायान्य निक्ता में विष्य में निक्ता में न वि.चत्र.चथ.चर्षट्या वि.चैच के.टेय.विष्ट,चत्र.चर्थ.चर्थराथट.थर.टे.वैट. बद्धार्यर प्रदेशसु रह्मिलाया यहु द बुबाय क्षराया हिसर् वर्गी प्रवद नेवर दे हर अर वहरा वह मिर दे मालव खन जिस के नेमान हे पुर कर। दे वस ण्ट- खुक्'रेट प्र- हा ज़ंक ज़ि दल वृत्व कि तह प्रक्र प्रक्र प्रक्र प्रक्र प्रक्र प्रक्र प्रक्र प्रक्र प्रक्र प तर्ना अट.मू.च्रि.वे.वेट.च्री व्यक्ष्ये चे ईस.स्.प्टीट.चप्ट.खूल पर्दे वेश प. बेद'र्दे। द्वि'द्रः'न्देद श्वेद'त्वु'के'मबेद'सबुद'म। ।मैश्व'क्व'रावेद'रहेद' है 'स.व' 'खेलेबा । रेखेस-रेट. वेच हैट. चेर ही छहा होस. खेस. खेस हो । रेखे. है 'वस इब्रायामदेवाष्ट्रान्यान्त्रिक्षेत्रान्यायुर्वा कुल या कार्या · 현대· 현기적· 현· 207 미) 리험· 및· 지· 현재· 디 제· 미· 등 도 및 드 기 · 현의 최·

ह्रा हित के ति व ति व ति र विवाद देश के विष्य के विवाद के लह नुसाल रेह्र हैं अब के समाना। देहे त वेह्यू व बेर व वुद व हर्ने लर पहरा हे दमा दे में अप उत्तर खेनक पर्में अप केंद्र में अपन केंद्र है में केंद्र अॅंब ६६व म इंबस रेंब महेंब्र प्रमुख मर्झ दिन । वुम क्रेर में समान । वुम गुैं पाई देश हेरा। नर गु देशदायह हेंस र प्रदार नर रेस रेट । यह हेस लन्द्रात्र मानुराद्रापसाद्वसानुःदेश्वर देशालहेदार्व। । पाल घाहेदा पर बुव हैट'नर ८८'वधुदा । १७'केर'६धुन'६८ बुव हैट'रट अँव मुसुवा। चलात्र खल रेपटा क्रिके की मझ केष विष केटारेट पर। चर श्रेमक के केष ८८.७.४.४ चर.८८ भवेंदे.चंध्रायह तान विषान्त विषय क्षां पति हैंस.है... इस्रायाक्षर् । वि.कर लटार्क्ष्वार्विस्रार्टा वेचार्क्ष्टाची इस्रास्रारव्दा विस्र ५ खु र इ इराम बुना नेया वैसार सरार माहितान है सामा सराया महिता परि । खन्याय देटायदावाकायात्रम् न्द्रायायायात्रम् सु हेन्य दर यर है पर्वे प्रद के यान्य म द्राप्त देव है । अप दे द्रवयः खु'र्नेट'र्नु'र्ज्ञुब'द'र्नु'ने अल'रेट'बट'ठेर'वेर्। धुन्नै'र्न्ट'र्डु'र्डन्वार्युः कुर्-पु-षु-स-स-मु-न्वन्य पर्वेद्यायान्य में प्रम्या है प्रमानि पर्वे कुर च्र-दे.क्र-अ.वैट्यंतर.अरूवी लेख.देर.वे.ह.क.लेख.च.रेटा ते.वे.ह. लार्टा द्वाहालाबुबायाचुलाचार्टा नेब्दालक्ष्मुखायार्टा देवायरा मुलामालेबायाम्बुकागुःहेवातुः त्यारामानेदानुः अतामालामान्यान् प्रमान

미용,다고, 최소,다당 맞석,당뇨도 보여 미점점, 회 웹, 디왈보, 결석,당검구,보험선 흡근... □ सःल। देल्टः सु चकुव धेस दिये स्व युव च क लव स्व स्व वृत्ता कराति । 절차는 를 제근로 줬다면 말리 말리 되고 그리는 한 양성 급비성 다고 도착... ... न्दर न्नेर प प्रम्य हे ब्रह्म प्रमः प्रेष व्यव गुम धुना न्हेम वर गर प्रेष म दे 'य द्ये 'ममुक् देव मुक् होय म वेद 'हेस'ग्रुट्या म्बद्'द्यामा श्चराय चलेर ग्रह्मा वर्षाय श्वराय श्वरादेतारु क्रिया स्वायाय महत्वय द कुं स बर् रवर दस दूसाया देवे कुर क कर्रद हुर दु सेर हरा हिर बैट बेट बर के अहल जेट ल्टन चेनेन वे. बैंबे. मेंबे. बे कर बह नेबंस. लव्यक्षा । दे : सं वार देव : कुव : स इव : स होव वा हेवा । हो है : स वार वा वा वा वा वा मैल'इस म्युन दया । अन् मैल'ब्रंस न्नि'त्रम मंबर्ट'रेस सम्याणुरा । र स. व व्या अर वापा रस मि व देर श्रेम के वा मा हि विया व पह सामार व द्र । खुलादेव बढल म यह है। इह अव मुद्दे शुलाखुल वह राहे निक्ष के त्राचिया के वासी विकास के त्राचित के के त्राचित के त्राच के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राच के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राच के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राच के त्राचित के त्राच **ॻॱज़ॻॱॸॖॱढ़ॺॖॎॗ**ॸॺॱॸॗॺॱॻॖऀॱ२ॱॲॱऄॱॺॸॱॻॏॿ॓ॻॺॱय़ॺॱॡॕॿॱॻॿॺॱड़ॿॱॸॆॱॿॿॱॱॱॱ बट.कुरं.ब्रूर.तेबंब त स्वंब विज्.टे.वैट.चट्ट.इ.ध्ट.कैरं.घट्ट.इट.ब्रूब्.... पकुर्'र् श्रेम'पकुर'ग्रेश'ग्रे'कुर'युद्'। **प्रदास्त्रित'यहे'छेर'संखेरा** इद्रमहिद्रप्रिवर्गिक्राविकाप्ट्राट्रवर् द्रिक्षा हिरायात्र विदेश्या विदेश मरामुर। नविष्णमराम्बर्गनिष ८६६ केर्र्राटल मानेर्पर हुल मन्धूल भ्रे.वृद्धराज्ञन्यायायार्थनाञ्चल ञ्चान्यायायायाच्याकृतास्यायाकृतामान्याया मुहेन्:म(क्र. 508 म) क्रूर बर्ट्स है जेबराजबाबीट विट तर एलवाबामा बुनानिता नुबाल ने वरान प्रयानित्याची अप्रयाधिराने स्तान्ति।

로 생기적 다ヺ 팔리 기여리 '듯' 하 말 다 '먹도' '먹중' 효고' 된' 최 리 ' '드리' 최 취 드지 됐…. 미투제제 때다'따도 불도 등'ろ다 뭐' 주저 레마오' 그의 취제' 여자 '파이저 다 뭐다' €'최 다ã 도 역다자'한자'용구'한 蠶이 다 뭐'피클미저 한 축국'이저 줬이 다'茈ㄷ···· लट नकेवा बे.टेकर.ट्यूव.अष्ट्रचात्त्रवे.पची.टट.चैप.क्च चेनेश र ्व.चैंच. कुंबः बल चर्ने द सहरे दे छ । देव श्रेषः स्व स्वरः स्वरः हु वृष्य म र्गेव् अक्रवा यदः मरेः 급.ㅁ ∙효.헟. ㅁㅋ৬, ㅚㄷ, 덫숭, 턻니, ㅁㅜ. 레니시다,占.네서, 휙쉭, 궁석, 녯 흴쉭. पश्चमत्। द्वतः ख्वातः कु वारः भे न न मा श्वतः वदः खिनातः न बिरः प्रवा या स हुः बेट'रुवाणे के'यट'पदिव पुल'हिंदर'पर्ने प विनव'र्द केंद'बर्द्द बहर्' प स झर में स मान परि में मुंद रही मुंदा। दे हे स के स पण में स प **देन**'पुट'पर'ण्यक्त'रेट'। पुत्र'खु'य्य'र्स्ट्र'य्यःप्य'क्रेश'देव'र्स्रहेश्यः ञ्चलाल त्यादा हा याल पह कुवादा स्टब्स्टायाव वाया प्रवास विवास स इमः मनुत्र मुक्षः सरः प्रकः अलः कुः केदः महेत्। दे मन्दिरं दुः रसुरः लःसलः दुः निरामानु ख्रीलासे ख्री हिरामाने हा निष्या महिरामाने हें साम हिरामाने हैं से किया है से किया महिरामा है से किया सर-अन्यायान्याय द्वाय हा सामान्यात् विष्ट्र स्वाय विष्यात् स्वाय 蠶국'역저 죄윦드저'니 허气'니라'뙲'볏私'84'본'다丣'다다장,뭐라'푈어'디자'팬이저'' माने ना विकारिक के विकास विकास के निम्नी के नि मान्दा अल अन्यत सुंख्याञ्चल पहान्द्राह्म म्बन्यान दे न्यानी कुद्रास्त देश'र्थ। । वित्रपर प्रजे श्रीत्र तहेत् प्रति । किर 209 क्) महन्न ति क्रिक्त क्षेत्र क मनुन्द्रिराख्या ।ने न्यायवस्तर्राशस्त्राष्ट्रायरानु तथय्यायामा अर्थुन ल्ह्रेन्'हेन'न्नट'युग्'न्यल'गृक'य'ठॅवन'न्देन्द्र'विवास'व्याह्न

स्ता श्रीसार प्रमाण प्रमण प्रमाण प्र

स्वास्त्रम्तं ग्रीनाविटालावं कवांक्ट हैं से ताष्ठ कां मुंतर में अंदर हो। ।

अत्याः विश्वास्त्रम्तं केवां क्ष्रां केवां केवां

मंश्रुय य नश्रुद्धः के निर्देश महत्त्व के स्थान के स्था के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान

भवादिवास संवास संस्थित पुरा दस राष्ट्राटा प्टाप्टेस्टाक्टा मुवादेटा वसराग प दर प स्वाय अर है। कु गर 5.पहेद.त.बंद ख.तह छ.पहें .प. व मान विमार्श्वम्य मार्ड वन दन स मझ्दामाबुम वसाग्राक्षेत्र विभी विष्दुःः ५२ म ५६ । कु'द्रा'हु'हु' ए ल स्नाय परि' ५ स'खु' मर्सेय कि मा ५६ त स्ता विन'र्सन्य पुटाया विषासु विद केदावि रेसा दसमाय हिंदावि स्माय दे दिटा च बहनाकालाचित्र क्षित्रित्वे पुष्पकाष्ट्रवाकाष्ट्रकार् यर पन् प स्वाय केस सराह्ता । मासुराहेद हो मान प्राय में कें मान के र्षार प्र घर त.पथे.हेर क्रिय वोश्वर क्रि.ध्रेवश्व.त.ल च्र.ष्ट्रपट खेर.लब हेश... य ५८ । कुल वळव् हे 'बॅरे' ५ स्ट कुव् हो नव यव त्य हेवा हे कुर वळ द कु इ.धर.परेचेबारकाके अव.ते चेविष प्रमुचारारेटा। केवारारायेश मेंब चमः तळॅट: रु.मः पव्टः वेटः सुः हेन्यः ग्रैः मबुटः मव्टः चरः श्रद्यः चः खटः श्रयः " वन्द्रावसादे द्वापुटावर चुव हेटा। वाग्रावस्तर के स्ट्राय वास्तर विकार रट'रट'में'' खुल'तु 'श्रं'श्रंदे' श्रंद' ग्रैक' <u>वैक'य' 'लक' देक' यर' 'ल</u>ेल' यर'गुर'हैं।। च्र-दे. द्रेष् अयाप्तायायायाय वापयामाया । मा प्रमानक्षायायायान्याराष्ट्रयः क्ष.चोद्य.चाञ्चना ।मूर्य.ज.केर.चधूद्य.पञ्च.चक्रय.त.र्य.। विथा. हन्यात्रात्रात्रात्र द्वाप्तुद्वापकुद्रात्रह्त्। मुख्यवि खुक्षायास्त्राक्यांच्या न्र कुषा हिलदा है 'केन् 'दें न्या विन कुष्ण विषय विन कुष्ण विषय विन कुष्ण त्र्न् ग्रेस व्रेस हे ले संस्थान भाषा स्थाप क्षेत्र वित् प्राप्त व् व्याप सर के के निर्माण यद्'भेनक्'यर'हुँर प'अर्'प'भ। कॅक्'कुंभ कॅट'यर्द'क्षेक'यि केंद्र' คहअ·न्युन्य'क्कं'लयुन्'खु'के'खब'डूं 'त'ल'ळेंच'ग्री'कुल'में 'युन्'ॡम्(कें 210 व्) वेजले प्राति प्रण्याम् प्रसुत्। प्रप्ता देता हुत । स्ति हुत । स्ति । हुत । स्ति । हुत । स्ति । हुत । स्ति विद्यार ठव देश सु अद्यादि अध्यात विराम सुन्दर विद्याद र महत्र अवस्था सुन्दर 5.वेब.दे.त्रेहे.टे.के.ट्रचीतपुर अट.ची.रंटा सम्ब्राम् वेब.च्राचायामा अक्ष व प्रत्य क्ष्म पर र्याप वेद् र श्रुंब मुंब बे वित्य प्राप्त पर वा वित्र वित्य वित्य वित्र वित्य वित्र वित्य वित्र वित्र

मुं चंदर दे हे केर देर च श्रुंबर पर्ध । दे केर चंदर प्रमान चर्में दे ता चर दे हूं बर प्रमान हे केर चंद्र स्था व स्थर चंद्र प्रमान चर्में दे प्रमान चेंद्र प्रमान चंद्र स्था व स्थर चंद्र प्रमान चंद्र प्रमान चेंद्र प्रमान चंद्र स्था व स्था व

त्य में देव क्षेत्र प्रमानित क्षेत्र क्षेत्र प्रमानित क्षेत्र क्षेत्र प्रमानित क्षेत्र क्षेत्र प्रमानित क्षेत्र क्षे

म् स्वायाकी रेस्याताल सर्व तह रेसर दे तिया विवाह से क कि कि कि कि मूर् भीत्य कु.पूर्ता अर्.व्य थित वर्ष प्रमान है से शृ देशय प पक्ष त . .. लूरं तपु श्रीयय भीव प है. ईश्व क्रीय श्री पष्ट नपुर विवय निव्यत थे। स्था तपुरितर क्ष्य पथ नि ह्रेश अ निय धर रट निटाने मि क्षा था वेशनित हुत म हा चेर तथ मन्। रेन हित ही नबुत तमार बेन हु बल द्य रह हिट. टे. हिट पर पर्वेट हटा। जट हेर हेर हेर हेर हेर हेर वि पर्वे पर देन मुर्म मुद्रम्य मन्तर्ते। हे सुर्ता महासुर क्रम मान्द्रे बला । न्तुस'याव्य वे केरे देवा'चेन्। । कुव'केवा'टेस'म€न सर्केट हेव दसका । बल नव्द व्य वे न्युट्य पर सहि। । देया पा हर वेन सर बल द्युयाया वस के देना है नार्स देना रूप पढ़िव में साहव वस पुरा पढ़व देवत देवा मब्रेब् मुद्दा हो। दे मब्रेग्गलट खुकाणुट का मुका सका हुना मा वा हा हा से मुका का पश्चर प्रसःरम् चिम्। वस्रसःरु प्रहूर नुःदुमःपदि कर् स है।क्रसःग्रुसः ह्य. दे. १. ह्य. के. अष्ट्र. भन्न परेट. हु. पश्चातप्टा अर्थ. रसा श्वेत. मैदा र्वेर कुल पुरु खुदा यन पुरु हो। कदल परि प्रदेश हेव पुरु हो बार द परुप्'द्रवस्पापरुष्'व्याकेर'पश्चिपसायात्। वृष्'वर'द्रष्'य परेष् ता. १८ था तथा है . जुना तही जुना वर्षा के . ता. द का के . ता. व के . ता. व के . ता. व के . ता. व के . ता. डेस'वान्या दे'द्य'द्यात'र्में ह'वर्ष्य'त्रद'र्मे हैं हा स्न्यार स घर घुटा। करा देशाचि त चैरावह के निष्ठेना रहिन्य व सार बराव वा है। सामेदा "" रदा वर्षायक्षय वास्त्राचन्त्र अवरायन्त्र हेर् हेर् हेर् हेर् चक्च नदःच वृदःच क्षे अव जिव वर्षे नवा ।विच वह ना दि चक् कि के च है. तम्। ल. च हे दे. च में अ. दे थ. श्वर. खूच च. है. दे अथ. ग्रुथ. ७ वेट अ. तथ. है ल (क्र. 211 व) १८ छे । वेर पुना वा दे देव पूर्व र एवं र एवं वा वे वा वे वा वे वा वे **ढेव**ंच चुटायां कंटवासवारटा मैं सु हु 'द्र मुदे 'यद्र मृदे ' सु सामानिता

रेल झर पा व मेर मे पि पि किया हिल राम में पा के पर मकुंद केद म प्रा देख कुंद नेस सु वद स सम्मा ५ मार माहेस हुँदा स विर ४ हर्षा ४ ट्रें पथ मुँ दाने दी। च मूल ४ मुँ भुवा मुवाय य पनि । स्था क्रम्य पर पर्यं त पर्वेश त बुंश.वै.पष्ट बेबेट.क्रवं.त् पश्चश ह्या । अ. विदेव प्रह्मा अवाय है जब छुर वर्मी १२ इ व्हेंब २.र में ज स्वीया। 로드'줬드 레디저 디저 젊식'두밀두 예영도 러드'다중러지! [젊제'러 전미 다운 토드' अदि: केद म दें दें प्राणी से मिल्द लहुण । अग दण दण हु के जी हा सदल मकेंग न्द लक्षुरे लग म संग्र य मन्द केद ने न्य सं संस पालुद केद लेप " म हिन्य व्या हित हर है। दें हिर लट महेल मुच लला के तह्द पति रेमा मुंद तदे वे कटल पत्र सर् रेल खु मन् दे। देश कुर खल गु नेदे कुल घर श्रे इसस ल मन्द्री। बेसारयन्य सार गूरमेरे बूटय स महार्पुर हेंग सर मुटायर पन्ता रे दल रेम कुरारधेल हे अदार्धर कुर्राचेर कु सकें रहिदाय इटार्सेट निबेटाल मुक्तिमी है। है। सन्ति। श्रान्ति। सन्ति। सन्ति। सन्ति। रता चार्य पहूर्व प स्वायारी स विदायमा विदायमा सुरा विया स्वापित यं दिन ब्रेन वे ने नियम हेव निर्मान न व व व व व व व व न न । हेना हिन् गुव्'के पन्यां में इन क्रिंग्ज़ रे हिन्या अध्याद्वा र राया देव प चुटान देस धुदार्धर ग्री नव्हदानहरू राज्या है सामा निकास है दे हैं। मकुर्म अव प केव'य'र्मल स्व वनाम। रिल मका केन नर्म ठव'ता ना द्रब. क्रव रतिर. योवना प्रह्मात चरमारे नाता क्री. श्रुट. रेट हिंब. त विट.। मद्रियाम स्वान्य यह मु कद्याया देवे मु (कं 211 म) न्यद्र सुन् केव म् अ केट हे. १ व.मे अनियात कृष्ट्र स्मिन्य ता नुस्य मिन्य प्रित के क्रमिया 마루셔'다 저트 5! 마루막'따드'도드'ろ드'라다지'다' 축하지 한지 최적' 두달두 한

पिष्ठसाय दे। हेंदायसारिया सर्मित् स्वाम ह्या तीर पीसिया । ने के कुद ने स न बेंद दुव न बेंद सन्त पुरा। । প্লব শু বৃশ स सुकूर महद मि. हवा ४ ट्रेंटी । वट्ना क्यांनी हुँद्राया भूगुति द्वराध्यायम् ४ विराधार्यः मृष्यं श्री प्रदेश न प्रताम देश ती.प्रियानर श्रेष प्रतानी श्रीव.र्ट अथ. प्तर में न्युन व संज्ञ प शुर'बन रख पन्ना व्रॉड प्र न्ने श्रूट क्सस गुः अव म्हा स मही स नुका कु । इत कि नु । इत कि नु । इत कि नु । पर्वाचार्या है और रहें पर पर प्रावेदाय देश स हर हे गु र स्वाव प्ता भेदार्ने ना विषय की महुदायार्से नावाद्या सुरस्य खुदा अर स्नावा त्रः। इ'पते श्चवाय विवायामातामाताम्याच्यापात्रः देवे व्यापात्रः विवाया निर्देशन्यार्थस्यो होत्यादि रन्य रेअप्यवस्य पुरायायेदा देवस्य है। न्त्रेर हर्र्न्त्रायान्त्रुट्यायहे के हिंद् मुद्दायात्र्वा यहे रुवा के स्वर् द्या केव 'नाई ना हॅ र वव मुै 'मझव 'या ता सत्य मुक्त है र हिन्द्र मुँ मु मुद्दे । क. ४ प्राचया से . वीर. प्राचय में से वे . पा क्षेत्र में . र ला प ४ हर्वे . पा ल विवस्ता लाबान्यायर पुराप देवारा है निया है निय है निया बुक्र-चु-घ-ल ब्रवाक्र-ब्रु:ग्वा-६न्। के.च-कु-द्वा-हु-ल्बुर-घ-लव। स्क्र-**३५'कुक'य'५न्'गुट'ऄॕ॒ढ़'अ'ऄॕट'५यॅ६'२८४'य'८९६्'ऄॖक़'**५ट**ॱऄॕ**ट'मै'ॶज़**क़''** हर प्रतिर हित है जा देवया पश्चिर विश्व प्रति । विष् विश्व ११२ वि मानतार में में अर्के त्या देयावा सेमया व्याप्त में मान में मान मान में मान मान में मान मान मान मान मान मान मान प्र- मह्मामाध्ये । देवार्वाया मह्ना तेवा कुरिया निमा प्रमाधि द्वा

स्वाय ह्व.विट. पध् । पट् क्य पश्चेश त र इ.२। । व्यास्वाय रेटेश हिते मुद्र हिल सुर व्याय यरम य दर। र दुन र रिते हैं किन। अन दर इव कुवं वे कुवं मी भी तिल चवट टवं स्ववं रवंब त द्व रट। भूव दे. RBवार हैव'रिवेगल उटा। IBर धर रे'दे संगित सबरा । देस संगय नुसामलेर ब्र म्रांम् ह्र दियारे ह्राय रण्य म द्रम म्राह्म स्था न्सामी तिवर प्राप्त मिता निस पर्ताम व अवसामी क्रमाय देवाय वर्षातान र देव इस. मुद्द प देव तारेबालय किर त है। । ब्रेस. स्वेय लेस कवेस तप् हिम न्दा हुद तह अस सब के सुर म न्या हु रम हु रम हु रम है अदर न्द वि'च न्वा के अविकासि न्या । दिव अवाय के वह वे अव प्रेन रहेत हिल नहा। एक त्रिक्त प्रमान केंद्र व्यक्त केंद्र व्यक्त केंद्र व्यक्त केंद्र विक्र केंद्र क है। । देश अवस प्रमुख मास अवस म सुद म दृदा। वार्ष मिन प्रमुख मिन दिया मञ्जू लेक्'न्म । ह्वाबाक्याने पर महत् महिल हिंस संग्र न्म। ह्वा नद्रव गुःत्यं द्वारं वावः नव्यः य द्वार गुट् केरे देवा ग्रेट् प्राः । तर्प् परि'पङ्ग्'पर्वसार्वम्य रेगाचेत् क्यस ८८ में पङ्ग्रावसाम्युटसाराधिवामा ण्ब्र प्यटःण्येन हे प्येन रबर घेरे कुर संग्यान या गुटाख्र केण्या गु ब्रा मार्खान नद । महुन् भेव गुरुषा सर्हेव रहेर सुर मारुष्य म सदाहा। । हेवामा ब्लाचब्नुस पार्नेते के 'हें 'लहें नाने कुलाय 'प्यूटि हैं दायते हा शुद्राप कुद्राा नेयाणी सु'न्दा देवे क्षेप स वह देवे देवे के द' सं 'न विवाद मान विवाद के सम र्द्यापर श्रुव्य केव्यर्भान्याम् पर्द्याम् पर्द्याम् पर्द्याम् अ.से.तंब ह्या किट.ते.संब है.चर्चर.त.जवा श्चर (थू. 515 च) ही बर्चर खे. स्. पत्रे है। विश्व प्रमुद्र पत्र देर पत्र विषय पत्र के दिवस हैन पद्ध स्वायः मञ्जू में 'बेल'म' हैन ने वर्ष पातर बूट'रें । । देव केव बुटल पाते व्यापत म्बाल पहेव'वया अिटानेबे'रदी'य दय ह्राया अहार हा विदायाना

ख्रि सह पश्च पह हुं में में साम स्था क्ष्म मान प्रेम स्था प्रमा स्था मान स

न्युअयलन्युमा तयन्य छुल ८८। । कु द्वा ८८। । वि द्वा ८८। । वि द्वा ८८। । वि द्वा ८८। । वि द्वा ८८। ।

र्त्य है। रे.ह्य है अ शुर् पर पहिंच पुत रहा। रियम्ब सम हिर प पकु प म र्मिय अहर। किल प तहन हेन मु केन प देते हेन स त्यन्त स्त वृत्य द्वाप कृ साम्व की रेनाय स्त कुट पर क्षवाय के अ खुट नमान्त्रियार मुन पर मुब्द पुर गुर पद सम पन पन दि है पदि न कहा "" नस्ति, पुत्राम ल श्रवाम राम । या त्यान निवास ला श्रा व्यापदा है के पह की क्रमाय श्रे. महर् महर्ष अहर जना किर. श्रेट मुख मध् से मानव रेटा । माहन व्ययानिकायते श्रवाय प्राप्त । विद्येण यार्वे ग्याये राम क्रिंग साम्बा वर् न्युसरहिनाहिन पद नद्या)। देश मन्दर्भ दे। । तथन्य म शु खुन ब्नियं गुरु हत् वें प्लित इस्य ल महेव वस हुर म मकुरा। सन्य वित्य व्यापक्षे प्रते अर् किन्य यु पर्द पा है जा सिरे के न । श्रुव (के 213 व्) व्यव यति देवाया प्रति क क्षुराय देव केव खेटाया प्रेर त्युर न्दर्दि हुँराम देवल सहर र्। ।मृ'र्य युन्यर्गे धन्यवि परि मं कून क्षय थी। यर स्वीत की.एव अरे राष्ट्र किला क्षय रावट हीव की लट हिंद म्मा प्रमाणिक केंद्र हेद्र देश देश मेरि कुर् प्रमाणिक अव केना मार्थ मेरि

मुन् में नाग तथनाय सम शुर हत्य सर यह समन दें। । विन सर महेर पर्ध हुँद ए ज़ियाल पर्वेस ता। । सम्बन्ध रेचे पर्ध मक्षेत्र देस पर्वे पक्षेत्र क्या लयं जाने चमिर तत्र क्षित अहर ताला । या च अहर रे ने व उन्तार त ह बेर पुरु । पार्स न्धुन ग्रै गृबुन वस्त हन सम विन सर नु गुर हैन क्षा मा र = रिट ख्रा बार प्रति पर्वेच पर्वेश ईशक है। ज्यान परि क हैं। म्र मह्म मा इस मार के हमा यु नि हित हित हम हम महम की हमा नासुका पासुका। पर बेटे युल पु इस पासुका पु ५ नो स्विदः श्चित पर देश में स तर प्रसेश त पर् पर्मेर रेट रें प तर पान पर्मेर त बेस च चह मध्य महस्य मेल ममु दर है शु अर म तर् श्चर म त्ने तर्व मंबद्दापुर में क्षेत्र में प्रमातका। स्थान मान स्थान मक्ष्य में क्स मारल प्र स्व म देल सहरा विदे हिंद प्रव प्रव में प्र महिना से मुद्रमा अपन्यः म क्षय गुरु गुद्र न्युर मुद्रित सहर। प्र क्षर। देन न्यंवः गुद क्रुंद र में मद्रमा । महि गा दे दलमा ने मद्रमा । सहस स रेंद स्द क्ष मु पद्म द्राय स्व व विल' अद में पद्म । देख' म्याय य दे 'हैं द मु रत्ये बेट ल ने प्रति प्रति विषय विषय मि अस्ति। देव श्रित अपि. किर खुल नु कुद म द्वाल के द द ने वर्ष य मकु द देव दव श्वव यत्य। हा न स अर्द वर द्वार वस कुल र ग्रेस केन देव हा चेर। श्रेव केट चुर मर्ग्य में हैंर देश म महत्र अहरी हे बन मर्गेट.हे.तेर हे रेमल रिब. लक छेत छै मुख्य द्वा दयल व हा द्वाल द्वाल छेत दल य द्वा । छला केंद्र (के 213 म) गुन्र रहें रद प्रवृत्र रेंद्र रायर हेंद्र। विस्ता रहेंसस म्ब द्वे प क्द वळ 'चेद गुव। । अबु'ठव हैंग एव हु हे ळे पहंद'हे। । समस-द्वा द्र अर्क्षेष्र द्रदूर्व व्या । सि केद देव प्रस्त देश के मर्नेरी । द्रवात केर हो । बदा हैं व बेबा त्या व प्र. होर बेंच तथा है।

न्नातःल खुना टा झनार को अळव नावव अट वस्त है। ।

पार्थेश त्रा के बच लिल टें इंबर देव सहच बस चाब्दा । विद्या पर कुल हिंद देशल गुँल रेश पर पडला। 15 दम ने पुल रु हेमर एवं चुं अहुन दल पञ्चर'ह्युल परि कुल ब्लॅंदि'इसल गुंल देस पर पहलल परि कुल कु केर कु विणा मी झुव य आपल यल कहार यह झुव कुं होट पाले प्लर हकुर र लाय मुद्र है। उद्र वाळेंद रहा श्रीय दा। मु दम मुला म है ए छ दर म झ रु दें के सर पि पक्र में प्रम के पक्ष मार मार मिर पर मर्र या विकेश न्वान्य पुरा द्रा भी ने विन अर पुरा के द्राय गुरा के नेय पर न्द्राय म ब्र मुं कु अळब पञ्चपना दे हेल बेर पुर कुल येल नेर पर है धूल मुं र षु'बेस'र ए म व मानस म ने में म पु मानूर मस'हु'हे बेंस'यानस। देस र माद्रियासके अर्प अहर। दे वर पीट अर्व मान क्षेत्र सुके गुम श्रुव स अवसा तरा गुरावस वर्षे ति वह निहेस या विनानितराय नि वे महिते के ने कुषायम बहरा दे हे या थे हैं सिंह है खेरा भीव में बाबस म देगा सरें पर खेरा वे क्ष रत मूंल लेतु ह मार्डम म सहर। मूंत स देव हे बा प्र हे दे हैं है इत इत रत रे. हे. बुबाने तप श्रेय ताम्रेय सेवेश स्वेश हत कर् मृ श्चर म अपयाम रूप मालुप के कुरानु व मुँदाकेद धुयाकेद मुँ कुल रमया। मही'य नेंद्र से हेंद्र देंद्र देश श्चर दतेंद्र भी महेंद्र महेंच केंद्र में महेंचल नथरानियान्त्रेव क्रवान्त्र स्वार्टिनियार स्रेटाहा।

इस्टर्ण में त्वर तियेश देशक्रित । १२. पट. तृ. ह . स्वीस जीव प्रति

प्रकास कर। ।आविस कर प्रमुख पार्थ सू का रे ह किर। ।तूर पश्रे सूध मिरे मु रेट ल एक मेट मेंट हिंस झुद हैन है गुलुट पड़्निस प ह नट न हू ने पन महिल मि महिल जैस महुरा कु मर बस ह न हु हा क बमा बस वृद सि इता ह जेना दल मा ले दुल देश पुर परे ज्ञदारा नासुल श्रुद हिन्स। प्ति चेच च ते. कु.किटा कि टेनिट बूर.ती अचू.रूट घर्न स स्चेच घर्ने । भैंद म में बें अ में संबंध के पहुंच सार अधूर क बंध से म जे में ब कुर.... मासुक मु प्राप्ट रु मानाय म मुका मा ते र बुका थ कहें र देव अव प्राप्ट रेनाय मकृ । अंत लग् क्रमणे र्याकु र्याकु अंतवार कुर मेर मेर हरा हिर पर अब हैंस में पहिन् स्पाय देशस के मह स के मेंद परिता हिट. में हैं हैं रिट मृष्याता के सेंगानर बोजरा १ यो पा हैं र प्यार स्वाय केंग्र पहेंगा हिंस की लिल बन्न में के दब म ने लि ने में मह शिव मा अधिका म मार्गीय बना ही हर . मग्र हे अ गेर्वेश ने मक्षे मुद्दी विश्व भूट श्रुवे ताप्त मेशर मुद्र में. क्य तर धूर रत। ज तेश ध्रीय त हे ये लट हेय है रिवृट त्। वर्ष्यात. क्ष.मु.८घर क्ट.स्याय.तश्चया मे बेबे.तु बेबेटा.टे.घ तर्ह्वेरा चेबेबे.लट. क्ष किर स्वाय अट रे वेंट घर बेवाय ब्रेट.रेड वे चकैर प वृ.ह. बुंबावड .. श्चर्याय देशम वृत्या ५ मिटार्ट वृत्याय स्वाय स्वाय यास्य या वित्य वा नाम् रतिरं नायर ४ र्चेर. केशय है ट्रं हैट. त्र धट्य त सून्य. दें हि खेय है. वरिंगलुद केंद्र वह समा इं केंद्रे द्वा र्युगल वहिन मु व दिन ने सें स सुर নৰুণ্ৰ । এর ব্যুব্ শু প্ৰুব । এই বেই আই ব্ৰুপ শুপ্ৰ হা। । (জ 214 र्सत्य प्रवास निवास के विटार्ट्र वर्ष विषयानिवास प्रवास । क्र कुल वि'र्स्ट 'हेल 'पठव 'ग्रैय कुल होन र्येण कर क्रिट परि 'न्य हा कु'नर

मैं भ ५ है झेंद त कद ते पायुंब बल रहिंब त ल ह्या पह हाम पायुंब ज्वाना ने नाबुक पर्येक क्वा प्रवस्य स्थिति स्थापिक प्राप्त स्थापिक स् मझेब पर्या रेव केव मुन्य प देव प प प व व है है है ति हिर स र वेल म . . लब जान रह महब महि मबुह केद म मुना हद म में म न रह सुन रू मुंब कि यक्ष जार्यक्ष तथ भूर जा भ हुए ती है कि अर रेटा हे मिल स् ल खील पना कुल प्र वि वि विन हिंद रामर नु माना कु नाम कर्ने हे देवा । मुल ह्रिंद न्यान्य पार्वेश पर्देशय ता के पा हुय प्र कुछ सहूर हो। अव.जना. महित् के तिवेदा हैं दिव त्येत य है हिर दमद्या वद हर हिंद या नाश्चरःच कुल म्राल निरंभव तह श्रूर नेन्य अल र्ट घड्य व वहीर। अ केरे ब्रुन् स अवत पहेंने हा ब्रुव् न्यु पुँद्राध स्वाय ब्रैन् प्य न्येद्रायरे "" मन् मुँगायेव त। कुल में दे केंच्या नेवानु । मुहेशाय देवा वा न्युन् त श्चरत भाष्य रेती कूल ल हिर् सूचा कुस.मर्चाछ सङ्ग्रस्यां मिषु ते ती. बुधे. वा बराबराने ए सर सम्बा करानी समानिया विराधि हमा इ. भट. त्र वाच्चवा ८. वंद स. वं. के श्रियाल त्यां वा के कृत या वास्या वीता मुद्रे मर्गर हैर अवसात हैस.कैल.विश्व कंट्र अर. स्व कुर्म. हैल ही चंबेंस. .. च अथ ने हे ल खेल च रंद जूल च डिंग्या वि. खेंद च से. कु अहमा मुं. पर्केष.ग्रीश.हातस तस धर.स्वर.प्रखे.यस श्रेष त प्रग्रेच तस मेखर भ ग्रेये। मु वनावस हिंद मालुस माद या मुँदा सासारु मास य दानार संस्था में सुन से चे.च च अवल वेश चेल. त्र.ल क्षेत्र. खें (क्ष. 512 वे) तेल ब्रेट. च बेंच केट नाव्या भवर पढ़ी. बंध भू चे बेध कुष भूष कूरे. तथ अवर पढ़ी. हैं स. बंधेश. वंस. तर . . महना नामर हूर याक मिर्मार नायर पर्वे पर्वेर थ अर्थर प्रकृष् ताक्ष्म वित्रह । । विर्म्य हेन श्रव प्वत्र मन्त्र मन्त्र मत इ.प्र. ह अवत पर्व मि मि कर में द र वंशक्य प्रमें हिया मक्री त सर्धित त लुब हूं। । अवध् तबु विश्व ह कुळ केल म श्री विश्व हैं। विश्व प्रदेश तबु विश्व ह कुळ केल म श्री विश्व हैं। विश्व प्रदेश तबु विश्व के ति विश्व के त

मिन्न मिन के प्रति के पित्र के पित्र के पित्र के प्रति विकास पवट : यं व पकु द व हो स व स्वा । स ई ट झर् य हा प खे तर प कु द रें। । बिट. बुच रं अ वर्ष चे जे. ह्या च व ह्याया । चूर मुँ च बर वर २०१ ई अह विन सर मेंबा । पहन पा छे पर एडे मिन के हे हैं प क्रें चर ल्र.वं.च रेंग्रेच वे हब.कुब.ल्यांच ग्रेच लब लच पचिर तह क्रेंट च्..... 다듬색,다.스는 모든 상실에! 교육적. 그리고 교육도 다 없네서 뭐 . 비율는 된 통생.다. चर्ने मुख्यान्य पात्रा पार्थः विश्व मित्र मित् कुछ तह २.इ.वह व.ल नेश्रर बटानके.विल वेश लव जन पकेर त पश्चनश श्चिम असरानु प्रमृत्युद्धान्य मुद्द स्रह्म स्त्र सेराने स्त्री मन वि ये नेत्र स्पृद्धाः नव्या अट. भव. ला । यट प्र भव. नर्व. हेर. भव. त भव नव है। देते बटावयागुटाबटायाबाव्यानेटायेव तय के प्यत (के 215 प) द्युया महराम् अवाय वाय कर मुकामहुनका छन पर कर हे हैं या य मिंबुदा रज्ञ ह्र स्वायायर प्रदर्श अयापकुर प्रदेश कर हे वर ह्रव दिन प्रमाहित र्वतासायकर वर्षात क्रमार वीतायालय तेव संग्र महर्। श्रवामार महिन वसःग्रह्मा दिन्दा अर्थेव देशा विवाहित प्रताहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित

बूँ विश्व से क्षेत्र एता। यह जू छून श्रांत क बंद यह व कुंब रच हुद भीन कु हुँव ज्ञाल स केल रा देल प्य विम कु ग्र हे हे । सक्रा देल गुर किन क नामल पर अहर हैर नाम हैन महेर में रूट मूट में बह नाम ही में दे दे अभू र ता मर्जेरा कट बट बिट तब ह्या वेट श्रदा चेता चेता से हिंदा माणु र्वेण मुन्य थे। देश मुद्द धंद पृष्ठ अभेद संया मनुद दे अर्दर व स केव देव केव मनद नै मगर देव सब मद ग्रे हुन म न्वव सव ठव ' व्यथ कर ब्रेच अर ब्रेथ हा। । श्रांचय त श रेचेर बेवंय तथट हे ल घड़ेरी। मॅं पुरेश महस्र मिल क सर्वर प्यस संग्री पुरा में ह द द मुख्य नाहर पु अपन्य त श रेगीर बावाय त तिंद है। श्रीर की शवय ए वाले दे वालाय की दा। रूरि अर में हे हे अंस श्रेवा दिये देंद सब्द पखें। पर में सामकारा प्राप्त र्वन कु नर र है। अ १न व जनका सद है कुल या है न कु अन्य स ने इ.सेर हो। उचा त क्र अटा कर इ सेचा ल ट्वार वार्थ अहे हे ट्वा कट. ल केव की चन्द कुव ल चहेव च लेव हैटा। दे इसल दट मृबद दन वेंद कु अधिय तथ. पश्चित प्रत्ये क क हिर विट च दे अध्य लय हा । बिट हेंदे. हूर हूर मेरेस मैट एलनेस लिए हुरी । चिनेर त स श्रीय नेबेट चिर्धांत्र हुन, लश में था। । लर शिट, में बट, हूंने बड़ नहीं थनर रेट। क. जिट. पं मूर् मूर् र्लेष कक्ष्म मुनल महेल जुट क्र के श्रुव पा स स स्नु क्र के ... नर.रे.हैवा इ अथ व.पर्र टट.ब्रूट.वर्ड अ वे.च रटा वि(क्र. 516 ब) अथ वश्य कर अब्रिय स सेंहूं स अहता अव लता सक्ये स आवश्यतर. पश्चमम दस ब्रामीसमाबुदारी केरामी प्रिट्र त्रील य हा पर रेर्ने नेरा 선내석 다음하시 월다 와 단 이상 에마셔. 쾰룩 '의 모스 다고 ẫ드 | 출스 출석. 회사. न्युन् प्रस्य द्वारेव माळेव सिटायान्य मुख्य वक्त परुषावहर्षिक मुख्य इन् वर्षरम् ताल निवट है। हेर लय क्षेत्र । विद निव निव निव करे हिर नि

न्बर भर न्य न्युन् के खेन्य सु न्रिन्य स स न्य सर् रहूर न्युन न्यून द्या वि मार्थका वि सि.जू दृष्ट छ नेश भीनर र मूंह देन अप ही मीनश्य न। माय में दे म रहूते दूर मकु द मतु द है है विन्य मा चुम के व के कि विव मते ५६० हुते हुँर पर पाबुद स्र पासुस संपाय ५८। पानेर सरे छुँपाय भेद रु बर लट. बैट बर वर्षेत्रस्य वा रूर प्रतिष्ठ क्रूस मान्य पूर्व त् रेस क्षा मी। मत्त है सुस केव ल हुँद दसर म द्रा । । मु मद रूर मेंद्र मत्त हैर महिन् तेव क्रेरा । गु व अव म में व में ल त्युव न मा । र व ने में ल अव अव इस अद्या परि देवाल। इस्त व स्वा अत् वाल पालेर न्या ने का । या नुपल हैंव बद्दाम् प्र प्र ति हैं व वह था। 18दार ल है वार्श्य पन क्रवाय वार्थ देते न्ता क्रमान्यतार् इता क्षेत्र वित्र क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या वित्र यत् ह्या मन् है सुका हर नि । अर व हिर केन अव भेद भेद हैर । रहुर पहेर वस हुट मेर पर्त है वसा । ईर हिट क्स तपर पर्छ पहेस मिट दिन । विट मूर्ट कुल मेरे रेल ए दगर दलर दन। । पुर श्रव पर्द हु एक बार्य प्राप्त पर्ने शिर । । वर्टिट हु, कु तेश बार्य क्य क्वांय शिर. बदा। दिसादायातापहेर के परिवसात हैस विदाहर हैन भेद हैं अर पन 여숙도 해외요 두백 젊다.정 최 씨도'본' | (해 216 □)

केंद्र मा जयम मा क्षेत्र दे में जी जीता मा बहुल महे देव में माईस हिंद तित्य अव णि सि अ १८ श्रेव परि पाचुपाय खु सुत्य प अव या। सूट हुता हम 5 लह्य तथ श्रीट गुव रु हु लहुल गुंब बेचल। 🛮 🖰 पर लबनाब सुल 5 क्ष मिन वस अधिर प्रमुद्ध मिन्न म्र राग कि हैंद यह सब 어머 다활는 뭐 본도 용도,뗏 보네 덫양 휄스 됐네요 비스워서 다양 네성도 対策신 7551 प्वद यद ह दद केरे इद्र केद में इक्ष दूरेय सु अहम दस न्य न्युन् के नान्यक य यक्ष्या तह्य हिन न्य के त सन्य हिन न्य चडम'यदे खुल गुद कुँ अद टम ८८ अण्य गुत इसल गुँ म्द्रस्य धर्द चहुद हिन्य वस मु किर ईन त अब तम पर्मु परि हैन में तर्म प नन लेख नन म्पुष्ट प्रमाण कार्य कार्य । भी कृष्ट और जिस्ति में प्रमार न प्रमाण की क भ विषय पर्य प्रकारी अधिर छ। पश्चिम प्रकार विषय विषय विषय विषय ह्य चर्चातिर हु हैट. त लय जा चयेर त वेश्ट. च अर टर्व व कैंट कुर. मदी। कुन क्र'मनुन हे मुस्र मा क लग लगत दीन महस् सहन्। वुद भूट त्यंत्र रिति रट । विर.तर श्रीण त अष्ट्रत रट निरं,तर श्रीय भ वेश हेर. ल. पुत्र प्रीचेट साल वीयर स हैरा ह्येवा में कूस अंतर क्रिंग स्थार हे मैर सब्धे हैरा. हुना-८८ पदमान प्रवाह नोहेस सी वर्गात कीय चरेन दय चत्रेल। अधर सी. लुका अ हार म पर श्रुव परि जुल प्रे दि दि र (कि 217 व) माने प्रक का । दि हेर मेर चही ल चनार रिट चहेर चहेर निह न निर्देश । निहेश गर पर्ने या चहेन पर्म भरदार में प्रमान के नहन पर विषय में है, केर, बे, कैंश चधु चर्ना । बंद केर महेर अह, कैंब। चंत्रद्र न केर, बे, चेंखे. विन पार्वेट में नवेट ट्रांट्ट प वेट लेगम पट है मन ये है पक्ष्याप वे के हिन् लया समास्त्र के के ना सेन् या भिना है। नय में मेन समा केला चप्र १व ब्रुक,त्त रेच इ.कुर् क्र्य,क्र्य,स्चल,रेट । क्र्य,धरा चेट,ख्र्य,क्रि,

पर् पर्वेष.त ४ घर हुन सूर्यंत्र भी जिंद तृश मीत हुद। योद बच अष्ट्र्य रेशव. बेर पर धर ब्राम मेर रर मे ब्रुप यह माजुर सुनाय र्थाय थ्र कुर पही न्त मर्द्रिय म मृत्य हव मुँ वृत्य सु म मुत्त परे धुर न्त । मिश्रेस पत्र ह्ये रूथ.स्था तप् चीट्र बी त अरूर पुंच ग्रीय. ६ व २ व विंट्य रंख चीले. ह्या दा ल मान्द्र धारम के तमाय ने तमेल कनाय धार धेर दर। मासुक ध ने हैंद विन में वि कुष देश मेंस वहेव हेद यह दूर रह नहरू है नहरू यर व वर कुर रद स मह्नाय व हे भूर तथर धर सुच धर धुर रें। । सब बेब म धु क लमुद्द लुद्द में व्यक्ति । अब यह कद यहं व ममुद्द हिंद कद में गुद्दा । वित्य अव स्व बेर भी में देवर स्था । ब्रिस दश वीचाय के अरस क्रीय क्रथ प्रतिट मुक्ता । स्यापेव वीशल यश पूर विश्व थेर प्रयूर शहरी । विश्व रिल्टा यान् के दे हिंद झर बर वालुब दु हिंद व वाव्य मुँ न्र व द्र यदे ... हेल स सर मुद्रामते ध्रुव मते कद महेंग हे मकुर बहेव मुद्र रद कर केर गुम गुर्द म ह्य दें भेर में। पुम हिम ह्य द्वार से मान मान के न मह बाउँचा ना वट वंशाबादस्यात स्ट्राय शे. ह्वाय ता शेव हूव हा नेशाबादिय । " किंद चलु है र. हे ज क. लगे रेट च २४. तह चर्मर च चना मिले. ह्र्म प्रतिश्र अटा इ ह जनम लंद अम्ब हा निट हे रेतान लंद प्रकू ने र स्वाय क. ନ୍ତିର କୁଁର ଜ(ଊଁ 217 ଘ)ରସିଜ ଅଧିର ଅଧିର ଅଧିର। ଅଧିର ଅଧିର ମିଟ.. तालच हवाय तिय. कुव त्राईक कैल बेबाय मनटा। स्थ शुरु है अ। है निदेय. पण नेश द्वाल प्रचटा। प्रवृत्वसम् नेश मुल सक्त क्षेत्र मुल प्रक्त मुल मुल प्रकृत र जेल क्रिन देवैन हेबे. बचकार्ने स बहर दे. वैट. लेचेस. बुंब. तह ब्रॉल. चहरी 따드' 크지 레디지'만 전' 좌용의 용도' 본'은 다 미만 전비'디자' 두전다 정'은지 정'…. नदित सेर केर पहुरे ने हरा शिक्षेति सूरा है न इट पहुल स्वाय श्चर्र निबंद, अर. मू. अहरी श्वित, अ हुर्य, श्वित्य, बिन्य, ता. चकुर, श्वाय टे अप्र.

वुन पत् चुन पर कृत सरा ज्ञान केन य हा के के नवता सह हान अपित कुरी तेर.त् त्रे कुर्य स्वीय अपियात अट.त्यालाव क के कुर ज्याय प्रम् एक्षा प है अ पश्चित है है स बिट प्रमें प बेर सेवं य पहुर... क्रेव प्यान्स्र रेन ने निबंद अने प्रकट है। या क्रेक प्र बंध प्राप्त स्योश स्था क. अट. त्र. अहरी हेर्या में कैंद ल बेर ले संख्या था। पुर नुर मु देद र्स् ल तहेद प पर अ कर 'रु 'पुर पिते दर पुन में रु दे हैं "" मान्य के म है' है द सम्य मुल' मु अकेंस मुद्द र में य में हिंद में व वित्य न्याक्षेत्र तक वित्य वार्टन यह राव में श्वाय सहन हरा खेनेय स्प म्हर्म नि वह ह्यायु त्वत्या न सह वर न क्षेत्र कर ने न विद त्या के। श्चर में श्वार महिनाया अर गुराया में सामित करा में तिर मार 다 우리나다 이 존속 월드적 적도 다 온 문제 겠다'다는데 회적 명주'다고 듯'라면제'''' यम गुर हिटा। वुर स्मार क्षेत्र स्ति मानु न्द्र न्द्र हिटा से स्ति ने स्ति । एलवाय लिल वेच. ह्रेवय ह्रेट. बुट श्रव. त छ. हे. छ। कि.वव. बु. श्रव. ता श्रव माक्रांत सरामन् कुन्पर प्रातामन् यद् यद्वार्का (के 218 व) कुरामान्दार व्यक्तिक्त व्यत्तित्व प्रत्याचित्र प्रत्याम विवासी क्षेत्र विष्य विवासी विवासी विवास पहर्वाह्मक गुट् श्रेवं धाराविवं धारा पुर्ने धारा प्रमान स्वापन धारा । सहवा स्मर्पर दे द्वा वीया वार्षा व रेवा परि प्रमृद्ध व वाया पर पर्द LN4.204.22 32, 482. 462. 1 64 41 1

न्दर्भात्म नुस्का अर हेका नुष्य कुता विमुद्ध हेक हैं है। न्द में दे। अर हैल न्द मेंद इसल गैल पुर म सद् । गावत न्द कुं नैर भे तिस्स ल पहेंद दस रुस भे इस म्बन रूप पानट ट्व भे तिस स लिंद हूँ द पांत हुन है टंद ज़ूंद ह ज़ूंद हा प्रदान पान पा ज़्वान पा क्रम गुन्न पुन निर्वे के इता ना पर्ट नर्वे नर्भा है न अर ह निर्दे के हिन न्नु म मु अर्ड इंग मुल केट नेहे विर तिहन म मु नर दुम खुनाल अ मिरे एल नु या गेरे बुंद म मनुद म सुद ठद ह्वम हिते ही मंदा कुर मुम माम महरे हैन स्य वं से हिंद तह, हुस पहेब तथ बंबर, धर ख्वाय हा हू बंब तर बैंट, त वी ह्र चाय रिय. केल टेब्ब चर्च केंट केंट हिस चर्च हेट कुथ देव चर्च या छे .. अहर दस हैय ने बे बेच हे एवं के स्थाप देश है एहिर स्राध्याय स्था ब्राट्य यान्य ये विट चह ब्रे. इष चह विट यीच नहेब में १४४४ तर बिट चहेब. यते देव विष् हु मनमाद्य इस मर द्वा यते हैंस तमें ख्वाया सामें बुवास वंबन्ध्रेष्ट्रान्य पर्वेशव प्रवाश भीवर के.अक्षु ध्रम बीवाये भीटा। टे.ब्रे.रम.वैट देशव के रेट.स.लव.स पुंतान वेषा (विवासमान्द्रे केंट इसक ८८ देवार्ष्ट्र हो। विह्या हेदाविशय प्रतामित्याना है। हेल ८८।। ष्टिर सर रदा चुद कुल प्रका है अ' प्रमुख अहिंदा े प्रदेश र वा (का 218 प) गे हुद् न्यंश वल दा हिर देल हुं सं श्वाचान वा निर्मा के के हार लार हुं सं ल ब्राम्य परि क्रांच्य्वं प तक्षंच्यक्षका हे चान्य द्र हैन के रेमा प न्युट्य . 다 첫 비성 외국 스다 | 출시 회사, 외니다, 당한, 회, 외꽃, 제옷 도 최고 세월 다. 모다 थल केर इनसं'न्या। विन्यमं न्याय नुवानी तिम्रायि तहेन हेद विवयः लेर नुबाब वर मुबुदब व ल चहेद्र द्व अपियाय इंबल गुवालन लेद्र हैं रेट. म्हेब्रजीय के प्रान्याम्बर्गासुक की पुरार्कियामियामियामियामियामा

सहरा व हूंव कुल हुल कु पहंच पर्थ अपन पर्वार वृर लब अव पर्य ता रूप त्य के तर्थ की जाता पुर भ ती ईवल ८८। विर तर कील व त्रिश्वास रट विट बेनव मुख नर्बत कैंट एह्न हेरे निश्व पृष्ट कृत्य देशव . र्दि ल पहेंदि पद में पदे,तपु श्चर पटिये क्रुचिंग्लां किंट लब थ प्याप तह. कुष. हे पर. भे च नह बोर होने मेर च हें बे. हे क भी बे. च हें ब त है बे. ते .. पर पाबुद अहर दे रदे.र्ग दे चूर के हैं स पाबुद इसस के हां बहूं। खिन त वेट तर्व ज्वाय कुंबरट ज्वाप त्यापा । विव वय खेव, बर्बर बींव हुव निश्च के के आ । दे ईव अधिय देवत हूर. तबद के अप्र. देता । विवा त हुन चु म के के के या न न्यार बाय लिए का स महा मह करा। विकास मुल म स्वास गुन्न होल.च.लब.लेबो.लेबोच बे.चेबोचा विस् त हबोच नेब.कुब.त्र स बीस देव मु ७ १ वर्ष प्रप्त क्ष रत् श्रेष्ठ क्ष रहेर कुकारहिर क्षा स्था स्था प्राप्ता 토성 십.나리드,형 용석 곍.네Ĝ드,더네석 9억.ኪ.워턴스 용도 용성 다툼성 너 덩호.... लक्षायाः ह्विन्य लक्षाक्ष्य मुल ५८.५यल न्युन लन्याः स्टान्यकारमेल क्रवा सहरा हुट अर्थर. तिर्थ से (क्ष. 518 वे) तेर्या है. ट्रेस्ता में केर प्रयासेश वेश के पामहर प श्रम्य के केंदे पा लेको लिक्स मिया कुन रेटा। है रेट्रे अपन पा. हेर् या त्रेय तेप्तर तहेर् पहेर् कीय हेर सिं प्तियाचन प्रस्तर स्थित **रा** लस भक्षर जिनमा में में इस बुक्ष जिनमा मूल म र दिन महिस से में में म

में अन्त है। (निट्युं मुन्न के स्वेत्न के स्वेत्त के स्वाद् स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स् महित्य के स्वाद स्व पट्य कुयार्य पट स्ट्रिंट प्रस्त में हार हा ।

प्राप्त कुयार्य पट स्ट्रिंट के ब्राह्म द्वा के प्रस्त के के

तियान स्ट्रिक्ट कुन्न न्या मुन्न स्ट्रिक्ट कुन्न न्या मुन्न स्ट्रिक्ट स्ट्रिक स्ट्रिक

बुँग मुद्द में माबुद भेव मु अद बैद। यद तदीर बँग वार मेंद हे हुस कु बिन नी हैका नीबिट नईकाल में बूल बुँखा। ही दर पण हूं य माशिक य वि श्र <u>বিল। নাই চি রা ন বলা ন। ভূল বেলা পুতা বিশ ক্রাম বাম ত্রীম লামাম সুঁরি</u> चुैब बळेंद्र'परि प्वुट'सट य पञ्चुर पन्द सहर। हिट दम् स्वाय ग्रीय त्युट हैसंगिहेर सतट सट में खुटस दब स्टिस व गुग्त घर सूब हेद् · · · मार्ने गुर । इत्युर इत्तर में दाहें हैं। सर महीर सर्म महीर म न्दा ल्यात क्षेत्राचित् पर्सेत् दसल तसद हैतः कु दम में से क्षे मदना पस मदत ... न्यार में भूर अमें देशन स्थान स्थान। श्रेष पात हार तर पर्वेद रिज्य म ज्वेर टु.क्रेंबन। हिन्दिर त्युल मुत्र हैन्य मह प्रवृत् प्रवय व स्र सदःद्वार मेव मृ प्राञ्च के प्रशः कु वन प्रस्थ प्र सञ्ज् दि गुलुद सः ः सकेश मा । धैस सु णुव सिव्हि केंस ग्री हे इस् गा र र हें व प्व स हे स सु ट्यं तपु में दि । अहट सिल हैं वाय में अविय ता व्यव सर् श्रेट स्वाय रट खिनंब के क्रूबर चिट.तंद कुरं ल पहेरं लूट पहेरं एत्र रह्य तहार के हुत. न्यर त्युर वा यप्पा के हिया (के 220 व) र प्रन ग्न न्युका 용도·메뉴당 너리와,용요·싶네서 중신 더 더럽어 뭐.뭐.었다. 님 빛도 먹는 근 티는 다고. **新ビ.**戻.1 1

हैब.टटचंश हुंश.पंट.ं। ग्रंच शंचर्याच्य.तेथ तह.टे.क् १,७५. प्रथम हे.श्चचंश तटचंच्यंश श्वचंच्यं तेथ तह ते भ्य.तेथ.पह. प्रथम हे.श्चचंश तटचंच्यंश श्वचंच्यं तेथ तट चेचंच तह ते भ्य.तेथ.पह. प्रचित्र कुंच्यं तटचंच्यंत्र श्वचंच्यंत्र श्वचंच्यं तह ते चेचंच्यं श्वचंच्यं चेचंच्यं तह य.श्वेचंच्यंत्र हुंच्यं श्वेचंच्यं तह ते चेचंच्यं श्वचंयं चंच्यं प्रथम त्यांत्र त्यां विष्यं विष्यं सह ति स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं स्वेचंच्यं स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं स्वेचंच्यं स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं स्वेचंच्यं सह ति स्वेचंच्यं सह ते स्वयं स्वयं

पहि बह बह के कि तह देव हैं बह पार प्रदेव कें।

पहि बह वह के कि स्टार्ट वह वे बह पार प्रदेव कें।

पहि बह वह के कि से वह वह वे बह पार प्रदेव के कि से प्रदेव के कि से प्रदेव के कि से प्रदेव के कि से प्रदेव के से प्य

प्राथम प्राप्त में हैं स्वायत्य प्राप्त । किया प्राथम प्राप्त में हैं स्वायत्य क्ष्य प्राप्त ।

पर अहर प दे ग्व क हिद प सूद पति हैद हि कि द भंद है।

महिल म की तहम हेब पहुंच पर्दें मार्ड चर ही अहर मारा ।दे निविद्या में दिन्द केल पर निविद्या प्रमुख्य । जिस्सा स्वीय स्वीय स्वीय मुख यर बहर्। । दे य रेण यर पादक तर हु हु अल केंका राविर नासुहा य न्द्र स स के मार्ने मार है। सदस कुल इसस दे मान्त मु वर ध नद वसस उन अब्रिंद ता पा प्लूर तार ब्रिंद पान भी बादू में बेबा स बाबिश रूर कीर के पांख्र . रें स य यहून न्य तहेना हेन य प्र से संशुन यह है सर्वर कर् पु युर यह " पित्र प्र पर्टीर की पहला हेब तर् पर्व पर्ध पर्द या है। प्र पर्वेष पर हा अहर मल देवा महि वादल दे दवा वी वाल्ट खेवाल मह ह्वाल यर कुल मल वासुहर म वे बेर रें। । दिव गुर यर्थ कुल इस्य गुैय वे से समुद मारस स मिन् त बिर बर बिर अर तह हिर वा हे रेट हेला मेरेला चर है पह से से पर है पप स व के रूट देशे रूट हैं है देश केंग सुक्ष गुहा मेल सर के बुका सरे हैं दे न्यार न में य हे. पर्य पर अहर च हे बरब में ब की हिर क्ष क्र पा ग्युट रव यस केर सेग्य युर कु भू ८ ग्वय वया देश में व धेव है अ संग तर पंत तर हिर त ल है लेगब तर मेंबर्ग्याय अहता हरे (के 2224) रवा गुर नेवा मुदे यव सवा है नेव सु है उदाय भेद प्रकाशक स इवन गुरा 44.2. DAINE SET !!

चित्र पाष्ट्र मुद्दा क्षा विष्य त्या क्षा । चित्र वाष्ट्र मुद्दा क्षा विषय विषय क्षा क्षा विषय क्षा क्षा विषय क्षा विषय क्षा विषय क्षा विषय क्षा विषय क्षा

대한 명소 등 대 라는 (현리성 선률) 이 보고 비전는 다양, 다른 리, 및 보고 다르는 (단생) 이 보고 있다. 보고 다 하고 말다 나 보고 있다. 그 다 보고 다 되는 (판소) 합니 이 영화 다 하는 (한 학생) 이 보고 있다. 그 다 하는 (한 학생) 이 보고 있다. 그 다 하는 (한 학생) 이 보고 있다. 그 다 하는 (한 학생) 이 보고 있다. 한 학생 이 보고

활노 퓰스 회의성 오스 乡 디도 디트셔스카드 티스 디도 근석 링 이루도 선수 목 퓰스 링 रिचेत केंद इंटि खन हुन ड य बहर। ज्ट छे य खन रना यह ह हुन ने हु न् संप हिंद इंशय पर्वट्यम् ब्रिंग् केर विष्यु विषयि मा ते विष्यु है. वुँवाय अ य प्रते हुँद कॅस ळय रु दुस कुँ दिन्र यदि हु वाज प्रदिस सु ह्रियंत तारु र्युप प्रमूर केंद्र संविद्या अस कें.रेचट.सुट.बुट ह्रि प कूस. हुंद तर रेवट वसेर। वेट.केव अवस रेवट.ट्र. ई हैट त्स.रेज़ैस त हू. हेरि त गुल म सहर दे कुल मिरे खेल में कुल ल महेर। है 'निम्' जीत से पक्र र कुर्'पष्ट्रव दल मुडे'प्रहेर रुव र्पर प्रभुर म संग्र रेस प्रवेद... क्ष केष वर्ष देव तर अवर ४६४ राज के मिन तर मेर विवस परा । रेन्य यह प्याराय अक्रम मृत्य महे हैं है रेन्य नहेन मु पुरा में राहरा ब्रुट: है : अर्थ मेट : हे : ये ब्रुय प क्रं क्य पर्व इट ब्रुट के ये प्रेन प्रेन प्रेन पर्व : ज्ञांच भी में पर्यों में म्रायम कर ज र्योज ४ मिराविवा में रायर वर्षेर हुर .. कु न मह्त प्रसार दें हिदारे प्रसार हर पुना है सरे में ह हम बुन परे हर इ.बैर पथ नर्ब.बैर नर्बा र इंब.इ.वंब हर नर्थ रेय नर्ब कु र पु क व त से ल हैं के द र द र द र त र त है व स स न व व ह र दे र व पहुंद र्याय र्वि. देशस ट्रेंद. हुर त रेट उद्देश तर रजिर म देशस प्र पणि (क्र् 255 त) तमिर हूं हुंद्र वि.ल इयात क्ष टें प्रूट वंब ट्राल टेंब की प्रूट .. विदे देस न्यायदायस प्रश्नम चेना या हा व सेन पदि केंस नी विद वि हु " र्में रा देवे अधुक्र खुल के द र नु । पहुर्म दुना ने के परना नकेर पुर्वे प्रदर मुं मृंदु द्वान रेट पश्यात्र हुना त क्षेत्र त् वेश्वर हिन्य गुं क्रूब साहित्य . ब्रैंट्रिन्द्रः श्रेल पवट.रट.र्नेब्रन छब्रब्रे । रिटेंट्र ए बेंट्र लब्र बर्टेश से पर्वे मार्थे अ.सी । इताय निव मुक्त मिन हम में के प्राप्त हो । वार्ष्ट्या ८वृद्र'वयुर'ञ्च ऋँ'द्रवय प्रवेश'वय'वहंय ब्रेट'क्ट'ह'र्र्दे वय केर'न्वदः''

न्द्रेय प दे। कु'एल हैंद'य ८५व दयायकु'र्ट यहरा । १५द'कुल ब्रेटः हैरे रेटः व मझ्द र्वः मङ्ग्या । र्मा मह ब्रम्य रद ल द्वं ब्रहः रुद्धा । बर्दे १८५० पर्देर र्बेंद संग्यर देवे प्युक्त प्रमुरा । व दू रहे दे है कु द्वा वी ख्यान् क्षेत्रय छ त्त यस स्त्राद्य माम् प्त पर्वा विवास कु प्रमा प्र केर है 'बेय मान कि मान के के के वि के के के के कि हु दे. जट, बुंब, तपु केण त्रु, श्रु, जब कु. केब, टू. इट ज. तुंब, त, रेट अवेब, तर। लयन्त्राणुलाद्त्र पट्टाप्राण्य म द्रारम्य वेरामामदेद्राम अर्थेमामा पर्वेश्वाम्याम् व्यापारहरादित् हैं दें क्रयामु द्वापार स्थाप द्वाप्त हैं । प्रेश खु:5'प्र'वे यापदेटयायदे खुमायदे येया और दे र्याप्र'में खेमाया मामाय क्या ''' प्रत्याम्यानमृत्रापित्रम् विष्यक्रिया सहित्यहे निष्यामहित्यह निर्माणना इन्। अर पर्वट्या पष्टे, २.चारे अ.जुन जैर.रेजे. पर्वन, इत। इद.मुट.ईयथ. मरुल। ५५(के. ३२३ र) नबन्दार् विद्या बराम् विद्यारे रेवे रचे रचे वि भेदानुः त्रवेशायर युर। यदाक्षे देनादाय है मृत्यु दूर राह्य इत्यादया देय बिट.चर्रेचे.त.झुली बट.चु कैंटे.तप्ट.इट.ल.बट.इट.इट.खेश.त श्रुय.टें.इं न्द्रिमाम् हेद प्रे क्षेत्र वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के क्ष्य में क्ष्य द्राय पृष्टि के द्राय प्राप्त के क्ष्य द्राय मञ्जूर। ८६६ मॅटर्नु क्यामञ्जूर नुषरमहै के ते है व है या मनु र मानु र बुकानावक भूटा। ट्रेन्बान्विकाण्यटाक्ष्यक्षटार्टे पर्वेद्राताल्यं प्रवासद्वेद्राताः नेद र देन होता पहुंचा तार माना माना है होता हे दे व का के हिन हैं ने हैं

कुल मं चुराने नर रु कु द्वा ने कुल र नव सह मेरे के रूटा। दे दव गुरा न्'केषु पर पक्षेर्'त पोरंश पख्रेर्'त ला वा.४म मु मिल च्.४४ ई. 근처'미집의'처럼속'다 ଶୁବ'도드자'겠드'의 결ବ'다도 미소드'된'다'다'다는 다 띠 조찌' <u>ลี</u>นาผาๆชะานารูะายูรานลาร์ราเยูณรูาษัฐา จล ๆจุลาลธัร นาณรุรายา मक्केर्य रस सहर्। हेसर्य से से १९ मृ गुरार् र गुरार्पार पुरास्या ह्यां व क्षा इब्राह्म कु.एलबोब तथ.बैट.बैज वी.ब्रो.चु.ज ज रेचट.चर्चेर.च ब्राबंश कुंबा... चक्रेबे.त चेश्रल चर.ष्रह्र्य। अ.त्र्र.चेब.क्रेश्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चेक्र.चे श्रम्बरम् प्रत्राची पद्धव परमा है देनाव पर अहर पा पुरा कु वना छै । या ला केदा की वह हैं कुला यंद्रा में दूं मा निष्य महद्रा मह्द्रा मह्द्रा मुद्रा इत्यायान्ता पृष्वेतावृष्यत्ययाक्ष्याह्रान्यविदानविनयाय ह्यद्राह्राया ब्राच्याचर्ष्यामालानुबायकास्त्रहर्गयते कुलाया मि व्युद्धाः ५ हे हुर्यः चै पक्ष पारदेर सद्भवि के किला स्थायक कर अविव पारना रेतदा है पत्रत्यु 'खेंदे, स्थान प्राप्त वेश प्राप्त हेंदे पर पहेंदे 'प ज बेश प्राप्त षकूरं चबुबं तपूरा १५वं जिंदा में तिष टें . कूब मिण एवं विषय प्राप्त के विषय मर न्युंब (कैं। 223 म) म हें हिंहे न्युंब क्षिर नु न्ना मानुर मन्ना नि मखेर निम्नायामसार्वे अट.केल स्रातिवार हे कुराम केलाम के अबूध रेमटा 디륏지 역다 '현다'다 다 지기의 '취임 '원리' 전 기 위의 '현점' 미리다 본 미리 '월드'다' र्मन् भु स्तर पुत् केंद्र नु नियद स्वाय ग्री महत् पा दर मा दे था न्व-त्रः सद्रः रनारः देनायः स्वायः कुनः न्द्रयः नद्वे । शेषः दः वर् खुनवायव वेन हेन देगका गुमार हिम्स व विकास विकास विकास विकास

पश्चम प्रदेश प्रवास स्थान विषय प्रत्य स्थान स्यान स्थान स्य

ति. तपुर चिश्च चित्र प्राप्त चित्र चित्र

क्टान्नर्क्रं त्तर मंबेट्यं श्री।

क्षेत्र स्ता प्रदेश मंबेट्यं स्ता प्रदेश मुंद्र प्रवेद प्

क्रास्त में सुन् क्षेत्र स्वार स्वर स्वार स्वर स्वर स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स